# 

प्राधिकार से प्रकाशित १७४८/५४६२ ४४ ४० ५० ४८ १४

सं• 13]

नई विश्ली, शनिवार, मार्च 29,1986 ( चेत्र 8, 1908)

No. 13]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 29, 1986 (CHAITRA 8, 1908)

इस भाग में भिन्न पृथ्ड संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Fognitation) of the property of the property of the state of the stat

#### भाग Ш-खण्ड 1

#### PART III-SECTION 1

उन्त्र न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा शायोग

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी, 1986

सं० ए० 19014/2/85-प्रशा० 1:—राष्ट्रपतिद्वारा केन्द्रीय 'सचित्रालय सेवा के स्थाई ग्रेड । श्रिक्षकारा श्रोर संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में तदथ श्राधार पर उपसचित्र के पद पर कार्यरत श्रा जात सिंह को 31 कनवरा, 1986 के श्रपराह्म से सरकारा सेवा से मुक्त होने का श्रनुमति दो जाती है।

#### दिनांक 13 फरवरों, 1986

संव ए 32013/2/85-प्रणा० 2:--ग्रध्यक्ष, संघ लो । सेवा अत्योग एतद्द्वारा संघ लो । सेवा आयोग के कार्यालय में वरिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी (भाषा) (रुपये 1100-1600 श्री वत्० आर० मणि को वरिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी (भाषा) के अपने कल्लायों के अतिरिक्षत 10-2-86 से उक्षत पद पर नियमित नियुक्त होने तक संघ लो । सेवा आयोग के बार्यालय में संयुक्त निदेण । (परीक्षा मुधार) (रुपये 1500-2000) के उच्चतर पद के अतिरिक्षत प्रभार को संभालने के लिये नियुक्त एरते हैं।

2. श्रतिरिक्त प्रभार ग्रहण करने की श्रवधि के लिये था मिण का वेतन एफ० श्रार० 49(1) ने श्रनुसार विनियमित होगा। एम० पा० जैन, श्रवर मचिव (का० प्रणा०) संव लोक सेवा श्रायोग

कार्मिक और प्रशिक्षण.

प्रणायन सुधार, लोक्त णिकायत तथा पेंशन मंत्रालय (कार्मिक और प्रणिक्षण विभाग) केन्द्रीय ऋन्वेषण व्यरो

नई दिल्ला, दिनांक 5 मार्च, 1986

सं० ए-31016/3/83-प्रशा० 5(वि० प्रो० सं०):-राष्ट्रपति निम्तिलिखित स्थानापन्न वरिष्ठ वैज्ञानिक श्रिधिकारियों
(ग्रेड-2). केन्द्राय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय
श्रन्त्वेषण ब्यूरों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तिथि
से, उसं। ग्रेड में मूल रूप में, नियुक्त करते हैं:---

ऋ सं० नाम		पुष्टिकी नारौख
1	2	3
रार्व श्रा		
<ol> <li>के० एम० छाबः</li> </ol>	ŖΤ	12-12-80
2. एस० सी० मि <del>रा</del>	ल	10-6-82

1 --- 516 GI/85

<del></del>	
1 2	3
3. रूप सिंह	10-6-82
4. জী০ জী০ শুদ্ব	2-8-82
5. सी० एम० पटेल	6-12-82
<ol> <li>एम० सी० जोहरी</li> </ol>	29-4-84
7. वी० के० गोयल	7-5-85
~	

सं० श्राई० 22/85-सी० एफ० एस० एन०:—राष्ट्रपित श्रपने प्रसाद से डा० एम० मी० जोहरा, वरिष्ठ वैद्यानिक श्रिषकारी ग्रेड-11 (भौतिकी), केन्द्रीय त्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगशाला, नई दिल्ली को दिनांक 10 जनवरी, 1986 अपराह्म) से श्रगले श्रादेण त्या के लिये केन्द्रीय न्याय वैद्योक विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्राय श्रन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्लो में श्रस्थाई रूप से वरिष्ठ वैज्ञानिक श्रिषकारी ग्रेड-1 (श्रालोक विद्या कला) के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-31016/17/81-प्र० 1 (वि० प्रो० स०):--राष्ट्रपति निम्नलिखित स्थानापश्च वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रधिकारियों (ग्रेड-1), केन्द्राय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगणाला, केन्द्राय प्रान्वेषण ब्यूरों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तिथि से उसी ग्रेड में भूल रूप में, नियुक्त करते हैं:--

ऋ सं० नाम	पुष्टिकी तिथि
सर्वर्थाः	
<ol> <li>णा० जी० ग्रार० प्रसाद</li> </ol>	12-12-80
2. डा० ग्रार० के० भटनागर	1-4-81
3. के० वी० सम्बाशित राव	10-6-82
4. डा० एस० भ्रार० सिंह	29-4-84

के० चक्रवर्ती, उप निदेशक (प्रशासन) के० ग्र० ब्युरी

नई दिल्ली-110003, दिनांक 4 मार्च, 1986

मं० 3/44/85-प्रणा० 5:--निदेशका, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्रूरो एवं पुलिन महानिरोक्षक, विशेष पुलिस स्थापना ने हिमाचल प्रदेश राज्य पुलिस के प्रधिकारी, श्री बलवन्त सिंह नेगी, पुलिस उपाधीक्षक को दिनांक 11 फरवरी, 1986 पूर्वाह्म से ग्रनले श्रादेण होने तक केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो (पंजाब कोष्ठ) चण्डीगढ़ में प्रतिनियुक्ति परस्थानापक पुलिस उपाधीक्षक के ह्रप में नियुक्त किया है।

(ह०) अपठनीय प्रणासन अधिकारी (स्था०) केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो

#### गृह मंद्रालय

महानिदेशालय केन्द्राय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्लो-110003, दिनांक 27 फरवरी, 1986

सं० श्रो० दो० 1761/82-स्थापना: महानिदेश तेन्द्राय रिजर्य पुलिस बल ने डा० (श्रीयती) पी० प्रधान को दिनां उत्तान अग्निन स्वाद्य रिजर्य पुलिस बल में जिनिष्ठ चितिरमा ग्रिधकारी के पद पर केवल दो माह के लिये अथवा उम पद पर नियमिन नियुक्त होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, उम नाराख नक नदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

संश्रोश्दोश 20003/85-स्थापना:---महानिदेश संकेद्धं य रिजर्व पुलिस बल ने डाल मन्त्रर प्रफाक को दिनां 30 जनवरी, पूर्वीह्म से 7 फरवर। 1986 ध्रपराह्म नवः, कनिष्ठ चिकित्सा श्रिधकारी के पद पर नदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० ग्री० दो० 20003/85-स्थापना:--राष्ट्रपति जी, डाक्टर मन्त्रर अफ्का है को श्रस्थाई २व में श्रामामी श्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल में जनरल डयूटी ग्राफिसर ग्रेड-11 (डी० एस० पा०/कम्पना कमाण्डर) के पद पर 8 फरवरी, 1986 पुत्रीह्म से नियुक्त किया है।

दिनांक 28 फरवरी, 1986

मं० पा० सात 1/81-स्थापना-1-भाग 5:--इम महा-निदेशालय के ग्रिधिसूचना के सम संख्या दिनां , 16 मार्च 1983 के सन्दर्भ में।

उपरोक्त ग्रिधिसूचना के अभ संख्या—67 के अन्तर्गत ओ बो॰ एस॰ राठौर, पुलिस उपधोक्षक के कार्य भार संभालने को तिथि दिनांक 10—1—82 के बदले दिनांक 28—10—1981 समझा गए।

सं० भ्रो बो० 1812/83-स्थापताः—राष्ट्रपति ने किनिष्ठ चिकित्सा भ्रधिकारी (जी० डी० भ्रौ० ग्रेड 11) डा० गिरिश खन्द्रा, 23 वा बाहिना केन्द्राय रिजर्भ पुलिस बल को केन्द्राय सिविल सेना (अस्थाई सेना नियमायला) 1965 के नियम 5(1) के अनुसार एक माह के नोटिस को समाप्ति पर दिनांक 31-1-1986 के अपराह्म से कार्य भार मुक्त कर दिया है।

सं० म्रो० दो-1971/84-स्थापना:--महानिदेणक के०
रि० पु० बल ने डा० टी के० राय को दिनांक 24-1-1986
(पूर्वाह्म) से के० रि० पु० बल में किनण्ठ चिकित्सा श्रिधकारी
के पद पर केवल दो माह के लिये ग्रथवा उस पद पर

नियम्ति नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहुले हो उस ताराख तक, तदर्थ रूप से सर्व नियुक्त किया है।

#### दिनांक 7 मार्च 1986

सं० ग्रो० दो-1972/84-स्थापना:--- महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा डा० ग्रार० एन० कामन को दिनांक 10-2-86 से 18-2-86 तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा ग्रधिकारा के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्ते किया गया है।

> ग्रमोक राज महीपथी, सहायक निदेशक (स्थापना)

#### महानिदेशालय

केन्द्राय श्रीद्योगिक स्रका बल नई दिल्ला-110003, दिनांक 6 मार्च, 1986

मं० ई-28017/10/84-क्रानिवा-11:--पामा सुरक्षा बल के अधिकार। श्रा विजय सिंह, जो केदाय औद्योगिक सुरक्षा बल के रंगरूट प्रशिक्षण स्कुल, देवला (राजस्थान) में सहायक कमांडेंट (उप प्रजानाचार्य) के रूप में प्रतिनिय्तित पर थे का 23 फरवरी, 1986 को देशन्त हो गया। उनका नाम 25 फरवरा, 1986 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय ग्रीक्षीमिक सुरक्षा बल का नफरा से याटा जाता है।

> (२०) श्रपठनीय महानिदेशक कें ० औ०सु०ब०

#### भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ला-110011, दिनांक 3 मार्च, 1986

सं० 11/5/84-प्रशा० 1:---विभागीय प्रोन्नति समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति, निम्नलिखित सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी), को, जो कि निम्नलिखित विवरण के अनुसार प्रारम्भ में तदर्थ भ्राधार पर उप निदेशक जन गणना कार्य के पद का नियुक्त किये गये थे, भारत के महा रजिस्ट्रार के कार्यालय में इसा समय से अगले आदेशों तक पदोन्नति द्वारा नियमित ग्राधार पर स्थाई रूप से उपनिदेशक जनगणना कार्य के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं। इन श्रधिकारियों का मुख्यालय नई दिल्ला में होगा।

क सं० अधिकारा का नाम		प्रारम्भ में तदथं ग्राधार पर उप निदेशक के पद पर किस नाराध्य से	श्राधार पर नियुक्त	
·		2	पदोभित हुई 3	किये गये 4
1. পা	ग्रार०	र्पा० सोमन	31-3-1980	11/102/79-

(अपराह्म) प्रशा० दिनांक

28-4-80

2. श्री ए० के० ब्राहुजा 2-5-1980 1/102/79- पूर्वीह्म प्रशा। दिनांक 23-5-80
23-5-80
20 0 00
ひょうてん ガトル グドー デアコナイト・ウィー・ウィック・フェディ クロデース・ニーツー
उ. श्रा वी० पी० रस्तोनी 31-3-1980 11/102/79-प्रणा पूर्वीह्म दिनांक
28-4-80
<ol> <li>श्री ए० वे० बिस्यास 27-3-80 11/102/79-</li> </ol>
पूर्वीह्म प्रशा० विनांक
26-4-80

वी० एस० वर्मा, भारत ने रजिस्ट्रार

संगठन श्रौर प्रबन्ध सेवा निदेशालय (भ्रायकर) एवाने गालिब,

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी, 1986

सं० 36/10/82-प्रशा० सं० प्रे० से० नि/6208:---निवर्तन का श्रायु होने पर श्रा के० ए० हरिहरन ने जी बित मंत्रातय व्या तिभाग अर्भवारी निरोक्षण एकक नई दिल्ली में कनिष्ट विश्तेषण ये तथा वर्तमान में इस निदेशालय में प्रतिनियुक्ति पर अवर सहायक निदेशक के पद पर कार्य कर रहे थे दिनांक 28-2-86 के पुत्रीह्न से संगठन ग्रीर प्रबन्ध सेवा निदेशालय (भ्रायकर) नई दिल्ला में अपर सहायक निदेशक का कार्यभार छोड़ दिया है।

एस० एम० चिक्करमते,

भारतीय लंखा परीक्षा एवं लेखा विभाग कार्याच्य निदेशक लेखा पराक्षक

केन्द्रीय राजस्व-1

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च, 1986

सं० प्रशासन-1 का संख्या 407:-इस कार्यालय के एक स्थाई लेखा पराक्षा अधिकारी श्रा एम० एल० वर्मा, जो भ्राजकल जन कल्याण श्रधिकार। के पद पर कार्य कर रहे थे, वार्धक्य आयु प्राप्त करने के परिणाम स्वरूप 31 मार्च 1986 श्रपराह्म को भारत सरहार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जायेगे। इनका जन्म तिथि 22-3-1928 है।

(ह०) श्रपठनीय उप निदेशक लेखा परीक्षा (प्रशासन)

महा लेखाकार का कार्यालय, बिहार (स्थानाय लेखा शाखा), रांचा

रांचा, दिनांक 14 मार्च, 1986 सं० एल० ए० (प्रशासन 1/स्था 1(1)/प्राफार्मा प्रोमी० 3866:--नहालेखाहार (लेखा परीक्षा) बिहार, रांको ग्रापने कार्यालय के स्थानं।य ग्रंकेक्षणा णाखा के श्रां रखु प्रसाद गर्मा वर्तमान समय में कर्माणयल ग्राडिट में पद स्थापित हैं को दिनांक 1-11-1985 (पूर्वाक्ष) से ग्रगले ग्रादेश तक सहायक लेखा परीक्षा पदाधिकारी के पद पर वेतनमान ६० 650-30-740-द० रो०-40-1040 में सहर्ष रूपवत पदोश्रति करते हैं।

देव जत मुखर्जी, स्थानाय लेखा परोक्षक

#### महा लेखाकार का कार्यालय तथा अ० जम्मू तथा कश्मीर

श्रीनगर, दिनां 18 फरवरा, 1986
सं प्रशा 1/ले नथा भा/85-86/60(22)4911:--महा-लेबा कर वन्तू व क्षानार स्थाई म्रानान मि 25-11-85 (पूर्वाह्न)
से भगले भादेशों तक वेतनमान 840-40-1000-द०रो०40-1200 रू० में लेखा अधिकारों के पद पर सहवे नियुक्त करते हैं। श्रा एम० एल० राजदान स्थानापन्न लेखा अधिकारों के संवर्ग में श्रा योग जी दासा (ले० भ्र०) के बाद रखे जायेंगे।

ए० के० णर्मा, व० उपमहालेखाकार लेखा तथा श्र०

कार्यात्रय निवेगक लेखा परीक्षा नई विल्ला, दिनांक 6 मार्च, 1986

सं० 7295/ए प्रणासन/130/82-84:--निदेशम लेखा परीक्षा, रक्षा सेवार्ये, नई दिल्ला निम्नलिखित सहायक लेखा परीक्षा प्रधिकारियों को उनके नाम के समक्ष प्रक्षित लिखा तिथि से स्थानापन लेखा परीक्षा प्रधिकारी के रूप में भ्रावल प्रदेश परनित सहये नियुक्ति करते हैं:--

ऋसं०	नाम एवं पदनाम	कार्यालय जहां भियुक्ति की गई है	नियुक्ति की निधि
1	2	3	4
j. 의	वर्वश्री इत्श्री इस्टोप्स्थाय इस्टोप्स्थाय इस्टोप्स्थाय	विज्ञान एवम तक- नीको विभाग, नई दिल्ली में डेपुटेशन पर	10-2-1986
	० के० मजूमदार ० <b>ले०</b> ५० अ०	निदेशक लेखा परीक्ष (आयुध निमाणियाँ) कलकत्ता	

भगवान शरण तायल संयुक्त निदेशक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाए, नई दिल्ली रक्षा लेखा विमाग

ार्यालय, एका लेखा महाधियंत्रक

नई दिल्ली-110066, दिनां रु 27 फारवरी, 1986

सं० प्रकार 1/1688/5/1:—-राष्ट्रपति, भारतीय एका लेखा लेखा के, वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर—! के एक अधिकारी श्री एउठ स्वामीतायन को, रक्षा लेखा महाधियंत्रक के रूप में स्थातायन रूप में, प्रितंत 23 फरवरी, 1986 (पूर्वाह्म) में, आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

आ(र० बी० रुपूर, रक्षा लेखा अपर महाधियंत्र रु (प्रशासन)

#### रक्षा मंत्रात्य भारतीय आर्डनेंटन फैक्टरियां सेवा आयुद्ध निर्माणी बोर्ड

हल हत्ता-1, दिशाँ र 4 मार्च, 1986

संव 12/जी/86:—नार्श्वनय भिवृत्ति आयु प्राप्त कर (58 वर्ष) श्री तीव वटीचार्जी, आईव डीव एव एस कन्द्रोत्तर आफ फाइनेन्स, आयुद्ध भिर्माणी बोर्ड दिनांग 28 फरवरी, 1986 (अपराह्म) में सेवा निवृत्त हुए।

> वी० के० मेहना, उपमहानिदेश ह

#### वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्र ह, आयान एवं नियंति का कार्यालय नई दिस्त्री, दिसांच 27 फरवरी, 1986 आयान एवं नियंति ज्यापार नियंत्रण (स्थापना)

भं । 6/1520/85-प्रणाक्षण (राजः):—इस कार्यालय में श्री अमरीक सिंह, नियंत्रक, आयाध निर्यात सेवा निवृत्ति की आयु पूरी कर लेने पर 31 जनवरी, 1986 के अपराह्म में वरकारी नेवा में निवृत्त हो गये हैं।

श घर चन्द, उप मुख्य नियंत्रक, **जूते** मुख्य नियंत्रक प्रायात एवं नियंति

#### वस्त्र मंस्रालय

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

**बम्बई-20**, दिला ह 28 फरवरी, 1986

सं० 37 (6)/स्थापना-1/871:--श्रीमात राष्ट्रपति, श्री प्रेम चन्द जैंग को उन निदेशक (रासायनिक विश्रायन) के रूप में दिनां र 21 जनवरी, 1986 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई में सहबं नियुक्त करते हैं।

> अरूण कुमार, वस्त्र आयुक्त

विकास आयुक्त (हस्तिशिल्प) कार्यालय नई दिल्ली, 110066, दिनां र 28 फरवरी, 1986

सं० 34/15/83-प्रणा० 1:--अधिवर्षिता की प्रायु प्राप्त होने पर श्री बी० डी० फ्रांसिड, एम निदेश र (उत्तरी क्षेत्र) विशास अयुक्त (हस्तिशिल्म) सार्यालय, ५६ दिल्ली 28 फरवरी, 1986 के अवसाह्य में सर हारी नेवा से निवृत्त हुए।

> नीरा यादव, अपर विगास आयुक्त (हस्त्रशिल्प)

### पूर्वि तथा निपटाम महाभिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली-110001, दिना ह 14 फरवरी 1986

सं० ए-6/247 (521):— निर्वतन की आयु प्राप्त कर नेते पर, निरीक्षण विदेश ह कल हत्ता, के तार्यालय में स्थाई सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभि०) तथा स्थानापन निरीक्षण अधिकारी (अभि०) के पद पर कार्य कर रहे श्री एस० बी० पाल, 31 दिसम्बर, 1985 के अपराह्म सं सरकारी मेवा में विवृत्त हो गये हैं।

आर० पी० शाही, उप निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

नई दिल्ली-110001, दिनां रु 26 फरवरी, 1986

मं० ए-6/247 (580):—-राष्ट्रपति उप निदेशक तिरीक्षण (धातु ख) भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप "ए" के ग्रेड

श्री एस० के० पाण्डे की दिनांत 8 जनवरी, 86 के पूर्वाह्म में आगामी आदेशों तक 1500-60-1800-100-2000 रु० के वेतनमान में तदर्थ आधार पर निरीक्षण निदेशक, भारतीय निरीक्षण नेवा युप "ए" के श्रेड-1 के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री एस० के० पाण्डे का तदर्थ नियुक्ति से, नियमित नियुक्ति का दावा करने का कोई हक नहीं होगा श्रीर उनके द्वारा की गई नदर्थ सेवा उस ग्रेड में वरिष्ठना श्रीर पदोन्नि की पातना श्रीर स्थाई हरण अहि के लिये नहीं गिनी जायेगी।

- 3. श्री एस० के० पाण्डे की निरीक्षण निदेशक भारतीय निरीक्षण मेवा ग्रुन 'ए'' के ग्रेड—1 के पद पर नियुक्ति भारत संघ द्वारा दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर तीन एल० पी० एस 67/83, 68/83 और 69/83 तथा उप निदेशक निरीक्षण श्री एस० सी० आन्द दारा बम्बई उच्च न्यायालय में दायर रिट याचिका सं० 3001/83 और 35/83 जो अब दिल्ली उच्च न्यायालय को अन्तरित एर दी गई है और दिल्ली उच्च न्यायालय में लम्बित है के निर्णय के अधीन होगी।
- 4. टाटा नगर में उप निदेशक शिरीक्षण (धातु) श्री एस० के० पाण्डे ने नदर्थ पदोन्नित पर दिसां हु 8 जनवरी, 1986 के पूर्वाह्न से अस्थाई स्थानानारण के आधार पर कलकत्ता के विरीक्षण मण्डल कलकत्ता में निरीक्षण निदेशक के पद का वार्यभार संभाल लिया है। उनकी नियुक्ति अधिकाधिक 180 दिनों के लिये की गई है।

सं० ए 17011/98/76-प्र० -6:--निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निरीक्षण निदेश हैं, उत्तरी निरीक्षण मण्डल नई दिल्ली के हार्यालय में स्थाई सहाय है निरीक्षण अधि हारी (बन्त्र) प्रार्थ निरीक्षण अधिकारी (बस्त्र) के पद पर हार्य कर रहे श्री जे० के० घोष 31 जनवरी, 1986 के अन्याह्म में सरकारी मेवा में निवृत्त हो गये हैं।

> आर० पी० गाही, उप निदेशक (प्रशासन)

#### इस्पात भ्रीर खान मंद्रालय

खाम विभाग

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनां रु 5 मार्च 1986

सं० 1540 बी/ए 32014 (2-श्रां० एत)/81/19बी:— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के बरिष्ठ तक्ष्मीकी सहायक (सर्वेक्षण) श्री बी० के० बोत को अधिकारी सर्वेक्षक के रूप में उसी विभाग में विथमानुसार, 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द रो०-40-1200 ६० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमधा में आगामी आदेश होने तक 31-12-1985 के पूर्वाह्म में पदोक्षित पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं० 1547 बी/ए 32013 (2-एस० ग्री०)/84-19 बी:--राष्ट्रित जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधिकारी सर्वेक्षक श्री जी० सी० दे को सर्वेक्षण अधिकारी के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 ह० के वेसनमान में स्थानापन्न

क्षमात में आगामी आदेश होने तक 1-1-1986 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर शियुक्त कर रहे हैं।

> अमित कुणारी, तिदेशक (क्रामिक)

#### भारतीय खान व्यूरी

#### नागपुर, दिनां रु 3 मार्च 1986

सं० ए 19011 (376)/85-स्था० ए:—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिण पर श्री एम० एम० शंभर कर, सहायक अनुसन्धान अधिकारी '(अयस्क प्रसाधन) की भारतीय खान ब्यूरो में सहायण अयस्य प्रसाधन अधिकारी के पद पर दिनांक 13-2-1985 के पूर्वाह्म से स्थानापन्न क्य में नियुक्ति की गई है।

> जी० मी० शर्मा, सहायक प्रशासन अधिकारी कृते महातियंत्रक

#### भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण भारतीय संग्रहालय

कल इसा-16, दिनां ह 28 फरवरी, 1986

मं० 4-161/78-स्थापना:--वय निवर्त्तन को पूर्ण करते हुए श्री हिमाँणु नाग, सांख्यिकी, को 28 फरवरी, 1986 सायन्ह से सरणारी सेवा से निवृत्त किया जाता है।

> पी० सी० दत्ता, अधीक्षक मानव विज्ञान

#### आकाशवाणी महानिदेशालय

#### नई दिल्ली, दिलांक 6 मार्च, 1986

सं० 18/121/85-एस चारः—महानिदेशक, आराशवाणी, नई दिल्ली श्री के० आर० राममूर्यी, प्रवर इंजीनियर सहायक के सहायक अभियन्ता, की प्रवेशिय पर दिनां र 18-10-85 (पूर्वाह्म) को नियुक्त अपते हैं।

मं० 17/4/86-एस चार:---पदोन्नित के परिणाम स्वरूप निम्तालखित वरिष्ठ इंजीनियरी सहायकों ने उनके आगे जिखी तारीओं से विभिन्न आकाणवाणी और दूरदर्शन केन्द्रों में सहायक इंजीनियरों का कार्यभार ग्रहण कर लिया है:---

ऋ सं०	नाम	केन्द्र/कार्यालय	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1	2	3	4
			(पूर्वाह्न)
1. श्री	सतपाल सिह	अ(क,शवाणी, जालन्धर	31-12-85

1	2	3	4
		— -— .—	पूर्वान्ह
2.	श्री प्यारे लाल	मुख्य अभियन्ता (उत्तरी क्षेत्र )	30-12-85
3.	श्री सी० खरबन्दा	वही	10-1-86
4.	श्रीजे० के० पाल	वही	30-12-85
5-	श्रीमतीचन्द्रधान्यः मुख्	य अभियन्ता (आर० एण्ड क्री०)	24-12-85
6.	श्री के० एस० जिह्न आव	काभवाणी, सूरतगढ़	1-1-86
7.	श्री ए० सी० खुराना उ०	) शा० प्रे० आ नाण- वाणी, अलीगढ़	20-1-86
8.	श्री एन० के० मण्डल	आ हाणवाणी, रांर्च	†30-12 <del>-</del> 85
9.	श्रीडी० यू० मर्मा	आ कामवाणी, विशाखायननम	18-1-86
10.	श्रोडी० आग्रुगव आ	कामवाणी जयपुर	30-1-86
I 1.	श्री एन० सी० दन	दूरदर्शत केन्द्र, कुर्त्तियांग	2-1-86
12.	श्री एस० एप० चौधरी	एल ० पी० टी० वी गंगटो ग	29-1-86
13.	श्री एच <b>ः गोविन्द-</b> राजन,	आ राणवाणी, वंगल	र्गर 5 <b>−2−8</b> 6
14.	श्री भूपेन्द्र सिद्	दूरदर्शन केन्द्र, जालन्धर	30-1-86
15.	श्री आर० डी० हरडिकर	दूरदर्शन केन्द्र, नागपुर	1-2- <b>8</b> 6
16.	श्री बी० सी० हजारिका	आकाशवाणी, डि <b>ब्रूग</b> ङ	17-2-86

बतबीर सिंह जैन, प्रणासन उपनिदेश र कृते महासिदेश र

#### स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1986

मं० ए० 22012/4/83-के० स० म्वा० यो०-1----ष्ठा० ए० के० डे को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना कलकत्ता को बदली हो जाने के फल-स्वस्य उन्होंने 14 जनवरी, 1986 के अपराह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के श्रधीन होम्योपैथिक जिनित्सक के पद पर कार्यभार छोड़ ।दया है तथा 24 जनवरी, 1986 के पूर्वाह्म वे केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कलकत्ता के श्रधीन होम्यो-पैथिक चिकित्सक के पद का कार्यभार संभाल लिया है ।

सं ० ए० 12025/3/84-के० म० स्वा० यो०--2---स्वास्थ्य गेवा महानिदेशक ने श्री के० के० कपूर को 3 फरसरी, 1986 पूर्वीह्म से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली, के श्रधीन प्रणासिक अधिकारी के पद पर शस्थार्यी आभाग पर नियुक्त किया है।

#### दिनाक 1 मार्च 1986

सं० ए० 12015/3/84-के० स० स्या० यो०--1(भाग--1)---केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, कलशक्ता में प्रणासित्व अधिकारी के पद पर नियुक्ति हो जाने के फलस्क्य और एस० जी० गुप्ते ने 1 फरवरी, 1986 शासाह्य से केन्द्रीय सनकार स्वास्थ्य योज । , पस्विष्ठी के पश्चीर सद्यान प्रवन्ध्य प्रणात के पर या कार्यमार छोड विद्या है ।

टी० एस० राघ उप-तिदेणक प्रशासन (के० ग० स्वा० यो०)

िदल्ली दुग्ध योजना, पश्चिमी ५टेल नगर गई दिल्ली--8, दिनांक 13 दिमण्वर 1985 धादेण

सं० 6-1/83-सतर्कता---यतः श्री नत्यी लाल भेट को इस कार्यालय के दिनाक 21--2-1983 के ज्ञापन सं० 6--1/83-सतर्कता के बारोप-पत ज्ञापन अनुसार निस्तिलित कार्यप्र के लिए केन्द्रीय सिविल भेवाएं (वर्गीकरण नियंत्रण और अपीक) नियम 1965 के नियम 14 अन्तर्गत आरोप-पत जारी दिसा गया था :----

"कि कथित थीं नत्थीं लाल जब मेट के रूप में दिल्ली दुग्ध योजना में काम कर रहा था तो तह दिनांक 25-1-82 के बाद से अन्धिकृत रूप में मक्षम प्राधिकाणी की बिना पूर्वानुमति और स्वीकृति के जन्मी च्यूटी में गैंग-हाजिय हैं। अनः उस पर दिनांक 25-1-82 के बाद में सक्षम प्राधिकाणी की पूर्वानुमति और स्वीकृति बिना अन्धि त रूप में च्यूटी में गैंग हाजिय होने का धारोप लगाया है जो सरकाणी कर्मचारी के लिए अनुष्ठित है और केन्द्रीय सिविल मेवा (आचरण) नियम 1964 का उस्लंघन है।

और यतः श्री सत्य काम को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया था जिसने दिनांक 20--8--85 को अपनी रिपोर्ट (प्रति संलग्न) प्रस्तुत कर दी हैं उसमें श्री करणी लाल के विकद्ध श्रामधि- जांच रूप में इ्यूटी से गैर हाजिर रहने का लगा श्रारोप सिद्ध हो गया है। अधोहरणाक्षरी, जांच श्रधिकारी के उस निष्कर्ष से सहमन हैं कि श्री नत्थी लाल सेट श्रामधिकत हुप से इ्यूटी से गैर-हाजिर रहा है। उसको जांच कार्रवाई में उपस्थित होने के लिए श्रेजे गए कि जिनिवन ने।टिसों के बावजूद भी श्री करणी लाल जांच कार्रवाई में उपस्थित नहीटस भेजे

गए थे पर वे डाक प्राधिकारियों की निकालियित टिप्पणियों सहित वापिस था गए :---

नोहि	टम की तारीख	ा सुनवाई की	तार्रीख डाक प्राधिवासियो की टिपाणियां
1.	19-8-83	27-9-83	रजिस्टर्ड ए० ६/० इस टिप्पणी सहित कि ''गानवुझ
			ादण्यणा साहताक जानवृत्त कर <b>डिलीवरी</b> लेना टाल
			कर । इलावरा लगा टाल दिदा <sup>।</sup>
2.	15-2-84	28-2-84	बार-बार जाने पर पाने घाला
			अपने घर पर नहीं मिला।
3.	16-1-85	30185	इस गाव में इस नाम या
			कोई व्यक्ति यही पहला है ।
4.	16-4-85	25-4-85	1. इस गांव में इस नाम का
			कोई वाक्ति नहीं रहना
			हैं ।
			2. पाने चाला अज्ञात अवधि
			से स्टेण न मे वाहार है।
5.	25-6-85	15-7-85	जानवृक्ष कर डिली,धरी लेना
			टाल दिया ।

रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों और उक्त जाच रिपोर्ट के ध्यात-पूर्वक दिनार करने के बाद सधोहमताक्षरी जांच धिष्यारी के निष्कार्यों में सहमत है और धनिचार्य छप में इस निष्धार्य पर पहुंचे हैं कि श्री तथ्यी लाल नेट की सरकारी मेंग्रा में कोई हचि नहीं है और इसलिए वह सरकारों सेना में उन्हों योग्य ठींच व्यक्ति नहीं है। इस गामले के स्थां स्रोर में निष्यायों में यह स्पष्ट हैं कि चह कई अवसरों पर अपने अन्तिम उपलब्ध पने पर नहीं मिता और कुछ धवसरों पर उसने जा व्यक्तर डाक प्राधिकारियों में नीटिस लेने को टाला। एक चह आरोप के लिए दोषी पाया गया है।

श्रवः श्रवं अबोह्मताधरी केन्द्रीय सिविल मेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियमावर्ताः 1965 के वियम 11 अवर्गाः प्रदत्त अभिनयां का प्रयोग नारते हुए यथोधित और पर्याणा कारणों की महै विजय रखते हुए श्रीः वर्त्याः लाल मेट को वेदा से श्रानियार्थ मेवानिशृत्ति का दण्ड देशे हैं।

मंलग्न : जांच रिपोर्ट

हर तक्षाति दीपक जै ; उप महाप्रवन्धक (प्रशासन) अनुस्तासनिक प्राधिकारी

श्री नत्थी लाल, मेट गुपुत श्री मोहन लाल पता:---1. डी--192 ग्धुबीर नगर, नई दिल्ली---27 2. गांव---नौगांघ पो० ओ०---रामगढ जिल:---श्रलवर (राजस्थान)

#### परमाणु कर्जा दिभाग क्य और भंडार विदेशालय

बस्बई-400 001, दि तंस 6 फार्चर 1986

संव कर्शनि/41/10/85-अणाव/1576---प्रमाण् उर्जा विभाग, अप ऑप भंडार विदेशालय के निदेशालय में स्थापी भंडारी, श्री केव एनव व्याख्याल को इसी निदेशालय में दिनांक 26-12-1985 (पूर्वाह्म) में 15--2-1986 ष्ट्राप्टाह्म) तक 650-30--740--35---810--दव रोव--35--880--40--1000-दव रोव--40--1200 क्पये के वेतन्सान में सहायक भंडार शिक्षकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थार एक कए से नियुक्त विधा है। यह नियुक्त सहायक भंडार शिक्षकारी के क्या है। यह नियुक्त सहायक भंडार शिक्षकारी के की विधा है। यह नियुक्त सहायक भंडार शिक्षकारी के लिए छट्टी प्रवार की है।

#### दिनास 3 मार्च 1986

संदर्भ सं० क० शं० ि। 2/1/(20) 83-प्रणा । 1442-- परमाणु कर्जा विभाग, क्या और शंडार निदेशालय के िदेशक ने स्थायों उच्च श्रेणी विशिष्ठ तथा स्थायागक सहायक लेखागल श्री सुरेग शांतालम प्रभुझाट्ये को इसी निदेशालय में दिनांक 26-11-85 (पूर्वाह्म) में 28-2-86 (श्रपराह्म) तक 650-30-740-35-880 द० रो०-40-960 रुपये के येवसमार में महायक लेखा श्रीधकारी के पद पर तदर्थ श्राधार पर स्थाताल करा ने ियुक्ता श्रिया है।

र्बा० जी० कुलकर्णी प्रणासन श्रीधकारी

#### नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

है्दराबाद-500 762, दिनां र 24 फरवरी 1986

सं० ना० हैं० ए०/का० प्र० भ०/0703/388— इस कार्यालय की श्रीधसूचना मं० ना० हैं० स०/का० प्र०भ०/0703/2950, दिनांक 23 नवस्वर, 1985 के क्रम में लेखा महायदा श्री चु० रा० प्रभाकरन की, स्पर्य 650—30—740—35—880—द० रो०-40—960 के वेतनमान में, सहायक लेखा श्रीधकारी के रूप में तद्र्य श्रीधार पर नियुक्त दिनांक 22—5—1986 पर्यंत श्रयवा श्रागामी श्रादेशों पर्यंत— इनमें से जो भी पूर्व घटिन हो, श्रागे बढ़ाई जाती है।

जां० जी० कुलकर्णी, प्रबन्धक, कार्मिक व प्रणासन

#### इसरो उपग्रह केन्द्र ग्रन्तरिक्ष विभाग

बेंगसूर-560 017, दिनांक 24 फरवरी 1986

सं० 020/1(15.2)/86-स्थापना-I-इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक मे श्री बी० एस० नागेश राव को वैज्ञानिक/

भियन्ता "एस० को०" पर दिनांका 7 नवम्बर 1985 के पूर्वाह्म से श्रगले आदेश प्राप्त होने तक श्रस्थायी श्राधार पर श्रन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> एच० एस० राम्दास प्रशासन मधिकारो-II

महातिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ला, दिनांक 25 फरवरी 1986

सं० ए०-32013/10/85-स्था०- --राष्ट्रपति, श्रो के० एन० एस० कुष्णन्, निदेशक, उडनयोग्यता को नागर विभानन विभाग में दिनां के 11-11-1983 से अप्रयोगमूलक श्राधार पर उपमहानिदेशक के ग्रेड में नियुक्त करते हैं। चूंकि श्री कुष्णन् ने वास्तविक रूप में दिनांक 21-2-1986 (पूर्वाह्म) से उपमहानिदेशक के पद का कार्यभार संभाना है, ग्रनः उन्हें वित्तीय लाभ दिनांक 21-2-1986 (पूर्वाह्म) से देय होंगे ।

(प्राधिकार:--परिवहन मंत्रालय, नागर विमानन विभाग का दिनांक 21-2-86 का पत्र सं० ए-32013/28/85-वा० ई०)

> जे० सी० गर्ग संयुक्त निदेशक, प्रशासन कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 20 फरवरी 1986

मं० ए-32014/7/84-ई० सा०-महानिदेशक नागर विमानन निम्निलिखित त जनाकी सहायकों को (जो इस समय सहायक नक्नोकी अधिकारी के पद पर नदर्थ आधार पर कार्य कर रहे हैं) दिनांक 28 जनवरों, 1986 से और अन्य आदेण होने तक 650-1200 रुपय के वेननमान में महायब तक्नीकी अधिकारों के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं :--

<del>क</del> ्र० सं०	नाम	
(1)	(2)	

#### सर्वश्री

- ा. एन० एस० मियान
- 2. मोसल सिंह
- 3. पी० एस० वर्मा
- 4. एष० एन० अधिकारी
- एम० एम० चक्रवर्ती
- बी० ग्रार० शर्मा
- 7. पी० के० के० नायर
- श्रो० पी० खुराना

(1) (2)

सर्वश्री

- 9. जे० एस० सईब
- 10. के० ग्रार० नरसिम्हान्
- 11. पो० एस० नारायणन्
- 12. एस० वी० पटनायक
- 13. जो० सी० छाबड़ा
- 14. जागीर सिंह
- 15. के० विलायुधन—II
- 16. के० मुत्तु कृष्णन्
- 17. के० विलायुधन--I
- 18. पी० वाई० खादीकर
- 19. जे० बी० सोनार
- 20. के० नारायणन
- 21 सुरजीत सिंह
- 22. डी० भट्टांचार्या
- 23. एस० सी० सूद-I
- 24. एच० ग्रार० रंजन
- 25. एस० डी० कुमार
- 26. बी० एस० परमार
- 27. एस० सी० सूव--II
- 28. एस० के० खन्ना
- 29. पी० के० कपूर
- 30 एम० पी० चौहान
- 31. जे० एन० नाग
- 32. जे० एस० डील
- 33. नन्द किशोर
- 34. पी० के० धन्दा
- 35. एस० के० चन्दा
- 36. यागुब खान
- 37. जे॰ एस॰ सक्सेना

वा० **जय**चन्द्रन उपनिदेशक, प्रशासन

#### नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1986

सं० ए०-12025/1/84-ई० एस०--मंघ लोक सेवा आयोग की अनुशंका पर, राष्ट्रपति, श्री एस० एन० द्विवेदी को दिनांक 3-2-1986 (पूर्वाह्न) से, ऋत्य आदेण होने तकः, 700-1300 रुपये के वेतनमान में स्थान।पन्न क्षमता में उड़न-योग्यता ऋधिकार। के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्रा एस० एन० द्विवेदी को निदेशक उड़नयोग्यता, सफदरजंग हवाई ग्रह्ला, नई दिल्ला के कार्यालय में तैनात किया गया है।

> एम० भट्टाचार्जी उपनिदेशक, प्रशासन

केन्द्राय उत्पाद एवं सामा गुलाः समाहती का कार्यालय

केन्द्रीय उत्पादन श्रुटक

बंगलौर-560001, दिनांक 27 फरवर्। 1986

मं० 1/86—मुझे, केन्द्राय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 नियम 5 के प्रन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग करते हुए मैं, एतद्द्वारा केन्द्राय उत्पाद शुल्क के सहायक समाहर्ता को केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियमावली, 1944 के नियम 173एच के श्रन्तर्गत उनके सम्बन्धित क्षेत्राधिकार के ग्रधान समाहर्ता के शक्तियों का प्रदान करता हूं।

सुकुमार शंकर समाहर्ता

समाहतलिय वेन्द्रीय उत्पाद शुलक

नागपुर, दिनांक 5 मार्च 1986

सं० 4/86—सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के पद पर पदोक्षत होने पर श्री पी० श्रार० जोशी, श्रधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समृह 'क' ने सहायक समाहर्ता नागपुर के पद पर दिनांक 16-2-86 को श्रपना कार्यभार ग्रहण किया ।

श्रार० के० ग्रादिस उप समाहर्ता (कार्मिक ग्रीर स्थापना)

#### केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1986

सं० 3-737/86-स्था० (स्रनु०)--श्री एच० एल० वर्मा को दिनांक 31-1-86 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर सामान्य केन्द्रीय सेवा समूह (ख) (राजपविद) वेतनमान रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- में श्रह्थायी तार पर नियुक्त किया जाता है।

#### दिनांक 5 मार्च 1986

सं० 3-738/86—स्था० (अनु०) — श्री एन० सी० गेरा को दिनांक 7-2-86 (पूर्वाह्र) से फेन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर ग्रामान्य केन्द्रीय सेत्रा समूह "ख" (राजपवित) वेशनमान रुपपे 650-30-740-35-810—द० रो०-35-880-40-1000—द०रो०-40-1200/- में ग्रह्थायी तौर पर नियुक्त किया जाठा है ।

एस० के० दास मुख्य ग्राभियन्ता एवं सदस्य महरी जिकाम संवालय

नगर एवं ग्राम नियोजन संगठन

नई दिल्ली,-110002, दिनांक 5 मार्च 1986

कि संग्रासन—प्रथमका नगर एवं ग्राम क्रायोजन संगठन ने श्रीमती उमिला दत्ता, श्रनुसंधान रहाय ह की रहायण प्रश्रीमास्त्री (जिल् सिल्एसल ग्रुप की राजरित्रत) के पर पर 21-2-86 (पूर्योह्न) से श्रीमता श्रादेश जारी होने उहा ियुक्त रिया है।

> बि० च० शिगत प्रशासनि । अधिकारी

#### निर्माण महानिदेशालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

सई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1986

ग० 33/2/83-ई० मीं oIX/—मण्डू ति महर्ष संव लोह नेवा आयोग के जिन्निलिखित असियों को उद-प्रास्तुकों के प्रम्थायी पदों पर सामान्य सिविल सेवा ग्रुप कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में रुपये 700-40-900-द० रोज-40-1100-50-1300 के वेदनमान में (ग्रिटिंग्कित भन्तों सहित) सामान्य नियमीं एवं अतीं पर प्रत्येक के सामने दर्शायी दिथियों से नियुक्त गरते हैं :—

া. श्री बी० के० चक्रायनी

2-1-1986

2. श्री नवनीत

23-1-1986

2. इन्हें नियुषित दिश्यियों से 2 वर्ष की स्रवधि के लिए परिवीक्षा पर रखा जाता है।

> पृथ्वी पाल सिंह प्रकारन उप-निदेशक

#### केन्द्रीय विद्युक्त प्राधिकरण

नई दिल्ली-10066, दिनांक 27 फरवरी 1986

सं० 22/2/86-प्रभा०-I(ख)---इस सायित्य की अधि-सूचना स० 127/86, फाइल सं०-22/2/86-प्रभा०-I (ख), पिरी 11 फायरी, 1986 में आंगिए संगोधन १९ते हुए थी बीठ मीठ जीभी की नियुष्टि की टारीख 30-1-1986 के स्थान पर 31-1-1986 पढ़ी जाए।

> आर० शेपादि श्रदर रिच्व

उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनीलॉ बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 औं। गार्डन साईट्स एण्ड होम काफ्ट्र प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1986

सं० 14311/560(5)— कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि गार्डन साईट्स एण्ड होम कापट्ध प्राइवेट लिमिटेड हा नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विधिटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मूर्वि मेकर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

क्लभना, दिनांक 24 फरवरी 1986

सं० 24681/560(5)— कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मूर्वि मेकर्स प्राईवेट किमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटिक हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बी० बी० जी० इंजीनियरिंग इण्डम्द्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में एलक्सा, दिनांह 24 फरवरी 1986

सं० 26682/560(5)— क्रम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सुचना दी जाती है कि बी० बी० जी० इंजीनियरिंग इण्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई हैं।

टाम्पनी अधिनियम, 1956 और ए० एम० **इलेक्ट्रानिक्स** प्राईवेट विसिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1986

मं० 33742/560(5)—हम्पनी श्राधनियमः 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्हारा सुचना यी आती हैं िए ए० एग० इलेक्ट्रानिक्स प्राईवेट निमिटेड का पाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कमानी विषटित हो। यह ही ।

> क्मानी अधिनियम, 1956 और पी० ए० मेनिजमेट क्नमन्त्रदेंद्व प्रार्थवेट निमिटेड वे विषय में कन्यकता, दिनांक 24 फरवरी 1986

मं० 21517/560(5)—-क्रम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धरार 560 की उपधार (5) के श्रनुसरण में एद्द्वारा सुचना दी जाती है कि पी० ए० भैनेज मेंट क्यसलटेंटरा प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उनत कम्पनी विघटित हो गयी हैं।

कम्पनी अधिनियम 1956 ऑ'र राँचि टुल्स मैन्युफेक्चरिंग कं० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

क्लकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1986

सं० 24522/560(5)— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एउद्द्वारा सूचना वी जाती है कि रांचि० दुलस भैन्युफ्रैक्चरिंग कं० प्राइवेट लिभिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई हैं।

कम्पनी प्रधिनियम 1956 ग्रीर बनारसीलाल सुनझुनवाला प्राह्वेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1986

सं० 21067/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा भुषना दी जाती है कि बनारमीलात झुनमुनवाला प्राइवेट लिमिटेड का का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त रूमानी विघटित हो गई है ।

रम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रीर वायलजिक्छ २,५५,ई कनसर्ने प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1986

मं० 21059/560(5)——समानी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एउद्हारा सूचना दी जाती है कि बायलिककल सप्लाई कनसाने प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है ।

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रीर के० एल० वासु एण्ड कं० (स्टीलस) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1986

सं० 25095/560(5)—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एउद्द्वारा भूचना दी जगती है कि के० एल० वासु एण्ड कं० (स्टीलस) प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है ।

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रीर श्राइडियल नेशनल डवेलपेमेंट सिडीकेट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनाँक 24 फरवरी 1986

सं० 14275/560(3)—कम्पनी अधिनियम , 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जानी है ि इस नार्रा असे तीन भान के अवनर पर आईडियल नेणनल उजेलामेट निडिकेट प्राइवेट लिनिटेड का नाम इलके प्रतिकूल कारण दिणित न किया गया तो रिजिस्टर से काट दिया जायगा और उनन कम्मनी विधटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रीर फिलिप एण्ड कं० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनाँक 24 फरवरी 1986

मं० 19108/560(3)—कम्पनी अधितियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुपरण में एउद्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माप के अवगर पर फिलिप एण्ड कं० प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त भम्पनी विधटित कर दी जायेगी ।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर प्लानढारम गाइड एण्ड सम्लाई कं० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कल हता, दिनाँ ह 24 फरवरी 1986

सं० 10468/560(3)--कम्पनी श्रिधिनयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्हारा यह भूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मान्न के श्रवतर पर स्वानढारस गाइड एण्ड सप्लाई कं० प्राइवेट विमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिख्त न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा श्रीर उक्त अम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर देम्पल नरसिंग होम प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनाँक 24 फरवरी 1986

सं० 30567/560 (3) कम्पनी ग्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर ढेम्पल नर्रास्म होम प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिशा न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनो विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम स्राजमेरी कम्पनी प्राइवेट लिमिटड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनाँक 24 फरवरी 1986

सं० 21612/560 (3) कम्पनी अधिनियम 1961 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुप्रण में ए द्वारा यह सूचना दी जीती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसर पर ग्राजमेरी कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी ।

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर बेगल स्टेशनरी कं० प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1986

सं० 24284/560 (3)—-कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा 3) के श्रनुसरण में एतव्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस नारीख से तीन मास के श्रवसर पर बेगल स्टेशनरी कं० प्राइवेट लिमिटेश का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा श्रीर उक्त कम्पनी विधटित कर दी जायगी !

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 ग्रौर कानाइपुर डेबलोपमेंट कनसर्ने प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलक्सा, दिनांक 24 फरवरी 1986

सं० 27343/560(3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर कानइपुर डेबलोपमेंट कनमर्न प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी ।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 ग्रौर श्रालाड्रो प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलक्ता, दिनौंक 24 फरवरी 1986

सं० 23842/560(3) -- कम्पनी स्रिविनयम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह भूचना वी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर आलाड़ों प्राइवेट लिमिटेंड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया सो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जायगी ।

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 श्रौर भौमिक एजेंसी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1936

सं० 27612/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुमरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसर पर भौमिक एजसिज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशिक्ष न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जिल्लगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर श्रादिवासी पाइन्स एण्ड इण्डस्ट्री लिमिटेड के विषय में ।

कलकता, दिनांक 24 फरवरी 1986

सं० 30636/560(3)--कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्कारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसर पर प्रादिवासी माइन्स एण्ड इण्डस्ट्री लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और चैरंगी प्रेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1986

सं० 27410/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतव्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसर पर चैरंगी प्रेंस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया या तो रिजस्टर से काट दिया जायगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी ।

कस्पती श्रधिनियम, 1956 ग्रौर गंगा सागर राइस मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में ।

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1986

सं० 18572/560(3)—-कम्मनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारायह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माम के अवसर पर गंगा सागर राइस मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी ।

कस्पनी अधिनियम, 1956 श्रौर ग्लेमार पद्मलिसिटी श्राइवेट लिमिटेड के निषय में !

कलकत्ता, दिनांक 24 फरवरी 1986

सं० 24231/560(3)—-कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसर पर ग्लेमार पब्लिसिटी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिंगत न किया गया तो रिजिस्टर से काट दिया जायगा श्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायगी ।

डी० के० पाल कम्पनियों का रिअस्ट्रार (पश्चिम बंगाल) प्ररूप बार्षं टी. पुन. पुर .------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

#### कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, विलांक 10 जनवरी 1986

निदेश सं० 37ईई/1673/85~36---अतः, मुझे, अभिल कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)। (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव विल्डिंग संव ए वी, गोडाऊन + कार पारिंग के ताथ में पूना है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबढ़ अनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप ने विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय सहायदा आदकर आयुक्त किरीक्षण अर्जन रेंज में, रिजिस्ट्रीकरण अधिक्रियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीय, दिनांच अगस्त, 1985,

को पूर्वियत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच ऐसे अंतरिक के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में सास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुए कि बी बास की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने की अंतरक की दामित्य में कभी कारने या उससे अचने में सुविधा के लिए; कींट/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर जिधिनयम, 192-2 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धल-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

बत् अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ण के वप्सरण में, में उक्त विभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :---

- (1) मेरार्स कुंदन एमोसिएट्स बिल्डर्स एण्ड प्रमोटर्स, 11 राहुल अपार्टमेंट्स शंकरणेठ रोड, पूना-2। (अन्तरक)
- (2) श्री कुन्दनमल झुम्बरलाल कटारिया 11, राहुल अपार्टमेंट्स शंकरणेठ रोड, पूना-2। (अन्नरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए क प्रवाहियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्भाध में कीई भी बाक्षेप अ---

- (क) पस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीं हैं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामीस से 30 दिन की सबिध, को भी
  विधि सार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, है, वहीं मर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### **ग्रन्**म्चौ

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कि० 37ईई/1673/85-86 जो अगस्त 85 को सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा गया है ।

> अनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेज, पूना

दिमांक : 10-1-86

प्रकण वाहरे.टी.एन.एच.------

# बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-त (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

#### कार्यालय, बहायक वावकर वायुक्त (निर्देशक)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटला, विनांक 13 फलवरी 1986

निदेण मं० III/1201/अर्जन/85--86---अतः, मुझे, दुर्गा प्रसाद,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर चम्पीत, जिसका उचित बाचार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० थाना सं० 9, तोजी सं० 227 खाना सं० 316, प्लॉट सं० 825 है, तथा जी मांजा सादीकपुर योगी, थाना कं हड़बाग, जिला-पटना में स्थित है (म्रीए इसमे उपाबद्ध अनुसुची में भ्रीर पूर्ण कर से बाँणत है), रिजस्ट्रीय ती अधियारी के कार्यालय, बैंगाली में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-6-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और जुमें यह विश्वास करने का कारण है कि यचाप्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके व्यमान प्रतिपत्त से एसे व्यमान प्रतिपत्त का पन्द्रह प्रतिघत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण अव्तर के बास्तिक कम से किश्य महाँ क्या बना है —

- (क) अन्तरक वे हुई किवीं बाव की गायस कर क्या अर्जिदिवस के जनींन कर दोने के बाखरण तें वाजिस्त में केनी करने या बढते वचने में सुविधा से सिक्; बॉर/धा
- (क) एर्ती किसी बाय या किसी धन या वस्त कास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया चया या वा किया जाना वाहिए जा, क्रिया से स्विधा के लिए;

भरः भव, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुनरण कों, मीं, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की अपधारा (1) को नृभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--- (1) जन प्रपुरी सह ारी गृह िर्माण समिति लि॰ पटना, पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्री जन्द्रदीय िह उर्फ दशई सिंह पे० स्व० यदुसन्दर्भ सिह सा०--दौलतपुर, थाना-गौरीचक, जिला-पटना । (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्बन के दिनए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

#### उक्त तस्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बालेंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित- व्यथित किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः - इसमे प्रयुक्त जब्दों और पश्चों का, जो उक्क विधिन नियम को अध्याय 20-क में परिआधित हैं, वहीं कर्क होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

#### अनुसूची

जमीत जिस के रक्का 2140 बर्गफीट है जो मीजा सादीकपुर योगी, थाता-कंकड़बाग, जिला-पटना में स्थित है एवं जो पूर्णरूप ने विसका संख्या-5003 दिनांक 20-6-85 में वर्णित है तथा कितका विबंधन जिला अवर निबन्धक बैसाली के द्वारा संपन्न हुआ है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 13-2-86

प्रस्प बाइ', टी. एत. एस.,-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थना

#### मारत सरकार

कार्यांचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत, पिहार, पटना गटना, दिनांक 12 फावरी 1986

िदेश मं शा/1190/55-8 --- शाः, मुझे, दुर्गा प्रताह, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित गणार भूका 1,00,000/- रा. सं अधिक ही

श्राँर जिसकी मं० प्लाट 2054 पी० श्रो०, 2067 पी० श्रो०, 2061, पी० 2059, पी०, 2697, खाता मं० 506, 506, 50 516, 518, तांजी मं० 16 थाना मं० 40 है तथा जो जिला पटना में स्थित है (श्रांग इससे उपाबद्ध अनुमूर्वी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), पिनस्ट्रीय त्ती अधिकारी के कार्यालय बलदत्ता में रिजस्ट्रीय अधिकारी के कार्यालय बलदत्ता में रिजस्ट्रीय अधिकार 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-6-85

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्र है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्त्रीयत स्थिति वर अचित अपार मृत्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंवरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उन्त बंतरण निम्निलिख ने विषय एसे अन्तरण के निम्निलिख के से अधिक हों किया गया है :---

- (क) अन्तरण वं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के संधीन कार दोने के अन्तरक के स्वित्य में कमी करने या उससे बचने में स्वित्रध्य के लिए; अरि/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या अकत अधिनियम, रा भन-कर अधिनियम, रा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अहे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नमूर्ते किया गया या किया जाना चाहिए था, हिप्पान स्ता ना कर राज्य सिष्टा

**वत: वब, उक्त अधिनियम कौ धारा 26**9-ग **कै अनुसरच** मों, में', उक्त अधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत्:-- (1) श्री म्याम अस्यत शाय, भौतिया दोला, मुप्ताक्ष्म अद्युक्त ।

(अन्तर्क)

(2) आधुपिक सहस्वारी गृह भिर्माण समिति भिष्मिटेड द्वारा पिरेन्द्र कुमान, सन्तिन, बेली रीड, भागा-1।

(अन्तरिती)

को यह स्चला जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ए---

- (क) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तार्क्ष थे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के हामपुत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन के भीतर अवत स्थावर मंपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य ज्ययित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा मकरों।

#### अनुसूची

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राप्ति हारी सहायक आयावर आयुक्त (िरोक्षण) अर्जन एटिक्षेत्र, बिहार, पटारा ।

दिनांक : 122-88

सोहर:

**श्रूप**्र बार्द्र . टी. एस. एस्. : - : - : -

## नाथकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सभीन स्थन।

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जेप परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनोंक 13 फरवरी 1986

निवेश मं० III/1191/अर्जन/85-86--अनः, मुझे, दुर्गा-प्रसाद.

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भ्रांर जिसकी मं० खाता सं० 312 खसरा सं० 2718 है, तथा जो मीजा दिग्धी कला, थाना—हाजीपुर, जिला बैगाली में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण कर से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्म अधिकारी के कार्यालय बैगाली में रिजस्ट्रीकर्म अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 19—6—1985,

को पूर्वोक्त सम्पर्णि के उचित्त बाजार मून्य से कम के ब्रह्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह बिस्तात करने का कारण है कि युवापूर्वोक्त संपृत्ति का उचित् वाचार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का प्रसाह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल निम्नितिबित उद्देश्य से उच्छ अन्तरण बिवित में बास्तविक इय से कवित मही किया वया है ।

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियब के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/सा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सविधा के लिए;

कतः अव, उचत विभिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण हो, में, उचत विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को वधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रो ठाकुर विह् पे० स्व० महावीर जिह्न सा० दिग्धी कला, थाना—हाजीपुर जिला-वैद्याली। (अन्तरक)

(2) णुलभ सहकारी गृह निर्माण समिति हाजीपुर द्वारा सचिव, श्री राजेन्द्र कुमार श्रीवास्तय, हाजीपुर, जिला बैणाली ।

(अन्तरिती)

को यह शुक्रमा थारी कृरवी पूर्वोत्रत सम्पत्ति को वर्जन के सिध् कार्यवाहियां कारता हो।

#### बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासोप:--

- (क) इत स्वना के रावपण में प्रकाशन की शारीय के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील सं 20 दिन की अविध, जो भी अविभ बाद में रूपप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीत है 45 दिन के भी पर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरण: --- इसको प्रयुक्त संस्थों औद पदों का, को उनके संभिष्यम के सभ्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं क्षे होगा को उस सभ्याय में दिया भवा हैं।

#### प्रमुसू भी

जमीन जिसका रकवा 4 कहा है जो मीजा दिग्घी कला थाना हाजीपुर, जिला-बैग्शाली में स्थित है एवं जो पूर्णरूप में विसका संख्या-4850 दिनां 19-6-85 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निवन्धक बैगाली के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्रविद्यासी बहायक आयकर आयुक्त (वि.रीक्षण) अर्जन पश्किब, बिलाय, पटना

दिनांक : 13-°-1986

में(हर 🗈

इस्य बाह<sup>र</sup>.टी एनः एस<sub>ः,</sub>------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (१) को सभीत सुचना

#### नारतः सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना ृपटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश सं० III/1192/ग्रर्जन/85-86-- ग्रतः, मुझे, हुर्गा-प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विच्चात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिः जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं होल्डिंग सं 646/506 पुराना नया 506/53, स्किल सं 13, प्लॉट सं 588, तौर्जा सं ~10723 है, तथा जो जनक किशोर रोड, कदमकुश्रां, जिला-पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसुनी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, पटना में रजिस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 19-6-85,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य ते कम के रूपमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अकारण में शुर्च किसी मान की नागत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की वायित्य में कभी करने या उससे नचने में सुविधा थे लिए: और/का
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त जिनियम, या अनकर जिनियम, या अनकर जिनियम, 1987 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने भे सिवया के सिए:

जतः वद, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उपन अधिनियम की भारा 269-थ की उपधार (1) के अधीन, निम्किनियत व्यक्तियों, अर्थात् :---3---516 GI/85

- (1) श्री लक्ष्मी निकास राम प्रे० रामजी राम सा० न्यू आक बंगला रोड, पटना । (ग्रन्तरक)
- (2) डा० राज किशोर सिह्ना पे० स्व० साध् शरण सिह्ना, सा० मराची, थाना पुनपुन जिला—पटना। (ग्रन्सरिसी)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्धन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ::---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाधन की तारीच से 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वह सूचना की तामीत से 30 दिन की अविष्, को सी अविष वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियाः
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की दारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबय्य किसी अन्य व्यक्ति व्याय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकींगे।

स्वक्यकरणः इसमे श्रमुक्त काम्यों और पूर्वों का, जो उससे अधिनिक्स, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या देश

#### वनसर्वी

जमीन मय मकान जिसका रकवा 5 कहा 10 धूर है जो जनक कियोर रोड, मोहन्ता कदमकुद्यां, जिला-पटना में स्थित हैं एवं पूर्ण रूप से वसिका सं०-4367 दिनांक 19-6-85 में विजत है तथा जिसका निबन्धन जिला ग्रवर निबन्धक, पटना के द्वारा सम्पन्न हुन्ना है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आपवार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक । 13-2-86 मोहर । प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना
पटना, दिनांकः 13 फरवरीः 1986

निदेण सं० III/1193/श्रर्जन/85-86--श्रत:, मुझे, दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० थाना सं० 482, खाता सं० 270, 476, 35 खसरा सं० 2685 (पुराना), 3888 (नया) 2665 (पुराना) 3837 (नया) है तथा जो मौजा पैंगमपुर, थाना कांटो, जिला— मृजफ्फरपुर में स्थित है (भ्रौर इससे उपबाद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीयता श्रिधकारी के कार्याक्तय, मृजफ्फरपुर में रजिस्ट्रावरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनों हा 19-6-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रशिप्तन के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एटे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्निविति उद्योच्य से उक्त अन्तरण किवित में बास्त्रिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः उत्र उत्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ■ , भे , उक्रत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (†) ■ अधीन, जिम्लोलियस व्यक्तियों, अर्थास ;——

- (1) श्र. राम राज सिंह पे० स्व० श्र. क.त सिंह, सा० सरहेरिया, थाना दावात, जिला-रोहताम हाल पता--- ब्रह्मपुरा थाना, जिला-मुज्जपफरपुर । (श्रन्तरक)
- (2) श्री राजीव रंजन एवं श्री रंजन तथा प्रिय रंजन पेसरान रामाश्र्य प्रसाद सिंह, सा० बिरपुर थाना—कांटी, जिला मुजक्फरपुर।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्दिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

जमीन जिसका रकवा 4 कट्ठा है जो मौजा पैंगमपुर थाना—कांटी, जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है एवं जो पूर्णरूप से विसका संख्या—11747 दिनांक 19-6-85 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक, मुजफ्फरपुर के द्वारा सम्पन्न हम्रा है ।

> दुर्गा प्रसाद संक्षम प्राधिकारी सहायकः श्रायकंर श्राधुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, प्टना ।

विनांक : 13-2-86

#### प्रकार बार्ड , टी. एव. एस. ----

#### मायकर अर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-म (1) में संबीध स्वता

#### माइत बहुकाह

#### कार्याक्षक , सङ्घायक भागकर बावुक्त (निहासिक)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

मिदेश सं । 111/1194/अर्जभ/85-86--अत:, मुझे, दुर्गा प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु?). अर्थ भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुस्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रीर जिलकी तं० थाला पं० 14. ताँजी सं० 227 खाता सं० 227, खसरा सं० 132 एवं 123 हैं, तथा जो थाना, आनम्गज, जिल.—पटक में स्थित हैं (भ्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्री कि अधिकारी के कार्यालय पटका में रिजस्ट्रीकरण अधिक्रिम, 1908 (1908 का 16) के अधीक, दिनां रु 10-6-85,

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेकों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क्त) अन्तरण से हुई किसी आय की बाक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेषनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निह;

अतः अवः, उक्त अभिनियम कौ धारा 269-ग क अनुसरण में, र्यः, उक्त अभिनियम की धारा ७७9-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निजिसित व्यक्तियों ुं शुक्षीस् क्ष--- (1) पूर्वी अणो ह नगर सह ारी गृह निर्माण समिति लि०, द्वारा सचिव, विमलाभन्द प्रसाद, पूर्वी अणोहर सगर, कंकड्वाग, पटना।

(अस्तर्भा)

(2) इन्द्र प्रस्त सह जारी गृह निर्माण समिति लि॰ द्वारा सचिव वैद्यनाथ सिंह, खजांची रोड, पटना। (अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन क लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमील जिसका रक्तवा 95 डीशमल है जो थाना हालमगज जिला पटमा में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप में विसका संव 4055 दिनांक 10-6-85 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्ध है, पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गाप्रशद सक्षय प्राधि ारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना ।

दिनांक : 13~2~86

#### भक्त नाह<sup>र</sup>. टी<sub>.)</sub> युन्<sub>..</sub> दुव<sub>.:</sub> ------

# नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) से नधीन सुधना

#### भारत करकार

#### कार्यांक्रम, तहायक बायुक्त वायुक्त (निर्दोक्तण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेश मं० III/1195/अर्जन/85-86---अतः, मुझे, बुर्गा-प्रसाद,

आयकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाकार मूच्च 1,00,000/- का से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० थामा मं० 2 खाता सं 241, तौजी सं० 5123, प्लौट सं० 2369 है, तथा जो मीजा मैनपुरा (रमन बाग) थामा—कृष्णापुरी, जिला—पटना में स्थित है (प्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप में बर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटना में •जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 27-6-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाच करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का उच्चित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का उच्चित का उचित का उच्चित का उचित का उच्चित का

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, उचत विध-नियम के अभीन कर वोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उद्यम बचने में स्विध्य के निर्देश; विद्र/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियाँ को जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधीयनार्थ बंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण है, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की ध्यधारा (1) की अधीन, निम्नसिकित, व्यक्तियों, वर्धात् ■—

- (1) श्रीमती सूरजमणी देवी जाँजे श्री रमाकान्त शर्मा सा० डा० अमहरा. थाना-बिहटा, जिला पटना । (अन्तरक)
- '(2) श्रीमती उषा गुप्ता जौजे सरोज क्रुमार गुप्ता मो० गांधी०थ, मिठापुर, थाना गर्दनीबाग, जिला---पटना ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

#### सम्बद्ध सम्बद्धि के वर्षन के संबंध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश चै 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, को ची अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत इंपारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में से किए का सकोंगे।

क्षांच्यां करणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, यो उक्त जीधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं वर्ष होगा यो उस अध्याय में दिक्स यह हैं।

#### धनुसूची

जमीन जिसका रकवा 2 कट्ठा है जो मौजा मैनपुरा (रमनबाग) थाना, कृष्णापुरो' जिला-पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से विसका संख्या 4589 दिनांक 27-6-85 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक, पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन (रिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 13-2-86

#### शक्य नाइ<sup>1</sup>.टी.एन्.एस.. ......

#### नावकर निवित्यम, 1,961 (1961 का 33) की भारा 269-व(1) के नभीत सुचनः

भारत सरकार

#### कार्यासम, सहायक जायकार आयुक्त (दिन्यीक्षाम्)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निदेशक सं० III/1196/अर्जन/85-85--अतः, मुझे, दुर्गा प्रसाद.

कावकार मिशिनममं, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें इसमें प्रमाद 'उन्दा मिशिनमं कहा गया हैं), की पाटा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० प्लॉट सं० 705 पुराना होल्डोंग सं० 223, वार्ड सं० 5, हाल होल्डिंग सं० 364, वार्ड सं० 8 है, तथा जो मो० मालवीय मार्ग, वडम बाजार, जि० हजारीबाग में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण क्यान विणित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हजारीबाग में राजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनां ह 3-6-1985,

को पूर्वोक्त सम्मंति के उचित बाबार मृश्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गढ़ हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित आजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंक्ष्रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे संस्था के जिए यस पाना नवा प्रतिफल निम्मिनिचित उन्होंस से उच्च अन्तरन सिचित में बास्तविक रूप से किंचित महीं किया नवा है ह--

- (क) अन्यरण संहुदंशियमी श्राय की नायस, उपस् महिनियम भी सभीन कर दोने के सन्दर्श औ सामित्य मों कभी करने या उदसे नमने में सुनिधा से जिद्दा और/बा
  - (ण) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य वास्तियों को विषयं भारतीय वायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिनियम, वा भन-कर अधि-भियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वस्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिब था, किया वो स्विधा वी तिए;

कता वर्ष , उक्त विभिनियम की भारा 269-व को बन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:— (1) श्री युवा लाल मंगवाल पे० बाबू गांगा बक्स (स्वर्गीय) ता० वडम बाबार, हजारोबाग।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गिनिया देवी जॉजे श्री भौरी लाल जैन, सा० बडम बाजार, हजारीबाग,

(अन्त रिती)

का श्रह सुषमा धारी करके प्रशेषत सम्मृतिः हो वर्षाय में सिश् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

जबस्त संपरित को अर्थन का संगंध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वै 45 दिन को अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त योक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति युवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वाक्षरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दां और पदां का, जो उक्त जीवन नियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ अर्थ होगा, को उस अभ्याय में दिया गया है।

#### **अ**भ्√ूची

जानि मय मकान जिसका रकवा 1 कहा 12 धूर थ 4 धूरकी है जो मालबीय बाग, बडम बाजार, जिला हजारीबाग में स्थित है एवं जो पूर्ण स्थ से वसिया संख्या 8479 दिनांक 3-6-85 में विणित है तथ जिसका विबन्धन जिला अवर निबन्धक, हजारी बाग के द्वारा संपंत हुआ है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत, बिहार, पटना

दिनां क्ष : 13--2--1986

#### प्रकृत बाह्य हो , सुन , सुन , कार्यकार कार्य

भाषकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाह्र 269-भ (1) के बभीन स्वना शास्त्र वरकार

कार्यासय, बहारक बायकर गायुक्त (रिक्टीक्स)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिमांक 13 फरवरी 1986

निदेशक सं व्धाः । 1197/अर्जन/85-86--अतः, मुझे, दुर्गा प्रसादः

वायकर गणिनवर्ग, 1961 (1961 का 43) (विन्ने प्राची दशके परनाष् जनत शीवित्रवर्ग नहा नवा है), की नास्त 269-व के नवीन शक्षण प्राणिकारों को वह विक्रमांच करने का कारण है कि स्वाचर सम्पत्ति, विसका उचित वाबार मुख्य 100,000/- रु. से गणिक है

श्रौर जिसकी सं ० प्लॉट सं ० — 762 (पार्ट) होस्डिंग सं ० 722/401, सिकल सं ० 6 हैं, तथा जो एक्जबोशन रोड, थाना — गांधी मैदान, जिला पटना में स्थित है (श्रौर इसे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), पिनस्ट्री ति अधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्री शरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 18-6-85

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के अधित वाचार बृक्त वे काम के कायजाब मितफल के लिए अन्तरित, की गई और सक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उतके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिस्त से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे कन्तरण के लिए स्थ पाया नवा शितफ से, विस्नितियों के सीच एसे कन्तरण के लिए स्थ पाया नवा शितफ से, विस्नितियों के सीच पहले के उपसे वन्तरण विविद्य में बास्तिविक रूप से किथिस नहीं किया गया है :---

- (क) मन्दरन वे हुए कियाँ यान की वालक, क्या वहिंद्दिक्य के वयीन कर दोने के सन्वयंत्र के वहिंद्दिक को कती करने वा क्या वसमें की द्विता के किया; क्या/मा
- (व) एवी किसी नाम मा किसी पन मा नाम नाक्तिमाँ नो, विष्टू भारतीय कान-कर व्यक्तिमाद, 1922 (1922 का 11) ना उन्तर विभिन्नव, सा भव-कर विभिन्नव, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्ताम नाक्तिया कुमारा प्रमाद बहुँदिक्ता क्या था वा किसा भारा माहिल था, कियान में वृष्णिक के विक्र;

बतः जब, उक्त बाँधनियम की बारा 269-ग के अम्तरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिखिल व्यक्तियों, अर्थातः— (1) गगन सह गरी गृह निर्माण समिति लि०, पटना द्वारा सचिव मो०--जियाजुदीन खां निवासी---ग्रेण्ड होटेल प्रीमीसेज फेजर रोड, थाना-कोतवाली, जिला---पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्री चन्द्रभान गुष्ता, पे० श्री सोहन लाल जी गुष्ता, 204, पाटलीपुत्रा कालोनी डा० पाटलीपुत्रा कालोनी, पटना ।

(अन्तरिती)

को नह बुचना बादी करके प्रतिकृत समाप्ति ने नर्चन ने हैक्स् कार्यवाहियां करका हूं।

#### कार स्थारित के सर्वन के इंबंध में कोई भी बार्कर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्मू चरि

गगन अपार्टमेंट्स का चार मंजिल संपूर्ण पर्लेट सं०--405 जिसका रकवा 1056 वर्ग फीट है जो एक्जीवीशन रोड, थाना-गांधी मैदान जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वसिका सं०-4318 दिनांक 18-6-85 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक, पटना के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेस, बिहार, पटमा

दिनांक : 13-2-86

यसन अहर दर्व भून दुष् र व्यवक्रवानाम्बर

# सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

सार्थ "पनार

#### कार्यांसय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटमा पटमा, दिमांक 13 फरवरी 1986

निदेशक सं० III/1198/85-86---अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद, शायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसं इक्सें इसके पश्चातः 'अक्त विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थातर सम्पत्ति, जिसका उपनित बाजार वृक्य 1,00,000/- ए. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० प्लॉट सं० 782, होस्डिंग सं० 722/401 (न्यू) 316 (पृराना), वार्ड सं०-2, सर्विल सं०6 है, तथा जो एक्तवीमान रोड, थाना गांधी मैदान, जिला-पटना में स्थित है (श्रीर इसने उपाध्य अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय घटना में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम 1908 (1908 का 16) के अधीक, दिनांक 4-6-1985,

- (क) मन्तरण में हुई फिली बाय महें बाबस, उद्दर्श और पालरंग के अभाग एक यान के प्रश्वास के दासिस्थ में कवी करने वा समने स्थान में समिका भी किए; बारि/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तिकों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर विधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, मा अनकर अधिनियस, मा अनकर अधिनियस, मा अनकर अधिनियस, 1957 (1957 रन 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती वृजारा प्रकट नहीं सिया भया या जा किया जाना चाहिए था, जिल्लाने के धिनिया की किए?

क्षतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-गृक विनुत्रहण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्न (1) गगन सह ारी गृह िर्माण समिति लिमिटेड, पटना द्वारा सचिव, मो० रियाजुदीन खां, निवासी—ग्रेण्ड होटल प्रीमेनेज, थाना स्कोतवाली, जिला पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्री रामावतार खंगटा पे० श्रीमातावीन खंगटा, सा० न्यू डाक बंगला रोड, थाना गांधी मैंदान, जिला पटना ।

(अन्तरिती)

को वह सूचमा पारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के बिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### अवह सम्परित के वर्षय के सम्बन्ध में कोई भी बास्पेट :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या यकींने।

स्पच्छीकरणं :—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्ची

गगभ एपार्टमेंट्स का दुकान सं० 21 जो ग्राउण्ड फ्लोर का ग्रंश है। जिसका रकवा 302 वर्गफीट है जो एक्जवीशन रोड, थाना गांधी मैदान, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण-रूप से बसिका सं० 3926 दिनांक 4-6-85 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक, पटना के द्वारा संपन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 13-2-86

मोइहर :

ाइल् भार′ः सीं स्मृत सुरह तुल्लाल्या

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### ALL SAN THE

कार्यालय, सहायक भावकर आयुक्त (निरोक्सक)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, विनांक 13 फरवरी 1986

निदेश सं॰  $I^{II}/199/अर्जन/85-86--अतः, मुझे, दुर्गा-$ प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण ह" कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित भाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ह"

श्रीर जिसकी सं० खाना सं० — 177 खसरा सं० — 1143, श्राना सं० 161 है, तथा जो मीजा धर्न ती हबीबुल्लाह, श्रामा— हाजीपुर, जिला-वैद्याली में स्थित है (श्रीण इससे उपपाद्ध अनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), पिलस्ट्रीवर्ता अधिवारी के कार्यालय वैद्याली में रिजस्ट्रीवरण अधिकिस्म, 1908 (1908) का 16) के अधीम, दिमांच 4-6-85,

का पूर्वोक्त संपरित के उभित बाजार मृत्य में कम के दश्यमन प्रशैतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभावजीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (शंतरितिका) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण निखित में बादगिक रूप से किथत नहीं किया गया है हिल्ल

- (क) बन्हारण सं क्ष्म किसी बाव की वावक उत्तर विधितियम के अभीन कायु योगे के बन्हारक में द्राधितय में कमी कारण या समझ वारणे में भूषिक के स्वाह, सार/या
- (क) येशी किसी जाव वा किसी थन वा अन्य वास्तियों को जिन्ही भारतीय आयक्तर विधितियम, 1922 (1922 का 11) मा उन्तत विधितियम, या भन-अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाता चाहिए था, कियाने में तृष्टिधा के सिष्

अक्षः अव, उक्त विधिनियम की वाद्य 269-ग कं अनुसरण में, मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के विधीन, निस्तिमिक्क व्यक्तियों, वर्णात क्रिक (1) अपेश्वर सिंह अहरारी गृह निर्माण समिति, हाजीपुर⊾ द्वारा अभिव, प्रमोद कुमार सिंह, सा० खोपी, थाना- -जनवाहा जिला--वैशाली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमिला देवी पति जय प्रकाश सिंह, सा० धरहरा, डा० करहासी, थाना—दीनारा, जिला रोहतास ।

(अन्तरिती)

को कह तुम्मा चारी करके पूर्वोक्त सम्बद्धित के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### उपस देवां स के वर्षन के संबंध में कोई भी बाहोब ॥---

- (क) इस समाना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 जिन की सर्वीध या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तिकों में से किस्सी स्वक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबक्ष किसी जन्य स्थावत क्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रिकरण:---इसमें प्रमुक्त सम्बं और पदों का, को जनस अभिनियम की अभ्याय 20-क में परिभाषिष्ठ इ<sup>त</sup>, बही कर्श होगा को जम अभ्याय में दिया गमा है

#### वयुत्त्वी

जमीन जिसका रकवा 3900 वर्गफीट है जो मौजा धनौती हवीबुल्लाह, थामा—हाजीपुर, जिला बैशाली में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वसिका संख्या 4340 दिनांक 4-6-85 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवस विबन्धक, वैशाली के द्वारा संपंत्र हुआ है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महासक आसकर आसुक्त (िरीक्षण) अर्जन पश्चित्र, बिहार, पटना

दिनां ह : 13-2-86

मोड़र

#### THE RIE STE STEE STEEL S

# बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के बधीन सुजना

#### श्रारत तरकार

#### कार्यासय, सहायक नायकर नायकत (निर्देशका)

शर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निर्वेश सं० III/1200/श्रर्जन/85-86—-श्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० सर्वे प्लाट नं० 228, तौजी नं० 26, क्षाना नं० 42, थाना नं० 12 है, तथा जो मौजा कुम्हार, थाना मुख्तानगंग, जिलापटना में स्थित है (श्रीर इससे उपावह अनुमूक्ती में और जो पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्याचय बैणाली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम. 1908 1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 13-6-1985

को पूर्वोक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और मंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निहित्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण सिवित में वास्तविक स्थ से कियत नहीं किया गया है ---

- (क) अंतरण ते हुई किसी जाम की वावत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में तृविधा के लिए; जॉर/या
- (स) एसी किसी आय का किसी धन का स्थितिया आदिस्तर्गे को, जिल्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के निष्

बतः बदः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की अनुतरकं की, की, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) हे अधीत निय्नितिबित व्यक्तियों, संधात:——
4—516 GI/85

उपकार सहागरी गृह निर्माण समिति लिमिटेब, पटना
 हारा : सचिव, श्री गोपीकान्त पाठक।

(अन्तरक)

2. श्री रंजित पे० श्री विश्वनाथ प्रसाद, सा० दाउद विद्या, डा० राजेन्द्र नगर, जिला पटना ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाकत सम्पृत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहिया शुरू कर्ता है।

#### उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बासेप ह-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ग) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार निश्चित में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

#### श्रन्सुची

जमीन जिसका रकबा 2400 वर्गफीट है, जो मौजा कुम्हार, थाना मुल्तानगंज, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से विद्या संख्या 4669 दिनांक 13-6-85 में विणित है तथा जिमका निकाधन जिला श्रवर निबंधक बैशाली के आरा सम्पन्न हम्रा है :

> द्वर्गा प्रमाद सक्षम प्राधिकारी यहायक आध्वकर स्नायुक्त (निरीक्षण) फूर्जन रेंज. पटना

दिनांक: 13-2-1980

**福**て:

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

# मायकर मिश्रीनयस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### नारत तरकार

#### कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, पटना

पटना, दिनोंं 13 फरवरी 1986

निर्देश मं० III/1202/ग्रर्जन/85-86--ग्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद, व्यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रज्ञान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-रू के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने वा कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं ग्रेंगर िसकी मं० प्लाट नं० 762 (पार्ट), होल्डिंग नं० 722/401, वार्ड गं० 2 मिंग नं० ६ है, तथा जो एक जीवीणन रोड़, धाना गांगी मैदान जिला पटना में स्थित है (और रुससे उपान्य अनुसूची में और जो पूर्ण क्या से विणित है) रिज्ञ्हीकर्ता ग्रिधारी के कार्यालय पटना में रिज्ञ्हीकरण ग्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांत 4-6-1985 को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकार के लिए अन्तरित की गई है और सुमे यह विश्वास करने

की प्रोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एले दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक और अंतरिक (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उक्दश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करगेया उक्तसे बचने में स्विधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों करें, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, राज्यार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बनारा प्रजट सकी किया गांव था या विकास जाना चाहिए था, जिल्लाने को स्वितिया राज्या का विकास जाना चाहिए था, जिल्लाने को स्वितिया

सतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण थे, में उध्या त्रिक्षिण की धारा २५० छ पर ज्यासन्य (1) के स्थिति विक्रिक्त समीवनाओं अर्थात् क्या  गगन सहकारी गृह निर्माण समिति लिम्टिंड, पटना द्वारा सचिव, मो० रियाजुद्दीन खाँ, निवासी ग्रेण्ड हांटल, प्रीमीसेज, फेअररोट, पटना। (ग्रन्तरक)

<del>designations</del> of the control of the mass and the second of the control of the co

2. श्री क्यामलाल लखभनी एवं श्री दयानाद लखमनी, पे० ग्व० श्री गणेश मान लखमनी, ग्रा० ाथलवाड़ी, शाना एवं जिला तरभंगा। (अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उवत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ष व्यक्तियों में से किली व्यक्ति स्वारा;
- (भ) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपद स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसुघी

गगन ग्रपार्टमें टका पांच मंजिया फ्लैट नं० 506, जिसका रक्ष्या 1059 वर्ग फीट है, जो एक्जीबीशन रोड, थाना गांधी मैदान, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से विसका सं० 3925, दिनांक 4-6-85 में विजित है तथा क्रिसका निर्देधन जिला अवर निवधक, पटना के द्वारा सुप्पन्त हुआ है।

> दुर्ग प्रमार सक्षम प्राधिकारी स्हायक ग्रायकर ग्राण्यत (निरीक्षण) अर्जन रेज, परना

दिनांक: 13-2-1986

ել <sup>յլլ</sup>

प्ररूप वाइ.टी.एन्.एस.-----

आयुक्तर जिम्मिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचना

#### HISTO TRAIL

#### कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रें ज, पटना

पटना, दिनांकः 13 फरवरी 1986

निदेण सं० -1209/फ्रजीन/85-86—फ्रतः मुझे, द्रगी प्रणाद, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मुक्ष

1,00 000/~ रा. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संविधानानंव 4.06, ब्लाइ नंव 1, बाई नंव 9. होल्डिंग नं० 89 (नया) 286 (पुराना) खाना नं० 155, खसरा नं० 389 (नया) 803 (पुराना) है, तथा जो मोहल्ला सरैयागंत्र, थाना जिला मुजण्फरपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रन्सुची में और जो पूर्ण रूप से विशिव है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय नुजक्कर पुर में रिलस्ट्रीवरण अधि-नियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीर दिनांग 13-6-85 को पूर्विकत सम्पत्ति को उपित भाजार मृत्य से कम के ६६४ मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई करने का यह विश्वास कि यथा पूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिका **है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)** को बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित वहीं किया गया है :---

- (क) बन्दरण से हुद किसी आय की शब्द, शक्द श्रीप्रियक के स्थीप कर दोने के बंतरक की निर्मास्य में क्मी करने या बस्ते द्यने में स्थिभा के सिए; बीर/वा
- (क) इसी किसी थाय वा किसी थम वा बन्य वास्तियों को, विन्हें भारतीय नावकर की विनयन, 1922 (1922 का 11) या सकत अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा या विव्या बाना वाहिए था, छिमाने के स्विधा के विद्;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1 श्री बुझावन दास उक्ते शान मोहत दास पे० स्व० छठू दास; मोहल्ला सर गणन, शाना जिला मुजपकरपुर । (इस्तरक)
- 2. श्री कोंशल कुमार मणखरा पे० श्री मानादील मणखरा मो० पुरानी वाजार, गुदरी रोड, थाना जिला मुज्यमस्पुर।

(ग्रन्नरिती)

को यह सूचना बाह्य श्राडक पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं १

**उक्त सन्पत्ति के मु**र्यन के सुम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुक्षा के राज्यक में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी न्यक्तियां पर
  सूक्ता की सामील से 30 दिन की बनिध को भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर गूर्वान्ध व्यक्तियों में से विसी व्यक्तित द्वास,
- (वा) इस सुवान के राजपत्र को प्रकाशन कर स्टार्ट के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में द्वितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्तियु द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पाई लिखित में किस् का सकींगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया रिया है।

#### मनुस्ची

जमीन मय गकान जिसका रकबा 222 वर्ग फीट है, जो मोहल्ला मर्नेयागंज, थाना जिला पुजपकरपुर में प्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वसिका संख्या 11260, दिनांक 13-6-1985 में विणत है) तथा जिसका निबन्धन जिला श्रयर निबन्धक, मुजफर-पूर के बारा सम्बन्न हुआ है।

> दुर्गी प्रसाद सक्षम पाधिकारी सहायक श्रामकर श्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन र्रेज, एटना

नारीख: 13-2-1986

#### प्रकृत बाह् क टी व एवं पूर्व अन्यवन्त्रक

#### सावकर नीभीतनन, 1961 (1961 का 43) की शाहा 269-न (1) ने नुभीत सूचना

#### TIVE STANK

#### ध्यापासय, सहायक सायक्तु सायुक्त (निर्देशका)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निर्देश सं० III/1204/ग्रजेन/85-8--ग्रनः मुझे, दुर्गाप्रसाद, शावकर विभिन्निया, 1961 (1961 का 43) जिले इसमें इसके वक्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है, की भाष 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिलका उचित् वाजार मृष्ट 1,00,000/-रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० थाना, नं० 24, तौजी, नं० 5234, खाता नं० 104, ष्नाट नं० 384 है, तथा जो मौजा मैनपुरा शंकर, थाना, दानापुर जिला पटना में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के जार्यालय, पटना में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 26-6-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूफी यह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उदाई क्यमान प्रतिकस से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंदाई अतिकत से बीभक है और बन्तरक (बन्तरका) और बन्तरिती (बन्तरितिका) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाना गुना अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) वन्तरण से हुई किसी जान की शावत , उत्तर विधिनियम को अभीन कर दोने के बन्तरक को दायित्य में कभी करने मा उससे अभने में सुविधा के निए; बाँद/बा
- वृंदो किसी काथ या किसी भन या कस्य जात्सियों भी, विक् नारतीय नाय-कर निधित्यम, 1922 हैं 1922 का 11) या उपल निधित्यम, या प्य-कर निधित्यम, या प्य-कर निधित्यम, या प्य-कर निधित्यम, 1957 (1957 का 27) के अवोधनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विका धाना चाहिए थर कियाने में स्विधा ने किय;

बाहा बाब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु—

- 1. बाबू शिव देवन सिंह बल्द स्व० बाबू राम लक्ष्म सिंह सा० चमाररीचम, थाना, टालापुर, जिला ण्टना। (भ्रन्तरक)
- 2. बुद्धिजीवी सहकारी गृह निर्माण सहयोग समिति लि०, दानापुर, द्वारा: सचिव, रीतन सिंह । (भन्तरिती)

को वह शुक्रमा आर् कर्स पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्शन के सिख् कार्यवाहियों करता होते।

उक्त संपर्ति के वर्णन के संबंध में कोई' भी बाशंप :---

- (क) इस भूजना में राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी स्पन्तित्यों पर बुजना की तामीस से 30 दिन की नविभ, को भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का नविसामों में है किसी स्वित्त ब्वास्
- (क) इस सूचना के राष्पत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी सम्य स्थानित ब्वाय स्थाहस्ताक्षरी के पास विवित्त में किस वा स्थाने।

स्वक्रीकरणः ----इसमें प्रयुक्त बन्धों और पदों का, वा सक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही वृषे होता, वो उत्त मध्याय में दिवा नवा ही।

#### जनस**्त्री**

जमीन जिसका रकबा 4 कट्टा 10 धूर है, जो मैनपुराशंकर, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वसिका मं० 4545, दिनांक 26-6-85 में वर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला श्रवर निबंधक पटना के द्वारा सम्पन्न हथा है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) शर्जन रोज, पटना

तारीख: 13-2-1986

प्रकष् जाइ<sup>६</sup>.टी. एन. एस. -----

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर बाव्यत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पटना

ण्टना, दिनांक 13 फरक्री 1986

निदेश सं ापि | 1205 | प्रजंन 85-86 धतः - , मुझे दुर्गा प्रसाद बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिदारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं खाना नं 1067, खनरा नं 604, 605,

श्रीर जिसकी सं० खाता नं० 1067, ख़सरा नं० 604, 605, 606 वार्ड नं० 1 (पुराना), 2 (न्ना) थाना नं० 402, होस्डिंग नं० 533 है तथा जो मीजा ब्रह्मागुरा, जिला मुजफ्कर पुर में स्थित श्रीर है इसमें उपावद श्रनुसुची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) पित्रही अधिकारी ने दार्यावस्य, मुजफ्करपुर में रिजर्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) ने श्रश्चीन दिवर्ग 13-6-85 को पूर्वोम्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूस्य में कम के ब्रह्मवास श्रीतफल के लिए बंतरित की गई है और मूके वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य ने कम प्रतिफल का पत्रह बातास प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह बतिशत में बाद विश्वास का उचित का मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह बतिशत में बाद है बार अंतरक (बंतरका) बार अंतरिती (बंतरितियाँ) के दीव एसे अंतरण के निए तम पाया गया प्रतिफल निम्मतिबत उद्वयेय से उक्त बंतरण लिखित में बास्त-विक कम से कथित नहीं किया गया है दिन्स

- (ख) एसी किसी आय ता किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय तथकर आधीनयम, 1922 (1922 का १९) या उक्त अर्थनियम, 27) के अर्थोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना वाहिए जा, धियाने में कृतिभा के लिए;

भतः अस्य, अस्य स्थितियम् की धारा 269-ग क अनुसरण को. भी अस्त अधिनियम् की धारा 269-च की उप्धारा (1) के अधीनः निम्नजिसित स्थित्तामों, स्थित् ॥——

- श्री भ्याम चद्र प्रसार पे० स्व० विगत शाह, मी० सर्ग्यागंज, याता जिला मुजपकरपुर। (अन्तरफ)
- 2. श्री नृजिबिहारी प्रसाद पे० स्व० सादव चाद प्रसाद, मौ० अत्मपुरा, थाना जिला मुजपकरपुर।

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके वृत्रोंक्त सम्पत्ति के अवंत के "सप् कार्यवाहियां करता हु"।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील धे 45 दिन के भोतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में द्विर-बद्ध किसी कृत्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी धी गास निष्यत में किए वा सकेंगे।

स्पद्धीकरण --- इसमे प्रयुक्त शब्दों का नहीं का जिल्हा अधिनियम के अध्यात 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्यात औं दिया नहीं हैं।

#### नपश्ची

जमीन जिसका रकबा 3 कड़ा 6 घुर है जो मौजा ब्रह्मपुरा थाना एवं किला मुजफफरपुर में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वित्तका संव 11239 में विणित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर निबंधत मुजण्फरपुर के द्वारा स्थवन्त हुआ है।

> दुर्गा प्रसाट सक्षम प्राधिकारी सहायक क्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रोंज, पटना

तारींख 13-2-1986 मोहर:

#### बक्त बाह् .दी. पुन. पुन. १००००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### प्रारत प्रश्कार

#### कार्यांसन, सहायक वायकर वायुक्त (रिक्जीकर्ण)

श्चर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निर्देण सं०-III/206/मर्जन/85-8 -- श्रतः मुझे, दुर्गा प्रत्मा आयकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) (रिजर्स इसमें ६सके पश्चास् 'जन्म अभिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मुस्ब 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० तौजी नं० 5559, थाना नं० 20, खाता नं० 426, खरुरा नं० 418 है, तथा जो मौजा धनीत, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है (श्रीर इससे उपाक्ष अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 19-6-1985

को पूर्विक्थ सम्पत्ति के उपित वाजार मृत्य सं कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे अध्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर द्विती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफ। स्नीम्निसिखत उद्योधेय से उच्छ अन्तरण विद्विच में बास्त्रिक एवं से अधित नहीं किया गमा है है

- (क) अन्तरण वे हुई किशी बाय की वाबत, उकत अधिनियम के वाधीन कर दाले का स्वत्यका क दाविस्य में कमी करने या उधरो बचाने के सुविधा के सिए; वॉर/वा
- (रा) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे जिन्हें भास्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन धनकर अधिनियम, या धन धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अथ, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, इक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री विमला गरण खिह पे० स्व० जीत सिंह, ग्राम रूपसपुर, डा० धनौत, थाना ५ दानापुर, जिला पटना ।

(अन्तरक)

2. सेठी सहजारी गृह निर्माण सिमित्ति लि०, न्यू मार्केट, पटना द्वारा: सिचव श्री उपेन्द्र प्रसाद, साह, । (श्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति को नर्जन को संबंध मों कोई भी आक्रोप :-- -

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बर्बाभ, को बी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिट्डवृष किसी जन्म व्यक्ति वृषारा अधोहस्ताक्षरी के पार विविद्य में किए वा सकी ।

स्वध्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त व्यव्यां और पर्यां का, यो स्वक्त विभिनियम के अध्याय 20-क ने परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में हिया गया है।

#### **न**ग्स्ची

जमीन जिसका रकवा 9 1/2 डिशमल है जो मौजा धनौत थाना दानापूर, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से वसिका संख्या 4878, दिनांक 19-6-85 में विणित है तथा जिसका निबंधन जिला ग्रवर निबंधक बैशाली के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ऋ।युक्स (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज; पटना

तारीख: 13-2-1986

मांहर 🕄

#### प्ररूप आहाँ .टी.एन.एस.-----

भाषकर सौंधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के संधीन सुचना

#### शास्त्र सरकार

कार्यातय, सहायक आयकार आमृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांदः 13 फरवरी 1986

निर्दोण सं० -III/ 1207/ग्रर्जन/85-86--- अतः मुझे दुर्गाप्रसाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस-डे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसका मं० तौजा नं० 15559, थाना नं० 20, खाता नं० 426, खसरा नं० 418 है, तथा जो मौजा धनौत, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और जो पूण स्पासे विजित्त है) जिस्ट्रीकर्ती अधिकार के कार्यालय वैशाली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनांक 19-6-1985

को प्वक्ति सम्पास के अखिल बाजार मूक्य से कम के दिश्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वों कत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल िम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाम्तिबल हुए से अविश्व नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई कि सी आध की बाबल उबत बिध-नियम के अधीन कार दोने के बन्तरक को क्रावित्य भी कमी कारने या उसस बचने मी सुविधा के लिए; बार/या
- (त) ऐसी किसी आप या किसी वन या अस्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिवियम, 1922 (1922 का 11) घर प्रणा अधिक्षिण, प्रभ धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 197) के प्रतीकनाथ अन्तरित प्रणा प्रकट कर्ती किया स्था था या किया जाता जाहिए था कियाने में सुनिका के निष्ट:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 260 म के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) ► अभीन, निम्नितिसित व्यक्तितयों, अर्थिन :---  श्री विमला गरण तिह पे० स्व० जोत पिह, तह० स्थलपुत, डा० भनौत, थाता दानापुर, जिला पटना ।

(भ्रन्तरक)

2. सेठो सहफारा गृह निर्माण मिमिति, लि० न्यू मार्केट, पटना, द्वारा सचिव, श्रा उपेन्द्र प्रसाद साह। (श्रन्सरिती)

नी यह सुषना बारी करुके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की संबंधि या तल्लम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वत्रा की तामील से 30 दिन की अर्जाब, जो भी नवाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीक्ट व्यक्रियों में से जिस्सी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) '4स स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्ष्री के पास निधित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पत्तों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया भवा हैं।

#### अनुसूची

जमीन जिसका रक्षता 9 1/2 डिशमल है, जो मींजा धनौत, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूण रूप से विसका संख्या 4863 दिनाक 19-6-1985 में विणित है, तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक वैशाली के द्वारा, सम्पन्न हुआ है।

> दुर्ग प्रसाद सक्षम प्राधिकारः महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरःक्षण) स्रजन रेंज, पटना

दिनांक 13-2-1986 मोहर । प्रारूप आहूर.टी. एन. एस. -----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्वना

#### बारत सम्बद्ध

कार्यालयः, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

और जिसक, सं० थाना नं० 2 है, तथा जो मौदा धनौत, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्र,कर्ता अधिकारों के कार्यालय, वैणाल, में रिजस्ट्र,कर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 21-6-1985

को पूर्वोक्षः सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थापान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास कफ्ने का कारण है कि समापूर्वोक्ष्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके क्याबान प्रतिफल से ऐसे स्थामान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरितीं (अंतरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफ फल निम्नसिक्ति उद्विषय से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्त-विकाक्ष से कि चिन्न नहीं किया नथा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- सेटी सहसारी गृह िर्माण समिति लि०, न्यु मार्केट, पटना, द्वारा सचिव, श्रा उपेन्द्र प्रसाद साह । (ग्रन्तर्क)
- 2. श्रामता रामकेशरी देवा, पुत्रा स्व० राम मुन्दर भगत, मा० कैथा, थाना कच्छवान डा० नरसहागंज, जिला रोहतास ।

(ग्रन्त(रती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

#### उक्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उथत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, वहीं अर्थ हाशेगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसुवी

जमान जिसका रक्तवा 9 1/2 डैणिमल है जो मौजा धनौत, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से यमिक सं० 4878, दिनां र 21-6-85 में विणित है तथा जिसका निवन्धन जिला स्रवर निवन्ध ह वैणाली के द्वारा, सम्पन्त हुस्रा है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरःक्षण) ग्रजैन रेंज, पटना

दिनांक : 13-2-1986

प्रकार बार्च . टी. एम. एस. -----

भागकर अभिनियक, 1961 (1961 का 43) की गारा 269-व (1) वे अभीन स्वना

#### शारत बारकाव

#### कार्यालय, सहायव आयकर आयक्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनाँक 13 फरवरी 1986

निदेश सं - III, /209/म्रर्जन/85-86—म्प्रतः मुझे दुर्गाप्रसाद नायकर अधिनियम, 1961 1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पण्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार्य 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा में अधिक हैं

श्रीर जिनकी मं० थाना नं० 20, प्लाट नं० 418 है, तथा जो माँजा धनीत, थाना दानापुर, जिला पटना में स्थित है (श्रीर इसमें उपावड श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय बैंगानी में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाँक 21-6-1985

को पूर्विपत सम्पत्ति को उचित बाजार जून्य ते कम को क्यमाम गतिफाल को लिए अंतरित की नद्दें हैं और मुक्ते यह विश्वाध अश्ले का कारण हो कि यभाण किंस सम्बन्ति को उचित बाजार एल्झ, उसके क्षणमान प्रतिफल में, ए में रहा गल प्रतिफल का बल्लाइ प्रतिशत से अधिक हैं और अंतर ह (अं रक्तें) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाचा यथा नदा प्रतिश्वन निम्नोनिश्चित उद्वोध्य में उस्त अंतरण निम्नोनिश्चत का

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर जन्मी किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिक, निम्मिनिसिस व्यक्तियों, अधितः :—— 5—516 GI/85

1 सेठी सहकारी गृह निर्माण समिति लि० न्यू मार्केट, पटना-1 द्वारा, सचिव, श्री उपेन्द्र प्रसाद साह।

(भ्रन्तर्क)

 श्री फागू भगत बल्द स्व० रामवृक्ष भगत, सा० कैथी, थाना कच्छवान, जिला रोहतास। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के ार्या कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति है वर्षन के संबंध में कोई भी जाहरेप---

- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन की जबिंच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तालित से 30 दिन की जबिंध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टोकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और एदो का, जो उक्त अधिनियम के ए याय 20-क में परिभाषित इ, वहीं कर्ध ह ना को उस अध्याय में दिया गया है।

#### and d

जमीत जिसका रकवा 9 1/2 िशमल है, जो मीजा धनौत, थाना दानापुर जिला पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप में विसका संख्या 4877, दिनाँक 21-6-1985 में विश्वत है तथा जिसका निवन्धन जिला श्रवर निवन्धक बैशाली द्वारा राम्पन्त हुआ है ।

> दुर्गा प्रमाद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

दिनाँक 13-2-1986 मोहर: शारूप बाईं.टी.एन.एस. . . . . . .

#### मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, पटना

पटना, दिनाँक 13 फरवरी, 1986

निदेश सं शा / 210/ग्राजन / 85-86— अतः मुझे दुर्गाप्रसाद आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 /- रह. से अधिक है

ष्ट्रीर जिसकी सं० खाता नं० 16 (पुराना), 409 (नया), खनरा नं० 2959 है, तथा जो भीजा चकवाग, मदौकाकर, थाना हाजीपुर, जिला बैंगाली, में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीरजो पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाँक 24-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान वित्रकृत के लिए अन्तरित की गई और मृत्रो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार वृष्ट, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ शया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखिस में वास्तिक कुप से किथत नहीं क्या गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिपियम के अधीन के को के कलारक के दायित्य में कमी करने या उनमें बचने में सुविधा में सिद्ध; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, खिपाने में स्विधा के जिए;

अतः शवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुवरक गैं., मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) • अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. श्री परमानन्द साह पे० श्रीराम रंग साह. सा० लावापुर, थाना, महनार, जिला बैणाली, (हाजीपुर) (भ्रन्तरक)
- हाजीपुर नगरपालिका बार्ड नं० 14,
  महकारी गृह निर्माण समिति लि०
  हारा सचिव, श्री सुरेश प्र० सिंह,
  सा० समता कालोनी, चकबाग मदौँकाकर, हाजीपुर,
  जिला बैशाली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हुं।

#### बक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जयि , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ष्मि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकींगे।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधितियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वया है।

#### अनुसूची

जमीन जिसका रक्षा 2 कट्टा, 15धूर है, जो मोजा चकवाग मदौकाकर, हाजीपुर, जिला वैशाली में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से विसका संख्या 4951, दिनाँक 24-6-85 में विणित है तथा जिसका निबन्धन जिला श्रवर निवन्धक बैशाली (हार्जापुर) के द्वारा सम्पन्न हुशा है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

दिन**ौ**क : 13-2-1986

#### प्रकृप कार्<sup>क</sup>. टी ्**एव . एक**्ट लननननकारण्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में अभीन सुमन

#### भारत बरकार

#### कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्क (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनाँक 13 फरवरी, 1986

निर्देश सं शा / 1211/मर्जन / 85-86—म्प्रनः मुझे, दुर्गा प्रसाद आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इस्में इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाचार मूक्य 1,00,000/- रह. में अधिक है

ग्रीर जिनकी सं थाना नं ० 406, ब्लाक नं ० 4, वार्ड नं ० 9, होल्डिंग नं ० 89 (नया) न ० 288 (पुराना), खाता नं ० 155, खसरा नं ० 389, (नया) 803 (पुराना) है, तथा जो मौहल्ला सरैयागंज, थाना जिला मुजफ्करपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुस्वी में ग्रीर जा पूर्ण क्य से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मुजफ्करपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाँक 13-6-85

को पूर्वोक्स सम्पित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वेक्स सम्पित का उचित बाचार मृत्य, उसके दृश्यमान अतिफल सं, ऐसे व्यममान प्रतिफल अप पन्द्रह प्रतिशत से गिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्न, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्भ सं शुद्ध किसी नाम की वानक, सक्त अधिनियन के भुधीन कार दोने के बन्तर्क के दासित्व शो सकी करने या असके नजने को सुविका के लिए; शीर 'भा
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, भिन्हें भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 के। 11) या उक्त विधिनियम, मा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् (—

- बुझावन दास उर्फ जान मोहन दास

  पे० स्व० छठू दास,

  मी० मरैया गंज, थाना व जिला मुजक्फरपुर।
  (अन्तरक)
- 2. श्री छवील कुमार मशक्यरा उर्फ श्रो राज कुमार मशक्यरा पे० श्री मताबीन मशक्यरा, मौ० पुरानी बाजार, गुदरी रोड, थाना व जिला मुजफ्फरपुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृथायतः सम्पत्ति के अर्थन के ज़िल्ल कार्यगाहियां करता हो।

वक्त बल्गीसा के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधांप:---

- (क) इस प्रथम के राजपूत में प्रथम की बारीय में 45 वित्र की जनभि या तत्संमंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की अन्धि, यो भी जन्धि बाद में सजाप्त होती हो, से भीतर प्रशंकत व्यक्तियों में से सिम्सी स्थित दशारा;
- (क) इन्द्र सूचना के राजवश्र में प्रकाशन की तारीचा स 43 दिन के भीतर उक्त स्थावर सुम्यक्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति बुंबारा, अधोहस्ताकारी में पास निविक्त में किसे का सर्केंगे।

स्वच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त सन्धां और पदां का, था उक्त विधिवयम के संभ्याय 20 क के परिशाविक हैं, यहीं वर्ध होंगा थी उस अभ्याय में विका गया है।

#### बन्त्यी

जमीन मय मकान जिनका रकवा 222 वर्ग फाट ्रजा मोहल्ला सरैयागंज, थाना जिला मुजग्करपुर में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से जिनका मं० 11245, दिनाँक 13-6-85 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला प्रवर निवन्धक मुजफ्करपुर के द्वारा सम्पन्न हुम्रा है।

> दुर्गी प्रसाद नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

दिनौक: 13-2-1986

#### **१९२५ - बाइं्. टी. एन . एस** . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनौंक 13 फरवरी, 1986

निर्देश सं० III/1212/अर्जन/8 5-8 6—-प्रतः मुझे, दुर्गा प्रमाद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है अर्थार जिनको सं० थाना नं० 406, ब्लाक नं० 3, खाई नं० 5, होल्डिंग नं० 89 (नया), 286 (पुराना), खाता नं० 155, खसरा नं 389 (नया) 803 (पुराना) है, तथा जो मोहल्ला

खसरा नं 389 (नया) 803 (पुराना) है, तथा जो मोहल्ला सरेयागंज, थाना जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनौक 13-6-1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उक्दरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के के लिए

अतः अभ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरम अर्दे, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री बुझावन दास उर्फ ज्ञान मोहत दास
   पे० स्व० छठ्रंदासं,
   मोहल्ला भरैयागंज, थाना जिला, मुजक्फरपुर ।
   (ग्रन्तरह)
- 2. छवील कुमार मशखरा उर्फ श्रो राजेश कुमार मशखरा पे० श्री मतादीन मशखरा, माहल्ला, पुरानी बाजार गुदरो रोड, थाना जिला मुजफ्फर पुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अर्वाध या तत्पबंधी व्यक्तियों पर अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिया के भीतर पूर्विक्त उकत स्थावर सम्पत्ति में सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिशकरणः—=इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह्रै, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

#### वनसची

जमीत मय मकात जिसका रकवा 222 वर्ग फीट है जो मोहल्ला भरेयागंज, थाना व जिला मुजक्फरपुर में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से विसिक्ता सं0 11256, विनौंक 13-6-85 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक मुजक्फरपुर के द्वारा सम्पन्त हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद मञ्जम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज: पटना

तारीख : 13-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज बिहार,

पटना, दिनां रु 13 फरवरी, 1986

निदेश सं o 111/1213/अर्जन/85-86:—अत मुझे, दुर्गा प्रसाद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के। यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी वार्ड गं० 17, होस्डिंग गं० 387, खासा गं० 83, खारा गं० 296, थाना गं० 406 है तथा जो मीजा कल्याणी, थाना मुजफफरपुर, जिला मुजफफरपुर में स्थित है (श्रीर इसमें उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप रे बणित है), रिजिस्ट्री इसी अधिकारी के कार्यालय मुजफफरपुर में रिजिस्ट्री इसी अधिकारी के कार्यालय मुजफफरपुर में रिजिस्ट्री इस्ण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन वारीख 15-6-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया भया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की यावत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्थ में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह<sup>7</sup> भारतीय आयकर औधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविभा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अकृतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमती कुन्म अग्रवाल जोजै स्व० रमेण प्र० अग्रवाल, मौ० कल्याणी, ब्रह्मपुर टोली, थाना जिला मुजफ्फरपुर।

(अन्तर्ह)

 श्रीमती सप्त्वती देवी जोजे स्व० राम कुमार जालान श्रीमती किएण देवी जोजे श्री अर्जुन कुमार जालान मौ० गजाधर चौंधरी लेंन सरैयागंज, थाता जिला मुजफ्फरपु।

(अन्दरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के शीतर डक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जमीन जिसका रक्ष्या 0.1312 डीशमन है जो मौजा करवाणी ब्रह्मचोली, थाना जिना मुजक्करपुर में स्थित है एवं जो पूर्ण का ने विशिष्त संख्या 11445 में विणित है तथा जिसका निवन्धन जिला अवर निवन्धक मुजक्करपुर में बारा सम्रम्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयगर आयु<del>म्</del>त निरीक्षण अर्जन रेंज, बिक्कार

नारीख: 13-2-1986

प्रारूप बाइ<sup>\*</sup>.टी.एन.एस. .....

अकर शॉथनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-व (1) में अवीन ब्यामा

भारत सरकार

# कार्याक्षक , सङ्घायक जायकर आवृत्तन (निर्दाक्षक)

अर्जन रंज, बिहार

पटना, दिनांक 13 फरवरी, 1986

िदेश मं० III/1214/अर्जन/85-86:---अत मुझे, दुर्गा प्रसाद, रफ्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवं द्वां इंपके इंपके प्रभात 'उक्त विधिनियम' कहा गवा है), व्ही वाच १९००-४ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने जा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रांग जिसकी संख्या थाना नं 406, ब्लाक नं 2, वार्ड नं 9, होल्डिंग नं 89, (प्रया) 286 (पुराना) खाता नं 155, खारानं 389, (प्रया 803) पुराना मेहल्ला सरैनागंत्र, थाना जिला मुजफ्फरपुर में स्थित है (श्रांर इसमें उताबद्ध अनुजुबी में श्रांग पूर्ण रूप से विणित है), राजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के वार्यालय मुजफ्फरपुर में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, सारीख 13-8-1985

का प्रविधास राज्यांति के लांकत काजार मृत्य से कम के उत्यसान अविकल के सिए अंतरित की नई है और नुके यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकर सम्मत्ति का उपित वाबार भृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफास से, ऐसे दश्यमान प्रतिफास का धन्तक प्रतिफास का धन्तक प्रतिकात से अधिक है और नन्तरक (जंतरकों) और जंतरित (मन्तरितियों) के धीच ऐसे क्लाएन के लिए तय पाया गया पृष्टिक न, निम्मिनिवत उन्होंनेय से उन्तर अंतरण विविध्त में काल्यिक क्य से कीच्छ वाही किया गया है है

- (क) ब्लारण वे हुई किसी बाव की वावत , उनत बीधांतरम के ब्रानि कर दाने के बन्तारक के समित्य में कमी करने या उनसे ब्राने में ब्रानिशा के लिए; बीए/बा
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करी, फिन्हूं आरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथल विधिनियम या धनकर क्षितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा धा या किया थाना थाहिए था कियाने में स्थिधा के लिए,

बार क्य उपने वीचीयक्य की भारा 269-म के बनुकर्ष वा, वी, उक्त वीभीतिव्य की भारा 269-म को उपभारा (1) वे बभीव, निम्मीनियस व्यक्तियों, बभीत क्रिक्त  श्री बुझावन दास उर्फ ज्ञान मोहन दास पै० स्व० छट्टु दास मोहल्ला सर्ग्यागंज, थाना जिला मुजफ्फर पुर।

(अन्तरक)

 श्री कोंग्नल कुमार मणरूरा पै० श्री मतादीन मगरूरा सा० पुरानी बाजार, गुदरी रोड, थाना जिला मुजफ्फरपुर।

(अन्तरिती)

को रह स्थान बारी करके प्राप्तिक सम्मत्ति के अर्थन के जिल्ला कार्यधाहियां करता हो।

क्यत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बास्तेय :----

- (क) इस स्थात के रावपन में प्रकाबन की तारीच के 45 दिन की व्यक्ति या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थात की ताबीज से 30 दिन की जबिध, को भी जबिब बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति का किसी में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उच्च स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म स्थानक द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम जिसित से किए का सकति।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, थो जक्त विविधियम के कश्यान 20-क में परिभाषिक ही, कही अर्थ होगा थां उट अध्यास में विका पंता है।

#### अनुसूची

जमीत मय महान जिसहा रहवा 222 वर्ग फीट है जो मोह्लना प्ररेगा गंज, थाना जिला मुजफरपुर में स्थित है एवं जो पुर्ग रूप से जिसहा मंख्या 11251 दिनांक 13-6-1985 में वर्णित है तथा जिसका निबन्धन जिला अवर निबन्धक मुजफरपुर के द्वारा सम्बद्ध हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बिहार

नारोख: 13-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269 घ (1) के अधीन स्चान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, धिहार

पटमा, दिमांक 13 फरवरी, 1986

निदेश सं रापि 1215 अर्जन 85-86:—अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद, लायकर लिपिनयम, 1961 (1961 का 43) (पिछं इसमें इसके पण्यात 'उकत अधिनयम' यहा गया है), की भारा 269-इ के अधीन सभाग प्राधिकारी को यह निश्वास करने का भारण है कि स्थावर अध्यक्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 921 (पी०), 922 (पी०) खाता न्० 32, सर्वे नं० 922 पी है, तथा जो मीजा बुधा जिला धनबाद में स्थित है (ग्रीए इसरे उपाद्ध अनुसुची में ग्रीए पूर्ण का स विणित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में राजिस्ट्रीकरण अधिक्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन, हारीख C-5-1985।

को पृथोंकत सम्पतित को उपित बाजार मृत्य है काम को क्रयमाथ प्रातिफल को लिए अन्तरित की गई है और गुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिकास है, ऐसे क्रयमान प्रतिकास का पद्म प्रतिकास से अधिक है और जंतरक (बंतरकों) और वंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तम पाया क्या प्रतिकास का निम्नीमित्रित उप्रदेश से उस्त सन्तरण निम्नीमित्र से वास्त- का निम्नीमित्र उप्रदेश से उस्त सन्तरण निम्नीमित्र में वास्त- किया क्या है :----

- (%) अन्तरण से हुई िकती भाग की बायस उपस आभ-नियम की बधीन कर बीने के अन्तरक के दायित्व मो क्षेत्री करने पा अवसे प्रत्यों को स्विच्छा नो पिए। और/वा
- (थ) एंसी किसी जाथ या किसी अन वा अन्य जास्तियों को, चिन्हें भारतीय साथ-कर जीभीनवन, 1922 (1922 का 11) या उस्त जीभीनवम, या धन-कर जीभीनवन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में मुस्कित बे किय:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण जै. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) रे अधीर: निस्तिलियित स्पक्तियों अधीतः:----

- मैं० साहजानन्द इंजीनियरिंग बकर्म प्राइवेट लिमिटेड िंग पेडवाई रोड, सिवरी, बम्बई-400015। (अन्तरक)
- 2. शास्त्री मगर को आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी विभिटेड, शास्त्री नगर, धनवाद विहार। (अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पृशांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक् करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विशेष में किए का एकी ने

स्थव्यक्तिरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों जोर पदों का. में उक्त अधितियम के अध्याय १० क में परिभावित है, वहीं वर्ष होंगा का उस मध्याय में दिया नवा है।

# मन्जुची

जमीन भय बनावट जिसका रकवा 257.5 कटवा है तथा जो मोजा बुधा जिला धनवाद में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण वसिका संख्या आए० 547 दिनां 5 6-6-85 में विणित है श्रीर जिलका निबन्धन ज्वाइंट सब रिजिस्ट्राप-11/वस्बर्ध (बन्दरा) द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसा द सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (जिरीक्षण) अर्जन रेंज, बिहार

न(रीख: 13~2~1986

# 

# शायकार अधिरियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व (1) से सभीन युक्ता

#### शाउव मुख्यान

कार्यालय, लहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बिहार

पटमा, विमांक 13 फरवरी, 1986

निदेश सं० III/1216/अर्जन/85-86:--अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

अगयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्यार 'इक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 259-र अ. अभीन नदाम प्राधिकारों को, मह विकास करने के आन्त है कि स्थापर सम्मिल, जिसका उचित बाबार मूल 1 00,000/- रा. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट 445, खाता नं० 216, सब प्लाट मं० 4/बी, है. तथा जो ग्राम हीन, थाना डोरन्डा जिला रांची में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण कप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के वार्यालय रांची में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-6-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसकें दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्निलिश्तत उद्वेष्य से उक्त अंतरण सिशित में वास्तिक हम से किथन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुण्डं किसी आय की बाबत, उक्त जरितीयक के अवंति धार दोने के अव्यक्ति के बायित्व में कमी करने या उससे प्रवने में मुलिधा ४ तिक क्षीरति।
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1929 (1922 का 1) या जन्त अधिनियम, या भनकर स्थिन्यम, या भनकर स्थिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा या किया भारा चाहिए भा कियाने में सविभा चे लिए;

अतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री रत्य िह चन्ना बल्द स्व० हुरबन्त सिंह चन्ना
- (2) बलबीर सिंह जन्ना बल्द रतम जिह जन्ना निवामी शुक्ला जालोती, हीनु थाना डोप्टडा जिला पांची।

(अन्तरक)

2. श्री प्रमोद पासवाम बल्द दिपनारायण राम ग्राम वा पो० दिघा थाना दिघा जिला पटना।

(अन्।रिती)

को यह सुप्रमा आयो कारके पृथानित सम्पत्ति के अर्थान के जिल्ह कार्यपाहियों करता हो।

# उन्ह सम्पत्ति के अर्थन के सध्यन्त्र में कार्य भी साम्राप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तेंगे

स्पष्टीकरणः --- इसमें श्रप्नत शब्दों और गर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो जस अध्याय वें विषश मना हैं।

#### मनसची

जमीत का मकान जिसका रहवा 500 वर्ग फीट है तथा जो ग्राम हीनु थाना डोरन्डा जिला रांची में स्थित है एवं जिला पूर्ण विवरण विस्का नं 6826 दिशांक 25-6-85 में विणित हैं ग्रीप जिलाहा निघन्धक जिला अवर निबन्धक रांची के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> तुर्गा प्रकाद सक्षम प्राधिकारी लहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बिहार,

तारीख 13-2-2986 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बिहार

पटना, दिलां है 13 फरवरी 1986

काणकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कर य रण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ',0',600/- रु. से अधिक है

ष्राँप शिक्षिती संख्या पराव न० 754 ष्राँप 755 हो सं० (न्यू ) 833 वर्ष्ट सं० 1 है, तथा जो अष्रीक एथ रेडियम रोड, िए जंबी में निया है (ग्री) इत्यो उपाबढ़ अनुसूची में ए ए पूर्वित को की शिक्ष है, स्थिति ही उसी अधि गरी के लाय अ, जंबी में पिक्षिट्री एण स्थितियम 1908 (1908 वर्ष क) के स्थीत, तरीख 11-(-1985

को प्ंदर्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रितिप्त के सिए उन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने ता कारण है कि यथाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह कियात स अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्ता कियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति क रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (म) लोगे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

सतः वसः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के सन्सरण क्षेत्र, क्षेत्र, उक्त अधिनियमं की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीर निकारितिकत् स्वितियों, संबंधि क्षेत्रक्ष  समुन्द्री देवी जीजे राम गाल िह उर्फ राम शकल राम विदासी धुर्वी, थाला हटिया जिला रांची।

(अन्तरक)

2: श्रीमती सरला जैंग उर्फ सरला देवी जैंन जोजे डा. पुतम चन्द्र जैंन (2) श्रीमती शानित हैं जैंन जोजे मानित चन्द्र जैं। वेली जिल्लामी अंगोल पथ, रेडियम रोड, थाना लानपुर दिला रांची।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृबोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्मस्वन्धी व्यक्तियों पर म्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों सभाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधे,हस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पप्टीकरणः——इसमें प्रथवत राज्यो और पर्दो का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुमूची

जमीत सय महात जिल्लाका राज्या 2 कहा 5 धूर है तथा जो अजीत पथ, रेडियम रोड रांची में स्थित है एवं जिल्लाका पूर्ण विकास विकास में 6333 विकास 11-6-85 में विज्ञा है और जिल्ला जिल्ला विकास विवस्था किया अवर जिल्लाक रांची के द्वारा अवस्त हुआ है।

दुर्गा प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आययर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बिहार

तारीख: 13--2-1986

प्रथम सार्थ हो, एम, एस. ....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त भाग्वत (निरीक्षण)

ः जैन रेंज, बिहार

पदात, दिलांच 13 फरवरी, 1986

निदेश सं० 1218/अर्ज : /85-86:--अतः मुझे, दुर्गा प्रशाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें प्रधात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीत विश्वती संख्या एवं प्राप्त सं० 455 खाता सं० 77, बाई सं० 1 प्राप्त सं० २०१४ है, तथा जो मीला सोतारी मिला निवार किए किए कि स्थार है (श्रीत इसी प्रावद्ध प्राप्त के लोग पूर्व कर निवार है), किल्द्री-पूर्ण किथियारी है अयंक्यि प्रमणेष्ट्र में किल्द्री ए अधियम 1908 (1908 जा 16) है अधीत, तारीख 6-0-1985

को पर्वोचन सम्पतित को उच्चित बाजार मृत्य में कम के दश्यरान प्रतिकल दो लिए अन्तरित की गर्छ हो। और मुक्ते यह विश्वाम करन का जारण हो कि प्रथापर्वोचन मम्पत्ति का उच्चित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल में एमें इत्यमान प्रतिकल का बन्दर प्रतिकल में अपिक हो और अंतरित (अंतरितिकों) को बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य में उच्च अनरण निस्तित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुंकी किसी आय करी जबत, उक्त विकित्यम के अधिन बार दोने के संतरक की दायिक मों के फिरने या उससे भ्रमने माँ मृतिशा के लिए, अंदिया
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों हो जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन- क्या अधिनियम, या धन- क्या अधिनियम, वा धन- क्या अधिनियम, १६६७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दुआरा ज्वाट नहीं किया गया का अधिन्य का अधिक के नियः

हत: आब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिकियम की धारा 269-म की उपधान (1) में अभीत विकासिक्षिय स्मितिमाँ, कर्णात :  जीमनी कालामोती देवी जोजे स्थ० पच्चू लेहार विकासी सोताची पाना सोताची, टाउप अमधेरपुर. जिला जिह्ममुगः।

(अन्तरक)

2' श्री बज ियोग जिह बल्य स्व० धकात बिह रोड सं० 5, हो सं० 172, न्यू के आटट संकारी, टाउन बमगोरपुर जिला जिल्लुमा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिया शृक्ष करमा हो ।

इक्ल सम्परित के अर्जन से भारत थे हैं। तो भारत थे हैं।

- (क) इस मूचना के राजणक में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की उन्हीं का एल्पम्पानी व्यक्तियाँ पर मूचना की नामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हों के भीत र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना की राजरेश में प्रकाशन की सारीख से अवन्य के कार्य के किए के किए के किए लिखित में किए का रहतें।

स्पच्चीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त किष-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया

#### वनसंखी

जमीत मन महाम चित्रता एकपमा 2261 वर्ग फीट है तथा जो मोता को तथी तहा, जमगोतुक तिता जिह्मूम में निया है उर्व चित्रता पूर्व किलाम चित्रता स्० 4168 वित्रोत 6-8-85 व्योग वित्रता किलाबा अवर तिमन्धक प्राधित्रकी जमगोतुक होता दकला हुला है।

> दुर्गा प्रजाद, यक्षमात्राधि शारी, सहायाः आगारार क्षत्रुकः (विरीक्षण अर्थेश रोंग, बिहार

सारीख ; 13⊷2-2986

अस्त्य, लाइ. टी. एन. एस. -----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकाश

# कार्यालय, सहायक बायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, बिहार

पटना, विक्रंब 13 फावरी, 1986

िवेश सं ।  $III_{-219/15}^{+}$ ं 35-8:- मुझे, दुर्गा प्रसाद,

भायकार अधिविद्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उत्तव अधिविद्यम' बहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हो कि स्थादर गर्भात्त, विभाग उत्ति बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से प्राधिक ही

स्रोर निरामो बंदार नाग प्र.० 201, खाल सं० 69, प्याट सं० 308 प्राप्त प्र. 300 है, तथा जी साम मधुजमधाना जिला प्राचा में सिरा प् (प्राप्त इता प्रशाबद प्रमुद्धी में स्रोत पूर्ण कर नि प्रतित हो), त्राचिद्धि स्ति प्रधि र्यं के जावीर, प्राप्त में त्राराष्ट्रात प्रतिक्रिम 1908 (.908 का 13) का प्राप्त क्रांति 14-1-1985

को पूर्वेक्ति संपत्ति के जिल्ला बाजार मृल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि युपाप्चेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अनरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण म तृष्ट्री किसी नाम की बाबते, उक्त अधिनयम के अधीन कर दाने के अन्तरक के बोचित्र को क्या करने के उस्मी बच्चन में सुविधा के लिए, कोर्सा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ऑशिशियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भें, भें, उक्त अधिनियस की धारा 269-**य की उपधारा (1)** के अभीन, निम्नलिजित व्यक्तियों, अर्थात :—  श्री मोलहा ही । घटा रंगा मुख्य विवासी विवासाम टेली पंची,
 शास व विवा पंची।

(अन्तर्क)

 श्री विश्वताथ अग्रदाल उर्फ जिन्द्याय केडिया बल्द स्व० मेहित लाल अग्रदाल जियासी, अपर बाजार, टाइम संची थाना कोतवाली जिला संची।

(अन्त िती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायबाहिया करता हो।

बंबत संपत्ति क अजन क मंत्रच मा काइ भी बाक्षंप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्यक्तियों में सा प्रिका स्थानत कुतरा
- (क) इ.स. स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारान र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पार लिखित मा किए जा सकति।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्दा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क म गरिशाफिश है, यही क होगा. जो उस अध्याय में शिया प्रशाही।

#### अनुसूची

जमीत जिस्ता र ज्या 0.71 एउड़ हे एसा जा प्रात मधुकम थाला रांची जिला रांची में रियए है एवं जिल्ला पूर्ण विवरण विकास मुर्थ 5319, विकास 14-3-85 में विजित है प्रांप जिल्ला विवस्था जिला अवर विवस्थान, रांची के द्वारा सम्बन्ध हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद, राक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंज बिहार,

तारीख: 13-2-1986

प्रकथ आहु". टी. एन. एस. -----

बावकार निर्मानस्य, 1961 (1961 का 43) की बारा 260-छ (1) के अधीन सुबना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरोक्सण)

अर्जन रेंज बिहार

पटना, दिनांक 13 फरवरी, 1986

निर्देश सं० III/1220/अर्जः:/80-85:--अतः मुझे, दुर्गा समाद,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उ∞ा अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विष्यास करने का कारण हैं कि थावर मर्णान्त जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जि.की संव पाट नंव 2099/वी ग्राम बागाई संव 184 है, तथा जो निरा पत्री में निरा है (पिट इंडोन उपबाद अनुगुची में श्रा पूर्ण कर दे र्याप है (पिट इंडोन उपबाद अनुगुची में श्रा पूर्ण कर दे र्याप है), पाट दी-कल्ली अधानरी के अपिएस राची में पिलाई। एए अधिएस 1908 (1908 । 16) के धानिए, सारीख 18-6-1985 को पूर्विक्त सम्पादित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अ एएत अन एड ही और अभ पह विकास प्रतिफल के लिए अ एएत अपपाप हों ही और अभ पह विकास स्वार क्रिक का कारण ही कि यथाप का सम्पादित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल का पाम क्रिक प्रतिफल के लिए तथ पाम गया क्रिकल निर्मामिक जिल्ला एसे अन्तरण के लिए तथ पामा गया क्रिकल निर्मामिक जिल्ला ही किया यथा है लिए से बार सिक्त में अधिक कर्म में अधिक कर्म के स्वार कर्म के स्वार अस्त कर्म कर्म में स्वार कर्म के स्वार कर्म क्रिक कर्म में स्वार कर्म किया यथा है लिए

- (क) अन्तरण म हाई किसी आय का बावत. उक्त नियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दावित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; डीपा/कः
- (थ) एंसी किसी बाव था किसी बन या जन्य बाहितवाँ की, जिन्हों भारतीय जावकर धिंपनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन- कर विधिनियम, या धन- कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्वोचनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था जा किया थाना चाहिए जा, किमाने में स्विका थी जिन्ह;

बतः ब्रब जक्त अधिनियमं की धारा 269-गं की अनुसरणं को, को, उक्त अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (।) के क्यील जिक्क्यों क्योंकि स्वाधीन किक्योंकिक व्यक्तियों स्थाप

- श्री देवेण श्रीवास:व, हजरत गंज तखाउठ वर्तमान सुखदेव गगर, हेहच जिला रांची। (अन्त फ)
- 2' सेवा दचवारा, मडरू रांड, थाना आरमोरा जिला रांची।

(अन्तरिती )

करें बहु बूचना चारी करके प्योंक्त संपत्ति के वर्षन के विश् कार्यनाहियां कारता हूं।

उन्त प्रम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में खोड़ें भी मासीप ::--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं प 45 विन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर नुषका की तामीन से 30 विन की अवधि, जा भी त्विधि का भाष्य में कमण्य होती हो, के भीतर पृतिकत करवा में सामण्य होती हो, के भीतर पृतिकत्त करवा में सा किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (६) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताका के भाग निरंकत में किए का सकते ।

ल्ब्बिकरप्प:— इसमें प्रयूक्त खब्बों और पदों का, को उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशांबल ही, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में बिया गया ही।

## **श्रनुसूची**

जमीत जिसका रक्तमा 75 1/2 डिसमल है तथा जो ग्राम बरगाई सं० 184 जिला रांची में स्थित है एवं जिलका पूर्ण विवरण विक्षिका सं० 6702 दिनांक 18-6-85 में विणित है ग्रोर जिसका निबन्धन जिला अवर विधन्धक पदाधिकारी रांची के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रताद, सक्षम प्राधि गरी सहायक आयहर आयुक्त (जिरीक्षण) अर्जाप रेंज, विहास

तारी**ख**: 13-2-1986

में हर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बिहार पटना, दिनांक 13 फरवरी, 1986 निर्देश सं० : /221/अर्जन/85-86:-अत: मुझे, दुर्गा प्रसाद.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सदाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिह्ही संख्या खेबट मं० 4/34 आर० एए० प्लाट सं० 234/386, हो नं० 2154 ए वार्ड सं० सी है, तथा जो 60 बूटी रोड बाता बायातु जिला पंची में स्थित है (ग्रीर इसी जनाबड अनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बण्णि है), रिबन्द्री उत्ती पिक्षकारी के पार्यालय पंची में रिजर्द्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-3-1905

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्रों यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिफल का पढ़ प्रतिक्त से अधि है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निमालिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्रीमती कमरू िया मुखीय जोजे श्री ए० जी० मुखीद निवासी 26, आगा मेंहदी स्ट्रीट, थाना पार्क स्ट्रीट कलकत्ता 16 (2) मिनज यालिआनूर जोजे श्री एस० एम० नूर , 7, दांती बगान रोड पो० बनिया पोकर कलकत्ता 14, हाल 60, यूटी रोड, यरियासु, रांची।

(अन्तरक)

मैसर्स हाई ग्रेड ट्रेडिंग कं जिमिटेड,
 ए, पानिडिटिआ, रोड,
 कलकत्ता 29, द्वारा
 श्री प्रयानः कुमार दिन्हा, लेखा अधिकारी,
 60, बुटी रोड, रॉची-91

(अन्.:रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीत मय महात जिसहा रहवा 22 कट्टा 11 छटाक है तथा जो 60 बूटी रोड बरियातु थाता बरियातु जिला रांची में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विकरण वसिता संव 6261 दितांक 8-6-85 में विणित है और जिसहा विवस्थात जिला अवर भिवस्थक रांची के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद, सक्षम प्राधि तारी, सहायङ आय तर आयुक्त (ितरीक्षण) अर्जन रोज बिहार

तारीख: 13-2-86

# प्रकृप आहुँ. टी., एन्. एस. ------

रायका अधिकिका, १५८१ (१९५, का ४५) की धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आय<mark>कर आयुक्त (निरीक्षण)</mark> अर्जान रेंज बिहार

पटना, दिमांक 13 फ रवरी, 1986

सं० /222/गर्जन/85-86:--भरः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

कत्यकर अधिनियम, १८९१ (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उदत अधि, घम' कहा गया है, की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उकि, वाकार म्स्म 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर क्लिकी संख्या खेवट नं 4/31, आरं एस॰ एस॰ प्लाट नं 234/887, हों सं 2154 ए, कार्ड सं V. सी है, तथा जो 60, बूटी रोड, थाना बरीयातु िया संची में स्थित हैं (श्रीत प्रति कार्य कात्रबुद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) प्रति द्रां का अधिकारी के प्राथित पंची में प्रति द्री का अधिकारी के प्राथित पंची में प्रति द्री का अधिकारी के प्राथित पंची में प्रति द्री का अधिकारी का

का पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अनारित की गई है और मझे यह विश्वास करने का द्वारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरिता) के जीच एसे अंतरण के लिए तय पाया भ्या प्रति-फाल, निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप मो किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अत: अर्थ, अवेश अधिनियम की धारा 269-म की, अनुसरण भा, भी, उदत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन : निम्निक्षित व्यक्तियों, अधीत :---

- श्री सँगद अणि मजहर
   (2) सँगद अली अजहर
   सँगद अलि जाफर बल्दान
   स्व० अब्दुल हकीम जिवासी
   व0 बूटी रोड, विश्यातु
   याना विर्यातु जिला रांची
   वर्तमान 4ए श्रोसटागैंस लेन कलकत्ता 14,
   द्वारा अटारनी सँगद अली जाफर, बेन्डर न्० 3।
   (अन्तर 5)
- 2. मैतर्स हिटेक इण्डस्ट्रीज (बिहार) लिमिटेड, 60 बूटी रोड, रांची द्वारा लेखा अधिकारी, प्रशत्स कुमार सिन्हा, 60, बूटी रोड, रांची।

(प्रनाति)

की यह सूचना जारों करके प्रावित नम्पत्ति क अर्थन क निम्म कार्यवादिया करता हो।

#### नकत सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षण ---

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवर्षित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### **अन्स्पी**

जमीत मय मकान जिसका रहवा 27 कट्टा 6 छटाक है तथा जो 50 बूटी रोड, थाना वरिनातु जिला रांची में स्थित है एवम जिल्ला पूर्ण विवरण वरिला सं० 6260 जिल्ला 8-6-85 में वर्णित हैं ग्रीर जिल्ला जिल्ला अधर जिल्लाक रांची के द्वारा समस्त्र हुआ है।

> दुर्गा फलाद, सक्षम प्राधि हारी, सहायक आयहर आपृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग बिहार,

तारीख: 13-2-1986

बस्य बार्ड, डी. एन. एस..-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत स्वाम

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,बिहार पटना, दिनांक 13 फरवरी, 1986

सं० /223/शरित/35-86:-- अप: मुझे, दुर्गा प्रसाद,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या सर्वे प्लाट 455, खाला सं 77, बाई सं 1, प्लाट नं 3085 है, तथा जो मोजा सोतारी, महर जमणेतपुर जिना जिल्लाम में स्थित है (और इसमें उपप्रध्य अनुसुनी में और पूर्ण रूप में विष्यत है), पिल्ट्री-कर्ता अधिजारी के जायालय पमणेतपुर में पिल्ट्री-प्रअधित्यम 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारीख 11-6-1985

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह त्रिक्तास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का ग्रंदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अर्तारात्यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेदिय से उक्त बंतरण लिखित में वास्तिबळ क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबत उक्त संधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए। और/मा
- ामी किसी अाय या किसी धन या अन्य अपितयों की, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना आहिए था, खियाने थाँ सविधा के सिए;

नतः स्था, उन्तर सधिनियम की धारा 269-ग के सन्सरध में, में, इन्त सधिनियम की धारा 269-म की श्रपधारा (१) से सधीन, निम्ननिधित व्यक्तिमाँ, स्थात इन्तर श्रीमती कालोमोली देवी
 विज्ञास्त एउ० बच्चू लोहाय
 विज्ञासी सोलारी, याला मोलारी,
 टाउन जमशेरपुर, जिला किलमूमि।

(अस्तु एक )

 श्री विजय कुमार सिंह वल्द श्री बी० के० सिंह, निवासी रोड सं० 5, हो० सं० 172, न्यू वेल्ट ले आउट, सेलारी, याण सोलारी सहर अमग्रेपपुर जिला सिंहभूम (४८)रिती)

**क्ष यह स्वता जारी फरके प्रारिश सम्बास्थ रा उन्ने के सिया** कार्ययाहियाँ शुरु करता हुं।

उन्त सम्पारत की अर्जन की सम्मान्ध मी और्टी भी आधीर :----

- (क) इस मुखना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या नल्मम्बन्धी व्यक्तियों पत्र मंचन। की तामील में 30 दिन की आधि जो भी अवधि बाद मों संमापन होती हों, की भीतर पूर्वोकर क्राधिश्यों मो से लिस्सी कार्यित होंगा।
- (ख) इस स्वना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीख है 45 दिम के भीतर जनते ल्यात्र स्वास्त भं हिस बद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधोहमाक्षरी के गक्ष सिकित में किए जा स्कारी

स्वद्रीकरण:--इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदी का, श्रो उक्क अधिनियम के अध्यक्ष १०-क में रिभाषित ही, कही अर्थ होगा को उस अध्यक्ष में दिया गया ही।

#### अनुसूची

अमीत मय म नत जिला गाया 390% को फीट है तथा जो मंदन संतारी, गार गमनेत्या है। जिल जूनि में स्थित है एवम विश्वा पूर्ण स्थित अशिका संदर्भ 35 दिया 10-6-85 में विश्वा है, ज्योर विजय विश्वाम असर विजन्धक पदाधिकारी गालेक्पुर के द्वारा गलक हुआ है।

> हुमी प्रशाद, नाजा माश्रिहारी, सहायक आयाहर आयुका, (निरीक्षण) अर्जन रेंज **जिल्लार**,

तारीख: 13-2-1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचमः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जनरेंज बिहार

पटना, दिनांक 12 फरवरी, 1986

सं । [[[] 224-प्रजीत/85-86:--अतः मुझे, दुर्गा प्रसाद.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिलकी संख्या एउ॰ पी॰ 1646 खाम सं॰ 439, ज्याट सं॰ 22 है, तथा जो मौता रहताब पुर बालापुर जिला पटना में स्थित है (भीर हराने उत्तमद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में विणा है), पिल्ड्रीनित्ती अधिनारी के नामित्य ज्ञान में पिल्ड्रीनिया अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीत तारीख 28-6-1985

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और अभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापड़ोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से ऐसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्रमा गया प्रतिफल, निम्निस्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में बास्तविक कृप से किथत नहीं कया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचाने में सृविधा दायित्व के लिए: और/या
- (ल) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय आय-च्चर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्षर वाब, उपत बीधनियम की भारा 269-म से अनुसरण या, भी उपल आधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) क प्रधीन निकलिसिय, स्पेक्टिमी, समिद्धि  पटना उच्च न्यायालय युवा अधिवक्ता गृह िर्माण सहयोग समिति लि० पटना द्वारा पशु पनि अथ सा सचिव।

(अन्तरक

 श्रीमती लता अग्रवाल जीजे
 श्री एक० के० अग्रवाल, नागेण्वर कालोनी, पटना हाईकोर्ट, पटना

(अन्त रितीः

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में के इं भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्स्यंथी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुत्तर
- (क) इस स्वन्, के राजपत्र में प्रकणन की तारीब के 45 कि। के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे

स्पच्छीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उदद अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिय: गया है।

जमीत जिसका रक्तबा 4735.5 वर्ग फीट है तथा जो मीजा शबराद पुर थाना दालापुर जिला उटता में स्थित है एवं िसका पूर्ण विवारण विस्ता सं० 9385 दिनांक 28-6-85 में दिणा है और जिसका निबन्धन रिजिस्ट्रार श्रीफ एसुरेन्सेज कलकत्ता के हारा सम्पन्न हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर सायुक्त (जिरीक्षण) अर्जुन रॉज जिहार

तारीख: 12-2-1988

मीहर १

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बिहार पटना

पटना, दिनांक 13 फरवरी, 1986

निवेश सं० III/1225/फ्रर्जन—ग्रनः मुझे दुर्गा प्रसाद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं कर्वे प्लाट नं 425 है तथा जो खाता नं 77 वार्ड नं 1, नया प्लाट सं 3085 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जमगोदपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 द्या 16) के श्रधीन तारीख 10-6-1985

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारः प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उत्थत अधिनियम की धारा 269-च था अन्सरण मों, मों, उत्थत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — 7—516 GI/85 (1) श्रीमती श्रालोमोनी देवी, जोजे स्व० बच्चू लोहार, निवासी सोनारी थाना सोनारी, टाउन, जयशेदपुर जिला सिंहभूम ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री श्रनिल कुमार सिंह,बल्द श्री बी० के० सिंह, रोड़ सं० 5, हो० सं० 172, लेयू वेस्ट आउट, थाना सोनारी टाउन, जिला जमशेदपुर सिंहभूम । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्त में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अनुसूची**

जमीन मकान मय जिसका रक्षा 3049 वर्गफीट है तथा जो मौजा सोनारी णहर जमशेदपुर जिला सिह्भम में स्थित है एवं जिसका संपूर्ण विवरण वसिका संब 4234 दिनांक 10-6-1985 में वर्णित है और जिसका निवंधन अवर निवंधक पदाधिकारी जमशेदपुर के ब्रारा सम्पन्न हुआ है।

> वुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकांनी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरो**क्षण**) ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक : 13-2-1986

मोहर।

# प्रारम् बाह्<sup>र</sup>् टी. एत. एस.-----

# सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुपना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्तक)

ग्रर्जन रेंज, बिहार,

पटना, दिनांक 13 परवरी, 1986

निर्देश सं० III/226/अर्जन/85-86-अतः मुझे; दुर्गा प्रसाद,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा ं 69-ख के अधीन सम्भाषिकारी को यह विश्वास करने का जारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर िसकी सं० प्लाट नं० 445; खाता सं० 216 (राज प्लाट सं० 4की) है तथा जो ग्राम हीनु थाना होरन्डा जिला रांची में स्थित है (श्रीर इससे इपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणय है) रिअस्ट्रीयाती अधिकारी के दार्थालय रांची में रिजस्ट्रीवारण श्रीधिन्यम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन नारीख 26-6-1985

का पूर्वेक्ति गंपिति के उचित बाजार मून्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से ऐसे दरयमान प्रतिफल का नन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया राजा गया प्रतिफल, निम्निलिश उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलिशत में वास्तिविक स्प से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के चिए; और/बा
- (६) एसी किसी नाम मा किसी धन या अन्य अस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिन्ध्यम, या धन-फार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्वांक्तार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया स्ति के लिए।

ाही जह, जनत अधिनियम की धारा 269-स को अनुसरण भी, में एकत अधिनियम की धारा 269-स की उपभारा (1) म को , जिल्लीकिक **पासितयों, क्रमांत अ**— (1) 1. श्री रात सिंह चन्ता बल्द स्व० हरबन्स सिंह चन्ता; 2. बलबीर शिंह चन्ता बल्द रत्त सिंह चन्ता तिवासी मेन रोड़, हीतु थाना होरन्डा, जिला रांची।

(फ्रन्तरक)

(2) श्रीमती उपा कुमारी सुपुत्ती प्रसुराम पासवान, निवासी क्वार्टर नं० बी-735, जगरनाथ नगर, थाना जगरनाथ पुर जिला रांची।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के अर्थन के किक कार्यवाहियां करता हूं।

### उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक्ष है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गक्षा है।

# **अनुसूची**

जमीत मय मधान भिस्का रक्षता 500 वर्षफीट है तथा जो ग्राम हीतु थाना होरन्डा भिला रांची में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण वसिया संब 6876 दिनांक 26-6-85 में विणित है श्रीर भिस्का नियंधन जिला ग्रवर निबंधक रांची के द्वारा सम्बन्न पुत्रा है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक क्रायकर ऋायुक्त (निरीक्षण) क्रजेन रेंब, बिहार, पटना

दिनाक : 13-2-1986

मेहिर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बिहार

पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

निर्देश सं्रुIII/227/म्रर्जन/85-86—म्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद, बायकर व्यापिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें इसके पश्चास् 'उक्त व्यापिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के वभीन सक्षम प्रापिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सञ्यक्ति, जिसका उजिल बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 445 खाता सं० 446 खाता सं० 216 श्रीर 217 सब प्लाट सं० 4/बी 1 है तथा जी प्राम हीनु थाना डोरन्डा जिला रांची में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय रांची में रिजस्ट्रीयरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 26-6-1985 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाधार मृत्य से कम के दर्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाधार मृत्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यभान प्रतिफल के पंतर अंतरक (अंतरका) और अंतरिक से पंतर श्रीतकात से विश्वत है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित रिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गरा प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अंतरण कि लिए तय पाया गरा प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अंतरण कि लिए तय पाया गरा प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अंतरण कि लिए तय पाया गरा प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अंतरण कि लिए तय पाया गरा प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अंतरण कि लिए तय पाया गरा प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अंतरण कि लिए तय पाया गरा प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश से उक्त अंतरण कि लिए तय पाया गरा प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अंतरण कि लिए तय पाया गरा प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अंतरण कि लिए तय पाया गरा प्रतिफल निम्नलिखन अंतरण से किया गया है है——

- (क) अन्तर्भ सं हुई किसी आय की बान्त्<sub>रा</sub> बक्त विधिनियम से स्थीन कर दोने के बन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (त) एसी किसी अस या किसी धन या क्या शास्तियों की, चिन्हीं भारतीय नाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नया वा वा किया जाना जाहिए था, क्याने में सुनिधा स्विधा के जिला।

क्ता अविकः, उन्त विविविव्य की पारा 269-न के बन्धरन में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- रतन सिंह चन्ता बल्द स्व० हरबन्स सिंह चन्ता,
 बलबीर सिंह चन्ता बल्द रतन सिंह चन्ता,
 निवासी मेन रोड, हीनु थाना डोरन्डा,
 जिला रांची ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्रोमती उषा कुमारी भुपुत्री परसुराम पामवान, निकासी (क्वार्टर नं० बी/735/II, जगरनाथ नगर, थाना जगरनाथ पुर , जिला रांची ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थना चारी सारके पूर्वोक्त सम्मृतित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां चुन्न करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी जाहांप इन्स

- (क) इत स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की विवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की विवधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यदित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर संपत्ति में हितयद्ध किसी बन्य स्थिवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकती।

स्पन्धीकरणः --- इसमी प्रयुक्त क्रम्यों आरि पदों का जो उक्स अधिनिषयं को अध्याय 20-क मी परिभाधित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस कथ्याय में दिशा गया है।

#### अनुसूची

जमीन मय मकान जिसका रकबा 500 वर्गफीट है तथा जो ग्राम होनु थाना डोरन्डा जिला रांची में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण वसिका गं० 6796 दिनांक 24-6-1985 में वर्णित है श्रोर जिसका निबंधन जिला श्रथर निबंधक रांचा के द्वारा सम्पन्न हुआ है ।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ुश्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक : 13-2-1986

मोहर ।

# प्रस्त बार्य ही प्राप्त प्राप्त प्राप्त का प्राप्त का

#### भारत चडुकाड

# कार्यालय $_{\mathcal{L}}$ सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, बिहार;

पटना, दिनांक 13 फरवरी 1986

जासकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रथाए 'सक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क की अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खाता सं० 77, वार्ड सं० 1, प्लाट सं० 3085 है तथा जो मौजा सोनारी ग्रहर में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जमशेदपुर जिला सिंह भूम में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 6-6-1985

को प्वांचित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के परयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ,,एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितवों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निस्नलिखित उद्विषय से उक्त अंतरण निवित में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है है—

- (क), बन्तरुण ते हुन्दी किसी बाद की बादत । उन्नत विध-नियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के खाँडत्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए। श्रीद्व/वा
- [कि पेसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकाड़ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्ति दिती ब्वाड़ा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना शाहिए था, कियाने जें सुविधा के विद्युः

भवत गव्, उक्त मिनियम की भारा 269-म को अनुवरक मो, मी, उक्त मिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) ओ सभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात स— (1) द्यालोमोनी देती, विश्ववा स्व० बच्चु लोहार, निवासी सोनारी थाना सोनारी शहर, जमशेदपुर जिला सिंहभूम ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रजय कुमार सिंह वल्द श्री क्रज विशोर सिंह, निवासी रोड़ सं० 3, हो० सं० 172, न्यू वेस्ट ले ग्राउट, सौनारी थाना, सोनारी शहर, जमशेदपुर, जिला सिंहभूम । (ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

# उनत सुरुपति है बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  वविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित इवारा;
- (क) इंस सूचना को ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

#### मनुसुची

जमीन मय मकान जिसका रकबा 3049 वर्गफीट है था जो मौजा सोनारी , शहर जमशेदपुर जिला सिंहभूम में स्थित है एवं जिसका पूर्ण विवरण वसिका सं० 4169 दिनांक 6-6-1985 में विणित है श्रौर जिसका निबंधन श्रवर निबंधक पदाधिकारी जमशेदपुर के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

> द्रुर्ग प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बिहार,

दिमांक : 13-2-1986

प्ररूप वार्षः, टी. एन. एस.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

नार्यानय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बिहार

पटना, दिनांक 12 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 111/229/ग्रर्जन/85-86—श्रतः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाचार मूक्य 100,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं रहिल नं 6 हो 6 सं 293 (पूराना 230) वार्ड, मं 2 एम० एम० प्लाट मं 651 हैं तथा जो मह्ला जमाल रोड, कोनवाली मंजिला पटना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबड श्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजर्ट्रा रती श्रधिकारी के कार्यालय क्लकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 10-6-1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त बन्तरण निजित में बास्तिक रूप से कृष्यित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण तें हुई किसी आय की अवत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; वरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के निए;

वाण: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्मिसिक, व्यक्तियों, बधित् ह—  1. बीबी शमिस्या जाँजे मो० सैयद नस्हल हुदा जमाल रोड, थाना कोत्रवाली जिला पटना,
 2. बीबी कमहिनशा जीजे सैयद कमहजमा रिजवी (एस० यु० रिजवी)
 161, पाटलीपुत्र कालीनी, थाना पाटलीपुत्र,
 जिला पटना ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री श्याम नारायण सिंह, वल्द स्व० प्रहलाद सिंह 2. श्री मिथिलेश कुमार सिंह, वल्द श्री श्याम नारायण सिंह, 3. श्रीमती तारा सिंह, जाँजे श्री मिथलेश कुमार दिंह, सभी निवासी कदम कुशा, थाना एदम कुआं, जिला पटना। (श्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्चन के संबंध में कोई आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए पा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बनुसुनी

जमीन मय मकान जिसका रक्बा 5 क्ट्ठा है तथा जो मोहल्ला जमाल रोड़, थाना कोठवाली जिला पटना में स्थित है एवं जिसका सम्पूर्ण विवरण वसिका सं० 8415 दिनांक 10-6-1985 में विणित है और जिसका निवधन्त रिजस्ट्रार आफ एमुरेसेज कलकत्ता के द्वारा सम्पन्त हुआ है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

दिनांक : 12-2-1986

# प्रकार कार्य हो पुन् पुरा है सन्तर्भाव स्थापन

# बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के वधीन सुवना भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आगुक्त (निर्देक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगसूर, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० सी० आर० 62/47734/85-86-- आद: मुझे, आर० भारद्वाज,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से मुख्य है

श्रीर जिसकी सं० 12, नया 12/16 है तथा जो एडवर्ड रोड़ सिविल स्टेशन, बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रीधन तारीख 1-6-1985

को पूर्वोक्स सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वस्तान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास कर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिमा) के भीच एसे अन्तरण के सिए तथ पना गृंगा प्रतिक्त, निम्निसिश्त सब्देश्य से स्थल क्लाइण जिल्ला में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया पना है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त धीषणियस से संधीन कर दोने के कन्दरक में दावित्व में कमी करने वा स्वस्थ कन्नने में सूजिया से सिए; महि/बा
- (६) ऐसी किसी बाय था किसी थन या अन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुकारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विधा के लिए।

अतः। जयः, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण भों, ते उक्त विधिनियमं की भारा 269-ण की उप्पारा ((1)) के विधीन, निकासिक्ति व्यक्तिकों के विधीन के किस्स (1) श्री बी० ए० हमीद, दि सिटती सिविल बेंगलूर, फार ए ग्रान बिहाफ ग्राफ सि० बी० ए० हमीद 16 एडवर्ड रोढ, सिविल स्टेशन, बेंगलूर ।

(ग्रन्टरक)

(2) श्री श्रार० ए० जलील,
 12-बी₁16, पहली मंजिल, एडवर्ड रोड,
 सिविल स्टेशन, बेंगलूर ।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्चन के सिष्ट्र कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तार्री हैं
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पन्ति में हिस्वव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विविध में किए जा सकीय।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होना जो उप अध्याय में दिया गया है।

# नन्स्ची

(दस्तावेज सं०  $696_l 85-86$  ता० 1-6-85) सम्पति जिसका सं० 12, नया सं०  $12_l 16$ , एउवर्ड रोड सिविल, स्टेशन, बेंगसूर ।

> श्चार० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रैंज; बेंगलूर

दिनांक । 10-2-1986 मोहर

# प्रकृत भार**्**टी. एव . एस . -----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न(1) में मुभीय स्पूरा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 10 फरवरी, 1986

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उपित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीरजिसकी मं० स्युनिसिपल मं० 12 (ए) नया नं० 15 सोमेश्वरा कोइल स्ट्रीट अनसूर हैं तथा जो बेंगलूर-8 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 12-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से काम के इत्यमान प्रतिफल के सिए , बन्दरित की गई

हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रसि-फल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित खब्देश्य से उक्त अंतरण सिवित्त में वास्तिविक इप से कथित यहाँ रिजंगा गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, ख्रम्क अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) होती किसी अन्य या किसी भन या अन्य आरित्यों कर जिल्हों भारतीय नामकर स्थिनियम, 1922 (1922 का 1;) या उदात अधिनियम, या पत- कर अधिनियम, या पत- कर अधिनियम, या पत- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिवाल अन्यरिती क्षाण प्रकट नहीं किया गया या का किया जाना आरिया था, कियान में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै अनुसरण बाँ, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) इं अधीन, निम्नसिधित व्यक्तियों, अर्थात् १--- (1) श्री सी० भ्रार० लक्ष्मीनारायण सेटटी गं० 30 गारायण धिनाइ स्ट्रीट धिवल स्ट्रीट वेंगलूर ।

(म्रन्दरक)

(2) श्रीमती बी० एस० सुनंद नं० 14-84/ए टेम्पल रट्रीट संडूर बेलारी डिस्ट्रिक्ट ।

(3) जैसे ऊपर लिखा है वैसा ही ।
(वह व्यक्ति जिसके श्रिष्टिभोग में सम्पति है)
(अन्सरिती)

करं यह सुपना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति ही वर्ष्य के जिए कार्यशाहिया करता हुन।

उन्त सम्पन्ति के क्राचीय की सम्बन्ध की कोई भी वासीय 🎾—

- (क) इस स्थान के राष्ट्रम् में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की ब्विध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की राजीब से 30 दिन की व्यक्ति, को भी व्यक्ति साप में समाच्य होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यका में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उन्हें स्थानर संपत्ति में द्विध-बक्ध किसी बन्य व्यक्ति क्वारा अभोद्वस्थाध्यरी के पास सिधित में किए का सकोंगे।

्रम्बर्गकरम् ६--- हसने प्रमुक्त कव्यो श्रीर व्यो का, जो उपक व्यक्तित्व के व्यथाय 20-क में परिभाषित हैं, यही वर्ष होगा को उस व्यथाय में क्रिका भवा है।

#### ग्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 1010/85-86 तारीख 12-6-1985) सम्बत्ति जिल्हा म्युनिसियल नं० 12 (प्राना) नया सं० 15 जो सोमेण्वरा कोइल स्ट्रीट ग्रनसूर बेंगलूर में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलर

दिनांक : 10-2-1986

मोह्रर:

# अक्ष आ<u>र्ष्ट्री. एन . एस . -----</u>

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निर्काण)

अर्जन रेज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 फरवरी 1986

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रचात् 'उनत विभिन्नियम' कहा गया है), की धारा 269-स के बभीन सकाम प्राधिकाड़ी की, वह विश्वास कड़ने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उन्तित वाबाड नृस्व 1,00,000/- स्त. से अधिक है

ग्रांर जिसकी सं० 1923/1961 वा० नं० 93 है ध्या जो बन्तूर, टी नरसीपुर मैंपूर डिस्ट्रिक्ट में स्थित हैं (ग्रांर इसमें उपाबद्ध श्रमुम्बी में ग्रांर पूर्ण का भे वणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के वार्यालय बन्तूर में रिजस्ट्रीवरण श्रिधिनियम 1908 (1908 वा 16) के श्रधीम तारीख 29-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जोजत बाजार मृत्य से कम के सरयमान प्रतिष्वल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिष्मल सो,

एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंत-एक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से इक्त अंतरण लिखित में बास्तिबिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूचिथा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धर या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर ध्रीधनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वार प्रकट नहीं किया केन को लिए;

- (1) मैं० इन्दिरा थियेटर, बन्तूर, टी नरमीपुर तालुक मैंबूर डिस्ट्रिक्ट । (श्रन्तरक)
- (2) मैं ० राघवेंन्द्र एण्ड कं० एक्सेस कन्द्रेक्टसं, माम्बली, एलंटूर बालुक मैंसूर, डिस्ट्रिक्ट । (ग्रन्तिरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त संपत्ति को मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप ध---

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों परु स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, थों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्क्रुमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चिस में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मनुसूची

(दस्भावेज सं० 749/85-86 दिनांक 29-6-85) सम्पत्ति सं० 1923/1961 मं० 93 जिसका नाप 184+205 84+94

2 2 बन्त्र टीनरमीपुर तालुक भैस्र डिस्ट्रिक्ट में स्थित **है** ।

> श्रार० भारद्वाज पक्षम प्राधिकारी सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, बेंगल्र

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्ल के अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) क अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ध---

दिनांक : 10-2-1986

---- × ----

मोहरः

# प्रकम नार्ड् इ टाँ हु पुन हु पुन हुन सन्धनन

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-श (1) के जभीन सुचना

#### HER SECTION

# कार्यासय, सहायक जायकर जायकर (निर्द्रीक्रण) अर्जन रेंज, बंगल्र

ं बंगलुर, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० मी० आ४० 62/47735/85-86---अत: मुझे, आ४० भारदाज,

नायकर निधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पक्वात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के निधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निध्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृस्य 1,00.000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं 0 1144 है तथा जो एच० ए० एल० स्टेज, बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप संविधत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याल शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से काम के बच्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विद्यास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उव्योध्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जान की वायत , अपक वीधीनवम के जधीन कर दोने के बन्तरक के स्वीयत्व में क्सी करने मा उसके वचने में बृविधा के निष्; और√या
- (स) श्रेची किसी बाय या किसी धन या बन्यं वास्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ क्लारिती इवारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया बाता चाहिए था, डिमाने में सुविधा के जिन्नः

कतः थव, उक्त विभिनियम् की भारा 269-व के वन्स्रत्व में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---8 ---516 GI/85 (1) श्री टी. डी. श्रीनिवास,
 1144, ब्लाम, एच ए० एल० II स्टेज,
 बेंगलूर-560038

(अन्तरकः)

(2) डाक्टर बी० विकवार अजीम अबुदबी, (यु० ए० एफ०) इसके एिना जी० पी० ए० होल्डर से श्री एम० ए० वशीर, 11/1, लक्ष्मी रोड़, झांसी नगर, बंगल्य ।

(अन्तरिती)

को वह श्रृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष्ट्र कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप 🎞--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों थे से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस ्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हितबह्भ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकेंगे।

स्थल्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ह अधिनियम, के अध्याय 23 क में यथा एट्रि-भाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा, जो उद्ध नध्याय में दिया गया है।

#### श्रनुस<del>ुपी</del>

(दस्तावोजा नं० 710/85 -36 तारीखा 3-6-1985 सम्पति जिसका सं० 1144, ब्लाक सं० एच०, एच० ए० एन० II स्टेज, बेंगलूर ।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायकआयकरआयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 10-2-1986

# . इक्ष वा<u>र्व . टी . पुन . एच . ----</u>---

# नारक अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के नभीन सूचना आरत् क्रव्यार

# कार्यास्य, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी, 1986 निर्देश सं० आई० ए० मी० एक्यु/3/37ईई/6--85/958

अभः मुझे, सुनील चापड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्राँग जिसकी मं० डी०1 डी० 2 प्लाट नं० 311 हैं तथा जो नचफ गढ़ रोंड़, भई दिल्ली में स्थित हैं (श्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) रिजस्ट्रीयती अधि-कारी के कार्यालय अर्जन रेंज-3, भई दिल्ली में आयकर अधिनयम 1961 के अधीन नारीख जून 1985

को पूर्वेक्ति सम्पक्ति को उ<mark>षित बाजार मृत्य से कम को रक्यमान</mark> प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मु<mark>भने यह विक्वास</mark> करने का कारण है

कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्त रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों लारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्वारा प्रकढ नहीं किया गया था या किया प्राप्त चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के जन्सरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधीच :--- (1) शिवलोक प्रापर्टीज,आदिवायश्री हाउस, सुपर बाजार के सामने,कक्षट सर्वम, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मुतील कुमार नन्दा 173, राजा गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूजें कर सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तांधील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंक्लिय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावत सम्पत्ति में हितबक्ष किसी कन्य व्यक्ति ब्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास किस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वयद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त जन्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, तही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट तं० डी 1 डी 2, पर्लैट तं० 311, शिवलोक हाउस-II नजफगढ़ रोड़, कर्माश्रयल कम्प्रलेक्स, गई दिल्ली क्षेत्र 354 वर्ग कीट 1

सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, ५% दिल्ली

दिनांक : 7-2-1986

प्ररूप काइँ ु टी ु एन ु एस्, -----

नावकर निविनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुवना

#### भारत सरकार

# कार्याजन, तहारक जायकर वायुक्त (निरुक्षिण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी० एन्यु/3/37ईई/6-85/956 अतः मुझे, सुनील चौपड़ा,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्ब 1.,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० ई-4/15 है तथा जो झन्डे वालान एक्सटेंभन नई दिल्ली में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के भार्यालय अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्विक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रबमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एोसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिस्त से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीचा एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिस्त निम्निविक्त उच्चेष्य से उन्त अन्तरण हिविक्त में मास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है दिन्स

- (क) अध्ययण वे सुद्धार किसी आध्य की वांशत, उस्त निवस के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

लेक्द कव, उक्त जीभीनयम की भारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के जुमीनक ज़िल्लिकिट्सिय व्यक्तियोंक क्रमांत क्र— (1) अशोका बिल्डर्स,
 इ-2/6, झन्डे बालान एक्सटेंशन,
 नई दिल्ली -55

(अन्तरक)

(2) आर० एस० मिलिक बी-1/16, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में एरिआ पित हैं, बही अर्थ हांगा जो उस अध्याय में टिया गया है।

# बनुसूची

पलैट नं ० एम ० 2 मैं जेबाईन फ्लोर नं ० ई/15, अन्डेबालान एक्सटेंशन, नई दिल्ली ।

सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक : 7-2-1986

# त्रक्त नार्वा, दर्गे, युग्न, युग्न, <sub>१९००</sub>, १९००, १९००

# नापकर मधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यां सम् सहायक वायकर वायुक्त (किरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्यु/3/37ईई/6-85/7-85 963--अत: मुझे, सुनील चेंपड़ा,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह बिह्नास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० 36, खसरा तं० 81 एवं 89 है तथा जो ग्राम विन्दापुर नई दिल्ली में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से वणित है) राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज→3, नई दिल्ली में राजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुन 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्ह भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविभा के लिए।

अतः अवः, उक्तः अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुतरण में, में, उक्तं व्यक्षिनियमं की धारा 269-वं की उपभारा (1) (1) श्री जगमोहन मंगलानी,
 70, दयानन्द नगर, सावरेंन्स रोड,
 नई दिल्ली ।
 अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती उमिता जैन, आर० श्रो० 3379, ब्रिनगर, दिल्ली-35

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उबत सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अधि , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त काव्यों और पदों वा, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

#### समय ची

1/2 भाग प्लाट नं० 36, आउट आफ खसरा नं० 81 एव 89 ग्राम बिन्दापुर, आवदी उत्तम नगर, नई दिल्ली-59 भूमि 100 वर्गगज ।

> सूनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

दिनांक : **7-2-198**6

# प्रकाश नार्<sup>त</sup>्टी एन <u>एक उ</u>क्तान

# शायकर जभिनियम । 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### धारत तरकाड

# क्ष्यांतर, दश्यक वायकत मानुस्त (विरीक्षण)

अर्जन रेंज-3. दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० नी०/एक्यू०/3/37-ईई/6-85/ 962---यन:, मुझे, जुनील चे।पड़ा,

कायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसको मं० 36, खसरा नं० 81 एवं 89 एकड़ है, तथा जो ग्राम बिन्दापुर, दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) कार्यालय, श्राई० ए० सी० श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 के श्रधीन, नारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्यक्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के अस्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापृत्रोंकत सम्पत्ति का उणित बाजार मृत्य, इसके अस्ममान प्रतिफल से, एसे अस्ममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पामा नका प्रतिफल निम्नलिखित उत्वर्ष से उक्त अंतरण जिल्हा के वास्तिक रूप से कृश्यित नहीं किया चना है।

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) श्रेसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1), में अधीन निम्निसिक व्यक्तियों, अथौत :—  श्री जगमोहत संगलानी 70, दथानन्द नगर, लारेंस रोड़, श्रमुतसर ।

(भ्रन्तरक)

 श्री राजकपूर, श्रारज्यड बी०-2, णीशराम पार्क उत्तम नगर, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को बहु सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां कडता हूं।

जक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में के। इं भी वाक्षप ए---

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की समिध या तत्सम्बन्धी स्थानितयों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की समिध, जो भी समिध बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थाक्तयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी अन्य क्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वक्योंक दुन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्यविवयं के व्यवाय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस मध्याय में दिवा ववा है ॥

#### धनुसूची

1/2 भाग प्लाट नं० 36, खसरा नं० 81 एवं 89 ग्राम बिन्दापुर दिल्ली स्टेट उत्तम नगर श्रार ब्लाक एक्सटेनशन नजफएढ़ रोड, भूमि 100 वर्ग गज।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख: 7-2-1986

मोहर 🖫

प्रारूप बार्ड .टी. एन. एस. . . . . . . . .

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के घंधीन सुचना

#### भारत चरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 13 फरवरी 1986

निर्वेण सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ई ई/6-85/951---यत:, मुझे, सुनील चोपड़ा,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- क. से अभिक है

श्रौर जिसकी सं० सी-33, प्रीत विहार है, तथा जो दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), श्रायकर के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रधीन तारीख जून, 1985,

करे पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और

मुओं यह विश्यास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्व्यमान प्रति-फंज से एने द्व्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितयों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तम पाया गया प्रतिपत्त, निम्निमिसित उद्वेद्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया

- (क) जन्तरण से हुई किसीं जाय की बाबत, उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के हुआए; आदि/का
- (०) एसी किसी नाय वा किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. खिपाने में सुविधा के बिए;

अतः अयः, अवतः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---

- 1. श्री मुन्दर लाल खुराना 25, मलका गंग, दिल्ली (श्रन्सरक)
- 2. श्री महेन्द्र क्वष्ण गुप्ता 1095 उग्र सेन स्ट्रीट, दिल्ली (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति में वर्षन के सिक्ष कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उक्त सम्मृति के सर्वन के सम्दान यो कोई भी वाक्षेप हर---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कृष स्पृष्टित ब्वारा व्याहरूसकृरी के पास विश्वित वे किस वा सकेंचे ।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो अक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ हुरेगा जो उस अध्याय में विया सभा है ।

# मन्स्ची

प्लाट नं॰ सी-33, प्रीत बिहार, दिल्ली

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 13-2-1986

प्ररूप् आई.टी.एन.एस.-----

आयकर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 7 फरवरी 1986

निर्देण सं श्राई० ए० सी 0 एक्यू 0/3/37-ई ई/6-85/953- -यतः, मुझे, सुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसक़ी सं० 39-बी, यू० जी० 5 है, तथा जो भीका जी कामा लेस नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुपूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजित है), श्रायकर के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख जून, 1985

को पूर्विका संपत्ति के जियत बाबार मूल्य से कम को करवान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का जीवत बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दर प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: औद्व/वा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ब्रत: बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्धात् :-- 1. श्रो कृष्ण तिवारी पत्नी श्री सी० पी० तिवारी एफ 58, ग्रीन पार्क नई दिल्ली-16

(ग्रन्तरक)

2. श्री मुरेन्द्रा श्ररोड़ा, चमन लान एच० यू० एफ० एण्ड श्रीमती रानी श्ररोडा एम-15 कैलाश कालोनी, निई

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के तिस् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी क्विक्तयों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो जी अविध बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी क्विक्त व्वारा;
- (स) इस द्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तगरीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्यि-बद्भ किसी बन्द व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों ना, जो जब्द अधिनिजय, के अध्याय 20-क में दथा परिभाषित है, यही जर्भ होगा जो उक्त अध्याय में दिवा गया है।

## मनुसूची

फ्लैंट नं० 39-बी, यू० जी०-5 भीका जी कामा प्लेस, नई दिल्ली, निर्माणाधीन ।

> सुनील चें।पड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 7-2-1986

प्रसन्द नाहर्षे, टी. एगः, एस्., ०००० ०००

# कामधार कॉधनियम, 1961 (1961 का 43) की पाउउ 269-म (1) के कधीन त्यना

भारत सरकार

# कार्यास्त्र, बहायक वायकर वाम्वत (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 7 फरवरी 1986

निर्देश मं० श्राई० ए० ६सी०/एक्यू०/3/37-ई ई/6-85-947---यन:, मुझे, सुनील चेपड़ा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रु. सं आधिक हैं श्रीर जिसकी सं० ए-22, निर्माण विहार, है, तथा जो दिल्ली-92 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) आयकर के कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रधीन नारीख जून, 1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का आरण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ए ते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखन ख्देर से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त किपीवयम के अधीन कर बेने के बन्दरक के हाजिस्व में कमी करने वा जबसे बचने में सुविधा के निरा; मेडि/या
- (ज) देशी किसी बाव या किसी थव या जन्य जास्तियों की, विन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथक्ष अधिनियम, मा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कियां जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा चै खिए;

बदः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

 श्री मनोहर लाल दुग्गल एफ-1407, लक्ष्मी बाई नगर, नई विल्ली

(श्रन्तरक)

2. श्री राम दिवास श्रप्रवान (एच० यू० एफ०) 207-ए, पड़ पड़ गंज, दिल्ली, सीता राम श्रप्रवान (एच० यू० एफ०) 192, ए पटगड़ गंज दिल्ली गोपान कृष्ण श्रप्रवान (एच० यू० एफ०) 212-ए, पटपड़गंज, दिल्ली (अन्तरिती)

कारे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

## उच्च बन्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप इ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाराह
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य स्पक्ति द्वारा कभोहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए जा सकोंगे।

अन्द्रीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

# प्रनुसूची

्ए-22, निर्माण विहार दिल्ली-92, 360 वर्ग गज ।

सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : **7-2-198**6

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार लय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3,, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 7 फरवरी 1986

निर्देण सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-ई ई/6-85/950-पतः, भुसे, सुनील चें।उड़ा,

शायकर अधि नयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर कम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 1,,00,000 /- रठ. से अधिक है

धीर जिनके सं० ए-204 एण्ड ए-205 है, तथा जो 5मीका जी कामा प्लेश ई जिल्ली में स्थित है (श्रीप इतसे उपावत अनुसूची में श्रीप पूर्ण पासे विजिश है) कार्यालय, श्राई० ए० सी० श्राजीन रेंज-3, में सारतीय आवरा श्रिधिनयम 1961 के श्रिधीन, तारीख जून, 1985

को प्रांक्ति स्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रित्कल के िए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्य तन प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत ने अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नेलेकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे धास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) इन्तरण से हुई िकसी आइ, की बाबत, उक्त ियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे बनी करने या उससे बचने में पृविधा के लिए; केर/या
- (क) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 ( 922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्नकर अधिनियम, या ध्नकर अधिनियम, या ध्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्राजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के थिए;

 श्रामाई विवार विह 4/23, बो, आवफपली रोड़ नई दिल्हों

(ग्रन्तरक)

2. श्रो श्रीनल यस एण्ड सुनील यस पुत्र श्री श्रीर० बी० दस बी/एल-93, श्रानन िंा, दि दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वीवत सन्धाल के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना है राजपत या प्रकारन की तारी **हर सू**चना की शर्याण या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स ...) दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, की भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से धिनी व्यक्ति युवारा;
- (क) इस सुक्ता के राजपण मां प्रकाशन की शारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हिता बद्ध किसी जन्म स्यक्ति उवारा, अथोहस्ताक्तरी के पास विकास में विषय जा सकीता

स्पष्टीकरण:—हरूमो ध्यक्त शब्दा कीर यहाँ का, जो उबस अधिनियम, को अध्याय 20 क मी परिभाषित हो, बहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

# बन्स्ची

ए-204 एवं ए-205, 5 भी एन जी कामा प्लेप, नई दिल्ली 800 वर्ग फीट ।

> सुनील चीनड़ा सक्षम प्राधिकारी महाराण प्रायक्तर स्रायुक्त (निरीक्षण) धर्मन रेंग-3, हिल्लो, नई हिल्लो-110002

तारीख : 7-2-1986

# प्ररूप आर्थः तो . एत . एस . ------

# भाग कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (!) के लभीन स्थना

भागम सुरक्षार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, ितीं है 7 फरवरी 1986

बायकार कार्याचाड . १९०५ (१५६1 का 43) (विसे इसमें इसके पहकात 'तकत अधिनियम' बहा गया है), की भारा 269- क्ष के बधीन मक्षम ऑफकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाजर सम्बत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिल्हा संघ 700. ए/3, न्यू रोह्त हरोड़ हैं, तथा जो रोल बार, नई िल्हा में स्थित है (श्रीर इतने उपाबढ़ श्रनुपूची श्रीर पूर्ण का के पणित है) आकार के कार्यालय, श्राई० ए० सार श्राजीत रेंके-3, नई िल्हा में भारतीय श्राजीत श्रीविसम 1901 के श्राजीत, नारोब जून, 1985

का पर्वो स्व संव्यास्त के शिवन कराया मूल्य में कम के क्रयमान प्रतिष्ठत वे शिवस करायान की गई है और मूझे यह विश्वास करने का व्यारण है कि संव्याप्येवित संव्यात का उचित बाजार मूल्य, उन्यो द्वयमान प्रतिष्ठा से, एसे द्वयमान प्रतिष्ठल का पंद्रह प्रतिकान से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिका) के बीच पास अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रति-कल निम्निजिसित उद्दोष्य से उद्धार अंतरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जान की बानत तक्त विध-नियम को अभीन भार योगे के अन्तरक को दावित्य में काभी कारने या उससे वधने में सुविभा को सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं, लब्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसिस व्यवितयों, अर्थान् :--- 1. ऋषि पूजा बिल्डर्स (प्रा०) ति० ६/4792 चौदनी चोक दिल्लं-६

(श्रुस्परह)

2. डा० प्रतिभा हांडा पत्नी डा० विजय हान्डा सी/ग्री० डा० पानिः देश 1001, बाजार चितली कबर, दिल्लो-७

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचेना बारी करके बृधिक्त सम्पन्त के प्रति के प्रति के किए कार्यनाह्य करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम, के अध्याप 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुमूची

फ्लैट मं • 766, ए/3, न्यू रोहत करोड़, करोलवाग, नई दिल्ली क्रोत 1099 वर्ग फ़ीट।

> सुनीन चीपड़ा सजम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायमः (निरीक्षण) श्रजन रेज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 7-2-1986

म*ा*हर :

## ग्रभम् आहे. ती. एम. एच.-----

यहबट र अधितयम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत रःस्कार

# कार्याभय, सहायक नायकर नायुक्त (निऱ्याक्रक)

धर्जन रेंज- 3, नई दिल्ली

नई दिल्लों, दिनौंक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० धाई० ए० सी:०/एक्यू/3/37ईई/6→85/ 953-ए--- अक्षः सुक्षे पुनःल चो:ड़ा

कारकर बिर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चान 'उक्त बीर्धानयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राणि री की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

ग्रांद चिनको सं० 32-ए, एउ० ब्लाउ है नया जो विष्णु गार्डन नई जिलो में थिश है (ग्रीट इ.से उराबद श्रनुसूची में ग्रांट पूर्ण कर से विणित है),

के ायिक्ति याई० ए० ले॰ श्रार्जन रेंज-3, नई दिस्ती में भारतीय श्रापकर अधिनियम 1961 के श्रधीन दिनौक जुन 1985

का पृशांकत सम्मात्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रिकिक्त के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह गितशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तांवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आा की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा काल्य से अपनिया
- ्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (१९५७ का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अदिशा का लिए,

अत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अंनुसरण .भी, मी, उवा अधिनयम की धा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रोमनी गोन्यां देवां प्राटः/प्रेटः 32 ए, एरः ब्लाह, विष्यु लाईन, नई दिल्लो।

(श्रन्तरक)

(2) श्रोरमेंग लाल डो-17, मोडन बस्तो, लई दिल्ली। (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त बिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इभ सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति मे हित- बद्देश किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्कित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त कथितियम , के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ हामा यो उस अध्याय में दिया नया है।

# **भ्र**नुसूची

प्ताट नं० 32 ए, एन० बनाक विष्णु गार्डन, नई दिल्ली क्षेत्र 100 वर्ग कृगण।

> सुनील चोगड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायङ शायकर श्रायुक्त (िरोक्षण) भर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनॉक: 7−2−1986

प्ररूप बाध\*, टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) সী धारा 269-भ (1) को अर्धान सुभना

#### भारत सरकार

क्रायांक्स , सहायक बायक र आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी/एक्यू/3/37ईई/6-85/ 946--मातः मुझे सुनील जीवडा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वाह 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन संजम प्राव्यात का का का पह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित अजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिल्हों सं० 1--9, डी 1 डी 2, है तथा जो मिलन कम्पलेक्स नजफगड़ रोड, हुई दिल्हों में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुदुकी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), के कार्यालय श्रजीन रेज--3, नई दिल्ही में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रदीन दिनीं जून 1985

को पूर्वीवित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वीवित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरिती (अन्तरितया) के बीच एउं अन्तरण वा निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य सं उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में किंपित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई फिली आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के समिदल भी कनी करने या उमसे लक्षने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एस चिन्सी जाप का निभी भन का अप अपिस्ता कार्र कार्र जाप कार्र कार्य कार्र कार्र

बतः बच, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग की बन्तरण की, मी, उक्त विधिनयम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसित व्यक्तियों, वर्षात् :----

- (1) किवलोह प्राप्तर्दीण प्रादिनाथ श्री हाउत सुनर वाणार के सामने कनाट सर्कन, नई िल्तो (प्रस्तरक)
- (2) श्रीमती मोना राजा एन्ड मास्टर श्रीगणेष राजा पत्नी एण्ड पुत्र श्री श्रशीह राजा श्रारः/श्री० रोड नं० 10 प्लाटनं० 13पूर्वी पंजाबी बागाई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को सह सुभाना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन स लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

## उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 2---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की गरीब से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तिय पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, हों भी अवधि बाद में समाप्त होंती हो, के भीतर पूर्व कि व्यक्तिसों में में किभी व्यक्ति हवारा;
- (स्र) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की ारीख से 45 दिन के भीतर उक्त न्धावर सम्पत्ति में हिशवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर। के पास निस्ता में किये जा सकरेंगे।

हपव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो अक्त आधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा को उस अध्यार में दिया गया हैं।

## बन् सूची

1-9, जिवलोह हाउत-11, डी 1, डी 2, मिला कम्पलेकत नजफ गढ़ रोड, नई दिल्ली क्षेत्र 361 वर्ग फीट।

> सुनील चीतड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, विस्सी, नई विफली -110002

विनौक: 7-2-1986

# प्रकथ आहर् . टी . एन . एम . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फ़रवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/6-85/ 957---श्रवः मुझे मुनील चोपड़ा शायक र श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके ४९%। इं 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह'), की भारा 269 अब को लयीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 1.00,000 - रा. से अधिक है श्रीर जिल्ही संव 112-ए, प्लाट नंव डी 1, डी 2, है तथा जो नजफ़रढ़ रोड, नई दिस्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अध्मुची में ऑफ पूर्ण कर से विषित्र हैं), बार्यालय,

श्रजन रेंड-3 में भारतीय श्रायकर श्रधितियम, 1961 के म्रधीन दिनांक जून 1985 को पूर्वीक्त रूपित के उधित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के ए ए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मृत्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंत-रिस्ती (अंतरि) थों) के बीच एसे प्रतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न∂लिंगत उद्दोश्य से उक्त अंतरण लि**खित में** शास्त्रीयक रूप में करियत नहीं किया गया है :---

- [क) अंतरण से हुए किसी भाग की बाबत, उक्त कां धरिमम के अधीन कर दोने के अंतरक के दा अस्य भी कामी कारने था उसमें यसने मा सविधा क रिनाम: व्यक्ति/याः
- 🖅 ए है किसी अाय या किसी धन या अन्य बास्टियाँ। कः, जिन्हां भारतीय आधकार अभिनिध्य, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या अल-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोलनार्थ बंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या भाषा किया जाता चाहिए था, छिपाने भी स्रिक्षा के सिए;
- कतः व्यवः, उत्यतः विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उबत अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीष :--

- المستريدة والمرافقة فالمنافئ والمستمارة والمسترين والمسترين والمسترين والمسترين والمسترين والمسترين (1) शिवलो प्रापटीं ज्ञादिनाथ श्री हाउस सूरर बाजार के सामने, कनाट सर्कत नई दिल्ली। (अन्दर्भ)
  - (2) मैसर्ज सैटर ट्रेन्ड नियर (इन्डिया) द्वारा श्रीमती नीलम मलहोत्रा, 26/1596 एच० ए.३०, नालगा स्ट्रीट, ऋरोल बाप, नई दिल्ली ।

(भ्रन्त(रती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

#### उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र भी प्रकाशन की नागील म 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भैं। अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **अ**नुसुची

112-ए, प्लाट डी 1, डी 2, नजफगढ़ रोड, कम्बियल कम्प्लेक्ट नई दिल्ली, 250 वर्ग फुट।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकःरी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेज-3, नई हिल्बी।

तारीख ' 7--2-1986 मोह'र :

प्रकप आइ".टी.एन.एस.----

अरुकार अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्न थारा 269-च (1) के अभीन सुचना

The second of th

#### भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अग्रवाल हाउस, 4/14-ए, आसफ अली रोड, श्रजेन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां ३ ७ फरवरी 1986

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एनपू०/3/37ईई/6-85/ 959--म्राउः, नुझे, मुनील चो इः

अध्यक्षत्र तथिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनार 'उनक अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्रोप जिल्लो स० 115, ए, 5, है तथा जो भी त जी रामा प्लोत, गई धिरली में स्थित है (म्रांप इससे उपाबद्ध म्रानुत्ती में मौप पूर्ण क्या से विणित है), रामिल्य म्रजीत रेंज--3, नई धिरली में भारतीय मायवर मिनियम 1961 के मुधीन दिसांक जून 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एकमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण बिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, खक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा क लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा केतिए,

अंत: अंब, उक्त अविनियम की भारी 269-ग की अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, रिधनिसिए व्यक्तिकार, धर्मात :---

- (1) श्रीनती गांति चक्सेना ए-6, केंनाश गालोनी नई दिल्ली। (ग्रान्तर ह)
  - (2) श्री झार० एस० नागपाल एण्ड श्री वीरेन्द्र घोपड़ा, 18/8-ए, डबल स्टोरी फ्लोट प्रेम नगर, पो० झो- जनक पुरी, नई दिल्ली।

(श्रन्दरितीं)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्थन के क्षिप् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्वाध या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अर्वाध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इसस्थना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्च निस्ति में किए जा सकांगे।

धन्सूर्चः

दुहाल नं 115-ए, पह्ली मंजिल, क्षेत्र 110 वर्ग फुट 5, भी अजी कामाप्लेश, नई दिल्ली।

> सुनील चीरका सक्षम प्राधि हारी सह्यामक प्रायक्षर प्राप्तका (निरीक्षण) प्रजैत रेंग-3, नई दिल्ली

रारीख : 7-2-1986

प्रक्ष भाइ. टी. एन. एस. ------

बायकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आय्क्त (निरीक्षण)

अग्रवाल हाउस, 4/14-ए, आसफ असी रोड, धर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1986

निद्य सं० ग्राई० ए० सी प्रम्यू०/3/37-ईई/6-85/945—यतः, मुझे, सुनील चोपज्रा,

श्रायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रथात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उपित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रांत जिस्की सं० 111-डी-1, डी-2 नरफ़ गढ़ रोड हैं, ट्या जो कमिशयल परिक्षर, नई दिल्ली में स्थित हैं (प्रांत इस्के उपबद्ध प्रानुसूची में और पूर्ण रूप से दिल्ली हैं) के रायलिय, प्रानंत रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायक्तर ग्रिधिनियम, 1961 के प्रधीन, तारीख जुन, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाबार मूल्य सं कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए बन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाबार मूख्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के सीच ऐसे बंतरण के निए स्य पाया च्या प्रतिफल, निम्निविचत उद्योग्य से स्वत बंतरण विविचत में बातरित कर से किया निम्निविचत उद्योग्य से स्वत बंतरण विविचत में बातरित कर से किया निम्निविचत कर से किया नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण स हुई किसी बाब की बाबत, उमक्त किमिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने वा उसकी वचने में सुविधा के सिए। बार्ट/या
- (क) एंसी किसी शाय था किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हों धारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हवारा प्रकट नहीं किया गया था या कि या बाना काहिए था, छिपाने में सुविधा से सिक्;

बतः जब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग का अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वे अधीन: मिन्निविचित व्यक्तियों, संशक्ति क्रांस्ट (1) मिलनोह प्रापटींज (प्रा०) लिंक, श्रादि नामश्री हाउड़, सुरा बाजार के सामने कवाट सर्कस, नई दिल्ली।

(श्रद:२५)

(2) श्रीमती नीतम समय पत्नी श्रीची० के० सपरा एन-25, कीति नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्द्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति है अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के सबध में काई भी नाक्ष्य 🗕

- (क) इस सूचना क राजपत्र म प्रकाशन का ताराध म 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, को भीतार प्रवाक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-च्यूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के गस लिकिन में किए जा सकता।

स्थळकिरम :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का., का उथल अधिनियम के अध्याय 20-क मां परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### सम्बद्धी

फ्लेट नं० 111, प्लाट नं० डी-1, डी-2, नजफण्ड रोड, कमाश्चियल क्ष्म्प्लेक्स, नई दिल्ली, क्षेत्र 354 दर्ग फुट।

> सुनील चोपड़ा ाक्षम प्राधि तारी सहाय ह स्रायकर स्नापुत्तः (निरोक्षण) स्रज रेंज-3, नई दिल्ली

सा**रीक**: 7-2-1986

मोहरः

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस.-----

काव सर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-च (1) के अभीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अग्रवाल हाउस, 4/14-ए, आसफ अली रोड, प्रजंग रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1986

िदेश सं० फ्राई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/6-85/ 944—अतः मुझे, सुनील चोरङ्का,

ायजर अिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 769-क के अधीन सक्षण प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का अगण है कि नथावर सत्पत्ति, जिसका उचित याजार मृत्य 1.00.000/- रह. से निध्या है

म्रीट जिएकी सं० 211, प्लाट नं० छी।, छी2, है तथा जो नजफगढ़ रोड, तर्ष दिल्ली में स्थिए हैं (म्रीट इमसे उलाबद शन्तुची में और पूर्ण घर से बणित हैं), कार्यालय, म्राजन रेंज-3, तर्ष दिल्ली में भारतीय म्रायकर म्राधिनियम, 1961 के मधीन दिलांक जन 1985

को पर्वोक्त सम्पति क उत्तित बाजार मृत्य में कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एस स्व्यमान प्रविक्त का पन्द्र प्रतिकात में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोच एसे अंतरण के लिए तय पाष्ण भ्या शांध्यत, निम्नतिसित उद्देश्य से उत्त अंतरण विकित में बारशिक है पर से केरिय नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण संशुद्ध किसी बाय की बायका, उक्त ऑक्सिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके अपने में सुविधा के लिए; एडि/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य अपिस्तरों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था का का किया जाना धाहिए या हिएमने में मृतियों के लिए,

बत: शव, उक्त वौधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण क्रं, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की रूपधारा (†) क्रो वधीन, निस्निजिशित व्यक्तियों, बधीस् अ---

- (1) जियलोह प्रार्टी प्राप्ति नाथ श्री ्राउत सुपर बाजार के सामने, कनाट सर्मक्ष, पर्ड दिल्ली। (प्रनण्यक)
- (2) श्रीमती नीलम सपरा, एन-24, हीति नगर, नई दिल्ली।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख कार्यवाहियों करता हूं।

जनत सम्मिति के सर्जन के सम्बन्ध में कोड़ जी पाक्षण :— (क) इन स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की शाकींस, जो भी सर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के बीतर पूर्वोकर स्विक्तियों में से जिसी बर्जन कराउन

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उपन स्थानर सम्य न मा हित बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी बी पार्व मिलित में किए मा सकेंचे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाणित हैं। हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# भनुसूची

211, प्लाट नं० डी 1, डी 2, नजफगढ़ रोड, कमिशयल कम्प्लेक्स, नई दिल्ली, क्षेत्र 354 वर्ग फुट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिवारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-3, नई विस्त्री

विनांक: 7-2-1986

भोधर:

प्रस्थ साह<sup>र</sup>. की एस. एस. ----

आयकः व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-व (1) के ल्यीन मुचना

#### मारत नरकार

क ग्रांलय, शहायक आयकर काय्क्त (निरीक्षक)

अग्रवाल हाउस , 4/14-ए , आसफ अली खेड , धर्मेंग रेंचें -3, एडी दिल्ली गई दिल्ली, दिलाग 13 फरवरी 1986

िदे । सं० घाई० ए० सी०/एसतू/3/37ईई/6--85/

आएकर अ पनिशम, 1061 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परच ए उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 260 यह अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करों का कारण है है स्थावर स्थिति जिसका उचित बाजार म्ह्य 1.00.0 0/- रुट से अधिक है

ओं। कि भी संव 171, बिलिडंग नंव 9 है गथा जो भीका जी जामा लेक उई फिल्की में लिक्त है (और इसके उपाबद्ध प्राप्ति में पर पर्ण का ने जीगा है) के कार्यालय अर्जन रेंच 3, ाई बिल्ली में पार्ती अध्यक्त पाधितिसम, 1961 के गती। वितंत जुन 1985

ण एकेंकि पाणित से पित्त बाजार मत्य में कम के इसमाम गिराकाय र जिसा अंतरित की गई में मोरे मही गत विकास करते का कारण में कि बधाएकेंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मत्या, बमके क्षण मा पतिष्य में, एमें इस्प्राप्त प्रितिष्य का पत्तक की पत्तक में अधिक में और कन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिति में) के बीच गोरी अन्तरण की निए तथ पाणा गया पतिष्य के सम्मिति सक्वेषणों में उचत कन्तरण निकास में गम्तिक रूप से किथत नहीं किया गया वै :—

- (स्त) अपलगण में हाई किमी साय सर्व दावल, उसल काधिनियम की अधीन कर कोने के लम्लगक की दायिल्य में आपी कारमें या उससे सचने में मृत्रिका के लिए! शीर (क)
- (स) गोमी किसी बाय या किसी धन या अन्य कारिन्हीं की, जिन्हीं भारतीय बायकर अधिनियस, 1923 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट स्त्री किया शया धा प्रकट स्त्री किया शया धा प्रकट स्त्री किया शया धा प्रकट स्त्री किया की लिए।

अतः अः, जबत अधिनियम की धारा 269-च को, अनसरण मौ, मौ. कित अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कै सभीन, निक्लीलियत व्यक्तियमें, अर्थात क्रिक्त 10⊶516 GI/85 (1) थी एउ० एक० एका एष्ड सन्त (एक० यू० एक०), ३४३/इंट-स, बिटा मार्थ, उई दिल्ली। (अन्तरक)

virtua ali saariyi. Astii <mark>taata</mark>

(2) श्रामती जर्नकी भेता पर्ती विनोध नेसन, 5054, ज्योहिसस्, पाली हिए। लेक यानई। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जक्त सपत्ति के अर्जन वाँ संवंध मां कांई भी आक्षेप :---

- (ह) इस सूचना के राजपान में प्रशासन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्मवंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
  - (क) इस म्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संस्थित में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सर्कोंचे।

स्थाद्धीकरण:—-इसमी प्रमुक्त शब्द और पर्वो का. जो निवस जिथिनियम के अध्याय १०-क में परिभाषित हैं, तही अर्थ बोगा औं उस अध्यास में विका एका हैं।

#### अनुसुची

बुकान नं. 171 फर्स्ट फ्लोर, बिल्डिंग नं. 9, भीका जी कामा प्लेस, नई दिल्ली। इस दुकान का 30 प्रतिशतः उर्वर्शी भेसम कौ स्थानान्यप्ति दिया बादाई। क्षेत्र 160 वर्ग फुट।

> र्नील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सह्या आयुक्त (निरीक्षण) धर्मेन रेंज्-3, नई दिल्ली

ता**रीख**: 13-2-1986

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भरित सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकार नायुक्त (निरीक्षण)

अग्रवाल हाउस , 4/14-ए , आसफ अली रोड , ार्रल रेंज्-ा नई दिल्लो

गई विरुती, दिलास 7 फरपरी 1986

िद्देश संच आईच एवं सीवाएसपूच्या अ**१६ई। 6--85**। 955 --- श्रेट गुरी, सुरीण सोगड़ा,

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्वात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रुठ. से अधिक है

र्काण िनकी गठ 317 है राया जो 91, वामाध्नेयस भीका जी एई किर्ली में विकार है (की) इससे उपावद्ध धनुसूर्वी में अंग वर्ण रूप के लिएए हो), वायित्र, धर्मन रेप-3, एई विल्ली में सामतीय धायदार धरियम, 1961 के धर्मन विकास पन 1985

का पूर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के तिए अन्तिरत की गई है और मुक्षे यह विकास करने का कारण है कि यथा पूर्विकट सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण भ हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें शारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, गिम्मजिषित व्यक्तियों, वर्षों क्रिक्स

- (1) श्रीनिती सिनि असिन्त नितिष्टेण, सिन्द अस्य अस्य ए० टी० डी० एट्टीट, रेन कार्ज, कायम्बद्ध-७४१०१४, (घनारक)
- (2) श्रीभती जिज्ञा विगम एष्ट उसारी, 8, विज्ञानुष्ट्विन देख, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा वधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ हार्येगा को एम अध्याय में दिशा गया है।

## **अन्स्**ची

कमशियल पतेट तं० 317, 9, शिला जी कामा प्लेस, नई दिल्ली, क्षेत्र 494 एर्थ फुटा

> सुनील चोपड़ा यक्षम प्राधिकारी सहायक वायकर आप्यत (पिरीक्षण) धर्मन रेंग्र--3, नई दिल्ली

**रारीख: 7-2-1**986

मोहर ।

प्रकृप क्षाइ". टॉ. एन. एस. - - - - -

टाएकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अग्रवाल हाउंस, 4/14-ए, आसफ अली **रांड,** धर्मन रेंऽं⊶3, नई दिल्ली

नई दिल्ती, विनोध 7 फलरी, 1936

िर्देश मे० शहि० ए० मी०/एस्यू/3/31ईई/6--85/ 943 - टारा मुझे, गुरीन चीपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

अंद निम्म ते पंच १८१० ए. १८६ ई.३, है तथा जो सहस्य तहफरह पोड, वस्तित्व कलकेता, नई दिल्ली में स्थित है। (और इसते उपादक इस्तुनी से अंप पूर्व रूप से दिल्ली है), दावित्व, धर्मन देंद ३, नई दिल्ली में भारतीय आदवस ध्वितित्व, 1981 से स्थार दिलास जूर 1985

को प्रविक्त सम्पत्ति के उपित बागार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नोंकत सम्पत्ति का उपित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से कथिक है और अंतरक (अंतरोक्ट्रों) और अंतरिती (अन्तरियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तब पाया प्या प्रतिफल, निम्नलिक्षित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कुए में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबद, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; भीर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

अतः अब, उनते अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, के, उनते अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- (1) विकास अलाडी १, प्राचित्रानको मुल्ला, कुस्र बाकार के स्तर्दा, प्रदेश सकेंग्र, पर्द विक्ला। (प्रवासका)
- (2) श्रीकृषि दुनारी जत : पारा०बी०/भी० 702, पूर्व पार्टकें स्कृ सित्र सामर इस्टेट, ए० बी० रोड, वर्ली बम्बई-13

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहिया करता हुं।

## उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शार्थित है 45 दिन की अविधि या तत्संबधी अयिश्वरायों पर स्थान की तामील से 30 दिन जो अधाय, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा,
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मर्भात्त में त्रितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिला में किए जा सकती।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों जॉर पक्ष का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं मा परिभाषित हैं, यही अर्थ हागा जा जल अध्याय में विया गया हैं।

प्रमुखा

212-ए, सियलीक हिएस,-ध, ईरा, ही2, निर्फाद रोड, कर्मास्थल कम्लेक्स, गई दिल्ली, क्षेत्र 250 वर्ग फुट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नद्दे दिल्ली

विनोक '-- 7-- 2-- 1986 मोहर '-- प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनीय 7 फ हारी 1986

নির্বিষ্ঠ শৃত সাহীত দৃত পাত/বৃদ্ধুত/০/০/ইই/ড-৪5/ 949 —সালঃ সুদ্ধী পুর্বাদে আছে।

बायकर अधितिसम, 1961 (1961 का 43) (जिम इसमें परचात् 'उबत अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,∖)00 / - रा. सं अधिक है

और जिसकी गं० 600 है एका जो 9, भीरत जी नामा प्लेस नई दिल्ली के स्थित है (आर इसते एमाबद्ध प्रमुक्ती में और पूर्ण रूप से राणित है), नायिका, दर्जत रेया-3, नई दिल्ली में भारतीत काराज दिक्तिमा, 1961 के प्रधीन दिनाय जूर 1985

को पूर्वोक्षा सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकृत के लिए अतिरत की गई है और भूम यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एस दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दंने के अंतरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिभा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की अनुसरभ मी, मी, उक्त अधिनियम को धारा 269-भ भी अधिनारा (1) को अधीन, निक्सितियत व्यक्तियों, अधारी करान (1) श्री हरवंग काल, 19, घ्रसकनन्दा बी, कालका जी, रही दिल्ली--19

(धलारका)

(2) दीपक राय, 19, प्रलकतन्द्रा बी, कालाता जी; नहीं दिल्ली—19।

(भ्रःतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आ तेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हरीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्ति यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हरीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति : द्वित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्त अरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का ते उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथ परिभा-पित ह<sup>3</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## बन्स्ची

फ्लैट नं० 626, 9, भीका जी बामा प्लेस नहं दिल्ली छठा फ्लोर, (335 दर्भ फुट)।

> भुनोल चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज-3, नरे दिख्ली

तारीख · 7~ 2~ 1.986 मोहर :- श्रक्ष नाइ. हो. एन्, एस्, ....

भागकर अभिियम, 1961 (1961 का 43) की भाउउ 60-म (1) के अभीत त्यमा

#### MIXE HX

कार्यालय, सञ्चाक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकपू०/3/37-ईई/6-85/ 935—अ:: मुझे सुनीक चोपड़ा

शायकर अभिनिया, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधी सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने आप कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- अ से अधिक है

स्रीर जिलाकी सं स्थायनं अगए जी जी शारि आर को रिटिंब हाउल है एथा जं सी विटी विकादि जिला में स्थित है (स्रीर इस्ते उत्पद्ध त्युक्ती में स्थार पूर्ण कर से विणित हैं) के कार्याच्य अर्जा रिज-3, विदे दिल्ली में भाषतीय पिरट्रीवरण अधिनियन, 1903 (1908 का 16) के अयोग, धारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उभित बाबार मून्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मूल्य उसके प्रथमान प्रतिकल से, एसे द्रयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निवित उद्वेशय से उक्त अन्तरण जिमित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) कन्तरण सं हुई किसी भाग की वावत जनत किशीनयम के वधीन कर दोने के बन्तरक के समित्व में अभी करने या उसने वचने में स्विधा के लिए; भीर/याः
- (क) ऐसी किसी जान ना किसी जन ना अन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के ब्रवाजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जवा जा किया जाता नाहिए था, कियाने के स्विधा के किया जा किया जाता नाहिए था, कियाने के स्विधा के किया

अत: अग. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे. में, शक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्तिसित व्यक्तियों, अर्थात् —  श्री पी० पी० एत० कोहली 90/18 मासवीय नगर पढ दिल्ली।

(अन्दर हा)

 श्रीनती कुतम अग्रवाल एण्ड जन इ अग्रवाल आए/ श्री० ई-7 ईल्ट कलपा आफ कैलाश, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा वित सम्पत्ति के अर्थन के 'लए' कार्यवाहियां शुरू करता हु"।

बनक बम्मित्स के बर्बन के बम्बन्ध में कोई भी आक्षय :--

- (क) इस ब्यान के राज्यन में प्रकलन की ताड़ीक से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्थितिस्या पर स्वना की तामील स 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त हांती हां के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ष) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीभीनयम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हो बहुी कर्ष होंगा को उन अध्याय मी दिया गया है।

## बन्स्ची

प्ताट नं 32, एं० जी० मी० आर० कोपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोपायटी लि० ए० जी० सी० आर० कालोनी, नई दिल्ली।

> नुनीय ची हा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-3, नई दिल्लो-110002

तारीख: 7-2-1986

प्ररूप नाइ.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-अ (1.) के अधीन स्चना

भारत सरकार

शार्यालय, सहायक ध्याकर बाव्यक (निरीक्तन)

म्रजन रेंज-2, न**ई दिल्ली** नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/37-१६/6-85/ 937—अतः मुझे, स्तील को-इा,

अस्मिक्ट अधिनयभी, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उद्देश अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269 के अधिन अध्य अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि ध्यापर सम्बद्धिः, जिसमा उच्चित बाजार मृत्य 1.00.000/- राज्ये संबद्धिक हैं

श्रीत जिल्ही सं ० 103, युद्धक दारास है तथा जो नई दिल्ली में किया है (श्रात देशों उत्तबद्ध दन्दुकी में श्रीर पूर्ण रूप से बॉब्स है जो अर्था 23, पर्वथ रें 53% दिल्ली में भारतीय आयार विकासित, 1981 दे स्थीत, अरीख जून, 1985।

न्त्रे पूर्नेकित सम्पत्ति के अभित याजार सल्य से कम के दृष्यमान प्रतिपत्त को किए अंगिरन की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन को कारण है कि ग्रथापुर्वोक्त गर्मात्त का उचित बाजार बूला, उनके अध्यान प्रतिफल में गोने दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिभत र सिप्तक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिति । ) है अप गर्म सत्यान के निर्ण तथ ग्रमा गया पति कल विद्या पित्र उद्देश्य में उच्च अन्तरण लिधित में वास्त्रिक क्या से क्रिका और विद्या ग्रम के स्वार से क्रिका की विद्या ग्रम क्या से क्रिका और विद्या ग्रम है '—

- (क) अल्ल्डिंग ते हुई किनी काम की वावत, उक्त अभिनेत्रम के अधीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कर्मी करने या उल्लंग वक्त में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन पर कल्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अभिनिष्म, 1922 (19% का 11) या उकत अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपान में स्विधा के निए;

 मेंसर्स सिं्पर टावप (प्रा०) वि:० 22, बाराखम्बा रोड, भई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री संजय बंदल पुत्र श्री एस० जी० बंसल बी-15,
 ग्रेटर कैलाग-1 नई दिल्ली।

(अन्हरिती)

का अह ब्राथमा बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यपाहियां शुरू करता हु! ।

## उनत सम्मात्त के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्रेप ह-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सबिध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वयिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क) इस त्यक के राज्यन के प्रकारन की तारीक है 45 दिन के बीतर कक्त स्थावर सम्पत्ति के हित्तव्य किसी सम्ब किस हवारा स्थाहरताक्षरी के पाथ किस के किस वा सकेंगे 1

न्यव्यक्तिरगः--इसमे प्रमुक्त इन्द्रों और नर्धों का, जो उन्दें वीधिनयम के बध्याय 20-क में परिभाषित ही, रही क्षे होंगा वो उस बध्याय में दिया नंता ही।

## प्रनुमूची

फ्लैट नं० 103, प्ताट नं० 12, युसूफ सराय, नई दिल्ली क्षेत्र 390 वर्ग फीट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहाय ह आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अल अप अत अधित अधित्यम की धारा 269-ग की अन्सरण में, में, उवन अधित्यम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियां, अर्थात् :---

तारीब: 7-2-1986

पारूप आईं.टी.एन.एन. ------

नायकर निधिनियम 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) के नधीन मचना

好代表 特代相互

## कार्यामम, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-3, नई दिस्सी नई दिल्सी, दिनांक 7 फरनरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/3/37-ईई/6-85/ 936---आ: मुझे, सुनील चेलड़ा,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्पात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथाप्जेंक्त संपत्ति का जीवत बाबार मूस्ब, 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर िश्की सं० फ्लेट नं० 102, युनूफ राराय है तथा जो नई दिल्ली में जियन है (भीर इसने उनवड़ अनुमुनी में भीर पूर्ण रूप में विणा है) त्रापीलय, अर्जन रेंग -3, नई दिल्ली में भारतीय आयहर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख जून 1985

को प्योंक्त सम्पतिस के उचित वाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापुर्वोजन संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफाल के मिलकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरक के सिए तथ पाया गया दित्कल, जिम्नीलिकत उद्योग्यों से उनत अन्तरण विचित्त में वास्तिकल, जिम्नीलिकत उद्योग्यों से उनत अन्तरण विचित्त में वास्तिकल रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण संहुई फिक्षी बाय की बाबता, बच्छ बिधिनियंत्र के बधीन कर दोने के बन्तत्क के दावित्व में कमी करने वा बबने बचने में सुविधा के सिए; धीर /मा
- (क) श्रेसी किसी बाव वा किसी धन वा बन्ध जारिसकों को धिनकों भारतीय नाथ-कर निभिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त निभिन्मम, वा धन-कर विधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, क्रियाने में स्रीक्षभा खें लिक्स

भतः अयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं को, अनुसरण बाँ, माँ, इक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) को अधीन, निम्मणियित व्यक्तियाँ, अधीतः :---  मेसर्स स्कीनर टावर (प्रा०) लि० 22, वाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्दर्ह)

2. श्री संगय बंाल पुत्र श्री एस० पी० वंपल, बी-5 ग्रेटर कैलाय-1, नई बिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में ओड़ भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाजन की तारीच से 45 दिन की जविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी बखिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्सि व्यक्तियों में में किसी स्थित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरि के पास सिखित में किए वा सकेंने।

स्थव्यक्षिरण: ---- इत्तर्भे प्रयुक्त कळ्यों और पदों का, वो उथक्ष अधिनियस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में विकास व्या हैं [8]

#### पन्यूनी

फ्लैंट नं ० 102, ध्वाट नं ० 12, यूसुफ सराय, नई दिल्ली। क्षेत्र 390 वर्ग फीट।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधि गरी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीच: 7-2-1986

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . ------

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) श्री धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंड:-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/3/37-ईई/ $\epsilon$ -85/942----प्राः मुक्षे, सुनील चें इंग

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्मिक्त परुचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 69-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह किश्वाम करने का नरण हैं कि स्थावर सपत्ति, किसका उचित बाजार मूल्य :00,000/- रु. से अधिक हैं

बार १.४) संव प्लंड नंव 304, सुक्त गांध है एया जो निर्देश स्वित्त में विया है (प्रोत इसोन स्वाबद स्नुसूची में ब्रोत एग्रेन रेज-१, नई प्रांत एग्रेन रेज-१, नई जिल्लों में भा तीय शायार शिवित में 9 के स्वीत तरिद्वा जन. 935

को पूर्वोद्रश सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान 'निष्णक के निष्ण अन्तरित को गई है' भीर साथ किरुवास समने का सम्बंध की कि स्थापनीकर

पौर गक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्ति ज्ञाणका के उक्ति बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरको) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तर्रण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी आय या किसी थम या बन्य अस्तियारे की, जिम्ही भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया स्विधा की लिए;

चतः अव उपत विधिनियम की धारा 269-न स वन्धरच भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) व वसीरः, निम्निचित्त व्यक्तिसी, वर्षात् क्ष्म  में उर्स स्कोर टावा (प्रा०) लिए 22प्र वास-खम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अस्पर्ग)

 श्री संजय बंतल पुत्र श्री एउ० पी बंतल बी-15 ग्रेटर कैलाग-1, पार्ट-1 नई दिल्ली।

् (अन्तरिसी )

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अवाध या तत्सम्बन्ध व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समान होती हो, है भीतर प्रकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वान;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सर्कोंगे।

स्पट्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद! का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क म परिभाषित है, अहो अर्थ होंगा, जो इस अध्यर: भे दिया गया हैंग्री

#### श्रन्सूची

पलेट नं० 504 प्लाट नं० 12 युद्ध सराय, नई दिल्ली क्षेत्र 492 वर्ग फीट।

> सुनील चो इा संधम प्राधिकारी सहायक धानकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख: 7-2-1986

## THE STATE OF STREET

# बायकर महिन्तिग्यम , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्षण)

श्रजीन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्लो, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देण सं० ग्राई० ए० सी*ा*ए**क्यू**०/3/37**-ईई**/6-85/ 938--ग्रतः मुझे सुनील चोपड़ा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 201, युमुफ गराय है, तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद धनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है) कार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन नारीख जून 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वस्थ करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीसित उद्वेष्य से एक्त अंतरण सिचित में बन्तरिति विक क्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधः के लिए: भीर/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए भा, क्रिपाने में स्विधा के ल्हिर;

ा मैसर्च सिरमार दावरस, (प्रात) लिमिटेड 22, बाटा-खंभा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री मंगर बंसल पुत्र श्री वी० पी० बंगल, वा-15 ग्रेटर कैलाश-1 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को नह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के कर्जन के जिल्ला कार्यनाहियां शुरू करता हो।

स्वत तम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्सेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबाधि बाद में सजाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिए;
- (च) इस तुचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर सकत स्थावर सम्पत्ति में हिस-बहुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

#### धनुसूची

फ्लैंट नं० 201, प्लाट नं० 12, युमुफ मराय, नई दिल्ली, क्षेत्र 470 वर्ग फीट।

> सुनील चोषड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-3, २३ (दल्ल-1(0002

तारीख: 7-2-1986

## प्राक्ष्य बाई. टी. इन. एस्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरक्षिण) शर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश मं० श्राई० ए० मीलएक्युल 3, 37-ईई, 6-85, 939---ग्रतः मुझे मुनील चीपड़ा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह<sup>9</sup> कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्व 1,00,000 / - रु. से अधिक हैं। और जिसकी सं० 204 युगुफ सराय है तथा जो नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध शनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) कार्यालय, अर्जन रेज-3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख जुन 1985 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के करवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल मे, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरूण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की अस्यत उच्या अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में तकिथा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मैंसर्स स्कीपर दावरस (प्रा०) लि०, 22, बारा-खम्बा रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री संज्ञाय बंसल पुत्र श्री एस० पी० बंसल, बी-1.5 ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

# को सह सूचना बारी करके पूर्वोक्त स्थ्युरित के सूर्यन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त तम्बत्ति के वर्षन सम्बन्ध में कोई भी जाओप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रमुक्त कथ्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिरीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याप में दिवा गया है।

#### मन्त्र प

फ्लैट नं० 204, प्लाट नं० 12, युमुफ मराय, नई दिल्ली क्षेत्र 522 वर्ग फीट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-10002

न(रीख: 7-3-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर औषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० मीं शृष्कपूर्व 3/37-ईई/6-85--940---धाः मुझे, भुनील चोपहाः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं ७ फ्लैंट नं ० 401 युसूफ सराय हैं तथा जो नई दिल्लों में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से धाणित हैं) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली में भारतीय आधकर अधिनियम 1961 के अधीन नारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य है इसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित को बास्तिक हुए से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्सरण से हुई किसी आय कौ बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिकों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने कें सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :---  मैसर्स स्कियर टावरस (प्रा०) लि० 22 बारा-' खम्बा रोड, नई दिल्ली।

(भन्तरकः)

2. श्री संजय बंसल पुत्र श्री एस० पी० बंसल बी-15 ग्रेटर कलाश-1 नई दिल्ली।

(प्रन्तिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्वनाहिमां करता हुं।

उक्त सम्बर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस तृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अनिभ मातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृथना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी जबिध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य भ्यावत व्यारा जभोहत्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्सूची

पर्लंट नं० 401 प्लाट नं० 12 युसुफ सराय, नई दिल्ली क्षेत्र 470 वर्ग फीट।

> सुनील चोपड़ा स**क्षम प्राधि**कारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्ष**ण) श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली न**ई** दिल्ली-110002

तारीख: 7-2-1986

## शक्त नार्वा, की ,एवं, एसं ,-----<del>---</del>

बायकर भौभीतयम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-च (1) के मभीद सूचना

#### 

## कार्यालयः, तहायक शायकर शायक्त (निरीक्षाण)

म्रजंन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिलांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०/3/37-ईई/6-85/941--अनः भुक्षे, गुनील चोषड्/,

आयकर स्मिन्सिंग, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अभीन सक्षम शार्थिकारों को, यह निकास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्मित्त, सिसका उचित अवार शुक्य 1,00,000/-रा. से निधक हैं

अंप जिसकी सं० 407 युनुफ सराय है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुपूर्वी में और पूर्ण रूप मे विलत है) अर्जित रेजिन्3 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अर्धीत वारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्मिक्त के उचित बाबार मृत्य से क्षम के क्ष्यमान प्रतिक्षन के निए बन्हों रह की गई है जीर मुर्थ बहु विस्वाध करने का काश्ण हैं कि यथापुर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाबार प्रकार, उसके दश्यमान प्रतिकास से एसे दश्यमान प्रतिकास का पंच्छ प्रतिकृत से अधिक हैं नीर जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (जन्तरितिमाँ) के बीच एसे बन्दरण के विद्यु दश्य पाया क्या वृद्यिक्त , दिस्मिविद्यु स्मुद्धिक से स्वक्त कन्दरम दिस्क्द के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) कमाजय से हुई शिक्षी बाव की बावस , उनस विभिन्नम से नवींच क्षत्र के से बन्दरक से वाहित्य में करीं करने वा बहुई बुद्ध से हुविधा के सिए; बरि/वा
- (मि) होती किनी काल वा दिल्ली एक वा अन्य अपित्रकृती को, विन्दी शास्त्रीय बाव-कर अपित्रिक्य, 1922 (1922 का 11) या उक्त अपित्रिक्य, या भवकर अपित्रिक्य, या भवकर अपित्रक्य, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिसी क्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया जाना वाहिक था. कियाने में सुविका के किय;

वत: सव, उक्त विधिनियम की भाग 269-म वी वनुसरण वी. मी. उक्त विद्वितयम की भाग 269-म की उक्ताल (1) क्षे रुधीन, निम्मिनिकत व्यक्तियों अर्वाट :--- 1. मैसर्स स्कीपधर टावर (प्रा०) लि० 22 बारा-खम्बा रोड, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री संजय बंसल बी०/ओ० एस० पी० बंसल बी-15 ग्रेटर कैलाग-I, नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को क्यू कृषमा प्राप्ती अपने प्रशीवत कम्पृतित के वर्षन के विष्य कार्यवाहियों कप्रता हो 🛭

## क्या बन्दीता के बर्धन के तम्बन्ध के बहेद और वास्त्रेप?---

- (क) इस स्वता के रावपन में प्रकाशन की तारीब ते 46 सिथ की स्वर्धिय ना तत्त्वकानी करित्तकों दर ब्याना की तानीज वे 30 दिन की ववधि, को भी स्वर्धिय बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में वे किसी क्षायित सुवारात्र
- (ब) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीज से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवप्थ दिक्की कृष्य आदिक स्वारा अभोहरताशाही जो गय निवास में किए वा स्कोंने।

स्थळाडिक रण:---इसमें प्रयुक्त सक्यों और पदों का, वो उमक्ष अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होता वो उस अध्याय में विका क्या हैं 🖫

## अनुसूची

फ्लैट नं० 407 प्लाट नं० 12 युमुफ सराय, नई दिल्ली क्षेत्र 320 वर्ग फीट।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 7-2-1986

इक्ट अहर्, डी. एष. एस ,------

बाववा मुर्रिश्तिवयः, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-ए (1) के वर्षीन सूचना

#### बाइउ पंजा

## कार्याचन, बद्धानक आवकार वान्एक (रिनरीक्न)

म्पर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देण सं० डेराबस्सी। ४। 85-86---श्रतः मुझै, जोगिन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- घ के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति विश्वका अभित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० भूमि 3 विघा 18 विस्था है तथा जो गांव सिंघपुरा सव-तहसील छेरा बस्मी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुभूती में ऑप पूर्ण रूप में विणित हैं) रिजिस्ट्री-कर्ता श्रिधवारी के कार्यालय, डेना बस्सी में पिनस्ट्रीकरण श्रिधिवारी के कार्यालय, डेना बस्सी में पिनस्ट्रीकरण श्रिधिवियम, 1908 (1903 का 16) के श्रिधीन तारीख जून 1985

को पूर्वेक्ति संपंतित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त संपंति का उचित बाबार मूल्य, उसके उपमान प्रतिफल से, एसे उपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया ही:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नस अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया व्या या किया जाना वाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त जिधिनियम की धारा 269-न के अनुसरम भो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ को उपधारा (1) के अधीर निकालिकियु स्विक्तवृत्र अधिक अधिक (1) श्री गुरचरण सिंह पुत्र श्री गुरबङ्श सिंह, निषासी सिंघपुरा सब-तहसील डेरासबस्सी।

(अन्तरक)

(2) हरियाणा मैंक फैंब प्राइवेट लिभिटेड, सिंघपुरा सव-तहसील डेरा बस्सी।

(श्रन्तरिती)

को बहु बूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उच्छ सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कांद्रों भी वासांध ह---

- (क) इस सूचना को राजधन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की सवीध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की जबधि, जो भी जबधि वाद में सजाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थिक्त युवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितविकास किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के
  शाद मिकित में किय का सकेंगे।

स्यख्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वदा हैं।

#### अनुसूची

भूमि 3 विधा 18 विसवा, गांच सिंघपुरा सब-तहसील डेरा वस्सी: (श्रथीत वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, डेरा बस्सी के विलेख संख्या 735 माह जून 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-2-1986

मोहरः

## ब्रह्म आर्चु । ह्या १९३३ --

भारतकार क्षितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के मधीन स्वाता

#### GOOD SERVICE

## क्शविसम, सहायक नायकर नायकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज लुधियाना

नुत्रियाना दिनांक 10 फरनरी 1986

िर्देश मं० चंडी | 50 | 85-86 - न्य्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह् बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसतः अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-ख के अधीन समम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मतिः, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 / - रु. से अधिक है

और जिसकी संव मकान नंव 3310 है तथा जो सैक्टर 35 डीव चंडीगढ़ में स्थित हैं (अंग्र इससे उपाबद अनुसूची में आंग्र पूर्ण रूप से वाणन हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चंड़ीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन: तारीख जन 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कि के दश्यमान वितिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे धश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरिशियों) के बीच एसे अंसरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्मितिकात उद्देश्य से उस्त अस्परण जिल्लित में बास्यविक रूप से किश्वत नहीं कि वा चवा है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की पावत, उसत समितियम के शृथील कुछ दोने के सन्तरक के सामित्य के कृती कुरने वा उन्नये वचने में सुनिया में तिए; भीर/वा
- (क) ऐसी किसी बाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, विक्तुं आरतीय आवकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर करिष्टियम, या धन-कर करिष्टियम, 1957 (1957 का 27) वें अभोषशर्ध अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिमाने वें बुविधा में क्रियु;

बत्य अप, उनक अधिनियम की धारा 269-ग के अमृतरण वीं, भी, धनत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निस्तिशिक्ति व्यक्तियों, अधीन :--- 1. श्री गुरु त्स भर्मा पुत्र श्री झंडा राम भर्मा मकान नं० 80 श्रार० सं० नं० श्रम्बाला कट द्वारा उनकी जनरल श्राटार्नी श्री श्रशोक कुमार बंसल पुत्र श्री बी० एल० बंसल मनेजिंग डायरेक्टर माडल बिल्डर्स (प्रा०) लि० निघासी मकान नं० 17 सक्टर 10-ए चंडीगढ़।

(अन्तरक)

2 श्री तरलोचन सिंह पुत्र श्री प्रभदयाल सिंह तथा श्रीमती रिवन्द्र कौर पत्निी श्री तरलोचन सिंह निवासी मकान नं० 126-ए सक्टर 30 चंडीगढ़। (अन्तरिती)

की यह सूचना चा<u>री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्</u>षम**ं के किय्** कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त सम्मति के वर्षन के सम्मन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से
  45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  जनिंध बाद में सुमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में से विज्ञी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारील में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रिथ फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिविस में किए वा सकोंगे।

स्पन्नतीकरण : इसमें प्रयुक्त बच्चों और पद्यों का जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भ्राणित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुषूषी

मकान नं० 3310 सैक्टर 35-डी चंडीगढ़। (प्रथति वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी चंडीगढ़ के विलेख संख्या 254 माह जून 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्दर सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

नारीख : 10-2-1986 ------

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

अयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अपिन स्थाना

#### भारत प्रदेशकर

## कार्यातय, सहायक कायकर नाव्यत (निर्नेश्वन)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1986

िर्देग सं० चडी। 52। 85-86---श्रतः भुझे, जोगिन्द्र सिंह बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-त के अधिन सक्षम शीधकारी को वह विस्थात करने का शरण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाबार सक्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० मकान नं० 322 है तथा जो सेक्टर 35-ए चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बाँगत हैं) रिलस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में रिलस्ट्रीकरण अधिक्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन, 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ वह विश्वात कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित अधार इन्स, उसले दश्यमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के अध्यक्ष पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उच्चेच्य ते उक्त अन्तरण निवित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है क्ष्म

- (क) मन्तरण ते हुए किसी नाथ की आवत, अकड़ वीपीनका के बधीन कर दोने के सन्तरक के दाक्तिय में कमी करने या उड़के क्यमें में सूचिया में विष्शु और ना/
- (क) ऐसी किसी बाव वा किसी वन वा बन्स बास्तिवीं को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिक्;

अतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थाब् अ—

- श्री गलिबन्द्र संशा कौर पुत्री श्री बालासरन मिह तूड, संकान नं० 322, सेक्टर 35-ए, चंड़ीगढ़। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती नीता वर्मा पतनी श्री पी० के० वर्मा तथा श्रीपी० के० वर्मा पुत्र श्री मदन गोपाल, निवासी मकान नं० 508, सेक्टर 10-डी, चडीगढ़। (श्रन्तरिती)

को वह सूचना शाद्धी कहने प्रवेषित संपर्शित से वर्धन से जिस कार्वमाहिना करता हुँ।

उन्त सम्परित को कर्जन के सर्वभ में काई भी वास्त्रेप ह—-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि सा तत्सम्बर्धी व्यक्तियों पर स्थान की तानीय से 30 दिन की अवधि, को भी जवधि वाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वा सं
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाबन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी कम्म व्यक्ति इवारा नभोहस्ताक्षरी के पाक निवास में किए वा सकते।

स्तक्ष्यीकरण:--इतमें प्रवृत्त बर्मा बीर प्रांका, यो उनत अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा यो उक्त अध्याद में दिवा नवा है।

#### बन्युची

मकात नं० 322, सेक्टर 35-ए, चंडीगढ़। (प्रथित् वह जायदाद जो कि रिजिस्ट्रीयर्ती श्रिधकारी, चंडीगढ़ के चिलेख संख्या 265 माह जून, 1985 के तहत दर्ज है।

> जंगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रोंग, लुधियाना

तारी**ख**: 10-2-1986

मोहरः

प्ररूप बाइं.टी.एस.एस.-----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्च्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-2, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० चंडी। 57| 85-86---यतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'इक्त अधिनियम' कहा गया हीं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्तास करने का कारण ही कि स्थासर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० मकान नं० 58 है तथा जो सक्टर 33-ए, चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप के विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ने काम के क्यमान हितकस के जिल् बन्तरिष्ट की पद्द है और मूझे वह विश्वस्थ करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (कन्तरितियों) के बैंक एसे अस्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिकित में बाल्यविक रूप से किथान नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण वेह्न्द्र किसी बाद की बावत उपक बीधिनिश्च के वधीन कर दोने के अन्तरक की द्यादित्व में कमी करने वा उससे वचने में स्विका के सिद्ध; ब्यीडि/या
- (क) होती किया भाग था किया भन या सम्बुधारिकको को, विनहीं भारतीय जायकर विभिन्नियन, 1922 (1922 का 11) या उन्ता निधिनियम, या भनकर निधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरीरती सुवारा प्रकट नहीं किया महा भा या किया जाना नाहिए का रिष्धाने में स्पेनिया के निधा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं. मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :---

- 1. (1) श्रीमती सिविदी गुप्ता पत्नी स्व० श्री पी० सी० गुप्ता।
  - (2) श्री कृष्ण कुमार गुप्तापुत्र स्व०श्री पी० मी० गृप्ताद्वारा उनकी जनरल श्रटार्नी श्रीमती सविती गृप्तापनी स्व०श्रीपी० सी० गुप्ता, प्रकात नं० 3237 पैक्टर 37-डी, चंडीगढ़।

- (3) श्री प्रश्नय कुमार गुण्ता पुत्र एवं श्री पी० सी० भुष्ता द्वारा उसकी जनरल श्रदानी श्रीमती सविवी गुण्ता पत्नी एवं श्री पी० पी० गुण्ता निवासी 3237 सैक्टर 37-डी, चडींगढ।
- (4) श्री प्रशंकि कुमार गुप्ता पुत्र स्व० श्री पी० सी० गुप्ता, मकान नं० 3237 सैक्टर 27-डी, चंडीगढ़।
- (5) कुमारी रंजना गुप्ता पुत्री स्व० श्री पी० सी० गुप्ता द्वारा उसकी श्रदानी श्री श्रशोक कुमार गुप्ता पुत्र स्व० श्री पी० सी० गुप्ता, 3237 सैक्टर 27-डी, चंडीगढ़। (श्रन्तरक)
- 2. श्री सरब दयाल सिंह पुत्र स्व० श्री शमणेर सिंह श्रपने लिए तथा बतौर पिता तथा नेजूरल गांख्यिन मास्टर प्रमजीत सिंह नाबालिंग पुत्र श्री सबर दयाल सिंह निवासी मकान नं० 39 सैक्टर 2-ए, चंडोगढ़।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुखना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ए--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तार्यंच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितवर्थ किसी अन्य व्यक्ति वृत्तारा अभोहत्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकत्ये।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और भेदों का, जो उक्त अधिनियम के बच्चाय 20-क में यदा परिभावित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिवा गवा ही।

#### जन्सूची

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-2-1986

प्रकप आई. हो. एन. एस. -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी, 1986

निर्देश सं० जंडी। 58। 85-86----श्रतः मुझे, जोगिनद्र सिंह बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का साइण है कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 184 है तथा जो सैक्टर 18ए, चर्डागढ़ में स्थित है (और इसने उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय चंडीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से ग्लेश प्रतिफल से क्लाह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अल्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए सब बामा गया प्रतिफल, निम्ननिधित उद्देश्य से उक्त जन्तरण जिल्ला में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गवा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी बाव या किसी धन या बन्ध बास्तिबाँ को, जिन्हों भारतीय अग्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किए गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविध्य के लिए;

- 1. श्री गंगा सिंह पुत्र श्री शंकर सिंह तिशासी महान नं० 556 सैक्टर 11 चंडीगढ़ द्वारा उनकी स्पेशल श्रदानी श्रीमती रेशमा रानी पत्नी श्री गंगा सिंह विवासी मकान नं० 556, सैक्टर 11, चंडीगढ़। (श्रन्तरका)
- 2. श्री बलबीर सिंह तथा श्री गुरबंख्य सिंह पुत्रान् श्री स्वर्ण सिंह जिबासी वी-2-58, ताराथणा डेडस्ट्री-यल एरीया फेज-1, नई दिल्ली-28 द्वारा श्री स्वर्ण सिंह पुत्र श्री पुरण सिंह।

(श्रन्तरक)

को कह बुचना बारी करके पूर्वीक्त सम्बक्ति के वर्षन के किए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उनका बध्नति को अर्थन को बज्यन्थ में कांद्री भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के रायपन में प्रकारन की तारीब ते 45 दिन की नवींय मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तालीब से 30 दिन की वर्शान, मों भी वर्षाय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याराह
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सादीज से 45 दिन के बीलत उनस स्थावर संपत्ति में दिल-बहुष किसी जन्म व्यक्ति दुशारा नभोइस्ताक्षरी के याद सिवित में किए वा क्योंने।

श्रमकारमः -- इश्वनं प्रमुक्त सन्दों और पदों का, थी अवस विधिनयम के नध्याय 20-क में परिशायित हैं, यहाँ वर्ष होता, थी दक कथ्याय में दिया गया हैं।

#### 4444

मकात तं० 184 सैक्टर 18-ए, चंडीगढ़। (प्रथात् वह गामदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख तंडणा 298, माह जून 1895 के एका उन है)।

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लुधियाना

वारीख: 10-2-1986

प्ररूप आइ°. टी. एन. एस्<sub>ले ड</sub>----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(व) (1) के वधीन सुचना

भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फल्बरी, 1986

िर्देश मं० चंडी 59 85-86 - श्रतः मृझे जोगिन्द्र सिंह अप्रवक्तर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 259-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से बिधक हैं

और जिसकी मं० प्लाट नं० 1010 है तथा जो सैक्टर 36-मीठ, नंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चंडीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रीपफल को लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण १लिकत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) नन्धारण संहुई फिली बाय की वाबसा, सकत भिनियम के बंबीत कर देने के अन्तरक के संबिद्ध में कान्यरक के संबिद्ध में कान्यरक के संविद्ध में कान्यरक के स्विद्ध में कार्य कार्य कार्य कार्य मान्य मान्यर्थ में स्विधा ले लिए; कार्य/या
- (ब) एसे किसी बाय या किसी भन वा बन्य बारिसवां को किन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याय प्रकट नहीं किया गया या किया जाना शाहिए था, स्थिपाने में सुविधा असिए !!

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-  कर्नाल गुल्देच सिंह पुत्र स्व०श्री सोहन सिंह पृष्ठ निवासी मकाल नं० 529, मांडल टाऊन, जालन्धर (पंचाब)।

(अन्तर्क)

2. कर्नल बरिन्द्र मिह चिमनी पुत्र स्व० मेजर जनरल बी० एस० चिमनी कर्त्ता एच० यू० एफ० जिसमें कर्नल नरिन्द्र सिह चिमनी, श्रीमती स्वर्णजीत चिमनी पत्नी कर्नल बरिन्द्र सिह चिमनी श्री बिक्रमजीत सिह चिमनी पुत्र कर्नल रिवन्द्र सिह चिमनी सामिल है द्वारा कर्मल नरिन्द्र सिह चिमनी बतौर एच० यू० एफ० के कर्त्ता तथा सभी निवासी सी-595, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी स्परके पूर्वोक्क सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
  किसी बन्य व्यक्ति बुबारा अभोहस्ताक्षरी के पास
  सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वो उक्त जीवनिवस के जध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस जध्याय में दिया गवा हैं।

#### वनुसूची

प्लाट नं० 1010, सैफ्टर 36-सी, चंडीगढ़। (प्रशीत् घह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख संख्या 300, माह जून, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी. 1986

निदेश सं० चंड़ीगढ़ा 66, 85-86---शतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्षायक अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं।

अरि जिसकी सं० प्लाट नं० 336 है तथा जो इंडस्ट्रीयल एरीया चंडीगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूर्च। में अरि पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिक्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्योलय चंडीगढ़ में रिजर्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1985

को प्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रातफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार पृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुंई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर, अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए।

अत: अर्ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, अधित् ६—

 श्रीमर्ता ज्ञान कौर विधवा श्री सुजान सिंह, सबंश्री कंवलजीत सिंह, जगजीत सिंह, गुरचरण सिंह तथा मनोहर सिंह पुतान् श्री सुजान सिंह, सभी निवासी मकान नं० 1396 सैक्टर 22-बी, चंडीगढा

(अन्तरक)

 श्रामती नीलम रानी पत्नी श्री सुभाष चन्द निवासी 1110, सँकटर 18-सी० चंडीगढ़।

(भ्रन्तिरती)

3. मैसर्स महालक्ष्मी इंडस्ट्रीयल कार्पोरेशन प्लाट नं० 336, इंडस्ट्रीयल एरीया, चंडीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकारण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 336 इंडस्ट्रीयल एरीया, चंडीगढ़। (क्षर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी चंडीगढ़ के विलेख संख्या 329 माह जून, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**ख**: 10-2-1**98**6

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरचरी, 1986

निर्देश मं० चंड़ी 71/85-86---अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं मकान नं 270 है तथा जो सैक्टर 35ए वंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूवी में और पूर्ण रूप से वीणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वंडीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुन, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

ब्रिगेडीयर योग राज वहल (रिटायर्ड) पुत्र
दुर्गा प्रसाद बहल निचासी नी-36, विशाल इनक्लेब
(रार्जग्री गार्डन) नई दिल्ली द्वारा उनकी जनरल
अटार्नी श्रीमतो गंकरी देवी पर्ता चौधरी
रतन सिंह निचासी मकान नं 1252 सैक्टर
43-बी, चंडीगढ़।

(ग्रन्तरक)

2. चौधरी रतन सिंह पुत्र श्री रूड़ा राम निघासी मकान नं० 1252 सैक्टर 43 की चंड़ीगढ़, श्रव मकान नं० 270 सैक्टर 35-ए. चंडीगढ़।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उथरा स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पब्दिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० 270 सैक्टर 35-ए, चंड़ीगढ़। (प्रथात् बहुँ जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख संख्या 354 माह जून, 1985 के तहतं दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) को अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० चंडी। 72/85-86----अतः मुझे, जोगन्द्र सिंह झायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

और जमकी संव मकान नंव 1023 है तथा जो सैक्टर 19-बी, चंड़ीगढ़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण का से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चंड़ीगढ़ में, रिजस्ट्रीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुन, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिशित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में शंस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धेने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) होती किसी आप या किसी भन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए।

कतः अब, उक्त अधिनियम की भास 269-ण के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नशिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

> 1 श्री मनमोहन कृष्ण सूद पुत्र स्व० श्री भगवान चन्द सूद निवासी 565, सैन्टर 18-बी, चंड़ीगढ़, श्री मदन लाल सूद पुत्र स्व०भगवान चन्द सूद निवासी

निवासी मकास नं 150 माइल टाऊन पानीपत जिला करताल द्वारा जनरल श्रद्धानी श्री मनमोहन ''एण सूद, श्रीमती कैलाश सूद्र पुत्री स्व० श्री भगवान वन्द सूद निवासी 51, मान सिंह वाला देहरादून द्वारा जनरल श्रद्धानी श्री मनमोहन कृष्ण सूद ,श्रीमती संतोप सूद, पुत्री श्री भगवान चन्द सूद, मुख्य श्रध्यापिका गमनमेन्ट गर्ल्ज बेसिक हाई एकूल, नौड़ा तहमील नवाशहर। जिला जानन्धर द्वारा जनरल श्रद्धानी श्री मन

(अन्तरक)

2 श्री रोगन लाल गित्तल पुत्र श्री पन्ना लाल निवासी एस० सी. एफ० नं० 13, मैक्टर 19-सी०, चंड़ीगढ़।श्री रिवि गर्न पुत्र श्री राम नाथ निवासी एस० सी० एफ० नं० 13 सैक्टर 19-सी०, चंडीगढ़।

(श्रन्तरिसी)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सी 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

#### भन्स्ची

मकान नं० 1.023 सैक्टर 19-की, चंड़ीगढ़। (श्रथात् वह जागदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चंडीगढ़ के विलेख संख्या 356 म.ह जून, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहाधक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-2-1986

प्रकप बाइ.टो.एन.एस.-----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ 269-व(1) के नधीन स्वना

भारत सरकार

## कार्यातम्, बहारक नायकर नायुक्त (निडर्जेक्न)

भ्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी, 1986

निदेण सं० खरड़|14|85-86---श्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

श्रायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि संधावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि 8 कनाल है तथा जो गांच सोहाना तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपाधद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय खरड़ में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

कां गुर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा भा या किया वाना वाहिए था, जिनाने के सुविधा के सिंह:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 कर्नल सुच। सिंह पुत्र श्री श्रर्जन सिंह, निवासी 2562 सैक्टर 35-सी०, चंडीगढ़।

(भ्रन्तरक)

2 मैसर्स गील्ड की फार्मज, गांच सोहाना तहसील खरड़ जिला रोपड़।

(भ्रन्तरितो)

का वह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुधारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उपस स्थावर सम्पत्ति में हिस- धव्य किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः ---- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा ही।

## वनुस्ची

भूमि 8 कनाल जो कि गांव सोहाना तहसील खरड़ जिला रोपड़ में स्थित हैं। (श्रयीत् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी खरड़ के विलेख संख्या 1718 माह जून, 1985 के तहत दर्ज हैं)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-2-1985

प्ररूप आईं.टो. एन. एसं. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्स (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 10 फरवरी 1986

निक्षेण सं० योलना 5/85-86-- श्रांः मुझे, जोगिन्द्र सिंह, बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुक्स 1,00,000/- रहा, से अधिक है

और जिसकी यं० भूमि 435 वर्ग मीटर है तथा जो मंजिला बिल्डिंग के महित, लोधर बाजार सोलन (खसरा नं० 78/1 तथा 70/1) में १६थत है (अंक इसके उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप के पणित है), क्लिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यांत्रिय, मोलन में, रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वदेश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण भं, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिस व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1 श्री हिम्मत सिंह (पुत्र) गोनिन्द्र कौर (पत्नी), श्रम्त कौर तथा मनोगंजन कौर (पुत्रियों) श्री जुरबका सिंह पुत्र श्री गज्जन सिंह तथा श्रीमती गामकौर पत्नी श्री गज्जन सिंह, नवासी-14, सिविल लाईनज, पटियाला (पंजाब)।

(अन्तरक)

2 श्री जसपाल राय पुत्र श्री जगतराम, श्रमिती दणनी कुमारी पाम पत्नी श्री जसपाल राय निवासी सोलन नजदीक पोस्ट श्राफिस सोलन (हि० प्र०)। (ग्रन्नरिती)

को यहसूचना जारी करके पूर्व<del>ोक्त</del> सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### उन्त सम्परित के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीब बं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पान सिचित में किए वा सकेंगे।

स्थव्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिमाधित है, कही जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जवा है।

#### unu d

भूमि 435 वर्ग गज (खमरा नं० 78/1 तथा 70/1) जो कि 3 मंजिला बिल्डिंग के साथ लोशर बाजार सोलत में स्थित है। (अर्थात् घह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी सोलन (हि० प्र०) के विलेख संख्या 332 महिजूर, 1985 के तहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह् मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, लुधियाना

तारी**व**: 10-2-1986

श्रक्षः बाहुँ, टी. एन्, एव, -----

नायकार अधिरियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरोक्तक) श्रजेन रेंज, लुधिभागा

लुधियाता, दिनांक 10 फरखरी 1986

निवेश सं० मोलन 16185-86 स्थातः मुझे, जोगिन्द्र सिंह शामकर अधिनियम, 196, (1951 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की बाधा 269-व के जभीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर बन्धित, विश्वका अचित बाबाह मुख्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी मं० भूमि 6 बिघा 8 बिस्वा है तथा जो गांव णामटी तहमील तथा जिला मोलज में रिधत है (और इसते उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोलज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुन, 1985

1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख जून, 1985 की प्रविक्त सम्पत्ति के अधिन नारीख जून, 1985 की प्रविक्त सम्पत्ति के अधिन नारार मृत्य से क्रम के अधिन किर्म के अधिन किर्म के अधिन किर्म के क्रम के अधिन के क्रम के कारण है कि यथाप्रविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार क्रम, उसके अध्यमान प्रतिकत का पंच्य प्रतिकत के विषय के क्रम के विषय के किर्म के किर्म के विषय के किर्म के किर्म के विषय के किर्म के किर्

- (क) बन्तरण थे हुई किनी नाम की बाबत उपत क्षेत्र-विवस के बधीन कर दोने के बन्तरक के दामित्व में कनी करने वा दल्ले बच्चे के पृथिका के सिधा और/बा
- (क) एसी किसी बाब वा किसी भन या अस्य आस्तियों की., जिन्हों भारतीय काथ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भन-कार अधिनियम, वा भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती वृतारा प्रकट नहीं किया नवा भा या किया जाना चारिक्य था कियाने में स्विधा के सिए?

अतः शबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, खक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

श्रीमति लमदेश विश्ववा श्री शम रत्तन निवासी श्रीनगर, परगता भारौली खुर्द तहसील कंडा घाट जिला मोलन (हि०प्र०) हारा उमकी जनरल श्रटानी श्री कांति सक्य मेहता पुत्र श्री पद्म सिंह निवासी श्रीनगर, तहसील कंडाघाट, जिला सोलन (हि० प्र०)।

(भ्रन्तरक)

2 मैंसर्म फार्म साइटिस्टम हाउसिंग को-आपरेटिव सोसाधटी लिमिटेड नैंनी, तहसोल तथा जिला सोलन (हि० प्र०) द्वारा डा० जे० श्रार० ठाकुर प्रेसीडैंट। (श्रन्तरिती)

को बहु तुषका भारी करको पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाडियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के वर्षान के सम्मन्य में कोई भी वासीर :---

- (क) इस स्वान के राज्यम में प्रकाशय की सारीक से 45 दिन की अधिश या तत्सम्बन्धी म्बक्तियों पर ब्रुचन की तामीम से 30 दिन की अवधि, को भी अवधिय बाद में समान्त होती हो, को मीलर पूर्णीक्य स्प्रीक्ष्यों में से किसी नाजित ब्वारा;
- (भ) इस सूचना को राजपन में अञ्चलन की ठारीचा से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध विक्री कच्च व्यक्ति द्वाचा वचीक्स्टालर्डी की पास सिनित में किए वा सकोंगे।

रक्क्द्रीकरथ्ः—-इसमें प्रयुक्त सन्दों नीर पर्यों का, वो उपस विधितिका, वो नभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होता, जो उच अध्यक्ष में विका वर्ष हैं।

#### वन्त्रको

भूमि 5 विसवा 8 विसाजो कि गांव गामटी तहसील तथा जिला सोलन में स्थित हैं (श्रथीत् वह जायदाद जो कि रिविग्ट्रीकर्ती श्रधिकारी, मोलन के विलेख संख्या 333 माह जून, 1985 के तहन दर्ज हैं)।

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना

सारीख: 10-2-1986

प्राथम कार्य ही हत एस अवस्थान

कायात विधित्तिकम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के लबीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्गालय, सहायक गायकर गायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना लुबियानः, दिनांकः 10 फरनरी 1986 नियेत सं० ल्धियाना/249/85-86—ग्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

बायकर की तिथम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्या 'जबल अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260-ल १ अधीन सक्षम प्राष्टिकारी को यह विकास करने का क्षारण ही के स्थापर संप्यक्ति, किसका एडिया व्यक्ति सन्ध 1 00,0 0/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जि की लं॰ मका नं॰ बी-1195/11 है तथा जो सरामा नगर, लुक्सिना में स्थित है (ग्रीर डाने उपाबद ग्रापृनुची में भीर पर्ग रूप से वर्णित हैं,) रिजिन्दी ति अधि ारी के ए।योलब लुधियाना में 'एजिस्ट्री 'रण ऋधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के ऋधीय वारीख जून 1985

को पूर्वोदन सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान प्रतिकाल 🤔 सिए अन्तरिती की एडी और ग्रेफ्टे यह विख्यास कारने का । रूप है कि ग्रंथापर्योक्त समाहित सा उपित साजार मुख्य. 🤫 को कब्बामान प्रतिकास से, होने क्ष्यमान प्रतिकास का पन्दह प्रीः। त से ब्रिथिक हैं बीर अन्तरक (अन्तरकों) और अफ्लरिती अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तब भाग्ना गया तिकास निम्बसिक्स उद्वर्षेय में तक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) कालरण में हार्य किसी लाम की मानता, उचत विभिन्नियम के बधीन कर दीने की अन्तरक 📽 दायिस्य में कमी करने या एससे यणने में सुनिक्त ॐिलए; और/वा
- (मा) कोली किसी काम या विक्रसी भाग का अन्य काणिक्या? को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या एटर अधिनियम, या धन-कर क्रीधनिसम्, १०६७ १०६७ का ७७५ की प्रयोक-नार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाडिए था स्थिपने हो सनिधा के सिकः

अतः ६.४, उच्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, एकन अधिनियम की धारा 269-व की अपधारा (1) ने अधीतः जिल्लोगिर<mark>सिक त्यक्तिते प्रश्नीत र</mark>हान 13-516 GT/85

ा श्रीमती वालोका कौर ात्की श्री गुप्तयाल सिंहा <u>खुगरी रोड, मडा डाका क्षास श्री हरीकृष्ण</u> पुत्र श्री धतार चंद्जात्ता त्यार न्तियाना। (अन्त्ररङ)

2. श्रीमती वर्षा कौछड़ पत्नी भी र्राटिस यमार, नियासी 11-प्राई ल्यामा नगर, लुधियाला। (अन्तरिती)

को यह सुचना जानी कारके प्रकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शक्ष दाला हो ।

सकत सम्परित को कार्यन को अवस्थ की कार्य आक्षा :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील **से** 45 दिन की अवधि या सन्तर्यन्त्री ग्यक्तियों पद मुचना की तामील में 30 दिन की लवर्ड , जो मी अर्थाप बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पर्योक्त ang kitos ngangan ang Mangalang ang ang ang
- (क) इस सचना के राज्यक भें शकाकान ल**ी शारीश ने** A ६ दिए को भीतार उसर स्थापन राज्यांना माँ हित्यावय किसी अन्य कार्यित कृताता अत्योहस्तरकात के पास सिक्षित में जिला का मर्खीये ।

**ल्यक्टीकरण:----इसमी प्रयुक्त छड्डो और पक्षी कर, का उच्च** अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बष्टी अर्थ होगा, पं। तब अ जाय में विया यवा 🥂 ।

अनुस्यो

महान पंच बी-20-1795/17 हा 1/4 श.स**.** शरामा रगाः, लुधिकाना (पर्यात यह घराव को ि रिलिट्री ति श्रिधितारी, स्थिताता के विलंदा संख्या (4516 माह जुन) 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र धिह उक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर अञ्चल (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज लिधियाना

**तारीख़:** 10-2-1986

THE REPORT OF THE PROPERTY OF

यक्ष्य २.२६ टी एम. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 259-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकाड

कार्यालयः, सहस्यकः अस्यक्षरं ज्ञाय्**वतः (निरीक्षण)** सर्वति रोजः लुखिराला

लुधियाता दियो : 10 फरारी 1986

निर्देश को चडी/19/81-86 - प्रतः मुझे, जोशिन्द्र िंह् जायकार शंधांत्रका, 19461 (1961 का 43) (जिमें इसके भाक पालाम किया परेपिणियम कहा गया हो), की धारा 269-% के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का काएण हो कि स्थापन स्पालित, जिसका उष्यत बाजार मृस्य. 1,00:000/- गा. से अधिक हो

श्रीप िएकी साला संव 1026 है तथा जो सैक्टर 37वीं चंडीलड़ में क्यार है (श्रीत शरी उत्तवह श्रम्सची में श्रीर पूर्ण का से कित है), तिक्ट्रीली श्रीकारी के रामंत्य चंडीलड़ में, तिक्ट्रीलिय श्रीकार, 1008 (1908 ता 16) के स्वीतिस्ति, जून, 1985

को देवा १८ क्यांगित है जिस बाजार मन्य से काम के दृश्यमान शितफाल की जिस क्यांगित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण ही कि प्रथापवित्र सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य, यमके क्यांगि वित्र में अप्याप्य क्षिण के का न्द्रहें प्रतिकृत में अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय भागा प्रथा प्रतिकृत, रिप्निलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविद्यत में बास्तविक मूप में किथित नहीं किया गया है:---

- (१६) अन्तरण स हर्ड किंग्सी आय की श्रायत, अरूत हर्दिक्षी के अर्थन के अर्थन के अन्तरक के क श्रियद में कड़ी बाजने या उससे वजने में मृविधा क स्माह सीट/या
  - (ख) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिल्हें भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचन अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अधिना के लिए:

नतः अष. एव त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मं, भं, लक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधी-, निस्तिनिका व्यवितयों अधिह हु---- 1. श्री बी० गी० बतास पृत्र थी। गुरीए चन्द्र व3रा निवासी महान नं० 131 जैक्टर 23 ए० चंडीगढ़।

(अस्तुर∵)

2. श्री हरमीश्न रिह बायना (एच० यू० एफ०), प्रत श्री रहिंग रिह, निजासी माराना नं० 18, सेक्टर-8ए, चंडीगड़।

(स्रान्द्राती)

3. (1) श्री एउ० के० पत्ती ।
(2) केलाए मोरी, किए सी मंजन नं० 1026
सीन ए 37वी, जंडीएड़।
(16 के किया, जिल्होंके क्षतिकारी में मन्त्रति हैं)

**क्षांगह सूचना पारी करकं** पृथांक्त सम्पर्तित के **वर्णन के लिए** कार्यवाहियां शरू करता हो।

उक्त सम्मत्ति के सर्धन के सम्बन्ध में छोड़ों भी आक्षेत्र :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रवाशन की तारींख सं 45 दिन की अविधि या तत्सवंत्री व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील में 30 दिल की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्वेंबर ध्यक्तिया में स किसी व्यक्ति हुन्ता.
- (ख) इस सूचना के राज्याय मो प्रचाशन की तत्सीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति भी हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधानस्थानरों के एक लिखित मी किए जा सर्वीगे।

स्थव्यकिरणः --- इसमा प्रयावत शब्दों आर पयों का, जो उक्स अधिनियम, को अध्याय 20-क माँ यथा परि-भाषित हुँ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय माँ दिया गया है।

## घर्भूची

मकान नं॰ 1026, शैकार 37बी चंडीलड़ (ग्रथित वह जायदाद जो कि रिकिट्सी ती श्रीत की पर्डालड़ के पिलेख संद्या 252, माह जून 85 के तहत दर्ज हैं)।

> जोगिन्द्ररिह स्थान प्राप्ति जरी सहाय इ घाय . र घायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जेय रोज, लुधियाना

**रा**रीखः 10-2-1986 मोहरः प्ररूप आर्था.टी.एन.एख.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जाय्**क्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दियां 10 फायरी, 1986

निर्देश सं० घाएड/10/85-86—अतः मुझे, जोगिनद्र हिंह आयकर अधिनियम, 1901 (1961 का 43) (जिस इसने इसके परनात् एका अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- फेंट से आधक है

श्रीर जिल्की सं० कोठी पं० 252 है तथा जो फेंग 4 मोह्ली तह्सील खाड़ में ल्यित है (श्री) इतने उत्तवह अनुभी में श्री पूर्ण का में पणित (), जीवादी, तो श्रीध-सारी के प्रायीत काल्मी, जीवादी एण श्रीधित्यम्, 1908 (1908 अ. 16) के अमीत, स्टीस जुन, 1985

का प्रवाकत सम्पास के उचित आजार मूल्य स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की भई है और मुक्ते यह विश्वास करने करन का कारण हैं कि उपलाश्याबद यहाँ ते का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह शीभदात म अधिक हैं और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अतिरितिया) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उव्देश्य स उक्त अंतरण निम्नलिखित में वास्तविक कथ म काधत नहीं किया एया हैं:--

- (क) अन्तरण संहुइ किसा आय की बाबत, उक्त बिधिनियम का संधीन कर दीने के बन्तरफ बी दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए; मरि/मा
- (क) एसी किसी आप या किसी धन या जन्म आस्तिकी की, जिन्हों भारतीय आय कर अधिनिक्स, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूर्विधा के लिए;

श्रतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण से, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिजित व्यक्तिसमीं, अर्थातः :-- 1. श्री मंत्रत ित् पुरिश्री कृतिय विद्वारित की मातन नं 000 किया 3-बी-1 बीत् की उद्देशन खपड़ बतीर जनरा अवसी श्रीक्ती बलाबन्द्र कीर पतनी श्री उपलेग तारकी मात्रत नं 160 केजन 7 मीत् बी उद्देशित बल्दा की दिल्ला की इस्ति श्री जनरत अवसी श्री तार्य हातुर िह्न पुत्र जा.बीर इन्द्र ित्नु विवासी मात्राको 1105 सैक्टर 8, चंड्रांबुः।

(अन्तर 🖫

2. श्री जनसोहन िह दशा श्री सुरेन्द्र िह पूजन श्री गुरुवपन जिह क्यानसी 252 क्रेंब व मोहानी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वायत सम्पन्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के जजन के सबध मा काई भी आक्षप .--

- (क) इस सूचना के राज्यक में १०१० कर है सीख इ. 45 दिन को अवीध या तरमध्यन्त्री अवीध को दी सूचना को तामाल से 30 दिन की अवीध को दी अवीध बाद मा ममान हैं। गी, से मानर पूर्वाक्ट क्यक्तियाँ मा से किस्स क्यक्तियाँ से.
- (ण) इंस मुचना के राजवश में प्रायामन को कार्राम स 45 दिन के भीतर उपत स्थावन सम्मान्त में "हुद्वब्र्य किसी गुन्म क्यांवित द्वारा अभाद्यकाकारों के पांच सिक्स में किए जा सकति।

स्परकोकरणः --- इसमें प्रयुक्त धन्दों और पदों का, जां उक्त अधिनियम दं अध्याय 20-क में पारभाविद है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अगुस्ची

मं तान नं २ 252 केन ४ तोड्राली ह्यानी । एएड़ (प्रथति वह जायबाद जो ि रिजिएड्री तो क्षांब . री १८६ ६ दिलेख संख्या 1805 मह जून, 1985 के एड्री दर्ज है)।

> जोतिन्द्र दिह् प्रभाग प्राप्त गरी सहायाः प्रभाग र अत्युक्त (विरीक्षण) स्राप्ति रोज, लुधियाना

सारीख: 10-2-1986 मोहर्: प्ररूप आर्ध. टी. एन. एस.-----

बायकर को जीनयम, 1961 (1961 का 43) की अपर 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अजंग रोज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 10 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पटियाला/6/85-86—ग्रवः मुझे जोगिन्द्र सिंह

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके पहचात् जिल्ला भाजित्यमं काहा गया हो), की भारा 269-ख के अधान सक्षाने श्रीधकारा का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्भास, जिसका जीवल बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से आधिक है

श्रीर जिसकी लंक माजान नंक वी-2/439/1 है तथा जो श्रानन्वपुर संत्मा श्राश्चाम के जामने जाना नगर, धूर्यन्धर नगर रोड़ पटियाला में स्प्राः है (प्रारं इजन उन्नबंड श्रापुर्वा में श्रीर पूर्ण रूप में गिंव हो) योज हो जी प्रांध जरी के जयालय, पटियाला में, रिजाई। ज्या श्रीप्रांचम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, कारीण्ड जुल, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तारत की गई है और मूक्ष यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात स प्रीयक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरित्यों) व बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में अन्तर्भ तर्ही किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;; बीर/भा
- (क) ऐसे ति किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर आधिनियम, ति किसी प्राचिन का 27) के अयाजनाथ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

जतः कया, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिखित ज्योक्तजों, अधीत्—

- श्री राम व्यक्ता इंड पुत्र श्री ार्म चन्द्र इंड ावासी मुकाल तंज वान्य/439/1 श्रालन्दपुर संत्तेत श्राश्रम लामने रान्टनलर, भूषिन्दर लगर रोड़, पा जाला। (श्रासरा)
  - 2. श्री श्रवतार सिंह पुत्र श्री सुर्जन िह, सर्वस्त हर मिन्दर िह गुरलाम िह, प्रतान श्री प्रवत्तर सिंह लिवासी गांव दित्तपुर जंटा टश्सीर नाभा जिला पटियाला।

(ग्रनः∫रती)

का यह सूचना जारी करके पूव किस सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षप :--

- (क) ्र पूर्वता के राजपत्र मो प्रकाशन की तार व से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ार सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो नी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के रज्जपत्र में प्रकाशन की तार ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पार में हितााद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षा के पास लिखित में किये जा सकी ।

स्याद्शीकरण: --इसमें प्रयुक्त हादों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में रिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

#### प्रनमुखा

मकान नं बी-2/439/1 भानन्दपुर सरसं भाश्रम सामने रान्यनगर, भूमिन्द्र नगर रोड़ पटियाला । (श्राति वह जायदाय जो १: रिजिस्ट्री की किंग्स संख्या 1925 माह जून 1985 के तहत दर्ज है)

> ंगिन्द्र सिंह सक्षम ः धि हारी सहायक भ्रायण्य श्रायुक्त (केरीक्षण) श्रजन रज, लुधियाना

वारीख: 10--2-1986

मोहरः

斯性 有效 图1、现代、发展、一十一

# बायकर के योगयम, 1961 (1961 का 43) की था: 269-च (1) के बधीन सूचना भारत सरकार

कम्मालयः, महाद्याः अस्तरार आपृक्तः (निरीक्षणः) श्राजीत रेंग, लुधियाना लुधिल्खना, दिनौंगः 10 फरदरी 1986

निदेश सं० पटियाला/4/85-86--भ्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अधिनिया, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन अधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थार सम्पितः, जिस हा उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- छ. से अधिक है

और गिथको सं 207 एलाल 11 मण्ला है हथा जो गांव में द्वी पुण िका एटियाका में थिए है (और इसमे उपावद्ध धन् पूर्वा में धौं पूर्व का से विणित है), रिवर्ट्राति श्रिध-कारा के दा लिय पटियाल में, रिष्ट्रांकरण श्रिधित्यम 1908 (1908 रा 16) के श्रधीन हारीख जून, 1985

भो पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रातिकल की पए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वारा करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचि बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकः) के बीब एसे अन्तरफ के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निराधिलिक उद्दर्धिय से उन्तर अन्तरण जिल्ला में बास्तविक हम से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्हरण संहुई किसी बाय की बाबत, अबस बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में जमी करने वा उससे बचने हैं बुविधा के सिए; बीर/या
- (ख) एनि किसी आय या किसी धन या अथा आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उन्नत अधिनियम, या धनकर आध नयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाध-गार्थ अन्तरितों इवार्य अकट नहीं किया गया था वा श्रम्या जाना चाहिए था, जिनाने में सुविभा के तिस्त्र

अतः अवः, अतः अधिनियमं की भवा 269-मं के अनुसरभ बो, बो, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपभारा (1) जै नधीतः, निम्हीनियसं स्वितसो अतः सः ----  स्वर्गीयश्री कृष्ण मोहा स्थित्द्र, वरिन्द्र सथा सर्ताण पुत्रान श्राणोपाल चन्द्र एडवोकेट, सार्वारी गैंट, पटियाला।

(श्रन्तरक)

2. श्री लखजोर जिंह , साहिच जिंह पुत्रान श्री दलाप जिंह, श्री दलीर जिंह पुत्र श्री फीला जिंह गाँव रचूलपुर, जीरा जिला पटिजाला।

(ग्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा ।

#### उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्नान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राह्मारः
- (ख) इस राष्ट्रभा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य वावित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकारणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धमुभूची

भूमि 207 धनाल 11 मरला जो कि गाँव मैन्द्रीपुर जिला परियाला में स्थित है। (श्रयति वह जीवदाद जी कि रिस्ट्रिश्ती श्रवितारी, परियाला के विलेख संख्या 1826 माह जून, 1985 के सहस दर्ज है)।

> जीभिन्द्र जिह् सक्षम प्राधिकारी पहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**म**ः 10-2-1986

माहर:

प्ररूप आई.टा.एन.एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धरा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत संस्कार

क्राबंलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंग, लुधियाना

लुधियाना, दिनौँ है 10 फरवरो, 1980

निदय सं॰ पटियाला/ 5/85-९०----प्रतः मझे जोगिन्द्र तिह,

बायकर आंधिनयम, 1961 (1961 के +3) जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनरम' कहा गया है, की धारा 269-ख अ अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रक्षावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोप ितको सं० भूमि 64 कतान है तथा जो गाँव मैड्दीपुर तहतील परिवास में स्थित है (स्रोट इनत उपाबस सन्सूचा में स्रोट पूर्ण का नर्नामा है), रिन्द्रावर्त श्रिशेशारी के कर्माना, नोटेगाला में, राजान्द्रीवरण अधित्यम, (1908 जा 16) के स्थान, तारोख जून, 1985

का पूर्वांकत सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिषक्त के किए अस्तरित की गई है आर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है । कि यथा पूर्वांकत सर्णात का उचित बाजार मूल्य, उनके वश्यमान प्रतिषक्त मं, एस दश्यमान प्रतिषक्त मं, एस दश्यमान प्रतिषक्त के पन्दृष्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अल्वरण के लिए तय पाया गया प्रतिषक्त, निम्निलिखत उद्धाय से उन्तर अन्तरण लिखत मा बास्तविक रूप से कथित नहीं विश्वा गया है .—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अधने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्नत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, १६५७ (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाश प्रकट नहीं किया गथ ए। या भिया जाना चाहिए था, छिपाने मो स्विधा के लिए;

डत अब. उक्षत क्रिंगियम की भारा २६९-ग के अनसरण मी, मी, पाठ अधिनिहम की भारा १९९-घ की उपधारा (।) को करिंद अधिनिहम को बिल्मों, अर्थात :---  सर्वश्री एएग माहन, व्यान्ति , बारिन्द्र नतोग्र पुत्रान स्व० श्री गोगाल चन्द्र एडवानेट निवासा नानोरी गेट, पटियाला।

(भ्रन्तरक)

2. सर्वश्री हरी तिह, निजरा तिह, जोरा निह पुत्नान् श्री क्य तिह, सर्वश्री तत्वगर तिह, सत्वाल तिह, भरपूर सिंह पुत्रान् श्री उस्य तिह समी निवासी गाँव झंडी तहसाय तथा जिला परियाला। (श्रमत्तिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त संपत्ति के अजंग के सर्वध में कोई भी आक्षंप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्राध्यान की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्मवंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सम्माप्त होती हों, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सर्पात्त मो हितब्ध्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अम्सची

भूमि 64 कताल, गाँव मैहदीपुर सहसील पटियाला। (श्रयीत् वह जायदाद जो कि रिजिस्ट्रीक्ती श्रधिकारी, पटियाला के विलेख संख्या 1864 माह जून, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह् नक्षत प्राधि हारो सहायक स्रायकर स्नायुक्त (निरोक्षण) स्रजेत नेंज, लुधियाना

तारीख: 10-2-1986

मोहरः

कार्याचय, सहायक बायकर वाय्वत (निरीकच)

म्पर्जैन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनौंक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० नाभा/2/85-86--श्रतः मुझे जोगिन्द्र तिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे द्वामें द्वामें प्रस्के परमत 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विद्यास करने का कारण पे कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० भूमि 76 कनाल 18 सरला है तथा जो गाँव श्रलीपुर तहसील नाभा में स्थित हैं (श्रीर इपसे उगाबद्ध श्रनुसूबी में श्रीर पूर्ण का से विणा है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय नाभा में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीयोन तारीख जून 1985 को पूर्णेक्त संपित्त के उचित बाजार मुख्य से कम के रूपमान विकल्प के तिर अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापुर्जेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार हन्य, उसके रूपमान प्रतिफल को एमें रूपमान प्रतिफल का

वन्द्रहप्रतियात सं**वधिक है और वन्तरक (अन्तरकों) और** 

अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया पंचा प्रतिफल, निम्नलिखित उददोष्ट्य में उक्त अस्तरण निकित

में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया बबा है :---

- (क) अन्तरम संहुई किली साय की वानत, उक्त अभिनियत के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाजित्य में कानी करने वा तकसे स्थाने में स्वीवधा के सिए; और/बा
- ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या कत्य आस्तिवाँ भी, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1967 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना वाहिए था खिपानी में स्वाया के सिए;

असः अयं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीय, निकासिकिक व्यक्तियों, अर्थातः :---- शिमती लक्ष्मी देवी विधवा तथा सर्वश्री लुरेन्द्र कुमार, राशिन्द्र कुमात, सिनोद कुमार पुत्रान् श्रो वजीर चन्द्र निवामी गाँव श्रलोपुर तहसीन नामा तथा कुमला देवी पुत्रो श्रो वजीर जन्द निवामी गाँव श्रलोपुर तहसील नाशा हारा सनस्त शटानी श्रो मुरेन्द्र कुमार।

(अन्पर्घ)

- (1) श्रा प्यारा निह् पुत्र श्री निहान निह् तथा जगदीक निह्, प्रजीत हिं पुत्रान् श्री प्यारा निह ।
  - (2) श्रो इंद्र तिह पुत्र श्री निश्तल विद् तथा गुरस्थात तिह, मुद्रदेश तिह, गुरनेल तिह, करनैल तिह, हरदेव तिह पुतान् श्री इंद्र तिह सभी निवासी भाषात तहसील खन्ना जिला लुक्षियाता।

(प्रतिसी)

को यह सुचना काशी करके प्रविक्त मण्यालित के अलग न तिया कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ज भी अप्रथण '--

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्में वेशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राज। के में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पटिकीकारणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## धम् भूषी

भूमि 76 कनाल 18 गरला जो जि गाँव अलीगुर तहसील नाभा में स्थित है। (१७४)त् बढ़ जालाह जो हि रिक्टिंटर्ता श्रिधारों। नाभा के िलेख संख्या 3313 माह जून, 1985 के एहरा दर्ज है।

> जेतीन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायस आयाहर श्रापुक्त (तिरोक्षण) स्राजैन रेंज, लुधियाना

सारीख: 10-2-1986

प्ररूप आर्द्धः टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कायां लय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लुधियना

लुधियाना, दिनौँ हे 11 फरवरी 1986 निर्देश सं० पटियाला/9/85-86--श्रतः मुझे जोगिन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'लक्ट अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रेशित सभन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि - अप संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1, `0, ∩∂0/~ रह. से अधिक **ह**ै।

और ियकी गं० 79 ककल 11 सरल है तथा जो गय महदेपुर तहसील पटियाला में न्थित है (फ्रोर इससे जास्क्र पनुभूकी में औ: पूर्ण करने प्रीति है) रिजल्द्री हर्ता प्रदेशारी वे कार्यात्रय परिधाला में रिस्ट्र करण 'जिक्किस 1908 (1920 कर 16) के प्राप्त सर्वास्त्र 22 संग्री 1935

(1930 कर 16) के प्रधित ताराख 37 जूर, 1935

की पूर्वाक्त संम्पात्त के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाण्योंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उराकं ६६० मान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियः) के बीच एस अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-फल निग्निक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिवक रूप से की भी नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; कौर/या
- (म) पंसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-ध्य आधिन्यम, या धन-ध्य आधिन्यम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्थिपा के लिए।

कतः जव, उक्त सिंधिनियम की धारा 269-न को अनुसरक कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपपारा (1) लें कुचीन निकालिजिल व्यक्तियों; संशीत् :--- 1. सर्वश्री कृष्ण मोहन, कृषित िह, व देन्द्र िह तथा सतीस पुत्रान् स्त्र० श्री गोताल तथ्य एडवोनेट निवासी आतीसी गेट पटियाला द्वारा खटानी श्री शिरी राम पुत्र श्री भगवान िह काठी पुहल्ला सुईगरी, पटियाला।

(भ्रन्तरक)

2. सर्वेश्वी गुरताम जिल्ल, निक जिल्ल, भजर जिल्ल, श्रमरीक जिल्ल पुत्रान् श्री विश्वजावर जिल्ल जिल्लाम गाँव मैहदोपुर तहसीच पठियाला तथा सर्व श्री शाम लाल, जिल्लू राम पुत्रान् श्री गोगाल दा जिल्लामो गाँव लोगह तहसील इप्रवाती जिल्ला जिरास (हरियाणा)।

का यह सूचना जारी करन्ते पृथीनत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जिन्धि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तासील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आह मों समाप्त होती हो ,े भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वा ।;
- (स) इस गृवता के राजपत्र में प्रकाशत की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सा ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, आहेस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकरेंगे।

स्फब्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क ने यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा चो उस कज्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

भूमि 79 कताल 11 मराह, गाँव में उरोपुर तहसील पटिनाला। (प्रयोत् वर्षानाहा जो हि रिल्ट्रान्ती अधि-कारी, पटियाला के विलेख संख्या 2230 मा; जून, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र तिह्य सनम प्राधिकारी सहायक सायकर श्रायुकः (निरोक्षण) शर्जन <sup>ज</sup>, सुवियाना

तारीखः ११-2-1986

नोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के मुधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक आयकर आवृत्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी, 1986 निर्देण सं० डेंराबस्सी/4/85-86---ग्रतः मुझे जोगिन्द्र

सिंह जायकर औधनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख कें अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि 3 विधा 18 विस्सा है तथा जो गाँव सिंघपुरा सब तहसील डेराबासी में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रापुत्रों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय डेराबस्सी में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जून, 1985 को पूर्वों कत सम्पत्ति को डिचल बाजार मून्य से कम के स्थानाम श्रीतफल को जिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वाध करने का कारण है कि स्थापुर्वों कत सम्पत्ति का उपाय बाजार मून्य, उसके द्रम्यमान प्रतिफल को चित्र विश्वाध करने का कारण है कि स्थापुर्वों कत सम्पत्ति का उपाय श्रीतफल का चेत्र प्रतिकात से अधिक है और वंतरक (अंतरकों) और अंतरित रिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, विम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि हिए तम पाया गया प्रतिफल, विम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि हिए तम विश्विक में बास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण के हुई किसी नाव की नाअतः, बन्तर अभिनियम के अभीत कर को के अंतरक के बायित्व के अभी करने या उससे वचने के सुनिया के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

 श्री दर्गा तिह पुत्र श्रो गुरबख्य सिंह, निवासी गाँव सिवपुरा सब तहनील डेराबस्सी।

(श्रन्तरक)

 मैशर्ल हरियाणा मैकलैब प्राईवट लिमिटेड, सिघपुरी सब-तहसील डेराबस्सी।

(अन्तरिती)

को बुद्ध सुषमा जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उच्छ बुस्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र क्र—ा

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारीख वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी जबिध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त स्पनिसमों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपण भी प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-व्यूच किसी बन्ध व्यक्ति क्वारा अभोहरताक्षरी के गास विविद्य में किए का व्यक्ति।

स्युक्तीकरण:---इसमें प्रवृत्त सन्यों वीर वर्षे का, को उनस् विधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं के वहीं वर्षे होगा को उस अध्याय में दिवा क्या है।

#### अनुसुधी

भूमि 3 बिधा 18 बिस्वा जो कि गाँव सिवपुरा सब-तहसील डेरा बस्सी में स्थित है। (प्रथीत् वह जायदाद जो कि रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी डेरा वस्सी के बिलेख संख्या 733 माह जून, 1985 के तहल दर्ज है)!

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रंज, लुधियाना

तारीख: 10-2-86

## प्रकृत कार् . टी .एन . एक ......

श्राधिकार वारिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-व (1) के मधीन स्वना

#### RIGH STATE

## कार्याबर, सहायक जायकर जायूक्त (निर्रीक्ष्ण) श्रर्जन रेंग लुधियाना

लुधियाना, दिनाँक 10 फरवरी, 1986 निर्देण सं० डेरा बस्सी(7/85-86--- प्रतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन राक्षय प्राधिकारी को, धह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका प्रवित्त वाजार मृख्य

1,00,000/- रा. से अधिक **ह**ै

ष्रीर जिसकी सं० भूमि 18 बिस्वा है तथा जो गाँव सिंघपुरा गस-तहसील डेराबस्सी में स्थित है (ग्रीर इससे उनाबढ़ अनु-सूची में ग्रीर पूर्ण का से बिणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय डेराबस्सी मेंद्र रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1985

को पृथित सम्परित के उचित आजार मूल्य से कम के रहयमान प्रिण्फल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित आजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है जौर मन्दरक (मन्तरकारें) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल, निम्नलिसित उद्वेशय से उसत अंतरण लिसित में आस्तरित कम स्पार्थ के लिए तथ पाया गया प्रतिक कर से में करित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बिध-नियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। बार/बा
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के निह:

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 209-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री गरेन्द्र निंह निवासी छैरा बस्सी सब-तहमील छेराबस्सी बतौर जनरल प्रधानी श्री मोहन जाल, मनीहर लाल, जय गोपाल सदन पुतान् श्री मातू राम निवासी मुबारकपुर सब-तहसील छेरा बस्सी।

(भ्रन्तरक)

 मेसर्स हिर्म्याणा मैक फैब प्राईवट लिमिटेड, सिंघपुरा सब-तहर्माल डेरा बस्सी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना थारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्रेप:--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तासीच से 30 दिन की बविध, को भी अविध वास में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (ब) इस स्वया के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

#### arrel 1

भूमि 18 बिस्वा जो कि गाँव पिषपुरा सब-तहसील डरा बस्सी में स्थित है। (श्रर्थात् वह जीयदाद जो कि रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी, डेरा बस्मी के विलेख संख्या 755 माह जून, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिह् सक्षम प्राविकारो सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, लुधियान

तारीख: 10-2-1986

## क्ष्म नार्वेक को तुपन्त प्रचान तुम ताम सकत

## बाय्कड विभृतियम्, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-क् (1) के ब्योग सुव्या

#### HIST HERE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनाँक 10 फरवरी 1986 निर्द्रोण सं० डेरा बस्सी/10/85-38~-यतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम शाधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति , विश्वका उचित वाचार वृश्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 3 बिघा 19 बिस्ता है तथा जो गाँव सिंवपुरा सब-तहसील डेरा बस्मी में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, डेरा बस्सी रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जून, 1985

को प्रोंक्त सम्पत्ति के शिवत वाकार मूक्य से कन के स्वयमान श्रीयक के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कार्य का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उपिश्व वाजार भूग्य, उसके स्वयमान प्रतिकत सं, एसे स्वयमान प्रतिकत का बन्सह प्रतिकत से समिक है और अन्तरक (सम्बरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के बिए सय बागा गया प्रतिकत, निम्निलिखित उद्देख के उपने बन्तरक लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविभा से सिए;

चत्त्व वच, राज्य विभिनियम की घारा 269-प की, बन्धरण वो, मी, उत्तर जिनियम की धारा 269-च की उपधार (1) पे विभीन्त्र निम्मितिका स्वीक्तयाँ स्वाद्ध स्थादि  श्रो ग्रजमर सिंह पुत्र श्रो जगदीण सिंह, निवासी गाँव सिघपुरा सब-तहसील डेरा बस्सी।

(ग्रन्तरक)

2. हरियाणा मैकफैब प्राईवेट लिमिटेड सिंघपुरा मब-तहसील डेरा बस्सी।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

## उन्त प्रव्यक्ति को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी वार्क्ष :---

- (क) इस स्थान के हाजपण में प्रकाशन की सारीया से 45 दिन की जनिया सा सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सृचवा की तानीस से 30 दिन की नवित्त जो भी जनिया वाद में समान्त होती हो, के भीतर प्यॉनक व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वादः;
- (क) इस न्यता के राजपण में प्रकाशम की वार्रीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृति में हितबद्ध किसी सन्य व्यक्ति इवाय स्थाहस्ताकरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्मध्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्यास में विकास गया है।

#### वन्तुः

भूमि 3 बिघा 19 बिमवा जो कि गाँव सिघपुरा, सब-तहसील छेरा बस्वी में स्थित है (अर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, इरा बस्वी के विलेख संख्या 732 माह जून, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र मिह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-2-1986

प्रकृष आहें, टी. एन . एस . . ======

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अभीन स्चना

#### भारत वरकार

कार्यालय ,- सङ्घामक भागकर जायुक्त (निराक्षिण)

**प्रजं**न रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निर्वेण मं० डेराबस्सी/11/85-86--यतः, मुझे,

जोगिन्द्र सिंह,

बावकार मिनियम 1961 (1961 का 43) (विशे शतमें इसके परवात् (उनत निर्मातका कहा नवा है), की भारा 269-थ के मधीन सवान प्राधिकारी के वह निर्मात करने का स्वारंग है कि स्थानर संस्थित, विश्वका स्वितः बायहर मुख्य 1,00,000/- रा. से निष्ण है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 14 विषा 4 विसवा है तथा जो गाँव सिंघपुरा सव-तहसील डेराबस्सी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेराबस्सी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख जून, 1985 को पूर्वोक्त सम्पर्तित के उच्चित्व बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकत उक्वेष्य से उक्त अंतरण लिकित के

बारकविक क्य से कथित नहीं किया नवा है र---

- (क) जीतरण से हुई किसी बाग की बागत , उनक अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कनी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; बार/या
- (ण) होती किसी आय या किसी धन या अत्य अस्तियों की, चिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 । (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सूजिधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कें, म<sup>3</sup>, उक्त अधिनियम की भारा 269-म उपभारा ं(1) ■ अधीत, निम्निलिश्चित क्युक्तियों, क्रथित ग—— (1) श्री गुरबख्श सिंह पुत्र श्री गैंदा सिंह, निवासी भंरवरपुर सब-तहसील डेराबस्सी।

(ग्रन्तरक)

(2) हरियाणा मैकफैब प्रावेईट लिमिटेड, सिंघपुरा सब-तहसील डेराबस्सी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुन्नमा जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां, करता हुई क्ष

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौंख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वारा;
- (व) इत सूचना, के राजपन में प्रकाशन की दारीच से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी अध्य व्यक्तित वृक्तरा अधोहस्ताक्षरी के वास निवित में किए वा सकति।

स्वकासिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, यो उक्त विधित्तव से बध्याय 20-क में परिमाणित हैं। यही वर्ष होना को जब बध्याय में दिका क्या हैं।

## नपसर्वी

भूमि 14 बिधा 4 विसा जो कि गाँव सिघपुरा सब-तहसील छेरा बस्सी में स्थित है (ग्रयात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी छेराबस्सी के विलेख संख्या 8 731 माह जून, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-2-1986

मोहरः

प्रकप बाद .टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजि, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1986

्र च्या के नेप्स्याचीश्रीय वर्ष स्थापके स्थापके

निर्देश सं० डेराब्रस्सी/9/85-86---अतः मुझे, जोगिन्द्र सिह्,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीर सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि 3 बीघा 19 बिसना है तथा जो गांव शिघपुरा तव शहसील हेराबरसी में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के व्यायालय, डेराबरसी में, रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पुत्रेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गद्द है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कियत किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा सै लिए;

जतः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की जन्मरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) को अधीन, निक्नीन्छिट व्यक्तियों, अधीक् :---  श्री जितिमन्द्र तिह पुत्र श्री गुरबक्श तिह, निवासी तिथपुरा तब-तहसील डेराबस्सी।

(अन्तरकः)

2. मै० हरियाना मैह फैन प्राईवेट लिमिटेड, सिधपुरा, सब तहसील डेराबस्सी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया हैं।

### यन्त्यी

भूमि 3 बीघा 19 बिसवा, गांव सिधपुरा सब तहसील डेरा बस्मी। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, डेराबस्सी के विलेंख सं० 734 माह जून, 1985 के तहत दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-2-1986

प्रकृत कार्यु । हो<sub>ल पुरा</sub> पुरा<sub>य</sub> = = = = ==

णायकार गिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वाना

#### RIGH AZME

# कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० नुधियाना/220-बी/85-86--अनः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

नायकर् भीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त जिभिनियम' नहां गया है कि भारा 269-ख के जिभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थायर बन्यति, जिसका जीवत नावार मूक्य 1,00,000/- का से जिभिक है

भूमें र जिसकी सं० भूमि 6 कताल 15 1/2 मरला है तथा जो गांव ढेरो तहसील लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इसमें उनाबढ़ अनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-थिक रूप से कथित किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा का किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के विहा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

1. श्री प्रकाश सिंह पुत्र श्री गुरमेज सिंह, गांव ढेरी तहसील तथा जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री बलजीत राज देव सिंह पुत्र श्री अवतार सिंह महान नं० 2183 मुख्याक गंज, लुधियाना। (अन्तरिती)

को बहु बुजना पार्श करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कर्मबाहियां करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजप्त में प्रकाशन की तार्ति से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की वर्ति, को भी वर्ति वाद में समाध्य होती हो, को भीतृत वर्तिका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पतकीकारण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नगुपूर्ण

भूमि 6 कताल 15 1/2 मरना गांव ढेरी, तहसील तथा जिला लुधियाना। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलेख संख्या 3818 माह जून 1985 के नहत दर्ज है)।

जोगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 10-2-1986

प्रकृप कार्ष ,दौ , युन् , एस , -------

# बावकर बर्भिन्यन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ब्रीन स्पना

भारत सरकार

### कार्यासय, सहायक जायकट बायुक्त (निर्द्रीजन)

अर्जंश रेंज, लुधियाना लुधिया<mark>ना, दिनौं</mark>क 10 फरवरी 1986

निर्देश मं० लुधियाना/220-ए/85-86--अतः मुझे जोगिन्द्र सिंह,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मित्त, जिसका उचित बाचार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिनकी सं० भूमि 8 कमाल 15 1/2 मरना है तथा जो गांव ढेरी तहमील तथा जिना लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतोरित्यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया थया प्रतिक्क्स, निम्नसिवित समुवंद्य से उच्य बन्दरण निवित में वास्तिवक क्ष्य से कथित नहीं किया ग्या है ॥

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाविस्तु में कमी करने या उससे स्त्रुने में सुविधा के सिए; शाँद/या
- (का) एसी किसी बाय वा किसी भन वा बन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय जाम-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्छ अधिनियम या वक्छ अधिनियम या वक्छ अधिनियम वा वक्छ अधिनियम वा वक्छ अधिनियम वा वक्छ अधिनियम का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नद्दी किया यवा था या किया जाना नाहिए था, छिपाने भे स्विधा के विष्:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्री प्रकाण शिह पुत्र श्री गुरमेल शिह, निवासी गाँव होरी तह० जिला लुधियाना

(अन्तर्क)

11857

2. श्री आनन्द देव लिह पुत्र श्री अवतार किह, निवासी 2183 मसत्रक गंज, लुधियाना।

(अन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिंस सूक करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप हु---

- (क) इस श्राप्त के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुमता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इच ब्ष्यमा के राजपम में प्रकाशन की तारीच थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास मिचित में किए जा सकोगे।

स्पष्डीकरण: --इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि 8 कनाल 15 1/2 मरला गांव ढेरी तहसील लुधियाना। (अर्थात् वह जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, लुधियाना के विलेख सं 3636 माह जून, 1985 के तहन दर्ज है)।

> जोगिन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाक्ष

तारीख: 10-2-1986

प्रक्प नाइं.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### नारत सरकार

कार्याचन , महायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज-2, लुधियाना

लुधियाना, दिनां क 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० लुधियाना/2 22,85-86--अतः मुझे, जोगिन्द्र सिंह,

कायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जित्तकी सं० भूमि 6 कलाल 15 1/2 मरना है तथा जो गांव डोरी तहसील लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाधद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित नावार मूक्य से कम कै द्वसमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरिक्ष की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार नृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एते क्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिगत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिस्तित में धास्त्रिक रूप से क्यित गृहीं किया गया है के—

- (क) जन्तरण हे हुई किसी जाय की बाबत उक्त आधि-विवय के जभीन कर बने के जन्तरक के बायित्य के कभी करने वा उससे बचने में स्विधा के लिए जर/या
- (था) श्रेकी किसी बाय या किसी अन या बन्य आस्तियों का, चिन्हें भारतीय आयकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या चन कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्ति दिवी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया आमा जाहिए था, छिपाने में सुनिया वे किया

अस: अब, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित न्यिकतयों, अर्थात् :---  श्री प्रकास दिह पुत्र श्री गुप्सेण दिह, दिवासी गांव देरी नहमील नथा जिला लुखियाना।

(भन्तर ५)

2: श्री मुख्येत्र सिंह् पुट श्री अवतार सिंह्, निवासी डब्ल्यू-जैंड, ए-14, मालि ए पार्क नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करतः हुं।

### अवत सम्मत्ति को नर्पन को सम्मन्ध में कोई भी आक्षेप हु--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की ब्बीभ या तस्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सवाप्त होती हों, के भीतुर प्रविक् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-क्यूथं किसी: जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी की पास हितीबत में किए था स्केंने।

स्पव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त गब्दों कीर पदों का, को उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिमाणिए हैं, बही वर्थ होगा को उस अध्याय में विका न्या हैं॥

### अनुस्ची

भूमि 6 कनाल 15 1/2 मरला का 1/8 भाग, गांव ढेरी तहसील तथा जिला लुधियाना। (अर्थात वह जायदाद जो कि रिजिल्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के विलोख मंब 4132 माह जूर, 1985 के तहर वर्ज है)।

जोगिनद्र सिंह सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जक रोज, लुधियाना

तारीख: 10-2-1986

### प्रस्य जाह<u>ी, ट्रीनु एननु एसनु क्लान्स्</u>र

बायकर ३ रेभनियम, 1961 (1961 का 43) की भरा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याल ', सहायक आयकर आय्क्त (निरोक्षण)
श्रजीन रेंज लुधियाना
लुटियाना 10 फरवरी जनवरी 1986
निर्देश संट लुधियाना/121/84-86 फ्रत: --मुझे,
जोगिन्द्र सिंह,

रायकर अधिकिए र, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अभे । सक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि ावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1.00.000/ रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसको रे० भूमि 6 शताल 15 मिरला है, तथा जो गाँव देगी हिहा तथा हिहा, जुलियाला में स्थित है (श्रीर इत्ते विश्व अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर के विशित है), पिन्द्री ही जिल्लिया विश्व का पित की रिन्द्री हरण विश्विम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, हारीज जुन, 1985

को धूर्वोक्त सम्प ता के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान ।तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का जार है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य उसके धामान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से निधक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितीं) के ग्रीच एसे अंतरित के जिए तय पाया स्वा प्रतिक एक भिन्नीं किया वया प्रतिक है पर अंतरित के विश्व उद्योदय से उक्त अन्तरक विश्व में वाक्तिक एक प्रतिक ता किया मया है द

- (क) कन्त थ से हुई किसी बाय की बाबत, सक्त जिल्लाम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाश्विम कमी करने या उत्तरे सुविध, के निह; और/सा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1:22 का 11) या उक्छ अधिनियम, या धन तर अधिनियम, या धन तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिश्तने मो सरित्या के जिया

ज्ञतः अब, उ ल अधिनियम की धारा 269-ग की, अन्सरण भे, मै, उन्त ं धिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कथीन, निम्मी सिसन व्यक्तियमें, स्थात् :--15---516 GI/85

 प्रकास सिंह पुत्र श्राः गुरुभेज सिंह गाँव देरो राह्मीण तथा किया लिखाना।

(3,77,77)

2. श्री अमृत देव ित् पुन्न श्री अवशास जिह, ड॰ल्यू० जैड़० ए०-१४, मालिक पर्का, की विल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पृथांकत सम्मृतित के सर्गन के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

तक्य सम्परित के वर्जन के एस्वरूप मा कांद्र भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशत की सारीख से 45 दिन की जन्मीय या सत्नोवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की साठील से 30 दिन की अगीव, आ भी अविध बाद मां समाप्त हवा हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति हुवार;
- (ख) इस सुचरा के राजपत्र मं प्रकारात की तारीख से 15 पित में भीतार उक्त स्थावर कर्यास म हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस जिन्छ में तिरुए जा सकांगे।

भ्रष्टांकरणः ----इसमें प्रयुक्त राज्यों बरि पदा का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाक्ति है, वहीं अर्थ होगा के उस अध्याय में दिया न्या है।

# अनुमूची

भूमि 6 कलाल 15 1/2 मरणा वा 1/8 भाग जो कि गांच हेरी एट्सीन एस िट्टा लुद्धियाना में ल्खित है। (अर्थात् वट सार्व्याद का कि लिक्ट्री-क्तिअधिलाकी, लुधि-याना में विलेख सं० 3919 साह जून, 1985 के तहत दर्ज है।

> जीगिन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी रहायक श्रायकर श्रायुक्त (जिरक्षण) सर्जय केंद्र, लुधियाना

नारीख: 10-2-1986

### प्ररूप बाहै.टी.एन,एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ःर्जः रेंजः भोराल

भोतान, विकोज 7 फरवरी 1986

िदेश: सं० ाई० ए०सी०/ जिं//सोसल/6322→-अतः मझे, बी० पी० श्रीयाणाय,

बायकर बांधांत्रयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् उक्ट अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अंति सद्भार पर स्वारों का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पन्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

कां प्रांचित मध्यत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और पुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिवात में अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरितीं (बन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उददेश्य में उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-निष्म के अधीन कर दोने के अतरक के वायित्व में कर्मा करत अधिम अवर्ष में स्विधा के चिए, बीर/सा
- (क) एकि किसी हाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (:922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धन-रूप दिश्वित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंतनाथ अन्तरिक्षी द्वारा ब्राह्ट नहीं किया गया थ: या किया जाता चाहिए था, छिपाने में मुसिभा

बरा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण है, मैं: उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ब्रांचीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. श्री भगभा दार, (2) प्यादीर विशा श्री झम्म ह-लालजी मत्र्याची, 34, मंगलाम प्रिल्डिंग, इंदार। (अन्तरक)
- 2. श्री सरावर्धम िता श्री श्रीलुष्ण चौत्हा, 215, साकेत नगर, इन्दीर।

(अन्दरिती )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

### उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राज्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धा व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, वो भोतर पूर्वीवस स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा रुकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क की परिभाणित हैं, वहां अर्थ होन्छ, अर उन अन्याय में विश्व नया हैं।

### मनुसूची

ष्ट्राट नं ० एथ--32, सार्गाः यज्ञार यानीनी एकर टेश्य इन्दीर में स्थित है। यह यह यह स्थाना संयक्ति है जिला सम्पूर्ण विवयण अन्तियती द्वाया प्रस्थायिः फर्म नं ० ३७--जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सन्य प्रतिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) अर्जंट रोंज, भोपाल

तारीख: 7-2-1986

माहर:

मस्त भार्द .टी .प्र. एस . -------

भावकार अभिनियम, 1961 (1961 **का 43) की** भारत 269-8 (1) के **अभीन मुचना** 

#### मारत तरकार

खार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

भोतास, दिलांक 7 फालरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सीं०/अर्जा/भोराहा/6323—अतः मुपे, बीं० पीठ श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करमें का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 3.30,030/-रा. से अधिक है

श्रीर ित्ती सं प्राटनं 345 साम गा है, तथा जो तारी का कर्मा में स्थिति (श्रीर इति उत्तबाइ अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर र प्रीण है), प्राटिट्टी ति प्रधि-कार्य के प्राचीत्म, ह्वीर में प्राटिट्टी एण प्रधि रियम, 1908 (1908 के 10) के प्राचीत प्राचीस जूर, 1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आध्यक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरिकास) के कीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक ६० में किथन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाचित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- अ १००१ वस अप का कि भा धन या कत्य कान्सियां का, जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारी प्रकट नहीं किया भया था या किया काना बाहिए था, खिणान वी कृषिभा के निए;

कतः वन उकत अधिनियम की धारा 269-म की धेन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) ने अधीन, निम्नतिकित व्यक्तियों, अधित :---  श्रीमती गाजवंतीयाई गांव गोवास्त्राच मोडवानी, 18, ए.केश वयम, इंदारा

(अन्तरक)

 श्रीमती नीजादेवी पति दशासमजी स्वकानी, 14, जयश्री जिण्डोकट कालीना, इंदार।

(अन्सरिती )

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिथ बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्ति व्यक्तियों में साकिशी व्यक्ति द्यान:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्का स्थावर मध्या । मा जितबक्ष किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अथाहरताक्षरी के पास लिखित मा किया जा सथान।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दो और गर्था आ, जो उत्तर विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ झोगा जो उस अध्यान में दिया गया है।

### अनुस्ची

णताट वं 345 एट टिमिंग मातात, न्यदित सगर, इंदोर में विशा है। यह बहु व्यापार इकति है दिस्ता संपूर्ण विशाण अन्यति द्वारा इत्यादि। फार्म वं 37—जी में विहिंग है।

> ीपी० श्रीवास्तव सज्जः प्राधिकारी सहायक प्राधवार धामुकः (जिरीक्षण) अर्जंग रेंज, भोपास

ः सी --2--1

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

लागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोजाल

भोवाल, दिर्शक 7 फरवरी 1986

निदेश सं अाई० ए० सी०/अर्जः/मोराल/ 3324—अतः, मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ६२मात् 'उनत अधिनयम' यहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपंत जिसका जीवत बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. में अधिक ही

श्रीर जिल्ला सं भूखण्ड क्रमीं र 107 है तथा जो श्रम्प नगर हालोगी, इंदार में लिया है (श्रीर इल्मे प्राबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण घर न प्रीणा है), रिल्ट्रिली श्रिध तरी के लायीर के इंदीर में, प्रिन्ट्री एण दक्षिरमा, 1908 (1908 को 10) के द्वीर स्वारीय गुर, 1985

वा पूर्विवा संम्पात्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विवत संपित्त का उचित बाजार मूच्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एमि द्रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकार में साधक हो अर अंतरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एस बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितीसत उद्देश्य से उधत अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से किथत नहीं किया गया है।——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य मं कभी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; कर्राया
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अमिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

कतः कथः, टेक्त कथिनियम की धारा 269-ग की बंत्सरण में, में, तक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती भाषती बेंच प्रांति श्री अश्विती कुमार जानी,
 पाजनहल कालोनी, माणिक बाग रोड़,
 इंदार।

(अन्तरकः)

(1) श्री स्वामसुन्दर पिना श्री मुल्लीधर वियाणी, (2)
मुरेश कुमार पिला श्री मुल्लीधर वियाणी, 21/1,
नार्थ राज मोहल्ला, इंदीर।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्धोक्त संपत्ति के जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई ो आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन जी शारीख सं
  45 दिन की अवधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की विधि, जो भी
  अवधि बाद भी समाप्त होती हो , व भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार ;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाश की तारी से 45 दिन के भीतर जकत स्थायर सम्ित्त में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, ज तहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्दीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों क, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क ें परिभाषिक है, यही अर्थ होंगा जो उस अ ाय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

भूखण्ड ऋषां र 107, अनूप भगर कालंती, इंदीर में स्थित है। यह यह स्थावर सम्यक्ति है िसाम मंपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा संस्थानः फार्म नं० 37-जी ः विद्या है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सप्तम प्राधिकारी सहायकआयकरआयुग्त (निरीक्षण) अर्जः रेंज, भोपाल

तारीख: 7-2-1986

मझे, बी॰ पी॰ श्रीवास्तव,

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

काथालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दियांक 7 फरवरी 1986 विदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जय/भोपाल/6325—अतः

आयकर शिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिक पश्चार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण हैं कि यक्षाप्यंक्ति संपरित का उन्तित जाजार 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

कार ित की संव प्याट संव 33 पर बना म जात है जो केम्प्याम रोड़, इन्यिय गांधी भगत, इंदोर में स्थित है (क्रोर इसमें उपबंध अनुसूची में क्रोर पूर्ण रूप से विण्या है), मिलिन्द्रीयकी क्रिक्रिक्टीयकी क्रिक्रिक्टीयकी क्रिक्रिक्टीयकी अधिक्रिक्ट (1908 क्रिक्टीयक), वारीख जून, 1985

क पूर्वीकः सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान शित्रफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि भ्रथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित सामार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का उद्ध प्रतिका सं अधिक हो और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-दल निम्नो अधिक स्द्रिश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हप में किशा नहीं किया गया है :——

- (कः) अंतरण सं हुइ किसी आयं की बावत, उत्तर अर्-िन्यम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मो कमो करने या उससे बचने मों सृविधा के लिए; और/भा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तिर्ती च्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्तिभा में स्थि।

नतः अब, उस्ते अधिनियमं की धारा 269-म को अनुसरण र, मं, उस्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निक्निसिंबल कांक्तियों, वसिंद:— श्रीमती एपामपाई विवया श्री शिवदयाल साह,
 (2) श्रीमप्रकार विजा विवदयालगी साह, विवासी
 हमजन कालोनी, इंदीर।

(अन्तर ह )

 श्री रमेधजन्द्र मित्तव पिक्त श्री मिथीलालजी मित्तल, निवासी मकान नं० 21, उदापुरा, इदार। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उच्या सम्पत्ति के वर्जन थे सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूधना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की कर्माध या तरसंबंधी व्यक्तियों १ र सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त ध्यवितयों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाघर सम्पत्ति में हित. वह्थ किसी उन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क भी पीरभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ण्याट नं० 33 पर बना हुआ मजान, केरार बाग रोड़, इन्दिया गांधी नगर, इंदोर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्बक्ति है विकास सम्पूर्ण विकरण अन्तित्ति द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में विहित है।

> बी० पी० श्रीवास्तद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (जिरीक्षण) अर्जन रेंज, भोनास

तारीख: 7-2-1986

मोहरः

प्ररूप बाइ". टा. एन. एस. ----

भाधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ছ (१) के अधीन सुधना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोधाल भोतास, दिशां र 7 फरवरी 1986

िवेश संव अर्ह्ड एवर्स व/अर्जन/भोषारः/ 6326---अतः मुझे, बीव पीव शीवास्सव,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रांत वित्रकी संव भागा स्यूव नंव 7 है, तथा जो मुगई संद्र्वात, इदार में विथा है (श्रांत इता उत्पद्ध अनुतुनी में श्रांत पूर्ण का के पाणा है), पाल्ट्री तो अधारणी के नियालिक, इंदार के जिल्ह्रीकरण अधिक्रिस, 1908 (1908 का 10) के स्वीत, सारीख जून, 1985

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रीतिकल के जिए अन्तरित की गई है और मूकों यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इर्यमान प्रतिफल में एसे इर्यमान प्रतिफल का पम्पूर्व प्रतिकान से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरिशिमों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किम्पीकां के उद्दारय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (%) अन्तरण से हुई किसी जाय की शायत, शक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के भूतिस्थ भी कभी कारने या उनसे वचने मा सुविधा के लिए, सीर/मा
- (स) द्रांसी विजयों बाथ या किसी भन या अन्य आस्तियों कर्त जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिस्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए ना, कियाने में मृतिभा के किए;

छक्ष: अज उक्त ऑप्रिनियम की धारा 269-ग कै अनुसंरण मं, औ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) अ सधीट, निक्तिसित व्यक्तियों, नणीत् ≝—  श्रीमती सीत.य.ई पति चत्रासुनजी गुण्ता, विदासी 40, कलाली मोहल्या, इंदीए।

(अन्सरकः)

2. श्रीमती कमलाबाई एति घाष्यामदासजी गुरतानी, निवासी 30, चंदन भवन, छाटी ग्वाल, टोली, इंदौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त संपरित की अर्चन के लिए भागवाहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद मं समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाड विद्यात में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं वर्ष होंगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

### अनुसुद्धी

म्यू० पा० महाज नं० 7, मुहाई मोहल्या इंदीर में स्थित है। यह वह स्थावर संतत्ति है जिहाता संपूर्ण विवरण अन्तरिती हारा सरयापित फार्म नं० 37-जी में जिहित है।

> वी० पी० श्रीबास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक अयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोंपाल

कारीख: 7-2-1986

प्रसंप नाह<sup>े</sup>. दी. एम<sub>ु</sub> एस्<sub>रव</sub>----

आयकर आंभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोनाल

भोतान, दिलंक 7 फरवरी 1986 निदेश सं० नाई० ए० सी०/नर्नत/भोतान/८३27—अतः मुझे, वी० पी० श्रीकालाव,

भायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिल्ली सं म मन म्यू पा नं 43/46 है, तथा जी एम विशेष का य मार्केट, इंदी में लियत है (श्रीर इससे उपायत अनुसूर्य में श्रीर पूर्ण का में दिलत है), पिस्ट्री ति अधि की के प्राथिष हैं को किया अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधिक्त हैं और मूल के दिश्यमन प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य स कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का बंदह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित विकास (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बतिकल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त कन्दरण विविद्य में बास्तिकल हुए से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की पावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जार/या
- (क) एसी किसी बाग या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिन्यिम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी दक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के क्यीम, निम्निसिंचल स्थासिनाणी, ज्याहि :---  श्रोमनी प्रधानाई की श्री प्रजेन्द्र कुनाइ, जूत कीठा, मेर चोल, इंदोर।

(1813.1)

2. श्री फ्रोस प्राप्त िमानंकिणोवजी, 109, एम० टी० कराथ मार्केट, इंदारा

(जन्मारती)

को यह सृचना जारी करके पृथीक्त सम्पत्ति के अर्जन के िनः कार्यवाहियां करता हो।

डक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनीय या तत्पथारी आवितास पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जां भी बाधि बाद में समाप्त हाती हो., क भीतर प्रशीक व्यक्तियों में में लिसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीटर उब्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरेग।

न्धव्यक्षिरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वा का छो अक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ध होगर जो उस अध्याय भी दिया गगा हैं।

#### **ग**न्य ची

म नाम म्यू० पा० नं० 40/4न, एम० टी० सामध्य मार्केट, इंदोर में स्थित है। यह बड़ स्थावार संग्रीत है जिल्ला संपूर्ण विवास अन्यापिती हाता रात्यापित फार्म गं० 37-जी में विविहा है।

> बी० पी० श्रीवास्त्व राक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंग, भोजान

तःरीख: 7-2-1986

## हरूर बाद¹, टी. एर ु एक<sub>ः न</sub>===

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

### क्रमालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंग, भोपाल भोराम, दिलंक 6 फरवरी 1986 निदेम सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोराम/6328—-अतः मझे, वी० पी० श्रीदासाव,

बारकर काँधानियस, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके अञ्चात् 'उक्त किंधिनियम' बहुत गया हाँ), की धारा 260-च के अवीत मध्यम पाधिकारी का यह विश्वास करने का कार्य ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-छ. से अधिक हाँ

म्रीत जिल्ली सं मार्ग ने पारिक का 313 है पा जी सुआप मार्ग, इंदी के जाता, एज्जैन में स्थित है (म्रीर इसि अपबंद अनुभूती में म्रीर पूर्ण का से विधित है), रिल्ट्री तो अधि तरी के तार्या कि उज्जैत में रिल्ट्री एण अधिकिम, 1908 (1908 का 16) के अधीत गरीख जुन, 1985

का न्यायत प्यति के अधित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह दिश्वास करन का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का छिचत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त सो, एसे प्रथमान प्रतिपत्त के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिक) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त दिम्मिलिखत उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में वासविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्धरण संबुद्ध किसी भाग की वान्छ, उन्धर मिनियम के अधीन कर दोने के मंतरक के दायित्व भो कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; अगर भा
- (क) श्रूमी किसी आय वा किसी भन वा बन्य आस्टिनों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रश्नामी अन्तरिती द्यार प्रकट नहीं किया गया भा भा किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-व के बनुवर्ष ब", म". उक्त अधिनियम की धारा 269-व की जनभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, कर्षात क्र-∞

- 1' मु॰ माध्यम वाई पुत्री ह्यीमुद्दी' पि० राजामण्डी-बाख :, उज्जैत द्वारा मु॰ आम ह्कीमुद्दी' धारमज इश्राहीम धित्रासी गोलामण्डी बाखन, उज्जैत (अन्तरक)
- मु॰ फातमाबाई पत्नी तैय्यवजी अली भार एवं मु॰ जुने सवाई पत्नी अध्येतनी भाई विवासीगण छत्नी चांछ, उज्जैत।

(ज्यस्ति)

का बह स्वना जारी करको पृष्ठींक्स सम्पत्ति को सर्थान को हिस्स् कार्यवाहियां करता हुने।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी थाए । :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र मों प्रकाशन की नारीस सं 45 दिन की बनीध या तत्संबंधी क्यांक्तिमों प्र स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की शरीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति के हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकों ने।

भिश्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### अनुमुची

म उत्त नं पा िशन क्षमां 313, मूभाप मार्ग इंदौर दरवाजा, उभ्जैन में स्थि। है। यह वह स्थावर सम्भत्ति है जिल्ला सम्पूर्ण विवरण अन्तिन्ती द्वारा सत्यापित फार्म नं 37-जी में निहित है।

> बी०पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

**तारीख:** 6-2-1986

प्रकम आई. दी. एम., एस. -------

# मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में सभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 फण्बरी 1986

বিदेश मं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/ 6329—-अग:, मुझे, बी० पी० श्रीवास्त्रव,

शायकर किंधनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसकें इसकें इसकें एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिल्ही संव महात तंव 5 (तथा) है, तथा जो घट-करतर मार्ग का पिछका रोड़, गाधव पगर, उन्जैन में स्थित है (और उनम उनाबढ़ अनुसूची में स्रोट पूर्ण का के विभिन्न है), रिजिस्ट्री कि अशिकारी के नायिलय, उन्जैन में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जून, 1985

कां प्रस्तान सम्पत्ति के उपित बागार मृत्य सं कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापृषेत्रित सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सूयिधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) है बधीन, जिल्लिक ध्यिकाधी, अर्थात् — 6—516 GI/85  श्री मोहम्मद शरीफ विता तबीरसूल ग्रंगारी, निवासी माधव नगर, उज्जैन।

(अन्तरक)

 श्री मति तंगम मेनन पत्नी श्री त्रिजय गोपाल मेनन, निवासी सखीपुरा, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को न्यु सूचना चारी करके प्नॉक्त सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

### बक्त सम्पत्ति को कर्षन की सम्बन्ध में कोई भी नाझौप :----

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) धस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख \* 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबव्श किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाद्ध लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसुधी

मकान नं० 5 (तथा), घटकरपर मार्ग का पिछला रोड़, माधव तगर, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर मंपत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती ढारा रत्यापित फार्म नंबर 37--जी में नहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहाय*ः* आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जाय रेंज, भोषास

तारीखा. 6—2--10**8**6

मोहपः

### प्रकल नाहरी. दी. एन . एक . -----

आयक्तर अधिनियमः, 196३ (1961 का 43) सी भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सङ्घायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक ६ फरवरी 1986 निदेश मं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/6330—अतः, मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका खिला बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिल्ली मं० प्लाट नं० 7 है तथा जो आजाद नगर, उज्जैन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में, रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन, 1985

करे पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाधार मूल्य से कम के द्वरयान प्रतिकल को लिए अन्दरित की गई हैं और मुभ्ने यह निश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके द्वरयमान प्रतिपत्त से अधिक हैं द्वरयमान प्रतिपत्त से अधिक हैं वौर अंतरिक्त के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरिक्त (अंतरिक्त) के निश् त्य पाया गया प्रतिपद्धन, निम्नितिषत्त स्वद्धिय से अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपद्धन, निम्नितिषत्त स्वद्धिय से अस्तरण कि निष् तम पाया गया प्रतिपद्धन, निम्नितिषत्त स्वद्धिय से अस्तरण कि निष्त में वास्तविक रूप से किश्व महीं किया गया है :---

- (क) वस्तरण से हुई किसी नाव की बासत्, उरस अधिनिधम के अधीन कर दोने के सम्तरक कें दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा कें बिए; और/या
- (थ) एसी किसी बार वा किसी धर्म वा कम्ब आस्तिवाँ करों, चिन्हों भारतीय अध्य-कार की भनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रवाजनार्थ अस्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया धर या किया जाना नाकिए था, क्रियाने वें स्विधा के सिए:

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——  श्री श्रोम प्रकाश अग्रवाल पिता श्री जमना ল।লজी, निवासी 108, दशहरा मैदान, उज्जीन।

(अन्त्रार्घ)

2. डा० प्रकार हुनेत पिता आबेद अली, (2) श्रीमती जया बानू पत्नी डा० सब्बीर हुसैन, निवासी डी० एन० रोड, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को सहसूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के अिए कार्यपाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्रेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तिमां पर स्थान की तामील से 30 दिन की मनिय, को भी अवधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थाधर संपत्ति में हित्बब्ध किसी सन्य व्यक्ति ब्यारा स्थाहरताक्षरी के पास निवित में किए था सकेंगे।

स्यक्किक्का:--इतमें प्रयुक्त शक्यों और पयों का, भी उक्त अधिनियम, के कामाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अभ्याय में विका गवा है।

### अनुसूची

प्लाट नं० सात; आदर्श नगर, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिस हा संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा. सत्यापित फार्म नं० 37—जी में सिहित है।

> बी० पी० श्रीबास्तव ाक्षम प्राधिकारी सहायके आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-2-1986

प्रकृष **वाह**ै. **ट**ी. एन<u>ः</u> एत<sub>े</sub>। =====

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन

#### भारत रहकाह

### कार्यालयः तहायक भायकर् भावकः (निद्धीकन)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 6 फरवरी 1986 निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/मोपाल/6331—अतः मुझे, बी० पी० श्रीबास्त्रव,

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसमें इसमें धरकात् 'उ4त अधिनियम' कहा बना हैं), की चारा 269-ध के वर्धान सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्र, जिसका विचित्र वाचार मुक्त 1,00,000/- रह. से अधिक है

प्रोत् जिस्की संव महात तंव 50 है, तथा जो क्षीर सागर हालोनो, उज्जेन में स्थित है (ग्रांश्ट्समे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रांश पूर्ण का त विश्वत है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जेन में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 बार 16) े अधीत, तारीख जून, 1985

का पूर्विकेश सम्पत्ति के उचित नामार मूल्य से कन के दरवजार प्रतिकार के लिए अन्तरित की गर्थ है जार मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बामार मूल्य, उसके दरवमान प्रतिकल से, ऐसे दरवमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आग की वावतः उनते वहित्र निवन के ज्याय कर दोने के अन्तरक के कार्यक्र क्षेत्र किसी कहते वा उन्नते वथने के वृत्रिया के जिल्हा बीडा∕ी
- (क) एंसे किभी नात या किसी धन वा नस्य वास्तिवी की जिन्ही भाउतीय वासकर विधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिन्यम, या धन-कार विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) विध्याजनार्थ अन्तरिसी व्यास प्रकट नहीं किया नवा था पा किया जाना वाहिए था, छिपाने में वृतिया वी सिए।

नतः वद, उक्त विधिनयम की भारा 269-न वे वनुवरण के की उक्त अंधिनयम की भारा 269-ते की उपभारा (1) के जरीन निस्तिवित व्यक्तियों, अर्थाह ब  श्री मेहराज मोहम्मद क्किन नाजमोहम्मद चौधरी, निवासी दुलेशाह की गली, उज्जैन।

(अन्तरक)

2. टा० भारसचन्द श्रीमाल पिता रामचन्द्रजी श्रीमाल द्वारा मु० आम रामचंद पिता नाथूलालजी श्रीमाल निवासी 16, महाकाल मार्ग, उज्जैन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनाहिनां भूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पढ़ ज्ञान की तामील से 30 दिन की अविथ, जो भी के भी बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ण) इस सुमना के उपलपत्र में प्रकादन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी जन्म क्यांवत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकींगे।

#### अनुसूची

मजान तं० 50, क्षीरकागर कालोनी, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म न० 37-जी में निहित हैं।

> वी० पी० श्रीवास्तवं ॄसक्षम्,प्राधिकारी ग्रहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 6-2-1986

**शहर आहे** हो . **एर**ा एस<sub>्य</sub>नन्त्रन्त्रन

भाषकर् जांधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-च (1) के सभीन सुचना

#### भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 फरवरी 1986 निर्देश सं० आई० ए०सी०/अर्जन/भोपाल/6332/-अतः मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

भामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह दिक्ता करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० मकान पुराना न० 1/1266 तथा नं० 98 का आधा भाग है तथा चिंगों अली मार्ग, उज्जैन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विषत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दरवमान प्रतिपक्त के बिए संवरित की गई है जार मृक्षे यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरम्मान प्रतिपक्त से, एसे दरमान प्रतिपक्त कर पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) भौर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उड्डबेस्य से उस्त अन्तरण किवित में अस्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण वे हुई किसी नाथ की वायत, उस्त विधिनियम के नभीन कर दोने में अन्तरक को दायित्व में अभी करने या उससे वचने में सुविधा के निष्कृ और/वा
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या लन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त बिधिनियम का धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया वा वा का बा वा का बावा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम्, की धारा 269-च के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, कि अधिकिक व्यक्तिकों, अधीत् के—

 श्री विट्ठतदास पुत्र श्री गोर्यवदात महाजन निवासी माधव नगर, फीगंज, उज्जैन।

(अन्तरक)

2. श्री अशोह कुमार जिला चमनलालजी, निवासी दमहरा मैदान, माधव नगर, उज्जैन।

(अन्तरिती)

को वह स्थाना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के रिनम् कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपश मी शकाकार की नारींस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि कार की समाप्त जानी हो।, की किनर कृतींकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा स्केंगे।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, यो संस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विद्या वदा है।

### प्रनुसूची

मकान नं० पुराना (1/1266) जिसका नया नं० 98 का आधा भाग, नजर अली मार्ग, उज्जैप में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नठ० 37-जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव जन्म प्राधिकारी सहायक आयक्प आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रेंज, भोपाल

तारीख: 6-2-1986

प्रकार आहें । दी । प्रमान प्रमान ।

नामकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) व्या धारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सहकार

कार्जालय, महायक **नायकर नायक्त (निरीक्षण)** अर्जन रोंज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/6333—अतः मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारल हैं कि स्थायर सम्यक्ति, विसका अधित आचार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रोर जिन्नकी नं ज्ञिष भूमि सर्वे नं 127 है, तथा जो ग्राम दलपुरा, जिला धार में स्थित है (ग्रोर इप्तमें उत्तावख अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिलन्ट्रीकरण अधिन्यम, कारी के कार्यालय, सरदारपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिन्यम, 1908 (1908 जा 15) के अधीन, नारीख जून, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कन के दब्बमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

क यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके इक्य-मान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से जोधक हो जोर कन्तरक (जन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निक्न-सिक्तित उद्देश्य से उक्त जंतरण लिखित में बास्तिबक रूप के काथित नहीं किया ग्या है :—

- (क) बनारण से हुए फिक्की बाय की बाबत, स्वयं अधिनियम से वधीन कर दोने के बनारक के समित्य में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के सिए। बोर्ड/बा
- (थ) एसी किसी भाग वा किसी भन या अस्य बास्तिनों की, जिन्हों भारतीय आय-कर निधिनित्रक, 1922 (1922 का 11) या उन्स निधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपानं में सुनिधा के सिए;

कतः कव, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की जन्बर्थ कं, मं उक्त निधिनियम की भारा 269-व की कप्पादा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री भरत कुमार पिता श्री बाबूलाल, निवासी, राजगढ।

(अन्तरक)

2. श्री आदिभाय राजेन्द्र जैंश स्त्रेताम्बर पेडी चेरिटेबल दूस्ट तीर्थ माहभखेड़ा जिला धार द्वारा व्यवस्थापक मांगीलाल पिता नाथाजी महाजन नि० धार। (अन्तरिती)

सौ यह सूचना चारी कहने पूर्वोक्त सून्यति के नर्चन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

्डबर सम्मरित के मर्जन के सम्मन्ध में कीई भी माक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की ठारीक खें 45 दिन की अवधि या तत्सन्त्रन्ती व्यक्तियों का सूचना की तामील से 30 दिन की ववधि, वो भी ववधि वाद में समाप्त होती हुई, हो भीतर पूर्वीक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवास;
- (ब) इस सुमान के राजपत्र में प्रकाशन की तारांश के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्बक्ष दिन्सी जन्म व्यक्तित युवारा जभोहस्ताकरी के शास के अन्य में किस जा सकीये।

स्पाद्धीकरण :---इसमाँ प्रयुक्त सक्यों और पर्यों का, थी उपस् अधिनियम के अभ्याय 20-क मीं परिभाषित इ वहीं अर्थ होगा, को उन्न अभ्याय में दिद्ध नवा इ ।

#### क्षपुर्व

भूमि खा० नं । 127, ग्राम दलपुरा जिला धार में स्थित है। यह वह स्थायर सम्मत्ति हे जिला सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म न० 37--जी में निहित है

> बी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 6-2-1986

,\_\_\_<u>---</u>\_-

प्रकार कार्ये दी पूर्य पूर्व अक्टा स्टालकार

# सामकर मनिक्सन, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-न (1) के ननीन स्पना

#### मार्त सरकार

### कार्यात्रम, सञ्चामक बाजार बाबुक्त (विश्रीक्रक)

अर्जन तेंज, भौपाल भोपाल, दिनांक 6 फरवरी 1986 निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6334—अतः मुझे, बी० पी० श्रीबास्तव,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जि.की सं० भूमि मं० नं० 254 हे, तथा जो स्नाम बेरागम तह० देवाल में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याच्या, देवाल में, जिस्स्ट्रीलरण अधिदियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जून, 1985

को प्रविक्ष सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रित्यक के लिए अन्दर्शित की गई है और मुक्ते यह दिश्वास का कारण डै कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य उसके प्रथमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंत्रह प्रतिक्षत से जिथक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितिमों) के कीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रकि-कल, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के क्रांतरम में कभी कहनें वा अवने बाब में ब्रुविका के बिहु: बीड/क
- (थ) वंशी किसी बाप मा किसी पर या तस्य वाशिसानी को, जिन्हों नारबीय कामकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विधिनयम, वा प्रश्कार विधिन्दन, 1957 (1957 का 27) के अवोजनार्थ करकरियी कुमस्य प्रकट नहीं किया यवा भा मा विका बाना अम्ब्रिय भा, कियाने में स्विधा के निय;

बतः वन, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण को, जो, उनत अधिनियम की धारा 269-म की स्पृथास (1) के बच्चेन् विम्लिबिक स्पिन्तकों. अर्थान् क्र---

- शोमती मोहिनीबाई पी। बालमुकुन्द खण्डेलवाल, नि० 118, जयप्रकाश मार्ग, देवास तरफे आम मु० गुलाबचंद पिता लक्ष्मीनारायण, नि० छेगांव माखंत तह० खण्डवा हान मु० देवास। (अन्तरक)
- 2. श्री बाल-ज्वास जिला कालूबिह कलोता, नि० इंदौर अज्ञान पा० क० माता लीलाबाई पित कालूबिह, नि० गांधीनगर, संतमार्ग, इंदौर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाणन की तारींव है 45 दिन की अवधि या रात्साम्बन्धी व्यक्तिमां एर स्वान की नामील में 30 दिन की अवधि आंभी अर्धी वाद में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना कं राज्यक मं प्रकाशन को तारीख से 45 किन के मीतर सक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मं किए जा सकेगे।

न्यकाश्वरनः --- इसमी प्रयम्त कार्यो सीर्था का का सा उक्ट निविश्वमा, के काष्ट्राय 20-क मी परिमाधिका ही, बढ़ी नुभी होगा लो उस प्रध्यप्ता मी विश्वप्त नवा ही।

### अनुसूची

भूमि सं० नं० 254, ग्राम बैरागढ़, तह० देवास में स्थित है। यह वह स्थावर तस्पत्ति है शिक्ता सस्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा उत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव. सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 6-2-1986

प्रकृप आहें. टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, भोपाल भोपाल, दिनांक ७ फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/भर्जन/भोपाल/6335—अत ्झें, बी० पी० श्रीदास्तव, :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे ध्रसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर निर्मिती पंज भूमि गण नंज 296 है तथा जो प्राम वेरागड़ नहज देवास में स्थित है (भ्रीर इसने उनाबद्ध अनु-सूची में स्थीर पूर्ण कर ने विणित है). रिक्टिट्रीवर्ता अधियारी के जायित्य, देवास में, रिव्हिट्रीवरण अधितियम, 1908 (1908 का 10) के अधीन, नारीख जुन, 1985

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफ ल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफ ल से एसे दृश्यमान प्रतिफ ल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल, निम्नलिखित उच्चेंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्स अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारत्तीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 1.1) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित :—

- श्रीमती मोहितीबाई उत्ती भी बाइमुकुन्द खण्डेलवाल, निवासी 118, जय प्रकाण मार्ग, देवास। (अन्तरक)
- 2. श्री भाईदास पिता आलूबिह कलोता अज्ञान पा० क० पिता कालूमिह पिता गंगारामजी नि० गांधीनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विन्त व्यक्तिवाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धर सची

भूमि मं० तं० 296, याम बेरागड़ तह० देवास में स्थित है। यह वह स्थावण सम्पत्ति है जिल्लाका सम्पूर्ण विवयण अस्तरिती द्वारा सस्यापित फार्म नं० 37—जी में निहित है।

> बी० पी० श्रीवास्तव जञम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

त्रीख: 6-2-1986

मंहर:

पुष्ट वार्षे हो **स्व ्या** स्वत्रान्यकानवाना

नायकर निर्मित्रमः, 1961 (1961 स्ता 43) की भारा 269-म (1) से अधीन स्वना

#### नारत करकान

### कार्याभय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दार्शक)

अर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनांक 6 फरवरी 1986 निदेश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/6336——अतः, मुझे, बी० पी० श्रीबास्तव,

बाबकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43 दिनसे इसमें इतके पश्चात् उचक सिधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-व से अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह दिवदान करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य

1,00,000/- रह. से मिनक हैं

ष्ठौर जिसकी सं० भूमि नं० 297, 298, 299, 254 है, तथा जो ग्राम बेरागढ़, जिला देवार में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवास में, रिपस्ट्री-जरण अधिकाम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, वारीख जून-

का पृथितिक सम्मित्त के जीवत बाबार मृस्य से कम के व्ययमाय प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और भूओं यह जिस्वास कारते का कारण है कि यथापृतिकत सम्मित्त का उचित बाजार मृश्य, असके व्ययमान प्रतिकल से, एसे व्ययमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और लंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्दोश्य से उसत अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (फ) ब्रुक्टरण वे हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के ब्रुपीन कर दोने के जन्तरक के बायिए को कमी करने या उससे ब्युने में सुविधा के निए; और/वा
- क) ऐसी किसी आय या किसी पन या अन्य आस्तियों कर्ने, जिन्हों भारतीय शास घर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर दिधनियम, 1957 (1967) का 27) के प्रशंकनार्थ अस्तिरती इंबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के बनुवरण को, मी, तक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती मोहिनीबाई पति बालमुकुन्द खण्डेलवाल, नि० देवास तरफे आम मु० गुलाबचन्द पिता लक्ष्मीनापायण खण्डेलआल, नि० छेगांव माखन जिला खण्डवा।

(अन्तरक)

 श्रीमती लीलाबाई पति कालूसिंह कलोता, निवासी गांधी नगर, संतमार्ग, 218, इंदौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उन्त सम्मारित् के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप् है-

- (क) इस कुषणा के राजपण जे प्रकारण की ताड़ीन के 45 दिन की अवधित वा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर कृषणा की तामील से 30 दिन की ववधित को भी ववधित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीं के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (क) ,स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नक्यिता में हितबद्ध किसी अन्य क्यिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में निगर जा समीच ।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शन्यों और वर्षों का जो उक्त अधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय के दिया गया हैं।

#### वनसंची

भूमि ख० नं० 297, 298, 299, 254, ग्राम वेरागड़, जिना देवास मे स्थित है। यह बहु स्थावण सम्पत्ति है जिल्ला संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नं० 37—जी में निहित है।

वी० पी० श्रीवास्तव सञ्जय प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 6-3-1986

प्रथम आर्द<sup>4</sup>् **टी एन. एस**. ----

# नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-म (1) के निभीत स्थाना

#### मारत सरकार

कार लय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, भोजान भोजान, विजोच 4 फरवरी 1986

भिदो: सं० आई० ए० सी०/अर्जा/भोताल/6337—अतः मुझो, बी० री० श्रीतास:इ,

आयकर भ नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उकत अधिनियम' काह्र गया है), सी धारा 269-ख को धीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं ेक स्थावर सम्पत्ति, जिसका अखित बाजार मृत्य 100,000. ~ रहें से अधिक हैं

थाँत जिल्लो में प्राप्त मंद्र स्था नंदर में ता नंदर है, तथा जो नीमच जावनी में स्थित है (ब्रीट इत्तेय उपायब अनुसूची में थाँत एवं का के बोधित है), प्रतिक्ती तो अधितारी के जायांच्या, तोमच में प्रतिक्तिकाण अधित्यम, 1908 (1908 या 16) के अधीत, सारीख जूब, 1985

को पर्कावत गम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान धिनिफल के लए अन्तरित की गर्ड हैं और मफ्टे यह विद्याल करने का ल रण है कि मधापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसल कश्यमान पतिफान से, एसे श्र्यमान पतिफान का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे बंतरण के लिए तय णया नमा प्रतिफल, दिनिलिखत उद्दोष्य से उसत अंतरण लिखित में बास्तिवक रण से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रतारण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त किमिनियम के अभीन नार दोने के अग्वारक खें दासित्व में कमी अपने स तमले स्वारी में मुक्तिया के लिए; डीप्टिंग
- (क) भेरी किसी आय हा किसी धन या अन्य अस्तियों करी किन्छ भारतीय आय-कार आभास्यम 1922 (1922 का 11) या उक्त आधीन्यम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित व्याग प्रकट नहीं किया गया धा का के किया परा किया गरा के लिए:

अतः अवः उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो प्रे = १८ व्यक्तिवान को भागः १८९-व की उद्यक्तारा (1) को अधीन, प्रिनिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :----[17--516 GI/85  शी सरायाम निष्क श्री छोलाला जी मन्दोडिया, नीयन केंद्र।

(अन्तर्ह)

2. श्री जार जिल जिला मापूर्तिः जी गड्लोत, न्यू बैंक श्राफ इण्डिश लिलिए के हो जिला, निवासी, नीमन केंट, हाल मुख्यम श्रीतजड़ा (लाजस्थात) (अन्तरिती)

की यह सुधभा आरो करफी पार्थभ्त । । अं अर्वत्र के सिष् कार्यवाहियां करता हो।

इनत् माप्याप में अर्मन के सम्बन्ध में कीश भी आक्षेप :---

- (क) इस स्कार के राजपण की एकाणन की दिस से 45 दिल की अवधि पा मत्यागरणी के कियों गर मुनता की पार्मील से 30 दिल की क्यिष, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस स्वता के राजपप में प्रवाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य स्थान दशरा प्रतिशाह की पास सिखित में फिरा का स्थान

स्पष्टीकरण :--इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### ग्रनुसूची

प्लाद नं० 21 पार बास बासान न० 7, नीमच छावनी, नीमच में स्थि। है। यह वह स्वादा राज्यांन है जिसका सम्पूर्ण विकास अगासिनी द्वारा राज्यापित फार्म नं० 37—जी में निहात है।

> बी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज, भोपास

वा**रीख: 4-2~1**986

### प्र**क्ष्य भार**ं,ट<u>ी..एथ्..एस</u>..-----

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

### भारत संदुकाडु कश्योलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरुक्तिका)

ंजीय रोंग, भोषाल भोगाल, दियांल 4 फरवरी 1986

भिदेंग सं० हाई० ए० सी०/अर्जभ/भोषा*स/(338--य*तः मुझे, बी० पी० श्रीकारायः,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,00%'- का में अधिक हैं

श्रांर जिल्ली सं काट नं 20, है तथा जो गंजर नगर, इंदार में ज्या है (श्रांत इस्ते ज्याबद्ध अनुमूची में श्रांर पूर्ण रूप ने धींपार है), पिल्ड्री तो अधितारी के नायांनिय, इंदार में, पिड्डिक ण अधिस्थिम, 1908 (1908 का 16) के असीर, अरीस जूस, 1935

भी पर्वोक्त संपरित के अभन बाजार मुख्य स कम के दृश्यमान रतिफल है F----अन्दरित की गर्ड और मभ्ते यह करने विष्यास वन कारण है िक मधापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके सहसमान प्रतिफल भे, एंसे एइयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,, निम्नलिखित उद्युष्टिय से अवत अंतरण जिस्तिन में वास्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आप की बाहत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मो कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (भ) ऐसी किनी नपर वा किनी धन या बन्य बासित्याँ को, जिन्हों भएएदिय आय-कर ध्रीप्यित्यम, 1922 (1922 का हो) या उक्य अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती पृथार प्रकट नहीं किया गया था या किया अना चाहिए था, स्निपार में सुविधा के लिए;

बत: जब. उक्त अधिनिधन को धारा 269-ग के अनुसरण को, गो, अं अधिधिष्यम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिनिश्चित व्यक्तियाँ, वर्षात ह— 1. श्री यानुब िता इब्राहीम बोह्या, 495, म० ग० मार्ग, इंदीर।

(ঋলাত্র

 श्री अरक्ति पिता श्री पालमार पोलकाल, 42/1, लिहाल पुरा, इंदोर।

(प्रनिस्ती)

को यह सुचना धारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सामन संवर्षित की बार्यन की मोत्य को फार्रेस्ट भी शाराव र -

- (क) इस स्चना के राज्यत मों प्रकाशन की तारीय हैं
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अधिकतयों पर
  स्चना की तामील से 30 दिन को अविधि, जा भी
  सबिध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  स्वीवतयों में साहित्यी स्वीपन करान
- (ख) इ.स. स्चना के राजपंत्र मो प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उत्रत स्थातर संपत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य स्थितित द्वारा अधाहरताक्षरी के पास चिक्ति में (अपकार कार्यक्ष

स्मयदीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो लक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस अध्यार में दिया गया है।

### घनुमूची

प्लाट नं० 22, शंार भगाः इंदीः में नियत् है। यह वह स्थावर सम्मत्ति है जिलाचा लस्पूर्ण विज्ञाल अन्।रिती द्वारा सस्यापित फार्म नं० 37-जी में विहिश है।

> बी० पी० श्रीकरूपव, दक्षम पाक्षिजारी रहायक आयक्कर आक्दर (पिरीष्टण) अर्जंप रेंज, भोपास

तारीख: 4-2-1986

प्रष्य आइ. ती. एन. एस.-----

भायकार আহিলিলেন, 1961 (1961 का 43) की भारा সভ্যত্য (1) के अधीन गुजना

#### भारत सरकार

रायालयः, सहायक बागकर वाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंा, भो≾ाल

भोपाल, दिनां ह 5 फरवरी 1986

िदेश सं० आई० ए०सी०/अर्जेप/सोनाल/6339—अतः मुझे, बी० पी० श्रीवाल्पव,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थार संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,00/- रा. संजिधक है

श्रीत जिल्ली संब भूमि तर्ने नंब 2231 है, एथा जो बड़-प्रगार में स्थि। है (प्रोत इसे उल्लाब्द अनुपूर्वी में श्रीत पूर्ण कर ने वर्णि: है), एर्जिन्ट्री तो अधिकारी के जायांच्य बढ़ासार में परिद्रोजिया अतिस्थिम, 1908 (1908 का 16) के अवीद, करीख जून, 1985

को गूर्वांक्स सम्पत्ति के उचित याजार मृत्य से कम के १६२४मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की ग**र्द है और** गुफे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोत्तत सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान शिएफर सं, एसं दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत सं अधिक हैं और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य सं उक्त उन्तरण निलिल में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण सं हुर्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे अखने में सुविधा अधिक को क
- (क) एसी किसी आय या किसी धन का अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अनियम, देवारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविध के सिए:

 श्रीतनी प्रवेशीयाई दिस्सा शिक्षा, गरायाई दिनी अन्यापानकी, जीव दान मिला स्थापीय हिंह दिना सेवाजी, मोह्यासाय दिना सायावणाणी, उत्तरावाई प्रा गिल्थारीजी।

(স্কাৰের)

 श्री भैकलाख, (2) अम्बाधम दिला मोगीलाख बङ्धपर। (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वेक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपन मपति के अवन के संबंध मा कार्ड भी आशंध :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश अ
  45 दिन की अविच या तसवधी अयित्वयाँ पर
  स्चान की तामील में 3त दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त
  व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति कुछारी:
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र थे पकाशन को तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति भी हितबद्धं किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोतस्नाधार के पास निमित्र में किए का सकींगे।

स्पष्टिकरण:--क्समा प्रयुक्त सब्दों और पदी की., जो उपत अधिनयम के अधाय 20-के में परिभाषित वहीं अर्थ हत्या, जो उन उसाव में दिया गमा. गमा है।

### अनुसूची

भूमि सर्वे नं २ २२७१, थड़गगल, में िया है। यह व स्थावर कम्मित्त है जिल्ला कम्पूर्ण दिलाण अन्तितिद्वारा सत्यापित फार्म नं २ ३७-जी में क्लिंग है।

> वी० पी० श्रीतान्तव यत्रम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (धिरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

अतः कवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के अनुसर्ग के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

कारी**ज:** 5-2-1986

क्रमण काह<sup>1</sup>. टी. एन. एस. ----

सायकर अभिनियम, 19e। (1961 क 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन स्थना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपान, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश मं० अदि० ए०यी०/अर्था/भोताः/6340--अतः मुझे, बी० पी० श्रीकास्य,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्तत अधिनियम' काहा गया है), की धारा 269-इस को अधीन सक्षम आधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

स्रोर जिल्को स० प्ताट गं० 53-ए है, तथा जो उद्योग भगर, इंदोर में स्थित है (श्रोर इक्के उत्तायद्ध अनुसुची में स्रोर पूर्ण रूप के विभाग है), पिल्ट्री क्विं अधिकारी के कार्यात्र, इन्द्रीर में, 'किंट्री क्या अधिक्यिम, 1908 (1908 का 18) क अजीत, पारीब मूल, 1985

को प्वेमित सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूमें यह विश्वास करने के करण हो कि यमाप्वेमित संगरित वा उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्र हु प्रतिकात से अधिक ही और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारताय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा था किया जाना शाहिए था, स्थिपाने में सुविधा औ लिए;

भंतः भव, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं भैं, उन्नत अधिनियम की धारा-269-च की उपधारा (1) के अधीन, निवर्गलिकित व्यक्तिस्यों, अधीत्:---  (1) श्री चन्द्रश्राम निमा गोपी (अन 3) दिनेश कुन प्रिमा गमा १ कृष्ण माहेण्यसी, (3) बायूलान निमा देश एणजी सोनी, 55, श्रद्धान्य मार्ग, इंदोर।

(अन्तरक)

2. श्री आतन्य कुमार जैन एण्ड राना एच० यू० एफ०, कर्ता श्री आतन्य जैन, (2) कु० संताव पिता किया जान एरन 17 वर्ष क संरक्ष किया निवाल पिता गेंदालाल, (3) कु० किरण पिता कियानलाल, (4) कु० रेखा पिता कियानलाल, 14 वर्ष के संरक्ष के कियान कियान

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्ज के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी यिक्तयों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के ोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगुसची

प्लाट नं० 52/ए, उद्योग नगर, इन्दोर में स्थित है। यह वह स्थात्रर सम्बत्ति है जिल्लाहा समपूर्ण विवाण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म म० 37-जी में निहित है।

> बी० पी० श्रोबास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

> > ग्रर्ज⊹रेंज-भोपाल

तारीख: 7-2-1986

प्ररूपं नाई.टी.एन.एस.-----

आध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक जाय्कर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंग, भोताल

भोपाल, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश नं० अहि० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6341—यत: मुम्ने, बी० नी० श्रीबास्तव,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के नियोग सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिल्ली संव मव साव पाव निव ऋमांक 3/2 है, तथा जी मुभाष ार्ग, एजजैन में स्थित है (ग्रीर इसले उपाबद्ध अन्स्वी में प्रीर पूर्ण का स वर्णित है), सिन्द्री ती अधि-ारी के तर्यालय, उज्जैन में रिपस्ट्री एण अधिरियम, 1908 (±)08 মে 16) ও সিংখাৰি, পাৰ্বীৰ জ্বে, 1985 को पुर्देक्ति सम्पत्ति के उदीवत बाजार मृत्य से कम के व्ययमान **प्र**क्रिप्ह.ग क्र निए इन्तिस्त की गइ है मुक्ते यह विद्वास करन का कि यथा पूर्वात्त सम्पत्ति का उपित बाजार मुख्य, उसके दरामान प्रतिपाल में, ऐसे दश्यमान प्रतिकास के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं। भीर अंतरक (अंतरका) भीर अंतरिती (अंतरितियाँ) को बौध एंसे अन**्रण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्न**िस**श्चित उद्योग्य से लक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक रूप से क्लिबत** नहीं किया गया है :---

- (<sup>-</sup>5) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) गोसी किसी आय गा किसी भग या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, पा धनकर अधिनियम, पा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) छ प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब. उक्त अधिनियंग की धारा 269-ग के अनुसर्ग भें, में लक अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीया जिम्नीनि**श्चित व्यक्तियों, अवित्**र  मु० फिटावाई पुत्रो श्री हर्मामुद्दीत भाई चित्रात्सच द्वारा मु० आम हतीनुद्दीत भाई जानत्म हार्जा इब्राहीममाई कांच्याला, नियानी गोलामंडी वाखल, उन्हेंता

(अन्तर्क)

(2) 1. मु० फारिमाबाई परनी तैय्यबभाई जांबवाना 2. मु० जुबेदाबाई परनी अब्दे अली माई कांचवाला, निवासी गण 312, छत्नी चांक, उज्जैस। (अन्तरिसी)

की यह सृषना जारी करके पूर्वांक्स सम्पर्नात के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त संपर्िक अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राधपण में प्रकाशन की तारी करें 45 विश्व की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ कर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो श्री अवधि काद में सभाप्त होती हो, के भीतर प्रवासल क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित बहुध किसी बन्य स्पक्ति इवारा अपोतुन्ताक्ष्यी के पास लिकित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्न्यों और पदों का, जो उकत अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

### मन्स्य"

म तथ नं पार्व निगम कमां है 3/2, सुभाष मार्ग, उज्जैत में लियत है। यह वह ल्याबर सम्पत्ति है जिसता सम्पूर्ण विवरण अन्दरिती द्वारा राज्यापित फार्म न । 37-जी में निहित है।

> बीठ पीठ श्रीवास्तव तक्षम प्राधिनारी सहायक आयकर आयुक्त (फिरीक्षण) अर्जन रें, भोराज

तारीख: 7-2-1986

पक्ष्य बार्च स्त्री एच , एख , - - - ----

आपन्तर आधिनियम, 1961 (1981 का 43) की थारा 269-म (1) के अभीन सुभना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

सर्जात रेंग, भोताल भोताल, दिनांड 4 फरवरी 198*6* 

िक्षेण सं० शिक्ष्ण ए० सी०/अर्जा/नोगाल/ 3342—-अतः मुझे, बी० पी० श्रीवासःवः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्क्स अभिनयम' कहा गया है"), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मप्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से बिधक है

हों ( किसी मंग्य मूर्मि कथां 3 830 है, (था जो उस्मा बिंदा में स्थि) है (श्रीर इस्ते प्रशबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का प बॉगा है), पिल्झीलर्जा अधिनारी के स्थानिय, बिंदा में पिल्झील्य अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीर, सरीख जूम, 1985

को पूर्वकित सम्पत्ति के उतित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने वा कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से विधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निविधित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में तस्तियं क रूप से किभित नहीं किया वसा है र—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शासत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा शान्त्र, कौर/मा
- ्ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों का जिन्ह भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयांजनार्थ अन्तरितो व्वाध प्रकट नहीं किया गया भा या किया वाना वाहिए था, छिपान वें बृविधा क निए,

नित अब उक्त आधानवीम की भारी 209-ग के अने सर्भि भं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारी (1) के अधीन, निम्नितिक अस्तियों, अर्थात् :--

- श्री छाटेनाल पुत्र श्री उमानक्षित् कुश्वाह, विधिया। (अन्तरात)
- 2. माता विज्ञा विभिन्ति, विविद्या, द्वारा लेक्नेटरी रामकृष्ण दार्मा पुत्र श्री छोटेरामजी दार्मा,विविद्या। (अन्तरिती)

को यह तुमना भारी करके पूर्वोक्त सम्मृति के क्वन के हिनए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त सम्पत्ति के मर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाधांच :----

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकार की तारीब तैं 45 दिन की बदिब मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा वधोहस्ताक्षरी के एउस लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टोकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पर्वो का, जो उक्त मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि क्रमांक 860, बिदिशा में स्थित है। यह वह स्थावर समात्ति है जिलका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सहापित फार्म नं० 37—जी में िहित है।

> बी० यी० श्रीजास्त व सक्षम प्राधिकारी सहामक आमकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज, भोयास

तारीख: 4-2-1986

म हिर:

प्ररूप आहरं. टी. एत. एस. ------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यालप, उहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोजाल भोजाल, दिनांक 5 फरवरी 1986 निदेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोजाल/6343---अतः मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिल्ली सं० कृषि भूमि ्वं न० 784/5 है, तथा जो महु कैरेट में स्थित है (श्रीर इल्वं उनाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण क्य के वर्णत है), रिल्ट्रिक्ता अधिनारी के कार्यात्रय, इन्द्रिर में रिल्ट्रिड्रीन्स्ण अधिन्यम. 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्रे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थयमान प्रतिफल से एोसे स्थयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बाँधक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया बतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित बों बास्तियक कम ने किथत नहीं किया गया है ह——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अधने में सृविधा के सिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्द्र भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट हीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निष्;

कतः व्यव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, डक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के न्थीन, निम्मिमिकित व्यक्तियों, कर्चात हुन्छ महिर :  श्री चम्मा गण किल श्रंत ही तकल लेखा, किससी महत्व भिना इस्टार ।

(अस्तर्गराज)

2. मेर्स्स बजाज टेब्पो लिमिन अ. हड़ी पूना (महाभाष्ट्र) ए पुल्लिक लिन कोन द्वारा प्रोजेक्ट उत्वरेमटर श्री केन डीन बजाल इन्दौर।

(अन्।िती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताररेख स 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर पूर्विक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचन के राजपत्र मी प्रकाशन की ताराख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति मी हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पस निस्ति मी किए जा मकीर्य।

स्पव्हीकरण:—हसमी प्रयुक्त शब्दों और पदी का, आं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के मा परिभाषित है, बही अर्थ होगा की उस अध्याय मा दिया गया है।

### अनुसृची

कृषि भूमि सर्वे नं० 784/5 सह वेन्ट में स्थित है। यह वह स्थावर समाति है ियाला संपूर्ण विवरण अन्याति। द्वारा परवाति फार्म नं० 37-जी में तिहि। है।

> वी० पी० श्रीदारस**व** सक्षय प्राधि गरी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अ**जै**ंग रेंग भोगाल

**कारीख: 5-2-1986** 

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोगल भोगत, पितंह 4 फलरी 1985 विदेश स० आई० ए० सी०/अर्जग/भेगप/63-44—

यतः मुझे, बीरु पीरु श्रीसासाव,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है,) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर ितकी संग्रम गामनंग्रामंग्रामनगर वर्डं नंग्राम, विद्या में स्थित है (श्रीर इतने उपाद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण हा ने वर्णि। है), रिल्ट्रीन्ती अधिपारी के जामीत्य, विदिष्टा में, रिल्ट्रीन्स्य अधिप्रम, 1908 (1908 हा 13) के अधीप, वारीख जूप, 1985

चने पूर्वांक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक हप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बावत, उपसे अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दाजित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य . आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्कर अधिनियम, या अन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) थे प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा में स्थिए;

कतः क्य, उक्त शांधनियम की धारा 269-ग के बन्सरण ही, गी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को स्थीन, निस्नोलिखत व्यक्तियों, सर्थात रूच्च (1) 1. श्री अमानिङ, 2. बीदारिह पुत्रगण रघुनाथरिह निवासी साक्ललेडा जिला विदिश ।

(अन्तभःगः)

 श्री विष्णुगंकर पुत्र हीरासित् ठाहुए, निवासी रामनगर, विविधा।

(यन ₁रती )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु-

- (क) इस भूचना वे राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन वी तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पितः में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अपाय में दिया गया है।

### धन्सूची

म हान नं० 115, जो श्रीरामागर वार्ड नं० 17, विदिशा में स्थित है। यह वह स्थातर रामःति है ितनहा सम्पूर्ण हैं विदरण अन्तरिता हारा रात्यपित फार्म सं० 37—जी में निहित है।

> वो० पो० श्रीवास्तवर्हे सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज, मोधाल

तारोख: 4-2-1986

मोहर ।

प्रकट आहूर. टी. एन. एसा.-----

श्रीवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । भारा 260-क (1) के अधीन सुवना

#### मारत सरकार

क लिय, सहायक मायकार वायुक्त (निरीक्तम)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनॉंफ 5 फरवरी 1986

तिर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोषाल/६३४५--यतः मुझे, बी० पी० श्रीबास्तव,

बायकर अिं नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्या हैं), की धारा 260-ख के अथीन सक्ष्म प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपन्ति साम्रार मस्य 1,00,000/- रा. से अभिक्र हैं

भीत जिल्हों से महाहित है, तथा भगवणपुर ग्राम गों इ. पुरा श्रों का श्वर में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और एं का ने विशिह्य है) रिल्हें कर्ता श्रीधकारी के कार्यातय, खण्डवा में रिजिस्ट्रें करण श्रीधितियम, 1908 (1908 T 16) के श्रीधीन, तारीख जून, 1985

की पर्नोक्ष प्रचित्र के अधिक काजार मूल्क में कम के **सम्बन्ध** प्रतिकल के ल**ए अंतरिस की गर्ध** 

हैं और मुंश यह जिस्तास करने का कारण हैं कि यथाप्योक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य. जसके रायमान प्रतिफल से, त्यं रहरूमा प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से अधिक हैं और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अतरक कि त्यं पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उददेश के उच्न अंत ण लिखित में बास्तिविक रूप से क्षिण्य नहीं किया मणा हैं :—

- (क) स्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-त्रियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में सी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ेसी किसी बाय या कसी धन या अन्य आस्तियों ो, जिल्हों इंप्रतीय आयकर गधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या त उक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) हः प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा र जिए;

क्षतः सक उचत विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, की, कात अधिनियम की धारा 269-च की उपगादा (1) को अभीता विध्वतिक्षत कावित्रयाँ क्षणीत क्षणा

18 -516 GT/85

(1) श्री मने(इंग्लाप विता रामनाथ चौकते **णाय**सवाल, निवासी श्रीकारेख्वर तह**् खण्डवा**।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. क्षां मयाराम किला मंगल. 2. ब्राह्माराम पिता 3. दणरथ, मशाराम पिता कर्वलू, 4. शिवराम किला मंगलू, 5. ब्राह्माराम पिता कर्व्ह्या, 6. मोजीलाल किला माँगीलाल, 7. रतन किला मोरारामी, १८, वर्वार जिला देवचंद, 9. मोतीरामणी किला माँगीलाल, 10. देवाजी किला कंत्ररणी, 11. कार्शराम पिता मुरार. क्रमांक 1, 2 3, 4 किरवा, कर 5 नल्या कर 8 ब्रांचर गाँव क्रमांक 7, 8, 9, व 11 भगवानपुरा कर 10 साईखड़ा तहर भीरानगाँव पश्चिम निमाइ।

(अन्तरिती)

को य**ह सूचना जारी करके प्**वोक्स सम्पत्ति के अ<mark>र्जन के सिए</mark> कार्यवाद्रियों कारण 🚝 ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कीर्ड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाण होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थातर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अगाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अप्ती अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

### श्रनुमुत्ती

मकान, ग्राम गोइटपूरा श्रोंक्तारेण्वर में स्थित है। यह यह स्थावर सम्पत्ति है जिल्हा सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्च नं० 37-जी में निहिन है।

> वी० पी० श्रीवास्तव यक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-2-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सह यक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, भीषाल मोराल, रिजाँड 5 फरवरो 1986 निदेश गं० आर्द० ए० सी०/अर्जन/भोराल/७३४६—यतः पुने, बी० पी० श्राद्धाराय,

आयकार प्रभिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चाल् 'उपरा प्रिधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-च के धधीन मानस प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर समाजित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रु. से प्रधिक है

िनको सं० प्राप्ट नं० 50-पी, पर बना मकान है, तथा जो एर्कचारी पानीनी, देवान में स्थित है (ब्रॉर इनमें उपात्र अन्युक्त में ब्रॉट पूर्ण का में ब्रॉणित है), रिक्ट्री-क्ती अजिपारी के पारीणा, देवान में, पिक्ट्रीकरण अधि-निम्म, 1908 (1903 ा 16) के अजीन, तारीख जून, 1985

को प्रेंक्ट क्यांति के एकि बाजर सूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल को विष् कर्या की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रंथाएगेंवत सम्पत्ति का उचित बाजार मुन्य, उसके द्वासका प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिगत ने एथिक हो और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दौष एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निमालिका उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिय . इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिखिस व्यक्तियों. अभीत् :--- (1.) 1. श्रा गोतिनः कृमार विता छात्रसाय सीना, 85, कर्मचारी शालीनः, देताः, 2. खील्यात खात पिता अन्दुत रहमात खात, जिलाको चूडो बाजल, देवातः।

(प्रनारक)

(2.) श्रो राजेन्त्र कुमार विता बाबूलाल सर्नी, 68, लाला लाजेवतराय मार्ग, देवा ा

(अन्धिस्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपश मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों सशान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति युवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की ताराख से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए या सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्सूची

प्ताट नं० 56-सी पर बना महान, ार्मचारी कालोनी, देवान में स्थित है। पह वह स्थावर समाति है जिलका सम्पूर्ण विवरण श्रदारितो द्वारा ास्तालित फार्य नं० 37-जी में निहित है।

> वी० पी० श्रोबास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैव रेंज, भोपाल

सारीख: 5-2-1986

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.----

The state of the s

आयबार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **की धारा** 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, भोनाल

भोगान, स्तिहि 5 फरवरी 1930

निर्देष सं० प्राई०ए० सः श्रेष्टीयर्गत/भोगाल/ 6347--प्रतः मुझे, बीर्व पीर्व श्रेष्टारिंग्स्व,

बायकार आंधानियम, 1951 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधान जिल्ला अधिनियम कहा गया है), की धार 269-- ख के अधीन याम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का धारण है कि उधान राज्यांता, जिल्ला उचित बाजार मून्य 1,00,000/- एउ. में अधिक है

श्रीर िको सं पाट नं 13 तर बता महान है, तथा जो मुच पैनेत पानोनों, इंदौर में थित है (श्रीर इससे उत्तावड अनुव्यों में और पूर्ण का से वर्णित है), रिल्ट्री-क्ती अधिहारों के पानीपन, इंडोर में, रिल्ट्रिकरण अधि-नियम, 1968 (1968 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वीका संपत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अलारत की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि तथाप्वेलित मंपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अलिए है अर अल्लरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के यीच एंगे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिलिखत उद्योग्य से उदत अन्तरण लिखित में सास्तिवक रूप में कथित रहीं किया गया है:—

- (क) अगरण स हाई किमी आय की याबत, उक्त अधिणियम की प्रतित कर दोने के अंतरक के दायित्व मी कमी करन या उनसे बचने मी स्विधा के लिए; बार/या
- (क) एमी फिर्मी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

गतः मन, उन्नत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्नत अधिनियम की धारा 269-न की उपभारा (1) की वाधीन, निम्नजिलित व्यक्तियों, वाधीन :---  सं । मधुर्तांता छाजेड िता थां पात्रातागं छाजेड़, निवास 4/8, विट्यतंश्वराप मार्केट, एम० टी० क्लाश मार्केट, इंदार ।

(अन्तर्ग)

2. श्री महेन्द्र शुमार जीती जिता जुधायचन्द्रजी जीशी, निवासी चन्द्रभागी जूनी इंदीर 16/1, इंदीर । (अन्तीरती)

को यह स्थना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क्रिफ करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मी काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र मी प्रकाशन की तारील क्ष 45 विन की अनाध मा तत्रापि व्यक्तियों ५६ सूचना की तामील स 30 विन को अविध, यो औं अविध बाद मा समारा होती हो, या भीतर पूर्विकत व्यक्तियों भी से विक्ती व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर एका स्थाप सम्मान्त में हिल विद्या किसी जन्य व्यक्तित तुकारा, अधिहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकीये।

स्पष्टीकरण:—दममी प्रस्कत कन्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के जन्याय 20-क में यथः परिभा-ही, यही अर्थ होशा जा उम अन्याय में दिया गया है।

### धनुम् ची

प्लाट नं० 14 परं बना गतान, मुन पैलेन कालोनी, इंदोर में स्थित है। यह वह स्थावर जनति है जिसका सम्पूर्ण विवरण प्रदारितो द्वान त्यानित फार्न नंबर 37— जी में निहित्त है।

> यो० पी० श्रोताव्यव ाक्षम प्राधि हारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) स्मीत रेंगे, भोगाल

विना ह : 5-2-1986

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

भायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचवा

#### बारत सरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोषाल भोषाल, दिनाँक 4 फरवरी 1986 निदेश सं० श्चाई० ए० सो०/श्चर्जन/भोगाल/6348—श्चतः मुझे, बी० पी० श्चोदास्तव,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार, 'उदात अधिनियम' आहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्रविधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानन माणीत्त, जिसका उजित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं कार्या नं 103 का भाग है तथा जी विजया रोड, देवान में स्थित है (श्रीर डासे उनायद्ध- अनुसूची में श्रीर पूर्ण का से योगत है), रिलिट्रोनित श्रीध-कारी के कार्यालय, देवान में, रिलिट्रोनिरण श्रीधितयम, 1908 (1908 का 16) के अर्थीन, कारीख जून, 1985 को पूर्वोक्स स्थापित के जीवत काश्रार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रो यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार स्था, इसके द्वयमान प्रिफल से, एसे दश्यमान प्रिकण का पेइह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरम से हुई किसी बाग की वायतः, उक्त अधिनियस के अधीन कर वाने के बंधरक के शायरव भी अधी जारने के उसमे अबन मा भृषिधा की (लए, अन्तरका)
- (वा) एता रेंकामी अप्य था किसी धन या सन्य सास्तियों काः, जिन्हें भारतीय भायकार ऑपनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा अकट नहीं किया गया था या किया कला चाहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बंबे, पंकत अधिनियम की नारा 269-न की बनुसरक भी, भी, तकः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बंधीन :---  श्रो वाबूलाल रकीलाल श्रग्रवात, निवासी: 103, विजया रोड, देवास ।

( प्रन्तरक्)

 श्री स्रोमप्रज्ञास पिता रामचन्द्र, निवासी 103, विजया रोड, देवान।

(अन्तरिती)

को यह सूचका जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

### उच्छ संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जा। प:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भी र पृष्टींकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्) ६ प्रानुभना के राजपत्र में प्रकाशन की ारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मा हितबद्ध किसी दन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षा के पास लिखित में किए जा सकेगा

स्वष्टिकरणः ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, त्रो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में तिशाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

### नन्सूची

मकान नं० 103 का भाग, विजया रोड, ीवाप में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37–जी में निहित है।

> बी० पी० श्रोबास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोपाल

दिनौंक : 4-2-1986

मोहरः

### प्रकष बार". टी. एन्. एस ु ----

क्रमाक्षर अ प्रतिस्थम , 1961 (1961 का 40) की थार १69-व (1) के अधीन सुचना

#### मारम् सम्मार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोप∤ल

भोताल, दिनांक 4 फ़रवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सीः/प्रजंत/भोपःल/6349—प्रसः मुझे, बी० पी० श्रीयःस्त्रहः,

आयंकर अधितिय . 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके १४माद ' यन अधिनियम' कहा गमा हो), की धारा 269-अ के अधि सक्तम आधिकारी की यह विकास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित सापार मूस्य 1,00,000/- इ. से अधिक ही

श्रीर जि.की सं म्यू० पा० का 1301 है, तथा जो भागी-रथपूर, इंदौर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रान्ध्वी में श्रीण पूर्ण का से विणित हैं), रिजिट्टी की श्रीविदारी के कार्यालय, इंदौर में, रिजिट्टी रिण श्रीविद्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीति तारीख जुन 1985

की पूर्वावस सम्भ त के जाचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकान के लिए तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अथापुनोंक्स सपिल का जिल्त बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) र बीच एसं अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निर्णा कि विज जहरू हथीं में उन्त अन्तरण लिखित वीस्तिक रूप से किथान नहीं किया गया है मन्तरित

- (क) बन्तान संहुई किसी भाष की वाबत, उनक अधित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व मी विभी करने में एमके मन्तर मा सुविधा के लिएए; अदि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां का जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, स्थिपने से सुविधा के लिए;

क्त: बंब, उक्त कीर्धनियम की धादा 269-ग के अनुमरण में, में: उक्त लीर्धनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के क्योग, निम्नलिकिक व्यक्तियों के क्योंत है— श्री रहुल कुमार िटा हकी तराय द्रप्रकाल 80,
 श्रान्य नगर इन्दौर।

(प्रन्तरः)

 मेउर्स महेत वाइण्डिंग वार्स प्रा० लिमिं की ओर से भीनीनिंग कायरेक्टर श्रोमप्राण पिछा राधा क्यान धूत, 207, उपा नगर, इंदौर। (अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाद्विमा कारता हुए।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस मुख्या के राजपण में प्रकाशन की हामील से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भातर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकत द्वारा अधाहर शिरो के पार निकास में किए जा सकोगे।

स्पाक्तीकरण: ----इसमी प्रश्नुकत शब्दी और पद्मी का, जो उक्त विभिन्नम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्याय में दियह स्वा हैं।

### वन्स्की

म्यू० पा० क्रमांक 1301, भागिरथपुरा, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण भन्तरिती द्वारा सत्यादित फ़ार्म नं० 37-जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीतःस्त्वव सञ्जम प्रधिकः री सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज, भोगाल

तारीख: 4-2-1986

भ्रष्ट्य अक्ष्रि, तो पुन, एवं, .....

भागकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ⇔ं ,39-व (1) के अधीन सुचना

वार्त परकार

कार्यालय . सङ्घायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज, भोपाल

भोजाल, दिनांक 4 फरवरी 1986

िदेश सं० प्राई० ए० सीः/प्रजेन/भो ाक्ष/6350—प्रातः मुझे, बीं० पीं० श्रीवास्यवः,

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने प्रशान का का प्रशान का करने का धारा है। की स्थान प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जि.की संव म सन नंव 23 है, तथा जो र जैस नगर, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इस्से उप, बद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का के लिंग है), रिजिस्ट्री तर्ता सिंधन री के नार्यालय इन्दौर में, रिजिस्ट्री रिण श्रीधिनियम, 1908 (1908 ता, 16) के श्राधीन, तारील जुन, 1985

कर पूर्वां के सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकान के लिए अवरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने के जाएण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्मय, उपाप क्यापा की कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्मय, उपाप क्यापा की का अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंशरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकान, विभाव निस्ति उद्दोहय से उवत अंतरण निस्ति में सस्तिया क्या में काथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सूविधा के लिए; और/या
- ा एको किसी अप या किन्ने धन या क्रम्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन्यर ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उद्याजनीय जन्तीरती दुगरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, क्रियाने में मुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभाषा (1) के अधीन, जिम्लिसित व्यक्तियों, अर्थीत हैं

 श्री प्र∴्य चन्द्र िता गगः विकाल वर्मा तरके श्रा० मु॰ गगः विकाल वर्मा निवःसी 23, राजेश नगर, धंदौर।

(म्रश्तर ∄)

2. श्री हितेन्द्र पिता खोमजी दरिया, 21, प्रिस परावन्त रोड, इंदीर।

(अन्ति।रती)

को यह स्वाना कारी करके प्रॉक्त संस्पत्ति को अर्थन को लिए करता हूं।

तबत संपत्ति के अर्जन के संबंध मी कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं
  45 विन की अविधि या हम्सम्बन्धी अधिकत्यों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  अधिकत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्ववृष्ट किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थास्त्रीकरण : ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

म हान नं 23, राजेश नगर की प्रथम मंजिल, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर समाति हें जिताल सम्पूर्ण विवरण भ्रन्तरिती द्वारा सत्याफित फार्म न० 37-जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीबास्तव चंत्रम प्रधिकारी सहायक भागकर भागूका (निरीक्षण) भर्जन रेंज, भोगल

तारीख: 4-2-1986

मोहर 🔞

### प्ररूप मार्च . टो . एन . एस ..------

कायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

#### सारत सरकार

### कार्यालय, सहायक कायकर कायक्त (निरीक्स)

श्चर्जन रेंज, भोषाल भोषाल, दिनांस 4 फ़रवरी 1986

िदेश र्स० माई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपःल, 6351---प्रतः मझे, बी० पी० श्रीतःस्तव,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उकत अधिनियम' सहा गया है), की धारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीए जिल्ली संब कृषि भूमि लवें नव 784,5 है, एथा जो मह बौन्ट में स्थित है (श्रीर इत्तरे उत्तबद्ध श्रमभूजी में श्रीर पूर्ण कर ने विश्व है), रिजिस्ट्रीलर्ती श्रिधि हो के नार्यालय, इंदौर में रिजिस्ट्रीलरण श्रीधितियम, 1908 (1908 ता 16, के श्रधीन, टारीस जून, 1985

को पृथावत सपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गन्दह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (कंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कर, मिम्निलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निवित्तत में अम्ले क्षेत्र कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अक्षेत्रसम्बद्ध के अर्थाद कार दाने के अरुपक के वाबिरव में कामी कारने या उत्तस क्षेत्रने में शृक्षिका के निवद: अरेट (म)
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य नास्तियाँ क्या. जिन्ही नारतीय शान-तर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपारे में स्विधा के लिए.

 श्री चलालाल िता शियाचाल लोधा, िवासी— मह यह०—न्मशु जिला इंदोर।

(明明(3)

2. मैंसर्स फल्पनेटिश होंडा भोटा: गिमि॰, 7/1, न्यू पलाजिया इसीर द्वारा भोजेक्ट डागरेक्टर श्री थे॰ डी॰ बनगाल, इंदीर।

(प्रनेटारिती)

का यह स्थाना जारी करक पृथालर सञ्चालर के वर्जन के लिए कार्यथाहिमां करता हूं।

### समत सम्पर्तित के अर्थन में अभ्यान भी महोद्दे भी नास्त्रप इन्य

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारील मं 45 दिन की अविधि या तत्नीयधी विभिन्नों पर मूचना की तामील से 30 दिल की अविधि, जो भी विषयि माद में समाप्त होती हैं, के भीतर प्रवासत म्याबितमों में किसी व्यक्ति दवारा;
- (च) इस सुचना को राजपत्र में प्रकाशन की भागीस स 45 दिन के भीतर अवस स्थावर सार्थीत मा जित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा के जिल्लाक्षरिक पास निचित में किए जा सकींग।

स्वक्योक्करण्ड--इसमा प्रमुक्त अब्बा और रहा है। में इसमा अध्याय 20 ने मां लोगभगायल हैं।
 बही वर्ष होंगा को उस अध्याय में दिश गया हो।

#### श्रमुर्स्वा

कृषि भूमि सर्वे न० 784/5, गह कैन्ट में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसा। सम्पूर्ण विशरण अन्तरिती कारा सत्य पित फार्न नं० 37 ीं में विश्वि है।

> बी० पी० ीति हराय अभग वर्गाय शरी सहाव : भागल्य भागुक्त (स्रिक्षण) अजन र्रेज, भोदाल

कतः अन्, उक्त अभिनियम की धारा 269-व के अनुसरण ६, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) बै कार्चन, निम्नीसिक्त व्यक्तियों, वर्णक क्रम्म

वारीख: 4--2-1986

माप्तर :

प्रकप आर्च दी एन एस : -----

बायकर अभिनियम.. 1961 (1961 का 43) कौं धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### मारत तरकार

# कार्यालय, सहायक शायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोगल, दिनां ह 7 फ़रवरी 1986

िर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जनः/भो तल/6352--श्रतः मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात (अक्त अधिनियम) कहा गया हुँ), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्थित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/-रा. से अधिक हैं

श्री जिसकी सं० प्राचा बगीने की भूमि, म० नं० 1881, 83 है, तथा जो की दार ब राग, मह, जिया इंदीच में स्थित है (श्रीच इंदीच जो को दार ब राग, मह, जिया इंदीच में स्थित है (श्रीच इंदीच के दिस दी के दार्थ सह (जिला इंदीच), में प्राच्छी एण द्राहि दम 1908 (1908 सा 16) के श्रधी र द्रारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित शाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान कितिए से की सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास कारने का कारण है कि यथापुश्चित सम्पत्ति को उचित बाजार भूल्य, उपके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बतरकों) और बत रिती (अंतरितियों) के बीए ऐसे अंतरण के निए तय पाया प्रवा प्रतिकल निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अंतरण निखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त सिंपिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रीयत्व में कभी करने या उससे वचने में विविधा के सिए; शौर/वा
- (स) ऐसे किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया नया था किया जान जाहिए था, जिन्माने में सुविश्व के लिया दे

प्रशः अत्र , उक्त अधिनियम की भाष 269-ए के अभूसरण के मी, अक्त अधिनियम की भाषा 269-ए की उपचारा (1) को अधीत, निस्तिशिक्त व्यक्तियों समृद्धि हैं क्या 1. (1) मिश्रीलाल िला श्री भोतीलात, ि० छोटा बाजार महू, (2) नंदलाल िला औ मिश्रीलाल, नि०—तथैब—, (3) भगजान दास िला श्री मिश्री लाल, नि० जानकी नगर इंदौर (4) देवीिकान पिता श्री मश्रीलाल, नि० सामंद नगर (5) मोहत लाल िला श्री मिश्रीलाल, नि० 1931, छोटा बाजार, महू।

(म्रन्त∵ः)

2. (1) श्रीमती सहिनीबाई एतनी रमचन्द्र, (2) मोह् लाल स्ति। रमचन्द्र, (3) शुस्तीबार स्ति। रामचन्द्र (4) प्रेमचन्द्र स्ति। रमचन्द्र सभी निजामी मृत्र नंत्र 1881, 82, कीयना बाखल, मह जिला इंदीर ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के निव कार्यवाहियां गुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भः वार्क्ष :---

- क) हम् वचना क्रे राज्यक में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन को स्पिधि, जो भी अधिश कांद्र में समाप्त होती हो, ह भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी स्थिकत द्वारा;
- (ब) इस र्धना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पात में हितकद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहेस्ट अरी के पास निश्चित में किए जा सकींगे।

स्वच्छीकरण ह इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में दिया प्या है।

### अनुसूची

पर नी भूमि, महान नं 1881, 82, की पला बाखल, मह में स्थित है। वह स्थापर सम्पत्ति है जितहा सम्पूर्ण विवरण अन्दर्शिती द्वारा सत्यापिव फार्म नं 37-जी में निहित है।

> वी० 'ति० श्रीवास्तव याम प्रधिकारी सहायक भ्रायदार श्रायुक्त (निरीक्षण) भूजन रेंज, भोपाल

411€1 7-2-1986

मीहर '

प्रारूप आई. टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 फ़रवरी 1986

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल 6353---म्रतः मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० प्लाट नं० 12 ब्लाक नं० 5 है तथा जो इंडस्ट्रियल वार्ड धम्तरी में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध धनसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीध-कारी के कार्यालय धमतरी से रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकाश के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, असके ध्यममान प्रतिकास से प्रमुख से कियामान प्रतिकास का प्रमुख, असके ध्यममान प्रतिकास से, एसे ध्यममान प्रतिकास का पन्द्रह प्रतिकास से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) से बीच एसे वंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिकास का सम्बन्धित उद्योग से बिधक से बावरण श्रिकत से बावरण वार्याण श्रीक स्थान का स्थित से बावरण वार्याण श्रीकत से बावरण वार्याण से बावरण से बावरण वार्याण से बावरण से बा

- (क) बन्दारम चे हुई किसी बाव की वायत्, अक्ट बीधनियम् के बधीन कर दोने की बन्दरक के शायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; स्ट्रिश
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन था जस्व जास्तियों को, विन्हें भारतीय जाय-कर जिथिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनयम, या धमकर जिथिनयम, 1957 (1957 का 27) के स्वोधनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सत्र जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-थं के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात् ⊹---- 1. (1) श्री केणरलाल, भरतलाल, लखनलाल सभी प्रत श्री पंचमलाल (2) नानक राम प्रिता श्री चंद्रलाल एवं (3) माखनलाल एवं रामकृष्ण प्रत श्री फूलचन्द सभी निवासी करेली कह०-- धमतरी।

(अग्तरक)

2. श्री हरीराम महावर पिता श्री ग्यारम राम महावर निवासी—–धमतरी जिला रामपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वॉयल सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ड कर्युसम्पृत्ति के वर्णन के सम्बन्ध् में कोई भी आक्षोप डम्स

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जन्मि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर स्वना की दामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां;
- (व) इस तुना के राव्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववृध् किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकड़ी से गांच दिल्ला में किए जा सकोंगे ॥

स्पब्दीकरण :----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## मन्सूची

प्लाट नं० 12 ब्लाक न० 5 इंडस्ट्रियल वार्ड धमतरी में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका भम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सन्यापिता फ़ार्म नं० 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक**र** आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज भोषाल

तारीख: 11-2-1986

मोहर:

19 -- 516 GI/85

# शक्य बार्ड<sub>ः</sub> टी<u>ः</u> एरः एरः प्राप्तानसम्ब

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (विरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल भोषाल, दिनांह 11 फरवरी 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी०,श्रर्जन/भोषाल,6354—ग्रतः महो, बी० पी० श्रीवारःब,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका अजित बाजार भून्य ₹.00,000/- रहे. से अधिक हैं

स्रीप जिस्की मं० महान न० पा० निगय क० 3/1 है, तथा जो मुभाय मार्ग, उउनैन में स्थित है (और इसमे उपाबड़ स्रनुसूबी में स्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिन्छारी के जार्यालय उपजैन में, रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 हा 16) के कुछन तारीख जून,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गजा प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत में अस्तरिक रूप से किया भवा है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाम की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन अर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अधने में मुविधा के लिए और/या
- (स) एंसी किसी बाय या किसी अन या बन्य कास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर किभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनल किभिनियम, या धन-धर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) वं प्रयोजनार्थ कलारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुदिधा के लिए;

গর: व्यथ, उक्त विधिनियम की भारा 269-न के अनुसूर्य का, बी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपवास (1) ল বতীন, निकालिखित व्यक्तियों, अधाँत:— 1. श्रीमती सलमाबाई पुत्र हर्कामद्दान, निवासी-गोल महं बाखन हारा मु० श्राम हर्कामुद्दीन श्रात्मज हार्जा इप्राहीगजी दांचवाले, निवासी-गोला मंडी, बाखल, उज्जैन।

(ग्रन्तरक)

2. (1) मु० फातिमाबाई पत्नी श्री तैय्यबभाई कांचर वाला, (2) मु० जुपैदाबाई पत्नी ग्रब्देग्रली भाई कांचवाला, निवासीगण, छत्री चाँक, उज्जैन। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित को अर्थन को लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षम के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकासन की तारीब से 45 दिन की ब्रविष् मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जविष, को भी जविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निर्मेशन में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पद्यों का, वी अवतः अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है ही, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में विया गया ही।

## अन्स्चो

मक्तन न० पा० निगम क्रमांक 3/1, सुभाय मार्ग, उज्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तर्रिती द्वारा सत्यापित फ़ार्म नं० 37-जी में जिहित है।

> वी० पी० श्रीतास्तव सक्षम प्राधि शरी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोप.ल

त⊦रीख: 11-2-1986

मोहरः

# 144 MIG . 25 . 44 . 98 ......

नायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के न्यीन सूचना

### **धारत सरक**ा

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोषाल भोषाल, दिनांक 11 फ़रवरी 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्ज्न/भोपाल/६३५५---ग्रतः मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रांर जिसकी मूं० प्लाट नं० 8 है, तथा जो जल बिहार कालोनी, तेलीबन्धा, रायपुर से स्थित है (ग्रांर दासे उपाबड़ अनमूची में ग्रांर पूर्ण क्य में वांणत है), रिजम्द्री हर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालव, रावपुर में, रिजस्द्री हरण श्रीधिनवम, 1908 (1908 का 16) के ग्रांत, तारीख जून, 1985 कर पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह पद्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है हि—

- (क) अम्बद्धण है हुई किशी बाय की बान्स, उन्ह्य विम्नित्त्व के ब्योद कर देवे के बच्चएक के बादिस्थ में कभी कड़ने वा उससे बचने में सुद्रिया के लिए; और/या
- (व) एसी किसी बाद वा किसी भव या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण जों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  श्री टी० एस० देवांगन, निवासी मोविन मेंबान, जे० ई० रोड़, रायपुर।

(अन्तरक)

 श्रीमती उमा देवी ठक्कर, पत्नी श्री हीराबाल ठक्कर निवासी बुधापार, रायपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की वविध, को भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के रावप्त्र में प्रकाशन की तारीख कें 45 बिन के भीतर उनत स्थावर संपत्ति में द्वितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में निव्य वा तकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में अधिनायम के अध्याय 20-क में अधिकार है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

# सन्सूची

प्लाट मं० 8, जल विहार कालोनी, श्रार० डीं० ए० स्कीम नं० 1, तेलीवंधा रावपुर से स्थित है। हि वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूणविवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फाम सं० 37 जी में निहित है।

> त्री० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहावक आयक्**र आ**युक्त (मिरीक्षण) श्रजत रेंज, भोपाल

वारीख: 11-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस \_-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) महीं भारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 फ़रवरी 1986

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6356—ग्रवः मझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विके इसवें इसके पवनाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह किरवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अचित वाधार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 63, है तथा जो सी सेक्टर इन्द्रपूरी, भोषाल में स्थित है (और इससे उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय, भोषाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बश्यमान प्रतिफल से, एसे बश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) बा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अशः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--  श्री सुन्दरदास समठानी पिठा श्री दयालदास, 40 बेतवा श्रपार्टमेंट भोपाल।

(भ्रन्तरक)

2. मेससं िससकीन कन्सल्टेंटस् भोपाल द्वा पार्टनर श्रीमती संतोष छोकर पत्नी श्री जी० एन० छोकर प्रती श्री प्यारेलाल निषासी ई-2/160: ग्ररेरा. कालोनी, भोपाल।

। भ्रन्वरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारी से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो इस अध्याय में दिया गया है।

## नगृत्यी

प्लाट नं० 63, इन्द्रप्री, सी सेक्टर, भोषाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूण विवरण श्रन्दरिती द्वारा सत्यापित फ़ार्म नं० 37-जी में निहित्त है।

> वी० पो० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भीपाल

सारीख: 11-2-1986

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एसं.------

जायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी/अर्जन/भोपाल/6357/→→ श्रतः मुझे, वी०पी० श्रीवास्तव;

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

1.00,000/- रा. सं अधिक हैं
शौर जिसकी मं० प्लाट न० 2 है तथा जो लाला लाजपत
राय कालोनी, रायसेन रोड़, भोपाल में स्थित हैं (शौर इससे
उपाबद्ध श्रनुसूची में शौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता
श्रिधकारी के कार्यालय भोगाल में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम
1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनाँक 5 जून 1986
को पूर्वेक्ति सम्पस्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (स) एसी किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) राजीव खुराना पिता ग्रार० एत० खुराना निवासी एच० श्राई० जी० 138, ई, ग्ररेरा कालोनी भोपाल।

(भ्रन्तरक)

(2) विनोद कुमार दत्ता पिता श्री राम दत्ता निवासी→ 45, राजदेव कालोनी, बैरासिया रोड, भोपाल। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# **अनुस्**ची

प्लाट नं० 2, लाला लाजपत राय कालोनी रायसेन रोड, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरितो द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> वी०पी० श्रीवास्तव मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत, भोपाल

दिनाँक :-- 1 1-- 2-- 1986

मोहु∵र ≝

प्ररूप बार्ड्ःटी. एन . <u>एस .</u>-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-च (1) के जभीन सुवार

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाल्क्स (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 11 फरवरी 1986

निदेण सं० ग्राई० ए० सी/ग्रर्जन/भोपाल/6350--श्रतः मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्यात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्तात्र करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० धूमि ख० नं० 10/2, है तथा जो ग्राम् फतेहपुर जिला भोगाल में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजीस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भोगाल में रजीस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनौक जून 1985

कं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और बंतरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाम नमा प्रतिफल, विम्नतिवित उद्योग से उक्त अन्तरण सिवित्त के सास्तिक क्य से कथिव नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिख; और/वा
- (व) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य नारिस्तयों को, चिन्हों भारतीय नायकर निभिन्यम, 1922 (1922 को 11) या उन्त निभिन्यम, या भनकर निभिन्यम, या भनकर निभिन्यम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ वन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः नथ, उसत विभिनियम की भारा 269-स के अनुतरण में, में, उसत अभिनियम की भारा 269-स की उपभाग (1) को अधीय, निम्मविक्ति व्यक्तियों , वर्षात् छ —

- (1) मुसम्मात कु० परवीन जंहा पुत्नी श्रा शकी उल्लाह साहव निवासी ग्राम फतेहपुर, तह० हुजूर, जिला भोषाल (ग्रन्तरक)
- (2) सईद श्रहमद खां वल्द श्रो श्र० गफ्फार खां साहब निवासो ग्राम नारियल खेड़ा जिला भोपाल (श्रन्तरिती)

# को नह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के आहु कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# श्रनुसूच<u>ी</u>

भूमि ख॰ नं॰ 10/2, ग्राम फतेहपुर जिला भोपाल में स्थित है यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण भ्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं॰ 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव यक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र भोपाल

दिनाँक: 11-2-1986

मोहरः

प्रकप आई.टी.एन.एस. -----

अध्यवतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

### RIEG ECHIS

## कार्यांचय, तहायक नायकार आयुक्त (किरीक्षक)

श्रर्जन क्षत्ने, भोषाल

भोपाल, दिनाँक 11 फरवरी 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी/श्रर्जन /भोपाल/6359---श्रतः मुझे, वी० पी० श्री वास्तव

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 233 श्रौर उप पर निर्मित्त एक मंजला महान है तथा जो ए सेक्टर, शाहपुरा भोषाल में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रम्भूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय भोषाल में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियस 1908, (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलंख के अनुसार अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के शेष एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रवोजनार्थ अन्तर्शिरती इयारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा वै दिखा।

नतः नव्, उक्त जिभिनियम की धारा 269-म के जन्मरण को, यो, उनत जिभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) डे अधील, निस्तिसिंडत स्पृतिसकों, जर्भात् ध—— (1) तारासिह पिता गुरूदेव तिह निवासी-20 इदगाह हिला भोषाल।

(अन्तर्क)

(2) रामस्वरूप श्री वास्तव पिता श्री कृष्ण गोपाल श्रीवास्तव निवासी 1/311, 1100, क्वाटर्स भोपाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन को सम्बन्ध में को**ई भी आक्षो**प 🖫

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन कें भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सुर्क्षेते ।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अकत अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिसा गमा है ।

## वन्सूजी

्लाट नं० 233, एवं उसपर निर्मित मकान ए, सेक्टर शाहपुरा भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा फार्म नंबर 37 जो में सिहत है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र भोपाल

दिनोंक :--11-2--1986

# प्ररूप आई. टी. एव. एस. ----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

## कायां स्य , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 11 फरवरी 1986

निदेश सं. ग्राई० ए० सी/अर्जन/भोपाल/6360~-श्रतः, मुझे, वी० पी० श्रीवास्तव,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कौ भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० नि० नं० 645/10 है तथा जो रानी दुर्गावती वार्ड जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजीस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908, (1908 का 16) के ग्राधीन दिनौंक जून 1985

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के बस्वमाप प्रतिकत के जिए बन्तीरत की गई बार मृत्रे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिकत ते एरो अथमान प्रतिकत का बन्दह प्रतिकत से विभिन्न हैं बार अन्तरक (जन्तरका) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तब बाबा जया प्रतिकत्म, निम्मितिश्वत स्कूरोस्य से अक्ट बन्दरण किन्द्र में बारविकत स्थ से क्यांश्व नहीं क्यां बना है है—

- (क) अन्तरक संहुई किसी आव की शावत, इक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (भ) एसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में मंविधा के लिए;

ब्तः वर्ष उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण हो, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) लक्ष्मी बाई गौर पत्नी श्रो जिस्त्रनाथ सिंह गौर 6.15, गढ़ा जबलपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) हदयनारायण तिवारी म्रात्मण श्री रामभद्र तिवारी तिवारी निवानी दीक्षितपुरा, जबलपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए ।

उक्त सम्पत्ति के क्षर्यन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि यां तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के शावपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास निवित्त में किए वा सकोंगे।

स्यव्यक्तिहरू हु---इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पर्यो का, को उनस अभिनियम के अध्यास 20-क में पीर्अावित है, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्यास में दिवा क्या है कि

## अनुसूची

मकान नगर निगम नं० 645/10, रानी द्वुर्गावती वार्ड जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन क्षेत्र, भोगल

तारीख: 20-1-1986 मोहर: प्रस्थ बार्च , ही . एन . एस . ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) को अभीत स्वना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र भोपाल

भोपाल, दिनाँक 11 फरवरी 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सो/ग्रर्जन/भोपाल/6361—ग्रतः मुझे, त्रो० पी० श्रीवास्तव

शायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

न्नीर जिसकी सं० मकान नं० 6/34 है तथा जो सदर बाजार सागर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजीस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सागर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908, (1908 का 16) के ग्रधीन दिनौंक जून 1985

को पूर्वा कर सम्पत्ति को उपित बाजार शृस्य से कम को दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्छ है आर मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का लिखत बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ए'से दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से गिथक है और अन्तरक (अन्तरका) और अस्तरिती (अंतरितियाँ) को बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया ज्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण निवित को बास्तविक क्य से किंबत नहीं किया नवा है :——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी अध्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा वे लिए; औद्र/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या बन्य जास्तियों की, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (१) को अभीन, निम्नित्वित व्यक्तियों, वर्षांच् ।----30----516 GI/85 (1) राम प्यारी पत्नी श्री गुरूववन सिंह गलूणा निवासी सदर बाजार सागर।

(भ्रन्तरक)

(2) 1 नंदलाल (2) राजकुमार पिसरान श्री पवन हरयानी, निवासी—सदर बाजार सागर। (श्रन्तरिती)

**की यह स्थ**ना जारी करके प्रॉक्त सम्पत्ति के कर्जन के किए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (कं) इस सूचना के राजपर्श में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध था तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितजब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के यात लिखित में किए आ सकोंगे।

स्थयकीयारण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्मों का, जो उक्त विभिनियम के बच्चाय 20-क में परिभाषित है वहीं वर्ष होगा, जो उस बच्चाय में विया क्या है ॥

### धनुसू<del>ची</del>

मकान नं ० 6/34 सदर बाजार सागर में स्थित है यह वह स्थावर समात्ति है जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (पुनरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

दिनौंक :~ 11-2-1986 मोहर: प्रस्य आहे. टी. गन, एस. ------

भागकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-भ (1) के अभीन स्थान

### भारत सुरुकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 11 फरवरी 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी/ग्रर्जन/भोपाल/6362---श्रनः मुझे, बी० पी० श्रीवास्तव,

शायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि: स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

जिसकी सं० प्लाट नं० 11, है तथा जो डी० मेक्टर जमालपुरा भोपाल में स्थित है (ग्रौर इसमे उपायद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजीस्ट्रीज्ती ग्रधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजीस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908, (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाँक जुन 1985

कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित्र बाबार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को नई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिकल के उन्स्रह प्रतिशत से अभिक ही और बंतरिक (अंतरिकों) और बंतरिती (अंतरितियों) हे की का की तिराज्य के निष्य तथा गया प्रीठ-क्या निम्नलिखित उप्योध्य से उच्च जन्तरण लिखित में बास्तविक स्थ से किथत नहीं किया नवा है हि—

- (क) कल्लरण में हुई किंगी बाय की बावत जलत बाध निवस के जबीन कर बाने के अन्तरक के वासित्य में कमी करने या उत्तर्भ तकने में मृतिधा के जिए; बार/मा
- (क) एसी किसी अब वा किसी भन या अन्य आस्तिकां करों, जिन्हों भारतीय आयहर नांधनियम. 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थे प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विध्य में सिए;

कतः अकः, उकतः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, ग्री, उकतः अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के कामीन, जिल्लोनिकत स्यक्तियों, अधित :--- (1) जगजीत सिंह्सलूजा पिता श्री प्रेम पिह सल्जा निवासी मकात नं० 11, गली नं० 6, श्रमीरगज भोपाल।

(श्रन्तरक)

(2) मनोहर पिता पिन्जोमल निवासी 172, पिधी कालोनी, भोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए जीर्यशिक्ष्यां करता हुं।

## जक्त सम्मिति के अभंद के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:----

- (क) ध्रुष्ट भूषना के राष्ट्रपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी वनिध का मां भ्रमाण होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपण माँ प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति माँ हित. वस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित माँ किए जा सकर्षि।

स्पथ्तीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिशाधित ही, यही अर्थ शोशा की उस अध्याय भी दिया सवा ही।

### धन्स्थी

प्लाट नं० 11, डी० सेक्टर जमालपुरा, भोषाल में स्थित है स्थावर लम्माम है जिलका संपूर्ण वबरण अन्तरितो द्वारा पत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> वी० पी० श्री वास्तव सहाय ह स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन क्षेत्र, भोषासा

विनाँक :-- 1 1--2-- 1986 मोहर :-

## प्ररूप बाइ.टी.एन.एस.-----

# बाचकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बधीन सूचना

### भारत सरकार

कं बास्य . सहायक सायकर भागकः (निर्दाक्तण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनाँक 11 फरवरी 1986

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भीपाल/ 6363~~ यत:. महो, वीर पीर० श्रीवास्तव,

गयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार जिल्हा अधिनियम) कहा गया हैं), को धारा 269-च के अधीन संधार ग्राधिकारी हो। यह पिश्लास करने का कारण हो कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ब्रौर जिलको सं० ध्लाट नं० 23 है, तथा जो बी-मेक्टर, कोहेफिजा, भोषाल में स्थित है (ब्रीर इसमें उणाबद्ध अनुभूची में ब्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रोकतो ब्रिधकारी के कार्यालय, भोषाल में रिजस्ट्रीकरण ब्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ब्रिधीन दिनौंक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिपत्य के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अल्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाना गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिखत में वास्तांवक स्थ से कियत स्थां किया गया है :—

- (क) जन्तरण मं हार्ब किसी आध की बाबत, उक्त अभिनियन के बधीन कर दोने के जंतरक के वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृजिभा के सिए;

जत: मन, उच्त जीभनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, अक्त अभिनियम की भारा 269-म की जमभारा (1) के अभीन, निम्नीतिनिध व्यक्तियां, मंभति रिच्य

- (1) राजेश विनानी पिता श्री केदारनाथजी, एच० ग्राई० जी०-483, ग्ररेरा कालोनी, भोपाल। (ग्रन्तरक)
- (2) बहाज उद्दीत श्रंसारी नितर मौइन उद्दीन श्रंसारी, निवासी मनसब मंजिल, करबला, भोपाल। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्थन के कियु कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

## बक्त सम्पत्ति के वर्षन को संबंध में काहे भी शाक्षेप :----

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इब सूचमा को राजपण मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित मों हिन्बद्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याक्षरी को पास निवित्त मों किए वा सकोंगे।

स्पष्कोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनिवस, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## वप् श्रुपी

व्लाट नं० 23, सेक्टर-बी कोहेफिजा, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> वी० पी० श्रीवास्तव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनाँक: 11-2-1986

## प्रक्ष काइ<sup>3</sup>.टी.एन.एस.------

भाभकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

### भारत चरकार

कार्यात्तय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनौंक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० ए० सी० 32/एक्वि ग्रार०-4/कलकता/ 85-86---यतः मुझे, शेख नेमुद्दीन,

अप्रकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के मंधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्रण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

धीर जिसकी सं० है जो गौरिपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजीस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908, (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्टु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जंतरक से हुई किसी बाब ं बाबत, उक्त अधि: नियमु के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ध) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्ध बास्तिवाँ कहे जिन्हें भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, जियाने में सुविधा के जिए;

कक्षक अब, उक्रत विधिनियम की भारा 269-न के बनुसरण् में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) रबड़ प्रोडक्टम मोर्लिंडग क०

. (ग्रन्तरक)

(2) श्री परितोस दे।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां कुरू करता हुएं।

जन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी व से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना पर की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबव्ध किसी सन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरां के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनवर्षी

12 बीघा 13 कट्टा 6 छटाँक 2 स्कवे० फि० जैमीन का ग्राधा भाग, मौजा गौरिपुर थाना एयरपोर्ट 24 परगना, दिलल सं० 1985 का 8669 ।

> शेख नेमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहावक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

दिनौंक: 10-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) शर्जन रेंज-4. वालवाता

कनकत्ता, दिनांक 10 फरवरी 1986

िर्देश सं े ए० सो ०-33/एक्यू० आए०-4/क्लाकता। 85-86----ातः, मुझे, शेख नईमुद्दीः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उत्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं । है, तथा जो गौरीपुर में स्थित है (अं र इससे उपाबद्ध अनुभूची। में और पूर्ण रूप के पर्णित है), रिकिटी ती श्रधिकारें के वायिनिय, कलकत्ता में यिनिस्ट्रीयरण ध्रियनियम, 1908 (1908 ए। 16) के अर्था, तारेख जू, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित न्यिक्तयों, अर्थात् ---

1. रवर प्रोडम्ट्स मोल्डिं। को०

(प्रस्तरहा)

2 थीं जिल्हा दे

(ध्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्ची

12 बीघा 13 काठा 6 छटाँक 2 स्के॰ फीट जमीन का ग्राधा भाग पता मीता गौरीपूर, थाना एयारपोर्ट, जिला-24 परगना. दलील सं० 1985 का 8668।

> शेख नैम्हीन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

तारीख 10-2-1986 मोहर:

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

া রন্বত (इंडिया) लि०,

(अन्तरकः)

आवकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

2 श्री गोर्जाराम अग्रवाल और प्रस्त

(गन्तरिनी)

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

णर्जन रेंज-II, वालवात्ता

क्तराना, दिनीय 10 फरवरी 1986

िर्देश सं० ए० सं(० 110/रोज-ा)वलकत्ताः(1985-86 ---यतः, मुझे, शेष्ट्र राईम्रहेन्स,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

और शिसकी सं० 23-ए, 76-की है, तथा को घाइमण्ड हाण्यार रोड़ में थ्यित हैं (और इसने श्रीकड़ अनुसूची में और पूर्ण एप ने त्यित है), पिल्हें बन्ती अधिवारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में किल्हें कार्य अधिन्यम 1908 (1908 वा 16) के अधीन, दारीख 12 जून, 1085

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरी बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारार (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्थव्हीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क रा स्था पारवाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याण में दिया गया हैं।

## अन्सूची

प्लाट नं० 1.5 एवं 1.5-ए, विधाना एपार्टमेंट, 23-ए, 76-बी, डाइमन्ड हारबार रोड़, ब्लाक-ई, न्यू श्रालीपुर, कलकत्ता। सक्षम प्राधिकारी के पास 12-6-85 तारीख में प्रक्रिही हुआ ।

रिजिस्ट्री का कमिक संख्या 1985-86 का 10 ।

णेख लईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेज-11, कलकत्ता

नारीख : 10-2-1986

ा विकास करा है जा करणा है। अपने करा करा करणा है। अपने करण

(भ्रह्मा भ्रा

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्वना

३ थी हत्स अन्द प्रप्रताल औण अनः

(अस्तरित्रीः)

### धारत सरकार

# कार्यालय, शहायक आयकर नायकत (निरीक्षण)

अर्पन केंप-4, कललना

यात हमा, विनाह । 10 फरारी 1986

िर्देग ग्रं० ए० भी०-अगाप-धाकासमा। ४४-४४---थनः, मुक्ते, णेख र्पमुद्दीन,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मल्य

1,00,000/- छ मे अधिक हैं।

आँप जिसकी गं० एम-32 है, तथा जो नेक्टरनी, सल्ट लेक में स्थित हैं (और इसने उपाग्रज्ञ अनुमूची में और पूर्ण क्य से बणित ही), रिनिस्ट्रीतर्या प्रधिकारी के वार्यावर, सक्षम प्रधिकारी में रिजिस्ट्रीतर्या अधिकियम, ५००० (1908 का 16) के अधीन, ार्यक्ट 24-0-1985

को पूर्वोक्स सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्व से कम के स्थवमान प्रतिकृत के निए अन्तरित की गई है और मृत्रे वह दिक्कात करने का कारण है कि एण्णपूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, अमन्ने दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक (अंतरकाों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उथत अन्तरण निश्चित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण संहर्ष किसी आय की वाबते, उस्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्णु; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आएकर अधिनियम, 192% (1922 को 11) या उ । अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत: अब. अबन अभिनियम की भारा 269 / ब्रे बंग्यान मी, मी, उन्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीत. निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत :---

को यह सूचना जारी करके पूर्व अंत सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी शासेष :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामी से 30 दिन की अनिध, जो भी अविध बाद र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्टि में किये वा सकती।

स्पष्कीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वे का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह जर्थ होगा. वो उस जध्याय में विसो गया है।

### अन्त्रची

लगभग 4 वटा जमीत का साथ मकान एम-22 विषटर-मन्द्र लेक (मेट) काज रून्-64 में अब स्थित है।

सक्षम प्राधिकारी के पास 24-6-85 ता**री**ल में रजिन्*ट्रैं* हुआ ।

रिजरही की क्रमिया सं० 1985-86 का 15 ।

णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रामकर शायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रोंच-2, कलकत्ता

न्हिल्: 10-5-1986

प्रारूप आई<sup>2</sup>.टी.एन.एस.-----

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रजीत रेल-2 कलकत्ता कलकत्ता, विनोक 10 फरवरी 1986 तिर्देश मं० ए० मी०-112/श्राप-2/कलकत्ता/85-86---अत: मुझो, शोख नईम्हीत,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (रिजर्त इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स को अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उपवित्त बाबार मूच्य 1,00,009/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 98/4 हैं तथा जो बनार्जी पारा रोड, बेहाला में स्थित है (और इसने उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1903 (1908 का 16) के प्रधीन, नारीख 4 जून, 1985

मते पूर्वोक्त संपरित के उचित नायार मून्य से कन् भी अवनाम मित्रका के लिए जन्तिरित की नहीं हैं जीर मुखे वह विश्वास् करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित नायार मून्य, उसके अध्यक्षान प्रतिकास है, ए से अवनान प्रतिकास का पेड्ड शिवस्त से विभन्न हैं जीर अन्तर्भ (अन्तर्कों) और संवरिती (अन्तरितियों) के बीच ए से अन्तर्भ के जिए तम् पाया यवा प्रतिकास का विमन्तिसित्यों) के बीच ए से अन्तर्भ के जिए तम् पाया स्वा प्रतिकास का विमनितियों के बीच ए से अन्तर्भ के जिए तम् पाया स्वा प्रतिकास का विभन्नितियों के वीच तम्तर्भ का जन्तर्भ निर्माणित के अन्तरिक का विभन्नितियों के वीच तम्तरित का विभन्नितियों विभन्नितियों नाया है :~~

- (का) अन्तरक सं हुई कितीं आय की वावतः, उपत अभिनियम के जभीव कर देने से बंतरक के दासित्व में अभी करने वा उससे वजने में सुविधा के सिष्ट्; अडि/मा
- (ख) ऐसी किसी बाव या किसी धन या कन्य वास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती च्चाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने भी इतिथा के विकास के

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की स्थारा (1) के अधीय जिस्सीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 श्री अनक कमाए. चक्रपती

(भ्रन्तरक)

3 था अवक कुमार मल्लिक

(ग्रन्तरिर्तः)

को यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षत के ट्रिस् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त बस्पति के बर्बन के तस्वस्थ में कोई भी नाकेड़:---

- (क) इस सूचना के उपपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी स्वित्यों पर त्यान की ताबील से 30 दिन की अविधि, को और अविधि नाद में समाप्त होती हो, से शीतर पूर्वेक्ट स्वीक्तयों में से किसी स्वीक्त इसाय;
- (व) इत तृष्णा के यथपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उनत स्वादर तम्पत्ति में हित-बबुध किसी बन्ध व्यक्ति द्वाय अभोहस्ताक्षरी के पान सिचित में किए वा सकोंने ।

स्थलीकरणः - इसमें प्रमुक्त कार्गे और पर्वो का को सकत विभिन्तियम, के अध्वाय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष द्वांगा को उस अध्याय में विका नवाही।

## नगत्नी

2 कठा 7 छटाक जमीन का साथ मकान 98/4 बनार्जी पारा रोड़ थाना—बेहाला कलकत्ता में ग्रब स्थित है । सक्षम प्राधिकारी के पास 4-6-85 तारीख में रिजस्ट्री हुआ। । रिजस्ट्री का कमीब सं० 1985-86 का 5 ।

शेख ाईमुहीन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-2, कलकत्ता

नारीख : 10-2-1986

# शक्त नार्ष<u>ं टी. एवं एक अस्तान्त्रम</u>ास्था

# नायक इ. नांचनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नंचीन स्वना

#### THE RESERVE

# कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त ([नर्याक्त]

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 फरवरी छ1986

निदेश सं० ए० सी० 113/ब्रार०-2/कलकता/85-86-यतः, मुझे, शेख नईस्ट्रीतः

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसमें परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित विसका उचित्र वाबार मूम्य् 1,00,000/-रा. से अधिक है

अंर जिसकी सं प्याँट नं 852 है तथा जो लेक टाउन; कलकता-89 में स्थित है (अंर इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजीस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० कलकत्ता में रजीस्ट्रीकरण प्रधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० कलकत्ता में रजीस्ट्रीकरण प्रधिक्यम 1908, (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 3-6-1985 को पूर्णेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के लिए अंतरित की पर्दे हैं और मूळे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, ससके दश्यमान प्रतिकत से एसे दश्यमान प्रतिकत का पण्डह प्रतिवाद से अधिक है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तर्दिती (अन्तरित्वों) के बीच एसे बन्तरण के निए तय पावा प्या प्रतिकत का निम्नतिकत उच्चवेष से उक्त अन्तरण प्रतिकत का पण्डह

वे बास्तविक रूप से कथित न**हीं** किया गया **ड**ै ड—

- (क) अन्तरण संहुर किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (w) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुनिभा के सिए;

बतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 21--516 GI/85

(1) श्री० वटण जालानि और श्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) ममता पोहार और श्रन्थ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं [३]

# इन्त सन्परित् के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी मन्य व्यक्ति स्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास हिस्सित में किये का सकींगे।

स्थव्यक्तिकरण:---इस में प्रयुक्त शब्दों और धवाँ का, को सबस् अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होरें। को उस अध्याय में विया गया है।

## प्रनुसूची

दो सल्ला पर प्लाट नं० ए० एबंड बी० प्लाट नं० 852 लेक टाऊन, कलकता-89 में स्थित हैं।

सक्षम प्राधिकारों के पास 3-6-1985 तारीख में रजोस्ट्रीकरण हुआ।

रजीस्ट्री का क्रामिक संख्या 1985-86 का 4।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सह।यक श्राधकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, कलकमा

दिनॉक :- 1**0** · 2**-**1986

श्रुक्त बाद', टी. १९. १६

मार्यकर अभिनियम, 1961 (1961 🖦 43) की भारा 269-व (1) के मुधीन सूचना

### नारव दरका

# कार्याक्य, वहासक वाक्कर वास्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-2, कलकत्ता

बालकत्ता, दिनांवा 17 फरवरी 1986

निदेश सं० ए० मी० 115/फार०-2/कल कत्ता/85-86---यतः, मुझे, शेख निदेम्हीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ टेंस से अधिक है

अरेर जिसकी मं० 36 बीठ है हथा जो न्यू रोष्ट, धालिएर कलवाता में स्थित है (अर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजीस्ट्रीयनी अधियारी के बार्यालय एस० आर० ए० कलवाता में रजीस्ट्रीयरण अधिनियम 1908, (1903 या 16) के अधील दिनांक 22-6-1985

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान शिक्षण के लिए अन्तरित की गई है कि मुम्हे यह विश्वास करने का कारण है कि ममापूर्वोक्त संपत्ति का उचित दाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के दीच एसे अन्तरण में लिए व्हम गया गया प्रतिफल, निम्निसितित उद्देश से उचल अन्तरण जिस्त में वास्तिक कम से क्रियत वहीं किया मना है -

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की अबस्त, अवस्त सिंधीनयम के बभीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी कारने या उत्तरे अपने में सुविभा के सिए; और्/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय काय-कर किथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किथिनियम, या धन-कर किथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्रा था या किया जाना था, खियाने में सिवका खे किय;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्तिर व्यक्तियों, अर्थात :—— (1) सुरेग अन्द्र राय ।

(अन्तरक)

(2) कलकता निष्ठिकत रिमर्च इत्मद्राच्यूट।

(अस्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के नर्चन के कि कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्मत्ति के बर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप हुन्न

- (क) इस सूचना के राष्प्रम में प्रकासन की ठारीब है 45 दिन की जबिध वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पळीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

### वन्स्धी

21 कट्टा 40 वर्ग फुट जमीन का श्रविभक्त 1/25 अंग 36 बी० न्यू रोड, श्रनिपुर कलकता, 27 में श्रवस्थित है।

दलित मंख्या एम० आर० ए० कलकत्ता द्या 1985 का आइ० 9036

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आसकर ज्ञायुक्त (निरीक्षण) प्रजैस रैंक- 2, कुलक्सना

दिलाग :--17-2--1986 मोहर : प्रस्य बाह्य टीन एवन एवर-------

लायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ल (1) के क्योंन सुन्नना

# शास्त्र चहुन्सर

# कार्यां जय, सहायक आयक्तु आयुक्त (निर्देशिय)

प्रजीन रेंज-2, कलकृता

कलकत्ता, दिनांक 17 फरवरी 1986

निर्देश सं० ए० सी०-116/फ्रार०--2/कलकता/85--86---यतः मुझे शेख नर्दम्यद्धीन

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 36 बीठ है तथा जो न्यू रोड, आलिपुर कलकत्ता 27 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय एसठ आर० ए० वल्तकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक 22-6-1985

कर पूर्वोक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के ध्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है जोर मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अमारितियों) के बीच एसे चुन्त्रच के सिए तब धामा ममा शिक्त , मिम्नियाचित उद्देश्य से उन्त वन्तरण मिनित में का है कि एसे वहीं किया नवा है के

- (क) सन्तरण ते हुन् किसी यात् की बाब्द उक्त कांध-जिनम् के अभीत् कर दीने के सन्तरक के विभिन्त में कृती कट्टने वा उन्नचे बचने में सुनिधा से सिथे; बीट/वा
- चि एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ का, जिल्हां भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिथिनियम, या धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गुमा वा मा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुनिधा जे किया

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः :---

(1) सुरेश चन्द्र राध

(ग्रन्तरक)

(2) उमिला माडेका अंश अन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संपक्ष्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविध मा संस्थानियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध थों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति दूतारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीथ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सस्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति इवारा जुधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हारेगा, को उस अध्याय में दिया गवा हैं।

### नगुसुची

21 कठा 24 वर्ग फुट जमीन का श्रविभक्त 1/25 अंग 36 बीठ न्यू रोड, श्रालिपुर कलकत्ता 27 में श्रवस्थित है।

दिलल संख्या एस० प्रार० ए० कलकत्ता का 1985 का भाई० 9035

> मोख नईमुद्धीत सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज- 2, कलकत्ता

दिनांक :- 17-2-1986 मोहर

# प्रकृत भारते . क्षेत्र , क्ष्यू , नामान्य प्रकृत सम्बद्धाः

# बारकार महिन्तियम् 1961 (1961 का 43) की वादा 269-व (1) के बधीन स्वना

### तीरत चडनार

# कार्यासय, बहायक बायकर बायक्त (निर्देशक)

भ्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देग मं० ए०-सी 2125/ एक्यू० श्रार०-3/ कलकता/85-86--यतः मुझे शेख नईमृद्धीन

मायकार मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इस्में इसके परणात् 'उक्त मिथिनियम' कहा गया ही, की पाडा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास र इसे का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधाद नृष्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी सं० 2/9 है तथा जो घरन बोस रोड, कलकत्ता 20 में स्थित हैं (और इसके उपाबद्ध प्रमुक्षची में और पूर्ण एप में चणित है), रजीस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय प्राई० ए० सी० एक्यू० प्रार० III किलकत्ता में जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के स्वक्रमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृष्य असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचात से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के जिए तय पाया गया प्रति-कस, निम्मसिवित उप्रदेश से उन्नत अन्तरण विवित में वास्तः दिक स्प से क्षित नहीं क्या प्या हैं

- (क) अन्तरक वं हुन्द भिन्दीं जान की वानतः, उनतः निपित्तन के अधीन कर वाने के लन्ददक हैं वानित्य में कनी कड़ने या व्यक्त नक्षने में सुनिधा के सिद्दः औड़/मा
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य बास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्तें अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ, अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना जाहिए था स्थितन में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में उक्त अधिनियम को भारा 269-च की उपभाग्न (1) के अधील, निम्मीसिंख व्यक्तियों । अर्थात् क

- (1) बसुंधरा प्रापर्टीज प्रायवेट लिमिटेड।
  - (श्रन्तरक)
- (2) होपस मेन्यू फेकचरीस को० प्रायवेट लिमिटेड। (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपर्शित के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुई (1)

# त्यन र्सपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तूचना की तामील से 30 दिन की जबीध, जो भी विविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं कें
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिएबव्ध किसी अन्य व्यक्ति इनारा, अभोहस्ताक्षरी
  के पास निविद्य में किए का सकेंचे।

स्पक्तीकरण: इसमें प्रयुक्त बक्तें और पर्वो का, को उन्त व्यक्तियम के सभ्याय 20-क में प्रिशायित हैं, बहीं क्यें होगा को उस सभ्याय में दिना क्या हैं।

## **ग्रनुसूची**

2/9, शरन बोस रोड, कलकत्ता-20 में श्रवस्थित मकान का 8 बीतला में 2282 बर्ग फिट का श्राफिस स्पेस नं० 1, जो श्राई० ए० सी० एक्यू० श्रार० 3 कलकत्ता के पास सिरियल नं० 37ईई/श्राक्ति श्रार०-3/177/85-86/ के श्रनुसार 26-6-1985 तारिख में रजीस्ट्री हुआ।

गेख नईमूद्धीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनांचा:--14- 2- 1986 मोहर:--

# प्रस्प शाही.टी.एन.एस.-----

# वायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) हो बभीन सूचनर

### शास्त्र वस्त्रार

# कार्यां वर्, सहायक वायकर आध्वल (निर्देखण)

श्वर्जन' रेंज-3, कलकत्ता कलफना, दिनांक 14 फरवरी 1986 निदेश संउप् सीउ-2126/श्रक्षित श्रार०-3/कलकत्ता/85-86-थत: मुझे शेख नईमृद्धीन

भायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 217 है तथा जो सरन बोस रोड कलकत्ता में स्थित है (और इसने उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप में विगत है), रिजर्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० पी० ए० कलकत्ता में रिजर्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908, (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 28-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से सक्त अंतरण निष्तित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है —

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उसल अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उत्तत्ते अखने में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) एसी किसी नाय वा किसी धन या नम्य वास्तियाँ को जिन्हों भारतीय नायकर निर्मित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

जतः जन, उक्त विधिनयम की धारा 269-गृ के अनुसरण् वी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अकीग्, निम्मीवृधित व्यक्तियों, धर्मात है

- (1) भनुधारा प्रापर्टीज प्रायवेट लिमिटेख। (भ्रन्तरक)
- (2) हबीसनस प्रोजेक्ट प्र० से । (अन्तरिती)

को यह सूचना चारौँ करको पूर्वोत्रस ग्रम्पत्ति को वर्षन को जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुई (३)

## उभत सम्पन्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस प्षना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराचा से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच सं 45 दिन के भीतर स्थावर सम्बक्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,। वहीं अर्थ होंगा जो उस क्ष्याय में दिया नया हैं।

## **ध**नुसूची

1003 वर्ग फुट श्राफिस बैम नम्बर-4 सात तथा 2/7 सरन बोस रोड, कलकत्ता-20

सब रिजस्ट्रार श्रव एशोरोंस कलकत्ता के पास 29-6-1985 तारीख में रिजस्ट्रीकरण हुआ। दिलल संख्या 1-11165 से 27-6-1985

> णेख नईमुद्धीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक:-14-2-1986 मोहरः प्रकर् आहें. की पुरा पुरा प्राप्त नामनामाना

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

## बारत श्रद्धार

# जार्यसद्, तहायक नायकर नायुक्त (निर्देशका)

ध्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेग मं० ए० सी० 2127/श्रक्यिू० श्रार०-3/कलकत्ता/85±86 यतः मुझे, शेख नईमुद्धीन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित आजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

अंद जिसकी सं० 2/7 है तथा जो सरन बोम रोड, कलकत्ता में ियत है (और इसने उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रुप से विशत है), रजीर्स्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय एम० श्राद० ए० कलकत्ता में रजीस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908, (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 28-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से आधक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, जिम्मिकीचित उद्देश्य से उक्त अंतरण कि सिकत में वास्तीयक कप से कि वा नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई फिसी आय की बाबत , उक्त अधि → रिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कसी करने या जससे स्थाने में सुनिका के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय वा किसी भन वा बस्य जास्तिमी की जिल्ह भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंकरिसी द्वारा प्रकट नहीं विध्या गया था या किया जाना शाहिए था, जिलाने में सुनिशा के हिनए;

शतः जन, रुपत नीपनियनं को भारा 269-मु में यनुस्त्य हो, हो, उपत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (१) है स्थीन, किल्कीनियस व्यक्तिनी, व्यक्ति क्र- (1) मसुबारा प्रापर्टीज प्रायवेट लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

(2) कनिका मेमोरियल ट्रस्ट।

(ग्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्तित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## प्राप्त

श्राफिस स्पेस नं० 8 सात तल्ला 1148 वर्ग -फुट 2/7 सरन बोस रोड, कलकत्ता सब रजिस्ट्रार श्रव एकोरेंस कलकत्ता के पास रजिस्टड हुआ।

दिल्ल मंख्या 8234 से 28-6-1985

णेख नईमुद्धीन सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक :- 14-2-1986

मोहरः

प्रकप बाह्र दी . एन . एस . ------

भागकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के अभीन स्पना

### नायुव चरकार

# कार्याजय, सहायक जायकर नायुक्त (निद्रीक्षण)

धर्मन रेंज-3, कलकला

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० 2128/एक्वि श्रार-3/कलकत्ता/85-86---यतः, मुझे, शेख नईमुहीन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० 2/7 है तथा जो सरत बोम रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण का से बाणत है), रजीम्ट्रांकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय एस० श्रार० ए० कलकत्ता में रजीस्ट्रांकरण श्रीधिनियम 1908, (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक 29-6-1985

को पूर्वों त सम्पात्त के उणित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वें कि संपत्ति का उणित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ज के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नोलिसत उद्देश्य से उस्त अन्तर्ज मिलिस में बास्स-विक स्प से कथित नहीं किया जबा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, सकत अधिनियप के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (च) ए सी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अर, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ों. म<sup>3</sup>, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कै अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) भमुतारा प्रोपर्टीज प्राईवेट लिमिटेख। (अन्तरक)
- (2) मास्टर गौरम मुदाना (माईनर)। (अन्तरिती)

भा वह स्थान वासी करने पूर्वीक्त संपत्ति के सर्वन के तिह कार्यवाहियां गुरू करता हुं!

## क्ष्मरा संपत्ति को क्षमिन हो संबंध को काई भी कालक ह----

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की लाइनेख है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी खेपास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रमुक्त सक्दों और पदौ का, को उपल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **मन्स्**ची

श्राफिस स्पेस नंबर 4, पाँच मला 997 वर्ग फुट 2/7 सरत बोस रोड, कलकत्ता-20-सबरजिस्ट्रार श्राफ एश्योसो, बलकत्ता के पास 29-6-1985 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हश्रा है।

दिलल मंख्या 111666 तारीख 29-16-1985

शेख नईसुद्दीत सक्षम प्राधिकारी सहातक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक :--1 4--2--1986 मोहर :--

## अक्ष्यु आहें <u>, हो . एव .</u> पुत्र <sub>न</sub>न्नन्नन्तर

बायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) वो मभीन स्वाना

### भारत तरकार

कार्यांस्थ, अहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकता, विनांक 14 फरचरी 1986

निदेश सं० ए० सी०/2129/श्रक्षियू० श्रार०-3/कलकत्ता/ 85-86--यतः मुझे शेख नईमुद्धीत

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अस्थ 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 2/7 है तथा जो सरन बोम रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० श्रार० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधोन दिनांक 28-6-1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित वाचार मृत्य से कम के क्यवान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित वाचार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब थाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्ति विक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, छक्त बॉबिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धिमित्क में कमी करने या उससे मचने में सूर्विधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सूर्विधा छे लिए;

विदः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उन्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) मनुवारा प्रोपर्टीज प्रायवेट लिमिटेड। (शन्तरक)
- (2) बेजल कन्स्ट्रक्यनसः।

(श्रन्तिरतो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता॥ हुं।

दक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ६→

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन करी सविभ का तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, को बी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में किसी अवित बुवारा;
- (क) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# क्यूस्वी

1062 वर्ग फुट श्राफिस स्पेस नंबर 3 सात तल्ला 2/7 सरन बोम रोड, कलकत्ता-20

सब रजिस्ट्रार भ्रब ऐगोरेंस के पास तारीख 28-6-85 को रजिस्टर्ड हुमा। [विलेख सं० 11163 तारीख 28-6-85/

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (जिरोक्षण) श्रजन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक :-- 1 4-- 2-- 1986

## प्रस्य बाइ, टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सूचना

# कार्याजय, तहायक आयर व्यायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, क्लकत्ता

कलटासा, दिनांक 14 फरवरी 1986 निदेण मं० 2130/एक्यू केंच-3/इसकत्ता/85-86--श्रतः, मुझे यो ऊनईमुई/न

आयकर अधिकार म, 1961 (1961 का 43) (भिसे इसमें इसके पश्चाः अकत अधिनियमं कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्ष्म प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 2/7 है तथा जो सरत बोस रोड, ालवन्ता-20 में स्थित है (स्रोर इससे उपावड श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विषित है), रजीस्ट्रीवर्ता श्रीधवारी के वार्यालय एस० श्रीर० ए० व्लयक्ता में रिजस्ट्रीवरण स्रिधिनियम 1908 (1908 ा 16) के श्रीधीन दिनांक 28-6-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथप्योंक्त तम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उचत अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उम्रत अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 262-घ की उपधारा (1) के अभीतः, निम्निलिखन अक्तियों, अर्थात् :—— 22 —516 G1/85

- (1) बसुधरा प्रापर्टीडज प्राध्वेट लिमिटेड। (प्रम्तरक)
- (2) शिबिस्कास प्राजेकृत प्रायवेट लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता॥ हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकरो।

स्पष्टोकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# वनसूची

2/7 सरत बोस रोड, क्लकत्ता-20 क्रिमें प्रव स्थित मकान का छतल्ला में 2062 वर्ग फ़ीट का ब्राफ़िस स्पेस नं∘ 5, जो सब रिजिस्ट्रार एसुरेन्सेस का दफ्तर में डीड नं∘ 1, 11162 के अनुसार 28-6-1985 तारीख ह्र रिजिस्ट्री हुआ।

> णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सह्यक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रैंज−3, कलकत्ता

दिनांक '-14-2-1986 मोहर

## विकास कार्योः की । एक व क्षेत्र ना अन्यतम्बर्धानां कार्याः

# बाय्कार व्यापिनियम्, 1961 (1961 का 43) वर्षे योरा 269--व (1) ने बंधीन स्वना भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन रेज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 14 फ़रवरी 1986

निर्देश सं० 2131/अक्वि० ग्रार०-3/कलकत्ता/85-86--यतः मुझे, शेख नईम्हीन

शायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विक्र **स्थर**े उत्तरक्षे पत्रमात् 'उपत अधिनियम' कहा नवा ही, को बाख 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विकास कर्य का कारण है कि स्थावर अम्पत्ति, विसका **उपित्त वाचार भूव्य** 1,00,000/- रः. से अधिक **है** 

ग्रीर जिसकी सं० 2/7 है तथा जो सरत बोस रोड, कलकता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची है श्रीर पूर्ण क्ष से वणित है), रजीस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय श्राई० ए० सी० श्रांक्व० श्रार०→3, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 20-6-1985

🔐 ूर्वोक्त संपत्ति के उक्तित बाजार मूल्य से कम के 🛚 🐯 समान utaफल के लिए जन्सरित की गंड 🐉 सौर नुर्जी करने का कारण है कि सथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाबाह भूम्ब, असकी रश्यभानं पीतफल से, एसि काबसान प्रतिकार का रुक्छ प्रतिकत ते विभिक्त है गीर अन्तरक (अन्तरका) कीर वन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एरे वस्तरक वे विश्व बन नामा गमा प्रतिकृत्व निक्तितियत उनुवरेष के उपक अन्तर्य लिक्सि में नामाविक रूप वे करियह सुनी किया बया ही:----

- िको कायरण में सूजी किसी शब की दावस संबंध नहीं न हैंबरम के अपरेन कार क्षेत्र में कम्प्रतक में सावित्र में क्यी करने मा उन्नमें मुलक्ष में बृषिया के शिक्; *त्रीश* चा
- (क्यू अन्ती किल्सी कार पर प्रिजी भन मा अञ्च लाविसामी को, चिन्हें बारतीय नामकर विद्विवय, 1922 (1922 का 11) या उच्च अभियमियम् या अनः आहार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो**च**-राम व<sub>ि</sub>न्द्राति दे<del>पाय प्रकट नहीं</del> किया पत्रा वा ना टैक्स्स जाना चाहिए या रिष्टाने में मुजिया 🔏 MY .

अतः अबः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्हें अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) क मनोग्रा, निम्भीयद्याय व्यक्तियाँ॥ अवदेश छ---

- (1) बसुधरा प्रापर्टीज प्रायवेट लिमिटेड। (भ्रन्धरक)
- (2) मेसर्स एं० के० कम्शियल कम्पनी। (भ्रन्तरिती)

के वह बुलवा प्राप्त करूने वृत्तीयन बर्मारन के नपंत्र के विक् कार्यपादियां करता 🗱 🗀

बक्त कम्परित के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी अख्येप हन-

- (क) इस ब्रुक्त के अक्रमन में प्रकारन की ताएकि वे 45 दिव की बद्धीय का तत्त्वस्थानी अवस्तियों पर स्थाना **की ताबी**ल से 30 दिन की अवधि, जो भी नगीन काय के सकान्य होती हो, तके भीतर पूर्वनिक व्यक्तिको भे से किसी व्यक्ति वृधासः;
- (क) इस प्रवा के शक्यक के अध्यक्त की तारीख थे 45 बिन के भीचर उपक स्थावर सम्पत्ति में हिराबब्ध विक्री शन्य व्यक्तित् कुनहस्य अभाष्टरताकारी के पास कि किन में भिक्स यातकों गेर

को उपर <del>रचळीकरूनः —-१</del>वमें प्रवृक्त बच्दों धीर पर्यों का, विभिविषय के बच्चाय 20-क में परिकारिक है, तही वर्ष शोवा, जो उस अध्याय में विका नवा 🛫 ।

**प्रनुस**ीं।

2/7 सरत बोस रोड, कलकत्ता में प्रवस्थित महान का 5 तरूना में 2003 वर्गफीट 🕾 मफ़िस स्पेस नं० 8. जो स्नाई० ए० सी० भ्रविव०श्वार०-3 कल इंसा के पास सिरियल 3 7ईई/ 1 3 0/प्रक्वि/प्रार० → 3/एलकत्ता/ 85 ~ 86 श्रनुसार 20-6-1985 तारीख में रजीस्ट्री है।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज~3, कलकत्ता

विनांक: 14-2-1986 मोहर ।

प्रकार कार्य . टी . एन . एस . ----

भायकर भिन्निसभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मभीन स्थाना

### THE TANK

# कार्यातम, सहायक नायकर वास्वत (निरोक्तन)

प्रर्जन रेज-3, कलकसा कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986 निदेश मं० 2132/एक्यू० रेंज-3/कलकत्ता/85-86---यतः मुझे, शेख नईमुद्दीन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका सजित बाजार मृत्यू 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिल्ली संव 2/7 है तथा जो सरत बोस रोड क्लकसों में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजीस्ट्री तर्ती श्रधिशारी के कार्यालय श्राई० एव सीव एक्पूव रें:--3 कल इसा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 ा 16) के श्रधीन दिनांक 10--6-1985

को पूर्विवस सम्यन्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, जसके दश्यकान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल के पंद्र प्रतिकत से आधिक है और जंतरक (जंतरकों) और जंतरित (अन्तरितियां) के बांच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त-

- (क्रं) बन्धरम संश्रृष्टी जिल्ली बाव की बावता, सक्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक ब्री शाबरन में कर्मी कर्मी का उससे दणने में सूदिया के मिए; बॉर/पः)
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या सम्य जारिसवां स्ट्रें, जिन्हें भारतीय नाय-कर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उन्हें अधिनिवस, या धन-कर विधिनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जवर भा या किया जाना शाहिए था, क्रियाचे में सुविधा औ निवस;

अतः जब, उन्त विधिनियम की बारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-व की द्वथवारा (1) के वधीन, जन्मनिविद्य व्यक्तियों, वर्षात् हे— (1) बसुन्धरा प्रापर्टीज प्राईकेट लिमिटेड।

(म्रन्तरक)

(2) मेसर्स ए० के० कर्माशियल कम्पनी। (भ्रन्तरिती)

का कह सूचना जारी करके पृथानित सम्पर्टित के वर्षन के बिए कार्यवाहियां करता हो।

अन्त संपत्ति को अर्जन् के संबंध में करोड़ों भी आक्षोप :----

- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों यह सूचना की तामीन से 30 विन की अवधि, को भी वर्वीय बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वों कह व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत में प्रकारका की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्रकृष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

लच्चीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सम्बों और पूर्वों का, हो उक मधिनियम के अध्याप 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा श्या है।

## अनुसूची

2/7 सरत बोस रोड, कलकता 20 में श्रव स्थित मकान का पाँच तल्ला 1062 वर्ग फ़ीट का श्रिफ़िस स्पेस नं० 3 जो सिरियन नं०  $37 \hat{s} \hat{b}/129/$ एक्यू० रेज-3/कलकत्ता 85-86 के श्रनुसार 2!-6-1985 तारीख में रजिस्ट्री हुँई।

शेख नईमृद्दिन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, कलकसा

दिनांक: 14-2-1986

# प्रकार कार्युः द्वीत प्रकार प्र**प**्रकारकारक

बारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्वमा

# नारव प्रकार कार्याक्य, सहायक मायकर मायकर (निरोज्ञाण)

ग्रर्जन रेज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986 निदेश सं० 2133/एक्य्यू०रेंज- /3/कलकत्ता/85-86--ग्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्यास् 'उक्त अधिनियम' कहा थवा हैं), की भारा 269-च के वभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करसे का कारल हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाकार मूल 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 230 रु है जो श्राचार्य जगवीय जन्द्र बोस रोड कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में श्राई० ए० सी० एक्यू० रेंज -3 कलकत्ता में रजीस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908, (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 24-6-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त सम्पत्ति का अधिक बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत से, एवे अवनाम प्रतिकृत का पत्ति का पत्ति

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत्, उक्त अभिनियम के संधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में कमी कड़ने वा उन्नचे सकते हैं सुविधा के [सए] अडि/बा
- (ण) ऐसी किती नाव वा किसी भव या कत्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना वाहिए था, किया स्वीका के निए;

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधी, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।— (1) मेसर्स नरसिंह दास इन्डोनियम एन्टरप्राईजेस प्रायवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती विद्या सेख शेखर्सारमा।

(ग्रन्तरिती)

की वह सूचना जारी करके वृजीकत सम्पर्वस्त के अभेन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

# बन्द स्थ्यति से वर्षम् से संबंध में शादि भी नालप् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की अविध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी जबीप बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मा शकाशन की तारांख सं 45 विश के भीत्र उक्त स्थावर सम्मति में दिश-क्षुण किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी क् भार सिवित में किए जा स्केंगे।

स्थळीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्यास 20-न में पा भाषित है, वहीं अर्थ हांगा, आ उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रमुसूची

230 ए० म्राचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड, में म्रबस्थित सम्पत्ति का 10वां तल्ला म्राफ़िस में ब्लाक नं० 2 जो म्राई० ए० सी० एक्यू० रेंज०-3 कलकत्ता के पास सिरियल नं० 37ईई/एक्यू० रेंज-3/163/85-86 के मनुसार 24-6-1985 को रजीस्ट्री हुमा है।

शख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेज-3, कलकत्ता

दिनांक: 14-2-1986

मोहर।

प्रकार वार्षः ही. एवः वृत्तः प्रकार

# बावकड विधिन्त, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के स्वीप क्या

### HIGH WATE

# कार्यालय, सहायक नायक र नायक (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० 2134/एम्यू० रेंज-3/कलकत्ता/85-86---अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रकात् 'उन्त् अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० 38 लेक गार्डन्स एवं 32, डाक्टर दाऊदर रहमान रोड, कलकत्ता स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजीस्ट्रीक्तां अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक 5-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान्
प्रतिफास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्मित्त का उधित बाजार न्स्य उसके क्यमान प्रविक्त है, एस क्यमान विद्यास का नम्द्रह प्रतिकृत से विश्व है और अन्तरक (अन्तरका) तौर अन्तरिती (अन्तरित्या) के बीथ एसे अन्तरक के सिए यन पाना म्या प्रतिकृत, निम्नीनीकत जुड़केस से क्यम न्यास्त्र विश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया यहा है ——

- (क) बन्तरण सं धुर्द किसी बाय की पावतः, उपता अधिपियम के अधीन कर दोने के बन्तरक क्षे धायत्व को कनी करने वा उपसे न्याने में धृषिणा के किए; बॉह/या
- (क) होती किसी बाब या किसी अन या बच्च वास्तियों को, बिक्हें भारतीय बाय कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा प्रकृत अधिनियम, या धनुकुत अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रवाचनार्थ बन्दरिती ब्वास प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था स्थिपान में सुविधा को निक्;

क्छः वय, उथत विभिनियम की भारा 289-व के प्रयुक्त को, जी, उसत अधिनियम की भारा 269-व की उपवारा (1) के वभीन, निम्निवियत व्यक्तिकों अवित् हम्म

- (1) श्री अणोक कुमार ्द एवं अन्य। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती पुष्पावित सूद। (अन्तरिती)

को वह बुचना जारी करके पृथानित संपरित के वर्जन के जिल कार्यगाहियां सुरू करता हुएं।

उक्त उम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप ह—

- (क) इस ब्यान के राजपण में प्रकाशन की तारील से 4.5 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी अयिक्तयों पर ध्यान की तामील से 30 दिन को अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, अ भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किली व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना को राज्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य श्वकिर द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकोंगे।

ज्याकीकरणः— इसमें प्रयुक्त संख्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस ियाय में दिवा जवा हैं।

# **प्रनुसू**ची

841 वर्ग फुट 32 डाक्टर दाऊदर रहमान रोड; कलकत्ता सक्षम प्राधिकारी के पास 5-6-1985 दिनांक में रजीस्ट्रीकरण है।

> णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 14-1-1986

मोइर :

त्ररूप आइ.टी.एन.एस------

बाधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

### नारत तरकार

# कार्यालय, सङ्गयक कायक्त्र आयुक्त (रिगरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता जनकत्ता, दिनांच 14 फरवरी 1986

निदेश सा० ए०सी ०/एक्यू ० रेंज-3/कला०/1985-86-अत: सके, शेख ाईसहीन,

कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिस्की सं० 54 है तथा जो साउथ पार्क कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इनमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का में वशित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के त्यित्य, सक्षत प्राधिकारी में श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के अर्थात, वारीख 24-6-1985

को पूर्वे ति सम्पत्ति के उचित बाजार नृत्य से कम के उस्पनान प्रतिकास को सिए बन्धिरते की नई हैं जारे मुक्ते वह विश्वास करने का कारण हैं कि सभा पूर्वोक्द तम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तर्के क्यमान प्रतिकास से निष्कु प्रतिकास से मिथक हैं आर अंतरका (बंतरका) और अंतरिती (बंतरितिका) को बीक एसे जन्मरूप के निष्कु सब पामा मना प्रतिकान, निम्मिसिक्त उद्योध्य से उक्त अन्तरण निष्कुत में बाक्तिका कम से क्यित नहीं किया गया हैं दे—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी जाय कर्त बन्तरण, उचल अधिनिधम के अधील कर बने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) होसी किसी गांध या किसी धन का कर्य असीस्वर्ग को, किन्हों मारसीय जावकार स्थितियम, 1922 (1922 का 11) या अक्स अधिनियम, सा धनकार अधिनियम, सा धनकार अधिनियम, सा धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को अध्योजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रणाट नहीं किया क्या था या किस्स काम कान्द्रित कर किसा में सुविधा के सिए;

जत: नम, उक्त जिथिनियम की भाषा 269-ग के जन्मरण भी, जी, उक्त विधिनियम की पाषा 269-य की वनभाषा (1) के प्रधीन निम्नलिकिस व्यक्तिकों, अर्थात् :— 1. मै० तिगमा प्राईवेट िमिटेड।

(अन्भरक)

2. श्री बिभास चन्द्र दत्त एव अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के नर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संगीत के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है वे 45 जिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर मूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी जनिथ ताद में समाप्त होती हो, के भीचर पूर्वोंक व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्यारा नथांहरताक्षरी के पाठ निर्माश में फिट्ट का क्योंगे।

र्यन्तिकारणः — इसमे प्रमुक्त कर्काजीय पर्योका, जो स्वयं जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, कही कर्य होगा औं उस अध्याव में विकास कृत है.!

### वनसूची

प्लाट नं० 32, पांच तस्त्रा, 985 वर्गफुट, 64 साउथ एन्ड पार्क, जलकत्ता-29। सक्षम प्राधिकारी के पास 24-6-1985 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∽3, कलकत्ता

तारीख: 14-2-1986

मोहर 📜

# সভৰ ৰাষ্ট্ৰ শ্ৰী, বৃদ্ধা বৃদ্ধা লাভ লাল ল

# मायक प्रतिस्था, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) से मजीन सूचना

### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जाः नीज-III, एक्यन्ता कल्एता 16, दिनांक 14 फण्वरी 1986 निर्देष सं०ए०सी० क्यू०/रेज-III/एक०/1985-अर--अतः मुझे, शेख नर्धमृद्दीन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- कि. से शिधिक है

स्रोत िक्षकी सं० 34/1 है तथा जो सरा बोटा रोड़, उल-उत्ता-20 में स्थित है (श्रीस इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधितारी में, र्षिस्ट्रीतरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-6-85

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्सि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बेल्प एस अंतरण के सिए एस पामा गमा प्रविक्त फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण सं हुए भिन्ती बाव की वावकः। वस्य व्यक्तिनसम् के तथीन कर दोने के वस्तदक को विवस्य जो कारी करने का उससे समले में स्विया के किए; विवह
- (व) ऐसी किसी भाग या किसी भन या बन्य अस्तिकों स्तो, विन्ही भारतीय आयकर अधिनियंत्र, 1922 (1922 को 11) या उकत अधिकियम, या वन- अधिकियम, या वन- अधिकियम, या विन्न क्या अधिकियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रशोवनार्थ जन्तरिती येगारा प्रकट नहीं किया यवा वा या विकार वाला वाहिक का, किया में वृतिका ले किया ने वृतिका ले किया ने

जल: जन, उक्त विधिनियम की गरा 269-म के मनुबर्ध में, में, उक्त विधिनयम की भारा 209-व को उनवारा हैं1) के मुर्शन, निम्मसिवित व्यक्तियों, मक्क्री क्रुक्त 1. मै॰ मिगमा प्राईवेट लिमिटेड।

(अन्तरकः)

2. श्रीमती कांना नुमारी जैन और अन्य (अन्तरिती)

काँ यह सूचना कार्री कारके पूर्वोधना सम्मति को अर्थन के जिल्ल कार्यवाहियां करवा हूं।

# वनस वन्निस के बर्धन के बन्नान में कोई भी असार हुनन

- (क) इंख ब्यना के शब्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की समीध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीस से 30 दिन की समीध, को भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रविद्या व्यक्तिमें में से किसी व्यक्ति हुए। या
- (प) इस स्थन के धवयन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवह्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहसाक्षरों के पाष्ट सिर्धित में किए का सकेंगे।

स्वक्रोकरण :---- श्वमं प्रथमत बन्दां शीर पद्यों का, जो उत्वस जीवनियम की वश्याय 20-क में शीरभाश्यित हैं, वहीं कर्ष होता, जो नस कश्याय में शिया गरार हैं।

### बन्स्ची

प्लैंट नं० ए-6, सात गल्ता, 39/1, सरम बोस रोड़, कलक्ता-20 1615 वर्ग फुट। सक्षम प्राधिकारी के पस 26-3-85 तारीख में २िक्ट्रीयरण हुआ।

> ं शेख नईमुद्दीन नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण) ार्जन रेज-III, उत्तरक्ता

नारीख: 14-2-1986

मोद्वर 😢

प्रकप कार्य<sub>ा </sub>टी<sub>ड</sub> एक<sub>ी</sub> एक <sub>न</sub> १५५०क

अभिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

### नारत चरकार

# कार्यकर, बहायक बायकर बायून्य (विर्दीवाय)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०/रेंज-क्यू०/कल०/1985-86—अतः, मुझो, शेख नईमहीन,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसवें इसकें परवात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० 2 \$ 3 - ई० है, तथा जो नेताजी सुभाष चन्द्र बोस रोड़, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप में विण्तः है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एम० ग्रार० ए० जलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 24-6-1985

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथान्वीं उत्त संपीत्त का उचित बाबार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से ऐसे द्रयमान प्रतिफल के शब्द प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) से बीच ऐसे अन्तरम के सिए उच बाया गया प्रतिफल, निम्मनिधित उच्चेषय से उसत अन्तरम निम्मनिधित उच्चेषय से उसत अन्तरम

- (क) अंतरण ने हुई किसी जाय की वायरः, उपर अभिनियम के अधीर कर दोने के अन्तरक की शामित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा जो निष्; जोर/वा
- (वा) एसी किसी नाम या किसी भन या जन्य जास्तियों की चिन्हें भारतीय आवकर निर्मानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था रा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिया के विष्

कतः जब, अक्त विभिनियम की भारा 269-ण के जनुबरण मो, बों, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीत, निम्नतिविद्या स्थानिकायों, जर्मात् प्र—→ 1. सलाब बिल्डसं।

(अन्तरक)

2. श्री पियूष कान्ति कुण्डू

(अन्तरितो)

को बहु सूचना चारी करकी पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन को सिए कार्यवाहियों करता हुं।

## क्रक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी मासीय :---

- (क) इस तुमा के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूमना की तासील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति बुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपति मेक्ष हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृदारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्यक्ष्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पर्वा का, श्री सम्बा अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

## नगत्त्वी

235-ई, नेताजी सुभाषचन्द्र बोध रोड, क्लकत्ता जमीन 3 काठा, 14 घटोक, 24 वर्ग फुट सक्षग प्राधिकारी के पास 24-6-85 तारोख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

> शेख नईमुदीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 14-2-1986

प्रकृप आर्ड ही एन एस .-----

वर्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की

नायकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के ब्योग स्था

भारत सरकार

कार्यां नय , सहायक नायकर आवृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकसा, दिनाँक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2/38/एक्यू श्राप-III/कल०/1985--86---श्रतः मुझे, शेख नर्डमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित विसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं 18/2 है तथा जो गरियाहाट रोड. कलकत्ता में स्थित है, (स्रोर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वांणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 5-6-1985

को पूर्वोक्स संगरिष्क के अणित बाजार जूनन से कर के कामान प्रिटक्स के लिए बन्तरित की गई है जीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बचापूर्वोक्स सम्पर्दित का जीवत बाजार गून्य, उसके कावनान प्रतिक्क्स के, एोबे कावनान प्रतिक्क्स का पंक्र प्रतिक्षत से अधिक है बीर अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष जिन्नितियों, ज्येविक स्वे कार्यका से उसत अन्तरण निस्ति में बास्त-विक कप से कार्यस नहीं किया महा हैं----

- (क) नन्तरून सं इन्हें किसी नाय की नावस, उत्तर निमित्तवस के नधीन कार दोने की अन्यरक की वानित्य में किसी करने मा उससे वसने मा मुक्तिका के निए; बहि/बा
- (स) ऐसी किसी बाब या किसी धन या जन्य आहिस्तथाँ कां, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियस मा धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) में प्रकाजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था स्थिनने में सुविधा के लिए;

गतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन. जिस्तिविक्ष व्यक्तियों, अर्थात कि.

1. श्री रघुमन्स लाल कपूर

(भ्रन्तरक)

2. भीके प्रोपर्टीज प्रा० नि०।

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (स) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 बिन की अविध या तत्संबंधी स्वित्तमों पर स्थान की तामील से 30 बिन की अविध, यो भी अविध साथ में समान होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से फिसी स्वित्त ब्याश;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मों हिसबद्ध किसी सन्य स्थावित ख्वारा कथोहसारकरी की पार जिल्हा मों किए का मुकाँगी।

लाष्ट्रीकरण: इसमें अमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ द्वांगा. जो उस अध्याम में दिया हैं।

### वन्स्ची

फ्लैट नं० 5-बी, छय तप्ला, 18/2, गरियाहाट रोड, कलकत्ता-19 में सक्षम प्राधिकारी, के पापदिनांक5-6-85 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

> शेख नईमुद्दीनं सक्षम प्राधिकारी पहायक श्रायकर श्रायक्त (नित्रीक्षण) श्रर्जन रेज-4, कृतकत्ता

तारीख: 14-2-1986

प्ररूप बार्ड .टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 14 फरवरी 1986

निदेण 2139/एक्यू/R-III/कल०85-86--प्रतः मुझे, शेख नईम्हीन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्मके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिमकी सं० 2 है, तथा जो रोनाड रोड़, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्सूह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए, और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी अन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाना चाहिए था, कियाने में मुविधा के लिए;

भतः वय, उस्त मिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण थें, मैं, उस्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, किम्निलिकित व्यक्तियों, अधीत '---

- मैं० दामोदर रीपस्रये एवं कन्स्ट्रक्शन को० प्रा० लि० (प्रत्नरक)
- श्रीमती द्रोपदी देवी एंगाना और श्रन्य (अन्नरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप :--

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिठ-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त सम्यों और पर्वो का, जो उक्त श्रीभृतियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याथ में दिया गवा है।

#### वयं चर्ची

2201 वर्ग फुट, पाँच तला, 2 रोलान्ड रोड़, कलकत्ता सक्षम प्राधिकारी के पान रजिस्ट्रीकरण हुन्ना 5-6-85 तारीख में।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 14-2-1986

मोहरः

## प्ररूप मार्ड, टी. एन. एस्.-----

भाष्यकर मिर्पिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीन स्चना

### शाउँव स्टब्स

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्स (निरीक्षक)

ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 14 फरवरी 1986

निर्देश 2140/एक्यू० श्रार०-III/कल०/1985- 86---श्रतः मुझे, शेख नईसुद्दीन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पहच्छा (उसत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन लक्ष्म प्राधिकारों की, यह विष्याम करने का कारण है कि स्थावर सर्पात्त जिसका उचित बाजार मुन्स 1.00,000/- रा. में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 38, लेक गाडेन्स है तथा जो 32, डाक्टर दाईदर रहमान रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबस्न श्रनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उसते अन्तरण विखित में अम्तिवक रूप में किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत अक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कसी करने या उत्तसे अधने में सुविधा भी लिए, स्ट्रांश
- (क) एती किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय श्रिककर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्राप्ति अधिरियम, ना धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिभाने में सुविधा है तिए;

जरा अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लीसिवित व्यक्तियों, वर्षात् में—

- 1. मेसर्स ए० एवं ए० डेवलपमेंटस प्रा० लि० (श्रन्तरक)
- 2 श्री कैलाश चन्द्र मोडानि।

(श्रन्तरिती)

की बहु सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अजन के जिए कार्यवाह्नियों करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपंत्रि में हितमब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और घदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषितः ही, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया श्या ही।

#### बनसंची

1200 वर्गफुट, फ्लैट नं० 21, 38, लेक गाडेन्स एवं 32 डाक्टर दाईदर रहमान रोड, कलकत्ता~45 सक्षम प्राधिकारी के पास 5~6-85 तारीख में रिजस्ट्रीकरण हुआ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 14-2-1986

मोहरः

in trade in the particular particular in the particular continuous and the particular continuous

प्रसम नाइ. टी. एन., यस., -----

नायक द्र विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के मधीन स्वना

### भारत सहस्राह

## कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्ष्ण)

म्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

, कलकत्ता, दिनाँक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०/रेंज $-4/\pi$ ल०/1985-86--ग्रतः मुक्षे, <mark>गेख नई</mark>मुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास सरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 3-ए है, तथा जो माधव चटर्जी स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 24-6-198

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयाह कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के निए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उस्तरेष से उस्त अन्तरण किथित में अस्ति के सम्तरण किथित में अस्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है क्रि

- (क) अन्तरण से तर्क किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियस के अधीन कर दोन के अन्तर्क अर्थ दामित्व में कमी कारने या नससं में बड़े में शृक्षिका के निए; आर्/बा
- (च) ऐंदी किसी जाम या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा भन-कर लिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना आहिए था, छिपाने में मृबिभा के किया

बतः अव, उत्त विभिनियम की धारा 269-म के बन्हरू में, में, उत्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नर्लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती कनक मैत्र

(ग्रन्तरक)

 श्री भुषतराय नानालाल साहु रमा साहु:। (ग्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्सि के अर्जन के सिष्ट् कार्यवाहिया करना हों]।

### उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस ने 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, को उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

# श्रनु**स्**ची

656 वर्गफुट, 3-ए माधवलाल चटर्जी स्ट्रीट, कलकत्ता-20 सक्षम प्राधिकारी के पास 24~6~85 तारीख में रिजस्ट्रीकरण हुम्रा।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंजें⊶3, कलकत्ता

नारीख: 14--2-1986

## शक्य बार्च.टी.एन्.एस.-=-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### नारत सरकार

## कार्याजय, तहायक मायकर मायुक्त (निरीक्रण)

थर्मन रेज--3, कलकत्त्रा

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० 2142/एस्पू०/रेंज 3/बाल०/1985-86----श्रतः मुझे, शेख चर्रमृद्धाः,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

अंग जिसकी सं० 25 है तथा जो बालिगंज सम्बुलण गोड़, कलकता में स्थित है (और इसमें उपायद्ध अनुसूर्व में अंग पूर्ण का से विवाद है (और इसमें उपायद्ध अनुसूर्व में अंग पूर्ण का से विवाद है), भित्रहीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रिवर्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रिवर्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रिवर्स्ट्रीकर्ता 12-6-85 की पूर्विक्ष सम्परित के जीवर बाबार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिक्रव के निए अन्तरित की महाँ है और मुक्ते यह विद्यास अरत का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाबार ब्रुक्त, उसके क्यमान प्रतिक्रत से एसे क्यमान प्रतिक्रत का अन्तर्व कियाप प्रतिक्रत से विधिक है और अन्तर्व (अन्तर्कों) और अन्तर्व रिती (अन्तरितियों) के योच एते अन्तर्व अन्तर्व मिए तय पामा प्रवापतिकत, निम्तिविक्त का क्षमाय से उक्त बन्तर्व निवित् में कार्यविक कम से क्षमा का क्षमा स्था कार्यविक कम से क्षमा का क्षमा स्था क्षमा स्था से क्षमा स्था से क्षमा से क्षमा स्था से क्षमा स्था से क्षमा स्था से क्षमा स्था से क्षमा से क्षमा से क्षमा स्था से क्षमा से क्षमा स्था से क्षमा से क्षम

- (क) अंतरण से हुई किसी भाग की वावत, उक्त अधिनियम के क्षीन कुट दोने के बन्तरूच क वावित्व में कनी करने वा उत्तम अधने में शुन्तिला के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी नाथ वा किसी थन था बन्स आस्तियां का, चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या अवकर अधिनियम, या अवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रविचाल अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में हथिया के सिए;

कतः अय, उनत अभिभिन्यमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत सिभिन्यमं की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1 मैं वालना इन्वेस्टर्स प्राईवेट लिमिटेड

(अन्तरक)

2 श्री गोपाल दास टंडन और श्रन्य।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के बाह्य लिखित में किए जा सकती।

स्यष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का, जो छक्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अर्थाय में दिन्य मबाहै।

## **मनुस्**ची

2591 वर्गफुट, 25 बालिगंज सम्बु:लर:रोड़, कलक्ता--19 में सक्षम प्राधिकारी के पास 12--6--85 तारीख़ में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

> णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶3, कलकत्ता

तारीख: 14--2-1986

प्रस्थ बाह् ् दी. एवं ् एस. ४-४-४--

नायफर जिपिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-ण (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)

ार्जन रोज 3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनाक 14 फरवरी 1986 निर्देश सं० 2143/एक्बि/रोज-3/कल०/1985-86----

भ्रतः मझे, शेख स्ट्रीमदीन,

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हाँ), काँ भारः '69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करक 1.25.2007-राज्य अधिक हाँ

1, ३६, १९०/- सं सं अधिक हैं
और जिसकी सं० 25 हैं, नथा जो बालीगंज सरकुलर रोड़, कलकत्ता-19 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूर्जी में और पूर्ण क्य में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, सक्तम प्राधिकारी में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, सक्तम प्राधिकारी में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकियम, 1903 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26-6-85 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विकास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्ति सं अधिक हैं और (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितिमाँ) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया कितफल, निम्नलिखित उस्वेदिय से उक्त साम्प्रति के भारतिका, निम्नलिखित उस्वेदिय से उक्त साम्प्रति के भारतिका, निम्नलिखित उस्वेदिय से उक्त साम्प्रति के भारतिका, निम्नलिखत उस्वेदिय से उक्त साम्प्रति के भारतिका स्था से क्षित नहीं किया गया है :---

- (क) क्षां १० सं हुन्। किसी आप की वाबस उपस सहित-विवय के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के सिये;
- (क) एसी किसी साम वा किसी थन बन्स वास्तियों को, चिन्हें भारतीय वासकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए भा कियाने में स्विका के किस।

जतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की थे उ 269-च की उपधारा (1) के स्थीन, निम्मसिचित व्यक्तियों, अभीत ⊪—

- 1. भसर्म कालना ईन्वेस्टर्म प्रा० लिभिटेख। (अन्तरक)
- 2. श्री निर्मल कुमार अगरवाला।

(अन्तरिती) ।

को यह सुधना जारी ऋदुके पूर्वोक्त सम्पोत्त के मजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी बन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकी वे

1650 वर्ग मीटर जमीन .25 बालीगंज सरकुलर रोड़, कलकत्ता--19 में सक्षम प्राधिकारी के पास 26--6--85 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

शेख तईमुदीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶3, कलकत्ता

नारीख: 14-·2--1986

प्ररूप आहर्ष. टी. एन. एस.-----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्चर्यना रोज--4, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986 निर्देश सं० 2144)एक्यू०/रोज अकल०/1985--86----श्रतः मुझे, शेख नदेश्हीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.,00.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव 38 है, तथा जो लेक गार्डेन्स, कुलकत्ता में स्थित है (और इसने उपाबद अनुसूची में अर्पर पूर्ण क्या से नार्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रिस्ट्रीकरण अधिकारी 1908 (1908 का 16) के अर्धात, तारीख 24-6-85

को पृथेक्ट राम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्रयमान प्रितिकल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से एसे स्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्ट्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में वाम्सिकिट, रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिष्टिन नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः उज्जः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ क्वी उपधारा (1) के अधीयः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- 1. मेमर्स ए० ए० डेबन्बब्स्ट्स प्रा० लि०।

(भ्रत्तरक)

2. श्री श्रमोक कुमार सूद।

(श्रन्तरितीः)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्स सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त **सिंग्नियम, के अध्याय 20-क में** परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

पलैंट नं ० ८, एक तल्ला, ३८, लेल गार्डेन्स, कलकत्ता--45 में सक्षम प्राधिकारी के पास 29-6-85 हारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

> शख नईमुईंन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रोज-3, कलकत्ता

त्रिक: 14-2 1986

अध्यय आर्था, टी. एम. एस.-----

बावकर विधितवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-५ (1) के नवीन त्यम

#### भारत परकार

## कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

प्रजीत रेजिं⊶4, दालकत्ताः

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

िर्देश स० 2145)एम्यू०/रेज--4/कल०/1985--86----श्रतः मुझे, गेख नईम्हीस,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 1.00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 38, लेक ग(र्डेन्स है तथा जो एवं 32, डाक्टर दाईदर रहमान रोड़, जलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण एव से पर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रिजस्ट्रीकरण शिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्र**धीम, तारी**क 5--6--1985

को पूर्वियत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान परिकल के लिए अंतरित की नई हैं और मुक्ते यह विपनास 'करन' का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार म्ह्य, उसके ११ यमान प्रतिफास से, ऐसे व्यवमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और बंत-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्नलिश्वित उत्वेश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित में के वास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- 🎮) अन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, उच्च अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: बरि/बा
- ं) ए<sup>:</sup>सी किसी बाय या किसी धन या अ**म्ब जास्तियाँ** को, जिन्हों भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के बलोजनार्थ जैसरिली द्वारा पकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा की ौअए:

न्त. बन, उक्त आधिरनयम की धारा 269-ग को अनुसरण 🏌 मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) ारे अधीन जिम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

EL PROBRIGADO DE LA PROPRIO ELECTRICA DE CONTRACTO DE PROPRIO EL PROPRIO DE CONTRACTO DE CONTRAC 1. समर्भ ए० और ए० डेबलपमेंट्स प्रा० लि० (अन्तरक)

2. श्री पुष्पानान सुद।

(भ्रम्परिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

## उन्त बन्दरिय के वर्षन के सन्धन्य में खोड़ी भी आक्षोप::---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस में 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध याव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास श्रिक्टिन में किए जालक गेः

स्पण्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सक्दों और पद्यों का, अरे उक्क अधिनियम को अध्याय 20-कामें यथा परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यान 🖈 विवा नवा है।

#### अमृसुची

1123 वर्षभूट, फ्लैट वं० 23, तीन तल्ला 32, डाक्टर दाईदर द्वारत रोड़, कलकता-45 में सक्ष्म प्राधिकारी, के पास 5-6-85 लारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

> शेख नईम्हीन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायका (निरीक्षण) धर्मन रेज--4, कलकत्ता

तारीख: 14--2--1986

## प्र**भप आर्थ**् **सी**. पुष**् पुष**्चारा सम्बद्ध

आयकर अभिनिक्स, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में सभीन मुभना

#### बारत बडाहार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनौंक 14 फरवरी 1986

निर्वेश सं० ए० सी०-2146/एक्यू०/रेंज-4/कल०/85-86---श्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

भावना निर्माणका, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निर्माणकार' कहा गया हैं), को धारा 269-स के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि वभावनीयत सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य 100,000/- रा. से नीयक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 38, लेक गार्डेन्स एवं 32, डाक्टर रहमान रोड़, ककलकत्ता में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबब ग्रनुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के स्वयंत्राम बितिकल के लिए मंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का बन्दि प्रतिकत कि दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का बन्दि प्रतिकत विभिक्त है और अन्तर्क (अंतरकों) और वंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के किए तब पाया गया प्रतिकल निम्मलिकिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि चित में बास्त्रीयक रूप से किथत नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई फ़िसी नाम की भावता, जकत अभिनियन के अभीन कर देवें की जन्तरक को श्रीवरण में कती करने वा उसके क्याने में सूमिश। में विद्या कींद्र/मा
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्स जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधीनियम या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अं प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जिल्लाने में बुविशा के लिए;

बतः भव, उक्त विभिन्यम की भारा 269-म के बनुबर्क मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) में अफीस, कि किविस्त व्यक्तियों, अधित् ह—-2.4---516 GI/85 श्री प्रणोक कुमार सुद ग्रीर ग्रन्थ।

(श्रन्तरक)

2. श्री कैलाश चन्द्र मोडानि ।

(भ्रन्तरिती)

को वह बुवना वाडी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

**उक्त सम्मत्ति के वर्जन के** सम्बन्ध में करेड़ें भी जाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन की व्यक्ति सा तस्त्रास्त्र की व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्योंक्त ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरिता में हित्तवद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी की पास विविक्त में किए जा सकोंने।

त्यख्यीकरण:—इसमें /पूनंत ग्रन्थां कं, पदों कंत्र, आं अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वहीं वर्ष होंगा वो उस अध्याय के विकासभा है।

## प्रनुसूची

1200 वर्गफुट, 38, लेक गार्डेन्स एवं 32, डाक्टर दाईदर रहमान रोड़, कलकत्ता में सक्षम प्राधिकारी के पास 5~6~85 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुन्ना।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज∼4, कलकत्ता

तारीख: 14-2-1986

मोहरः

## वक्य आहें, टीनु एसन् प्रयान व्यवस्थान

# बावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### शास्त्र स्रकाड

## कार्वासय, सहायक वायकर व्ययक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज $\sim 3$ , कलकत्ता कलकत्ता, दिनौंक 14 फरवरी 1986 निर्वेश सं० ए० सी० $\sim 2147/$ एक्यू० $/रेंज\sim 3/$ कल० $/85\sim$ 86 $\sim\sim$ ग्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (चित इतनें इसके परवात 'उक्त निर्धानयम' धक्क गया हैं), की भाष 269-क के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का नग्नक है कि स्थानर सम्पत्ति, विश्वास उपित वाचार न्रव

श्रीर जिसकी सं० 38, लेक गार्डेन्स एवं 32 डाक्टर दाईदर रहमान रोड़, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी, में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिवयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24-6-1985

को पूर्वोक्त तम्बत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के अध्यक्षान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मून्ने यह विश्वास करने का कारण है कि बंधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखित उद्वेष्ट से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है हैं —

- (क) बन्तरण से हुइ कितीं आय की बाबत, उक्त अभिनियत के अभीन कर दोने के बंतरक की दान्यित में कमी करने वा उत्तसे बचने में सुविभा के जिए; बौर/या
- (व) ऐसी किसी बाय या धन या बन्य वास्त्यों की, जिन्हों भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा बक्ट नहीं किया नेवा था वा किया बाना चाहिए था, कियाने के प्रयोजना के हिनए;

सतः थवः, उत्ततं तिभिनियमं की भारा 269-गं की अनुसर्भं भै. मैं. सकतं विभिनियम की भारा 269-घं की उपभारा (1) की अभीदः, निम्नसिवित स्पन्तियों, अर्थात् ——

- 1. मेसर्स ए० ए० डेबलपमेंट्स प्रा० लि०।
  - (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती मेधना सूद।

(भ्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्ववाहियां करता हं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति ब्वारा;
- (क) इस सुभान के सज्ज्ञान में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्यक्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त सम्बं और पर्वों का, को उनस व्योधीनवन, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याद में दिया भवा हैं।

## मनुसूची

1122 वर्गेफुट फ्लैट नं० 20 दो तस्सा, 38, लेक गार्डेन्स एवं 32 डाक्टर दाईदर रहमान रोड़, कलकत्ता में सक्षम प्राधिकारी के पास 24-6-85 तारीख में रिजस्ट्री-करण हुन्ना।

> शेख नईमुद्दीन नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~3, कलकत्ता

तारीख: 14-2-1986

मोहरः

प्रकृष बाह्र ही, एन एस . \*\*\*\*\*

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुमना

#### भारत सरकार

## कार्यालय सहायक जायकर जायुक्त (निर्वाचा)

श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनौंक 14 फरवरी 1986 निर्देश सं० ए० सी०~2148/एक्यू०/रेंज-3/कल०/85~ 86~~श्रतः मुझे, शेख नईसुद्दीन,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसके क्रिके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-के के अधीन सक्ता प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाजाद मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 38, लेक गार्डेन्स श्रीर 32, दि रहमान रोड़, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यीलय, सक्षम प्राधिकारी में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24-6-85 को पूर्वेश्वर अश्र्यास के उपात बाधार मुख्य स कम के सम्मान शितफ स के लिए अन्तरित की गई है और मुख्ये बहु विश्वाक रिपल से लिए अन्तरित की गई है और मुख्ये बहु विश्वाक रिपल से स्थान प्रतिफल के पन्तर का उपात बाधार पूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल के पन्तर शिक्ष तथा अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीय के एसे अन्तरण के लिए तथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वर्ध से उक्त अन्तरण स्थित स साम्बर्ध स स अविष स सम्मान स्थान स्थान

- (क) अन्तरण स हुइ किसी नाय की बाबत, उन्च अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाजित्व में अपनी फहुने या उन्नस्ट वर्ष अपने में स्वीतिधा के लिए; आहें/बा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनेयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वें प्रयोक्तार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नकी किया ववा वा या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा कें विकार

श्वतः अथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निस्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्री श्रशोक कुमार सूद ग्रौर भन्य ।

(मन्तरक)

2. श्रीमती मेधना सूद (माईनर)

(भ्रन्तरिती)

को नह ब्रुचना नारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यमाहियां करता होत्र।

उनत तंपरित के नर्पम के तंबंध में कोई ही नालेप:----

- (क) इब त्यक के राज्यक में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तिनों कर सूजना की तानीक ने 30 दिन की नर्नीक, के और नविध नाद में समाप्त होती हो, हो भीतर प्रकेष्ठ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के शक्त लिखित में किए जा सकी।

स्वच्यीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया

#### **गन्स्**ची

38, लेक गार्डेन्स एवं 32, डाक्टर वाईदर रहमान रोड़, कलकत्ता⊸45 में सक्षम प्राधिकारी के पास 24-6-85 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

> शेख नईमृद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज−4, कलकता

तारीख: 14-2-1986

## प्रकार महार्थे हो । हुन । हुन , १९०० व्याप्त

## प्राथकर विधिनिक्स, 1961 (1961 का 43) करें भारा 269-च (1) के नवीन क्वना

#### HUNG BURNE

## कार्यास्य, ब्रहायक नायकर वास्त्रस (निव्यंकान)

प्रजीन रेंज−3, कलकत्ता कलकत्ता, विनीक 14 फरवरी 1986

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 4-ए है, तथा जो लाला लाजपत राय सर्गत कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पक्षम प्राधिकारी, में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 5-6-85 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मूक्य वे कम के अवकान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि अधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूक्य, उसके अध्यमन प्रतिकत से, ऐसे अध्यमन प्रतिकत का पन्तह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिसी (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तम पामा प्राप्त अतिकत, निम्निवित उप्रदेश्य से उक्त अंतरण सिवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नंदरक से हुए किसी नाम की नामत, उनस करिय-पियन के नवीन कर दोने के नंदरक की साधित्य में कभी करने वा उससे वचने में सुविध्य के मिन्द्र; वरि/का
- (क) होती जिल्ही बाव वा किसी धम वा बन्ध वास्तिवाँ को जिल्ही भारतीय नावकर व्यक्तिनवन, 1922 (1922 का 11) वा उकत वीचिनवन, वा धन-कर अधिनवक, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ वैत्रीरती हमान्य प्रकट नहीं किया नवा धा का किया काल जाहिए था, कियान वो कृत्यधा के चित्र;

बक्द स्व, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के बन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियमें, अर्थात् :--

- 1. श्रीमती मैक्यभित गुप्त एवं स० सि० ध्रगरवाला। (श्रन्तरक)
- 2. श्री गनेशदास रामगोपाल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल् कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अग्रेडिंग या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की वनिष, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिवों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में दितवद्ध किसी नन्द स्थानर द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड स्थितिस में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सम्बां और पर्वो का, जो उक्त अधि-नियम, के बध्वाय 20-के में परिभाषित हैं, बहु क्षे होंगा को उत्त अध्वाद में दिवा क्या है।

पर्लैट नं० सी-, 1141 वर्गफुट, दो तल्ला, 4-ए, लाला लाजपन राय सरनि, कलकत्ता में सक्षम प्राधिकारी, के पास 5-6-85 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुग्रा।

> णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज−3, कलकत्ता

नारीख: 14-2-1986

हरून बार्ड . ट्री. एन . एस . -------

आयकार अधिनियम, 196/1 (1961 क्य 43) का भाषा 269-भ (1) के मधीन कुमता

#### हास्त परवार

## भावांबर, बद्धारक नामकर नामुक्त (निरीक्षण)

श्रजेन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 14 फरदेरी 1986

िनदेश सं० ए० की०−2150/पिन्विलारें≒−3/कल०,85− 86—च्याः मुखे, संद न\$म्द्रीत,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धाए 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारल हैं कि स्थाव्य सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

सीर जिसकी संउ 25-ए हैं, नथा हो सर्ग शेव रोड़, कलवसा में स्थित हैं (गीर इसमे उपादक अनुमुख्यों में सीर पूर्ण अप से अणित हैं), जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्ष्म प्राधिकारी कें, रिक्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, (1908 का 16) के प्रतिन, सारीक 26-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कथ के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि वभापवाँकत संपत्ति का जिल्ला बाजार मूल्य, उसके क्यानान प्रतिकक से, एसे क्यानान प्रतिक क का पंत्रह प्रतिकत से सिक है और मंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्य में बिए तब बाबा क्या प्रतिक कल निम्नलिसित उद्दिश्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बारुरण से हुए किसी बान की नानक, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण में सरिवाद में कनी करने का उत्तरे करने में सुविधा में जिन्हा मोह/का
- (व) होती किसी बाव वा किसी वव वा वस्थ वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्थानकार्य क्याहिसी कुंगरा प्रकट नहीं किए। प्रकार वा वा विकार का प्रतिहर था, कियाने में विकार के विक

अस्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269- को अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269- की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---- 1 श्री 🤋 पर विलासी एवं अया।

(भन्भरक)

2. शी गाजरधन दास मुधानिया

(ग्रन्सिरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### सकत सम्बद्धित को सर्वन को सम्बन्ध मी कोई भी नासांद्र:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीच से 45 विक् की अवधि वा तरच्यान्थी व्यक्तियों वर भूचना की तामीन से 30 दिन की जनधि, थो भी अवधि वाद में बजाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजधन को प्रकारन की शारीका है 45 दिन के बोधर उस्त स्थानर सम्परित में हितनकृष सिसी सम्य अवस्ति इनारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ सिसित में किए या सकोंगे।

रक्ष्मिक्ष्य:--इसमे प्रमुक्त सम्बद्धे स्तर पत्नों स्तर, सो समझ महिन्दिन्द्य, सो क्ष्मान 20-क में पृत्रिभाष्टित ही, वही अर्थ होता सो सस स्थान में दिया नया ही।

#### पन सन्दर्भ

पर्लैट नंबर 4-की, पांच तल्ला, 25-ए. सरन बोस रोड, कलकरा में सक्षम एशिकारी, के एाम 26-6-85 वारीय में रिकिस्ट्रीकरण हुआ।

> गोल नईशुीत सक्ष्म प्राधिकारी महायक क्रायकर आपुरुत (निरीक्षण) धर्मन रेंज∼3. कलकमा

मारी**ढ**: 14-2-1986

## प्रकष आई. टी. एच. एस. ------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीत सुचना

भारत खरकात

## कार्यातव, सहायक गायकार नायुक्त (निरक्षिण)

द्धर्जन रेश-3, गलकत्ताः कलकत्तः, निर्माण 14 फरक्षी 1986

निदेण सं० ए० सी०-2151/एथिव०/रॅंथ-3/कल०/85-86- •श्रतः मुझे, ॐच नईमडीन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की जारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वतस करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं 2 है तथा को नरेक्द्र चन्द्र दत्त स्रीत, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रदुसूनों में और पूर्ण रूप से वर्णिस है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीष्टकारी के कार्याल , स्क्षम प्राप्तिकारी में रिलस्ट्रीकरण श्रीप्तिकार, 1908 (1908 का 16) के श्रीप्ति, तारीख 12-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयंपान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूनाक्त संपत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयंपान प्रतिफल से, एसे स्वयंपान प्रतिकार का कन्त्रह प्रतिशत से जिथक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए एव पाया स्वयं प्रतिफल जिम्मिलिया सद्देश्य से उसत जंतरण लिखित को गम्सिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- कि) बीताल है हाई किसी बाद की बावद, उसके अभिनियम की अभीत कार दोने की अन्तरक की दायित्व में अभी कारने या अपने उसकी हो लिया। की लिए: बीट्रंगा
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन था बन्य बास्तियों क्ये, जिन्हों भारतीय बाद-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विमा के बिद्ध:

बत्तक शव उक्त विधितियम की धारा 269-ग की अनुसरण को, की, अवस्य विधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के विधीत, निम्निमिश्त व्यक्तियों, अर्थात् :----

- 1. श्री रामगोपाल गनेरिय ला प्रग्० लि० एवं ग्रन्य। (शन्सरक)
- 2. =ैं प्रेश कम्स्ट्रकणन ५५० लिप्टिड । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में काई भी सक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की उत्तरीस भें 45 दिन की अवधि की तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अवधि बाद में मनाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीजन व्यक्तियाँ में भे किसी व्यक्ति स्थारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन में भीतर इस्त स्थावर मम्पन्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकीं।

स्पष्टिकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उन्ते इधिनियम, श अध्याय १०-क मा धोरभाणित है, बही अर्थ होगा ला पश अध्याय ए । १०४० गया हो।

### प्रनुसुची

1247 वर्ग फुट घारनस्ला, 2, नरेम्ब्र च द दक्त सशीन; कलकत्ता सक्षम प्राप्तिकारी ने पास 12-6-85 की रजिस्ट्रीवरण हुआ।

> णेख मई-पुद्दीन सक्षम प्रश्लिकारी स्थायक ग्राटकर ग्रास्थ्य (निरीक्षण) कर्जन रेंज-७, कलगन्दा

मार**ोख:** 14-2-1986

ोक्ट:

प्रकार वार्ष दी. एन. एस्. ०००००

**बावकड स्थितियम, 1961 (1961 का 43)** की भारत 269-**म** (1) के वसीन सुम्बा

#### कारण सहस्राज्य

## कार्यातय, सञ्चायक जामकर आयुक्त (निर्याक्रण) इ.धीन रीज-३, यालकृष्टा

कलकला, विकांक 14 परवरी 1986

निवेण सं० ए० सी०-2152/nक्यू०/रॅंज-3/कल०/ 85-86---श्रम मूले, शंक न्हेंपुरीन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 62/19 है, तथा जो बालियन सर्थुलय रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर उससे उपात्र अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बॉगन है), रिजम्हीकर्ता श्रीकृतरी वे कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, रिजम्हीकरण श्रीकृतियम, 1908 (1908 जा 16) वे अशीन, तारीक्ष 12-6-85

को पूर्वेक्त सम्मित्त के जीवन बाजार मूरव से का के जावनाय इतिफल निम्निमित्ति उद्योग्य से उक्त अन्तरण शिक्ति में करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्मित का जीवत बन्चार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यकान प्रतिकास का बन्द्रह प्रतिकृत से जीधक है और अंतरक (अंतरका) और बंतिएती (अन्तरिंग्लेगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकृत के निए अन्तरित की नई है जीर मुखे यह विक्याच शास्त्रीक के पे के जिल महीं किया गया है ।

- (क) बन्दरम् वं ब्रूड्रं कियी नान् की नाम्बं, उन्तर विभिन्न के वर्षीय कर दोने में नम्बद्धक् हैं वादित्व में करीं करने या उसवें क्ल्पं में द्विया के सिए; जॉर/या
- (क) एसी किसी श्राय गा किसी धन या अस्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम. 1927 (1922 का 11) या उस्त राभिनियम. या अब-कर अधिनियम, या अब-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विभा की लिए;

सक्तर अब उक्त वीभीनयम की भारा 269-म के व्यक्तरण मं, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के वर्षाण, रिकामियम क्लिन्डमां, वर्षास्कृतन 1. श्री अर्जुन शाकु गर्भ श्रम्य।

(द्रस्यप्त )

2. श्री कलिनेन्द्र नारायन सित् श्रीर कर्य (कन्नरिती)

को ग्रह स्थाना जाड़ी अरके प्वॉक्त सम्माल के कर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हों।

## दक्त सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष ह---

- (क) इस स्क्राना को राज्यन में अकायन को तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की डामील से 30 दिन की अधि , जो भी नव्यक्ति बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्यारा;
- (क) इव ब्रुपना के राज्यपत में प्रकाशक की शासीय से 45 किन के मीतार उक्त स्थापण सम्मति में हित-मध्य फिसी मन्य स्थापत स्थापत मध्य स्थापत में पाव सिचित में किए का सर्वोचे।

स्वधीकरण :---ध्समे प्रयुक्त घट्यां और पर्यो का, को उच्छा वरिधनियम, के अध्वाच 20-क वो परिभाविष्ध ही, बाबी वर्ध होगा, को उस वश्वाय में दिया नवा ही।

## **मनु**त्रुची

2000 वर्षभूट ,दो गल्ला. 62/19 बलियंक सर्भूलर रोड, कलकत्ता में सक्षम प्राधिकारी के पास 12-6~85 तारीख में रिजिस्ट्रीकरण हुआ।

> शेख नईमुद्दीत सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-3, कलकसा

सारीख: 14-2-19**8**6

मों अ

प्ररूप भाइ'. टी. एन एस .....

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सचना

#### भारत बरकार

कार्यासय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० ए० मी०-2153/एक्वि०/रेंज-3/कल०/85-86---श्रत मुझे, णेख अईस्ट्रीन,

वायकर विभिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा मना ह"), की भारा 269-च के वभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित बाबार ब्रुस्य 1,00,000/- रह. से विभिक्त है

ध्रौ जिस्की सं० 2 है तथा जो हेयार स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ध्रौर इम्से उपाबद्ध अनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), (जिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में. रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिपक्ष के लिए बन्तरित की नहीं है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि बभाणवाँकत सम्पत्ति को उपित बाबार बृस्द, उसके स्वयमान प्रतिपक्ष से, ऐसे स्वयमान प्रतिपक्ष का पंत्रह प्रतिस्वत से अभिक है और बंतरिक (विश्वा) और बंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे बन्तरिण के लिए त्य वाया नवा प्रतिकत, निम्नसिवित उद्योग्य से उस्य बन्तरिण विवित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अध्यरण वे हुए जिल्ली नाय की नामक, जनक निर्माणन में नपीन कहा नोचे के बन्तुएक में कामित्स में कभी कहते ना उनके नथ्ये में शृतिका में जिल्ह मीहर/मा
- (क) एती किसी बाय या किसी धन या किसी शास्तियों को, जिल्हें भारतीय बाय-कर विधिववस, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिववस, या धन-कर विधिववस, या धन-कर विधिववस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया पदा था या किया जामा धाहिए था, कियाने वें सुनिधा के सिए;

अतः अवं, उक्त अधिनयन की भारा 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निक्रमीलिक्षिक चिन्तस्यों, अधित् । --- 1. श्री लोधा सामिसेम प्रा० लि०

(ग्र तरक)

2. मैं वार्जिलग दया रक्ष प्ला टेंशन लिम्प्टिड (अन्सरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की जनिय या तत्सेनंथी व्यक्तियों पर स्वान की तानील से 30 दिन की जनिय, जो भी जनिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में त्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वास्य अधोहस्साक्षरी के पास सिवित में किए जा सकाँगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के वश्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होना, वो उस वश्याय में विवा नवा ही।

### अनुसूची

1457 वर्गफुट ,पांच सल्ला, 2 हेयार स्ट्रीट, कलक्ताः में मक्षम प्राधिकारी के पास 10-6-85 तारीख़ में रजिस्ट्री-करण हुद्या।

> णेख नईमुद्देन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 14-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन:एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-III, कलकत्ता

कलकता, दिनाँक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० ए० सी०-2154/एक्वि०/रेज-Шक्ल०/85-86--अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 2 है, तथा जो हेयार स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में सक्षम प्राधिकारी, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10-6-85 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिफत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उचत अधिनियम के अधीन कर दोने के बंकरक के वायित्व में अभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बरेर/बा
- (क) ऐसी किसी आध या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

मत: मग, उम्त मिनियम, की भारा 269-ग के बन्तरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखिल व्यक्तियों, अर्थात्:—— 25—516 GI/85 1. मैं ० लोधा गविस प्राईवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स स० र० एन्टरप्राईजेस

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके प्रविक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

## बाबत बाम्परित को बर्जन को तंबंध हो काहि भी वाक्षेत्र 🥕

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्ति भी पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो असल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा की उस अध्याय में दिया गया है।

#### गन्त्यी

पांचतल्ला 1457 वर्गफुट 2, हेयार स्ट्रीट, कलकत्ता सक्षम प्राधिकारी के पास 10-6-85 तारीख में रिजिस्ट्रीकरण हुआ।

शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 14-2-1986

## त्रकंप बाह्र . टी . एम . एस . -----

शासकर क्रिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) में अभीन सुमना

#### नारत सरकार

## कार्यामय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनौंक 14 फरवरी 1986 ट

निवेश सं० ए० मी०-2155/एक्वि०/रेंज-3/कल०85-86---श्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

गयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चान 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 569 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को रह विख्वास करने का गरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 38 लेक गार्झन्स एवं जो 32. डाक्टर बाईदर रहमन रोड़, कलकत्ता में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रिजस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल से पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए द्या बाया गया प्रतिफल, निम्निविच्न उच्चेष्य से उच्च अन्तरण के लिए द्या वाया गया प्रतिफल, निम्निविच्न उच्चेष्य से उच्च अन्तरण के सित्र स्थाया गया प्रतिफल, निम्निविच्न उच्चेष्य से उच्च अन्तरण के सित्र में नीस्तियक स्था से किया नहीं किया गया है र—

- (क) जन्तरण से हुन्दें किसी बाय भी बाबस, उपत अधिनियम के व्यक्ति कर दोने के बम्बरक स वामित्व में कामी करने का उसस क्याने में मुक्तिक अपत्रहा; ब्रोद/बा
- (क) एशी किसी नाम का किसी धन का अन्य आफितवा की, जिन्हों भारतीय बाब-कर किमिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त किमिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंजनाथ अन्तरिती धुनारा प्रकट नहीं किया गया था वा विश्वा बाना वाहिए था, क्रियान या मिनिया बीना वाहिए था, क्रियान या मिनिया के शिक्ष;

न्तः वयः उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) क अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थालः :--- 1. श्रो भ्रशोक सुमार सूद भ्रौर भ्रन्य।

(भ्रन्तरक)

2. श्री विजय दाकर चौबे

(ग्रन्तरितो)

3 श्री श्रत्यानि कुमार भामा (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पक्ति है)

का यह तुमना चारी कारके पृथीकत संपर्शि के अर्थन के विक कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

जनत संपरित के नर्जन के संबंध में आहे भी नाकरें :---

- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीय ॰ 45 दिन की बनिथ वा उत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नवधि, को भी मदिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेंक्त व्यक्तित्यों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (ण) इस चूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी बन्ध व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिर्धित में किए था सकते।

स्वय्दीकरण:---इश्वणे प्रयुक्त बन्दों और वर्षों का, वो वर्षेक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही कर्ष होगा को उस अध्याय में दिला वया है।

## वव्यक्षी

1200 वर्गफुट, 38, लेक गार्डेन्स एवं 32 डाक्टर दाईदर रहमान रोड़, कलकत्ता-45 में सक्षम प्राधिकारी के पास 5-6-1985 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

> शेख नईसुद्दीन मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 14-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बाधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलक्ता, दिनाँक 14 फरवरी 1986

निर्थोण सं० ए० सो०-2156/एक्त्रिक्रिंगे-III/कल०-/85-86--म्प्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ्षिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिनकी सं० 38 लेक गार्डेन्न तथा 32 दाईदर रहमान रोड़ कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-6-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण

लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वच्छे में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या अभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्सिरिसी व्यासा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- मैंसर्स ए० ग्रीर ए० डेंबलपमेंट्स प्रा० लि०। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री विजय शंकर चौबे।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

### उन्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त सम्बां और प्रयों का, जो उक्त जीधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं मर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिसर गवा है।

#### अनुसूची

1200 वर्गफुट फ्लैट नं० 11, चार तल्ला,38 लेक गार्डेन्स, ग्रीर 32 डाकतार वास्थर रहमान रोड़, कलकत्ता-45 में सक्षम प्राधिकारी के पास 5-6-35 तारीख में रिजस्ट्रीकरण हुश्रा।

> भेंख नईधृद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रें ज-3, कलकत्ता

तारीख 12-2-1986 मोहर: प्रकृत जाद<sup>4</sup> , शी , दुन , दुन ------

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-भ (1) वें बधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यानय, सहायक आवकर आयक्त (निरक्षिण) भाजेन रेंज-III, कलकत्ता

कलंकता, दिनाँक 6 फरवरी 1986

निर्वेश सं० ए० सी० $-|\hat{\xi}$ ज-III/कल०/1985-86---श्रतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

बायकर निर्धानस्य, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार ज्ञावा 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ष्प्रीर जिसकी सं० 176 है, तथा जो सरन बोस रोड़, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप सेवर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीकारी के कार्याजय, सक्षम अधिकारी में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 26-6-1985

- (क) बन्तरण से हुई किश्री नाय की दावक, उपक नीमनियम के नमीम कर दोने की अन्तर्क की राष्ट्रिय में कमी करने वा उन्नये वचने में सुन्धि। भी लिए; सौर/वा
- (क) एसी जिसी जान का किसी कर वा करून वास्तिकों का, विस्तृ भारतीय नाय-कर मिथिनियम, 1922 (1922 का 11) का उनत निधिनियम, का भनकर मुधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया क्या का वा का किया काना वाहिए का कियाने में श्रीवृत्या की किया की क

नतः सन्, उन्त जिमिनियम की भारा 269-म की अनुसरण में, में, उन्त जिमिनियम की भारा 269-म की उपभाषा (1) मुं अधीन निम्मतिश्वित न्यांस्त्रासे अर्थात ए— 1. मैसर्स महगुल उद्योग

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्स लारसेन एण्ड टुबरो लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जाती करके पूर्वीकत सम्बद्धित के कर्चन के विक कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

तकत बन्दरित् के वर्षन के बन्दर्भ में कोई भी नाकेंद्र :--

- (क) इस स्ववा के रावपव में प्रकादन की तारांच से 45 दिन की अवधि या एत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की सबधि, नो भी सबधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवेचन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसाइ;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच व 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी मन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्थळांकरण: इसमें प्रयुक्त खब्बों और पदों का, वो उस्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होंगा को उस अध्याय में दिया नवा हैं।

#### नन्त्रजी

फ्लैट नं० 3-ए, 1270 धर्गफुट, 176, सरन बोस रोड, कलकत्ता में सक्षम प्राधिकारी के पास 26-6-85 तारीख में रिजिस्ट्रीकरण हुम्रा।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–III, कलकक्ता

**सारीख**: 6-2-1966

प्रकार सार्व है। इस्त हुन , - - ---

नशम्बर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नचीय सुचना

#### नारत वरकार

कार्याज्य , सङ्घायक जायकर जायकर (निरोधक) अर्जन रेंज-3, कलकला

कलकसा, विनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०-2158/एक्यू०/रेंज-3/रल०/85-86--अत: मुझे, शेख नईमुहीन,

गामकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रचात् जिले जीपिनवर्ग कहा बना ही, की भारा 269-च के सभीन सक्तम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से सिधक ही

मार जिसकी सं० 230-ए है, तथा ओ आचार्य जगदीश चन्द्र बोस रोड़, जलकत्ता में स्थित है (भ्रार इससे उपाधम अनु-सुधी में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 24-6-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उणित बाजार मूस्य से कम के क्रायमान इतिकश् को सिए कन्तरित की गर्द है बार मूखे यह विकास करने का कारण है कि न्नान्वॉक्त कन्नरित का उणित बाजार मूख्य, उसके क्यामाम प्रतिकत ते, एवे क्यामान प्रतिकत का पन्नद्दं प्रतिकात से किथक है बार बन्तरक (अन्तरकों) बार बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एते बन्तरक के सिए तथ बामा गया प्रतिकत, निम्नमिक्ति क्याक्त के उक्त अन्तरक निकास से बास्तमिक क्या से किथक मही किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाव को बावत उक्त जिम्मियन से समीन कर देने के अन्तरक के दावित्य में कनी करने या उत्तसं बचने में सुविधा के लिए, वरि/वा
- (क) खंबी किसी बाब या किसी यम वा सन्य वास्तिनों की तिम्बं वास्तिन वास्तिन वास्तिन वास्तिन । 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनतम, या धन-कर विधिननम, 1957 (1957 का 27) वे क्षेत्रवार्थ वास्तिरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया या वा विका काना वाहिए था, कियाने में ब्रितिका के सिए;

वकः वन, उन्त विधिनवन की धारा 269-न के वन्त्रप्य में, में, उन्त विधिनवम की धारा 269-न की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--- 1. मेससं नरसिंग दास कनको मिनियाम एन्टरप्राईजेस प्रा० लि०।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सामोलि देवी स्गना एवं अन्य। (अन्तरिती)

का वह क्षता भारी करके प्रॉक्ट सम्मति के वर्षत के निए कार्यवाहिना कुक करता हूं।

उपत कमित में वर्णन के कमान में बादि भी नामने :---

- (क) इत सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्माधी व्यक्तियों पर सूचना की टामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी जनिध वास में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्यारा.
- (क) इत सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थालर तम्बल्त में हित- विश्व किसी अन्य स्थालित इवारा अभोहरणाक्षा के पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्थाध्योकरण :—-इसभा प्रयुक्त शत्का आहे जहां सह । हा हा अहि अधिनियम के अध्याय 20-क मी पिन्हिष्टि ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मी दिया प्रया है।

## धन्यूची

आफिस ब्लाक नम्बर 2 एगारो तल्ला, 230-ए, आचार्य जगवीण चन्द बीस रोड़, कलकक्ता में सक्षम प्राधिकारी के पास 24-6-85 तारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

> मेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, कलक्ता

नारीख: 14-2-1986

प्ररूप आहें.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सृपना

#### भारत सरकार

कार्यालय . सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रोज-3, कनकत्ता

कलकत्ता, दिवांक 14 फरवरी 1986

निवेश स० ए० सी०-2159/एक्यू०रेंअ-III/कल०/85-86-अतः मुझे, शेख ाईएहोस,

वायकर निधिनियम, 1961 (135) का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात जिल्हा निधिनियम कहा गया है), की बार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकानी को यह विद्वास करने का कारण है जिल स्थाप सम्मति, जिल्ला उच्चित बाजार मृत्य 1,00 000/- रु. से अधिक है

कों पृथींक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के क्यमान अतिफल के लिए के एटिंग की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण ही कि उपल्यास गर्मात का जीवत बाजार मृन्य, उसके इस्ट्रिंग होतिष्ठ से, एस इस्ट्रिंगम प्रतिकत का पत्तक प्रतिशत में अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिकल निम्निलिख उद्देश्य से उक्त अंतरण निकित में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुद्द किसी आय की वायस, उन्त अभिनियान के अभीन कार दाने के अंतरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए, और/मा
- (क) एचि किसा अय या किसी धन या बन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय आवकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-प्रत अधिनियम, या धन-प्रत अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रताजनार्थ अन्तिरिती बुकारा प्रकट नहीं सिध्य तथा था किया जाना चाहिए था. किया में मुँडिया के निष्

का: अब, उक्त अभिनियम की धारा १९७-ए के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम का घारा १६५-३ की एरपारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथोंत् :--- 1. श्री अशोक कुमार सहाय

(अन्तरक)

2. श्री ए० एफ० फरगुसन एन्ड कम्पनी

(ग्रन्तरिती)

का वह व्यमा वारी कहके पूर्वीक्य वृज्यीत के मृजीय के जिल आर्थ्याहियां कारता हो।]

## वक्त सम्मत्ति के नर्पन के संबंध में कोई भी नाक्षेत्र हरू

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 विन की व्यक्तियों पर अविध बाद में सजाप्त इत्ती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यादा;
- (थ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मति में हितस्य कि किसी कन्य व्यक्ति बुवारा, अथोहस्ताकारी के पास निवित में किसे का वक्ति।

स्पच्छीकरण :--इमर्गे प्रयुक्त सब्दों और पर्वों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा गुद्धा है।

#### वन्त्र्यी

2050 वर्गफुट, **नौ** तल्या फ्लैंट 5, लो**यार राँडन** स्ट्रीट, कवकत्ता में सक्षम प्राधिकारी के पास 10~6~85 तारीख में रियस्ट्रीकरण हुआ।

> मेख नईमुदीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-Ш, कलकत्ता

तारीख: 14-2-1986

प्रकार कार्या हो। अन्य स्था

नामकर नीपनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 249-घ के अधीन सचना

भाग [[]---वावव 1]

#### भारत सरकार

## कार्याजय, बहायक वायकर आवृक्त (निरीक्रण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिमांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०-2160/एनयू०/रेजाग्न-/कल०/85-86--अतः मुझे, शेख अईम्हीन,

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात 'उच्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नभीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित विसका उचित वादार मृत्य 1,00,000/- रतः से विभिक्त **है** 

भौर जिसकी सं० 14 है तथा जो अभेदानन्द रोड़, धलाना में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधियारी के नार्थात्य, स० र० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-0-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्यास करने का कारण है कि सभापूर्विक्त सम्पत्ति का उपन्त ाजार तृम्य **उसके प्रयमान प्रतिकत से एको क्र**यमान प्रतिकास का क्**न्द्रह प्रतिवाद से अधिक हो और अंतरक (अंतर**कारें) और अंतरिती (संतरिशियों) के बीच एंडे अन्तरण के सिए तम पाया गरा परिण-कत, निम्नलिबिय उनुवास्य से उस्त बन्तरण निवित में शास्तिथक क्य से कथित नहीं विकाशवाही :---

- (क) मन्तरम संहर्ष किसी बाव को बावत जनतः नाध-निवन के वधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में **करी करने वा बढ़के बचने में** सुविधा के निए: मीड/म
- (वा) एं**ती किती बाब वा किसी भन** सा अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकार विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयंत्र, या भूष्-कार कथिनियम, 1957 (1**957 का** 2**7) वे** प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृजारा प्रकट नहीं विका गया बादा किना बाहा बाहिए बा, खिवाने में व्याचित्र ने थिए:..

**अस: गण, रुप्त गणिनियम की पारा 25**9-स और करेल रफ में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्नजियत व्यक्तियों, वर्षाय् :---

== -<u>-- ...\_ ....</u> ओ विकीए कप्राप्त देखा विके हरे.

(अन्त्रह)

2. श्री णित्र प्रवीत जी जनाण समिति। (अन्दरिनी )

का यह सुमाना जापने कार है। 🕟 🔗 🦠 🤊 🤊 में भी पिन्न कार्यवर**ाइयां करता ह**्र

उक्त सम्मति के असेन के सम्बन्ध के कार्रिक भी आसीय:----

- (क) इस सचना को गणकाम को गणकाम को सारीस से 45 दिन की अवधि या गलाकात्मी वर्गभुतयों पर सचन, की तामक ए ५६ हिंद को जबकि, को भी अवस्थि बाब में स्थापन प्रांती हैं। ये और वर्षेक्स क्योंबहाबा का जो किए के महीवस क्याप
- (ब) इ.स. मुजना क राजधन भी कारीस स 45 दिन के भीतर अन्त स्थानर वंशन्ति औं डिन-बबुभ किसी अन्य कर्रीका धवार अधोतस्ताकारी के पाए **बिम्बिक्त में** केलान का स<del>क्ष</del>ी

**स्पष्टोकरण:---इ**समें धयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभागित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में ि : गया है।

## प्रनुसूची

दो तल्ला जमीत ३ एस०म्रा र०ए० छ।ठा-८ छटांक-1 वर्गफ्ट 32, बिडन स्ट्रीट, कलकत्ता एम० ग्राप्त० ए० अलकत्ता के पास 28-6-1985 वारील में पिल्ही उप हुआ, दलिल मंड 94011

> *शाम्ब* न**ई**महीन न्त्रम प्रधिकारी ाक्षपः प्रायाज्य दालकः (भिरीक्षणः) প্ৰথি টেই−3, কল্ফলা

वा**रीख** : 14--2--198€

प्ररूप बाइ. बी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अभीन स्चना

भारत **सरकार** कार्यालया, स**हावक बावकर आय्**क्त **(निरीक्षण)** अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलक्सा, दिनांक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० ए० सी०/2161/एक्यू०/रेंज-Ⅲ/कल०/85--86--अनः मुझे, शेख नईसुटीन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मृस्व 1.,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं 127-ए, है तथा जो मोतीलाल नेहरू गाड़, कल बता में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में फ्रांर पूर्ण स्प में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी में, रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, कारीख 12-6-85 को पूर्वोक्स सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान अतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापवाकत सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का अन्दर्श प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती शैच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तीवक रूप से कन्तरण हैं:-----

- (क) अन्तरण से हुई फिली जान की बावका, उनका अर्गिपनियम के अभीत कर दोने के बन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान अहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अनः अव. अवतः अधिनियमं की भारा 269-गं के अन्तरक जो, मो, उक्त अधिनियमं की भारा 269-चं की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :— 1. श्री चिरंजिलाल पोहार

(अस्तर्क)

2. कुमारी जसमीत कौर

(अन्तरिती

को गह स्थानः वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्वनाहिणां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के शर्यन के सम्बन्ध में कोड्" भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी मविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोड्डस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरण:----इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त निवन्न, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गदा हैं।

#### अनत्त्रपी

दो तल्ला फ्लैट 700 वर्ग फुट, 127-ए, मोतीलाल नेहरू रोड़, कलक्ता सक्षम प्राधिकारी के पास 12-6-85 क्षारीख में रजिस्ट्रीकरण हुआ।

> मेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज-3, कलकत्ता

**कारीख**: 1**4-**2-19**8**6

## 

श्रीमती चयश्री वनर्जी।

(भ्रन्तरक)

मायकर मीधीनवन्, 19461 (1,9461 का 48) की भारा 269-म (1) में जमीन श्या

2 डॉ॰ कें बास एवं श्रन्य।

(भ्रन्सरिती)

#### 

कार्याजय , अञ्चलक बायकर बायक (किर्ीक्रेस)

श्रजैन रेंज-Ⅲ, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरचरी 1986

निर्देश सं० 2162/एक्यू० श्रार०-III/कल०/85-86---श्रतः मुझे शेष्त्र नईम्हीन,

नागकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम **ब्रह्म क्**यात् 'स्थतः व**्धि**वयन' कहा नवा **ह**ै, की भारा 269-च के अभीन सक्षक प्राधिकप्रही की वह विदेशाय करने का कारण है कि स्वावर तस्पत्ति, वितका उपित वाजार मृत्व 1,00,000/- फ. चे मधिक हो .

और जिसकी सं० 22 है तथा जो जोभार रोड़, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधि-कारी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन,तारीख 5 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्बत्ति के उचित बाजार मुख्य के कम के जलबान प्रतिकास के लिए अन्तरित की नहीं हैं बीर मुक्ते वह विकास बाह्य का कारण है कि यथान्योंक्त नम्मीत का उपित बाबार बुक्द, शतको अधनान प्रविद्यम वे, एवे अवजान प्रतिकस का मन्द्र प्रविक्य के अधिक हैं और वस्तरक (क्याउक्तें) स्तर बंबरियी (बंतरिंतिवाँ) के बीच एते नंतरण के बिए तब पावा वया प्रतिकास निभवनिविध उनुबन्धि हो उनका संस्कृत निर्माचत सं गारवरिक सन वे कविक वड़ी किया गदा है *व*----

- (क) मंतरण से हुइ' कियी जान की बाबस, उनस महिन्दियम् में प्राप्ति स्टल को में अन्तरक के राविस्थ में कभी करने या उत्तर बचने में मुक्तिश के सिए: बांक ∕बा
- (क) ए'ती किसी बाब या किसी भन या अन्य जास्तियाँ को, जिन्ही भारतीय जाय-कर अभिनिक्क, 1922 (1922 का 11) या तक्त विधिनयम, भ**न-कर विधिनियम, 1957 (1957 का** 27<sup>)</sup>। के प्रवासनार्थं जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्र<mark>या भावाकिया काना भाडिए वा, किपाने में</mark> वृद्धिका को विद्या

वदः वयः स्वतः विधिनियमं कौ भारा 269-त के वनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अपनिक निकासियित व्यक्तिकों, अपनि :---26 -516 GI/85

को बहु सुकता बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिक्ष कार्यवाद्यियां शुरू करवा हुं।

इक्ट इम्ब्रीत के क्वन में इंबंच में कोई भी नाबोद ह—

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ब) इस सूकता के राजवन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर अक्त स्थानर सम्मस्ति में हितबब्ध किली अन्य क्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिहिसामें किए वासकेंगे।

लक्ष्मीक रूप:--इसमें प्रव्यक्त क्वा बीह्र पर्यो का, को सम्ब व्यक्तियम के अध्याप 20-क में दिखाँएक है, यही जर्थ होगा जो उस्त जध्याय में दिया नवा है।

## वर्षस्त्री

फ्लैंट नं 105, दो तला, 1320 वर्ग फुट, 22 डोभार रोड. सक्षम प्राधिकारी के पास 5-6-85 तारोख में रिजस्ट्री-कृत हुन्ना।

> शेख नईस्हीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4, कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-1986 मोहरः

**इस्म बाह**्रेटी <u>एषं, प्र</u>चा ---------1 मैसर्भ मदम्म उद्योगः

(भ्रन्तरक)

3 मैसूर्स ज्यन्द प्लान्ट कामीटी।

(भ्रन्तरिती)

बायकर विधानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) ने सभीन स्थाना

#### भारत बहुक्करु

## कार्यातन, शहानक मानकर मान्यत (निहासन)

धर्जन रेंज-III कलकता

कलकत्ता, दिनांक 14 फग्चरी 1986

निर्देश सं० 2163 एक्यि० श्रार०-Ш/कल०/85-86---श्रतः मझे, शख नईम्हीन,

नामकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिचे इसमे इतके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा नथा इ"), की पारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्धित, विश्वका जीवत वाचार जुल्ब 1,00.000/- रहः से अधिक हैं

और जिसकी सं० वालोगंज सजलर रोड स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वीणत है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 10 जून, 1985

को प्रोंक्स संपरित के अचित वाधार मृत्य से कम के अन्यक्षान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्तें वह विस्थाच करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित्र कावार न्स्या उसके क्यमान प्रतिकल से ए'से क्यनान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरम के सिद्ध तब पाया गया प्रतिफल**, निम्नसिवित उद्देश्य से** *जन्***य अन्य**रण विचित् में नास्तविक रूप हे कवित नहीं किया क्या है उन्छ

- (क) नन्तरण से हुई किसी बाय की शाक्क करक मिनियम के नवीन कर दोने के मन्तरक के बायित में जमी बहुने वा स्वादे बचने में श्रीवया में जिए: वरि/पा
- (ब) एरेबी किसी बाय वा किसी धन वा अन्य बारिसकों क्ये, विन्हृ भारतीय वाव-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अनकार विचित्रियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-बार्व बन्तरिती ब्वाच प्रकट पड़ीं फिना गया वा म किया जाना चाहिए का कियाने के मित्रध" थंडे 150,00

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मै, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के मधीन, निम्नसिंगित व्यक्तियों, कर्जात ्—

को सञ्च सूचना बारी कन्नके पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के सिक्ष कार्यवाद्यियां सूक्त करता हुई।

उक्त कम्परित के कर्वन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) हुउ सुचना के ख़बनन में प्रकाशन की दारीय है 45 द्विभ की जबभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बुचना की कामीब से 30 दिन की नविध, यो औ बंबिध क्षद में समस्य होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वता के रावपत्र में प्रकाशन की दारीय हैं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पद्धि में हितवब्ध विश्वी क्ष अवस्ति ह्वारा वधोहस्ताकरी के पार शिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्थम्बरीकरणः — इसमें प्रयम्त सम्बागी कीर पर्वो का, जो अनव अधिनिवस के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो जस नध्याय में दिसा **441** 6'1'

क्षोत्र-2819 बरुफ्टब्लाट नं० 4 सी और 4 डी। पता-- 20, वालीगंज सर्कुलर रोड, कलकत्ता रोड नं० 1 10012पी/85 ता० 10-6-85 श्रनुसार नियन्ध हुआ।

> भेख नईमहीन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-III, कलकता-16

तारीख: 14-2-1986

मोकर 👙

## प्रथम वर्ष्य, दी. स्त्, स्थ ,-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) जो वधीन सुचना

#### HIST STATE

कार्यां तथ, सहयक बायकर वायक (निरीक्क) श्रर्जन रेंज-III, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरघरी 1986

निर्देश सं० 2164 एक्वि० भ्रार०-III/कल० 85-86--- श्रतः मझे, शेख नईम्हीन,

नामकर निधीनमम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इतमें इतमें इतमें प्रथात् 'उन्त निधीनममं कहा गन हीं), की धारा 269-स के नधीन तक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण ही कि स्थानपु सम्बद्धि, जिन्नका जिन्ह नामार मून्य 1,00,000/- रु. से नधिक डी

और जिसकी सं० 36/1 है तथा जो लाला लाजपत राय मरणी कलकत्ता स्थित है (अंप इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय कलकत्ता में , रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 28 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कन के अध्यक्षभ किक्क्य के लिए अंतरित की नई है और मुख्ये यह विकास करने का आरण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आबार मून्य, उसके उपमान प्रतिफल से, ऐसे उपमान प्रतिफल का पन्छ भीतफल से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और असिरती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तम पावा गया प्रतिफल, निम्निसियत उच्चेष्य से उसत अन्तरण निमिष्ठ के बास्तरिक रूप से किथा नहीं किया गया है :——

- (वर्ष क्ष्यूरण व हुए क्षित्री बाल को बाल्य्य क्षय म्पिनियम के स्थीप कर बने के क्ष्यूरक की याविश्य में क्ष्मी करने या उन्नये स्थान में सुविधा में सिन्; बीप/बा
- (व) प्रेसी किसी भाव का किसी थय का कथा जारिसवाँ को, जिन्हों भारतीय शावकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, या धनकर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ वन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाका नाहिए था, जिनाने से कृषिभा के स्थिद्द;

अतः त्रव, उसतं अधिनियम् सी धारा 269-ग को समूजरण वो, ता, उसतं सौंपतिधनं की पास 269-ग की उपभारा (1) के स्थीतः निम्नसिधित व्यक्तिस्यो, स्थातः :--- 1 श्री रिबन्द्र नाथं सरकार।

(भन्तरक)

2 मैसर्स ऋइकशांक एण्ड को० लि०।

(ग्रन्तरितीः)

को कह क्षमा भारी करके पृथीकत सम्पत्ति के वर्षभ के जिए कार्यमाहियां सुक्त करका हुई ।।

क्या बलाति के वर्षन के बंबंध में कोई भी नार्वाय :---

- (क) इस सूचना के राज्यमंत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन करी जनिंभ या तत्त्रज्ञन्त्री व्यक्तियों वह सूचना की ताजील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इव सूचना के कायपन में प्रकासन की सारीय से 45 दिन के भीत्र उनके स्थायर सम्मत्ति में हित-बच्च किसी बन्त व्यक्तिय व्यक्ति, अभोहत्वाकारी के शब निविद्य में किए जा सकोंगे।

स्वस्थितिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम, के बच्चाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा यो उस बच्चाब में विका मेंसा है।

#### ननंत्रची

प्लाट नं० 6 पता----36 1, लाला लाजपत राय सरणी क्षेत्र----2624 वर्ग फुट। डीड नं० 1 11187 ता० 28-6-1985 भ्रनुसार नि-बन्ध हुआ।

> शेख नईमृद्दांत सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकक्ता-1क्ष

नाराख । 14-2-1986

मं हर '

प्राच्य आई.टी.एन.एस्.-----

कावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

## कार्यालय, सञ्चायक थायकर भागुनत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 2165 एक्यू० भार०-III/कल 85-86--- मतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्स जीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के कधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसका गं० 2 है तथा जो नरन्द्र चन्द दत्त सरजा, कलकत्ता में स्थित है। (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सं० 2 ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारोख 19 जून, 1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्कमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंबरण से अनुद्र किसी बाब की बावता, बक्त वीभीनियन के बभीन कर दोने के अन्तरक की दानित्य में करीं करने वा उत्तरे बलने में बृदिया के सिद्ध; बॉर/वा
- (क) एसी किसी बाव या किसी बन या अन्य अस्तियाँ की, किसी भारतीय बावकर निर्मानयम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया प्रमा था का किया धाना चारीक्ष्य था, किया से स्वित्य के स्थित के सिक्दः

नतः गय, उपत नहिंधीनवम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उपत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधृति :---

- 1 श्रीमती लीला वती देवो ननेरीवाला एवं प्रन्य। (भ्रन्तरक)
- 2 मैंसर्स प्रीति कुमार शिवाल को० प्रा० लिमिटेड। (भन्तरिती)

को यह सूचना आयो करके पूर्वोक्त सम्पत्तिः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त बक्दीत के अर्थन के संबंध में कोई भी वालेंब हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की समिथ या तत्संबंधी क्योंक्तवा पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो का अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्योंक्त द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 45 विन के शैतिर उक्त स्थानर सम्मृति में दिख-ब्यूथ किसी जन्य व्यक्ति व्वारा जधोहस्ताकारी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

पक्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्धों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याम में किया बक्क है।

### नन्त्र्यी

8973 वर्ग फुट जमीन 2 नरद्र चन्द दत्त सरनी कलकत्ता, स॰ 2ए॰, कलकत्ता के पास 19-6-85 तारीख में रजिस्ट्री-कृत हुआ है।

> शेख न**ई**मुद्दोन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रान्कर \_ श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-1986

प्रस्य आई.टी.एन.एस.-----

## बार्क्ट वरिप्रतिन्त्र, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म् (1) के न्पीन् क्रवा

भारत सरकार

## कार्याजन, रहायक नायकर नायुक्त (निर्देखक)

अर्जन रेंज-3 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2166/एन्यू० आर०-3/85-86—अतः मुझे, शेख नईमुद्दीनहै,

नायकर निर्धानयन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसनें इसके पश्चाक 'उन्त अधिनियम्' सहा पना हों), की नारा 269-च के नभीन सकाम प्राधिकारी को वह निश्नात करने का कारण है कि स्मान्द सम्पत्ति, जिसका उचित नामार नृत्न, 1,00,000/- रा. से अभिक है

श्रौर जिसकी सं० 69-ए है तथा जो प्रिम्स आनवार साह कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्याक्षय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिमियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकास के सिए बंतरित की नद्दें हैं बाँर बुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार बून्च, उसके व्यवमान प्रतिकास से, एवे व्यवमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निय तय पाया पना प्रतिकास निम्नितियां उप्योक्त से पन्त कन्तरण सिक्ति में बाल्यक्ति कर्मा कर्म के स्वार्थ कर्म के स्वार्थ कर्म के स्वार्थ कर्म के स्वार्थ कर्म कर्म के स्वार्थ कर्म क्षेत्र कर्म कर्म करने स्वार्थ कर्म करने स्वार्थ करने स्वार्थ कर्म करने स्वार्थ करने स्वर्थ करने स्वार्थ करने स्वार्थ करने स्वार्थ करने स्वार्थ करने स्वर

- हुँक) सम्बद्धम् वे हुई हैंसको बार की बायस्त, स्वयः अधिनियम के बचीय कर दोने के अन्तरण के खिरूल में कभी करने ना उद्यक्ते नथने ने सुदिया क्षे हैंसह; बीसा/का
- (क) एंसी किसी अन वा किसी भन ना अन्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय आय-कर जीभनियम, 1922 (1922 का 11) वा उथ्यं विश्वित्तम्, वा भन-कर वृत्तिवित्तम्, 1957 (1957 का 27) के प्रकोषनार्थ अन्यद्विती व्यारा प्रकट नहीं किया भूभा वा वा किया जाना चाडिए चा, कियाने में सर्विभा में लिए;

श्रात श्रात विभागित की भारा 269-य के बनुसरण वें, वें, उक्त कीभीनयम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिकित स्पितत्वों, अर्थात् :—— 1. श्रीमती अप्रिता चटर्जी।

(भरतरक)

2. श्री कल्लोल कुमार सरकार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षम के लिए कार्यवाद्वियां करता हुई।

#### क्या राज्यित के वर्षन के सम्बन्ध के कोई बालेप हैं---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वर्षी या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को श्री अवधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के प्राप्त शिक्ति में किए जा सकेंगे।

## अनुजूची

प्लाट नं 0--9 क्षेत्र--867 वर्ग फुट। नियन्ध--क्षेत्र नं 0 5187 ता 0 19-6-85।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख · 1 1- ? - 1996

प्रकल नाहर् टी ् एन . एस्य-----

1. श्रीमती शेफालिका दत्ते।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन स्कूचना

2. श्री असीम कुमार मिश्रा।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2167/एक्यु० आर०-3/85-86—अत: मुझे, शेख नईम्हीन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचिता वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसको सं० 19 है तथा जो जस्टिस द्वारका नाथ रोड़, कलकत्ता स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 जून, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पेवह प्रतिकृत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बिक्क निम्मिसिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हा में बाल्य कि कि से कि

- श्वेष्ठ) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबतः, उक्त निवयं के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सूविधा के क्षिपुः; स्पूर/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के जिन्हें।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् ह—— की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्शि के अर्जन के सन्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः ---- इसमें प्रयूवतः शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गंधा है।

## प्रनृसूची

जमीन---2 क: 10 छ:।

डीड नं० 5436 ता० 27-6-85 अनुसार निबन्ध हुआ।

शेख नईमुहीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-1986

प्रकृत कार्ड . टी . एन . एस . ------

मायकार नामियायम, 1981 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के मधीन सुवान

#### श्रीरत सहस्रार

कार्यसम् । प्रमुखक आयक्तर आजूबस (निर्देशक)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्वेश सं० 2168/एक्यू० आर०-3/85-86—अतः मुझे, शेख नईम्हीन,

भ्रोर जिसकी सं० 4 है तथा जो नारायन चन्द नौधरी रोड, कलकत्ता में स्थित है (भ्रोर इसने उपाबद्ध अनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 जन, 1985

की शृतोंकर सम्परित में स्थित नावार मृत्य से कम के कार्याय मिक्का के किए सन्तरित की करें हैं और मूसे यह विश्वास करने का कारण है कि वधार्योंकत संपरित का स्थित नावार मृत्य, उच्छे स्वयमान प्रतिकान से, श्रेत सम्बद्धान प्रतिकान का स्थार प्रतिकान से विश्वास से विश्वास हैं वीर नन्तरिका में विश्वास हैं वीर नन्तरिका में विश्वास प्रतिकान के निष्य प्रयास प्रतिकान कि निष्य प्रयास प्रतिकान कि निष्य प्रयास प्रतिकान कि निष्य प्रयास के निष्य प्रयास प्रतिकान कि निष्य प्रयास के निष्य क्षेत्र के निष्य प्रयास के निष्य क्षेत्र क्षेत्र के निष्य के न

- क्षिप्त क्षेत्र क्षेत्र क्षित्र क्षेत्र की वाष्ट्र क्षेत्र विद्या की वर्षाय की वर्णाय की वर्षाय की वर्षाय की वर्षाय की वर्षाय की वर्णाय की वर्णाय की वर्णाय की वर्णाय की वर्
- (वा) एंडी किसी बाय वा किसी धन था बच्च बास्तिवीं की, विष्टुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा ज्वत बिधिनियम, या धन-शर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ बन्दारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, कियाने में मुविधा के लिए;

ा. श्री सुधीः चन्द बनर्जी।

(अन्तर्क)

श्रीमती शान्ति चट्टपाध्याय।

(अन्तरिती)

को यह स्वमा नारी करके प्रॉक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्क सम्मति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्क्षेप :----

- (क) इस नृथना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच से 45 दिन की व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धूवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-क्यूथ किसी मन्य व्यक्ति दुशरा अधोहस्ताक्षरी के गांध विद्याल में किए या सकेंगे।

#### मनुसुची

श्रंगत: दो श्रौर श्रंगत: तीन तला मकान। जमीत—3 क: 14 छ:। निबन्ध — डीड नं० 8912 ता० 19-6-85।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सदायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-1986

मोहर:

कतः कत्र, उकत विभिनित्रमं की धारा 269-व क अनुसरण कें, मी, उक्क अधिनित्रमं की धारा 269-व की सम्पारा (1) कें अभीम, निकारिका क्षित्रकों, वर्षात्र क्षान्त प्रथम बाह्य . टी. एक. एक. -----

नावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### नारव बर्डका

## कार्यानय, सहायक बायकर बाव्यत (विक्रीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्वेश सं० 2169 /एक्यु० आर०-3/×5-86—अत: मुझे, गेख नईसुद्दीन,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वृश्यात् 'उन्त अभिनियम' कहा नया ही, की भारत 269-स के अभीन तक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वाद कर्ने का कारण ही कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अभिक ही

भीर जिसकी सं० 18 है तथा जो कुमारपास लेम, कलकत्ता स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकरी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, कारीख 11 ज्न, 1985

को पूर्वोक्स सम्मित्त को सित्तत वाकार मूल्य से कान के करवजान मित्रका के किए अन्वर्गित की गई है और मुक्ते वह विकास करने का कारण है कि वभापूर्वोक्त संमित का जीवत वाकार भूज्य, उसके क्रयमान प्रतिपक्त से, एसे क्रयमान प्रतिपक्त को पनक्ष प्रतिचल से अभिक है और बंतरक (वंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीम एसे बन्तरूण में किए तब पाना गया प्रति-क्त निम्नीनिक्त उस्वोक्स से उसके बन्तरूण सिक्ति में बास्तिक क्या से कीयत नहीं किया प्रा है क्रय-

- (क) ब्रंडरण के हुई किया नाय की पानक्त जनक अधिनियम के नधीन कर दोने के मृत्युरक के पाँत्रिक में कभी करने या बच्चे ब्राम में पृत्या के दिन्द्रः वाष्ट्र/या
- (थ) एसे। किसी बाब वा किसी भग वा बन्ध वास्तियों को जिन्हें शास्त्रीय बायकर वीधीनवय, 1922 (1922 का 11) या उन्त्य व्याधितव्य, वा पन-कर वीधीनवय, 1957 (1957 का 27) के अवोधभाष बन्धादिती ब्याद प्रकट वहीं हैं क्या क्या वा वा किया करता करिए था, क्रियाने में सुविधा के विका;

1. श्रीमती दीपाली मुखर्जी।

(अन्तरक)

2. श्री सुदीप्त कुमार घोष।

(अन्तरिका)

को सह बुचना बाड़ी कड़के पूर्वोक्त सम्मृतिह के मूर्चन के किहा कार्यवाहिनां करता हुएं।

उनत् सम्पृतित् के पूर्वत के सम्बन्ध में कोई औ नाक्षेप:--

- (क) इस ब्रुपमा के राज्यम में प्रकादन की तारीच है 45 दिन की जबिंध मा तत्त्वंत्री व्यक्तियों पर कृत्यम को दानीच से 30 दिन को व्यक्ति, को और मंगीच मान स्थापन को ती हो, को भीवार पृथ्विक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिया हुनारा;
- (क) इव तुमना की राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर बम्परित में श्रिक-क्रिकी कम्म म्यक्ति ह्यारा न्योह्स्ताकरी के शब विश्वित में द्विष् का बक्षोंने।

स्वक्षीयहरण:---एसमें प्रवृत्तत वन्यों शीर पर्यों का, श्री वनस वहित्तन, ने मध्यान 20-क में परिशासिक है नहीं अर्थ होता नो उस सम्बाद में दिशा गना हैं।

#### नग्राची

दो तला मकान। स्रोत---1500 वर्ग फुट। जमीन---3 क: 2 1/2 छ: निबन्ध---डीड नं० 4894 ता० 11-6-1985।

> गेंख नईमुहीम सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकला-16

बतः सब, उक्त सधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण वी, जी, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, निस्तिविक्त स्थितियों, अव्यक्ति पर -

**सारीख: 14-2-198**6

## प्रकार नाहरे हों , एव , एवं 🚊 ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्पना

#### BING SEWS

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकसा कलकसा, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देण सं० एक्यु० आर०-3/85-86/2170-- अतः मुझें, शेख नईम्हीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च से बभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से बिधक हैं

स्रौर जिसकी सं० 176/14/123 है तथा जो रामपुर रोट, कलकत्ता में स्थित है (स्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बजाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और बक्तरिती (जन्तरितियाँ) के सीच एसे जन्तरण के लिए तय पाना चया प्रतिकास, निम्मीकिचित उद्देश्य से उद्देश जन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरम सं हुई निश्वी नाम की नामन, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ ।
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की शिक्ष भारतीय व्यावकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपल विधिनियम, या भनकर भनत्र अभिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

चतः यव उक्त निर्मानवम का भाष 269-ग के बन्तरण भी, मी, उक्त अधिनियम की भाषा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन पिम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 27—516 GI/85 ा. कुमारी पुष्पमयी बोसा

(अन्तरक)

2. कुमारी बेला दत्त गुप्ता।

(अन्तरिती)

## क्यों यह बूच्या चारी क<u>श</u>्चे पूर्वोच्छ कम्पिक के वर्षत के निय कार्यवाहियां करता हुं-।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा. अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टांकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अमृस्**ची

दो तला मकान।

क्षेत्र: 1300 वर्ग फुट।

जमीनः 4 कः 8 छः 40 वर्गफुट।

निबन्ध: डीड नं० 9072 ता० 24-6-1985।

णेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-3, कलकत्ता-16

नागीख: 14-2-1986

## 

मानकर निभीनगम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) के अभीन स्मृत

#### बारत चंद्रकार

## कार्यासय, सहायक भायकर भागूकत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी, 1986

भिर्देश सं० 2171/एक्यू० आर०-3/कल/85-86—अतः मझे, शेख मईमृहीन,

भागकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसके इसके प्रथात 'उन्तं विभिन्नियम' कहा नवा ही, की नास 269-४ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह निश्चात करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ध्रार जिसकी मं० 2 है तथा जो नरेन्द्र वत्त सरीन कलकला में स्थित है (ध्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुधी में ध्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकला सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, भारीख 12 जून, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम से कम स्वयमान प्रतिफल को निए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्यारण थे हुई फिकी बाव की वावछ, स्वस् वीधीननम के नधीन कार दोने के नन्तरक के वानित्व में कनी करने ना उसने बचने में सुविधा में (स्व) नार/या
- (व) ऐसी किसी बाव या किसी भन या बन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाव-कर निमिनियम, 1922 वि. 1922 का 11) वा उक्त विभिनियम, वा बन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा मंकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए:

नतः अस, उक्त अधिपियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- मेसर्स रामगोपाल गानेटियला प्राइवेट लिमिटेड। (अन्तरक)
- 2. श्री अशकरत गुलगुलिया ग्रींट अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस त्या के रायपन में प्रकाशन की बारीं से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी स्थीनतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिथ, जो भी अनिध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट का करायों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास किवित में किए का सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## वन्स्ची

यूनिट नामवार---21 673 वर्ग फुट 1 तीन तला 2 नरेन्द्र दत्त सरीन कलकत्ता-1।

सक्षम प्राधिकारी के पास 12-6-85 तारीख से रिलस्ट्री-कृत हुआ।

> शेख नईमुहीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-1986

प्रकृप जाइ .टी.एन.एक. ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक यायकर जागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिवांक 14 फरवरी 1986

निर्देश स्० 2172/गृन्यु० आर०-3/कल/85-86---अत: मुझे, शेख नईमुद्दीन,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), को भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 2 है तथा जो नरेन्द्र इस मरीन, कलकत्ता में स्थित है (भीर इसने उपावत अनुभुनी में भीर पूर्ण रूप में बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्रा-धिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, कारीख 12 जन, 1985

को प्रवेषित सम्पत्ति के उचित बाजार बृत्य से कम के क्रयमाण प्रतिपाल ने सिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार बृश्य, उत्तके क्रयमान प्रतिपाल से एसे क्रयमान प्रतिपाल का पंद्रह प्रतिपाल से अभिक है और एसे अंतरक (बन्तरकों) और बंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के बिए तब पाया चया प्रतिपाल, विश्वतिष्ठ उच्चेष्ट के उच्च बन्तरण विविध्य में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जम्तुरण से हुन्द किसी नाय की वावत उक्त निध-तियम के अधीन कर दोने के अंसरक के दायित्व में कमी करने या उससे जमने में सूर्विधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय का किसी भन या बन्य जास्तियों को भिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इ्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. मैंसर्स रामगोपाल गानेटिवला प्राइवेट लिमिटेड। (अन्तरक)
- 2. श्री गोपाल चोकानी।

(अन्तरिती)

को यह तुष्पा पारी करके पूर्वीवत सम्मत्ति के वर्जन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेत् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तासस से 45 विन की समिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की समिध, जो भी समिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

## धनुसुषी

युनिट नामवार—4 370 वर्ग फुट, 2, नरेन्द्र इत सरीन कलकत्ता सक्षम प्राधिकारी के पास 12-6-1985 हारीख में एजिस्ट्रीकृत हुआ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-1986

शक्य बाह्", टी. एन . एस . .....

. . .

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के नपीन सूचना

## हारत पर्याप्त शर्याचयः सद्दातम धानकर धानुका (विरोधक)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 2173/एक्यु० आर०-3/कल/85-86—अतः मुझे शेख नईमुद्दीन

नायकर निभिन्यमं, 1961 (1961 का 43) (विश्व देखने इसके प्रश्नात् 'उनत निभिन्नमं कहा नवा ही, की भाषा 269-थ के नभीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावह संपरित, विश्वका अधित वासार ज्ञान 1,00,000/- रा. से मरीभक ही

ग्रांर जिसकी मं० 2, है तथा जो नरेन्द्र दत मरीन कलकत्ता में स्थित हैं (ग्रांर इससे उपायद्ध अनुसुची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधि-कारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 जुम, 1985

को पूर्वोक्त बन्धित के उद्भित बाजार मृस्य से कम के कालकार ब्रीसफल के निए अन्तरित की गई है और मुख्डे कह किन्नता अरने का कारण है कि बजायुकों कर संपरित का क्षित वाकार कृष्ण, उसके कायमान प्रतिकत से, एवा कायमान प्रतिकत का बंद्रह प्रतिकत ने विधिक है बीट बंदायक (बंद्रहकों) कीट बंद्रिक (बन्द्रितियों) में बीच एवं कृत्युरण के किए तब पासा गया प्रतिक का निक्निसिया उद्देश्य से स्वत्य बन्द्राण कि विश्वत में पास्त-विक कम ने किंग्स कही किना क्या है है

- (क) जन्मरण वे हुई किसी बाद को बाबत अवत अवि-दिवस में ब्योप कह पोर्ट के बन्दरक के सरिवस वे क्यो सहार्य या क्या देन्द्र में स्तित्य के चित्र मंड/बा
- (क) होती किसी बाव वा किसी वन वा बन्त वास्तिवों को ह किसू आस्टीय बाय-कर विकित्सव , 1922 (1922 का 11) वा उनद विकासका, वा वन कर वृथितिकव , 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ बन्तारियों दुवारा एकट नहीं किया नवा था वा किया जाना शाहिए था, किनाने वो वृथिया को किस्स

नतः अव यक्त निविध्यक्त की भारा 269-य की ननुबरण में, में, उत्तत निविध्यम की भारा 269-य की उपभारा (1) के नदीन, निम्मीकार्यिक व्यक्तिकारों, नवीत् :----

- 1, मेसर्स रामगोपाल गानेटिवला प्रा० लिमिटेड। (अन्तरक)
- 2. कुमारी हेमलता पोद्दार।

(अन्तरिसी)

की वह क्षता पारी कहते पूर्वोक्त संपृत्ति में वर्षन के तिल् कार्यवाहिनों करता हुं।

बनत कम्परित के कर्जन के संकृष में कोई भी बासने ह---

- (क) इस सूचना क प्राव्याप में प्रकाशन की राष्ट्रीय से 45 दिन की जनिय मा तत्संत्री व्यक्तियों पढ़ सूचना की तामील से 30 दिम की जनिय, को और जनिय में से समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति इताय अभोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकांगे।

श्यक्षीकरणः -- इतमें प्रयुक्त बच्चों और पदों का, श्री उपल अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं. बही अर्थ झोगा श्री उस सभ्याय में दिसा गया है।

## **मनुसूची**

यूनिट नम्बर---6, 359 वर्ग थफुट। 2, नरेन्द्र दल सरीन कलकता। सक्षम प्राधिकारी के पास 12-6-1985 तारीख में रिकस्ट्रीकृत हुआ।

> णेख नईमुहीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3 कलकत्ता

तारीखा: 14-2-1986

प्रकल कार्याः, दीः, प्रवतः, प्रवतः, -----

नायकर नीभीनयम, 1961 (1961 का 43) स्त्री भारा 269-म (1) ने नभीन सक्तमा

#### नारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायक्त (निरक्षिण)

श्रजंन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2174/एक्य० श्रार०-3/कल/85-86--श्रतः मझे शेख नईमहीन

नायकर नाभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् (उकत नाभिनियम कहा प्या है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मध्य 1,00,000/- रतः से अधिक हैं

अंर जिसकी सं० 2 है तथा जो नरेन्द्र दत्त मरीन, बालकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में अंप पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधि-कारी में, रजिस्दीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 12 जून, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार गरूप से कम के दरममान इतिफंस के लिए सन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्तेंक्त संपत्ति का उचित नाजार मुख्य, उसके दर्यमान प्रतिकाल से एसे दर्यमान प्रतिकाल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एेसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिकास निम्मसिवित उद्दर्धस्य से उत्तर संतरण सिन्धित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मंग्रहरण से हुन्दे किसी मान की नावस , उनक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के काकित्व में कनी करने या उत्तरों स्थाने में स्थिता के सिए: नाँड/वा
- ं (ब) ऐसी किसी जाय वा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधनियम, या धनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-बार्च बन्दरिखी हुवारा प्रकट नहीं किया गया था वाकिया वाना वाहिए था, छिपाने में सविधा वे विए:

बत्य बंब, उक्त विभिनियम की भारा 269-न की अनुसर्क में, में, उन्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्मलिबित व्यक्तियों, अर्थात् ह्य--

- 1. मेमर्स रामगोपाल गानेटिवला प्रा० लि०। (भ्रन्तरक)
- मस्टर मृत्सि वैद ।

(श्रन्तरितीः)

को यह स्वाना भारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हुई 🕕

सम्बद्ध सम्बद्धि के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच है 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सचना की तामील सं 30 दिन की अयधि. आर्ज भी कविभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति ववारा अधोहस्ताक्षरी के पाच लिखित में किए वा सकें में।

स्वकाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पर्यों का, जो उक्त विभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया नया है ।

#### अनुसूची

यनिट नामवार----1ए, एक तला, 2, नरेन्द्र दत्त सरीन कलकत्ता । सक्षम प्राधिकारी के पास 14-2-86 धारीख में रजिस्दीकृत हम्रा।

> शेखनईमहीन सक्षम प्राधिकारी महायक, श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-1986

मोहर: :

प्रारूव बाई.टी.एन.एस.------

मायकर निधिनिमम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) को नधीन सूचना

#### भारतं सरकार

## कार्यालय, तहायक बावकर व्ययुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 2175/एक्यू०/प्राप्तः - ः/ःल/85-86- - प्रतः । मुक्षे शेख नईमुद्धीन

भायक ए जिम्हियम 1961 (1961 का 43) (जिले इसवें इसके परवाद (उक्त जिम्हियम) कहा गया है), की भारत (269-च के अभीन सकाम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्बद्धित जिसका उचित बाजार भूका 1,00,000/- का से अधिक है

और जिसकी सं० 2, है तथा जो नरेन्द्र दत्त सरीम, कलकत्ता में स्थित हैं (और इसमें उपावड़ प्रमुक्ती में अंग्र पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1903 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 12 जून, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकल के निए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्स सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ६—

- (क) अन्तरम् वं शुद्र किया नाव् की नाव्यतः जन्म निभावत्य में नृषीत कर वंदे के अन्यद्रक की वाहित्य में कृती कहने मा उन्नते वक्का में कृतिया में निष्; मृष्टि/ना
- (क) एसी किसी आयु या किसी अनु या जन्य जातिस्त्यों को, चिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिहती क्यारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः ६वः, उक्त विधितयम की धारा 269-ग के अनुसरक मं, मं, उक्त अधितियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधिन, निस्तिविक व्यक्तियों समान् :---

- 1. मेसर्स रामगोपाल गानेटिवला प्रा० लि०, और श्रम्य (श्रम्तरक)
- 2. मेसर्स सिद्धी मागर कारपोरेणन। (ऋन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोच्स सपत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां युच्च करता हुं।

अन्य सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप हं—-

- (क) इत सूचना के रायपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकींगे।

स्पष्किरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और प्रवों का, जो उनस् आयकर है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

युनिट नामवार- – 3, तीन तला, 2 नरेन्द्र दत्त सरीन कलकत्ता। 307 वर्ग फुट। सक्षम प्राधिकारी के पास 12-6-1985 तारोख में रजिस्ट्रीइत हुन्ना ।

> श्ख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-1986

प्रकल बार्ड ,टी ,एव ,एस ,-----

बाधाकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बादा 269-व (1) के विधीन सुचना

#### गाउँ वर्डकार

## कार्यक्षम, सञ्चायक आयकार मानुक्य (निद्रामाण)

श्रजन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2176/एक्यू० श्रार०-3 कल/85-86 श्रतः मुझे शेख नईमुई/न

मायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् उनते अधिनियम कहा गया है), औं भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सस्व 1,00,000/- स्तु. से अधिक है

और जिसकी स० 2, है तथा जो नरेन्द्र दत्त सरीत , कलकत्त। स्थित है (और इसके ज्याबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीजर्ता अधिकारी के वासिक्त सहस्र प्रिक्त कारी में, रिजिस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारीख 12 जून, 1985

को पूर्वेक्स सम्परित के अधित बाजार मृत्य से कम के अस्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्स संपत्ति का उजित बाजार मृत्य उसके अस्यमान प्रतिकल से एसे अस्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिवत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंदर्गेरतीं (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तस पासा नया वितकल, निम्निविचत उद्देश्य से उक्त बन्तरण किवित मे बास्तिथक अप से क्रीयत नहीं किया बना है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय, की बाबत, सक्त अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के ायित्व में कभी करने या समसे बच्चे में सुकि: से किए; ब्रोह/बा
- (च) ऐसी किसी बास या किसी धून या बन्य वास्तियाँ कों, जिन्हों भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर विधिनसन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था खियाने में सविधा के लिए:

बता: वब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वन्सरण में, की. बनत विभिन्नम की भारा 269-म की उपवारा (1) के वभीत, निम्मक्तिकत क्योंक्तवी, अभित् हु--- 1. मेसर्स राम गोपाल गानेटिचला अंग्र अन्य।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती चेतना अग्रवाल और श्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह बुचना बाड़ी करके पूर्वानत सम्पत्ति के न्वीन के किल् कार्यनाहियां स्क करता हो।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतप उक्त स्थावप सम्पत्ति में हिन-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाध सिविद में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दी बीर पत्नी का, जो उक्त विश्वीनवन भी अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं वर्ष होगा को अध्याय में विवा क्या हो।

## वन्यूची

यूनिट नामवार - 9 एक तला । 2 नरेन्द्र दत्त सरीन, कलकत्ता 279 वर्ग फुट, सक्षम प्राधिकारी के पास 12-6-1985 तारीख में रजिस्ट्रीईन हुआ।

> शेख नईमुईति सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजित रेंज-3, कलकत्ता-16

नारीज: 14-2-1986

प्रकप आहें. टी. एन., एस. \*\*\*\*\*\*

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के नभीन सुचना

#### area enem

कार्यालय, सहायक आयकर कागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2171/एक्यू० प्रार०-3 कल/85-86---- प्रतः मुझे शेख नईमहोत

जायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें प्रथात 'उक्त विभिन्नियम' कहा गया है), की भाषा 269-च के विभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का चारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

और जिसको सं० 2, है तथा जो नरेन्द्र दत्त सरीन, कलकत्ता स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में धाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यास्य सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्राकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारोख 12 जुन, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया ब्रितिफल, निश्नीमिवत उद्योध्य से उसते बन्तरण निश्चित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया वया है कि—

- (क) संतरण से हुई किसी बाय की बायस, अवस विधिन्यत्र के बधीन कर योगे के अंतुरक की दायित्व में कभी करने या सससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) श्रेसी किसी बाब या किसी धन या बन्य वास्तियों करों, जिन्हों भारतीय जासकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणाबनार्थ जन्तरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के निए:

बतः वर उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बगुवरण को, में उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बभीन, निस्तिविक व्यक्तिकों, अर्थत  मेसर्म राम गोपाल गानेटिबला प्राइवेट लिमिटेड और जन्म।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमतीं गायवीं चिरिभार

(अन्तरिती)

को वह स्थमा बारी कारके पृथीवत सम्परित के वर्षन के विष्
कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त स्वारित में वर्षन में सम्बन्ध में कोई ही बासेन् ह---

- (क) इस त्वमा के राजपत्र मी त्रकाखन की वारीच है 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी व्यक्ति बाद में समान्य होती हो, के भीतर पूर्णेक्स व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राधवन में प्रकाशन की तार्णंच से 45 किसी अन्य अधितर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवष्ट्य किसी अन्य अधित द्वारा, वभोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किसे का सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वीधीन्यमा के अध्याद 20 क में परिधाणित है, तहीं वर्ष होता को उस अध्याद में दिनः गवा है।

#### वन्त्र्यी

युनिट नामवार — 3 और 4 चार तला, 2; नरेन्द्र वस सरीन, कलकत्ता, सक्षम प्राधिकारी के पास 12-6-85 तारींख में रिजिन्द्रित हुआ।

> भोखा नईमुद्दीन मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेंज-८, कलकला-1-16

नारीखः 14-2-1986

मोहर

प्ररूप नाइरें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर नायक्क (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, जल्≕ा

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी, 1986

तिर्देश सं० 2178/एक्यू आए०-3/sा/85-86—-अतः मुझे शेख नई मुद्दीन

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

और जिन्न सं० 57ए ब्रॉंग 57 बी है तथा जो जो पद्मपुर रोड़, कल क्ला में स्थित है (ब्रॉंग इसमे जावड़ अनुमुची में ब्रॉंग पूर्ण का में बर्णित है), रिजिस्ट्री रिर्ता अधि गरी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रिजिस्ट्री रिर्ता अधि गरी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रिजिस्ट्री रिर्णा अधिक्यिम, 1908 (1908 का 13) के अधी । शारीख 26 जूर, 1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दूरयभान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीदा एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिय के एसे किथा रसा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वस, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उतत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन : निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 28—516 GI/85

- 1. श्री भमीन चन्द्र छोटालाल जार्मोर एवं अन्य। (अन्वर्क)
- 2. दक्ष भि० भिमानी एवं अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुः

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की क्विधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की क्षामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्ति यों में सिक्ती व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जो सकेंगे।

स्यप्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दा और पदों का, जो उसस अधिनियम, के अध्याय 20-क में रिशादिक हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में हिया गया है।

#### ## **#**

जमीत — 10 जाठा 8 छटा रूपवं 45 वर्ग फुट, 57 ए श्रीप 57वी, तद्युकुर रोड़, जनकत्ता सक्षम प्राधिकारी के पात्र 26-6-1985 तारीख में रजिस्ट्रीकृत हुआ।

> णेख नईमुदीन सक्षम प्राधिकारी लहास रु आय रुप आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-ी, रुल रुक्ता-1.6

नारीख: 14-2-1986

प्ररूप आइ. टी.एन.एस.-----

आनंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

#### भारत तरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-३ जलकत्ता कन पत्ता, दिनांक 14 फल्बरी 1986

निर्देश मं० 2179/एक्यु० आए०-3/कल/85-86-*--*अतः मुझे, शेख भईमुद्दीन

१४२२ ४१४४२४४, 1961 (1961 का 43) (**जिसे इसमी इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की** धारा १६९-स के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी की यह विश्वास करने का **कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिस**का उचित बाजार मूल्य ४,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 10 है तथा जो गुमेंस्दम रोड़, कलवत्ता स्थित है (प्रोर इतने उपाबद्ध अनुसुची में प्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), पिन्स्ट्री तो अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधि-कारी में, रजिल्ही हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 जुन, 1985

प्रा प्रॉक्ट सम्परित के उचित बाजार मृन्य से कम के प्रविमान प्रतिफल क्षेत्रे लिए अंतरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास **फरने का कारण हैं कि यथाप्**र्मोक्त सम्पत्ति का उपित शकार भू**न्य, उमले द**क्षमान पतिकल र गृप १८५४व कानकार 🖘 पन्द्रह प्रतिकास सं अधिक ही और अंसरक (अंसरकार) और अंतरिसी (अन्तरितिकों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया भवा शिक्षान, निम्नानिष्यंत उद्योग्य से उक्त अन्तर्य जिन्निश में बन्नदायक लग में क्या महीं किया गया है दे---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबता, उच्च अधि-नियम के अभीन कर धोने के अंतरक के दायित्य मो कमी रूरते या उससे बचने में मुविधा के लिए; वर/५।
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्त्र ज्ञारिनयों को जिन्हों भारतीय आयक्त लिभिनियम, १९०७ (1022 कर 11) या उस्क बिधिनियम, बा कर-कर **अधि**निष्यम् । १५६७ ११५६७ - छ १७४ - व प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केसिए।

अप्त. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 🦸 वाभीन, निम्नतिविद्यात व्यक्ति . 🕒 , 🛶 🦰 :--

1. श्रीमती गीता देवी सर्मा।

(अन्त्र ह

2. मेसर्म फनेक्स ट्रास्ट।

(अन्तरिती )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 बिन की बविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकर **स्थानितको में** भ किसी व्यापित ४५१छ
- (बा) इस स्वाना की राजपत्र मं प्रकाशन का तारीध स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्तित में किए वादकों ने।

स्वक्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, विधिनिवर्म के कथाय 20-क में परिभाषिट **है, वहीं वर्ध होगा जो** उस अध्याय मां विका ववा 🕻 ।

### नन्स्ची

प्लाट नामवार--'ई' चार तला। 825 वर्गफुट। 10 गुरुप्रदय रोड़, कत हत्ता, सक्षम प्राधि हारो के पास पी०-26-८-85 तारीख में रेजिस्ट्रीकृत हुआ।

> शेख नईम्हीन यक्षम प्राधि हारी महायाः आयारु आयुक्ता (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 1य-2-1986

प्रक्य भार्डं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक मायकर मायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलगत्ता, दिनांग 14 फरवरी 1986

निर्देश सं २ २ १८३ )/ एस्यु० आरर०-3/ कन/85-86—-अनः मुझे, मोख नईमुहील

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें सिक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 173 है तथा जो सरन बोप रोड़, जल ब्ला स्थित है (श्रीर इसने उनावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप । वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय रक्षम प्राधि-कारी में, रजिस्ट्रीकरण अधिक्यिम 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख 26 जुन 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे उश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीन :--- 1. मेसर्स मदगुल उद्योग

(अन्तर र )

2. मेसर्स लारसेन एवं डबरो लिमिटेड।

(अन्परिती )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्भत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (स) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्क निर्भागियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसुची

प्लाट नं० 2 ए, ग्रांर 3 बी, 1700 वर्ग फुट एवं 1980 वर्ग फुट 176, सरन बोष रोड़, कलकत्ता। सक्षम प्राधि-कारी के पास 26-6-85 में रिजिस्ट्रीकृत हुआ।

> शेल नईमुद्दीत सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

नारीख: 14-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुनना

भारत सरकार

कार्णालय, सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 फरवरी 1986

निर्देश सं० 2181/एक्यू० आर०-3/कल/85-86—अत: मुझे, शेख नईमुदीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 2/5 है तथा जो सरन बोप रोड़ कल कत्ता में स्थित है (और इसन उपाबत अनुसूची में और पूर्ण का में वर्णित है), रजिस्ट्री ति अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीत, तारीख 26 जून, 1985

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्गह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्दृष्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उत्तस बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लए;

अत: अब उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1. मेसर्स कामनेक डेटक्यमेट्र प्रदरेट विविदेख। (अन्तरक)
- 2. मेरार्स राचि फिनास कॅपनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्त में हिसबेद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुची

जमीन 22 काठा 3 छटाक, प्लाट नम्बर —बी, चार तला 2/5, सारम बीस रोड़, कलकशा सक्षम प्राधिकारी केपास 26-6-1985तारीख में रिजस्ट्री-कृत हुआ ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-1986

वक्त बार्चः टॉ. यूनः एषः ------

नायकर निधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के नधीन स्थान

### भारत बहुकानु

### कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्तज)

अर्जन रेंज-3, कलक्रमा कलक्ता,दिभांक 14 फरवरी 1986

मिर्देश सं० 2182/एक्यू० आए०-3/कल/85-86--अतः मुझे, शेख नईमुदीन

शायकर निर्मायन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० 7बी है तथा जो किरन शंकर राय रोड़ कलकत्ता में स्थित है (भ्रीर इससे उपावद्ध अनुसुची में भ्रीर पूर्ण रूप ले वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में, रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 जून, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के करयमान अतिफास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निक्धास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यामान प्रविक्तंस सं, एसे क्यामान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और संतरक (अंत्रकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्दरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नन्तरण ते हुई किती बाय की बायत, उक्त बीधीनयम के बधीन कर दोन के जन्तरक के शायित्व में कमी करने ये, उसम बचन में मीविधा कामण; बीर/ये।
- (च) एंसी किसी जान सा किसी धन या जन्म नास्तियों की, चिन्हों भारतीय भायकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त जिधिनियम, या धनकर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया सवा वा या किया चाना चाहिए था जियाने में स्विभा के निए;

अकः भव, उक्त विधिनियम की भारा 269-व के नन्सरक मों, मों, इक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मैसर्स जी० आर० म**खिजा** एवं कम्पनी। (अन्तरक)
- 2. मेसर्स निसपमा कापूर श्रांर अन्य। (अन्तरिती)

को सह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति ने नर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की सारीश है 45 दिव की बनीश या तत्वस्वत्थी व्यक्तियों पर स्वा की तातीस से 30 दिन की बनीश, को भी अविव बाद में सनापा होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वुकारा;
- (क) श्वस सूचना को राज्यपन में प्रकाशन की शारीक के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निकात में किए जा सकों गे।

ल्बच्दीकरणः-इसमें प्रयुक्त बच्दों और पदों का, जो उच्छ जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### बर बाकी

आफिस नोटीस मम्बर—ई०और एफ० 470 वर्ग फुट चार तला। 7बी०, फिरन गंकर राय रोड़, कलकत्ता। सक्षमप्राधिकारी के पास 26-6-85 में रजिस्ट्रीकृत हुआ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 14-2-1986

प्ररूप बाह्री, टी. एन. एस्.-----

नायकर नीभीनवस, 1961 (1981 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीन इचना

(अन्तरक)

2. श्रीमती अनुराधा सोम ।

मे तर्ने हरियद हाउँ जिंग सो गायटी।

(अन्तरिती)

### शहत सहकार

कायासय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्तक)

अर्जन रेज-3, कल कत्ता

कल हत्ता, दिनां ह 14 फरवरी, 1986

िर्देण मं० 2183/एक्यू० आर.०-3/कल/85-86--अत: मुझे शेख नईम्हीन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृश्चात् 'उक्त अधिनियम' ऋहा गया हैं), की भारा 269-के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का दारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रः संबधिक हैं

अभिर जिसकी सं० ।/३७ है सभा जो गरियाहाट रोड़, बलयत्ता स्थित है (क्रीर इससे उपायद्व अनुसूची में क्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीयर्ता अधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधि-कारी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 26 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मृत्य से कम 📑 ६ ६ स्थकान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और अभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रहप्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाें) आर अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित भें वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बैतरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त बाँध-नियम को अभीन कर दोने की अन्तरक को गायिए में **रूमी करने** हा असमें बचन में स्विधा के लिए TO Y'A
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ধ্যুক্তর জীন্দিয়ে, 1957 (1957 का 27) के प्रस्केटनार्थ जन्तिरती बुबार प्रकट नहीं किया गधार्था या विभवा भाना चाहिए था, कियाने मे मुख्या है निस्

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) फें अधीन, निम्निलि**खित व्यक्तियों, अर्थात्** :---

को बृह सूचना बारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिध कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त कम्परित के वर्षण के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस बूजमा के राजपन में प्रकाशन की दारीश से 45 दिन् की ववधि या तत्त्वस्थन्थी व्यक्तियाँ १३ **ब्**चवाकी दानीय से 30 दिन की नविभ्, का नी व्यविष बाद में बनाप्त इस्ती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से विश्वी ध्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस क्षता के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब स 45 विन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति वाँ हिसबब्ध **किथी अ**न्य व्यक्ति द्वारा अभोइस्ताक्षरी के शस निषित में किए जा सकोंगे।

**रप=्योकरणः—इस**मे प्रयुक्त सन्दाँ दौर पदौँ का, जो उक्त मिनियम, के मध्याव 20-क में परिभाषित हैं, **नहीं वर्ष हां**गा जो जस **बध्या**य में दिया गमा 💤 ।

#### भनुसूची

104 वर्ग फुट, चार तला । 1/46 गरियाहाट रोड़, प्रजाहता । सक्षम प्राधिकारी के पास 26-6-1985 तारीख में रजिस्दीकृत हुआ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी जहाय रुआय कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

नारीख: 14-2-1986

### प्रकृप आई.डी.एन.क्स.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, मद्राय

मद्रात, दिनां ह 7 फरवसी 1986

तिर्देण स० 5/ज्य 1985---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

भायकर अधिनियंत्र, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिलकी सं० उड़मलें, दारापुरम रोड़ ठी० एस० सं० 22 ब्लान संख्या 6 वर्ष डी हैं, जो तिस्पुर में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्री इर्ता अधिकारी के कार्यालय उड़मलपेठ-लेख में सं० 1206/85 में भारतीय रिजस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को प्नेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्पयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे स्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक एप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अप या किसी भन या अस्थ बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-भनकर अभिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति तो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 वन अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को अमृतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
 वे ध्यीम, जिल्लिकित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री ए० अलगिरीस्वामी।

(अनारक)

2. श्रीमती नागलक्ष्मी।

(अन्तरिती)

का वह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सञ्जलि के वर्षन के तिर कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बंधि के बाद में समाप्त होबी हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यिक्तियों में से किसी क्यिक्त ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याद में विभाग गया है।

### वग्स्ची

भूमि श्राँर मकान — उड़मले— तिरुपुर टी० एस० सं० 22 व्याक सं० 6 वार्ड डी० मृतिशिषक वार्ड 6 उड़मलपेठ लेख सं० 1206/85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायव आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

नारीख: 7-2-1986

प्रक्म बाई.टी.एन.एस. ------

नाथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्मान

#### भारत सरकार

कार्यालय, महाग्रक कार्यकर कार्यक्त (निरक्षिक)

अर्जन रेंज -2, मद्रास मद्रास, दिनांक 5 फरवरी 1986

निर्देश सं० 8/जून 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 100,000/- रह में अधिक हैं

श्रीर जिलकी सं० 22, पुराना सं० 20, 'णोबा' शिवगंगा रोड़ नुगम्बाव तम है, जो मद्रास-34 में स्थित है (श्रीर इसमें उलाबद्ध अनुसूची में श्रार पूर्ण रूप में वर्णित है), रिक्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय थौसन्डलैंडस् लेख सं० 300/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 को 16) के अधीन, जुन 1985

को प्वांचित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिकाल के सिए अंतरित की गईं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि ग्रंथापर्वासन संपत्ति का जाकत बाजार मृत्य , जसके ध्रयमान प्रतिकास से, एते क्षयमान प्रतिकास का पत्त्रक्ष प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरक के निए तम पाना नवा प्रतिकास, निम्निनिचित उच्चेक्स से उच्चे अन्तरक सिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उसक विध-विधिन्यम के वधीन कर दोने के अन्तरक के विधित्व के कवी करने या उससे बचने में नृविधा के लिए वीर/वा
- (स) एंसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या सकत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए चा, छिपान में स्विधा के निया।

ल्भ अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण ते. में, अक्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीत, शिक्ष अधित व्यक्तियों, अभीत :--- 1. श्री कें > प्रताप ।

(अन्तरक)

 श्री जोसफ तामस ग्रांद श्रीमती मिन्नीस जोसफ। (अन्तिरिती)

का वह स्वना जारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा जी अवधि शद में समाप्त होती हो, जे भीतर पर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवादा:
- (क) इस स्थान के रायपण में प्रकाशन की तारीय से 45 विश् के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबहुध किसी ज्ञा व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार शिक्ति में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कर्को काँर पदों का, जो उक्त विधिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाजित हैं, बड़ी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

#### भ्रनुपूषी

भूमि भौर मकान --22 पुराना -2ए) घोमा, शिवग्गा रोड़ नुगम्बावकाम, मद्रास-34 थॉमन्डलेउम लेख सं० 300/85

> श्रीमती एम० प्रामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयण्य आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

कारोख: 5-2-1986

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. ----

# बायफार निर्मान्यम, 1961 (1961 का 43) की थाडा 269-न (1) के नभीन स्थान

भारत युरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्राम

मब्रास दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० 14/जून 1985---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थान करने का कारण है कि त्थानर सम्पत्ति, चिसका उचित नावार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 12 शिवगामिपुरम डा० राधाकृष्ण नगर फरेंट मैं। रोड, है जो तिक्वािभपुर मद्रास 41 श्रीर एम० 138/5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजीस्ट्री जित अधिकारी के कार्यालय श्रीरोपेठ उल्लेख सं हिस्मा 514/85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीम दिनांक जून 1985 को पूर्वें कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य ते कि व वे दश्मान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वें कत सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य ते कि वं विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वें कत सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान श्रीतफल ते एते दश्यमान श्रीतफल का पत्रिक संवर्वें आरे अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तम पामा गया श्रीतफल निम्निविचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक स्प से क्रियन नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतक के दायित्व में कमी करने मा उससे वचने में शुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाव वा किसी धन या जन्य आस्तियों को चिन्हों धारतीय जावकर विधिनयम, 1922 (1979 को 11) या उत्तत अधिनियम, या चनकर विधिनयम, या के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के सिस्टं:

बतः भव, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उद्या अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 29-516 GI/85

(1) श्री जे० विकटर फेनिलान्।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० सुसैराज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इत त्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुष किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में क्षिण रामकोंगे।

स्वक्कोंकरण:—-इसमें प्रयोक्त भव्यों और पदों का, को उपस अधिनियम, को सध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं सर्थ होगा को उस सध्याय में विका भवा है!

#### नग्राची

भूमि और मकान 12 शिवगिमपुरम डा० राधाकृष्ण नगर फस्ट मैन रोड, तिरूविनपुर मद्रास 41 आर० एस० सं० 138/5 हिस्सा भैदापैठ लेख सं० 514/85 138/5 हिस्सा

> श्रीमती एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनां रा:-7-2-1986

### प्रस्य बाह<sup>े</sup>, डॉ<sub>ल</sub> पुर<sub>ल</sub> हुए<sub>ड</sub> ५ ८ ८ ८ ८००

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन क्षाना

#### महत्त्व चंद्रेन्ड

कार्याजन, बहानक नायकर नायुक्त (निरीक्षम)

अर्जन रेंज-2, मद्राप मद्राम, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० 50 जून 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुक्ति,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त शिंधिनयम' कहा गया है), की भार 269-च में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० गांधीनगर माणिक्कु मुदलियार स्ट्रीट है जो श्रुष्टुमले पेठ गांव में स्थित है (ग्रीट इसमे उपाबद्ध श्रमुद्धा में और पूर्ण का मे विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, श्रद्धमले पेट, विलेख मं० 1534/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जून 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यान करियल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यार करने के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यार करने के लिए उपमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह बित्तत से स्थित के दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह बित्तत से स्थिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्मसिवित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निविद्य की बास्तिक क्या ने कीसत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की अध्यक्त अधक विभिन्नियम के बधीन कर दीने के अन्तरक के दावित्व में कामी कारने वा उत्तसे क्याने में सुनिधा के सिए; बार्ट्/वा
- (व) ध्रेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को किन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) अं प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा उक्त अहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, (छ्यानं में स्विधः) के लिए।

बतः मर, उक्त जीभिनियम की भारा 269-ए को अन्सरण भे, गाँ उवार मधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) भे गभीन, निम्निसिहत व्यक्तिस्यों, स्थाहि :---- (1) श्री एम० सूर्य कुमार

(अस्त्राप्ता )

(2) श्रीमती एस० माहना

(अन्दरिती )

को यह सूचमा बारी करके पृत्रीक्छ सपत्ति के अर्थन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

टक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाकीय ह--

- (क) इस स्वान के राज्यक में प्रकाशन की तारी के दें 45 दिन की अविधि मा तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वनी भाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की शारी सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबबुध । कार्सा अन्य स्थानित द्वारा, क्योहस्ताक्षरी को पास निवास में किए का स्कोंगे।

### **मन्स्ची**

भूमि श्रीर महात लेख सं० 1534/85 की शैडूल में दी हुई सम्पति उडुमत्ले पेटसं० लेख मं० 1534/85

> श्री मती एम० सामुवेल सञ्जम प्राधिकारी जहाबक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्राप

दिनां ह : 7-2-1986

प्रकथ आहे. टी. एवं. एस-...-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्याक्य, सहायक वायकर वायुक्त (विरोक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 फरबरी 1986

निदेश सं० 55/जून 1985---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रह. से अधिक हैं

ष्ट्रीर जिलाकी सं० आर० एस० सं० 3953/2बी 1ए ए1 है जो उठ्ठी में स्थित है (श्रार इसने उपाबद अनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप से विणित्त है), रजीस्ट्री को अधिकारी के कार्यालय उद्देशमण्डलम् लेख सं० 593/85 में भारतीय रजीस्ट्री कण अधिक्षियम 1908, (1908 जा 16) के अधीन दिना जन 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मून्य, उसके स्थमान प्रतिफल सं, ऐसे स्थमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिस में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बावत, बायकर अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को बायित्व में कमी करने या उत्तर बचने में सुविधा के निए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भून या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारण प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विधा है लिए;

बत: शब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थास्:--- (1) अठोरिठ द्रेड्सं प्रा० लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० एन० रामनाथन्।

(अन्तरिती)

का यह भूजना जारी करफ पूर्वाक्रत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

### एकत सम्बद्धि के बर्चन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (कां) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो.
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विश के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

### वन्स्यी

भूमि 10122 एस० एफ०टी० भिन्न हिस्सा-2063 एकर्स में आर० एस० सं० 3953/2बी 1ए ए1 ऊँ ऊठी उदगमण्डलम् लेख सं० 593/85

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मन्नास

दिनांक: 6-2-1986

### क्षाच जाद<sup>े</sup>. टो ्यन् . एस . -------

## भारतार श्मिनियम, 1961 (1961 का 43) की वास 269-व (1) के बचीय क्यम

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, विनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० 56/जून 1985---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुदेल

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) विश्व इसमें इसके परधात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं),, की धाड़ा 269-च के मधीन सम्भ प्राधिकारी को यह निरवास कड़ने का कार्क हैं कि स्थावड़ सम्मत्ति, विस्तका स्थित् नाथार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० तिरूधुर पल्ल उम् कांगेयम्पालम् है जो कोयम्बतूर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रींप पूर्ण रुप से वर्णित है), एजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जायांलय मुलूर लेख सं० 936/85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985

की पूर्विपत्त बन्धिति के उचित बाधार मृत्य से कम के असमान प्रतिकल के बिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बंधापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाधार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे स्थ्यमान प्रतिकल का लाइ प्रीटक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तय पावा गवा प्रतिक्त का निम्मसिवित उद्वरेश से उच्य बंदरण जिल्हित में बास्तविक क्यू से कमित नहीं किया नवा है है—

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिविज्ञ के ज्योंन कह बने के बन्दरक के शिवरण में कमी कहने वा उन्नसे बचने में सुनिधा के फिए; सर्ट/या
- (क) हैसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तिर्जा की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया प्रमा वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए?

बृतक्ष **अप, उक्त विधितियम् की धारा 2'69-ग के वज्**सारण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के बधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री बेलु स्वामि गौंडर श्रीर 12 अस्यों (अन्तरक)
- (2) कोयम्बतूर मार्केटिंग कमिटी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

### मन्सूची

कृषि खेती सुलूर तिरूधूर पहलाउम् कांगेयम पालयम् कोयम्बतूर लेख सं० 936/85

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 7-2-1986

प्रकृप भाद्र', टी., एन., एस. ---- गन्न

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) को अधीन सुजना

#### भारत सरकार

### कार्यभव, सहायक भायकर भायूक्त (निर्देशक)

अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्राप्त, दिन(क 7 फरवरी 1986

निदेश सं० 59/जून 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

आयुकर अधिनि म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें समर्थ अकार उद्या अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अर्धान सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- र . तं अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० पाल्याच्ची गरम। पोल्याच्ची बार्ड सं० 4 टी० एस० मं० 92/2 है जो विरुधुर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विष्ये हैं) रिजस्ट्री उर्वा अधिकारी के कार्यालय पोल्लाच्ची लेख सं० 1110/85 में भारतीय रजीस्ट्री उरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनों क जूम 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के श्रियमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि प्रथापूर्विक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके श्रियमान प्रतिफल से, ऐसे श्रियमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निविचित उद्देश्य से उसत अन्तरण के लिए तर वासा गया प्रतिफल, निम्निविचत उद्देश्य से उसत अन्तरण के लिए तर वासा गया प्रतिफल, निम्निविचत उद्देश्य से उसत अन्तरण के लिए तर वासा गया प्रतिफल, निम्निविचत उद्देश्य से उसत अन्तरण के लिए तर्म वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण ते हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए।

वतः करा, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की अनुसरण में, भा, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निस्तिविक स्पन्तियों, अप्यति डिल्ल (1) श्रीमती णाखा।

(अन्तरक)

(2) श्री के० माच्निमुत्तु गौंडर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मित्त के कर्जन के संबंध में कोंद्र भी बाक्षोप ;़─

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 हिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि ताद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्ट जिल्लिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कान्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टि हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

### अनुसूची

भूमि श्रीर मकान पोलाच्ची गस्पा पोलाच्ची सर्वे बार्ड सं० 4 दी० एस० सं० 92/2 तिरूधूर पोल्लाच्ची लेख सं० 1110/85

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक .7-2-1986

### प्रकल नार्षं . ही . हन . एत . -----

(1) श्रीमती गौरि माधवन्।

(अन्तरक)

(2) श्री एल० तिलक चन्दा

(अन्तरिती)

आयकर वाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन सूचना

#### नारत संस्कार

## कार्यालय, सहायक नाम्कर नामुक्त (निर्देशका)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्वास, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० 75/जून 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का स्टारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,06,000/- रहे से अधिक हैं

ष्मीर जिनकी मं० एन० मं० 2150/2ए, 0.07 एकर्म कूनूर टाऊन है जो नीचिंगरीस में स्थित है (प्रांश इसमें उपाबद्ध अनुसूची में प्रांश पूर्ण कर म विणित है), रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कूनूर नेख मं० 880/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनां ह जून 1985

को पूर्णोक्त सम्मिति को अभित बाजार मुख्य से कम को इष्यभान शितक्य की लिए अन्तरित की गई है थार मुख्ये यह विश्वास करने का कारण है कि बथा पूर्णोकत सम्मित का उपित बाजार मुख्य, उसको दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल से पंद्रह प्रतिकृत से अभिक है बीर संतरक (संतरका) सीर संतरित (अंदरितिमों) के बीच एसे अंदरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्मिनियत उद्देश्य से उकत अन्तरण निवित में बास्त्रिक क्या यो कथित सहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण ए हुंदूर किसी जाम की बाबत, जनस समितियम के सभीन कर दोने के जन्तरक के बाविस्थ में अपनी करने वा उत्तस बचन में सुविभा के लिए; बॉर/वा
- (क) एसी किसी जाम या किसी भन या अन्य जास्तियों करें, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्थारा प्रकट नहीं किया जया जा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविजा के विका

शतः सव, उक्त वीभीतियम की भारा 269-ग की वनुसरण ता, में अक्त विधितियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) १९ मधीन, निकालिखित अविवासों, वस्ति ह— न्त्रों गड्ड सूचना वाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिक्ष कार्यवाहियां करता हो।

**उन्त** संपत्ति को कर्षन को संबंध में कोई भी जासोप :---

- (ल्) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की शारीचा हैं 43 दिन की बनीच या सरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को और अनीच बाद में समाप्त हमेती हो, के भीतर पूर्वोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाबन की तारीचा के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबकुष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाव तिकित में किए था सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों गरि पदों का, वो उपक श्रीभिनयम, के जभ्याय 20-क में परिभाषित है, यही वर्ष होगा वो उस सभ्याय में दिशा भवा है।

### न्पृष्यी

भूमि श्रीर मकान एस० सं० 2150/2ए 0.07 एकर्स कूनूर नीलगिरीस् कूनूर लेख सं० 880/85

श्रीमती एम० मामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मब्रास

दिनांक 7--2--1986

प्रकृष आहे. टी. एन. इस . -----

भागकर निर्मित्तवन, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-व (1) के बभीन स्वना

#### नारत तरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फण्वरी 1986

निदेश सं० 76/जून 9**85---अ**त :मुझे श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीर सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से विध्यक है

प्रीर जिनकी मं० आर० एम० सं० 150/3ए, 150/4 बी, 157/1बी, 150/ए2, 157/ए, 157/उए, है तथा जो 157 3बी, 164/3बी, 164/3मी 6.80 1/2 ए इसे में स्थित है (प्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप में विजित्त है) रजीव्हीकर्ता अधि तरी के कार्यात्य कूनूर लेख सं० 915/85 में भारतीय रजीस्ट्री उरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिशंग जुन 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उभित बाजार ब्ल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और म्फो यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का क्ल्यह प्रतिकृत से मीधक है जोर कन्तरक (बंसरकों) जोर कंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के निए स्य पाया गवा प्रतिफल कस निम्नतिवित उद्देश्य से एक्त क्ल्यरण लिकित में धास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाब्त स्थल अधिगेरणम के जभीन कर दोने के जन्तरण के विधिक्ष में कमी करने वा उत्तर्ध बचने में सुविधा के जिए; और/मा
- (च) ऐसी किसी आयु या किसी धम या बन्य वास्तियों को, रिवाइ भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्दिरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना वाहिए था, खियाने में सुविध्य है सिक:

अशः गा, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में. में, ाक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिचिट स्थिकतयों, अभीत :---

(1) प्रसंचन ।

(अन्तरक)

(2) एन० दण्डनाणि

(अन्तरिती)

को वह सूचना बारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निध् कर्यवाहियां सुक करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के बंबंध में कोई भी वाशंध हूं---

- (क) इत सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की नवीं या तत्सकत्भी क्योंक्समों पर स्वना की राजीस से 30 विन की सर्वीं , जो भी नवीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त कविषयों में से किसी स्ववित ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तासीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षारी के पास जिल्हित में किए वा तकोंगे।

त्यक्षीकरण :--इसमें प्रवृत्त शक्तों और वर्षों का, को जनत निवन, को जभ्याव 20-क में वरिभावित हैं, यही नर्थ होगा जो उस नभ्याय में विधा भया हैं:

### **प्रनुस्**ची

भूमि आर॰ एस० सं० 150/3ए, 150/4बी, 157/ 1बी, 150/1ए,2, 157/1ए, 157/3ए, 157/1बी, 157/3बी, 164/3बी,164/3सी, 6,80 1/2 एकर्स कूनूर लेख सं० 915/85 ।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधि हारी सहायक जायकर आयुक्त (पिरोक्षण) अर्जन रेज~2, मद्रास

বিলাল: 7-2-1986

श्रीमती

प्ररूप कार्ड. टी. एम. एस.-----

(1) श्री रोलवद्ररी।

(अन्तर्क)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन स्वना

(2) श्री दास बाद्धर।

(अन्तरिती )

भारत सरकार

को। यह सुभना जारी बरको पर्योक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हो।

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्षेप ह---

अर्जन रेंज-2, मद्रान

(क) इत स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 36 दिन की अदिधि, जो भी ■विदेश बाद भें समाप्त होता हो, क भीतर प्वींयत म्यक्तियों में से किसा ध्यक्ति दक्षाराः

(अ) इस सुभना के राजधन मं अकाशन की तारीख से 45 विभ के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदद्व किसी जन्म व्यक्ति दकारा अधिष्ठस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकें मे।

मद्रास, दिनाक 7 फरवरी 1986

निवेश सं० 82/जून 1985—अनः मुझे,

मौधनियम,, के अध्याय 20-क में प**रिभाषि**त हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

एम० सामुबेल, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य

1,,00,000/- रु. से अधिक है

सम्बद्धाकरणः --इसमें प्रवृत्रत शब्दों और पदों का,

भ्रौर जिन्नकी सं० टी० एस० मं० 10/160-162 सिदापुदूर कृष्ण रामपुरम् गांव है तथा जो सर्वे सं० 13 के० के० नगर कीयम्बतूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालर को यमबभूर में भारतीय रजीस्ट्रीकरण अधिनयभ 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक को पूर्विक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के परयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्भात्त का उचित बाचार मृत्य, जस्के उपयमान प्रतिफल से गुसे अप्यमान प्रतिफल 🤏 पेब्रु प्रतिवात सं अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए सब पाक गर्मा प्रतिफल निम्नलिकित उद्दर्भ से उक्त बन्तरण किवित में बास्त्रविक रूप से काँभक नष्टीं किया गया है ह---

### जग्लुजी

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा

भूति श्रौर मकान दी॰ एस॰ सं10/160-162के० के० नगर सिद्धापुदूर कृष्ण राम पुरम सैठ सं० कोयम्बभूर कोयम्बभुर लेख सं० 28-2-1985 ।

(का) धेती किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में तृतिभा के जिए:

श्रीमती एम० सामवेल ाक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

अक्ष: अब, उक्त भौधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, भी, उस्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अभीत् :---

दिनांक: 7 -2-1986

प्ररूप आह्र .टी .एन .एस . -----

अभयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ष (1) के अधीन स्<del>ष</del>ना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मब्रास मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निदेश सं० 87/जून 85--अनः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पहचात् 'उक्षत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० कुरुडम्पालयम 96/12-72 है, जो कोयम्बनूर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबत अनुसूची में श्रीर पूर्ण
क्य में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पेरियनायकत्रपालयम् लेख सं० 1232/85 में भारतीय
रजिस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख जुन, 1985

का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूर्यमान प्रतिफल से, ऐसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे क्ष्यने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ( धनक्त अधिनियम, 1957 (1957 का १८) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हरू

क अधान , निम्ना 30—516 GI/85

- (1) श्री के० वी० नारायणस्त्रामिनायुषु । (अन्तरक)
- (2) श्री ए० प्रष्ट्मुगम। (अनारिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्भीश के वर्षम के शिक्षण कार्यनाहियां करता हूं।

बक्त बन्दिता के वर्षन के सम्भाग में कोई भी आक्षेप 🧫

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विश् की अविधि या तस्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 विन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित स्थितियों में से किसी ध्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध हैं कसी जन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकीये।

स्पष्टीकरण: — - इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, की अध्याय 20-क मो परिभाषित की, वही वर्ष दोगा, को उस अध्याय में विका अवा हो।

#### का संभी

भूमि भौर म तान कुरूडम्पालयम् कीयम्बत्तूर पेरिनायकन-प लयम् अस्य सं० 1232/85।

> श्रीमती एम० वस्मुत्रेन अक्षम पाधि हारी सहायक आयकर अध्युक्त (धिरीक्षण) अर्जगरेन , मद्राय

नारी**ख:** 7—2—19**8**6

प्रारूप आहु .टी. एन .एस् .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्त)

अर्जभ रेंज- , मद्राम

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश मं० 89/जून 1985—-अतः मुझे, श्रीमती एम० रामवेल,

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 26% के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० जी० एस० मं० 560/1 बी, 560/1, 561/डीर मं० 47 मं० 22/87 है, जो टी० एस० नं० 12/77 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुसुची में श्रीर पूर्ण कर में विणत है), रिपस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यान्य, कायम्बत्तूर नेख सं० 2423/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जर 1985 को

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस की गई और मुसंग्री यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निलिख में वास्तिविक रूप से किथन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की अखत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मृतिधा के लिए:

अस: अब, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्क अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्व व्यक्तियों, अधीत के— (1) श्री एउ० अप् मीनाराम

(अन्धर्क )

(2) श्रीमती पी० आए० विषालकी

(अन्ति रिती )

को यह भूचना जारी करके पृत्रीयत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: --- इसम्पे प्रयुक्त सम्बो और पदी का, को उक्त अधिनियस. को अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में विद्या गया हैं।

### अन्**स्ची**

भूमि घाँर आर० सी० मी० मकान 47, सं० 22187/ टी० एप० सं० 12/77 कोयम्बन्र, लेख सं० 2423/85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहाय हे आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-11, मद्रास

तारी**ख**: 7-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्राप, दिनां रु 7 फरवरी. 1986

निवेश सं० 95/ज्त 85——अाः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बातार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिन्नकी सं० तेलुगुरात्रयम् गांव आर० एस० पुरम ब्ताक सं० 10, वार्ड सं० 8 है, तथा जो टी० एस० सं० 51, हिस्सा सेट सं० 7 कोबम्बतूर में स्थित है (श्रीर इससे उताबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर पे बिण: है), प्रतिष्ट्रीकर्ता अधि-कारी के जार्यालय, कोयम्बत्तूर, लेख सं० 2501, 2502, 2503 में भारतीय रिजन्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अंतरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने मों सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरश मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिक्ति स्थानित्यों, अर्थात ः— (1) श्री सी० पी० नटराजन ग्रांग अन्य।

(अन्तरक)

(2) वेदनायगम हास्पिटल प्राईवेट लिमिटेड की चेयरमैन एस० वी० बालसूब्रमणीयम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि तेलुगुपालयम् गांव टी० एम० सं० 8/51 हिस्सा सेठ सं० 7, कोयम्बत्तूर तालुक कायम्बत्तूर लेख सं० 2501, 2502, 2503/85।

> श्रीक्षती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- , मद्रास

तारीखा: 7-2-1986

प्रकम बाहें. टी. एन. एस. 🕶 🧸

## नाथकर निमित्तियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सूचना

#### श्रारत बरुकार

### कार्यालयः, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निदेश सं० 97/जून 85---अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

नायकर ब्रोधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उन्कत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मूल 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिनको सं लेख सं 2564/85 की शेष्यूल में दी हुई सम्गत्ति है, जो कोयम्यत्त्र में स्थित है ( श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुभुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बत्तूर लेख सं 2564/85 में, भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम तारीख जून, 1985

को पूर्वाक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्रित की गईं हैं जीर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य हे उक्त बन्तरण लिक्ति में बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया यवा है है—

- (क), अन्तरण वे हुई भिन्नी बाय की बायता, उपन विभिनियम के वधीन कर योगे की जन्तरक की वायित्व मं कमी करने या उससे अचने मं सुविधा को लिए; जार्रिया
- (च) ऐसं किसी आय या किसी भन या कृत्य आस्तिकों की, जिन्हें भारतीय आयुक्तर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अग, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक मी, मी, अक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पी० एन० बालसुन्नमणियन।

(अन्तर्क)

(2) श्री सी० आर० नारायणस्वामि।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

उन्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी वार्कप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थिकतयों में से किसी स्थिकत ब्वाय;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए बा सकरेंगे।

स्पष्टिशकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अभूस्ची

लेख सं० 2564/85 की घोड्यून में दी हुई संपात्त कोयम्बेसूर, लेख सं० 2564/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 7-2-1986

माहर :

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर निर्मित्यम, 196:1 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के सभीन सूचना

#### नाइत चुडकाड

### कार्याक्रय, सङ्ख्यक जानकर वाय्क्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986

निवेश सं० 102/ जून 85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेला

नाथकर त्रीपित्रियम, 1961 (1961 का 43) (विस्तं एसस्टें इसके वश्वात् 'उनतः निधित्तिवम' कहा गया हु"), का भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निवशक्ष करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विसका उचित वाचार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० जी० एन० चेट्टी रोड, टी० नगर है तथा जो मद्रास-17 में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपाबंद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजम्ट्री हर्ता अधि एरी के कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 593/85 में भारतीय रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जन 1985

को पूर्वोचित सम्मिति को उचित बाजार मूस के का को क्ष्यवान प्रतिफल को निए जंतरित की गई है बीर मुक्ते यह दिश्यास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य इसके क्ष्मभान प्रतिफाल से, एसे क्ष्यभान प्रतिफाल का पल्क्ष्र प्रतिचार से अधिक है और जन्तरक (जंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितवां) को बीच एसे अन्तरण को किए तक बाधा नदा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्म से क्षियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किनो आय की बाबत, उबत अधिनियम के अधीन कर दोनें औं अल्लारक स्टे वायित्व में अभी करने या उससे बबने में सुलिश्य के सिए; बॉर/बा
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी तम या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 चन 11 पा जाका अधिनियम, या अन- कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रधा का या किया जाना चाहिए था, कियान में सुविधा से विद्या

वतः वकः, जन्त वीभीनयम का भारा 269-ग के अनुसरण कों., मीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती विल्लै तुक्धाराम।

(अन्तरक)

(2) श्री एल० हरीवन्दः।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्बनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज है 45 दिन की अनिच या तत्संबंधी व्यक्तियों पर तूचना की तामील से 30 दिल की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबेटिंग व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मृत्य व्यक्ति ब्वास अभोहस्ताक्षरी के जास बिसित में किस वा सर्कोंगे।

स्थानिकरणः --- ६ समे प्रथम्स खज्डाँ और पढाँ का. जा जथार अभिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभादिक हैं, कही अर्थ होगा को उस अध्यक्ष में विया गवा है।

#### अनुसुधी

भिम-जी० एन० चेट्टी रोड, टी नगर, मद्रास-17 टी० नगर, लेख म० 593/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सह यक्ष्मास्य कर श्रयकः (निरीक्षण) श्रजीन रेज-II, मब्रास

त:रीख: 7-2-1986

## नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की वास 269-स (1) के सभीत सुपना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मब्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० 103/जून 85--ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० स.मुवेल

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भाष 269-स के अभीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जी० एन० बेट्टी रोड, टी० एस० सं० 8633 हिस्सा है, जो मद्रास-17 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, छेख सं० 59485 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण के ग्रिधीन ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन तारीख जून 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के अस्पमान् प्रतिफल को लिए कम्सिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य' उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिबक रूप है। किथा नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा धै निष्; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियम, 19-22 (1922 का 11) या उपत विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 19-57 (19-57 का 27) के प्रयोगनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट पहीं किया गया था वा किया थाना चाहिए था, डिपाने में बृद्धिया के सिक्ट;

- (1) श्री भगवानदास रेडडी ग्रौरश्रीमतीयशोदम्मयार। (ग्रन्दरक)
- (2) श्रीमती उषा हरिचंद

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना शाही कहने पूर्वोक्त सम्पृत्ति के नर्जन के निष् कार्यनाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्मक्ति के वर्षन 🖈 संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इत ब्रुचना के हाचपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भं अविधि बाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्यातः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तब्र्थ किसी मन्य स्थित द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए या सकेंगे।

स्वध्यक्तिरण :- ---इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, को अक्त अधिनियम को अध्याम 20-क जें परिभाषिष ही, वहीं वर्ष कृष्ण, वो उस अध्याम जें दिया ववा ही।

### नन्त्वी

भूमि, जी० एन० चेट्टी स्ट्रीट, टी० नगर, मब्रास-17। टी० नगर, लेख सं० 594 85।

> श्रीमती एम० सःमुबेल सक्षम प्राधिकःरी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-II, मद्रास

म्बा वव, उस्त साँधीववन की धारा 269-व से वजुकरण में तो के अधीन, विस्ति खित व्यक्तियों, अर्थात हैं स्थान की सार्य 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात हैं—

तारीखा 7-2-1986 मोहर:

### प्रकृष भाष . सी. एमं, एवं. ल----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

#### आर्व त्रुकार

### कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-II मदास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986 निदेश सं० 104/जून-85---यतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी मं० 23 रंगनाथन स्ट्रीट टी० नगर है तथा जो महास-17 में स्थित है (ग्रौर इतमे उपाबद्ध प्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण का से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिध हारी के कार्यालय टी० नगर में लेख सं० 5-6-85 में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृष्य उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, प्रमिलिशित उद्विध्य में उक्त अन्तरण लिखित में में अम्तिक रूप से किश्व महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोखनार्थ अन्तिरित वृज्ञारा प्रकृत नहीं किया गया भा या किया जाना काहिए था, स्थिपाने में सुविधा से अविष्

बसः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) श्री पी० ई० मात्यू।

(ग्रन्तुरह)

(2) श्री हमीज आइषा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यशाहिकों करते हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना क राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पड़ स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, भो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रगुक्त कम्बाँ और पदाँ का, जा संवत्त जीवनियम, के कम्बाय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा, जो उस अभ्यास में विवा गता है।

### अनुसूची

भूमि श्रौर मकान 23 रंगनाथन स्ट्रीट टी० नगर मद्रास-17 टी० नगर लेख सं० 596/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आएकर आयुक्त (किरीक्षण) स्रजंत रेंज-II, मद्रास

तारीख: 7-2-1586

प्ररूप आहरै. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

### कार्यालय, सहामक बायकर वाय्यत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-Ш, मद्रास

मद्रास दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० 107/जून 1985—यनः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें बसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), अधि धारा 2'69-च के अधीन संक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं वेंकट नारायणा रोड टी० नगर मद्रास (17) है. तथा जो मद्रास 17 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी वे कार्यालय, टी० नगर लेख सं 606/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन ग्रीरिय जून 1986

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इक मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि सभा पूर्वेक्त संपत्ति का अणित गुजार मृत्य, उसके वश्यमान प्रतिफल सें, गुले इस्समान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिकत से बाधक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के नीय एसे बन्दरन के निए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नतिशित्त उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप में कथित गृहीं किया यस हैं:——

- (क) बन्तरण में हुई किसी जाम की बन्तन, अक्ट लिमीनवज के जभीन कर दोने के अन्तरक थे वास्तिल में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकत अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिली क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मा, मा, उनत अधिनियम की गारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों. अर्थात् :—

- (1) श्रीमती एउ० मीनाल श्रीर भ्रन्य।
- (अ्र≢क्रर ह)

(2) केनारा बैंक।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### श्रनुसूची

भूमि वेंकटनारायणा रोड, टी० नगर, म्ब्रास-17, टी० नगर लेख सं० 606/85।

> श्रीमती एम० साम् वेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–II, प्रदास

नारीख: 7-2-1986

प्रकृतार्थः टी. एव द्वा.------

नामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाव 269-व (1) व नधीन त्वना

#### नारत वहकाह

### कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्रण)

प्रजीन रेंज-2. महास

भद्रास, विनांक 7 फरपरी 1986

निर्देश सं० 112/जून 85---श्रतः मुझे, श्रीमही एम० सामवेल,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विकेश्सको **४सके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा** 269-व के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य,

1,00,000/- रा. से अधिक ही

ओर जिसकी सं० तामस रोड़ टी० एस० नं० ६ 553, ब्लाक सं० 14 है तथा जो टी० नगर में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय टी० नगर लेख मं० 693,85 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुख्य से कम के इड्समान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वों क्त संपत्ति का स्थित बाबार मस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का राख्ड प्रतिकत से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पावा गया प्रति-क्य निम्नतिथित उद्दोरन से उक्त शन्तरण निविध में नास्तरिक 🕶 से कथित नहीं किया गया 🧗 :----

- (क) मन्तरण संहुद्ध किसी बाब की बाबत, उसत निधिनियम के नथींग कर दोने के नन्तरक के समित्व में कनी करने या उससे अधने में सुविधा र्वे सिए; और/वा
- (ंब) एोसी किसी बाय या किसी भन या अन्य अवस्तियों का, जिन्हें भारतीय नामकर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा ने सिर्देश

बतः अत्र, उत्रत विधिनियन की भारा 269-न से वन्सरण न', ने अथव निधनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीतः भिन्नीनीवृत व्यक्तियाँ, अर्थातः ----31 -516 GI/85

(1) श्री पीठ एस० पटेल ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जीव बरदराजन ।

(अन्तरिती)

की नह स्थान करने करूके प्रतिकृत संपत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबांप 3---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की नविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की नविभ, जो भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वोक्त न्यन्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (क) इस श्वना के राजवन में प्रकावन की तारीवा से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किय वा सकों ने ।

लक्कीकर्म:---इसमें प्रवृक्त बन्दों और परो का, थी दक्क विभिनियम के बच्चाय 20-क वे परिभाषित ड़ै, वहीं कर्थ होगा जो उस अभ्यास में दिया नदा हैं।

#### नगृष्यी

भिम---थाभस रोड़, टी० नगर, भद्रास-17, टी० नगर लेख सं० 693/85 ।

> श्रीमती एम० साम्वेल सक्षम प्राधिकारी सहाधक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज- 2, भद्रास

दिनांक : 7--2--1986

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च को अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज~2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरचरी, 1986

निदेश सं० 128/जून 1985--- ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 20, मदुरै वीरन कोईल एड्रीट, टी. नगर है तथा जो मद्रास-17 में स्थित हैं (और इसके ज्याबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बाणत हैं) रिनस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय टी० नगर लेख सं० 734/85 में रिजस्ट्री-करण प्रधिययिम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का बंदह प्रतिकट से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निविद्य में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; नियम के अधीन कर वने के अंतरक के वायित्व में और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या बन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीय निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री एन० श्रीनिचासन और श्री एस० उमाम हेश्वर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० सी० मुहमद मुस्तका।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

श्यास्त्रीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित ्रैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जन्सू ची

भूमि और मकान---20 मदुरै, वीरन कोइल स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास-17, टी० नगर लेख सं० 724/85

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज--2, मद्वास

दिनॉक : 7−2−1986

### प्रकृष भाष<u>ी, टी.</u>एन . एस ,------

नायफर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

#### भारत तरकार

### कार्यासय, सङ्गयक नाथकर आयुक्त (निरीक्तम)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरवरी, 1986

निर्देण सं० 134/जून 1985→-श्रतः मुझे, श्रीमतीः एम०्रौ सामुवेल

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का स्थाकर मंत्रील जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रा. से अभिक **है** 

और जिसकी सं0 11, नार्बन III स्ट्रीट, मन्ववेलिप्पाक्कम है तथा जो मद्रास-28 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय मैलापुर लेख सं० 726/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 को 16) के श्रधीन तारीख जुन 1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए कुत्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सृक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिसत सं अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हम से किया नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर कि धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थातः :---

(1) श्रीमती टीं० जी० लक्ष्मी ग्रम्माल ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती ए० वसन्ता ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में क्योर्ड भी आक्षेप 🖫 🛶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूबों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया . गया है।

### मनुसूची

भूमि और मकान 11, नार्दन III स्ट्रीट, भन्दवेलि-प्पामकम , मद्रास-28, मैलापुर लेख सं० 726/85

> श्रीमती एम० सामुवेल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

रिनांक : 5-2-19**8**6

प्रारूप बाह्रै.टी.एन.एस.-----

## नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के क्फीन स्चना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक बायकर वायुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनींक 5 फरवरी 1986

िदेग सं० 43/जून 1985---प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के वधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मृख्य 1,,90,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संज 3, भारकरपुरम-मैलापुर है तथा जो मद्रास- में स्थित है (और इसी उपाबद्ध अनुसूर्वी में और पूर्ण का से वाणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापुर लेख संज 801/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1903 का 16) के अवीत तारीख जून 1935

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से काथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संहुद्ध किसी बाय की बाबत, उक्त नियब के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किती धन या अन्य अस्तियों के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्रीमती मृत्तु लक्ष्मी नागराजन और 6 श्रन्थ।(श्रन्तरक)
- (2) श्री एस० चन्द्रशेकरन और दूसरे। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी कर्त 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो जक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **प्रनुस्**ची

भूमि और मकात 3, भास्करपुरम, मैलापुर, मद्रास-4 लेख सं० 801/85

> एम० सत्मुवेल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनोंक : 5-2-19**)**6

माहर:

प्ररूप आर्चा दी एन एस : ------

कायभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज--2, मद्रास नद्राम, दिनांक 7 फरवरी, 1986

िर्देश सं० 154/जून 1985---अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अंग भिसकी सं 2423, स्कोफीट पाण्ठोर वेंस्टेंभ नगर III स्ट्रीट ऊक्ष्म गांव है तथा जो अडगार, सद्वास-28 टीं० एस० नं 19 पुराना सं 76/1 में स्थित है (और डमन उपाबद अनुसूची में अंग पूर्ण रूप के विणत है) रिजस्ट्रीसनी अधिकारी के वार्यालय अख्यार लेख सं 1575, 1576/35 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 एस 16) के अनी नारीख जून 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित याचार मृत्य से कन के अध्यमान प्रिटिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि

यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहममान प्रतिफल से, एसे रहममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिस्रत से विभक्त हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नृतिस्रित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन वा बन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भनकर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में म्विभा के लिए;

कतः ववः, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वनुवरण मं, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) कं अभीन, निम्निविक्त व्यक्तिवाँ, वंशीत ⊯—

- (1) श्रो पो० ए० रागवाचारी और 4 अन्य। (अन्तरक)
- (2) मेसर्स पी० जे० कम्भनी पार्टनर पी० जे० पा। (भ्रन्तरिती)

को यह बुजना चारी करके प्रशंकत सम्पत्ति के जर्जन के सिए कार्यशाहिमां करता हूं।

जनत तल्परित के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 15 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर त्वान की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी तिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वाग के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपारत में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकारी।

स्वक्रीकरणः ----इसमें प्रयुक्त अन्दों और पदों का जो उक्के विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका

### धन्स्ची

भूमि 2423, एको फीट पार्टनर वेकटेण नगर III एट्रीट उक्र गाव अडपार महास-28 टी० एस० गे० 19 पुराता सं० 76/1 श्रष्टवार । लेख सं० 1575, 1576/85 ।

> श्रीमतीएम० मामुवेल सक्षम प्राधिकारी सह्द्विक श्रावकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--2, मद्राम

दिनांक : 7-2-1986

### अपन आर्ष्<sub>छ</sub> को <sub>अ</sub>चन पुत्र पुत्र प्राप्त

भाषकार विधितवस्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के वधीन क्चना

#### भारत **धरका**ड

### कार्यालयः सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्राम

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986

िर्देश सं० 166/जून 1985—-अतः मुझे, श्रीमती एन० मामुबेल

नावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के नधीन संस्था प्राधिकारी कों., यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित विसंका उद्दित वाषाद मुख्य ;

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी संव हैं चिलफें-1.64 एकर्स एस० संव डीं०
232/सा 234/2बीं० डीं० 239/18/1कोन्तागिरी हैं जो
गुलिएतान उएकर्स रीं० सर्वे संव 1473/2, पुराना 251/
बी कोन्तगिर अंग् "रोम चिन्डो" 2.11 एकर्स
संव 231/2 वीं/4 डीं 235 234/1ए/1ए में स्थित हैं (और
इसने उन्नाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं)
रिजस्ट्रेंकिती अधिकारी के कार्यालय महास दक्षिण लेख संव
1745/85 में रिजस्ट्रेंकिरण अधिनियम 1903 (1908
का 16) के अधीन तारीख जून 1985

को पृयोंकत सम्मतित के उचित बाजार मृत्य से कम के ज्यमान प्रतिक्षण के लिए बन्तरित की पूर्व हैं, जीर मुख्ये यह विश्वाद करने का कारण है कि वृधापुर्वोक्त बंदरित का उचित वाकार वृज्य, उत्तवे अधाव प्रतिक्कत से हो जावान प्रतिक्षण का पंद्र प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरिक (बंतरिकों) और अंतरिकी (बन्तरितियों) के बीच देवे कन्तरण के जिल्ल हन् पांधा प्रवा प्रविक्रत, निक्तितियों के उच्छ बन्तर्य कि वृज्ये कन्तरण से उच्छ बन्तर्य कि वृज्ये का प्रतिक्रत में व्यव बन्तर्य कि वृज्ये का प्रतिक्रत में व्यव बन्तर्य कि वृज्ये का प्रतिक्रत में व्यव बन्तर्य के क्षित्र करण से अधिक वृज्ये का प्रतिक्रत कर्म से अधिक वृज्ये का प्रतिक्रत कर्म से अधिक वृज्ये का प्रतिक्रत क्ष्म से अधिक वृज्ये का प्रतिक्रत का से अध्याप का प्रतिक्रत का से अधिक वृज्ये का प्रतिक्रत का प्रतिक्

- (क) मध्यप्रम के हुए किसी नाम नहीं वान्य उनके निष्-रिम्म के बधीन कर को सम्बद्ध के वानित्य के कभी करने वा उद्देश क्याने में सुविधा के लिए; बीर/मा
- (थं) एसी किसी नाम मा किसी भन या बन्तु नास्तिनों को, विन्हुं भारतीय नाम-कर विभिन्निम्न, 1922 (1922 का 11) वा धनतः अभिन्निम्न ना पनकर क्षित्तिम्न, 1957 (1957 का 27) के द्वांचनार्थ क्षितिम्न, विभाग ने किया प्राप्त का पा वा किया वाचा पाहित् था, कियाने में कृतिका के विका;

नतः नंग, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, कनुसरण को, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के सभीन₃ निस्तृतिचित व्यक्तिस्त्रों वर्षात क्र--- (1) दी टिशोसाफिकल सीसायटी ।

(अन्तरक)

(2) श्री , हैगा एजुकेशाल फाउडेणन

(श्रन्तरिती)

की यह स्वना जारी करके पृत्रोंक्त श्रम्मित के अर्जन के किंद्र कार्यशाहिया सुरू करतां हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह—

- क्ष्मिं वस बूचना के शावपन में प्रकारन की ताशीन से 45 विन की नवीं ना तत्वंत्री व्यक्तिमां प्र बूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी नवीं वाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तित्वों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (च) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के बाद विकास में किए वा सकेंगे।
- ह डीकरण :---इसमें प्रयुक्त एडवॉ और पर्वो का, जो उक्त किथि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा, को उस अध्याय में विया गया ही।

#### **यनस**र्जी

भूमि और मकान "हैकिल्फ भूमि 1.64 एकर्स, एस० हो ० सं० 232/सी, री सर्वे नं० 1454/3बी, सर्वे सं० 234/2बी, 239/18/1, कोन्टिगिरि "गुलिस्तान" सर्वे मं० 251/4बी कोन्तागिरि (3) रोस चिन्डोस (2.11 एवर्स सर्वे मं० 231/2, बी-4, सर्वे मं० डी 235, 234/10/10 और डी 70, मद्रास सेंन्ट्रल लेख सं० 1745/85 कोत्तागिरि।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारो सहायक प्राथकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 7-2-1986

मोहर '

प्रकल आर्थः टी. एन. एक . ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प्र (1) के जभीन स्पना

### प्राप्त प्रदक्ता

### कार्याभव, शहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- 2, मद्रांस

मद्रास, दिनांक 4 फरघरी 1986

निर्देश सं० 182/जून 1985--श्रनः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचातु 'उक्त निधिनियम' कहा गर्या हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उर्जित बाजार मुख्य 1,00,000/- रत. से अधिक ही

और जिसकी सं० 7, कस्तूरता नगर I मेन रोड़, श्रड्यार है तथा जो मद्रास- 20 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में अपर पूर्ण रूप ने वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय श्रह्मार लेख मं० 1661/85 में रिजर्म्दीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीखा ज्न 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के क्रयमान श्रीतफान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित गाणार मुल्य, उसके कायमान प्रतिफल से, एसे कायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गथा प्रतिफल निम्नलिबित उद्वरेग से उन्त अंतरण लिबित में बास्तविक रूप से कीचत नहीं क्रिया नवा है है---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी नाय की गावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के धावित्य में कमी करने या प्रतते स्थन में तृषिधा थो निष्ः और∕या
- (कः) एंसी किसी आय या किसी धन या **जन्य जास्तियाँ** को, जिन्ह<sup>5</sup> भारतीय शायकर मधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकार अभिनियम, 1957 (1957 **का** 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छिपाने 📑 स्थिषा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के बधीन : निम्नोलिकत व्यक्तियों , व्यक्ति ह—

(1) इाक्टर के० एम० राजा (अस्तु ५३)

(2) श्रीमती पी० जी० वेणुगीपाल (श्रन्तरितीः)

कर यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उक्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर त्चना की तामील से 30 दिन की मविभ, जो भी **बब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्**र्वेक्स क्याँक्तयों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा,
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्धित में किए जा सकोंगे।

ल्पच्चिकरणः --इसमें प्रयुक्त धन्यों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस वध्याय में दिया गया है।

#### **मन्**श्पी

भूमि और मकान सं० 7, कस्तुरबा नगर 1 मेन रोड, श्रद्धवार, मद्रास-20 श्रद्धवार लेख सं० 1661/85

> एम० सामवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आधकर आधकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 4-2-1986 मोहर '

प्रकम नाइ", टी. एन. एस. -----

### नायकर श्रीधानवस 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के श्रधीन सूचना

भारत सडकाड

कार्यालय, बहायक बायुकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- 2, भद्रास

मद्राम, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश मं० 133/जून 1985-- अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

बाय्कर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें इसके परवात् 'उक्त अधिनाम' कहा गा है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० 21, कस्तूरबा नगर, III मेन रोड, अडरार है तथा जो मद्रास- 20 में स्थित है (और इससे उराबद्ध अनुसूची में और पूर्ण कर मे वर्णित है) रिकस्ट्रीयती अधिकारी के बायिता अडपार लेख मं० 1670/35 में रिकिस्ट्रीकरण अधिनियम 1903 (1908 का 16) के अधीन तरिख जून 1985

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नई है और मृश्वे यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (जन्तरिस्मा) के बीच एसे अन्तरच के बिए तब शया मना प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से सक्त बन्तरण सिचिड वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गवा है:—

- (क) बन्तरण से हुई कियी बाद की बावत उक्त आध-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के स्वियत्व में कमी करने या उससे दचने में सुविभा के सिए; जीत्र/वा
- (व) ऐसी किसी भाग या किसी भन वा जन्य श्रीस्तयों की, चिन्हें भारतीय बायकर मिरिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिश्लियम, वा धव-कर जिश्लियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किशा गया भा या किया काना चाहिए भा, कियाने श्रीश्विधा के लिए; सौर/या

भतः अव, उक्त सिधीनयम की धारा 269-ए के बनुसरण में, में, सक्त निधिनियुम की धारा 269-ए की उपधारा (१) के अधीन निस्मीनिश्चित स्विक्तयों अर्थात :--- (1) श्रामत्। एलिजाबेथवत वर्गीक ।

(अस्तरकः)

(2) श्री ए० जोसफ।

(अस्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन् के तंबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जविष या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूवारा;
- (वं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यवृथ वर्ष किसी जन्म स्थावत द्वारा वधोहस्ताक्षरी के गास निवित्त में किए जा सकेंगे।

#### वनुसूची

भूमि और मकान 21 कस्तूरबा नगर III मेन रोढ, श्रद्धार, मद्रास- 20 श्रद्धार लेख सं० 1670/85

> एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी महायक प्राथकार श्रायुक्त (निर्दाक्षण) श्रुर्व रेंज- 2, मद्रास

विसांक · 7-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 369 ए (१) के अभीत सुचना

#### बाइत बुड्काइ

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1996

निवेण सं० 192/जून 1985 -- प्रतः मृझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 2'69-ध के अधिन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. विसका उथित वाबार अस्थ 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० ब्लाक गं. 5% टीं० एस० सं० 25, को डाम बक्कम है तथा जो प्लाट सं० 8, 51,48 स्ट्रीट क्षणीक तगर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध श्रमुभूकी में और पूर्ण कप में बाणत है) रिजस्ट्रीकर्ती शिक्षकारी के कार्यालय मद्राम गेंट्रल लेख सं० 560/85 में रिक्टिट्रीएण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन वारीख जून 1985

की प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के व्यवसान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाधार ब्रुच्य, उसके व्यवसान प्रतिकल सं, एसे इश्यकान प्रतिकत का प्रकार कि प्रवेच प्रतिकत के प्रवेच प्रतिकत के विषय के प्रवेच प्रतिकत से विधिक है और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (वन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिक्षण कि निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जलारण से हुई लिखी बाय की बावत उत्तर अधिविषय में बभीय कर दोने में अन्तरक से श्रीवरण में क्यी करने या स्वयं यक्त में सुनिधा से लिए; सीड्र/बा
- (स) एंसी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

(1) तीमनी ई० छमाक्षी और अन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती थिल्ली तुषकाराम ।

(श्रन्तरिती)

को यह सम्बन्ध आरों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के सिए ार्गाशितिको करता डाँ।

उक्त सन्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोर्फ भी आओप :---

- (क) इस सृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अनिध या तरसम्बन्धी व्यक्तिमों पर सृचना की तामीज वे 30 दिन की अविध, को वी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस ब्वहरा;
- (क) इस सूचमा के राज्यम के प्रकाशन की तारीय है

  45 विष के बीवर उक्त स्वावर उम्मत्ति में हितवपुर

  [करी शब्द कावित द्वारा अभोहत्ताकरी के गार

  सिवित में किए का सकोंगे।

स्थव्यक्रिप्तः—इसमें प्रयुक्त बन्दों जीर प्यों का, जो उद् अधिनियम के अध्याद 20-क में परिकाशिक है, यही वर्ष होंगा को उस अध्यास में दिवा भ्या है।

#### यग्य∰

भूमि ओर मकान ब्लाक सं० 56 टी० एस० सं० 25 कोडामताक्कम प्लाट सं० बी 51, 48 स्ट्रीट श्रणोक नगर, मद्राम सेंट्रल लेख सं० 568/85।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 7-2-1986

### प्रकृष कार्ड .टी . एन . एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रावंत रिंग- 3, भद्रास

मद्राम, दिनादा ६ फन्वरी 1996

निर्देश सं० 196/जून 1985 - अतः मुझे श्रीमर्नः एग० सामुबेल,

अधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन रुक्ष्म प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं 53, केथी हुन रोड़ है धया जो मद्रास- 86 में स्थित है (और इसने प्रावद्ध धनुभूती में औ: पूर्ण कप से विकासि है) पिएड़ीकर्ती धिविकारी के कार्याका मद्रास सेंड्रेल लाब सं 593/85 में रिजिड़ीकरण प्रविमिधम 1908 (1908 का 16) के धरीन वार्याख जून 1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वाक्त संपत्ति का उचित गाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल में, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के शिच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित दुव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विजया गया भा या किया ज्याना चाहिए था, ज्ञिपाने में यूत्रिधा के सिए;

लत: अत, उक्ट अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण या, भी, उक्त अधिक्षित्र की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर निम्मिनियस कास्त्रियों, बर्धारा क्ष्म (1) श्री शीशपाल सिंह कोहली ।

(%हत्रकः)

(2) श्रं(ए०ए० मोहि**द्दीन बच्चा** और 4 अन्य । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### प्रनुसूची

भूमि और मङ्गान 53, कैथेड्रल रोड़, मद्रास-86 मद्रास सेंट्रल लेख सं $^\circ$  598/85 ।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक आगकर आयुक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रेज--2, मद्रास

दिनांक : 7 2-1986

The second secon

प्रकल भाइ. टी. एन. एक. ------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज⊸2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 फरघरी, 1996

निर्देश सं० 197/जून 1985---यतः मुझे, श्रीमिनी एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षार पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. स अधिक हैं

और जिसकी संव 12, जीव एसव कालोनी है तथा जा धारव एसव संव 3847/12, 16, 17, 18 और 21 मद्रास-18 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में औ: पूर्ण का ने विभिन्न है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय मद्रास मेंद्रल लेब संव 600/85 में जिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अबीन तारीख जून 1985

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उधिस बाजार मृत्य से कम के ब्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, असके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बम्बह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय श्रा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिख में बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है :—

- (क) वंतरण से धूर्य किसी बाब की बाबत, उक्त जीध-नियम के अभीन कर दोने के वंतरक के दायित्व में कमी करने या उक्कस बचने में सुनिधा के लिए; जौर/या
- ऐसी किसी आय वा किसी धन वा अन्य शास्तिकों कर्रा जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

जवाः जधा, उस्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में,, जक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीन् ल (1) श्री पी० एस० राधवन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीराष्ट्रस्य लक्ष्मीकांत और मैनर एस० शोप कुमार, रिप्रजेनटिष्ठ बाई फादरश्री एस० भवनारायण। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूख करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हेगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अनुसूची

भूमि और मक-12, जीर एस० कालोनी, **म**द्रास- $\cdot 18$ मद्रास सेंद्रल, लेख सं० 600/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, पद्मास

दिनाक : 5-2-1986

प्रकम नाहाँ. टी. एन. एस.----

आयंकार मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीत सुचना

#### शारक करकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶2, भद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरखरी, 1986

निर्देश सं० 199/जून 1985---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० 2/163 न्यू नं० 813, श्रण्णा जाले है तथा जो मदास 12 में स्थित है (और इससे उपावद्ध श्रनुभूनी में और पूर्ण रूप से श्रीपत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय योपन्डनेंट्न लेख मं० 258/85 में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून 1935

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाबार मूस्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित राजार मूक्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का विश्व है और अंतरक (अंतरकारें) बार बंतरिती (अंतरितयारें) के बीच एसे अंतरण के निए तय वाया नया प्रतिफल, निम्निलिखत उब्बेह्य से उक्त अन्तरण निवित्त में कास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) जन्मरण के इर्ष किसीं नाय की बाबस, उक्स वीधनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सुविधा के जिए; बीद/वा
- (व) ऐसी किसी शाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिल्हें शहरतीय आयु-कार विधिनवन 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनवम, या भनकर विधिनवम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया जवा वा वा किया हुए आहिए था, कियाने भें वृत्तिथा वे विद्रः

जतः अव, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग को अभूतरण को वो उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) को अथीन, निम्नाकृष्टित व्यक्तिकारी, अभीत् ह— (1) श्री भार० के० णेतुराधन् ।

(अन्तरका)

(2) श्री मन्सुन्त एव भुक्तैदा।

(ग्रन्तरिती)

को यह दुल्या आदी कहके पूर्वीयक सम्मृतिक से बर्डाय के ालए कार्यवाहियां कार्यवाहियां

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वार के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन की शविष वा तत्स्कारणी व्यक्तियाँ प्र स्वान की तामीन से 30 किन की वविष, को भी क्वीय वाद में कमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर प्रतितारों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के प्राक्तन में मुकासन की तारीच के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्नद्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास विश्वत में किए का सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त विभिनित्ता, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा यो उस बध्याय के दिया शब्द हैं।

#### नगत्त्री

भूमि और **म**कान 2/163, न्यू मं० 813, श्रण्णा णालै, मद्रास-2, थोसन्डलैंट्म लेख सं० 258/85।

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 7-2-1986

मोहर ।

वस्य वार्'. टी. एव. एव . ------

( ) \_\_\_\_\_

भाषकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-म् (1) के स्भीन सुमना

#### मारत हरूकार

## कार्यात्रय, सहायक गायकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

धर्मन रीम-2, मद्रास मद्रास, विशोद 7 फावरी 1996

िवर्देण सं० 206/तून 1985 - यतः मुझे, श्रीमतीः

एम० सामुवेल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्कार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के दिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हं कि स्थाबर मन्पति, किन्का उचित कारण मन्पति । कारण

और जिसकी संव 2.60 एकड़ आए० एस० संव 409/14 है तथा जो ऊंटी में भियत है (और इससे उपायद धनुसूर्वी और पूर्ण रूप ने विभिन्न है) रिजर्स्ट्राकर्ता प्रधिकारी के कार्यात्र उद्यमण्डलम लेख संव 526/85 में रिलर्स्ट्रायाण अधिनिहम्स 1908 (1908 वा 16) के प्रधीन तारीख जून 1985

का पृत्रोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गढ़ हैं और मुक्ते वह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्त से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रिकल निम्नलिखित उद्वरेष में उक्त अंतरण लिखित के वास्तिबक रूप से किया बढ़ी किया बसा है ---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ग) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ करत्रिती ब्याय प्रकट नहीं किया गयः। था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निष्

बत: बब उक्त विभिनियम की भारा 269-ग वे वनुसरण में, मी, उक्त वृधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) दे बचीन, निम्निसिवत व्यक्तिसाँ, वर्मात क्र— (1) मेसर्स तामस दुस्ट ।

(अन्तरक)

(2) समर्भ हाटल धारमेट (नीलिगिरिस) प्रा० लि०। (अन्तरिता)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शृरू करता हुं।

उथस सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी नाक्षेप् :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की शबधि, जो भी बवधि बाद में समारत होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की सारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्तः अरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उका विभिन्यम के अध्याप 20-क में परिभाषिक है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याम में विका कुश है।

## नगत्त्रची

भूमि--2.60 एकड़ श्रार० एम० सं० 479/14 श्राफ ऑह्रक्मणड गांव उदगमण्डस्म लेख सं० 526/85।

> श्रीमती एम० स.मुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2,**म**द्रास

दिनांक : 6--2--1986

मोहर 🖰

प्रारूप आहर्.टी.एन.एस.-----

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज--2, मद्राम

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निर्वेग मं० 207/गून 1985-—ग्रत: मुझे, श्री**मती** ए**ग**० सामुवेल

जायकर अभिनियज, 1961 (1961 का 43) रिक्स क्समें इसके प्रथात् 'उचत अभिनियभ' कहा बना ही, की भारा 269-क के वभीन बजन प्राधिकारी को वह विस्तास करने का कारण है कि स्थानर प्रान्तिक, विश्वका उचित बावार मूख्य 1,00,000/- रा. से अभिक ही

और जिसकी सं 19/3/20, 21/1,168/2, 391/10-21/2, 21/3,389/2, 391/7, 391/8, और 391/9 है तथा जो 3.99 एकड़ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण का से विभिन्न हैं) रिजर्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय उदगमण्डतम लेख सं 566/85 में भारतीय प्रजिल्ट्रीकरण प्रधितियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाधार भूज्य से कम के क्यमान प्रतिश्वल के लिए जंतरित को गई है और मुम्में यह निश्वास करने का कार में है कि यथाप्योंक्त संस्पत्ति का उचित वाधार मूल्य उसके स्थामान प्रतिक्रम से, दोने क्यमान प्रतिकल का चलाह प्रतिकृत से विभिक्त है और वन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरित्यों) के वीच दोने क्याइन के बिह्द तथु पावा नवा वितिक्त , निस्तिलित उद्देश से स्वत जन्तर्य सिवित से नास्तिक रूप से के विश्व वहाँ विका ववा से क्

- (क) बन्दरण से हुई किसी बाव की बावत, उच्छ विभिन्दिय के अभीन कहा दोने के जन्दरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के सुविधा के सिए; बीर/वा
- (क) प्रेती किसी नाव वा किसी भन वा बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा वै किए:

अतः अव, अवः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण पे, मै, अक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, अधीत् :---

- (1) एस० एस० एच० प्रापर्टीज प्रा० लि० । (अन्तरक)
- (2) सन्त जूडोस् पब्लिक स्कूल । (ध्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पम्बन्य में कोई भी आक्षोप :-

- (क) इस त्जना के राजपण में प्रकाशन की वादीय ने 45 दिन की अमीप वा त्र्यंत्रेषः व्यक्तिमाँ पृष्ट त्जवा की सार्थात से 30 दिन की व्यक्ति, को की कालीय बाद में स्थान्य होती हों., में भीकार पूर्वीका व्यक्तिकों में से जिसी व्यक्ति कुलाक;
- (च) दक्ष सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्वक्रिकाहण: -- इंड में प्रकृतित क्रम्यों कीर गर्वों का, जो जनस नीमिनना, के सभ्याय 20-क में परिभाजित ही, बहुई कर्थ होगा को उस नभ्याय में विमा गया है।

अनुसूची

भूमि और **घ**कान आर० एस० सं० 19/3, 20, 21/1, 168/2 391/10, 21/2, 21/3, 389/2, 391/7, 391/8 और 391/9 3.99 एकड़ उदगमण्डलम लेख सं० 566/85।

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सह्यायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज-II, मद्रास

तारीख: 7-2-1986

मोहर ः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्राम

मदास, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निवेश सं० 224/जून 1985--- अतः मुझे, श्रीमती ए**७**० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रिथकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी संव लेख संव 1351/85 की शेंडुल में दी गई सम्यति है (और इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में से विगत है) रिजिल्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय सत्य-मंगलम् लेख संव 1351/85 में रिजिल्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून 1985

को पूर्वाक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; नार/या
- (क) एसी किसी बाब वा किसी धन या बन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अत: अ**ग**, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, जिल्लामित क्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) श्री एस० एस० यज्ञन(स्थणन् ।

(সন্দৰ্শকী)

(2) थीं के० एन० तंगवेल ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- विश्व किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्ष्यीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों वरि पदों का, को अवह विधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभाविष्ठ हैं, तेमी वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया प्रवाही।

## अनुसूची

लेख मं० 1351/85 की शेडुल में दी गई सम्पत्ति सत्यमंगलम् लेख मं० 1351/85 ।

> श्रीमती एम० स.मुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, महास

दिनांग : 7-2-1986

माहर ध

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

नायकर जिभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सचना

भारत सरकार

# कार्याक्य, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्राम

मद्रास, दिनांक 7 फण्बरी 1986

निर्देश मं० 225/जून 85 --- ग्रतः मुझे, श्रीमती ए**स०** मामुवेल

मायकर अंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रकाद 'उत्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के प्रधीन सक्तर प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर गंपीस जिसका उचित बाजार मन्य

1 - 00 - 000 / - रऽ. से अधिक है

और जिमकी संव श्रवकर जेगमम् गांच सत्यमंगलम् है तथा जो गोपि में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध श्रनुमूची में और पूर्ण क्य ने वर्णित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय सत्यमंगलम् लेख संव 1350/85 में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख जून 1985

को प्रबंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए कृत्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उमके इरयमान प्रतिफल से एसे इरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिद्यात में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्विदेश से उक्त अन्तरण लिखिश में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमं, बा के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पा या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में सुविधा के तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं. मं. उपत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) ने स्थीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती एम० एस० जोनकी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन० नटराजन एन० तंगवेल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

#### उक्त लागीत के अर्थन के संबंध में कार्य भी आक्षेप ा---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स अविदयों में से किसी व्यक्ति इंबरा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध विक्त व्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास निचित्त में किए वा सकोंगे।

स्वष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त खख्यों और पड़ों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **जन्**स्**ची**

भूमि श्रवकारै नेगमन् गांच सत्यमंगलम् कोयम्बतूर सत्य-मंगलम लख मं० 1350/85 ।

> श्रीमती एषः सामुवेल सक्षम प्राधि कारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, मब्रास

दिनांच : 7-2-1986

प्रक्ष आहे.टी.एन.एस.,------

भायकर बिधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यामय, सहायक आयकर बायुक्त (निरक्षिक)

अजन रेंज-II, मब्रास-6

मद्रास-6, दिनौंक 10 फरवरी 1986

निर्द्रोण सं ० 62/जन-85--यत:,मुझे,श्रीमती एम० साम्वेल, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है मौर जिसकी सं० जी-19 इंडस्टियल एस्टेट है, तथा जो 9480 एस०एफ ०टी० मद्रास-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास-नार्थं लेख सं० 1819/85 में रजिस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कान के रूपकाम इतिफंस के सिए बन्तरित की गई है बीर मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित वाजार मृत्य असक क्यमान प्रतिकत से, एने क्यमान प्रतिकल का पल्डाइ प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब नामा गया प्रतिकला, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि चित्त में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की, वावत, सकत विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः वकः, उक्त विधिनियमं कौ धारा 269-ग के वन्सरकः में, भी, उक्त विधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के विधीनः, निम्निविधित व्यक्तियों, वर्षात् क्र——
33—516 GI/85

1. मैसर्स पालिमर्स एण्ड अलैंड प्राडक्ट्स

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स यूनिटेक्स एक्स्पोट्स

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्थन के तिय कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितन्त्र्थ किसी अन्य अपनित व्यारा अधोहस्ताक्षरी के प्रस लिखित में किए जा सकारी।

स्पट्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है अ

#### अनुसची

भूमि श्रौर मकान (फैक्ट्री शेष्ठ) जी-19 यूनिट इंडस्ट्रियल इस्टेट, श्रम्बतूर, मद्रास-58, मद्रास उत्तर लेख सं० 1819/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-II, मद्रास-6

तारीख : 10-2-1986

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस.,-----

जागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व के अधीन स्थान

#### भारत सरकार

# कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रानत रेंग-II, मद्राम

मद्रान, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० 120/जून-85---ग्रनः, मुझे, एम० सामुबेल, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गण्नात् 'उक्ता अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन राक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

ग्रीर जिनकी मं० 1575/37880 अभिन्न हिस्पा 92, जी० एन० केट्टो रोड है, तथा जो टी० नगर एन० सं० 85 टी० एन० सं० 7159 में प्थित हैं (श्रीर इस्से उपात्र ग्रम्त्यूची में ग्रीर पूर्ण क्य से विणित हैं), रिजिस्ट्रोक्त ग्रिधिकारी के कार्यालय, टी० नगर लेख सं० 718/85 में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, नारीख जून, 1985

को प्रेविस सम्पत्ति के उचित त्राजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रितिकत से लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का जरण है कि यथा प्रेविस रोपीन का उचित्र बाजार मृद्य, उसके द्रयमान प्रतिक्रल से, एसे द्रयमान प्रतिक्रल से, एसे द्रयमान प्रतिक्रल से अधिक है और अंतरिक (अंतरितयों) के बीच ए से अन्तरण के लिए तक पाया गया प्रतिक्रल, निम्मनिष्वित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निश्वित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के धायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ल) एंसी किसी आय या निजी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विशा के लिए;

अतः रुब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मैं, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत् किम्सीलाखित व्यक्तियों, सर्थात् हु——

- गै । मूर्व द्वीरट कोण्ड कन्स्ट्रक्यान्त एण्ड इंडस्ट्रिस की पार्टनर धीर ए० एम० सीयद अञ्दुल पादर । (अन्तरक)
- श्रीसनी नूरजहान मक्की और मास्टर ग्रराहद मक्की । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करा हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे.हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियमः, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि 1575/37880 श्रीमिश हिस्सा, 92, জী০ एन० चेट्टी रोड़टी० नगर, एप०माँ० 85, टी० एप०माँ० 7159, ब्लाक माँ० 117टी० नगर नेखामाँ० 718/85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी चड़ाबरु श्रायरूर स्त्रायुक्त (किरीक्षण) स्त्रजन रेंज-II, सद्वाय-6

ारीख : 10-2-1986

ःतर् ∶

## प्रका बाई, टी. एन . एस------

# बाथकुर विभिनियम, 1961 (1961 का 43), कूर्ड भारा 269-व (1) के बभीन सूचना

#### भारत संदकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  $% \frac{1}{2} = \frac{$ 

निर्देश मं० 122/जून, 85--यनः मुझे, एम० मापुवेल, बाक्कर गिंपनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धुपके पश्चात् 'उक्त विधिनयम' कहा गमा ह"), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने मा कारण ह" कि स्थाबर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से विधिक हो

भीर जिसकी सं 1575/37880 अभिन्न हिस्सा-92 जी एन चेट्टी रोड है, तथा जो दी जगर, मदाप-17 में स्थित है (और इपमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विज्ञा है), रिजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी नगर, लेख मं 708/85 में रिजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, नारीख जुन, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्हरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरित (अंतरितिमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेच्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तिवक कम से किश्त नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर बने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1927 (1932 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का का का बाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए;

अतः इस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण औं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उगधारा (1) के अभीन, निम्निचिक्त व्यक्तियों, अभित् ६1. मैं मर्ल ईस्ट कोस्ट कल्प्ट्रकारन एण्ड इंडस्ट्रीन की पार्टनर ए० एम० सैयद अब्दुल कायर। (अन्तरक)

 मैसर्स राव अनारलर्स प्राईश्रेट लिमिटेड । (अन्तरिती)

को भह सूचना जारी करके पृश्लेक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्ञपण में प्रकाशन की सारीख में 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारील ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतें।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त किया और पदों का, जो उन्ध अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा, भी उस अध्यास में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि 1575/47880 अभिन्न हिस्सा-92, जी० एत० वट्टी रोड, टी० नगर, लेख मं० 708/85।

> एम० सामुकेल नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रॅज-II, मद्रास-6

तारीयः : 10-2-1986

# und alle all la la la manages

# नायक्द विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-क् (1) के विभीत क्षत्रमा

#### हारत चर्चार

# कार्यालय, सहायक बायकाड आयुक्त (निडीक्रण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० 127/85---यतः, मुझे, एम० सामुवेल, आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० 92, जी० एन० चेट्टी रोड़ मद्रास-17 है, तथा जो टी० नगर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्चा ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, लेख सं० 720/85 में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्थमां प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके स्थमान प्रतिफल के पूर्व, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय एपा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निष्यक्त में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:- न

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

कतः जया, उकत विधिनियम की धारा 269-ग की, बनुसरण भै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीर ् विकासित व्यक्तियों अधीर :--  मैसस ईस्ट कोस्ट कन्स्ट्रक्शन्स एण्ड इंडस्ट्रीज पार्टनर श्री ए० एम० सैयद श्रन्दुल कादर ।

(मन्तरक)

 श्री त्रादिन श्रमीर श्रीखल द्रस्ट स्ट्रीट्स श्री ए० ए० मुस्तफा श्रीमती शमीम पाशा।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित ने नुपनि के निए कार्यवाहियां करता हुई।

# बन्त बुम्बरित् के क्षान के बम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वनाक राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिव के भीतर उसत स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के सास दिवाल में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुसुची

भूमि --1665/37680 हिस्सा (ग्रभिन्न) टी० नगर गाँव ब्लाक 117, 92, जी० एत० चेट्टी रोड, मद्रास-17, टी० नगर, लेखासं० 720/85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, मद्रास-6

तारी**ख** : 10-2-19**8**6

सोद्धर:

प्ररूप् भार्द्ः\_टी. एन . एस . -----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनौंक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० 140/जून, 85—यतः, मुझे एम० सामुबेल, बाणकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्षांत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन अक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिसकी सं० 38, नाडडू मुत्तु कुमरघ मुदली स्ट्रीट मैलापुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मृत्सूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रोकर्ता मधिकारी क कार्यालय, मैलापुर, लेख सं० 704/85 में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख जून, 1985

की पूर्वोक्त सम्पर्ित के उचित बाजार मूल्य से कम के इदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का प्लाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिवित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है ■—

- (क) अन्तरण छे हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, कों, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) को अधीं को निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- 1. श्री एम० रामनाथ दीक्षिधर

(अन्तरक)

2. श्री एम० एस० पार्थसार्थी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथांहस्ताक्षरी के पास लिश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उकक बिधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषिक ही, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिशा गया है।

#### नम्स्यी

भूमि श्रौर मकान-- 38, नाठ्ठू मुत्तु कुमरघ मुदली स्ट्रीट मैलापुर, मद्रास-4 मैलापुर, लेख सं० 704/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास-6

तारीख : 10-2-1986

मोहरः

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस, -----

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्राम

मद्रास, विनाँक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० 144/जून, 85--यतः. मुझे, एम० पाम, वेल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उथरा अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.700/7000/7- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 104, डा० रंगाचारी रोड़ मद्रास-8 4.5 ग्रीण्ड्स है तथा जो मैलापुर में स्थित है श्रीर इनमे उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री कर्त श्रीधकारी के कार्यालय, मैलापुर में लेख मं० 799 85 में रजिस्ट्री करण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीत, तारीख जून, 1985

को प्रशंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रत्य, उसके दृश्यान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बंज्य एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से ष्टुर्क किसी आयः की बाबतः, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

खतः वर्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, मी, उक्त अधिनियमा की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीय, निम्नलिखित व्यक्तियमों, अर्थात् :--- 1. श्री एम० स्वानीनाथन स्नीर श्रन्यों

(श्रनरक)

2. श्रीमतो जल्पगम सुन्नामणियम श्रीर एस० सुमन्त (श्रन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भिम ग्रोर मकान--104, डा० रंगाचारी रोड़, मद्रास-8 मैलापुर लेख सं० 799/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायाः ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास-6

तारीख : 10-2-198€

# प्रकृत वार्ष . हो . हुन . वृत्त . व्यत् . व्यत्र वार्य

# भावकर समितिन्य, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के स्पीत स्थान

#### भारत त्रकाद

# क्षाविषय, सहावक बावकर बावकर (नि<u>र्द्धीक्ष</u>ण)

श्रानीन रेंज-2, मद्रात

मद्राम, दित्तच 10 फरवरी 1986

निदेश मं० 151/जून 1985~—स्रतः भुझे श्रीमती एम० भागवेल

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निचं इसमें इसके पश्चात् 'उनद मिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के मधीन सम्म प्राधिकारी को, वह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मुन्य 1,30,000/- रा. से अधिक हैं

घीर जिनकी गं० भैंठ 3357.45 एमा एफा हो० ही० ही० एमा सं 12/2 थी। नगर कालोनों है, जो गिण्डी वेंकट पुरम् गांव में पिथन है (और डाम उराबद्ध अनुसूची में और पूर्ण का ये निगा है), रजोस्ट्रीकर्ना प्रश्विकारी के बायिलय, मैलापुर लेख मं० 1439/85 में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908, (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1985

को पृवांकित सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवांकित सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विपा के के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

(1) रामा वेंकट सुबामण्यम्।

(प्रन्तरक)

(2) एन० रविन्द्रन्।

(ग्रनस्ती)

को यह सूचना आरी करके पृत्रों कर संत्रितः के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

# बक्त संपरित् के कर्वन के संबंध में कोई भी बाक्षेष हु---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीब छै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अविधि, जो भी बद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों बद्ध व्यक्तियों के से किसी व्यक्ति ब्वाद्ध;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थासर सम्पत्ति में हितनवृष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिट में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिषितम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, वो उस मध्याय में दिया गया

#### अन्य परि

नूमि 111 हिंग्या वेंकटपुरम् गाव श्री नगर कालोनी गिण्डी टी॰ एस॰ सं॰ 12/2 हिस्सा श्रौर 2/2 3.35.7. 45 मैलापुर लेख सं॰ 1489/85

एम० सामुबेल श्रोमती एम० सामुबेल सझम प्राधि हारी उड़ायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रामेंन रेंज-2, मदास

दिनाँक: 10-2-19**8**6

# प्रकर लाइ<u>ं टॉ. एन. एक</u>ा ह---हान्स

# बावकार वीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के बधीन सुचना

#### नारत राज्या

कार्यासय, सहायक जायकर जायकर (जिडींकण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मदास, विनाक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० 163/जून 1985--म्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल,

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उबत अधिनियम' बहु बया हैं), की धार 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवृतास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मूम्ब 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसको सं० 1 (25 फीट रोड में) पूमगल स्ट्रीट पैमाइश सं० 126 है, जो ब्लाक सं० 3, (ग्रार० एस० सं० 173) टी० एस० सं० 118 में स्थित है (ग्रीर इपसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ला ग्रिधकारी के कार्यालय, दक्षिण मद्रास-लेख सं० 1700/85 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनाँक जून 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के िलए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

बक्: शव, उक्त वीधीनयम की धारा 269-व को बनुसरक सें, में उक्त बीधीनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) से बधीन, निम्नीसिंख व्यक्तियों, वर्षास् क्र--- (1) आर० उँइसी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी टक्नोकाफट्स, प्रायवेट लिमिटेड की मानेजिंग डायरैक्टर श्री के० नारायणन्। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्य-वाहियां करता हुं ।

उन्तु संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी बासोप्रक्रन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के शब निवित में किए वा सकीं।

स्पष्टिनकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्वो का, जो उक्त मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याव 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

## अनुसूची

भूमि श्रौर मकान-1, पुमगल स्ट्रीट पैमाइश सं० 2-6, ब्लाक सं०3, आर० एस० सं०173 टी॰ एस० सं०118, ईकाट्ठुतांगुल गांव मब्र.स दक्षिण मेखा सं० 1700/85

श्रोमती एम० नाम्बेल नजम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुका (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनौंक :−10−2−1986 मोहर ध

## प्ररूप बाइ . टी. एन . एस . \*\*\*\*\*\*

# शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन त्चना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-11, मद्रास

भद्राम, दिलंक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० 170/जून 1985---धनः मुझ श्रीमति। एम० साम्वेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव 127 (हिस्सा) विक्वाहियुर है तथा जं मद्रास-41 में स्थित है और इसने उपावड श्रनुश्र्वी में और पूर्ण रूप से बीणत है), राहिस्ट्रीवार्ती अधिकारी के कार्याक्य मद्रास दिक्षण लेख संव 1794/85 में भार्तीय प्रजीस्ट्रीकरण श्रिधिनिमय 1908, (1908 का 16) के श्रधीन दिशंक जुन 1985

की प्रशेषित सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रविक्षण के सिए अन्तरित की गई हैं और मृन्ते यह विद्यास कारने का कारण है कि वस्तपूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित काजार मृत्य, अबके दश्यमान प्रतिकास से एते दश्यमान प्रतिकास के क्ष्मा प्रतिकास से विश्वक हैं और मंतरक (जंतरकों) और बंतरिती बन्तरिती (जन्तरितिसर्वों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तब पाया गया प्रतिकास, निम्मिनिबित उद्देश से उन्त बन्तरण मिलित में शास्तविक कम से किंग्स वहीं किया नवा है :—

- (क) अन्तरण में हुइं किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व मां कमी करने या उसस नचने में अधिका ने लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुबिया के जिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के कि, जिस्तितिथिसं व्यक्तियों. अर्थात् :——
34—516 GI/85

(1) एम० राजशोकरन्।

(अन्तरक)

(2) ए० वंरि एस० मणि और श्रीमर्ता राजेश्वरी सुक्रामनियम्।

(श्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पन्धिः के वर्धन के जिए कार्यनाहियां शुक्र करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की सहरीय से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जबिध, यो औ अविध बाद में समाप्त हांती हुछे, के भीतर प्रशंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुधारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पान सिवित में किये वा सकति।

स्पष्टिकरण :---६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सवा ही।

#### धनुसूची

मूमि और मकान 127 (हिस्सा) निरूवाश्चियूर मद्रास-41 मद्रास दक्षिण लेख सं० 1794/85

> श्रीमती एम० साम्बेल सक्षम प्राधिकारी महायक श्राथकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 10-2-1986

## इक्ट बार्ड . ही . एवं . एवं ., -----

# नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के नपीन ब्याना

#### HIST TOURS

# कार्याजय, बहायक बावकर बायुक्त (निरीक्तक)

श्चर्यत रेंज-II, मद्राम मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1985

निर्देण मं० 171/तून 1985—-प्रशः मुझे श्रीमती एम० मामुबेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके एक्बार (उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269 व में अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,00/~ रहे. से अधिक है

और जिसकी सं० 92, शार० के० मठ रोड है जो मैलापुर भद्रास में स्थित है (और इससे उपाधद्ध श्रमुस्त्री में और पूर्ण रूप से जीजा है), रिजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्याक्य मद्रास दक्षिण लेख सं० 1806/85 में भारतीय रिजिस्ट्रीवरण श्रीधिरियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जून 1985 /

को प्वेंक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मृत्य से अस के अवसान प्रतिकःस के सिए अस्तरित की गई है और मृत्रों कह विद्यास अरने का कारण है कि संभाप्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार पृथ्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से एसे अवसान प्रतिकल का पृथ्य प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा अतिकस, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिशित पे रास्तिकक अप से कथित नहीं किया गमा है —

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा औ विष्; बौर/या
- (क) ऐसी फिसी नाम या फिसी भन या नन्य नास्तियी को चिन्हों भारतीय नामकर निभिन्दम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निभिन्दम, या चन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ नन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया मना का या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विण के जिहा;

नतः लग, उत्तत विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण कों, में, अक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, पिम्नीलियित व्यक्तियों, अभीतु :----

- (1) के० विजया, पावर एजेंट एम० मु**बह्**मणियम्। (अन्तरक)
- (2) बिन्द्रा राजगोपाल ।

(भ्रन्तरितो)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस त्वाना के राज्यान में प्रकावन की तारीख है 45 दिन की बर्गीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर त्वान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो भी वर्गीभ वाद में समाप्त होती हो, के भीक्षर पर्विका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवास:
- (क) इस प्रमा के राज्यम् में प्रवासन की शारीस है 45 दिन के भीतर उक्त न्यायर सम्पत्ति में हित-बहुष किसी अन्य भामित द्वारा, मधोहस्काभागी के बाद मिसिस में किस या ककेंग्रं

स्वकाकरण: ----इसमें प्रयुक्त शक्तों और पर्यों का, को उक्त अंभि-नियम के अध्यास 20-क में परिचालत हैं, वहीं अर्थ होंगा, को उस अध्यास में दिया सम-है।

#### मनुसूपी

मूजि-92, भार० के० गठ रोड, गद्राम, जद्रास दक्षिण लेख से० 1806/85।

> श्रीमती एम० स.मुबेल नक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-II, मद्रास-6

दिनांक :10-2-1986

त्रास्य बाइं.डी.एन.एत्.-----

आयकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 च (1) के अभीन सूचना

# भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्मन रेंज 2, मद्रास

भद्राम, दिलांक 10 फरवरी 1986

निर्देश मं० 178/जून/1985—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० 39, बी० एत० दास रोड, पूम्बानकम् है जो मद्रास 2 में स्थित हैं (और इसके उपावड़ अनुसर्चा में अंज पूर्ण रूप के बीणत है), रजिल्ही कार्यालय ट्रिप्लिकिंग लिख सं० 461/85 में भारतीय रजिल्ही करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित्र बाबार मूक्य सं कान के उच्चमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का करन है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूख्य, उसके दश्यज्ञान प्रतिफल सं, होसे दश्यज्ञान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के सिए सब पाया ग्रेगा प्रतिफल, निम्नितिचित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण निचित में कास्त्रिविक रूप से कवित महीं किया नया है :—

- (क) अन्तरण ते हुद्द किती जाय की, वावत, सकत अभिनियम के अभीम कर दोने के अन्तरक के दाइयस्य में कभी करने या उससे वचने में सुविभा के विद्यु; और/भा
- (क) एसी जिस्सी बाव वा किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृष्ट्रिश की सर:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृतरण में, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीनिषत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) जगदाम्बाल शारदाम्बाल और वरदाम्बाल। (श्रन्तरक)
- (2) ए० पी० कालि मुक्त और श्रन्यों। (श्रन्तरिती)

को शह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यग्रहियां सुरू करता हुं।

## क्का कार्यात के क्षेत्र के इंदोध में आहे थी नाहोप :----

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीय लें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किशी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना को राजपश मा प्रकाशन का तार्राख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध के 15 ी के जास

निवित्त में किंद् का तकांगे।

स्यव्यक्तिरण:--इसमें प्रमुक्त शक्यों और पर्दों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याक में विचा गया है:

# अनुसूची

भूमि और रोड मकात--39, बीठ एनठ दास रोड, पूम्बाक्कम मदास-2 ट्रिटिवकेन लेख संठ 461/85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रामुख्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, मद्रास

दिनांक :10- 2-1986 मोहर :

# **एक्ष् अर्थ**्डी पुर् पुर् ्यास्त्र स्थान

नाथकर निधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

#### RICH TENE

# कार्यासय, सहायक वाधकर वास्त्रस (विश्रीक्षण)

प्रार्जन रेंज 2, मद्रास मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश मं० 198/जूल 1985—प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसके इसके परचाए 'उन्त सीधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन कक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य :,00,000/- रहे से विधिक हैं

और जिसकी मंठ 145 को डम्बाक्कम् है रोड, श्रार० एस० मंठ 189/6 है, जो नूगम्बाक्कम् में स्थित है (और रसमे एसबा जनुन्नों में अर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजर्म्द्रांकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय थौसन्डलैंट्स लेख मंठ 256/85 में भारतीय रिजर्म्द्रांकरण श्रीधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधान दिनांक गूर 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे खरमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के जिए सम पाया गया प्रकारित का, निकासिय उद्देश से उक्त बन्तरण निवास में बास्विक क्ष

- (क) अन्तरक से हुई किसी नाथ की वावर, उपरा अभिमियर के अभीन कर बेने के अन्तरक के वार्षित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; कोंद्र/बा
- (ह) एसी किसी बाग या किसी वन वा क्य क्रिक्ट को जिल्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या स्वत्त अधिनियम, या प्रनक्त का विश्वनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिशी ब्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के किया

अत: अव, उक्त विधिनवन की धारा 269-ग के नगुसरन वा, वी, धक्त विधिनवन की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निज्निविश्व व्यक्तिमें, वसात् क्र--- (1) सैंधद मोहिदीन।

(भ्रन्तरक)

(2) नेसर्ग मालविक। होटलस् प्रायवेट लिमिटेड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी अस्के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के छिन्न कार्यवाहियां करता हुं।

क्या सम्पत्ति के क्यांग के संबंध में कोई भी वार्योप :---

- (का). इस त्यान के रायपण में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की जविष, जो जी वविध नाम में सनाप्त होती हो, के जीतर पूर्वी वस व्यक्तियों मा से किसी अधिवत द्वारा;
- (व) इस बुक्ता के राज्यक में प्रकाशन की वाणीय वे 45 दिन के मीतर उजत स्थावर मणीति मा हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति बुनारा बधोइस्ताक्षरी के पास विविक्त में किस वा वक्ति।

स्वकाकरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्तों और पद्यों का, वा उपक अधिनियम, के अध्याय 20-क में वरिजाविक है, वहीं वर्ष होगा को उस जम्माय में विका वका हैं के

## **बनु**युवो

भूमी और मकान 145, काउन्यापकम है रोड, मद्रास 34 यौसन्डलैट्स लेख सं० 256/85

> श्रीयती एम० सामुबेल] सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) गर्भा रेंग- 2, मद्रास

ं दिनांक :10—2→1986 मोहर : मेक्न बाहै, टी. एम., एस. -----

श्रो के० बी० राजगोपाल रेड्डी

(अन्तरह)

2. श्रीमती एस० कमला

(भ्रन्तरिती)

भाषकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के अभीत स्थान

#### बाह्य बंडक्टर

# कार्यातव, सहायक नामकर बागुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मुद्रास, दिनाँक 10 करवरी 1996

निर्देश सं० 201/जून, 85~—श्रतः, मुझे, एम० सामुवेल, श्रामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को कि भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थाप सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० पलैट (पहली फ्लोर) पास्ति कम्पलैक्स 121, है, तथा जो मीष्ठ रोड़, मब्रास-6 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब श्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण क्या से विणा है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रीतन्द्रलैट्स लेख सं० 267/85 में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीत, तारीख जुन, 1985

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृष्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह क्लिनास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंसरकाँ) और अंतरिती कस, निम्नलिखित उद्योद्य से उक्त अंतरण निचित में बास्य-विक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बस्तरण के हुइ किसी बाव की सबस् , उस्त अधिनियम के बधीन कर दोने के अस्तरक से दिवस्थ में कभी करने या उससे वचने में सर्विधा से सिए; और/या
- (ख) देशी किसी नाय वा किसी धन वा क्रम्य वास्तियों को, विनहीं भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तिरती द्वाच प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना थाड़िए या क्रियान में तृष्टिया के सिए;

संदः क्य, उन्त विधिनयम की धारा 269-ग से वयुत्तरम् भं, भं, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) में वधीय, जिस्लिविय व्यक्तियों समाहि हिन्स का यह सूचना जारी करके पृथींकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्स सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र मों प्रकाशन की तहरीय थ 45 दिन की अमिश्र या तहसम्बन्धी व्यक्तियों पर गूचना की ताभील से 30 दिन की बर्बीध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्स गांक्तवों को है किसी स्विका बुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितल्य्य किसी अन्य व्यक्ति ज्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए आ सकेंग ।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणिक्ष हैं, यही जर्भ होगा, जो उस अध्याय में किया

प्रनुसूची

पलैट (पहली फ्लोर) पार्सन कम्पलैक्स 121, मौण्ठ रोड़, मदान-6 गौनन्द्रनैट्स लेख सं० 267/85।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, मद्रास-6

तारीख : 10-2-1986

प्ररूप **नाह्<sup>र</sup>.टी.एन.एस.**-----

नायकर विधिनियम, 196-1 (196-1 का 43) की भाष 269-म (1) के नंधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याशय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनौंक 11 फरवरी 1986

निर्देश सं० 174 जून 1985
ग्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल
टायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्षणें
दसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धाव 269-अ जे अधीन सक्षण प्राधिकारी को वह विश्वास करने का जारण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से विश्वक हैं

स्रीर जिसकी सं० व्लाट मं० 279 टी० एस० मं० 73 14 पूरव स्ट्रीट कामराजर नगर है जो तिरूविश्वयूर गांव मद्राग-41 में स्थित हैं (श्रीर इपसे उपावत स्रनुसूची में और पूर्ण रुप से विज्ञत हैं), रजीस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यां क्या मद्राज इक्षिण लेख मं० 1855/85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण स्रिधनियम 1908, (1908 का 16) के स्रिधीन दिनौंक जून 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति को उण्डित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्डित बाजार मूल्य, अक्षके दृश्यमाल प्रतिकृत का प्रविक्त को, हुन्से क्रयमाल प्रतिकृत का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अंतरितिकों) को बीच एसं अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिक्तन, निम्नलिचित उज्देश्य से उन्त बंतरण सिचित में वास्तिक क्ष्य में कथित नहीं किया गवा है:—

- (क) अन्तरण संहुव किसी नाम की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाविस्त में कमी करने या उच्चते दक्तों में स्वीवधः के निष्; और/वा
- 'शा एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आरिस्तम् कों, जिन्हें भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसत्त अधिनियम, का धनकर जीधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था या किया बाना चरित्र था, जिन्नों में कृषिधा में सिए;

कतः अव, वक्त वीधिनवन की धारा 269-व के वधुनरण मा, मो, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की वधुनाय (1) के अधीन, निस्तिवित व्यक्तियों, वक्ती ६--- (1) मालतो पार्य साथी।

(अन्तरक)

(2) मुलोचना वेंकट रामन्।

(भन्तरिती)

को यह सूचना बारी करुके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षत के संबंध के कोई भी काशोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा गर्कोंगे।

स्पर्ध्वोक्तरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, जो उक्त अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं. बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया हैं।

**प्रनुसुची** 

भूमि भ्रौर मकान प्लाट सं० 279 टी॰ एस॰ सं० 73, गाँव तिरूवाभियूर (कामराजर नगर) 14 पुरव स्ट्रीट मद्रास 41 मद्रास दक्षिण लेख सं० 1855/85 ।

> श्रोमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रैंज-2, मद्रास

विनौक: 11-2-19**3**6

मोहरः

प्ररूप बादी, दी, एवं, एवं, ५००००

बाधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की शाहा 269-व (1) के अभीन क्षाना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक भागकर आयुक्त (निर्देशक)

श्चर्जन रेज-2, मद्रास

मद्राम, दिनाँक 11 फरवरी 1986

निर्देश सं० 179/जून 1985--धतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन स्थम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारन है कि स्थावर सम्पृत्ति, जिस्का उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- क. से अधिक है

श्रौर जिनकी सं० 148 श्रोगियम् तोरैधाक्कम् गाँव है जो श्रीदापेट्टी में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुभूकी में श्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजीस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय श्रज्ञयार लेख सं० 1608/85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908, (1908 का 16) के श्रधीन दिनौंक जून 1985

को पृथांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य ते कम के करवाब प्रतिकल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निवबाल करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दूरमान प्रतिकल से एसे दूरमान प्रतिकल का पल्यह प्रतिक्षत से अभिक है और बंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिका) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिकत, निम्नीसिवत उच्चेक्स से उक्त अन्तरण सिविद्य में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ।——

- (क) अन्तरण से हुई किती नाम की नानत, अक्ट प्रधिनियम के अभीन कर दोने के जन्दरक का सावित्स में कभी करने ना उत्तर वर्षने में सूविधा से सिए, सार/या
- (व) एसे किसी जाब या किसी धन वा बन्व और स्तामें को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यास प्रकट नहीं किया मदा वा या किया जाना चाहिए था. क्रियाने में मुविधा वी सिक्स

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण कें, में, ार अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तिकों कि कार्या के

(1) ए० देविकडाक्षम ।

(भ्रन्तरक)

(2) भ्रयमाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के निष्क कार्यवाहियां करता हुं।

**अक्ट सम्मिट्स के अर्थन के संबंध में कोई** भी बाक्षोप :--

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों एक कूचना की ताबीब, से 30 दिन की अविधि, जो भी वदिष याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तररीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के परण लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें श्रमुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होया को उस अध्याय से दिशा राज है।

# अन्तु औ

भूमि मं० 148 श्रोगियम् तोरैधाक्कम् गाँव शैदापेठ्ठी तालूक एप० मं० 158/1बी येंगलपठ डिस्ट्रिक्ट श्रष्टयार लेख मं० 1608/85

> श्रीमती एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, मद्रास

मुक्त बार्च, टी. एत. एव.

# वानकर वर्रिवीनयवः, 1961 (1961 कः 43) काँ वारा 269-व (1) के वयीन क्वता

#### बारत गरकार

कार्याजव, अक्षवध आवकर आवक्क (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्राम मद्राम, दिनाँक 11 फरवरी 1986

निर्देश सं० 184/जून 1985---- ग्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्नौर जिसकी सं 141, नेहरू नगर कोठ्ठिवाक्कम् गाँव मैंदपेठ हैं जो येंगलपठ एस० सं 318/1 हिस्सा में स्थित है। (ग्नौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजीस्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के कार्यालय ग्रडयार लेख मं 374/85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908, 1908 का 16) के ग्रधीन दिनाँक जून 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपनत बाकार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिशक्त के सिद्द अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्बत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके ध्रममान प्रतिफल से, ऐसे क्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मीधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तर्य के लिए तय पाया गया प्रतिकृत विश्मक्रियिक स्वृद्धित से उपन बस्तरण जिन्तित में बास्त्रीचक रूप ने कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्दारक ते हुई किसी जाय की बाबत, उक्त गीरिनियम के जभीत कर दोने के अन्तरक के यात्रित्व में कजी करने या उससे वचने में सुविधा
- (श) एखी किसी बाग या किसी भन या अन्य जास्तियों को, चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा क्या विधिनियम 1922 का 11) वा क्या विधिनियम, शा भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं जिल्ला गया या किया जाना चाहिए था, कियाने भी स्विभा के निर्माः

मतः भव, उनत अधिनियमं, की धारा 269-न व अनुसरण , हों, उनत अधिनियमं की धारा 269-ल की लग्यारा (1) अधीय जिल्लासिका स्पान्तियों, अधीत अस्मान (1) श्रीमती लक्ष्मी।

(भ्रन्तरक)

(2) मेलस इन्सटरूमेन्टसट् ग्रौर कन्टोल्म् की पाटनस द्री गेमस्वामि ग्रौर 4 श्रन्यों।

(भ्रन्तरिती)

कि यह स्थाना कारी कारके प्रविक्त समित के अर्थन की निष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त प्रस्तित से वर्षन के बम्बन्य में कोई सी बार्शवहरू

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की वारीय सं 45 दिन की जनाध मा गामंत्रधी कावितयों पर स्थान की दामीन में 30 दिन की बदीय को भी स्पृष्टि बाद में समान्य होती हो, के नीतर प्रवित्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की आरीस से 45 थिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित्तकर्ण किसी बन्य स्थानत युवारा, अभोहस्ताक्षरी के नाम निस्ति में किए वा सकोंने।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रवृक्त घट्यां और पर्योका, जां उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहां अर्थ हांगा जा उस अध्याय में विद्या गया हैं।

### बन्स्ची

भू $^{\dagger}$ मं प्लाट सं० 285, 286, 331, 332 नेहरू नेहरू गगर 141 कोट्टिवाक्कम् गाँव 317 $^{\dagger}$ 1 (हिस्सा) ग्रडयार लेख सं० 374 $^{\dagger}$ 85

> श्रोमती एम० सामुबेल नंजम प्राधिकारी महायक प्रायक्त स्त्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्राप

विनाँक: 11-2-1986

मोहरः

बुक्य बाह्", टी., एन., एस., .-----

बाक्षकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के वधीन स्वतः

#### शारत वरकार

कार्यान्त, सहायक बावकार बायक्त (निरीक्ति)

भारत सरकार

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, मद्रास

मद्राय, दिनाँक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० 187/जून, 85--ग्राः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

नायकर अधिनियम, 1961 (... 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाप्राय करें 1,00,000/-रु. से अधिक हैं प्रीर जिसकी संख्या 4 वी, जयस्मा रोड, मद्राप-18 में स्थित है

स्रोर जिसकी संख्या 4 बी, जयम्मा राड, मद्राय-18 म स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रिधकारी के कार्यालय, मद्राय सेन्ट्रल लेख संब्द्ध कि रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रवीत, दिनौंक जून, 1985

को पूर्वोक्त तम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को रहबमान प्रिपेफल को लिए बन्दरित की गई हैं और मूफो यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्त्रांक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसको रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पारा नवा प्रतिकृत, निम्नसिवित उच्चर्य से उक्त अन्तरण लिखित को बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबस, उक्त विभिन्तिय के बंधीन कार दोने के वंतरक के दायित्य में कामी कारने या उससे वचने में सविधा दोलए, और∕बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) यो उकत अधिनियम, यो धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सित्रधा से सिद्ध;

जतः जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) ≈ अधीतः निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- 35—516 GI/85

1. गिरिजा मोहत नायडु धौर 3 भ्रन्य

(भ्रन्तरक)

2. श्री ए० सायार भाई

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी कृरकं पृथींक्त सम्पत्ति के अर्थन के निगर कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्ध सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध हो कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो कि जविभि ना में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से सिक्सी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजक्ष्य में प्रकाशन की तारीब स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रूथ किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहम्ताक्षरी के पाश लिखित में किए जा तकोंगे।

स्पष्टीकरण ---- इसमें प्रयूक्त झर्कों और पर्वों का, आं उच्छा विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय से दिया गया है।

अनुसुची

भूमि श्रौर मकान--- 4बी, जबम्मा रोड, मद्रास, सेन्ट्रल 18 मद्रास सेन्ट्रल, लेख सं० 622/85।

> एम० सामुवेल स्वम प्रधिकारी महायह स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज, मद्राप

विनौक : 11-2-86

मोहरः

प्ररूप आहर्. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, मब्रास

मद्रान, दिनौंक 14 फरवरी 1986

निदेश सं० 189/जून, 85--ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिनकी सं० 1700/42000 प्र भिन्न हिस्सा, 9 ग्रोण्डट्स स्रौर 1030 फीट श्रार० एन० सं० 1250 और 81/5, सं० 27 गोरालपुरम (स्ट्रीट) गली I मद्रान-86 में स्थित है (स्रौर इससे उपापद श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीध-कारी के कार्यालय, मद्राम सेन्ट्रल लेख सं० 557/85 में रिजस्ट्रोकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक जुन, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उव्वरेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) े अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स रोसा अपाटेमेंटस

(भ्रन्तरक)

2. इण्डियन हयूम पाइप कम्पर्ना लिमिटेड

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविध यातत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

ण्लाट--- 27, गोपालपुरम् पहली गली, मब्रास- 86, मद्राप सेन्द्रल/लेख सं० 557/85 ।

> एम० सामुवेल मक्षम श्रिधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, मद्रास

दिनांक: 11-2-86

मोहसः

प्रकृष बांची, टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) জী খাৰ্য 269-খ (1) के अधीन कुर्जना 1. पी० बी० भास्करन

(अन्तरक)

2. डा॰ एस॰ राजन

(ग्रन्तरिती

भारत तरकार

कार्यास्य, सहायक भावकर बावकर (किरीक्रक)

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन्रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 11 फरवरी-86

निदेश सं० 202/जून, 85---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्वके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या एम० सं० 637/50, श्रार०एस० सं० 637/60 ब्लाक सं० 36, पङ्ढा सं० 848 है, जो 95, वेकुण्ड पुरम, पहलो गलो मद्राप-34 स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, यो गनवडट्रस लेख सं० 262/85 में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनाँक जून, 85

को प्योंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके व्यथमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकास से विश्व है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिता (अन्तरितिया) के बीच एंडे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिक कन निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया चवा है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आंध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के इतियत्य में अभी करने या उसस अधने में पृतिधा कृतिए, आर/या
- (वा) एसी किसी जाय या जिसी धन या अन्य जास्तिया कां, पिन्हें भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा कियाने में स्विधा के लिए;

अकः वयः, उक्त विधिनयमं की पारा 269-म के वयुक्रण वे, में, अक्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीतः, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्षांकुः— को यह स्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स्व 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हितंबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के दास लिखित में किए वा संकेंगे।

पक्षिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

भूमि श्रौर मक्तान---95, वैकुण्ठपुरम पहली गली नुगवाककम मद्रास-34 थौसन्डलीड्स । लेख सं० 262/85।

> एम० सामुवेल नक्षम श्रधिकारी सहाय रुश्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-II, मद्रास

दिनाँक : 11-2-86

प्ररूप बार्च टी. एन्. एवं.------

श्री जे० सुधानन्धम ग्रीर ग्रन्य

(ग्रन्तरक)

[भागं III--- धेण्डः 1

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन स्वना

#### भारत बुद्कार

कार्यालय, सहायक आयकर जानुक्त (निरक्षिण) महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण ) श्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनौक 11 फरवरी-86

निर्देश सं० 209/जुन, 85~-ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें (सक्ते पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति, जितका उचित वाबार जुल्ब 1,00,000/- रत. से **अभिक ह**ै

जिसकी संब्लवें वार्ड सी-ब्लाक 35 डी, एस० 19 है, जो थोन हताथ गली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के जार्यालय, **ईरोड** लेख सं० 3059/85 में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, दिनौंक जून, 85

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मृल्य से कम के इक्समान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि संधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एोसे रूप्यमान प्रतिफल का पंद्रहप्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्दर्षस्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ध---

- (क) बन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; मौर/या
- (क) एँसी किसी नाम मा किसी भन मा नन्म जास्त्रिमों को जिन्हें भारतीय जाय-कर जभिनियम, (1922 का 11) या उस्त मिनियम, हा ६६-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) क त्रयोजनार्थ सन्तरिती बुवास प्रकट महीं किया गया थाया किया जाना चाहिए सा, क्रियाने में सुविधा के सिए:

दत: नव, उक्त निधीनयम की धारा 269-व के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) क्ते अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—-

 मेसर्स यार्ण मरचेंट्रस एसोसियेशन की प्रेसीडेंट--- भ्रार० के० भ्रार० सुब्रह्माणियम वेदिटयार

(भ्रन्तरिती)

भा यह सूचना पारी करकं पृथीक्त सपस्ति कं अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुएं 1

## उक्त तंपत्ति के वर्षन के बंबंध में कोई भी वालेप :----

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की बारीच से 45 दिन की अवधि या तत्शास्त्रस्थी व्यक्तियाँ पर सूचना की तानील से 30 दिन की नवीं भ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो। के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (स) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशक की तारीक से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पात लिखित में किए वासकी है।

स्वप्टिमिन्स्य:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अनुबक्त मधिनियम के मध्याय 20 के में परिभाषित इर्ड, नहीं अर्थ होगा, को उस क्र∺ (य में दिया गया 🗗 🛚

## ग्रनुसूची

लेख सं० 3059/85 की शेडुल में दी हुई सम्पत्ति-ईरोड, लेख सं० 3059/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम मधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-, मद्रास

दिनौंक : 11-2-86

प्रकम कार्च<sub>ः</sub> टी. एम<sub>ः</sub> प्र**क्**रकान्त

नायकर नांधानिक्य, 1961 (1961 का 43) की चार्य 269-च (1) के न्धीन सूचना

## भारत सरकाड

# कार्यासयः, तहायक वायकार वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मब्रास, दिनांक 11 फरवरी 1986

निर्देश सं० 220/जून 85—अत: मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

शावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात् 'उनत् अभिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-क से अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिस्का उचित बाबार मूस्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कम सं० 247 अलदी ताडू में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप स विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अवन्डामपुलिकाडू लेख सं० 267/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान बित्तल को लिए अंतरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विकित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मंधपुण सं हुई किसी नाय की वाब्द, क्ष्मप्त श्रीमित्रसम् को अधीन कपु दोने के बन्तरक के श्रीमत्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/बा
- (क) एसी किसी जान या किसी धन या नस्य जास्त्या को, जिन्हों भारतीय आयकार निर्धानयध, 1977 (1922 का 11) या उन्ते निर्धानयभ, या धन-कर निर्धानयभ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ संजीरती ब्यारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिष्ध ने निष्ह;

बत्ध वर्ष, उक्त विभिनियम की भारा 269-मृ सं वनुवरण वा, मी, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) व वंभीन, निम्नविधिट व्यक्तियों, वर्षा क्र--- (1) श्री पी० एस० रंगातायन।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री मोहम्मद जमासुदीम ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपन सम्मित् के वर्षन् के तर्वप में कोई भी वाक्षप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं
  45 दिन की जबीभ मा तत्संबंधी व्यक्तियों पृष्ट बूचना की राजीश से 30 दिन की बज़ीस, जो भी अवधि बाद में तजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वार अधोहस्ताक्षरी ब पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त श्रीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में विद्या गबा है।

#### वन्त्र्यी

भूमि 247, अनाडी हाडू जैसा कि लेख सं० 267/85 में वी तुर्ध सम्पत्ति अरन्डामपुलिकाडू

> श्रीमतो ्. सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास-6

**तारीख: 11—**2—1**98**6

प्रकृष बाइ . टी. एम. एतं . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मंभीन सूचना

#### शारत शरकार

## कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्राक्ष, दिनांक 11 फरवरी 1986

निदेश सं० 223/जून 85--अत: मुझे, श्रीमती एम ० सामुबेल,

भारतकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं समर्थ (मर्च बण्वाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदेवास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रीर जिलकी सं० भ्रीलगारठ कम्यून पंचायत सराम मधुरा कामराज नगर है, जो पांडिचेरी में स्थित है (भ्रीप इससे उनाबद अनुसूची में भ्रीप पूर्ण का में विणत है), रिजस्ट्री-वर्ग अधिकरी के वायिया, ग्रीसुवरें लेख सं० 1345/85 में पिरस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1985

को प्रांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते बहु विश्वास मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके क्षवजान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निज्निकृतिक उद्वेश्य से उसत अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से क्रियत नहुँ किया गया है:—

- (क) नन्तरूप संबुद्ध किची नाम की बानत, अनक निपिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरक के वादित्य में कनी करने ना उससे नचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (ण) एसी किसी भाव वा किसी भन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत व्यक्तियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इक्केन्सर्थ अन्तियम वाचा वाहिन् था किस वे के स्विभा के लिए;

शतः मन, अनत विधित्तव की पादा 269-प के वंज्वरण माँ, माँ, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ≰ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अधित :— (1) श्री पी० किरन्यमृति

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी० एन० मणि ग्राँर अन्यों (ग्रन्सरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए जार्वनहिना करता हूं।

उक्त सम्मन्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाबोद :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनीय ना तत्त्रमन्धी स्थानतमें पर सूचना की तानील से 30 दिन की नविध, यो बी मजीय नाम में बनान्त होती हो, के शीतर प्रोंक्ट स्थानतमें में से किसी स्थानत बुबारा;
- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशित की तारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा तकों ने।

रक्क किरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क वीधीनवन, के बध्याय 20-के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा ही।

### अनुसूची

भूमि-मजूरा कामराज नगर, सटाम ग्रौल्गारठ कम्यून, पांडि़बेरी ग्रोसूगरे लेख सं० 1354/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज-2, मद्रास

**नारीख:** 11−2−1986

प्रकृष बाह्र दी एन एस . -----

बाबकर विधिनवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्मना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर जायक्त (निरक्षिक)

अर्जन रेंज, मद्रास

मब्राम, दिनांक 11 फरवरी 1986

निदेश मं० 5/ज्न 85---अनः मृक्षे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/-रः. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 111 की ग्रीम्स रोड़ मब्रास 6, अपर० एस० सं० 43/4 (हिस्ता) है, जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इसने उराबद अनुसूची में घ्रांश पूर्ण रूप में वर्णि। है), रजिञ्जी कर्ता अधिकारी के ार्यालय, यौक्षन्डलैंडस् लेख मं० 293/85 में एजिस्दी हरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन जुन 85

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मुख्य से कम को अस्यभान शांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारन है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूला, सतके दश्यमान प्रतिकास से ऐसे दश्यमान प्रतिकास के पन्त्रहप्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और चन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तद भागा गया प्रतिफास, निम्नसिचित उद्वेषय से उच्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नवा है :---

- (क) बन्तरम वे हुई किसी बाय की बाबत , अच्छ अभिनियम के सभीन कर दोने के अस्तरक की दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा ने लिए: नरि/या
- (च) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य अन्तिवासों को जिन्ही भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ के, अनुसरण बैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, वर्भात :----

श्री एम० तिक्ताव्यास्थाः

(भ्रन्तरक)

(2) इस्लामिक सेन्टर

(अन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करके पूर्वोवत सम्पत्ति के अर्थन के एक स कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थम के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भं बबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति दुवाराः
- (ख) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पान लिभित में किए प्राणक्षे।

**त्यक्रीकरण**:----इसमें प्रगुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्ह बिधीनयमें के बध्याय 20-क में परिभाविक है, बही मर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया नवा है।

## मन्स्यो

प्लाट (3 फ्लोर) 111 बी ग्रीम्स रोड्, मब्रास-6, यो पन्डलैंटस्-लेख सं० 293/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निर्धाक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास-6

तारीख: 11-2-1986

सांहर ;

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-त्र (1) के अधीम सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त रेनरीक्षण)

अर्जभ रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिशांक 11 फरवरी 1986

निदेण सं० 119/जून 85—-अनः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल.

आवकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इतमें इतके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरवात करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 34, वें तटराम अध्यार स्ट्रीट टी० नगर है, जो मद्रान 17 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण का म विणान है), रिजस्ट्रीन्ता अधिकारी के कार्यात्र्य, टी० नगर लेख सं० 644/85 में रिजस्ट्री तरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 85

को पूर्वेक्त तस्पिति के उण्यति माधार मूल्य ते कम के दश्यमाम प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास रिने का कारण है कि वश्रापूर्वोक्त बम्बत्ति का उण्यति बाबार ूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिकास का भंद्रह प्रतिशत ते अधिक है और अंतरक (अंतरका) और बंतरिती (अन्तरित्वों) के बीच एसे अन्तरण के जिल् तम पाना गया प्रतिफल, निम्नसिवित उच्चेक्स से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कशी करने या उससे वचने में सुजिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय है . य-कर अभिनिवन, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बर्गः वन उक्त नीधनियम की भारा 269-न के निवृत्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-में की उपधारा (1) में निधीन, निम्नतिवित व्यक्तियों, वर्षात् क्रिक्ट

- (1) श्रोमतो आए० आए० गोविन्दम्मा<sup>ख</sup> (ध्रन्तरक)
- (2) श्री सी० ए० बालु ग्रोर एस० रवीन्द्रन् (भ्रदारिती)

का यह स्थान जारी कारके पूर्वीक्स सम्पत्सि के जर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ते ते 45 दिन की अविभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सांवीत्त को हितवब्ध किसी जन्म व्यक्ति ध्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित को किए जा सकी ।

स्वव्यक्तिरण:---इसमें प्रमुक्त घट्यां और पवां का जो उक्त अधि-नियम के अध्वाय 20-क में विस्थावित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिवा गना है।

#### अनुसूची

भूमि-34, वेंकटराम अध्यर स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास-17, टी० नगर लेख सं० 644/85।

> श्रीमती एम॰ सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहाधक भ्रायकर श्रापुत्रत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

स्री**ख**: 11-2-1986

मोहर.

## प्रकृत बार्च हो . एन . एव ......

बावफर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) वी वभीन क्षण

#### ब्रास्त संस्कार

## कार्यासय, सहायक गायकपु नाय्यस (निरीक्रण)

%र्जन रेंज, 2, मद्रास मद्रास, दिनांक 11 फरवरी, 1986 निर्देश सं० 121/जून, 1985—शतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकार निश्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत निश्निनम' कहा ज्या हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

भीर जिसकी सं० 92 जी० एन० चेट्टी स्ट्रीट टी० नगर मद्रास 17 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्या स्थ टी० नगर लेख सं० 711/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जून,

करे पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाधार मूक्य से कव के दक्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाधार क्य, उसके दक्यमान प्रतिफल से, ऐसे दक्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकत से जिथक है और जंतरक (बंतरकों) जीर अंतरिती (जंतरितियों) के बीच ऐसे जंतरण के लिए तय पाया नवा प्रतिफल निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरच जिचित वें नास्तिचक कप वे केंबित नहीं किया गया है :----

- (क) अंतरण से हुई किसी नाम की बाबता, उकत लीभिनियब के अधीन कर दोने के अंतरक के दाबित्य में कनी करने वा उससे बच्चे में सुविधा के आए; और/बा
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी भन वा जन्य जास्तियाँ की, चिन्हों भारतीय जायकर जिभितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोचनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नमा था या किया जाना चरित्रए था, क्रियमने नरे स्विभा के सिक्;

भतः जन, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मैं, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) में गर्थान: निष्टिनिसित व्यक्तियों, वर्थात :---36—516 GI/85  मेसर्म ईस्ट कोस्ट करस्ट्रकणनम् एण्ड इण्डस्ट्रीज पार्टनण श्री ए० एम० सैयद श्रब्दुल कादर।

enan interior of 1200 and the enancement of the enancement of the control of the enancement of the enance

(अन्तरक)

2. मेसर्स मामन्पी फाम्निली दूस्ट।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचमा बारी करके पृत्रों कर समित के अर्थन के शिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त संपरित के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इव स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की वर्षीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर कृषना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्षीय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा वजोहस्ताक्षरी के पास जिकित में किए जा सकेंगे।

स्वय्होंकरण :---इसमें प्रमुक्त खब्दों नीर पदों का, जो जनक निभिन्नम के निभाव 20-क वों पहिलाजिक हो, नहीं नर्थ होंगा जो उस अध्याय में विका एका हैं।

#### प्रनुभूची।

भृमि—-1665/37880 प्रिभित्र हिस्पा—92, जी एन० चेट्टी स्ट्रीट टी० तगर मद्रास-17, टी० तगर लेख मं० 711/ 85।

> श्रीमती एम० सामुबेल ं सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज ः, मद्रास

दिनौंक 11-2-1986 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

फार्मालय, सहामक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-१, मद्राम मद्रा , दिनांक । 1 फरवरी, 1986 निर्देश सं० 130/जून 85—ऊनः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल;

शायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 92 है, तथा जो जी एन० चेट्टी स्ट्रीट टी० नगर मद्रास-17 में स्थित है (श्रीर इस्से उपाबढ़ श्रन-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विधान है), रजिकस्ट्री:ति श्रिधः।री के कार्याच्य टी० नगर लेख सं० 704/85 में भारतीय रजिस्द्री-करण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जून, 1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिखित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) उन्तरण से हुई किमी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य भौ कमी करने या उससे धचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

वर्षः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) कुं अर्थनः, निम्नुलिकित स्यक्तिसों, वर्धात् क्रिक्त  मेसर्स ईस्ट कोस्ट करूक्षमन्स एण्ड इन्डस्ट्रीज पार्टनर घ० एम० सैयद अब्दुल उत्तदर।

(ऋन्त्रकः)

2. मेसर्स हाजिमा दृस्ट **धौर** श्र<sup>.</sup>य।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूघना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्जबुध ेन्त्री अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयूक्त शब्दों और ४६. जा:, ओ उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनस्यो

भूमि— 92, जी० एन० चेंट्टी स्ट्रीट, टी० नगर मद्रास- 17, टी० नगर लेख सं० 704/85 !

श्रीमती एम० सामुबे ल सक्षम प्राक्षितारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-2, मन्नाम

सारीख: 11-2-1986

प्रस्य बाइं. टी. इव. एत. --------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुम्ना

#### भारत सहकार

कार्यानय, सङ्खायक आयकर नायुक्त (निरीक्सण)

अर्जन रेंज-2, म्ब्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 131/जून 85---श्रयः मुझे श्रीमती एम० भामुबेरु

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 92 जो जी० एन० चेट्टी स्ट्रीट, टी० नगर मद्राय-17 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर रूप कर मे विणित है), रिजस्ट्रीजर्ता श्रीकारी के कार्यालय टी० नगर लेख मं० 703/85 में, भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रीचन, तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृम्में यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पल्डह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण विश्वत में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है द—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए, वरि/या
- (क) ऐसी किसी लाग या किसी धन या जन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था तिथा जाना जाहिए था, छिवाने में सुविधा के लिए;

कतः अथा, उक्त विधिनियम औ भारा 269-ग के वनुसरण मों, मी, उक् अधिनियम की भार 269-च की यमधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——  मेसर्स इस्टि कोस्ट कन्स्ट्रवशन एण्ड इण्डस्ट्रीस पार्टनर श्री ए० एम० सैयद श्रब्दुल कादर।

(अन्तरक)

 मेसर्स युसुफ भुलैखा ट्रस्ट की ट्रस्टी एस० के० एम० जुनैद वासीन्।

(ऋन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब सं
  45 दिन की जबिध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  म्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे

स्थव्यक्तिकरण: — इसमें प्रयुक्त सब्दों जोर पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रन्मूची

प्लाट नं० 92, जी० एन० चेंट्टी रोड़, टी० नगर मद्रास-17 टी० नगर लेखा सं० 703/85।

> श्रीमती एम० स.मुबेल स्क्षम प्राधिकःरी स्ह्रायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

सारीख: 11-2-1986

प्रकल बाह्". डी. एवं ु एवं ु ---::----

# बायकर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) वे स्वीत स्वता

#### मारत रहका

# कार्यातव, सहायक बायक र बायकत (विद्रीकन)

ध्रजीन रेज-2, मद्राम

महास, दिनांक 11 फरववरी, 1986

निर्देश सं० 141/जून 85--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्ठीर जिसकी सं० प्लाट ग्रांचड पलोर 97 है तथा जो डा॰ रंगाचारी रोड़ मैलापुर मद्रास 8 में स्थित है (भीर इससे उपावड अनुभुषी में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिकस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापुर, लेख सं० 703/85 में भारतीय रिकस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुन, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिक्रश के सिए बंतरित की गई है और मृत्ये यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृज्य , उसके दृष्यमान प्रतिक्रश से, एसे दृष्यमान प्रतिक्रश का पन्तृष्ट् प्रतिक्रत से अभिक है जौर बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तब पाया च्या प्रतिक्रस , निम्निसिचत उद्दृष्ट से इस्त बन्तरण निविद्य में वस्तरिक क्य से क्यांत्र कहीं सिमा प्रा है ह----

- (क) बंतरण से हुए बिसी बाब की बाबत, उक्त कीथ-दिवस से अभीन कर दोने के बन्तरक के दावित्य में कली करने वा जबसे बचने में स्विधा के लिए; बीप/वा
- (त) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के विभाग अन्य अस्तियों अन्तिरती क्षाया प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान वें मृविधा के लिए;

जतः वन उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के वन्तरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस व्यक्तियों. अर्थात:—— 1. श्री ए० सुन्दरम।

(ब्रन्तरक)

2. श्री एस० दरमन श्रौर श्रीमती विजयलक्ष्मी पशुपति। (श्रन्तरितो)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कर्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपंच में श्रकाशन की तारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की ताबीच से 30 विन की अविध, को भी जबाद वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के रास श्रिचित में किए वा सकों थे।

स्वकाकरण ड----इतमें प्रयुक्त कर्का और पर्यो का, वो उनक विवित्वक के कथ्वाय 20-क में धरिभाविक हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में विया प्या हैं थ

#### वन्स्यी

ण्लाट स० 97, डा० रंगाचारी रोड, मैलापुर मद्राय-4 मैलापुर लेख सं० 703/85।

> श्रीमती एम० सामुबेर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्राम

तारीख: 11-2-1986

## क्षा **वर्ष** वर्षा हो। स्थान स्थान

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के विधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्वासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जनरेंज II, मद्रास मद्रास, दिनांक 11 फरवरी 1986

निर्देश सं० 142/जून 1985---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहां गया है, की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भोर जिसकी सं० 3/1, है, तथा जो भीमण्णा गार्डन है जो धार० एस० सं० 3638/7 मद्रास 18 में स्थित है (घ्रौर इससे उपाबढ धनुसूची में घ्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीयती घ्रियकारी के कार्यालय, मैलापूर लेख सं० 695/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विद्यास करन का कारण है

कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल से, एसे इष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंसरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के लिए तय गया गया प्रतिफल,, निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्कृतिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) श्राम्यण से हुई सिश्ची बाल की बावबू, क्याइ निविध्यम् के व्योक्त कर दोने से व्यवहरू में सामित्य में करी करने वा क्याचे व्यवहरू में कृतिया में किए; मीड/ना
- (थ) एखी किसी नाव या किसी धन वा नन्य आस्तियों को किन्हों भारतीय नाव-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उपत निधिनयम, वा अन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासवार्थ अन्तिरसी ब्नास प्रकट नहीं किया वा था वा किया बाना चाहिए था, कियाओं से सिका के सिक:

अतः अब, उक्त अधिरियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्ति व्यक्तिकों, अर्थात् :---

- श्रीमती बी० शरला देवी श्रीर दूसरे। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री भषीर श्रहमद श्रौर श्रीमती मसीना बानूक। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सबंध में कोई भी मासीप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख में 45 विज के भीतर उक्त स्थावर सम्मणि में हित-ब्लूच किसी अन्य स्थावित इवारा, अभोहस्ताक्षरी वें पास विविध में किए जा सकेंगे।

#### अनुसूची

भूमि ग्रीर मकात 3/1 मीमण्णा गार्डन, मद्रास 18, मैलापूर, लेख सं० 695/85 '

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , मद्रास

नारी**ख**: 11⊭2-1986

प्रकप बाइ .टी. एन .एस . ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भूतर 269-म (1) के सभीन त्वना

#### भारत सरकार

कार्याशय, सहायक आयकर आयुक्त (निज्ञीकाण) श्रर्जन रेंज-II, महास

मद्रास, दिनांक 11 परवरी 1986

निर्देश सं० 169/जून 85—अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित नाज़ार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० प्लाट नं० 7, होर सं० 22, टी० एस० सं० 14 मौर 15 बनाक मं० 16 कम्टम्स जालोनी हास्पीटल रोड़ सहदापेट में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता म्रिधकारी के कार्यालय मद्रास दक्षिन लेख सं० 1778/85 में, भारतीय रिजस्ट्रीकरण म्रिधिनयम-1908 (1998 का 16) के म्रिधीन, तारीख जून 1985 का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए कंतरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिमात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और वन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निसित उद्वेश्य से उक्स अन्तरण निम्नित में बास्तविक रूप से किथत नहीं क्या गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा दायित्व के लिए; जॉर/या
- (क) एसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय बायफ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविध्य के सिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुबरण वॉ, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) है अधीन: जिम्लिखित र विकास विकास विकास 1. श्री टी० राजमन्नार।

(ऋन्तरक)

2.श्री पी० डेविड।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त कम्बत्ति के वर्धन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजचन में प्रकाशन की तारीख वे 4-5 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकीं ।

स्यक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्दों का, यो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, यो उस अध्याय में विसा गया है।

## वन्यूपी

भूमि — प्लाट सं० 7 होर सं० 22 टी० एस० सं० 14 श्रीर 15, बलाक सं० 16 हास्पिटल रोड्, कस्टम्स कालोनी, सद्दापेट मद्रास दक्षिण लेख सं० 1778/85।

> श्रीमती एम० सामुत्रेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

सारीख: 11-2-1986

मोहरः

## प्रका बाह्", डी. एम., ६व. मन्नार

# मैससं ब्लू लग्ना मोटल्स श्रौर प्रापर्टीज प्राइवेट लिम्टिंड।

(भ्रन्तरक)

नावकर समिनियम, 1961 (1961 मा 43) की भारा 269-म (1) में क्यीन सूक्ता 2. श्री ए० रमेश।

(अन्तरिती)

नायां वरमार

कार्यांक्य, तहासक नामकर कानुका (निर्धाक्त)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास मद्रास, दिनांक 11 फरवरी 1986

निर्देश सं० 152/जून 1985—श्रतः मुझे, श्रीमती एम-सामुबेल,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मृख्य 1 00:000/- का से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० कृषि खेती 1.52 सेन्टस् एस० एफ० सं० 1/1 एफ है जो शालिगनस्लूर, गांव में स्थित है (भीर इससे उपावक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीक कारी वे कार्यालय ग्रह्यार लेख सं० 1466/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रक्षितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुन, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रष्ट प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक ल्य से कथित नहीं किया गवा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सिक्रधा के लिए; बॉर/या
- (ब) एमी किसी बाय या किसी धन या जन्य आसितवां को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 15 का रहत हिंगिनियम, या धनकर विश्वतिस्थार, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ असारिसी ब्वारा प्रयोह नहीं हिंगा गया था या विश्वतः 'श्राना चाहिश था, स्थिपाने मों सविधा के लिए:

र तथा. १२० विभिन्नयम की धारा 269-व्य के बन्सरक गा. े राज प्रिकेशम की धारा 269-व की उपधारा (1) के स्थीत: निकालिकिका व्यक्तिया, वर्षात् — का यह सूचना जारी कान्छे प्वेकित सस्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वासीप :---

- (क) इस स्थान के राजभन में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबंकित व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवय्थ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास किसिकत में किए का सकेने।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया ही।

### अनुसूची

कृषि खेती— 1 52 मेन्ट्म एस० सं० 1/1 एफ॰ शेलिग-नःसूर गांव श्रडयार लेख सं० 1466/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षय प्राधिकारी सहायक ग्रायनर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

नारीख: 11-2-1986

\_\_\_\_\_

प्रकृप अर्थ : टर्ड : एम् : वस ------

नायकर ग्रीधनियन, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-म (1) के अधीन क्यांग

#### भारत सहस्रक

# कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्रक)

भ्रर्जन रेंज-, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 फरवरी, 1986

निर्धेश सं० 150/जून 85—श्रृतः मुझे, श्रीमती एम० सामुदेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रिक परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाबार मृज्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० साउथ बीच रोड, सन्योम मद्रस 4 प्लाट नं० 73 मद्रास-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय-मैलापूर, लेख मं० 259/85 में भाततीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1985

को पूर्वोधत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्ययमान शितफल के लिए जम्तरित की गई है और बुके यह विद्यास करने का कारण एँ कि गथापूर्वोकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिवित उद्ध यस से उक्त जन्तरण लिचित में बास्तिविक रूप से अधिक १४ एक गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, रिम्निटिश्वत व्यक्तियों, अधीतः :— 1. श्री एम० बरदराजन।

(ग्रन्तरक)

2.श्री प्रसरक ग्रली।

(फ्रन्तिरती)

को यह ब्रुचना नारी कारके प्योंक्त संपरित से वर्षन से सिष् कार्यनाहियों कारता हुए।

## उन्त बंदरित के मुर्जन के बंबंध में कोड़ों भी शाकोब ड---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तासीन से 30 दिन की अविध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसार;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाबन की सारनेक कें 45 विन को भीतर जकत स्थावर सम्पन्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा जभोहस्ताक्षरी के पांच सिचित में किए वा सकेंगे।

स्वकारिक रणः -- इतमे प्रयुक्त सन्दाँ और पदाँ का, वा उपक स्वितियम, क जन्माय 20-क में परिभाषित ही, बहुति अर्थहोंगा, बो उस अन्यत्य में विभाषता ही।

### अनुसूची

भूमि---साउथ बीच रोड़, सस्थोम, मद्रास-4 श्रार० एस० स० 4303 हिस्साप्लाटसं० 73 मैलापूर लेख सं० 759/85।

> श्रीमती एस० **राम्द्रेल** सतम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्षर श्रायुवत (निरी**क्षण**) ग्रर्जन रॉज-II, म**द्रास**

तारीख: 11-2-1986

## इक्त बाई', टी. एन. एव. .....

भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के मधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक बायकर बायक्त (निरीक्तक)

अर्जान रेज-३, मब्रास

मद्राक्ष, दिश्तं । १। फरवरी, 1988

भिर्देण सं० 172/जून 85--आ: मुझे श्रीमती एम० स्थामबेल

कायका, श्रीवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का काश्य हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित हाराध याना 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिलको सं० 204, है जो पश्चिम सी० ए० टी० नगर महाल 35 में स्थित है (भीर इसने जलबद अनुसूची में भीर पूर्ण का न विभिन्न है), रिजिस्ट्री होती जिल्ला की लायीन्य महाल दक्षिण लेख सं० 1850/85 में भारतीय जिल्ला हो जल्म अधि जियम, 1908 (1908 हो। 16) है जिल्ला, भारीख जूं,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एक्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एस्यमान प्रतिफल से एसे रूक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुइ किसी नाय की बाबत, उक्त क्रीभिन्यम के अभीन नार दोने के अरारक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी आयं या किसी भन या अन्य वास्तियां सार, जिन्हों भारतीय कायकार अधिनियम, 1922 (1972 रा. 14) वा नाम अन्य अधिनियम, 1922 (1972 रा. 14) वा नाम अनुकार अधिनियम, या अनुकार अधिनियम, १९०० (१९५०) रा. १८०० रा. १८० रा. १८०

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बा, मी, अक्त अधिनियम की भारा 269-थ की ज्रेपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियो, अधीत्:— 37—'516 GI/85 ा. श्री अध्रुष्ट्रस्य केंब्टन्य।

(अन्तरक)

2 श्री एस० एम० निजामृदीन।

(अन्तरिती)

को यह स्वान कारी करके प्रॉक्ट सम्पत्ति के व्यक्ति के विक् रामानिका करता हो।

तकत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीय ----

- (क) इस स्थाना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीश स 45 दिन की अनिश्च या तत्संबंधी अ्वतितयों पर स्थाना की तामील में 30 दिन की अवधि, जां भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त कावितयों में में किसी न्यक्ति द्वार्य;
- (क) इत स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की रारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबबुक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अर्थाहरूताक्षरी के पाथ तिक्रित में किए वा सकतेंगे।

#### मन्स्ची

भ्मि और मकान ——प्लाट स० ३०५, पश्चिम सी० ए० टी० नगर मदात-35 मदात दक्षिण लेख सं० 1850/85।

> श्रीमती एम० समुबेल सक्षम प्राधिकारी महासक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

भारीख: 11-2-1986

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मदाय

मद्रास, दिनां ह 11 फरवरी, 1980

निर्देश सं० 173/जून 85—-जाः मुझे श्रीमती एम० सामबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

प्रांश जितकी सं कारनाविष्णा गालोनी सालिग्रामम् है तथा जो सालिग्रामम् में स्थित है (प्रांश इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रांश पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्रय मद्वात दक्षिण लेख सं 1852/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुन, 1985

को प्रेंक्सि सम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एती किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब जिक्ते अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण चें, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) कें अधीय, निम्न्सिलिसित व्यक्तियों, अधित ऽ── 1. श्री के० गोपालन्।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शोभा शेकर।

(अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इ.स. स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो अन्न जविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्त क्यींक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन कर सारीच च 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकीं।

स्पद्धीक्षरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भृमि श्रीर मकान वन्ताबिराया कालोनी, सालिग्रामम् मद्राम दक्षिण लेख मं० 1852/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 11-2-1986

प्रकृष बाह्र . दी. इन. एस. ------

भाषकर वरिश्वियस, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के बचीन स्वामा

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

अजुन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनां ह 12 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 6/ज्य 85——अयः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 262-स के अधीर सक्षम प्राधिकारों को, यह विकास करवें कारण हैं कि स्थायर सम्परित, विसका स्वित बाचार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पैमाय सं० 762 सर्वे सं० 522/8 आर० एस० सं० 681 है, जो नुगम्बाक्षमम् में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), जिस्ट्रीकित अधि-जिन्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुन, 1985

को पूर्वांक्त तम्पत्ति के उचित बाबार मूस्य से का के दश्यमान प्रतिकल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूस्य, ससके दश्यमान प्रतिकल से, एते अमनान प्रतिकल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तस पासा मया प्रतिकल निम्मतिस्ति उद्दर्शन्य ते उक्त अंदरण किसित वें कारतिकल हम में कथित नहीं किया गया है ६—

- (क) बालपुण सं शुरू शिक्षी भाग की बाब्ध, उत्तर सभितियुग को जुबीन आपु दोने के बन्दारक को सावित्य में कती अपुने या उत्तर वर्ण में सुनिया के निरुष् आहे/या
- (व) इसी किसी वास वा किसी धन या वस्य वास्तियों को, विक्रू भारतीय वायक ह निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उपत न्धिन्यम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अस्तिरती दुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, कियाने में सुविधा के निष्ट;

भताः अव, अवत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुनरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- 1. श्रो पी० एउ० श्रीनियासन।

(अन्तरक)

2. डा० टी० मुनुस्वामी।

(अन्तरिती )

का यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के विव कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बालोप 🔾

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की संगीप की तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर् सूचना की ताबीस से 50 दिन की संगीध, यां भी संगीय नाम की संगाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त स्वित्तयों में से किसी स्वृतित हुनारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश श्र 45 वित्र के भीडर उन्तर स्थान्य स्मारित में हितनकृष् किसी अन्य स्वक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव सिवित में किस् वा सक्ति।

स्वयाकरणः---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, को उक्य अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषिक की, यही वर्ष क्षीया, को उस अध्याद में दिवा यहां हैं।

## प्रनुषुची

भूमि श्रीर मनान एस० सं० 522/8, नुगम्बाक्कम्, मद्रास-34 थाउजेण्डलाइटस लेख सं० 294/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहाय हे आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 12-2-1986

ब्रह्म बार्ड, ही. एन. एस.-----

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) में अधीन सूचना

भारत सरकार

कामा अस, सहायक जायकार नाम्बद (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, महास

मद्रास, दिनांक 12 जनवरी, 1986

निर्देश सं० 23/ज्न, 85—अतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उकत विधिनवम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सभग प्राधिकारों को यह विश्वास करने का शारण हैं कि स्राप्त सम्मति, जिसका उचित बाबार नृत्व 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

अर्गर जिसकी सं० 25, (नई सं० 32) है सुन्दरम् पिल्ल लेन की उत्तर में है जो पुरशबाक्कम् मद्रास 7 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यां प्रयुवक्कम् लेख सं० 4025/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 मा 16 के अधीन, तारीख जून, 1985।

मां प्रतिकत संपत्ति के विषत बाबार मृस्य से कम के सब्यान प्रतिकत्त को गई हैं और मृक्षे यह विश्वास का को का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उषित बाबार प्रत्य, उसके रश्यमान प्रतिकत्त से एसे रश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित् (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्बरेय से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपत अधि-नव्य के बधीन कर दोन के अन्तरफ की दिवास में कभी करने या समय वजने के कृषिया के जिसे;
- (क) एती किसी बाय वा किसी अन या अन्य शास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्स अधिनियम, या धन-श्रूर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवीक्सार्थ अन्तारती वृत्तारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा अधिकपः

अत: अब:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वं, में उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिसिक व्यक्तियों, अर्थात्— 1. श्रीमतो एस० लक्ष्मी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती पी० ए० कांचन माला।

(अन्तरिती)

र्कः श्रह शृष्या **कारी करके पृत्रीय**स सम्प्रोत्स क असन के श्रिक कार्यवाहि<mark>यां सुरू करता हुं।</mark>

उपल सम्मतित को जर्मन को सम्मन्य में कोई भी कार्कप :----

- (क) इत तुष्ता के राज्यन में प्रकावन की तारीक के 45 दिन की वनीभ ना तत्सम्बन्धी कावितायों पर स्थान। की ताबीक से 30 दिन की ननिभ, को भी नविभ नक ने मीतर प्रवेकत काविता में से किसी व्यक्ति दुवारा:
- (क) इस सूचना के राज्यपन में प्रकाशन की शार्राध से 45 दिन के भीष्टर उक्त स्थावर संपत्ति मो हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्याक्षरों के नास निकित मों किस्सू का मकोने।

हपक्षत्रकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, वा उन्स विधानसभ के विभाग 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्यास में दिया क्या हैं।

अनुसूची

भूमि श्रौर महानं—25, नर्यो सं० 33 सुन्दरम् पिल्लैं लेन की उत्तर भाग में, पुरशवाक्षम, मद्रास-7 लेख सं० 1025/85।

> श्रीमली एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयाहर आयुक्त (निनरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 12-2-1986

-----

## प्रकृष् वार्षः दी. एन . एस . -----

# भाषकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रें -:, स्वास

मदास, दिनांक 12 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 24/जून 85---अनः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

क्रीर जिसकी सं० लेख सं० 1062/85 की शोडुल में दी गई सम्मित है , जो मद्राम में

स्थित है (श्रीर इसने उसबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रिजिस्ट्री क्रिनी अधिकारी के त्यार्यालय पुरशवाक्यम लेख सं । 1062/85 में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिरियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, नारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ने) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या क्त्रकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धांया किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं-, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की खपधारा (1) के अधीत, निम्निनिकित व्यक्तियों, अधीत ह---

1. श्रीमती डी० राजनक्ष्मी।

(अन्तरक्)

2. श्री एय० एम० शिवगुरूस्वामी।

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

### उक्त संपत्ति के क्वन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वीकरणः - इसमें प्रमापत शब्दों और गर्दों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया सकता,

## प्रनुसूची

लेख सं० 1062/85 की शेडुल में दी गई सम्पत्ति पुरशवानकम् लेख सं० 1062/85।

> (श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

नारीख: 12-2-1986

मोग्ह् :

धक्य नाइ , टी. एन. एक.------

भाषकर क्रिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बाधीन स्वाम

#### भारत तरकार

धार्यालयः, सहायक मायकर मायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्वेश सं० 29/जून 85—अतः मुझे एम० सामुनेल आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, चित्रका उचित बाजार मृश्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 0 10 है, जो विष्णम्बाकनम् गांव प्लाट न 0 963 आर 0 एस. सं 0 243/3 के 0 के 0 सगर में स्थित है (श्रीर इसमें उनावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विषान है) रिजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय विष्णम्बाकनम् लेख सं 0 1528/85 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के क्यमान प्रिक्तल के लिए जन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार कृत्य उसके क्यमान प्रतिक्रम से, एसे क्यमान प्रतिक्रम का उन्द्रह प्रतिश्वास से अभिक है और बंतरक (जंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तथ पाया गया प्रतिक्रल निजनिस्चित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरम् वे दुई किसी आय की सावस्त, स्थल अधिनियम के सभीन कह बने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे सभने में सुविधा से सिए; और/या
- (व) इसी किसी नाव या किसी भन या बन्य जास्तिवाँ कर्त, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ शंगरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया काना चाहिए था, स्थिपने ये गिंशन के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमृहरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नौलिखित व्यक्तियों, अधीन, 1. श्री एस० वेम्भु।

(अन्तरकः)

2. श्रीमती मीनाक्षी त्रिथिवारान्।

(अन्तरिती)

को **बहु सूचना बहुरी करको पूर्वोक्त सम्मरित के अर्चन के जिए** कार्यवाहियां कारता हुं।

ज्या राज्यीत के वर्षन के संबंध में कोई भी बाखांप :---

- (क) इस स्पनः के राजपत्र मं प्रकाशन को तारीं व ते 45 विन की अविधि या तत्त्वम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वनः की तानींच से 30 दिन की अविधि, वो भी अविध नाव में बनान्त होती हो, के भीतर प्रवेकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (क) इस स्वाम के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दित-वृष्य किसी कर्क व्यक्ति स्वारा वभोहस्ताक्षरी के भाग निर्माश में किए ज सकींगे।

स्वय्यक्षिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथितयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिवा एक हो।

#### भ्रमसुची

भिम--101, विरूपम्बाकमम् गांव प्लाट नं० 963 के० के० नगर विरूपम्बाकमम् लेख सं० 1528/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 12-2-1986

त्रक्य काईं, टी. एन. एस.-----

गांशकर मीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्वना

#### बारत सरकार

## कार्यानय, महाबक बायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रारा

महाम, दिलां 🗆 12 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 31/जून 85—-अनः मुझे श्रीमती एम० सामवेल

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके पश्चात उक्त मधिनियम बहा गया हैं) की धारा 269-व के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मन्य 1,00,0 0 र. से मधिक हैं

श्रीर जिलकी सं० प्ताट 900 वर्ग फुट है, जो अश्रोकत्तगर, मद्रास-83 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीवर्ता अधियारी के धार्यास्य कोडम्बावरम् लेख सं० 1642/85 में भारतीय पितस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन, धारीख जून 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को इत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे मह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (%) मन्तरक संहुद किसी काय की पावत, उध्य मिनियम के प्रधीन किर बोने के बन्तरक के वास्तिक में कमी करने या उससे किने में मुविभा के लिए.
- (क) पुरेती किसी जाय या किसी धन गा अन्य आस्तियाँ की, चिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरिती इवाध प्रकट नहीं किया गथ, बा या किया जाना चाहिए या, कियाने में प्रविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) इंक्योर, किम्नुलिक्त व्यक्तियों, अर्थातः :---

- 1. श्री के० भासकरराज श्रीर श्री के० अच्युत रामराज। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती के० राजी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—
(क) इस सूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

#### भनुभूषी

प्लाट 900 वर्ग फुट । (गली) अविन्यु, अमोक नगर मद्रास-83, कोडम्बाक्कम लेख सं० 1642/85 ।

> श्रीमती एम० सामुकेल सक्षम प्राधिकारी ∵ाःक म्राय इर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीज: 12-2-1986

प्रकार काई . टी . एन . एस . -----

श्रावकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### मारव बरकार

कार्यासय, तहायक शायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेश-2, द्वारा

मद्रा∴, दिनांक 12 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 35/जून 85—अाः मुझे विश्ती एम० ामुबेल, आयकर जिथानियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

प्रीर जिलकी सं० प्लाट 1175 वर्ग फुट वर्ग सं० 7 हो। एल० सं० 54 है, जो पुलियूर में खिया है (प्रीर इस्में उपाबत अनुसूची में प्रीर पूर्ण कर सं विणित है), रिजिस्ट्रीजिती अधिकारी के कायिलिय कोजन्यान हम् लेख सं० 812/85 में भारतीय रिजिस्ट्रीजर्ग अधिनियम, 1908 (1908 में 16) के अधीक नारीख जुन, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाधार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के जिए अन्तरित की नद्दें हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उणित बाधार बल्प, उसके दश्यभान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्थेप्रतिक्षत से अभिक हैं बौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के सिए तम पाया प्रया प्रतिफल निम्निनिचित उद्वोस्य से उन्त अंतरण सिवित में कास्त्रिक क्या से किंचल नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबस, उक्त जीविजन के अधीन कर दोने के अन्तरक ने दासिएक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा क शंतर, और /कः
- (क) ऐसी किसी बाग वा किसी भन या अन्य आस्तियों किंगे, जिन्हें भारतीय बावकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अभिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अव. उपत विधिषय की धारा 269-म के बनुसरण भं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्रीमती योगाम्बाल।

(अन्तर्क)

2. श्री टी०ए० पेरियमामी।

(अन्तरितीः)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वन्ति सम्मत्ति को कर्पन के निष् कार्यवाहियां कारता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के शकपत्र में प्रकाशन की तर्शीत से 45 दिन की जबिंध ना तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की सविध, को भी वक्षि बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्वाश;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वध्योकरण: ---- इसमे प्रयुक्त सम्बाधीर वर्षों का, का उक्क जिपिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्थ होंगा को उस प्रधाय म दिस्स मना है।

#### नगुसुनी

प्लाट ---ज्लाक मं० 7, पुलियूर, कोडम्बामकम् लेख सं० 1812/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी अह्(यक आया इर अ(युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्राम

भारीच: 12-2-1986

प्रकल कार्च .टी..एन .स्च.-----

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) में अधीन सूचना

तारक बरकार

## कार्यासय, सहायक मानकर मानुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं० 37/जून 85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल, बायकर बिंशीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनवम' कहा गया हैं), को भारा 269- ध के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मीत, जिसका जीवत वाजार मृन्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० भूमि ——टी० एस० सं० 107 ब्लाः सं० 85 है, जो कोयम्बेड्में स्थित है (श्रीर इससे उपाद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणा है), रजिस्ट्री आ अधिकारी के कार्यालय कोडम्बाक्कम् लेख सं० 1825/85 में रजिस्ट्रीकरण िधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख व्यान, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाकार मूस्क से कम की क्रममान प्रतिकल के लिए जल्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर में का कारण है कि गंभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाकार मूख्य, उत्तकों उद्यागन प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल से कम्मरिती (जन्तरितियाँ) को बीच ऐसे मन्तरक (जन्तरकाँ) और जम्मरिती (जन्तरितियाँ) के बीच ऐसे मन्तरक के जिए ध्याया गंभा प्रतिकल, निय्नितियाँ उद्विषय से स्था कम्मरूच तिस्ति की वास्तिक कम से कम्मरित महीं किया गंभा ही रूप्त

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत स्वयः बहुँच-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के शियत्व में कमी करने या उससे वचने में सविधा के सिए; कीह/पर
- (क) ध्रेसी किसी बाब या किसी धन वा अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त् वधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के आए;

बार बाब, उक्त मिथिनियम की धारा 269-ग के सनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की लणभारा (1) के अधीन, निमालिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 38---516 GI/85

1. श्री पी० एम० विन्सन्छ।

(अन्तर्कः)

2 मैसर्स लंका लिंक यूनिट।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बाड़ी करंबे पूर्वोक्त घन्यति के अर्थन के सिए कार्यनाष्ट्रियां करता हो।

उक्त सम्मीका को बर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस कृष्णा के राज्यभ के प्रकारत की तारीय से 4.5 दिन की जहाँथ वा तरहाम्बन्धी अवित्यों पर यूजन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अर्थित वाद के स्वाप्त होती हो, को भीवर पूर्वों कर व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति दुनाया;
- (ब) इश्व सूचना के राजवन के प्रकाशन की वारीन से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्यूभ किश्वी कर्य व्यक्तियु दूसारा अभोहस्ताश्वारी के पहि विविध्य में किए बा कर्यों।

रक्कीकरण:---इतने प्रमुख्य कर्को बीर वर्षो का, वा समस जीवितवर्ष के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं वर्ष होना को सस अध्याय में किया नवा है।

#### जम्सूची

भूमि—टी० एस० सं० 107, ब्लाक सं० 85 कोडम्बामाम् लेख सं० 2825/85।

> श्री मतीएम० सामुबेल सक्षम प्राधि ारी सहायक आयावर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

नारीचा: 12-2-1986

प्रकृष वहर्षे ही एन एक -----

मायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के मधीन स्वया

#### बाहर बहुकार

## भागांसय, सहायक नायकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंच-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं० 41/जून 1985---आनः मुझे, श्रीमती एम० सामयेल

नाशकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असे परणात् 'उन्त निर्मात कहा गया है), की भारा 269-ए के नभीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विस्थाय करने का कारण है कि स्थानर अंपीत्त, विश्वका उपति नामाह मून्य 100,000/- रहा से अधिक है

स्रोग जिसकी सं० 111/111 प्लाट सं० सी० 727, टी० एस ० सं० 29 बतात सं० 75 है, जो कोडम्बाकरम् में स्थित है (स्रीर इसमें उराबढ़ अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्री ति अधिकारी के कार्यालय कोडम्बाकरम् लेख सं० 1842/35 में, प्रजिस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

का पृथिति गम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान वित्रक्ष के लिए अन्तरित की नई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापृत्रिकत समपित का उधिक बाजार बृद्ध, उसके क्षयमान प्रतिकत्त से, एसे क्षयमान प्रतिकत का पन्छ प्रतिकत से विभिन्न है और वन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिती (क्ष्यारितिकों) के बोच एसे बन्तरक है विए तब पावा प्रवा प्रतिक्ष अस्त विश्वासिक उद्विक से उक्क बन्तरक (अस्तिक में वाक्यकिक कप से अधिक नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्भ वं सूच' कियी बाद की बाबत, उत्तर वर्धिन्यम के ब्यीन कर बोने के अन्तरक के श्रीवर्थ में अभी करने वा उसने वचने में सुविधा के निक: बीट/वर्ध
- (वं) ध्रेसी किसी जाय या किसी भन या कत्य जातिस्ति काँ, जिन्हुं भारतीय जाय-कार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कार ऑभिनियम, 1957 (1957 का 27) वे वर्षोक्षार्थ जन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया मा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

भगः सब उसन सिथिनियम की नाग्न 269-भ से सनुसरम में, सें, उसन सिथिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीर निम्निसित व्यक्तियों, अधीत :--- 1 श्रीमती एम० सूलीचना।

(अन्तरक)

2. श्री शोलै पीक्ष्रंग मुदलियार।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

## वक्त सुन्वति के वर्जन के सुन्वन्थ में कोई भी नाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विश्व की बनीय या स्टब्ल्यमी व्यक्तिकों पूर् सूच्या की तानीय में 30 विश्व की स्थित, यो भी बनीय नाम में समाप्त होती हो, के भीतर प्राप्त व्यक्तियों में से किली स्मिन्त ब्यास्त;
- (ख) इस स्थान के राजपत में प्रकाशन की तारीत के 45 दिय के भीतर उनक स्थानर अन्ति के दिस्यक्ष किसी जन्म ध्वीनत द्वारा सभोक्ताक्षरी के पास मिसिस में किए वा इकों ने ।

स्वकानिक्षण्यः इत्यके प्रकृति कार्या कार्या

#### त्रनुसूची

भूमि भौर मजान टी०एस०सं० 29, ब्लाक सं० 75, प्लाट पं० 727, सं० 111, कोडम्बाक्तम्। लेख सं० 1842/85।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 12-2-1986

## प्रकम् आर्षः ही । एन । सन् , -------

## आयकर नीभीनयस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुकता

#### भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिलांक 12 फरवरी, 1986

निर्देश सं० 42/ज् न 85--अः मुझे श्रीमती एम० सामुवेलं आयकर श्रीभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रयथात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन स्थम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है और जिसकी सं० 6 है जो 48वा स्ट्रीट-श्रिशोक नगर मद्रास में स्थित है (अगर इसले उपावड अनुभुकी में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री इती अधिकारी के जार्यालय कोडम्बाक इम् लेख सं० 1858/85 में, भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

श्री प्योंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विच्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाक्त, उक्क कधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के सिए; बाँट/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) यो प्रयोधनार्थ अन्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिए:

सतक सन, उक्त अधिनियम, कौ शारा 269-ग को अनुसरणी में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1 श्री एम० चिन्नस्वामी श्रीर अन्य।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अमुधा कंदस्वामी।

(अन्तरिती)

का यह तुषना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोड़ भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबदुध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, फरें उथल अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्यी

भूमि और मंशान~-6, 48वां स्ट्रीट, अशोक नगर मद्रास। काडम्बाकरुम् लेखा सं० 1858/85।

> श्रीमती एम ० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

नारीख: 12-2-1986

प्ररूप आई.टी. एत. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 12 फरवरी, 1986 भिर्देश सं० 101/जून 85--अतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

र्थार जिल्ला सं भूमि टी ० एस ० सं ० 4693/1 टी है, जो टी० नगर-21 पार्थशारिसपुरम उत्तर उस्मान रोड़ मद्रास-17 में स्थित है (श्रीर इसमें उपायद्ध अन्सुची में श्रीर पूणे रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० नगर लेख सं ० 582/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जून, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान श्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधिक का प्रतिकल को अधिक है और अन्तरिक (अन्तरितों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अनय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (र) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मैं, अक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती कोडाली विवेचवती।

(अन्तरक)

2. श्रीमती डी० भानुमित।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की गराच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति माहितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास क्योहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों के। आ उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

### वनुसूची

भूमि—-सं० 21 पार्थशारतिपुरम, उत्तर उस्मान राइ. टी० नगर मद्रास-17—टी नगर लेख सं० 582/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

नारीख: 12-2-1986

प्रक्य बार्ड, टी. पुन्. एवं . ...

1. श्री एव० के० गोपाल कृष्णन्।

(अन्तरक)

## नामकार सींपीयनन, 1961 (1961 का 48) की धारा 269-व (1) के न्यीन सूचना

2. श्री जी० प्रदयराज जैन श्रार गुलाबचंद जैन श्रांश श्रीमती वयन्ता देवी।

नरहत सरकड

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आवकर नायुक्त (निरीक्स)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं० 113/जून 85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसमें इसमें प्रशाद 'उन्दे अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 260-म को अधीम सक्ष्म मा कारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर अधीम, जिसका उच्चित प्राथार व्यव 1,00,000/-ए. से अधिक हैं

ग्राँर जिसकी सं० 43, है, जो बरकीट रोड टी० जगर, मद्रास 17 में स्थित है (ग्राँर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नार्यालय टी० नगर लेख सं० 692/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के बरवजान प्रित्तिक के तिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्मति का अधित बाबार गूक्त, उसके बच्चमान प्रतिकास से, ऐसे बच्चमान प्रतिकत्त का अन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंकरकों) और अंतरिती (अन्तरितिक्तें) के बीच ऐसे अन्तरण के किए तथ पासा गया प्रतिकात, निकासिक क्यूंडिय से बच्च अव्यासन निवित्त में वास्त्रीक कर से कीचन नहीं किया गया है ह—

- (क) बंधरण के हुव विक्री बाव की बावस, अवस वृद्धित्वय के मुक्षेत् कर दोने को भंतरक को वाविस्त में कमी कारने या उससे वयने में सुविधा के निष्; वरिश्वा
- (थ) एंडी किसी काल वा किसी प्र वा बन्ध जास्तिमों को, चिन्हें भारतीय नायकार निर्मित्सम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मित्सम, या धन-कार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतिरती द्वारा प्रकट नामीं किया गया वा वा किया चाना चाहिए था, छिनाने में स्विभा के किसा

बहा शव, उन्नत साधिवयम की भारा 269-ग के अनुसरण की, भी, सन्त समितियम की भारा 269-स की सम्मास (i) अ स्थित, निकासिक्टिस व्यक्तिस्टिंग स्थासिक्टिंग का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यसाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ीश के 45 बिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की दाशीस से 30 दिन की श्वीध, को भी अवधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थित्यों में सं किसी स्थितस द्वारा;
- (क) इस सुकना के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिस-बंद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहरताक्षरा के पान लिखिस में विशे का सक्ति।

स्वक्रीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उनक बीधीनयम को अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, यही अर्थ कोगा, जो उस अध्याय में किया क्या की

## प्रनुयुषी

भूमि श्राँर मकान ——सं० 43 वरिकट रोड टी० नगर, मदास-17 । टी० नगर लेख सं० 692/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

कारीख: 12-2-1986

**६वन वार्**ु डॉ., एम. पुत्र <sub>प्र</sub> - अ अवनत

## भाषकतु अभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्थीन स्थना

#### भारत प्रदुक्तर

## कार्यासन, बहानक मानकर नामुक्त (निर्यक्तिक)

अर्जन रेंज-2, मन्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं० 116/जून 85--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त निभिनियम' कहा यया हैं), की भाग 269-च के नभीन सक्त प्राधिकारी को यह निस्ताल करने का कारण हैं कि स्भावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्राँ२ जिसकी सं० प्लाटनं० 1000 स्क्वेयर फीट हैं, जो माम्बलम् में स्थित हैं (ग्राँथ इसमें उपावद्ध अनुमुची में ग्रोर पूर्ण रूप ले विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी० लगर लेख सं० 666/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1985।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्त्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्त्यमान प्रतिफल से एसे स्त्र्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (अंबरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रविक्तन, निम्नलिखित उक्षेद्रयों से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक की दासित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाम मा किसी भन वा अन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना मा किमा जाना नाहिए था, जिन्माने में सुविधा के जिहा:

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण म, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) क अभीन, निम्मलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् ह— 1. श्री पी० कुष्णन्।

(अन्शरक)

2. श्रीमती एस० जयम् ।

(अन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्थितयों में से किसी स्थक्ति इवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहत्ताक्षरी के शक्त लिक्कित में किये जा सकेंगी।

स्पार्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### नन्स्ची

पलाट 1000 वर्ग फुट माम्बलम् टी० नगर लेख सं० 666/85।

> श्रीमती एम ० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

नारीख: 12-2-1986

मोहरः 🥊

## प्रकृत सार्व ्य होत् हुन हुन् हुन् हुन् हुन्

बाधकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के विभीन स्थाना

#### HIST TRANS

कार्यासय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरामन)

अर्जभ रेंज-2,मद्रास

महास, दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं० 133/जून 85—अनः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये हैं विधिक हैं

भौर जिसकी सं० 22 है जो निक्वेंगडम् स्ट्रीट ( पलोर) फ्लैंट है जो पिष्वम माम्बलम् में स्थि। है (भौर इसमें उपावछ अनुसूची में और पूर्ण रूप गर्वाणत है), रिष्ट्रित्ती अधिकारी के कार्यालय टी० नगर लेख मं० 746/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उज्जित बाजार मृत्य से कम के दरयमान श्रीतफल के लिए अन्सरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उज्जित बाजार मृत्य, उछके दरयमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिश्वत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्षेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए आहि/बा
- (क) एंसी किसी बाब या किसी धन या अस्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए?

श्रत: श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों सथित :--- 1. श्री के० रामजय साम्निगल।

(अन्तर्क)

2. श्री एम० शिवकुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुक्र करता हुं।

स्वत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाशेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर अपित्त में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिकिस में किए जा सकरेंगे।

स्वक्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और गर्वों का, जो उक्त अधिनियस, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिका गया है।

#### वरक्षी

पर्लंट — 1 पलोर, तिक्विंगडम् स्ट्रीट पश्चिम मद्रास-33 टी० नगर लेख सं० 746/85 साम्बलम्।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहाय ए आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

**सारीख: 12-2-1986** 

柳文:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन समना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्राप, दिनां रू 12 फरवरी 1986

निर्वेष सं० 155/जून 85---अनः मुझे, श्रीमती एम ० सामुबेल,

बावकार विधितमन, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इस्तों दशकों परचात 'उनत विधितमन' कहा नया ही, की बारा 269-ख के अधीन सक्तन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उजित श्वार मृष्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जितकी सं० 88वी, पश्चाभा तगर IV स्ट्रीट एस० सं० 57/1 (हिस्ता) टी० एस० स० 13/125 (हिस्ता) है, जो अरूर गांव में स्थिन हैं (प्रौर इसने जपावड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अडयार लेख सं० 1583/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रण्यमान भौत्मल के लिए अन्तरित की गई अप मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रच्यमान प्रति-फल से, ऐसे रच्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकास से अभिक हैं और अंतरक (अंवरकों) और अंतरिती (अंतरितिमों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय पासा गया प्रतिफल निम्नीलिखत उद्विषय चे उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है हैं—

- (क्क) अन्तरण में हुई किन्छी आग को दावत, डक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी अरने या उससे बचने में सुविधा औं किन्ध; कोर/या
- (क) एसी किसी जाथ या किसी धन या बन्य अस्तियों की, चिन्हें भारतीय कावकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ कम्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---  श्रीमती एस० पर्वत विधिनी, एस० विद्या श्रीर एस० प्रिया ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जी० सरोजा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त संपृत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस तृष्या के राजपण में प्रकाशन की तारीण है 45 दिन की अविध् या तत्त्रम्थन्थी व्यक्तियाँ पर तृष्या की शामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृज्ञीकर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति हुनास;
- (न) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी बन्द व्यक्ति व्वारा जधोहस्ताक्षरी के पाई लिखित में किए वा सकती।

स्पष्ठीकरण :--इसमें प्रयुक्त करवों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, इही अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिवा का हैं।

#### भनुसूची

भूमि श्रौर महात 88बी, पराताभा नगर IV स्ट्रीट, एस० सं० 57/1 (हिस्सा) टी० एस०सं० 13/125 (हिस्सा) अकर गांव अडवार/लेख सं० 1583/85।

श्रीमती एम० सामुबेन सक्षम श्रीधिकारी सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 12~2~1986

The state of the s

## प्रस्ता आहें हैं भी . पुन <u>पुन पुन हैं</u> के न न न्यान

## भागकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की काल 269-म (1) के वर्षीय कृतना

#### सारत करकार

## कार्याख्य, सहायक भावकर आमृक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 फरवरी 1986

निर्देश सं० 157/जून 1985---फ्रनः मुझे श्रीमती एम० मामुवेल

कारकर अभिनियम, 1961 (1961 स्व 43) (जिसे इसमें इसके परवात् जिस्त व्यविनियम कहा गया ही, की भारा 269-च के अधीन सक्त प्राविकारों को यह विकास करने का कार्य है कि स्वायर सम्मति विस्तान उपित् बाबार मुख्य 1,00,000/-छ. से अधिक है

और जिसकी सं० 24 लार्ड गोविददास रोड, नगर रोड, हैं जो द्रिष्टिनकन् में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से यणित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रिष्टिकारी के कार्यालय द्रिष्टिकन्म लेख मं० 440,85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दियांक जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के दश्यमान श्रीतफल को जिए मन्दरित की मद्द हैं और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि स्थाम्केंक्ट सम्प्रित का अधित बाजार मूच्य, सबके स्थामान प्रतिप्रत से एसे क्यमान प्रतिकत का पंत्रह प्रतिशत विक्त हैं और मन्तरक (जन्दरकों) और मन्तरिती (बन्दरित्तियों) के बीच एसे अन्दर्ग के लिए तय बाया गया प्रतिकत, विम्निजिय स्ट्डिंग से उक्त बन्दर्ग बिह्निस में बास्क्षिक रूप से किंगत नहीं किया बया है है—

- (क) अरु/रच हे हुई कि ही बाप की बार छ, उक्त अरिशिया के अभीच कर दोने के बन्तरक के समित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (क) इसी किसी नाम या किसी भन या तत्क नास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवारे नार्च कर, रिसी दक्क ए प्रभट नहीं किया प्रभा वा या किया जाना याहिए था. स्थिपाने से समिना के निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निचित व्यक्तियों, सर्थात्:—
39—516 GI/85

- (1) श्री सी० एत० लक्ष्मी नारायणा और दूसरे। (अन्तरक)
- (2) श्रीक्षार० ७०० मूर्ति।

(अन्मरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्ट संपरित के अर्जुन के लि कार्यवाहियां करता। हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्री में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि और मङ्कात न्यू मं० 14 लाई गोविद दास नगर रोड, मींग्ठ रोड, ख्रार० एस० मं० 2375/11, द्रिव्लिकन् द्रिप्लिकन् लेख मं० 440/85

श्रीमती एमः सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राधकर श्राधुकत (िरीक्षण) श्रात्तेल रेंग-2, मद्रास

दिनांक: 12-2-1986

प्रकथ मार्च , टी , पुन , पुस , कार्यकार कार

## बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सूचना

#### नारत परकार

## कार्यांबर, तहायक वायकर वायुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-2, मद्राम

मदास, दिनांक 12 फरवरी 1986

निदेश मं० 193/जून 1985—अतः मुझे श्रीमती ए**प**० साम्बेल

और जिसकी सं० भूमि 11, ग्राउंडस् अंर 240 स्केश्वर फिट इलाक सं० 28 टी० एस० सं० 18/2 है जो पुलियूर में स्थित हैं (और इसके उपाबद्ध श्रनुम्ची में अंर पूर्ण रूप से यणित हैं)और रजिस्ट्रीकर्ती श्राधिकारी के कार्यालय महास मेंट्रेल लेख सं० 573/85 में रजीस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908, (1908 का 16) के श्राधीन दिनांक जून 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को अधित बाजार मूल्य से कम के बस्तकान प्राप्तफल को लिए अंतरित की गई हैं और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे द्वरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच इसे अन्तरण के लिए सम पामा गया प्रविध्वत, निम्निलिखित उद्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के समिश्य में कमी करने वा उससे व्यने में समिभा के लिए: वर्ष/वा
- (क) एसी किसी जाम या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिल्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिरा

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, जैं, इक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्थितिसमों, अर्थात् :---

(1) श्री वी० दामीदर चेट्टि

(अन्तरक)

(2) श्री टीं० वार्रातम और श्री टीं० रत्तम्। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो अकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस् गया है।

## मन्स्ची

भूमि 11, ग्राउंड और 240 स्केश्नर फीट व्लाक सं० 28 टी० एम० मं० 18/2 पुलियूर गीय मदास सेंट्रल लेख नं० 573/85

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्राथकर फायुक्त (निरीक्षण) अर्जा रेंग--2, मदास

विनाँक : 12--2-19**8**6

माहर •

## 

## माधकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म् (1) के मधीन शुप्ता

भारत सरकार

## कार्यक्ष, बह्मक्ष वाक्कार आवृत्त (विद्रशिक्)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिलांक 3 फरवरी 1986

निदेश मं० 1/जून 1985---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व स्थानी इसके परवात् 'उनत अधिनियम' बक्क पदा ही, की धाडा 269-स के नधीन सक्षप्र प्राधिकाडी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावद सम्पत्ति, जिसका स्थित नाजाद मुख्य

अर्थर जिसकी सं० काटपाडि रोड, धर्मराजा कीर्टेल रोड है जो तोप्टावालयेम बेलूर उत्तर वेलुर में स्थित है (और इसने उपाबड अनुसूची में और पूर्ण कर ने घणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रविकारी जिसके कार्यालय बेलूर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के

श्रधीन दिनांक जून 1985

1,00,000/- फ. से मधिक है

को पूर्वोक्त सम्मित्त के बीचत बाधार मूम्य से क्रम के क्यमान रिनफल के लिए जन्तिरित की गई है और मूम्से यह विश्वाद करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाधार मूम्य, असके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) भीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया/प्रतिफल, निम्निसित्त दक्षकेय से उक्त कृतरण विशिष्ट में बास्त्वीक क्रम से क्रियत महीं किया गया है :—

- (क) नन्तरन से हुई कियाँ बान की बावरा । कनत बाबितन के अधीन कुद्ध की के अन्तरक की बाबितन में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) देशी किसी बाय या किसी बन बा बन्ध बास्तियों को, बिन्दू भारतीय बाय-कर ब्राधिनयम, 1922 (1922 का 11) या अच्छ ब्रिधिनयम, बा यन-कर ब्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधायनाथ बन्दरियों ब्नारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया बाना वाहिए या, क्रियान में सुर्विया के विद्या

बत् अथ , डाज्य विभिन्निय की थाड़ा 269-व वी वन्तर्थ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) प्रार० बरदराजन और।

(ग्रन्तरक)

(2) बी० एन० इंट्यान व्योर।

(अन्तरिती)

को यह सुक्षा जा<u>री करूनै प्रशेषत स</u>न्मृतित् से वर्षन् से तिय

## ब कर् प्रविद्य के मुख्य के संबंध की कार्य औं वार्ध्य ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की बनीय ना इत्संबंधी व्यक्तियों पर चूचना की शामील से 30 दिन की अनिध, को बी अविध नाव में समाप्त होती हो, के मीत्र पृनोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
  - (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बव्य किसी बन्ध स्थावत व्यारा बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्यक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कवाँ और वर्ष का, जो कवत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विका बका ही।

## समस्य

भूमि अँग्र **प**कान मं० 23312, काटपाडि रोड, (ए) धर्मराजा कोचिल स्ट्रीट, वेलूर उत्तर वेलूर (दस० सं• 2556185)

> श्री मती एम० नामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांकः 3-2-1986 मोहरः

## प्रकार कार्य .. ट्री.. त्म .. एक ... ------

## (1) भारती इएनन छएनमें पाल।

(2) एस० रवीन्द्रन्।

(भ्रन्तरक)

## नावकर नीपित्वत्त 1961 (1961 का 43) की पारा 269-क (1) के स्थीद स्वता

#### MISO WE'VE

## कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्षण)

श्चर्जन रेंज--2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 फरचरी 1986

निदेण सं० 3,जून 1985---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

बावकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके परवात् 'उकत अभिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-व के मंधीन समाम प्राधिकारों को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परितः, विश्वका चित्रत वासार मृस्य 1,00,000/- च. से मुधिक हैं

और जिसकी संविध्नाट संव 222, है जो सत्याचरी गांच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण पूर्ण रूप से वर्णित है), रजीस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय बेलूर में एजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिशांक जून 1985

को प्योंक्स संप्रित के जियत बाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्परित का उचित बाजार बुध्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-क्य विश्वकित्वत उद्योग्य से उसके अन्तरण कि बिह्त में बास्त्यक क्य के कि पिस बुद्दी किया क्या क्षेत्रक

- (क) बनारण से हुए किसी बाब का नानतः, उनत प्रतिक्षित्व के स्पीत कर दने के अन्तरक के शक्तिक के क्षार्थ कहते ना कहाई स्कृते में सृतिका के सिद्ध कीश्रंत
- (य) प्रेसी किसी बाद वा किसी वर् मा अन्य वास्तिकों को, पिन्हों अर्रोजे काल-कर की विनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिश्विस क्यक्तियों, अर्थात क्ष-

(श्रन्तरिती)

को यह स्वता बादी करकी प्रवेक्त सम्पत्ति के गर्वन के निष्

उपत समाचि में मर्थन में सम्बन्ध में फोर्ड भी बासोप ह---

- (क) इस सूचना के एजवन में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, को भी नविध साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावस व्यक्तियों में से किसी स्वस्थि ब्वारा:
- (क) इड स्थान के रायपन में प्रकाशन की सारीब रें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड्डथ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकेंचे।

स्वाधिकरण्य-द्वसे प्रयुक्त कथा और वृत्ती सा, औ सबस् स्टिनिवृत्त्, से बच्चाय 20-क से प्रिशायिक हैं अही सूर्व क्षेत्र आँ वर्ष सम्बाद से दिवा वर्षा हैं।।

#### वगतची

भूमि अ $^{\circ}$ र मकान  $^{\circ}$ लाट सं० 222, संयुवाचारी गांब वेलूर (दस० सं० 2542/85)

श्री मती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निदीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 मद्रास

दिनांक: 10·2-1936

मोहर ।

प्रारूप आहें दी, एन , धास . . . . . . . . . . . . . . .

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुक्रमा

#### भारत सहकार

## कार्यालय, सहायक आधकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्भन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिसांक 10 फरवरी 1986

तिदेश मं० 9/जून 1985----शतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) दिनसे इसमें इसमें पश्चास 'उक्त निर्मात महा गया ही, की गांध 269-ए के मधीन समझ प्रमिनस्टारी की यह विश्वास सम्में का कार्य है कि स्थापर संपत्ति, विश्वस स्वित् नाकार भूका 1,00,000/- रा. से जिलक है

और जिसकी संव धारव एसव संव 247/1ए, मेनेरी गांव में स्थित है (और इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से धींगत है), रागिरहीकर्या श्रविकारी के कार्याव्य मेवेरी (दम संव 703/85) में धार्याय राजिस्हीकरण श्रविकास 1908 (1908 का 16) के श्रवीन दिलांक 2 जून 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित नाजाद मूच्य से कम के क्रयमान इतिकास के सिए अवस्थित की पर्य है बाँड मुक्ते वह निकास शहने का कारण है कि प्रवादमाँकत संपत्ति का उपित धामार भूस्य, तक्के क्रयमान प्रतिकास से, एसे क्रयमान प्रतिकास का शब्द प्रशिक्त से निमक है कोई क्तयमा (बंदकों) प्रति ब्रिक्टियों (बन्दरिक्टियों) के बीच होते नत्त्रम् के किए सब पाना क्या प्रतिका भूका निक्तिविद्या तक्ष्योग से उपत् क्तक्ष्य निकास में भारत-

- विष्णुं कन्यरण से हुन्नं विषयीं बाज की बानधान करक बीजीनसम्बद्धे स्पीत कर वाने को अन्यरक को व्यक्तिया की कसी कड़में या कक्से स्वयं वा व्यक्तिया के किस्तु बीस्ट/वा

जतः सम, तपुर मधिन्यम की भाषा 269-म को सम्बर्ग म, तो, उक्त वीधिनियम की भाषा 269-म की स्वधारा (1) वे सभीन भिक्तितिक्रम स्वित्वर्गी सम्बद्ध क्रमा (1) श्रीमती एस० भरगतम ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री पी० जयरामन् ।

(अन्तरिती)

सी यह सूचना प्रस्ति करने पूर्णेका सम्मन्ति के वर्णन के दिशु कार्यवाष्ट्रियां मुख्य करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रेप 🖛 🕠

- (ह) इस सूचना के राजवंत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविध, जो मी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस्य सूचना को राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीं खें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्न मुक्क किसी व्यक्ति द्वारा, मभोहस्ताकरी के बास चिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वक्वीकरण :--इत्तमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपन अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित इ<sup>6</sup>, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### मम्भूषी

भूमि और मकान (धर्क गाँप) श्रार० एस० सं० 247/ 1ए, मेचेरी गांव मेप्टूर तालूक, सेलम जिला (दस० सं० 703,851

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, महास

दिनांक: 10-2-1986

## HAL ANGERT DATE OF STREET

नाथकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) को वधीन सूचना है

#### तारत जुरुकार

## कार्यानय, बहायक वायकर बायुक्त (निर्देशन)

श्चर्जन रेंज-2, मदास

मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० 13/जून/1985---श्रतः मुझे श्रीमती ए**भ**० साम्**वे**ल

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के मिनियम सभाग प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव सर्वे संव 12/3, 12/1 मुर्नैयाम पालैयम गांव है जो टासिपुरम् तालूक सेलम में स्थित है (अंग्र इससे उपावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रजीस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यांत्रय टासिपुरम दसव संव 1199/85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण श्रधितियम 1908, (1908 का 16) के श्रधीत दियांक जून 1985

को पूर्वोजित सम्मिति के उचित नाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई हैं और मुक्ते यह जिश्यास करा का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से निभक्त हैं और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के सिए तक लगा गया प्रतिफल , निम्निसिवत अन्तरेष हैं क्या जना है है——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, जक्त विचित्रक के वधीन कर दोने के बन्दरक के विचित्र में कृती कुरने का उद्यक्त कुछने में सुविधा चै जिल्ला और√का
- (ण) ऐसी किसी नाम या किसी भन या क्या कास्तियों को जिल्हें आदरीय नायकर विश्वित्य । 1922 कर जिल्हें आदरीय सायकर विश्वित्य । 1922 कर जिल्हें आदिता । 1957 (1957 का 27) अं प्रविद्यार्थ ने नायकर्ति व्यारा प्रकट नहीं किया नाय या किया जाना जाहिए था कियाने में सुविधा भी जिल्हें

बदः व्यन् उक्तं करियनियमं की धारा 269-व के अनुसरक में, मैं, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) क वधीन्, निम्मिनियतं स्थितकों क्षेत्रं हु— (1) कन्दसामी गोन्डर और।

(प्रन्तरक)

(2) बी० श्रीतिबास गोप(लन्।

(श्रन्तर्रिती)

ब्रहे ब्रह्म ब्रह्मा आर्टी करके पूर्वनित सम्परित के ब्रह्म के ब्रिए कार्यनाहियां करता होता।

उन्त सम्पृतित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई औं नाशेप :---

- (क) इस सूचपा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बूचना की सामील से 30 दिन की अविभ, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राह्म;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक तें 45 दिन के भीधर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी कें पास लिक्ति में किए का सकोंगे।

स्पष्ठीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उच्त अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिशाबिछ है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वना है।

### अनुसूची

भूमि और मकान सर्वे सं० 12/3, और 12/1 मलैयाध-पालैयाध गांव टासिपुरम् तालुक (दस० सं० 1199/85)

> एम० सामुवेल श्रीमर्ता एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 10-2-1986

मोहर 🖫 🛝

## प्रकय जाई .डी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सधीन स्वना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दीक्षण)

भर्जन रेंग-2, मदास मदास, दिलांक 10 फरवरी 1986

िदेश सं० 15/जूः।/1985→-प्रतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

अर जिसकी सं० एम० सं० 2913/C सं० 48 कैला सम्मालियम् है जो तिष्ठवेंगोड्ड तालूक सेलम जिला में सिका है (और इसने उपावद्ध प्रतुभूवी में और पूर्ण रूप से प्रिता है) रजीस्ट्रीकार्ग प्रधिकारी के कार्यालय तिष्ठवेंगींडु दस० सं० 1792/85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जून 1985 को पूर्वोंक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिसत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रसिक्त का निम्नितिवार उद्देशस्य से उचत अन्तरण निव्हत में वास्तियक कर से कथित नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या धा यो किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधर के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) कालियम्माल।

(अन्तरक)

(2) श्री गाय्त्री वापिंग और चैंक्लिस लिमिटेड। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यसाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 💵

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी जनिध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर अकत स्थावर सम्मित्त में हिसबद्ध किसी अन्य न्यांकत स्वारा, अधोहस्साक्षरी की गान विश्वित में कि थे जा सकाय।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अध होगा को उस अध्याय में विया गर्के हैं।

### अनुसूची

भूमि और मकान टी० एस० सं० 29/2C-48 कैलासम पालैश्म तिडचेंगींडु सेलम (दस० सं० 1792/85।

> एम० सामुवेल श्रीमती एम० सामुदेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रामन रेज-I, सद्रास्ट

दिनांक: 10-2-1986

प्रकृष कार्यः ती एस ध्स . ------

## सावकर सधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन स्वना

#### भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक भायकर भायकत (निरोक्तण)

श्चर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं० 16/जून/1985----धतः मुझे श्रीमती एम० साम्वेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1.00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे सं० 163/4 कडमापुरम् गांव है जो तिट्वेंगोंडु मेलम जिला में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में अर पूर्ण रूप मे विणित है), रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिडवेंगोंडु इस० स० 1761/85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुन 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकत को लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकत से, एसे स्वयमान प्रतिकत के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निलिखित उद्विषय से उक्त अंतरण निखित्त में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (फ) अन्तरण से हुई जिसीं जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वंगे के अस्तरक के शक्तिरव में कमी करने या उससे बचने में स्विधा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य बास्तियों करें, जिन्हों भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खे जिए:

सतः वस, उस्त विभिनियम की धारा 269-ग की बनुसरण वो, में अक्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के वभीत, जिल्लिकित व्यक्तिकों, अर्थीत् हे— (1) के० पी० सेंगेहियम।

(अन्तरक)

(2) श्री के० गोविदसामि।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बर्जन को सिए कार्यवाहियां करता हूं।

## **उक्त संपर्ति के अर्थन के संबंध** में कोई भी बास्रोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारी का से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपत्ति मों हितब दूध किसी बन्ध स्थित ब्वारा अशोहस्ताक्षरी की पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पदों का, को सक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## Sept.

मूमि और मका मर्वे सं० 163/43 कटुमाधूरम् गांव तिटुवेगींड् सेलम (दस० सं० 1761/85)

> एम० सामुबेल श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राधकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजीय रिंग-2, म

दिनांक: 10-2-1986

प्रदश् बार्ड. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ९५-भ (1) के अधीर सुभाग

#### भारत स्रक्षक

## कार्यालय, सहायक कायकर वायुक्त (निरीक्षक)

शर्जन रेंज-1, गद्रास

मद्राक्ष, दिनार 10 फल्बरी 198€

निदेण स० 22/जून/85---पतः मुझे, श्रीमती ए-० सामुबेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'रुप्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीर सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण हैं कि व्यावर सम्पित्, जिल्ला उचित अवसर मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिस्की संव भर्ने संव 156, मियू संव 71, नांगलू गांव है, जो एकड़ि, ऐनम में स्थित है, श्रीर इन्से उपाबद्ध अनुमुनी में भीर पूर्ण रूप में बर्णा है), रहिस्ट्रीनर्ता श्रीवहारी के नार्याच्य, एकड़ि (इपव संव 138,85) में भारतीय रजिल्ही रूण श्रीविद्यन, 1908 (1908 छ। 16) के श्राधीन, नारीख जून, 1985

को पूर्वोवग सम्परित के उपित ताकार राज्य से इस के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए उपतिति को गई हैं और मूक्षे यह विश्वास फरने का कारण हैं कि यथापूर्वोवन सम्पत्ति को उधिन बाजार मूख्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पच्चत प्रतिशत में अशिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (बंतरितियों) के बेच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-क्ष्म विश्वकित्तिक उत्तिष्य ये तक्स बन्तरण लिकित में अश्विकित्त स्थ से क्षित्त रहीं किया गया है के

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कत कक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरज की, भी, खकत अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के क्षीन : विकासिकित का कितती, क्षांत के क्यांति के किता की किता किता की किता कि किता की किता किता की किता किता की किता क 1. मेजलाम्मान

(ान्तरक)

2. भ्रार० वेगुगे(नाल चेट्टी

(ग्रन्तरिती)

को ग्रह स्थाना बारी करके प्याधित सम्मात्त के बर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उवस सम्पत्ति को कर्णन के सम्भान में कांडे भी बाधीप ---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अगिध एा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील ले 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांगी हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीटर उक्त स्थानर मर्भात्त में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 23-क सा परिभाषित हाँ, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जन्स्ची

भूमि प्रौर मकात-सर्वे स० 156, मियू सं० 71, नांगलूर गांव, एकटि, पेलम (दस० लं० 133,85)!

ए२० सामुबेल सञ्चार प्राधिकारी सहायक श्रायका प्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंक-1, महास

तारीख : 10--2-1986 मोहर: प्ररूप बाद्दं.टी.एन.एस.-----

कायकर धीर्धनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 289-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, रहायक बायकर बाय्क्त (निरक्षिण)

शर्जन रेंज −1, मद्राम सद्राप्त, दिनांक 10 फरपरी 1986

निर्देश स० २.4/जूत/६५—ग्रतः मुझे, श्रीमिती एम० भामुबेल,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 260-ए हो अधिन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थानर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मुन्स 1,00,000/-ए. में अधिक हैं

श्रोर िपकी गं० न्यू पर्वे बाई ई०, बनात 10, दी० एए० सं० 25, है, जो पर नहीं गांब, से गण में स्थित है (श्रीर इसो उपत्ति अनुसूची में श्रीण पूर्ण रूप से विणित्र है), रिस्ट्री जी श्री गरी है स्योगिय, जे० एस० श्रार०--  $^{11}$  सेलम (दश० सं० 672/85) में भारतीय रिस्ट्रीं रण श्रीवित्यम, 1008 (1908 जा 16) के श्रीवीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितफल के पिए अर्जारत की एक में और मफे यह जिड्डाम करम करने का कारण है कि यथापर्शेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एये शश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिभात, विम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्कीयक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :—

- (क) अन्तरण में हाई किमी आय की, बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाणित्व मो कमी भरते या उसस बचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (ग) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन- कर अधिनियम, मा धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिराप्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा वियम जाना चाहिए था, छिपानं माँ सृविधा के लिए;

अप्तः अब, ाक्त अविनियम की धारा 269-ग के जन्मरण को, को, स्वा अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) हो अबीन, किन्निविधित व्यक्तियों, वर्धात् क्ष्म  श्री श्राप्त नारायणत और 2 श्रन्यों। (श्रन्तरक)

2. श्री जी० ए० गुणशेका और 3 क्रन्यों (क्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या ततांखंशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इसस्चिम के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उदा स्थादर संपत्ति मो हिसबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्यारा अन्यास्पत्ति के पाच लिखित मों किए जा संकारी

स्पष्टीकरण — इसमों प्रयाक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, क अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा के उस अध्याय में दिया गया है

## अनुमूची

भूमि याँर महान—न्यू सर्वे सं० ई० बनाइ 10, टी० एस० सं० 25, पहनवनी गांव, सेनम (दल्ल० सं० 672/85 भीर 673/85)

> एउ० सामुबेल सक्षाय प्राधि ारी सहायक क्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-!, मद्रास

तारीख: 10-2-1986

मोत्रः

प्रकृष् बार्षं .टी . एन . एस . --- ----

জাওকং প্রখিনিয়ন, 1961 (1961 का 43) की भाष धारा 269-च (1) के सभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः सहायक आयक्तर भाग्यतः (निरीक्षण) श्रर्जन रेजिला, महास

मद्राप्त, दिनां रु 10 फरवरी 1986

िर्देश तं० 23/जूर/85—प्रतः मुझे, श्रीनती एम० साम्तेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके व्यवात् 'उथत अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारण ही कि स्थान सम्बद्धित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.60,000/- रह. सं अधिक है

श्रीर जिल्ली संव न्यू डोर मंव -2, 42-ए, न्यू टीव एव संव 88, है, जो वार्ड एचव हवात 53, टाइनपट्टी, सेलम में दिशा है (बोर इन्ते उपबद्ध अनुसूर्वा में श्रीर पुर्ग रूप से गिंग है), रिल्लाको बिजारी के लर्यावर, टाइन्टी (दसव मंव 1947/85) में रिलस्ट्री वरण श्रीम-नियम, 1903 (1908 का 16) के अधीर, धारीब जून,

का प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विद्यास करन का कारण है कि यथाप्यांवत सम्पत्ति का उचित बाजार श्रूच, उसके दरयमान प्रतिफल से, एमे दरयमान प्रतिफल का एम्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंति रितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में मारतिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) असरण मं हूइ किसी शाय की बाबत, खबस अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक क वाधिस्य में कभी करने या उससे स्वनं में सुनिधा के लिए; बीर/या
- ान) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य वास्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (\*922 को 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, अवः शिवान्यम् की धारः 269-गः **कै सवृत्तरम** हो, मी, उत्रत अधिनियम् की धारा 269-**यं की उपभारा (1)** के अधीन, निमालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री के० बी० धर्मा,गम और

(अन्तरक)

2. श्री डी॰ देवराजन

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पृथित सम्मित क अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को अविधि या तत्मबधी व्यावनयी पर सूचना की तामील स 30 दिन का अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, अभीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकारन की तारीख से दिन के भीतर उत्तर स्थायर सम्पाल में हिन्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधारणाक्षरी के पाद निश्चित में किये जर सकी ।

स्थव्योकरण :--इसमा प्रयम्भा शब्दा आरे पर्यो हा, को उन्त किभिनियम के अध्याय 20-के मी परिभाषित है, बही अर्थ हाना को उन प्रथाय मी विका निया है।

#### क्रास्त्री

भूमि भीर मकान---डोर सं० 42, 42--ए, न्यू टी० एस० सं० 88, वार्ड "एच०", •लाव 53 (दस० सं० 1847/85)।

> श्रीको एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायात दायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रोज-1, मद्रास

तारीख: 10-2-1986

ζ:

पक्षण आहे. ८५. श्रम. ६५. -----

कायकः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक जायकर काम्यक ([नरीक्षण)

भ्रजैन रेंज -1, सद्रास सदास, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश सं०  $27/\sqrt{19} = 1/85$  — तः सुप्त, श्र<sup>ा</sup>त एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, मह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर िसकी सं० डोर मं० 42, 42-ए, न्यू टी० एर० सं० 88, पार्ड "एच०" है, जो बाक 53, पल्लपट्टी उत्तर, गुणै, रेलम में स्थित है (श्रीर इससे उपावद रनुसूची में श्रीर पूर्ण एप से विणितहै), रिस्ट्री त्रा पिछारि के वायिलय टाडगपट्टी (दस० मं० 1848/85) में, रिपस्ट्रीकरण श्रीधायम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन त.रीख जून, 1985

को पृथिवित सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके वृश्यमान प्रतिफल से, एसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिय स विवर्ष है और वर्तर ह (यर रहाँ) और वर्त्वरियों (यस्तरितियों के शीच हैंसे वर्तर के लिए तय पाया नया प्रतिक्त, किम्लिकित उद्देश्य से अन्त प्रत्या निक्षित में वास्त्रिक छव से अवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिम्मियम के जिथीन कर देगे के अन्तरक खे दायित में कभी करने वा उससे वचने मे सुविधा के लिए; बॉड/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर बधिनिक्स, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिनिधा की सिए; और/या

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री कि० वि० धर्मीलगम और

(अन्तरक)

2. श्री पी० सीता दक्ष्मी

(चन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क्षेत्र कर्वन के सिए कार्यवाहियां शुक्त करता हूं।

उक्स सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी आखेर ह---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की राजीन है 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, ओं भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुव रा;
- (प) इस ब्रावना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर अम्पत्ति में हित- बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी की पास जिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण :----इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20- हं में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होंगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

#### अनुसूची

भूमि स्रीर महान-डोर सं० 42, 42-ए, यू टी० एम० सं० 88, बनाज 53, वार्ड "एच", पुलिर्डकुट्टी सं० 2-"ई" डिबीजन, 3र. वार्ड, टाडंगपट्टी सेजम। (दस० सं० 1848/85)।

> श्रीमती एग० समुबेल रक्षम प्राधिकारी संज्ञायक श्रायकर श्रायुल (विरीक्षण) ऋर्णन रेंज-1, मदास

तारीख: 10-2-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध (1) के अधीन सृचना भारत सरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जात रेंज्ना, मद्रास

बम्बई, दिनौंक 10 फरवरी 1986

िदे : सं० 28/जू:/85--अ: मुने, श्रीमती एम० साम्बे :,

भागकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण ही कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मृत्व 1,00,000/- रहा. सं अधिक ही

श्रीर रिक्रिकी सर्वे सं० 60/2-वी०, अञ्चलकाट्टी है, जो मद्राज में स्थित है (श्री इत्ते उत्तबढ अनुपुर्वी में श्रीर पूर्ण का प वर्षित है), किल्ट्रीरती अधिकारी के कार्याका, टाइनर्ट्टी (१८० सं० 1879/85) में, भारतीय रिक्ट्रिक्ट्री क्या अविधियम, 1908 (1908 का 16) के अवीक, नारीख 13-6-1985

का पृष्टिकत सम्मिति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यमां। प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापृत्रों कत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वयमान प्रतिफल सं, एसे द्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्ति। शिक्ष स्प से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा बे सिए; बाँड/या
- (भ) प्रेश किसी जाय या किसी थन या जन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

बन: वज, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण बो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस स्पविसर्ग, वर्धास्त :--- श्री एम॰ में तहः

(अन्तर ३)

2. श्री एम० अर्तागाटी

(अन्तरिती )

की यह सुपना चारी करके प्यक्ति अध्यक्ति क दार्थन के सिद्ध कार्यवाहिया करता हूं।

eleberation and an extra

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :---

- (क) ६ स स्वना के राजपत्र मं प्रकाशन की टारीस के 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियां पर स्वना की तामील मं 30 दिन की त्रवधि, ज्य भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविद्यां में से किसी व्यक्तिय ध्वारा;
- (क) व्य त्या के राषपत्र में प्रकाशन की तारीय हैं 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य अयित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

ाष्ट्रीकरकः — -कसमी प्रयोक्त शब्दी और यदी का. आ हम्क विधिनियम, के अध्याद हा) व मा या रक्षाक है, वहीं अर्थ हाया, वा दस र भाग पा है। क्या है ।

#### यन्स्वी

कृषि भूमि; बर्बे सं० 60/2-बी०, अन्नासदट्टी गांव, सेलम (देव० सं० 1879/85)।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सत्तात आसकार आयुक्: (विरीक्षण) अर्जन रेजि∽1, मद्रास

तारीख: 10−2−1986

हरूप कार्ड. ती. एम. एम. ----

आधकर अधिनियम, 196 ं 361 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

#### भारत लरकार

## कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मब्रास, दिनांक 10 फासरी 1986

िदेः सं० 29/जूः/85--अः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेः

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक प्रश्वात 'उसते अधिनियम' कहा एया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीप पि.की संव टीव एगव संव 3(/1, 1, सेवम हैं हथा जो मद्रार में व्यित हैं (श्राप्त दर्श ६५८६ उन्युक्त में श्रीप पूर्ण क्ष से विधित हैं), किन्द्रीति अधिरादी के अभीता, अडगाटी (देव सव 1973/85) में, भाजीय प्रिट्रीजरंग जिल्लिस, 1908 (1908 जा 16) के ज्योत, अभील 24 जूत 1985

का प्रांचित संपत्ति के उचित बाबार मृन्य से कम के अवस्था प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का सन्दृह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अर्पण के लिए तय प्रांचा गया प्रतिकल, निम्निलिश्वत उद्दोष्ट है उचित अन्तरम निचित्त से लास्तिक स्प से किथित नहीं कि गया है:---

- (अ) बन्तरण सं हुई किती नाय की नावत, उन्सं अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा क निरुष्ट, बांद्र/बा
- हं ऐसी किसी बाय में किसी पंत्र यो जन्म बास्तियी को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिए,

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :--- 1. श्री कें। डी। अ:४० जनार्धणा श्रीर

(अन्दर्ग ह

2. श्री पी० सूत्रमणिय चट्टीयार

(अन्तरिती )

को यह सुचना जारी करके पूत्रींक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

## उपत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की हारिक व 45 दिन को भीतर उक्त स्थाव पंपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए का सकनें।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दे और पदों का, जो उक्त विधिन्यम के अध्याद 20-क में यथा परिमाणित है, वहां अर्थ हागा, के उस अध्याद में दिया गना है।

## अनुसुची

भूमि टी॰ एन॰ सं॰ 20/1, 2, सेजम (दत्त॰ स॰ 1975/85)।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधि जारी सहीय ज्ञास अस्तुकः (क्रिरीक्षण) अर्जन रोजें-1, मद्रास

तारीख: 10-2-1986

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, तहावक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश स॰ 30/जूश/85—अतः मुझे, श्रीमती एम॰ सामुधेन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उवत अधिनियमा कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

श्रीर िसकी सं० सर्वे सं० 146/3, ागीर अम्माधालैयम है तथा जो मदाद में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुसुची में श्रीर पूर्ण इस में वर्गित है), रिल्डिजिती अधिकारी के कार्यात्र, सूरामंग्राम (दल्ल सं० 1137/85) में, भारतीय रिजिड़ी हरण अधिस्थिम, 1908 (1908 का 16) के अधीर, तारीख 7-6-1985

को पूर्वास्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मो, मो. अकृत व्याधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिविक व्यक्तियों, क्ष्मीत :---

1. श्री पी० अर्तणारि गोन्डर ग्रीर

(3年17日日)

2. श्री बी० ए५० मुख्योदका

(अन्तिर्धती )

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद यो समाप्त होती हा, से भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों मो भे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना हो राजपत्र ें प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हित- बद्ध फिसी अन्य ध्याक्त द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा अकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

## अनुसुची

भूमि सर्वे सं० 146/3, जागीए अम्मापालैयम, सेलम (दस० सं० 1137/85)।

> श्रीमती एम० ामुबेल सञ्जम प्राधि ारी सहार्गक आयुक्त (क्षिक्षण) अर्जेश रेंब्र-2, मदास

तारीब: 10-2-1986

नोहर:

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

## जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के जभीन सुजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जीय रेंजिं-1, मद्राव मद्राव, दिलांक 7 फाजरी 1986

िदेश सं० 42/जू:/85---भा: मुझे, श्रीमाी एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1561 (1961 का 43) (जिला इन्हें इसके प्रकार अवन भी गीर गोर के गोर के के 269-स के अधीन सक्षम शास्त्रकारी का यह विस्थाप ने के कारण हो कि स्थानर महास्थि जिसास सचिन श्राकार श्रीक

1,00,000/- रत. से अधिक **है** 

मार िसकी होर सं० 33, देन्यराधमें व्यास स्ट्रीट, पेडू-माम पेट हैं, तथा को राज रिकात, मंद्रार में न्थित हैं (ध्रीत इस्ती प्राप्तद क्षित्र ही में ख्रीट पूर्ण को से पर्णाक है), रिक्टि ती रिकारी के नामित्र, प्रसार मंद्रार में एक सं० 192 /85) में भाषीत प्राट्टी एंग अधिक म, 1908 (1908 का 10) है दिनि स्ट्रीट स्ट्रीट कूल, 1905

को प्यांक्त मम्पित के उचित बाजार मृत्यामें कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विज्ञास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य असके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिस्थत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पामा ज्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में सस्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है।

- (क) बस्तरण में हुई किसी शाव की बाग्स, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक में कवित्रण में कमी करने वा उग्रल बचने में मृतिधा के जिए; बीर/वा
- (ग) एंसी विश्ली अप या किसी धन या बन्य बास्तियों को बिन्हें भारतीय बायकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विशा के लिए।

अतः अव, अति अधिनियम की धारा 269-ग की जनतरण भे , भी, उत्तर अधिनियम की ६ 269-म की इपधार (1) भी हांगीन, जिल्लाणिक व्यक्तिकं प्रमुख्

- डानगर बी० सूब्बरामण क्रीए भाग प्रत्य। (असरक)
- 2. श्रीमती घे० विकालक्सी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

तक्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वार्का ह

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अर्बाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि अर्थ का गंग समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा:
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है शे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितगद्देश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के यात्र राज्यन में किए जा सकींगे।

 गण्डा शब्दा और पदों का, जा जलस प्रवादित के अध्याय 20-का में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में बिर्ध प्या हैं।

## अनुष्रुची

भूमि श्रीए निर्माण डोए सं० 33, रेस्कटनमैट्यार स्ट्रीट पेड्रास्य करोट, चार्ज टाउन, महात (५० सं० 1927/85)

> एम॰ ामुबेत जञ्जम प्राधिकारी खहाबठ आप्रज्ञ आपुत्ता (धिनीक्षण) अर्जन रेजि–1, मृज्ञान

तारी**ज**: 7-2-1984

मो ११:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्राम, दिनाँक 4 फरवरी 1986

निदेश सं० 45 जून 85~-ग्रतः मुझे, श्रोमती एम० सामुवेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह अश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी डोर सं० मुल्ला साहिब स्ट्रीट, मद्रास-79 है, तथा जो मद्रानं में स्थित है (ग्रीर इसमे उपायद्ध श्रन्भूको में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, मोकारपेट द० सं० 286/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय धाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बारित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एेमी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िष्ठपाने में सूनिया के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) की अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
41—516 GI/85

श्री जे० सामरचन्द चोडिया ग्रीर ग्रन्म

(श्रन्सर्क)

2. श्री जी० के० नुलसी

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रुपव्यक्तिरणः ----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण डोर सं० 12, मुल्ला साहिब स्ट्रीट, मद्रास-79 (द० सं० 286/85)।

एम सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 4-2-1986

## दक्कम बाह्यं हो पुन , एव ,-----

नायकर निधनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्वना

#### बारव सहकाह

कार्याजय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्राप, दिनांक 7 फरवरी 1987

निर्देश सं० 47/जून/8 5--ग्रनः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतके इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सकाब प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 51, बद्रियन स्ट्रीट, मद्रास-1 है, तथा जो मद्राम में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सौकारपेट, द० सं० 305/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख जून, 1985

को ब्वॉफ्त सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंकत सम्पर्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके श्वयमान प्रतिफल से, एसे श्वयमान प्रतिफल का बन्दीरती (जन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और बन्दीरती (जन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब बाबा गया प्रतिफल, निम्निजित उद्विश्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी बाद की बादत, उच्छ अधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व को कमी कारने या उत्तस्त्वे वचने में सुविधा के लिए; वार/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का ?7) के प्रयांजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना वाहिए था. स्थिपाने में विकास के लिए;

क्षः इ.स., अक्ष विधिनियम की धारा 269-म की विवृत्य में, में उद्देश की धींगणम की धारा 269-ध की अपशासा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :----

- मै० दि मद्राय प्रोग्नियव युनियन।
- (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ए० डी० ग्राहमुगम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्षन के तिर कार्यवाहियां करता हु।

बच्च बम्ब्यित् के बर्बन के तुम्बरूप में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ठ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना क राज्यात्र में प्रकाशन की तारीज तें

  45 दिन को भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के \_
  पास निकास में किए जा सकींगे।

स्वक्षीकरण'--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्छ के विभागित के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस सभ्याय में विद्या गया हो।

#### अनुसुची

भूमि और निर्माण-छोर सं० 51, बद्रियन स्ट्रीट, सद्रास (३० सं० 305/85)।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी यहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) सर्गन रेंज-1, मद्राम

नारीखाः 7⊸?⊸198 छ

माहर:

प्रकप् बार्च, टी. एन. एस. ----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरका

बतर्यालय, तहायक अध्यक्षर अखुक्तं (निक्रीकण)

श्रर्जन रेंज-ा, मद्राम

मद्राम, दिनाँक 4 फरवरी 1986

निर्देश सं० 48/जून/85--श्रतः मुझ, श्रीमती एम० सामवेल.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उनत अधिनियम' कहा गण हैं), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाबार अस्था 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० डोर सं० 30, बाल्टाक्स रोड़ मदास-79 है, तथा जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपिद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण हान से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, सीकारपेट द० सं० 314/85 में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, नारीख जून, 1985

को पृथेकित सम्पत्ति के उचित भाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रतिफल निम्मालिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में नास्तिक क्य में किया नहीं किया गया है है—

- (क) नन्तरण वे शृष्ट कियों नाम की नानत, उनक अभिनिष्यम् के अवीम कर दोने के नन्तरक के दावित्य में कार्य कार्य ना सकते नुष्य में जुनिया के लिए; और/या
- (क) क्रेडी किसी जान वा किसी अन वा जन्म आस्तिनों को विक्र भारतीय वाय-कर विभिन्नम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर विभिन्नम, या धन-कर विभिन्नम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गमा धा जा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सविधा व जिल्हा

कत्नप्र सव, उक्त क्षिणियम की भारा 269-म की व्यक्तरण वॉ. सॅं, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-म की उपभाय (1) व्यक्ति, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्षात् हम्म- ा श्रीमती श्रार० जीनकी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एल० गीरिणन्कर ग्रीर जी० कमला। (ग्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करको पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन् के हिन्द कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बहाय ए--

- (क) इब सूचना के एकपण को जकाशन की तारीब धी 45 दिन की नमिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याय;
- (क) इस स्वना के त्रावपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी जन्म स्थित इवाय अभोहस्ताक्षरी के पात तिसित में किए वा सकोंने।

स्थव्यक्तिरमः ---- इसमें प्रयुक्त कन्यों बहु प्यां का, वा उक्त व्यथिनियम के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया मया है।

### अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्मीण डोर सं० 30, वास्टाक्स रोड़, जार्ज टीन, मद्रास⊶79 (द० सं० 314/85)।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~1, सद्वास

तारीख: 4~2~1986

प्रकप आई.टी.एन.एस. ~-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मन्नास, दिनाँक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० 57/जून/85---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आवकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहवात 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से निधक है

स्रौर जिसकी सं० डोर सं० 80 है, तथा जो गेन्गु रेड्डी, रौड, एगमोर, मद्रास-8 में स्थित हैं (स्रौर इससे उपाबद स्रमुस्ची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती स्रिधिकारी के कार्यालय, परियमेट, द०सं० 652/85 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जून, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उण्यात नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उण्यात नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीज एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जंतरण ते हुन्द किसी आय की बाबक, उनका अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के धायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवं, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पीक्तयों, अर्थात् ः— 1. श्रीमती सरोजिनी राजा ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एम० म्रब्दुल जबार।

(ग्रन्तरिती)

 यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस बैं 45 बिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, आंभी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दुवाशा;
- (स) इस सूचना के राज़पत्र में प्रकाशन की नारांस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी कन्य व्यक्ति ब्वारा, अधाहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-जित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण डोर सं० 80, गेन्गु रेड्डी रोड़, एग्मोर, मद्रास-) (द० सं० 652/85)।

एम० सामुबेख सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 7-2-1986

प्रक्ष बाहै. टी, एन ा एस ु-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के वधीन सूखना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2. मदाय

मदास, दिनांक । फरवरी 1986

निदेश सं० ७०/जून/८५---अवः म्झे, **श्रीमती एम०** सामवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुस्ब 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रीप जिसकी मं० डोप मं० 18, नीरोजी स्ट्रीट, मद्रास-31 है, तथा जो मद्राम में स्थित है (स्रीप इसमे उपाश्रद्ध अनुभुची में स्रीप पूर्ण रूप में वर्णित है), प्रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के प्रायालय, पेरियम्ट द० स० 680/85 में भारतीय रिजस्ट्री-क्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जन, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिभाल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने, का कारण है कि स्थपपूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके हत्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पहुह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तंब पाया गंबा प्रतिफल, निम्मलिबित उद्देष्यों में उक्त अन्तरण लिबित में बाक्तिक रूप म कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आप की बाबत,, उक्स अधिनियम के अधीम कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम वा धन कर अधिनियम वा धन कर अधिनियम वा धन प्रवाजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में न्विधा के लिए:

कतः अव, उक्त विभिन्नम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्नितिवित व्यक्तियों, वर्धात् !-- 1. श्री बी० लक्ष्मीपति स्रीए अन्य।

(अन्तरक)

2. श्री ए० गणेगन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जाड़ी कड़के पूर्वों ता सम्मत्ति के वजन के निधु कार्यवाहियां कडता हुई के

# उन्त बम्महित् के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत ---

- (क) इस सूचना के राजपन ने प्रकारन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसी आ सकेंगे

रपच्योकरण: - इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के नभाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया हां।

# ्थनुषुची

भूमि श्रीर निर्माण डोर सं० 18, नौरोजी स्ट्रीट, मद्रास-31 (द० सं० 680/85)।

> एम० क्षामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

भारीख: 4-2-1986

नोहर 🦪

# प्रक्ष बाह् े होंड पुरु पुरु ------

# बायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की गारा 269-म (1) ने नधीन सुजना

#### शारक बडकार

# कार्यांचय, सहायक जायकर जायुक्त (रिवर्राह्मक)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० ७६/जून/४५--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

क्षायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निर्मित्यम' कहा गया इ'), की बादा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक इ'

ग्राँग जिसकी सं० डोग सं० 4, उज्जैनी स्ट्रीट अयनावरम है, जो मुद्रास में स्थित है (ऑग इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँग पूर्ण रूप में विणित हैं), रिवस्ट्रीयर्ता अधिकारी के कार्यालय, अन्ना नगर, द० सं० 2171/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1985

नवें पूर्वोक्त सम्मित्त के उभित बाधार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्ने यह विश्वतस्य करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निग्निलिस उन्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिक क्प से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) वंतरण ते हुई किती बाय की बाबत, उक्त बीध-विधिनियम के बधीन कर देने के बन्धरक के वादित्य में कभी करने वा उक्क वचने में बृदिधा के शिक्;
- (क) ऐसी किसी नाय वा किसी भन वा अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय वायकर विभिन्नसम्, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिन्नसम्, वा भन-कर अभिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया वा वा किवा जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा स्ने निष्; नीर/वा

शापः तथा, जनतः जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, भी उजस अभिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के जभी। निम्मीलिखित व्यक्तियों. जर्भात् ।⊱— 1. श्री एम० सी० कुप्पुस्वामी

(अन्तरक )

2. श्री पी० मेलविन चन्द्रदास जाफरे।

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्धन के तिब् नार्यवाहियों करता हूं।

## उन्त सम्मत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्ष्प :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिए;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

# वन्युची

भूमि घौर निर्माण डोर सं० 4, उ॰जैनी स्ट्रीट, अयनावरम मद्रास (द० सं० 2171/85)।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

नारीख: 7-2-1986

मोहर 🗵

प्ररूप् आइ. टी.एन.एस.-----

प्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास मद्राम, दिमांक ७ फरवरी 1986

निदेण स० ६९/जून/८५—अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

ग्रींग जिसकी सं० डोंग सं० 19, वेल्लाला स्ट्रीट, असि-निज हटै, मद्रास—29 में है तथा जो मद्रास में स्थित है (ग्रींग इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रींग पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अण्णा नगर (दस० सं० 2219/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-6-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उनस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के बधीन, निम्न**लियित व्यक्तियों, वर्धी**त् <del>कक</del> 1 श्री ए० शन्मुग मदलियार ग्रीर

(अन्तरक)

2. श्रीमती चि० दाविणयानी (उफं) चि० तगम (अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **मन्**सूची

भूमि और मकान—डोर सं० 19. वेल्लाला स्ट्रीट, अमिन्जिकटे, मद्राम-29 (दस्र० म० 2219/85)।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (फिरीक्षण) अर्जन रेज−2, महास

तारी**ध** : 7-2-1986 मोहर: प्रकर नार्द्र हों, एवं, पुत्र . » - - ----

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-व (1) की विधीन क्यान

#### RIES TESTS

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास

भवास, दिनांक ७ फरवरी 1986

निदेश मं० 70/जून/85——अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार जिस्ता विधिनियम कहा नवा ही, की धारा 269 च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

प्रांग जिसकी संव औरव एसव संव 121, कोयम्बड्डू गांव है, क्या जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबत अनुसूची में प्रांग पूर्ण रूप ने विणित है), एजिस्ट्रीतर्जा अधिकारी के कार्यालय, अन्ना नगर, देव संव 2290/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन, 1985

कां नुर्वोचत तज्यक्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूनों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिहत से अधिक है है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिकिश में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आए की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी कड़ने या उससे बचने में सुविधा के किए मीर/बा
- (क) एंसी किसी आग का किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था जिनाये में त्यिधा के स्वितः;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के क्यीन. निम्नलिसित स्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री पी० वडिवेल

(अन्तर्क)

2. थी जी० बी० श्रीनिवासन्

(अन्तरिती)

का वह स्वना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यतिहर्म कुरू करता हुं।

उक्त सम्मृतिक के कर्चन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की ठारीस से 45 दिन की जनिथ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ठानील से 30 दिन की समीध, को मी अनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीतन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यास;
- (ब) इस सुषमा के राजपत्र में प्रकाशन की नारीध के 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पर्ति में हिस्स क्षुध किसी बन्म स्थानित युगास मधाहरताकारी के पास विश्वित में किस का क्षेत्रेंचे ।

स्वक्षीकरण — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पद्यों का, जो उक्त विधिनियम के वध्याय 20-क में परिसावित ही, वहीं वधीं होंगा, जो उस वध्याय में दिया। वसा हैं॥

## वपस्तवी

भूमि—आर० एस० सं० 121, कोयम्बडु गांव (द० सं० 2290/85)।

> एस० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजें-2, मद्रास

**तारीख:** 6-2-1986

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.,-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्थात्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जा: रंज-2, मद्रास

मद्राप, दिलं र ७ फरवरी 1986

निर्देश उ० 73/जूः/85--अनः मुथे, श्रीमती एम० सामुकेन,

बायकर अधि यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अपिन सभम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है िः स्थावर सप्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000, - रा. से अधिक हैं

श्रीर जिल्ली जाट न० 1020, बिल्जिबन में, अन्ना नगर, है जो जार में स्थित हैं (श्रीण इत्तीत उन्हाबद अनुस्ती में घर पूर्ण जार र बींगर हैं), श्रीताड़ी तो अधि तथी के कार्याचन, अप नगर, ए० स० 2334/85 में भाष्तीय रिजिस्ट्री तथा विधियम, 1908 (1908 पर 16) के अधील, तारीण जूण, 1985

को पूर्वीक्त सं गील के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मुझे यह विश्वास करने का कार है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बन्य, उसके गयमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्सह प्रतिकृत गं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अगरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निशिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्विक कप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बनारण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त जी-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरण क्षे कारिय में कमी करने या उससे अचने में सुविधा कें लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्वा था या किया जाना साहिए था, क्षिपाने भें सुविधा के सिए;

कतः कवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम, निक्न निकित व्यक्तियमें, अर्थात् :---- 1. श्री एक० माना देशहा

(अन्तर्ह)

2. श्री वंगवनः नुकसीदारा भागपानः श्रीर अन्य। (असारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के तलए कार्यवाहियां बुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाध्येप :----

- (क) इस भूषना के अअप्रय के अप्राप्त को तारीख़ के 45 दिन की सविभ या गत्में बंभी व्यविन्यों पर स्चना की तामील से 30 दिन का अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजापत्र मो प्रकारम की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्प्रीम मो हित्त बहु । किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए का शकी में।

स्पष्टीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों इप्नेर पदों का, जो उक्त अधि-नियम को अध्याय 20-क मो परिकारित है, वहीं अर्थ होगा, जा उन जाना मा दिया गया है।

# धन्यूची

भूमि प्याद ग० 1000, अराभर, अमा पाए, विकास बाकास, समाप (द० ग० 2004/85)।

> एम० नामुकेल ाजन प्राधि वरी व्याप्त आयाण आएक। (निमीक्षण) अर्जन नेपना, महास

तारीख: 7-2-1986

प्रक्रम , सार्र , तर्म , एन , एस , - - - - -

अगण्डा अभिनियम, 1961 (15ज का 43) की पाए। 269-व (1) के अभीत स्वता

## भारत सरकार

# कार्यालयः, सहायक आरम्फर वास्पत (निर्धिका)

अर्जार रेंज-2, मद्रास मद्रास, सिर्मार २ फावरी 1986

निदेतः सं० ८४/जूः/८५—ःतः मृत्रे, श्रीमती एम० सामुदेलः,

भाधकार वर्ष भनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पहलाल 'त्रमत त्रिविक्रम' कहा गया हैं), की धारा अस्तर्भ न की रास्त्रक लिलिक्स हो गई विश्वास करने का कारण हो कि स्थादर सम्बन्धित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000 (र रह संबध्धिक ही

श्रीर जिल्ही सं० 778, पामली हाई रोड़, मदास है तथा जो मदा भी निया है (पीट इसने हासबढ़ अनुसूची में श्रीट पर्ण का दे प्रतिक है), एति ही तो अधिकारी के हाथालि, पेरिकोट एक संक 775/85 में भारतीय रिक्ट्री-एण अधिक्रिस, 1908 (1908 हा 16) के अधीन, पारीख सुन, 1985

कां वर्गों कार्य से किया गया है जिया मन्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्ठाल के लिए अपारित की गई है और मूप्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षापर्वोद्धल सम्मारित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिष्ठल से एमें दृश्यमान प्रतिष्ठल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलियित उद्योध्य से उचत अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक म तर्हा जिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/या
- (क) अन्तरक से ट्राइं किसी आप की बाबत, उक्त को, जिन्ही भारतीय दिन र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ए। उह अधिनियम, या धन-भव आधिनियम, 1947 (1957 का 27) क

थायाकियाजानाचाहिए था, छिपाने में सृविधा केलिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरज भो, मौ, अका अधिनियम की धारा 269-घ की उपनारा (ं) के अभीन, जिस्मीनिक्कत व्यक्तियाँ, अधीत कुल्ल

- श्रामति। भोजा ईत्यापन्य ग्राप्ट प्रत्य।
  - (अन्तरक)
- 2. श्री के० हीरायन्य श्रीत जन्म।

(जन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके ए<sup>ं कि</sup>त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारण हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस म्चना के राज्यत्र मा प्रकाशन की तारीत में 45 दिन की अजिप या तन्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद माँ समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ माँ में किसी व्यक्ति तृदारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य क्यक्ति द्वारा अधाहम्ताक्षरा के पार जिम्मत में किए जा सकेंग।

•भध्योकपण:----इसभा प्रयोक्त शाल भी पर्यो का, भी उक्त अंशिनियम के प्रयोध 20-क मा विषयमिक हो, यह अर्थ शाल अर्थाय मी दिया स्या है।

## अनुसूची

भूमि छो: तिर्मात  $\rightarrow$  गाँउ तं 7 प्, 7कां फ्लोर, सं० 778. पू भरती उन्हें शेंड सदार (दं सं० 715/85)

एम० सामुदेश यक्षम प्राधिकारी सहायक आयार्थ आयुगः (क्रिक्षण) राज्य देशका, मदाय

**भारीच** : 6~2~86

## प्रकृष कार्य . टी , एप , एव , -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंब-2, मद्राख मद्राय, दिनोज 7 फरवरी 1986

भिदेश सं० 88/जूः/85—भिः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'एवत कथिनियम' कहा गया हैं), की पार 269- व के अधीन राजन प्राधिकारा को, यह विश्वास करने का कारण कारण ही कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृत्य 1.00,000/- का से अधिक हैं भी जिसकी संघ की एहीट, कानोरियरोड, है प्या जो सहाज-2 में स्थित हैं (और इजा जावह प्राधुत्ती में और पूर्ण क्य से विणित हैं), रिव्ही लो अधिक के सार्थात्व, पेरियेट, हर सर्व 741/85 में आपिता कि सार्थात्व, पेरियेट, हर सर्व (1908 जा 10) है प्रजित, जाविद जूप 1985

- अर्थ र स्थान स्थान है किसी आप की बावत उपन विक् रत्यम के पंचीर कार दोने के बीतरक के बायित्व में अभी कारण या उससे वचने में सुविधा के लिए
- ार एको ६७% बाद या जिली वन वा बन्ध वास्ति की किया वास्ति की किया वास्ति की किया वास्ति की किया के 1922 (1822 की 11) या उन्ति विधिनयन, का धन-अन्त अधिनियम, को धन-अन्त अधिनियम, को धन-अन्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ बन्तिरती द्यारा प्रकट नहीं किया न्या था वा जिला बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा की लिए;

अतः अब, उचन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- া, প্রতি দ্বতি কীতি সারস্থাতি ঘটাত বজাত। (বলায়ত)
- 2. श्रीमती जी 🗯 देगम ।

(इन फिती )

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपर्तित के वर्जन के निद्ध कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

# उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वात के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि का तरसंबंधी कवित्यों पर सूचना की तामील हो 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद से समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यासा;
- (ख) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गम्बत्ति में हितबस्थ किसी अन्य ध्याध्य द्यारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकता।

स्पटणेकरणः—इसमी प्रयुक्त कन्दों और पदों का, को उन्त अधिनिदम, के बच्चाय 20-क मी परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उन्ह अध्याय मी दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि श्रीर विर्माण—जोर सं० 4, बेशायुदु आचारी स्ट्रीट, कोमलेख्यक्षेट, मद्राक्ष्य (१० सं० ७४।/३५)।

> ्म० साम्बेल यक्षम प्राधि गरी सहायक आयकर श्युकः (िरीक्षण) अर्जन रेजिन्2, मद्वास

कारीख : 7-2-1986 मोहर: प्रकार काइ. जी. एन. एस. -----

अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्राः, दिनांक 7 फल्यरी 1986

निदेश सं० 89/जूल/85—-अतः मुने, श्रीमती एम० सामुबेल,

भायकर गिंधितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात 'उथत अधिनियम' नहां गया है), की भार 269-इ के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह से अधिक ही

श्रीर जिन्नों त० श्राः सं० 4, वे त्युदु आवारी स्ट्रीट, कोमलेख्यरापेट है, जो ग्राहा:-2 में स्थित है (श्रास हवा कामबद्ध अपुता में श्रास पूर्ण का ने वॉलन है), सिल्ट्रीं-कती अधितारी है जाबों है, पेरिलेट, ६० सं० ७४/६५ में भारतीत हिस्ट्रीजण अधितिस, 1908 (1908 जा 16) के अधीत, सारीख शूह, 1985

का पृथिक राज्यां के पान । बाजार मृन्य म नाम क क्ष्ममान प्रतिक्रल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते गह निर्वास करने का वहरण है कि यथाप्यक्ति सम्पत्ति का जीवत बाजार वृत्य, उसक द्यमान (किक्स मार्गत का क्ष्मान पहिष्क का नमाइ प्रतिकास से निषक है और अंतरिक (जंतरकों) और अंतरिक (जंतरितया) के वीच एसे अंतरिश के लिए तम पान गमा प्रतिक का निम्मिणिक उप्योध्य स अन्स जंतरिय विश्वित में भास्तिक क्ष्म से की भत नहीं किया गमा है :——

- (क) अन्तरण स हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायत्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बतः जब, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्तं अधिनियम को धारा 269-थ की उपधार (1) के अधीन, निकालिखित करिक्तणों अधीन:—  श्री एक्ट सी० जी० शामगृति ग्रीप अन्य (अन्यरह)

श्री सीनी में हिल्मत।

(अन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पूर्वेक्त सम्पर्टित के अर्थन के निध् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त कम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी ताक्षेपः:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति की देशों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्त क्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टांकरण :—-इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क भें परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अधाय में दिया गया है।

# मनसर्ची

भूमि श्रीर भिर्माण--डोर सं० 4, वेपायुद्ध आचारी स्ट्रीट, कोमलेश्वरतपेट, मद्राप्त-2 (६० सं० 742/85)।

> एग० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंं:--2, मद्रा**स**

तिथि: 7-2-1986

THE RESERVE OF THE PROPERTY OF

प्रारूप आई.टी.एन.एस्.-----

1. श्री पं • जित्रकुमार और श्रन्य ।

(अन्तर्ह)

आय गर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन स्वना

2. श्रा एत० मुत्तु भ्रादारी ।

(धन्तीरती)

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक कायकर कायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्राध

पम्बर्ध, विभाक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० 90/जून/85--प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

हाबकर कांभ्यानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है') की धारा 269- ध के प्यीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का फरण हैं कि स्थावर संपरित. जिसका उपित बाजार मुल्थ 1,06,000/-रा. से अधिक हैं

मीर जिनकी सं० डोर सं० 58, अफ्नाचल नायका स्ट्रीट, है, तथा जो चिन्ताद्विरेट, लग्नाम-2 में स्थित है (और इपमें उपायद्व सनुपुत्रा में सीर पूर्ण का ये विणित है), रिल्ट्रीन कर्ता स्थितियों के कार्यानन, पेरियमा, द० सं० 752/85 में भारतीय रिलिट्राकरण स्थितियन, 1908 (1908 का 16) के शक्षीन, तारीख जुन, 1985

को पूर्वाक्त रम्परित के उचित वाजार मूल्य से कर के क्षममान श्रतिकल के निए अन्तरित की गई है और मुम्मे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवत सम्पत्ति का उचित बाजार बुल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकल सं, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के योच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया वितिकल, निज्निलिखत उद्देश्य से उस्त स्नतरण निवित्त में बास्टिजक रूप म कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्धरण स हुइ किमी बाद की गावत, उक्त बीधीनयम के अधीन कर दोन के बन्धरक बै दायित्व में कमी करने या उससे बचने की सुविधा के सिए; बार/या
- (य) श्वी किसी जाय वा किसी अन या अन्य शास्त्रियों सने, विन्ही भारतीय आय-कर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिन्यम, या अस-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ सन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया देश का या किया पाना वाहिए वा, किया से स्विभा के लिए.

कार कार्य, अवस्त विभिन्नियम की धारा 269-व के विभूतिक भी, भी, स्थात अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के विभीष िकारित कि विकास की स्थान क्रिक्ट को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्थात के क्रिक् कार्यवाहिया शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की संविधि या तत्स्य मन्त्री स्थितिक में इर स्थाना का तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजांकर स्थितिक में से किसी व्यक्ति बुगाश:
- (ख) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की शारोस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबङ्ध किसी बस्य स्थक्ति इतारा अभाहन्ताकरां क राज्य सिंखित में किए बा सकों हे।

स्पन्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदा का, जा उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होंगा, जा उस अध्याय में दिसा पदा हैं।

# **मम्स्**ची

भूमि श्रीर निर्माण डोर सं० 58, श्रहनाचल र यहन स्ट्रीट, चिन्ताद्विपेट, मद्राम⊶2 (द० सं० 752/85)।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राविकार सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंग-2, मद्रास

ारीख: 7-2-1986

माहर:

CONTRACTOR TO THE STATE OF THE

प्ररूप बाह्र टी. एन. एस. 🕫 🕶

नामकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

## भारत सरकाडु

कार्यालय, सहायक जायकर नाय्क्त (निर्धासक) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, विनौंक 10 फरवरी 1986

निर्देण सं० 92/जून/85--ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

कायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकारत अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-अं । अधीर सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० ब्लाह 5, बाई एल०, डि० सं० 10, 17, 17-ए, श्रीर 17 वी है, जो हार स्ट्रीट, सेलम में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुसूनों में श्रीर पूर्ण रूप से बाँगा है), रिजिस्ट्राहती श्रीक्षणरों के हार्यालय, सेलम (चन० सं० 1633/85) में, भारतीय रिलिट्रोकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन हारीख जुन 1985

की प्रविधित सपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल की लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षाप्त्रीयत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्तर्भ स्थ्यमान प्रतिफाल से एमि द्रश्यमान प्रतिफाल से एमि द्रश्यमान प्रतिफाल की पन्द्रह प्रणिशत म अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पादा गया प्रतिफाल, निम्नितिश्वित उद्वरेग से उक्त अन्तरण निश्चत में अस्तर्भक मूण में अधित नहीं किया गया है:—

- (बा) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अभिनेत्रमं के अभिन कर दान के अन्तरक अ शोधक में कमी करने या उससे तकर में स्विका से लिए; बॉर्ट्या
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था स्त्रियाने में सुनिश्च के लिए;

बतः ब्रब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मैं-, सैं, २४० अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) की अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् .-- 1. श्रामती एत० मीराबाई

(शन्तरक)

2. श्रोमती बी० सरोजिनी ग्रौर

(भन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के अर्थन क लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

इन्त कम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्ष्य :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारील 8 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर म्बना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाकीकरणः -- इस्मृं प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त किनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय मा जिल गया है।

## अनुसूची

भूमि श्रीर मकान - बता ह 5 वार्ड "एल०" कोर सं० 16, 17, 17-ए श्रीर 17~बी॰ कारस्ट्रोट सेलम-⊶ (दत्त० सं० 1683/85)।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधि हारी सहायक प्राप्त कर प्रायुक्त (निर्दक्षण) प्रार्वेन रैंज-2 मद्राज

पारीख: 10-2-1986

मोहरः

1. श्रामती एउ० अदलक्ष्मी। प्ररूप आर्द. टी. एन. एस.-----

(प्रत्नरह)

2. श्री एम० नैणामली श्रीर ।

(श्रन्तिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

बारत मुख्यार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रात, विनौक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० 93/जून/85---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 26)-स के अधीर अक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु में अधिक है

श्रोर जितको सं० सर्वे सं० 918, सेलम है, जो मद्राप में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिवेस्ट्रीक्ती भ्रधिकारी के कार्यालय, सेलम (दत्र० सं० 1584/85) में भारतीय रिनस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 हा 16) के प्रधीन, तारीख 12~उ-85

कां पूर्विका सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने द्या कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए हम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त आ'इ नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द। यत्वं में कमी करने या उत्तर्श बचने मी सुविधा के लिए; अरेर/ग
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या **धनकर अधि**नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुदारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

नतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिमियम की धारा 260-त की उपधारा (1) के अभीत, निम्मीनिक्त व्यक्तियाँ, वर्धात : कर्

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जमस संपत्ति को अज्जीन को मंत्रय में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशः की कार क 45 दिन की अवधि या तल्मंबंधी व्यक्तिया पर स्चना की तामील से 30 दिन का अर्जाय के औ अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भी र विश्वत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति क्ताराः
- (स) इस सुचना के राजपण में पकारण को गारीक से 45 दिन के भीतर उक्त ध्यावर सामित सं जित-बब्ध किसी व्यावित ब्वारा, अधिहरणक्षरी सं पास लिखित में किए जा सहें गे

स्पाद्धीकरण :--इसम् प्रयुवश शब्दां अंग तथा ता. ४८ तकत अधिनियम, वा अध्यात १०% म 🖖 । पत है, बही अर्थ होंगा ना उस अन्याय मा दिया गया है।

## जनसूची

भूमि ग्रौर महात--डोर सं० 188, फस्ट श्रग्राहारम, मेलम, (दम० मं० 1584/85)।

> एम० माम्बेल स्थाम पाधिकारी महायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन दें जन्म, महास

तारीख: 10~2~1986

प्ररूप वार्ड . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, मद्राप्त

मद्रात, वितौर 10 फरवरी 1986

िर्देण सं० १%/जून/85 ~शकः मुझे, श्रीमती एम० ामुकेन,

ाम 1001 (1961 का 43) (जिसे इसमें जिसे प्रमां कहा गया है), की धारा के प्रमाणिक की का यह विश्वास करने का कि एक क्ष्मिन जिसका उचित बाजार मूल्य

ा ०० ०००/- रा. सं अधिक हैं श्रीर जिक्तों संब टीव एउंव संव 194, 195, 196, कण-काट प्रदेट, भेलम हैं, तथा जो मदात में स्थित हैं (श्रीर इतो जावड़ पनुत्वों में श्रीर पूर्व रूप से विणत हैं), रिस्ट्री ति श्रधिचारी के वाशीन, सेलम में (दनव संव 1853/85) में, भारतीन पनिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1998 व 16) के श्रशीत, टारीख 13-0-1985

ा गर्भका सम्यान के लिंचन बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अलारिंग की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाष्वींक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्क्ल अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण बा. मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) इंड अधीन, निम्निलिमित व्यक्तियों, अर्थात् ;रूरू 1. श्री जीव गोपाल कृष्णत स्रौर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री के० पी० नटराण मुदलियार।

(ग्रन्तरितो)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अपन के जिए कार्यमहियां करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भे तर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्तित मों किए जा सकोंगे।

स्थव्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्स्ची

भूमि श्रौर मकान--कणकार स्ट्रीट, सेलम (दस० सं० 1553/85)।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहागर आवार आयुख्त (गिरीक्षण) अर्जन रेंजें-।, मद्राप

क्षारीखा: 10-2--1986

# प्रकृत वार्ड . दी . युन् . एह . ------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्यांकवः, सहायक आयकर आयुक्त (निर्याक्त)

प्रार्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनाँक 17 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रई- 1/37-ईई-7075/85- 86----- प्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उणित वाषार जूल्य 1,00,000/- छ। से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कार्यात्रिय सं० 38, जो, 4थी मंजिल, ताडदेव, एयर कन्डीशन्ड मार्केट, बम्बई—34 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 26~6~1985 को पूर्वेक्त संम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिकास में सिए अंतरित की गई है बार मृत्रों यह विश्वास करणे का कारण है कि यथापृत्रों कत संपत्ति का उचित वाचार श्रुव्य, उसके द्रयमान प्रतिकास से, एसे व्ययमान प्रतिकास का पन्तह प्रतिकात से प्राधिक है और प्रावदक (बन्तरकों) धोर धन्तरिकी (प्राविद्यों) के बीच ऐसे धन्तरक के लिए तय पाथा नया प्रतिकास का पन्तह क्या विश्वतियों) के बीच ऐसे धन्तरक के लिए तय पाथा नया प्रतिकास का पन्तह क्या विश्वतियां उद्देश्य ते उचत धन्तरक विश्वतियां में बास्तिक क्या पत्ति कर से कियत नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाब की बाबता, बक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा को बिध; बीर/या
- (क) एती किसी नाम या किसी थन वा वस्त नास्तियों की, विश्वें भारतीय सायकर श्रीविषया; 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रीविषया; वा श्रान कर निर्मायम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोगमार्थ जन्तरियों ब्वारा प्रकट नहीं किथ। नाम था या विश्व ताना नान्ति वा, जिलाने में स्विष्ट र सिए।

अतः अवः, तथत विभिनियम कौ भारा 269-म कै वनुवरण मैं, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभास (1) के बनीन, निम्मिनियन व्यक्तियों, अर्थात :---  श्री अणोक कुमार श्रजमें रा श्रीर श्रीमती काँचनदेवी श्रजमेरा।

(ग्रन्तरक)

2. नार्थ बाम्बे जयसित्।

(भ्रन्तरिती)

अन्तरकों

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्यना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की नवीं या तत्सवंधी व्यक्तियों दर बुचना की ताजीत से 30 दिन की जबिंध, को भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धुवारा;
- (क) इस सूप्रमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- कड़ी किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लात में किए का सकों थे।

स्वयाकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त विभिन्नम, के अभ्याय 20-क में यथा परिभक्तियत ही, नहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में किया गया है।

## थन्यूची

कार्यालय नं० 38, जो. 4थी मंजिल, ताडदेत्र एग्रर-कंडीणन्ड मार्केट, बम्बई-34 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क्ष० सं० श्रई-1/37-ईई/6640 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 26-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निलार म्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶1, बस्बई

तारीख: 17-2-1986

मोहरः

43 --- 516 GI/85

ंक्ष्य अक्षा . **श्री . एम् . एम् ,** चनतन्त्रन्तन्त्रन्तन्त्र

श्रायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की ठाउँ २६९-५ (1) के श्रीन स्चना

#### WITH HEAVI

कार्याध्यः, गङ्गापकः आयकर <mark>सायुक्तः (निरीक्सण</mark>)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 17 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-1/37-ई $\frac{1}{3}$ /1/37-ई $\frac{1}{3}$ /1/37-1/37-ई $\frac{1}{3}$ /1/37-1/37

जायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्समें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रहे. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी संव फ्लैंट नंव 64, जो, मातृ मंदिर, 18वीं मंजिल, सातृ मंदिर की-स्रापव हाउलिंग मोशायटी लिव, ध्लाट नंव 278, सर्वे नंव 654, ताडदेव, बस्बई-7 में स्थित है (स्रीर इपसे उपाबढ़ स्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विजन है), श्रीर जिलका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम श्राधिनारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख़ 27-6-1985

को पूर्वो कर संपरित ं अचित बाचार मूस्य धे कम के दूरयमान व्रतिकस के सिए अन्तरित की गई हैं और मूओ यह विद्वास करने के कारण हैं कि यथापूर्वों कर सम्परित का उचित बाजार बूक्य, उसके दूरयमान प्रतिकल औ, एसे दूरयमान प्रतिकल का वन्द्रह प्रतिशत से बधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया बया प्रतिकल, निम्नसिक्तित उद्देश से उस्त अन्तरण लिखित में वस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं ——

- (क) जन्तारण सं हुई किसी आयं की बाबत, उक्त किसिनियंक, के अभीन कर दीन के कल्पारक के वायित्व में किसी करने के उससे बचने में सुविधा के लिए; और/का
- (स) एसी किसी आय या किसी थन या अध्य बास्तियः कां, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया स्या वा ना किया जाना वश्रह्ण था, कियाने में स्विता के लिए।

भ्रम्भ, अन्त, उक्त विविधित्यम की वादः 269-म की अमूसरण भ्राम पान अभिनियम को भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीत, किम्मीलिसिस अमिनसर्गो, अभौत् :—  श्री अध्यत चंत्र हलाल झवेरी और मुकेण चंपकलाल झवेरी।

(भ्रन्तरक)

 श्री भूपेन्द्र चंपकलाल झवेरी श्रीर धनंजिय चंपकलाल झवेरी।

(भ्रन्तरिती)

3. अन्तरितियों

(वह व्यक्तित, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

की सह सूचना कारी करके पूर्वोक्स प्रमास के अर्थन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हु।

जबन संपत्ति को अर्जन की सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिस् की त्रवीच या तरस्वकरणी व्यक्तियों पर कृषणा की नामील से 30 दिन की अविधि औ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकस उर्धा नामी में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इब ब्याना के राज्यम में प्रकारन की वार्डीक के 48 दिन की धीवर क्या स्थापर कम्परित में दिलवर्ष दिन्नी कृष्य न्यात्रित द्वारा म्याहरतालंडी की गास जिल्ला में किए वा स्थीन ।

स्मच्छीकरण: —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उन्हें इतिहास, को सभाव 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस सभ्याय में दिवा गया हैं।

## ग्रनुमूची

फ्लैंट नं० 64, जो, मातृ मंदिर, 16वीं मंजिल, मातृ मंदिर को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 278, सर्वे नं० 654, ताइदेव, बम्बई-7में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि ्रिसं० श्रई-1/37—ईई/6650/85–86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनौंक 7–6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निनार **ग्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज⊶1, **बम्बई** 

तारीख: 17··2~1986

प्रसप बार्ड, टी. एव. एख. """"

नायनार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की जारा 269-म (1) के नभीन सूचना

#### THE PERSON

अधानय, सङ्क्ष्यक भाषकर वास्वक (निरीजन)
 ग्रर्जन र्जेज-1, बस्बई

बम्बई, दिनौंक 17 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/7073/84-85--श्रनः मुसे, निसार श्रहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) शिषये इसवे इसके पश्चाक् जिन्दा अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सद्भ प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्ब 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिनकी संव माला नंव 121, जो, ालो मंजित, इसारत-ग्रजेय निवा इंडिस्ट्रियल इस्टेट, 9 मस्कारेन्ह्स रोड़, माझगाँव, बम्बई-10 में स्थित है (ग्रीर इाम उपाबद्ध श्रम्भूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिनका करारनामा ग्रायकर श्रिशित्यम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रद्यीन, बम्बई स्थित सक्षम श्रिधिनारी के कार्यालय, में रिष्ट्रिनी है, तारीख 26-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मुख्य से कम के सम्बन्धार प्रतिफरा के लिए अंतरित की भई है और मुक्ते?

मह विश्वास कारमें का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का शांचत वाधार मूल्य, उसके स्थयमान प्रतिफल तें, एसे क्रयमान शितफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और जन्तरक (जन्तरकों) शाँर अन्तिशती (अन्तिरितिशों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए क्षय पाया था प्रतिफल निम्निसित स्वृद्धिय से उन्त बन्तर्ज निम्निसित में बास्तिक रूप से विधिक नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: जार/मा
- (क) ऐसी किसी काम या किसी धन या अन्य शास्तियों की जिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, 1922 सन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नथा ना या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए।

कर्त अपि, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) चे क्योंग, निम्नतिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री प्रफुल जेठालाल फुरिया।

(प्रन्तरक)

श्री विमलेश कुमार श्रीवास्तव

(भ्रन्तरिती)

3. अन्तरका

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का वह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की व्यक्ति या तत्स्वस्था व्यक्तियाँ एक सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन के भीतर अक्त स्थायर सम्पत्ति में हिंदन-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निधित में किए वा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जबल अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा वशाही।

## अनुसूची

माला नं ० 121, जो, 1ली मंजिल, हिमारत-ग्रजय सर्विस इंडस्ट्रियल इस्टेट 9, भर्म्भारेहरून रोड़, माझगाँव, बम्बई-10 में स्थित है।

श्रनुसूको जैसा कि कर सं श्रई- 1/37-ईई/6638/84- 85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 26-6- 1985 को रिजस्टई किया गया है।

निसार **श्रहमद** सक्षम प्राधिका**री** सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: .17- 2-1986

मोहरः

प्ररूप आर्ड्: दी. एन. एसं. -----

जायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ज (1) के अधीन स्चना

#### alled Hamil

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

मद्रास, दिभांक 17 फरवरी 1986

िनदेश सं० अई-1/37—ईई/7084/85—86—अतः मुझें, निसार अहमद

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वाद 'उक्त अभिनियम'क हा गया हैं), की भारा 269-स में अभीन सभम प्राधिकारी को यह विस्वाद करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त वाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 15. जो, बेसमेंट में, इमारत किएटिक्स इंडिस्ट्रियल सेटर, प्लाट नं० 12, सी० एस० नं० 72, एन० एम० जोशी मार्ग, ऑफ लोअर परेल, डिबीजन बम्बई-11 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण क्य ने विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 27-6-1985

को पूर्वोश्त संपर्ति के उचित बाबार मूक्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह निर्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक के सिए त्य पावा पदा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निकित भें वास्त्रविक रूप से किशत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण ते हुइ किसी बाब की बाबत, उक्त मीधिनियम के लधीन कर दोने के जन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे दवने में शृविधा श्री किए; बीट/या
- (व) एसी किसी नाय या किसी भन मा नाय नारिस्तयों को, चिन्हें भारतीय नाय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) का उक्त न्धिनियम या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्यास प्रकट नहीं किया गया था या किया प्राचा चाहिए था, किया वे स्विधा में सिए;

कतः जब, उक्त क्रिनियम की भारा 269-न के जनुसारन मों, मी उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उप्भारा (1) के अभीन, निम्नीसिवित व्यक्तिसमों, अर्थात् ः— 1. मेसर्स यास्मिन कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

2. मेमर्स मनिश दैक्सटाईल्स कार्पोरेभन।

(अन्तरिती )

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त कम्परित के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जविष्या तत्संत्रंभी व्यक्तिकों वर् सूचना की तामील से 30 दिल की अविष्य, जो भी व्यक्तिकों में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इत सूचना के काजपत्र में प्रकाश्यन की ताशीब के 45 विशे को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-विशे किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्र सिवित में किए जा सकों ने।

# नन्स्भी

यूनिट नं० 15, जो, बेसमेंट में, इमारत क्रिएटिब्स इंडस्ट्रियल सेंटर, प्लॉट नं० 12, मी० एस० नं० 72, एन० एम० जोशी मार्गे, ऑफ लोअर परेल, खिबीजन, बम्बई—11 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/6649/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिशाक 27-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर झायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बर्ष

नारीख: 17-2-1986

प्रकम बाइ. टी. एन. एस. \*\*\*\*\*\*

मै० णहा एण्ड सहार आमोसियेट्स।

(अन्तरक)

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

2. मेसर्स डेन्टा प्रिंटिग।

(अन्तरिती)

#### नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वामुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, बम्भई

बम्बई, दिनाक 17 फ स्वरी 1986

निवेश सं० अई-1/37—ईई/7077/85-86—अन: मुझे, निसार अहमद,

नावकर निर्मायम्, 1961 (1961 का 43) विसं इसमें इसके पश्चात् 'उकत निर्मायम', कहा गया है, की भारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, वह निर्मास करने का कारण है कि स्थावर तम्मति, विसका उचित शावार मृस्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रौर जिपकी मं० यूनिट न० 286, जो, 2री मंजिल, ग्रहा एण्ड नड़ार इण्डस्ट्रिया इस्टेंट, ए-2, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल; बम्बई-13 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिपका करारनामा आयकर अधिक्षियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 27-6-85

का प्रोंक्त सम्पत्ति के डांचत बाबार मृत्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफल, निम्निकिचित उद्देश्य से उच्त बन्तरण किश्वत में वास्तिक कम से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसते बचने में सुविधा के त्रेस्ए; बार√यः)
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अविधिनी देवाग प्रकट नहीं किया गया का बा किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिख;

कत: अव., अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों., में श्वेतक व्योधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अभी निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिल् कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांद्र भी काक्षेत्र :---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की मर्नाच या उत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की मर्वाध, जो जी मर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस त्थना के रायपत में प्रकाशन को तारीय थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिन-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा शकोंगे।

स्थव्यक्तिरण:---इसमः अयुक्त धव्यं और पर्यो का, वा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होता उस सध्याय में दिका गया हो।

#### अनुसूची

यूनिट नं० 286, जो, 2री मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-2, एस० जे० मार्ग, लोअर परेल, त्रम्बई-13 में स्थित है।

अनुमुची जैंसा कि करु गं० अई-1/37—ईई/6642/85—86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 27-6—1985 को रिजस्टई किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, **बम्बई** 

तारीखा: 17-2-1986

प्रकृष बार्च , टी , इस , एस , ००००००

नायकप् निधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा १८९-व (१) के अधीर भूषका

#### बारत करमबर

# अधानव बहाबक नायकर बाब्यत (रिर्टीक्स)

अर्जन रेंज-1, धम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 17 फरवरी 1986

निवेश सं० अई-1/37-ईई/7081/85-86--अत: मुझे, निसार अहमद,

वानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हीं), की धारा 269-का है अधीन सक्षम प्रविकारों को, यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सुस्व 1,00,000/- रु. से जीवक है

श्रीर जिन्नकी संज फ्लैंट नंज 20, जो, 5वी मंजिल, विलोक इमारत, न्यू विलोक को-आपज हाउसिंग सोसायटी ज्यांट नंज 3-वी, याटन माटुंगा स्कीम नंज 6, रोड नंज 24 सायन, वव्यई-22 में स्थित है (श्रीर इतन उपावड अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिन्नण जरारनामा आयकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 ह, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 27-6-1985

कां प्रोंक्श सपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिक्रम के लिए जन्तरित की नहीं है और बुओ वह विकास करने का कारण है कि वसापूर्णेक्त संपरित का स्वित बाबार मूल्य, उन्हें कावनान प्रतिक्रम से, एसे कावनान प्रतिक्रम का पंका प्रतिस्त से जिपक है जीर अन्तरक (जन्तरकों) जीर अन्तरिक्ती (अन्तरित्तरों) से बीच एसे जन्तरण के लिए अब पाना प्रभा प्रकिन्छ के विकासिक के वस्तरिक के सम्मानिक कर से क्षित्र कहीं किया नहाँ है :---

- (क) बन्तरण व हुए किसी बाय की बाबल, जन्छ वरिपणिक्व में अभीन कर की में अन्तरक के दायित्य में अभी कर्म वा समुखंबचने में सुनिप्ता के जिए: वरि/मः
- (क) एंडी कियी नाम या कियों भन या नाम कारिस्तां करें, जिन्हें भारतीय सामकर मृश्नियम, 1922 (1922 का 11) ना उन्तर मणिनम्बन, का चन-कर निर्मानम्बन, 1957 (1957 का 27) के प्रश्रेतनाभ जन्तिरती व्यास प्रकट नहीं किया स्वा भा ना किया जाना चाहिए था, कियाने में प्रतिभा ने सिंक्ट;

मराः क्षत्र उक्त विभिनियम की भारा 269-ए की वस्त्रक्रम् हे, भी, अन्त निर्मानयम की भारा 269-ए की उपचारा (1) के क्षणीत, निर्मालिक्स क्षित्यों, नर्याद करन 1. श्री वीरमती मेघजी सागर

(अन्तर्क)

- 2. डा० सूरेण एव० दपारी ग्रीर सरोज ए६० दफारो (अन्तरिती)
- 3. अन्तरक।

(बह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिये कार्यवाहियां करता हुं।

डाक्त बम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्वीक्त स्वीक्त में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिलक्ष्म किसी कन्य न्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में किए का सकती।

स्यक्षीकरण:---हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-र में परिभाषित ही, वहीं वर्थ होगा को उस कथ्याय में दिवा कथा ही।

## अमृत्यू 🎁

फ्लैंट नं० 20, जो, 5वीं मंजल, व्रिलोक इमारत न्यू त्रिलोक को-आप० हाउँगि सोसायटी लि०, प्लाट नं० 3-बी०, आयतं माटुंगा स्कीम 6, रोड़ नं० 24,सायन बम्बई-22 में स्थित है।

अनुस्ची जैनािक क० सं० अई-1/37-ईई/6646/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा निर्नोक 27-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नियार अहमद स**क्षम प्राधिकारी** स**हायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज~1, बस्बई

तारीख: 7-2-1986

मोद्र:

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) की धारा 269-क के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजीन रोज-1.

बम्बई, दिनांक 17 फरवरी, 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37ईई/7076/85-86—ग्रतः मुझे. निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमः' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव युनिट नंव 287, जो 2 रा मंजिल, णहा एंड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट, ए-2, एसव जेव मार्ग, लोग्नर परेल बम्बई-13 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावह श्रनुसुची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रा है दिनांक 27-6-1985

की पूर्व क्त सम्पत्ति को उचित नाजार मूल्य से कम को स्थयमान प्रतिकास को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निस्थास अर्थ का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसको दश्यमान प्रतिफल से एसे उत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिका रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, खब्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा प्रा किया जीना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त सिंधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपस्परा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. शहा एण्ड नहार एसोशिएटस

(भ्रन्तर्क)

2. मैसर्स एक्सक्युसिव्ह इंटरप्राइजेस

(अन्मरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उक्षेत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरणः — इसमें प्रयास एक्ट्री और पदों का, जो उपस अधिनियम, फें अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

य्निट नं० 287, जो 271 मंतिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट,ए-2, एप० जे० मार्ग, लेश्वर परेल, बम्बई-13 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि ७० मं० छई-1,37ईई/6641/84-85 छोर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई ढागा, दिनाँक 27-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयाज्य आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-, वश्वध

दिनांक 17-2-1986 मोहर। प्ररूप बाइं.टो. एन. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांच 17 फरवरी, 1986

निर्वेश सं० अर्ड-1/37ईई/7079/85-85—%तः मुझे निसार श्रहमद समक्ष्य अभिनिकार 1064 (1064 का 43) (क्लिसे कार्य

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- का से अधिक है

होर जिसकी संव यूनिट नंव 250, जो 2 री मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रिंगल इस्टेंट,ए-1, एसव जेव भागे, लोग्नर परेल, बभ्बई-13 है. तथा जो बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबब क्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारा नामा ग्रायकर ग्रिशिनयम, 1961 की धारा 269 कला के अधीन म्बाई स्थित सक्षम प्राधिकारों के काम लिय में रिज्स्ट्री है दिनांक 27-6-1985

को प्रामित सम्मति के उभित बाजार मृत्य से कम के सममान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि बचाप्नीयत सम्मत्ति का उभित बाजार श्रूष, इसके अवनान प्रतिकल से एसे अवनान प्रतिकल का नंप्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अक्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाया बच्य प्रतिकल, जिल्लासित उड़वेष्य से उक्त मन्तरण जिल्लास में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीर आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीः, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. शहा एण्ड नहार एसोशिएट्स

(प्रस्तरक)

2. मिस्टम सिन्थेटिक्स (इंडिया)

(अन्तिनिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थान के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ग्रनुमुची

यूनिट नं० 250, जो 2री मंजिल, णहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेंट ए-1, एस० जे० मार्ग, लोश्चर परेल, बम्बई-13 में स्थित है

श्रनुसूची जैसा कि कि से श्रई-1/37ईई/6644/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनाक 29-6-1985 को जिल्ह्टई किया गया है।

> निसार श्रहम्द सदाम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋजैन रेंज-I, बम्बई

दिनांक: 17-2-1986

भारत तरकार

कार्या नव , यहायक बायकर बायुक्त (निरक्तिक्)

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रोज-I, बम्बई

बम्बई, दिभाँक 17 प्रपंतरो, 1986

निदेश रं० ग्राई- $\frac{1}{37}$  $\frac{37}{5}$ ई $\frac{5}{7078}$  $\frac{85-86}{85-86}$  सुन्ने निसर श्रह क,

बागकर की नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के भीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं ि स्थावर मम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00000/-रु. से विधिक हैं

भीर विसकी गं० यूनिट नं० 267, जो 2 रो मंजिल, शहा एण्ड नाहर इंडिट्टिन इस्ट ए-2, एग० जे० मार्ग, लोझर परेल, बम्बई-13 है तथा, जो बम्बई-13 में स्थित है (स्रीर इससे उपाबड़ इन्युन में स्थार पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिपका कारारनामा आवंधर श्री नियम, 1961 का धारा 269 लखा के श्रीमेंन बम्बई स्थित राह्म प्राधियार के वार्यालय में प्रिस्ट है दिनांक

को पूर्वोकः २ परित को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को िए अंतरित की गई

है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरिकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए उस पासा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्म से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप में किशत नहीं किया पसा है:—

- (क) त्तरण स हुई किसी बाय की बाक्स, उस्स शोधनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक को शोधरत यो कमी करन या उससे वजन में सुविधा ये जिए; और/या
- (भ) सी किसी बाध या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्र गोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया आना चाहिए भा, छियान में सृविधा है लिए;

बत. कद. उन्त विभिन्नियम की भारा 269-म के बनुसरण हो, हो, जट्द विभिन्नियम की भारा 269-म की उपभारा (1) हो त्रभीम, जिल्लालिक्षा व्यक्तियों, क्याँत् क्ष्रका 44---516 GI/85 महा एण्ड नहार एसोगिएट्स

(ऋन्तरक)

2. मैसर्स जैन भदर्स।

(अस्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मस्याध र 👾 🗊 शाक्षय :---

- (क) इस मूचना के राजपण मो प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अवधि का सत्समानधी जिल्लामाँ पर स्थान की अधील जे 30 दिन की संबंधि, को भी शतीश बाद में महान हुन्हीं हो, के बीतर पर्नीकत अधिकरणा में से रिक्षी स्थानित बकरण:
- (भ) इस स्चिता क राजपञ में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के नाज़ निस्ति में बिग्र का सकीये।

स्वध्वीकरण:---- प्रश्नमे प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उसके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्यान में दिया वसा है।

## अमस्पी

यूनिट नं० 267, जो 2 री मंजिल, णहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-१,एस० पे० मार्ग, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है। श्रनुसूच: जैसा कि अ० सं० आई- /27ईई/6643/84 85 और जो सक्षा प्राधि गरा बम्बई द्वारा, विकास १४-6-198% को रजिस्टई किया गया है

निमार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक अधकर आधुवस (निरंक्षण) श्रर्जन रेंज I, बस्बर्ध

दिभोक: 17-2-1986

प्ररूप बाई', टी. एन. एस.-----

आयक शाधानयम्, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-भ (1) के अभीन स्थना

#### भारत सरकार

# भायांसय, प्रशासक जायकार जायुक्त (निरीक्षण)

गर्जन सें त-I, बम्बई

बन्बर्ध, दिशंक 17 फरवरा, 1986

निर्दोण संच बाई-1/37ईई/7080/85-55---श्रानः शुक्ते निसार शहमन,

श्रीयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाक् 'उक्त अधि नयम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,00/- रा. स अधिक हैं

श्रीर नियकः मंत प्लैट नं 2. ते अशी मिलिकः पटेल टाष्ट्र, बरलः, केन्या, बोले क्याराटः, बच्चः हिर रोडः, बावई-१८ है तथा जो वबस्ड 18 में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद अनुसूच में श्रीर पूर्ण वर ते बिशा है) श्रीर वेता त करारनामा श्रीय हर श्रीसिनियम, 1961 क भाषा 260 वस्त के स्थल बस्बई स्थित सक्षम श्रीव तर के स्थलि समें से स्टूर है हिनांक 27-6-198

कां प्याक्त संपत्ति कं उचित गांधार मृस्य सं कम के स्थममान प्रितिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्म्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रितिफल में, एसे स्थममान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियो) के बीच एमें अन्तरण के लिए तम पाम प्रतिफल निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है:---

- (क) चन्तरण से हुई किसी आप की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (य) एसी कियी आय या किसी जन या अन्य आस्तियों का गण्या अवस्थित गण्या अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण्या के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण्या के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण्या के प्रयोजनार्थ अन्तरित व्यक्ति था। छिपाने के अधिनया अभिवास

लत: अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरक को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की जपधारा (1) के अधीन नियमिक्ति स्थितिस्थीं अर्थात :---- श्रीयुसुफ श्रब्दल्ला पटेता

( इस्टत रकः)

2. श्री सुभाष ऋषिकेश घोष और श्राम्पते मित सुभाष घोष ।

(शन्तरितः)

को मह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उसरा सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर सर्वोक्त व्यक्तियों में में जिसमी व्यक्ति दशायाः
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्यक्ति में हितवइथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरों के पाक लिखित में किए जा सकेंगे।

लब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, बही अधे होंग को उस अध्याय मो दिया एया है।

## **जन्**स्ची

फ्लैट नं ० 2, जो 8वं। मंजिल, पटेल टावर, वश्लं, कैम्पा, कोला कम्पाउन्ह, बीठ जीठ खेर, रोड, बम्बई-18 में स्थित है।

भारती जैसा कि ऋ० सं० ऋई- | 37ईई | 6651,84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बन्दई द्वारा, हिनांक 27-6-1985 को रजिस्टड किया गथा है।

> नियार घाःस्व सक्तम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्याणुक्त (निरीजण) द्याजीक रेंज-I, दम्बाई

सिष्कि 17-2-1986 मेडर : ·· =-, == ==

प्रकृष काद् . टी . एन . एस . . .....

माधकार मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I

बम्बई, दिनौंदा 17 फरवरी 1986

निदेश सं० धाई-1/37ईई/7082/85-86—स्रत: मुझे निसार शहमद

भावकर प्रांधिनियम, 1061 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त आंजानयन' कहा गण हैं), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्यास करने का कारण हैं कि प्रभाप्तिकत सम्परित का उकित भाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ार जिसका संव पर्नेट नंव 601 जो 65ी मंजिल सुल्सा प्रिम्पय-सन को-ापव सोजायटी निव शास्व आरव ठकर समार्ग 254 बीव जीव खैर मार्ग मराबात हिल, बम्बई-६ है तथा जो बम्बई-6 में स्थित है (श्रीत इससे उपाबढ शनुसूच पूर्ण स्व बणित है) श्रीति सिसम नाजनामा शायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 तख के जीतन बन्बई स्थित सक्षम शाधि होरा के दार्यालय में रिज स्ट्रा है दिना व 27-6-1985

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूलय से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए जन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसं स्थयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का, निम्नलिखित उद्युद्ध में उच्च अन्तरण निव्हित में बाम्यविद्ध स्थ से की पत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाईराज संज्यी अस्त का एवं न क्या के पृथिका कार्य सामा का
- (वा) ऐसी किसी नाय या किसी भन या कर्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीर जायकर जिभिनयनम्, 192? (1922 का 11) या उनत अधिनियमम्, या धन-कर आधिनयम्, या धन-कर आधिनयम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किना गया या विश्वा गया भाहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए;

जत: भव, उन्त मीधीनमम की भारा 269-न की वन्तरण मी, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) क मधीन निम्निनिम्यः स्वीक्तयों, अर्थात् :--- 1. अ: बाबूलाल धनाज,भाई पटवा ।

(अन्तर ह)

2. श्रा विजया बाब लाल शहा।

(प्रन्तरितः)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के निष् कार्यवाहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुमान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत्र भ 45 दिन की नविध या तत्मम्बन्धी ध्यां क्तकां वद समान की मामीन से 30 दिन की जविध, को भी नविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी जला व्यक्ति द्वारा, अधार्म्नाक्षरी के पास ोंजीखत में विष्णु जा सकेंगे।

पथ्यीकरणः --- इसमी प्रयुक्त राज्या कीर पदी का, जा उक्त अधिनिषय के अध्याय 20-क मा जीएमाजित हैं, जहीं अर्थ हाता, का उस अध्याय मंग क्षी।

## मन्स्ची

फ्लैट नं० 601 जो 65 मंजिल, मुल्सा प्रिमायसेस को-ग्राप० हार्जीसम सोतानटा लि०, ग्राप्ट० श्राप्ट० ठकार मार्ग, 254, बा॰ जा॰ खेर, मार्ग माबार हिल, बस्बई-6 में स्थित है।

भनुसूचा जैसा जि अ० सं० शाई-1/37ईई/6647/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा, दिनाँक 27-6-1985 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> निसार श्रह्मद सक्षम प्राधिशारी सह्यकः श्राय तर श्रापुन्त (निरोक्षण) श्रुजैन रेज-<sup>1</sup>, वस्वई

विनौंक 17-2-1986 मोहर: अरूप बाइ<sup>र</sup>. टी. एन. एथ. ~~~~

बायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-भ (1) के जभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनां \* 17 फरवरी, 1986

निर्देश सं० प्रई-I/37ईई/7072/85-86— श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६समें ६सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00 000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसका संव वायालय श्रियायसंस नंव 61, जो 65. मंजिल, ए-विंग, इमारत-मित्तत कोर्ट, 224, नरामन प्वाइंट, बस्बई-21 है, सथा जो बस्बई-21 में स्थित है (श्रीर इससे उपायड श्रनुसूचा में श्रीर जो पूर्ण कप से विणित है) श्रीर जिसा व रारतामा श्रायकर श्राधिनियम, 1961 का धारा 269 वख के श्रधान बस्बई स्थित सक्षम प्राधि गरा के वायालय में रिजस्ट्र है दिनांच 26-6-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिकत के लए बन्तरित की गई है और मृहां यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रांवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान श्रीतकल में, एंसे द्रयमान श्रीतकत का नन्तह श्रीतकत से बिधक है बार अंतरण के लिए तय पारा गया विकस, निम्नकिष्वत उन्देश से उस्त बन्तरूज सिवित में बारतिक, निम्नकिष्वत उन्देश से उस्त बन्तरूज सिवित में बारतिक, निम्नकिष्वत उन्देश से उस्त बन्तरूज सिवित में बारतिक, निम्नकिष्वत उन्देश से उस्त बन्तरूज सिवित में बारतिक स्थ से किष्त नहीं किया स्था है द

- (क) अन्तरण में हुई जिल्ली आय की सासते, उक्क बॉधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे अकने हैं सुविधा के प्रिय; बीड़/या
- (क) एसी किसी भाग था किसी पन या अन्य अस्तियाँ की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जीना जाहिए का एक्यान के क्षिणः

बतः बन, ७ का बॉथनियन, की भारा 269-थ के अनुसरण बॉ, बॉ, बवत अधिनियम की धारा 269-च की उपधन्य (1) बी बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, बधांत ७---

- 1. श्रा स्थाम सुन्दर टिन्नेवाला (हिं० %० कु०)। (अन्तरक)
- 2. श्रामतः सुधादेवः दुलाचन्द बोत्रा। (श्रन्तरिका)
- मैसर्स डो० सा० बोला एण्ड कम्पना।
   (वह व्यक्ति जिसके द्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अजन को सम्बन्ध में को को भी अर एव

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन व! तारीस व 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन को व्यक्ति जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के तिर पृत्तिकल अविध को दें किसी ज्याकत हुए। गः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन रो नारीक स 45 दिन के भीतर उक्त ग्धाबर सम्पन्ति मों हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा संशाहक रुरी के गाम निक्षित मो किए जा सकीये।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का जो उक्ध अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्यय में दिया

## भनुमुची

ायिजिय प्रिमायसेत नं० 61, जो 6ठो मंजिल, ए---विंग, इमारत मित्तल कोर्ट, 224 नरोमन प्वाइंट, बम्हई-21 में स्थित है।

भनुसूचा जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-I/37ईई/6637/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकार बम्बई द्वारा, दिनांक 26-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निसा: श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंटे -I, बम्बई

दिनौंबः : 17-2-1986

प्रकृप आहे. टी. एन. एस.-----

बायकर अिभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीत सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय.. सहायक बायकर भायक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनोंक 7 फरवरो 1986

निर्देश सं० माई-1/37ईई/6951/85-86-प्रतः मुझे, निहार म्रहमद,

कायकर अधि त्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'तकत अधिनयम' कहा गया है), की धार 269-व के अधीन सक्ष्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं -िस स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,000000/-रूपयं में अभिः हैं

श्रीर तिसकी सं० जमान का हिस्सा जिसा प्याद नं० 1050, दादर (ग०), बन्बई जो चान के साथ बन्बई में स्थित हैं (ग्रीर इसा उसबद्ध अनुसूची में और पूर्ण करी किया हैं) श्रीर तिसार स्वारता साम र बीबिया, 1961 की धारा 269 तब के बारता बन्बई स्थिम सक्षम प्राधि सर के नार्यात्रय मैं रिक्ट्री है दिनाक 17-6-1985

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अंकि है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए च्य पाया गया ब्रतिफल, निस्तिविद्यत उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिबत अस्तिक रूप से किंग्र नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा क लए; और/या
- (स) एंसी किसी बाय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के 'न्तए;

जतः कथः, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-गं के बनुसरण माँ, माँ, उक्तं अधिनियम बने धारा 269-घं की उपधारा (1) कें अधीन जिल्लोनिकतं स्वितियों, अवस्ति क्ष~~  श्रा मोतालाल विश्वाम रामनाथरार, श्रीमती प्रफल्ला सिना देल्लास, श्रव-श्रीमता प्रफल्ला कोहेल्ही जिबल ए शिरोडार श्राय मोतालाल रामनाथकर श्रीर राजेन्द्र एम० रामनाथकर।

<u>and the state of </u>

(ग्रन्तरङ)

2. जयन्त दिपणास पन्सल्टैट्स, प्रायवेट लिमिटेड । (श्रन्तरिता)

क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45. दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की साभील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति दूवारा;
- (कां) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित मों किए दा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नम्सू भी

जमीन का हिस्सा जिसाम प्लाट नं० 1050, दादर (प०), जो चाल के साथ बम्बई में स्थित है

भ्रतुसूचा जैसा कि कि के सं श्राई-1/37ईई/6518/85-86 भौर जो सज्जन प्रावि ारा बम्बई द्वारा, दिनाक 17-6-1985 के रिक्टर्ट किया गया है

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधि∗ारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (गिरःक्षण) श्रर्जन रेंज-I, बस्बई

दिनांवः : 7-2-1986

प्रक्रम बार्द्र, टी. एन. एस.-----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व्य (1) के अधीर सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनौंदः 10 फरवर्रः, 1986

निदेश सं० भ्राई-1/37जी/5238/85-86—श्रतः मुझे निसार श्रष्टमद

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं। "कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मृत्य (,00,000/-रा. संअधिक हैं।

श्रोंर निप्तका सं जमाना का हिस्सा जो इपारा के साथ, इंडस्ट्रिका इस्टेट, लाव बाग, प्लाट नं 11ए, श्रोद स ० एम० नं 50 (श्रंग), परेन निवर्त छिवातन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रोर इससे उपायड अनुसूच में श्रीए पूर्ण रूप से विणित है) पीन्द्रित ती श्रीध गरा के पार्यालय, बम्बई में रिक्ट्रिक्ट श्रिका श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान दिनोंक 15-6-1985

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मृत्ते यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दूरयमान प्रतिफल स, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह् भित्रशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरित्या) के बांच एसे कन्तरण के लिए नय पाया गया भित्रफल, निक्तिलिखन उद्वेद्य से उक्त अंतरण लिखित में सन्तिक कष स क्षियत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण सं हुउ किसी भाग की शबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के आधाक संवक्ते करन का किस बजन या शुक्रिभा काला, प्रीर्थाः
- . जन तथ किसी आब मा जिसी अन या अन्य आसियाँ ता जिन्हों भारतीय जात हर सी भी सम्म 1922 1997 का 11) मा उक्त आधारियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के या कर त रुपार ते । ना या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूत्रिभा के लिए;

अतः अवः, उत्तर विधिनियमः, कौ धारा 269-गं कै जनसरण कः, सः, उत्तर अधिनियम की धारा 269-चं की उपधारा (1) के कं अधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीनः हम्मलिखित गजानन विष्णु राणे भीर भन्य

(भ्रन्तरकः)

2. क्रुडिबहार को-प्राप० सोतायटा लिमिटे ड (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्ययाहियां शुरू करता हूं।

# उसत सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियं आ सकतो।

स्थव्यीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो जक्त , अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिका यस हैं।

# अनुसुची

प्रनुसुनः जैसा कि विलेख सं० बाम 1855/81 भौर जो उप रिक्स्ट्रार, बम्बई द्वारा, दिनांक 15-6-1985 को रिजस्टडं किया गया है

> िनिसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारो सहायक प्रायकर श्रापुकत (निरोक्षण) शर्जन रेंज <sup>I</sup>, वस्बई

दिमांक: 10-2-1986

प्ररूप बाहें, टी. एन, एस, ------

बावकद्र विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्वान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकर (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बस्बई बस्बई दिनांक 10 फरवरा 1986

निदेश सं० श्राई-1/37-जा/5239/85-86---श्रतः मुझे निसार श्रहरूद

भायकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीए जिसका सं० खुला जमान वा हिस्सा प्लाट नं० 748 द द ए माटुंगा इस्टेट नदा सर्वे नं० 1183 सी० एस० नं० 559/10 जो इसारत के साथ मिस्ता इसारत माटुंगा डिग्निन, बस्बई है, तथा जो बस्बई में स्थित -है (श्रीर इससे उपाबद्ध शनुसुची में श्रीर जो पूर्ण रूप से बणित है) एजिस्ट्री तां श्रीध तरा के वार्यालय, बस्बई में एजिस्ट्रा तथा श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 5-6-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंसरिसी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नष्टीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुइं किसी जाय की बाबता, उक्त जिल्लीनणम के अधीन कार दोने के जंतरफ के उपलब्द को आसी कारने या नुसम्में सकते में मिलिधा र प्राप्त का
- (क) एकी किसी बाय वा किसी थन या बच्च सास्तिकों करें, बिस्हुं भारतीय साबकार निभिनियम, 1922 (1929 को 11) या उक्त निभिनियम, बा र प्रशीप किया, 1957 (1957 का 27) के उन्हें गर्भ नेतियों इसारों प्रकट नहीं किया गया था या जिल्ला जारा नाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए:

अतः अर्गः उक्त अधिनियम की धारा 269-व की, कृतृतस्य की, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अपधारा (1) के अभीत्र निम्नीसिक्त व्यक्तिकी, क्यांत्र क्र---

- 1. (1) श्रः एन० एव० पारेख,
  - (2) श्रः एच० एस० पारेख,
  - (3) श्राः डा० ए५० भिस्ताः श्रौर
  - (4) श्रा एक्ष० बा० मिस्ता ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स जयदाप धन्स्ट्रवशन कंपना।

(अन्तरितः)

को यह सुभना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हु।

**उक्त इम्परित के मर्जन के सम्बन्ध** में कोई भी बाक्षप :

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारोस ते 45 दिन की कवांभ पा तत्यम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हों, के भीतर पर्वोक्क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवांशः
- (ख) इस स्वना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक्ष शं 45 दिन के भीतर उधन स्थावर सम्पत्ति मो हितबहुआ किसी जन्य स्थित द्वारा अधीहरताक्षरों की पान किसित मो किस्सू का सजीता

स्वकाकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, वा उक्क श्रीभिनयम, के अध्याय 20-क में पोरभाषित ही, वहीं अर्थ होना जी उस अध्याय में दिया गया है।

# ग्रनुसुची

श्रनुसुच्य जैसा ि विलेख सं० वाम 1949/81 भौर जो उप-रजिस्ट्रार, वस्वर्ष द्वारा, दिन कि 5-6-1985 को विजस्टर्ड िया गया है।

> निसार छहमद सक्षम प्राधि तरा सहायक भायकर श्रायुक्त (निर्काशण) श्रजीन रोज-1, बस्मार्थ

**पि**नांबः: 10-2-1986

मोहर ।

प्रक्ष भाई. ती. एन. एस . -----

# भाषकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 1,

बम्बई, दिनाँक 10 फरवरों, 1986

निदेश सं० श्राई-1/37-ईई/7034/85-86—%तः मुझे निसार शहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य

श्रीर जिसका श्रीद्योगि गालानं 6, जो 105, चंप लाल उद्योग भवन, सायन (पूर्व), बन्बई-22 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध शनुपूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिता पालाराला प्राप्त र श्रीधिनियम, 1961 के धारा 269 व्यक्त के श्रश्नात बन्बई स्थित सक्षम प्राधिलारा के कार्यावय में रिजस्ट है दिनौं 24-6-1985

क्ये पर्वावस सम्मित क उचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रोतफिश के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल के पंसह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्ट्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; अपर/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी कन या अन्य आस्तिणों वा, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या काकर अधिनियम, या काकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ उन्नीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अन्य चाहिए था, छिणाने में सुविधा से लिए;

क्षातः स्था, जक्त सिंधिनयम की धारा 269-न के अवृत्तरभ क्षेत्र, भी, उपत सिंधिनयम की धारा 269-य की जुएधारा (1) तो स्थीन, सिन्तिकित सिंहित सिंहित स्थापितः 1. के॰ पोपटलाल गिरधर लाल ग्रण्ड कम्पर्ना

(अन्तर्क)

2. श्री प्रशोक जे० शहा

(अन्. रिती)

3. अस्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में समाति है)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अकीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसद इथ किशी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष के पास लिखित में किए जा सकी गै।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा लो उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रनुगुची

द्यीद्योगित गाता नं० 6, जो 105, चंपतलात उद्योग भवन सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि संव श्राई-1/37ईई/6000/85-86 श्रीर जो सक्षत प्राधि हारो बस्बई द्वारा, दिनौंब 24-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> नितार श्रहमद सङ्ग्यक ग्राह्मकार श्राह्मका प्राह्मकार श्राह्मका सहायक ग्राह्मकार श्राह्मका (निरंक्षण) श्रुचित्रें मृन्स, जस्कार्

विनोब : 10-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरेंज 📜

बम्बई, दिनौंक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/6819/85-86—--ग्रसः मुझे निसार ग्रहमद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० कमरा नं० 13, जो 1 ली मंजिल, गोल्ड मोहर इमारत, 174, भामलदास गांधी रोड, बम्बई-2 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयार श्रीधिनियम, 1961 के धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 6-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, रिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक स्एप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- 1. श्रीमतः देवयानः जगमोहन दास गोराडिया । (ग्रन्तरक)
- श्रा दयानन्द गिरधरलाल, पंड्या, श्रौर श्रीमती पद्मावता दयानन्द पंड्या ।

(ग्रन्तरितो)

अन्तरकः ।
 (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कम्परा नं० 13, जो ाली मंजिल, गोल्ड मोहर इमारत 174, णामलदास गाँधा रोड, बम्बई-2 में स्थित हैं।

श्रनुसुका जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/6276/85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा, दिनाँक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधि शरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनौदः : 10-2-1986

# मुख्य सार्थः हो, द्वनः, पृश्चः मार्थानावान

भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरेंज-1,

बम्बई, दिनांक 10 फरवर (1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37ईई/6769/85-86----ग्रनः मुझे निसार श्रहमद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनिम' कहा गया हों), की धारा 269-स के 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का करण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित काआर मृत्य 1,00,000/- रह. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1-सी, जो पहली मंजिल, 70 पोचखान वाला रोड, वस्ली, बम्बई-25 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका प्रदारनामा श्राय कर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-6-1985

ारे पर्याप्तर मंगांत्र के उचित बाजार ग्रास्य में कम के दश्यमान ग्रांतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का अंग्रेश हैं कि यथापूर्णेक्त संगीति का उचित बाजार पुरुष, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निवारी जिस्त उद्देश्य में उक्त अन्तरण निचित में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- ं ्री किसी भाष या किसी थन या क्या कास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 दा 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए

हात: अब., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीत, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात क्ष्रांचा

- 1. लक्ष्मगिशाना को-ग्राप० हाउसिंग सोसायट। লি০ (ग्रस्तरक)
- श्रामता सुमित्रा देवा ग्रो० बगारीया श्रा राजेन्द्र बगारिया ग्रीर श्री जगदाश प्रसाद बगारीया

(अन्तरिता)

का यह सूचना जारो करके पूर्वक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्रीय :---

- (क) इस स्वना के राजणत में प्रकाशन की वारी वं 45 दिन की जबिंध मा सत्संवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की जबिंध, को भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे,हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें हैं।

स्युक्तीक रणः न न कुर्ता त्युका क व्या कौर पया का, वा उनके अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होता जो उस अध्याय में वियय भमा क्षे

# श्रमम्स्)

फ्लैंट नं० 1-सं:, जो 1लं। मंजिल 70, पोचखानवाला रोड, बरली, बम्बई-25 में स्थित है।

श्रनुसूचा जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/6235/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार ग्रहमध सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1 ान्बई

मोहर।

प्रस्प बाह्य, टहे, पुन . एवं .....

आयकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-म (1) के अभीत स्वना

#### पारत सहकार

# कार्यालय, सहायक जायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1 बम्बई अम्बर्ड, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्रर्श-1/37-ईई/7024/85-86:—न्न्रतः मुझे, निसार श्रहमद

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 4, जो, णान श्रणार्टमट, ए-इमारत, काणिनाथ घुरु रोड, श्राफ गोखले रोड, प्रभादेवी, बम्बई--28 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से निणत है), और जिस ा तरार तमा श्राय ः र श्रिशतियम 1961 की धारा 269 ह, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षण प्राधि ारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 24-6--1985

प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई फिसी आय क्षी भावत, उदस् आधिनयम के उत्ति कार दाने से उत्तरक के दावित्य में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, भा धनकर अधिनियम, भा धनकर अधिनियम, भा धनकर विधिनियम, भा धनक

बरा: अब, उन्त अधिनियन की धारा 269-ग के बनुसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री **स्नील** वि० टिकेिर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीनरेन्द्र मुलजी पहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति कं अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपर्धिक के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ वर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत स्थाप्त अभोहस्ताकारी के पास लिखित में किए आ सकीं।

स्पष्टिमेकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जा उनत आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याग में दिया नवा है।

## मनुस्**य**े

पलट नं क्, जो, 12वी मं जिल, कान श्रपार्टमेंट, ए-इमारत, काशिनाथ घुरू रोड, आफ गोखले रोड, प्रभादेवी, बम्बई-28 में स्थित है।

श्रनुसूची जैला ि कर संरु श्रई-1/37-ईई/6590/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधि ारी, बम्बई ढारा दिनां ८ 24-6-1985 को रजिस्टर्ड िया गया है।

> निसःर ऋहमद, सक्षम प्राधि शरी, सहाय रु श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज−1, बस्बई

दिनांक : 10-2-1986

# श्रुक्य वार्ड ही एन एस्.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जाबकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ा, बस्बई

बम्बई, धिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देण सं० प्रई-1/37ईई/7027/85-86---श्रतः मुझे निसार श्रहमद

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलेट नं० 403, जो 4थी मंजिल, मारकर मेंशन, प्लाट नं० 623, पारसी कालोनी, दादर, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्झी है, तारीख 24-6-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के दश्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंक्र प्रतिशत से अधिक है

और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीक एसे अंतरक के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसिसिस उक्के से अंतरित के स्वाप्त के स

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बायत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के इस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूर्विभा के लिए; और/मा
- (व) एसी किसी नाय वा किसी भन या अन्य नास्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा से लिए;

कतः जब, उक्त जिभिनियमं की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीतः निम्मतिश्वितः शिक्तस्यों, वर्शात् :--- (1) मेसर्स सुपर इंजीनियर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती होमाई बुर्जीर मेहता श्रीर श्री बुर्जीर बी० मेहता।

(भ्रन्तरिती)

3. श्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्जवाहियां शुरू करता हुं।

जनत संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें कि 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्र फ किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों की, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फ्लेट नं० 403, जो 4थी मंजिल, मार्कर मेंन्शन, प्लाट नं० 623, पारसी कालोनी, दादर, बम्बई में स्थित है।

त्रनुसूची जैसा कि कम सं० मई-1/37ईई/6593/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनौक 24-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनाँक : 10~2~1986

प्रकृष बाई. टी. एन. एस. -----

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन स्थला

#### भारत बर्यमञ

कार्यास्य, सहायक आयकर आधुक्त (निरोक्तण) श्रर्जन रेंज-1. बम्बई

बम्बई, दिनौंक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37ईई/7033/85-86--श्रतः मुझे निसार श्रहमद

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके वश्वात् 'उक्त अधिनिवम' कहा गया ही, की भार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्ट्रौर जिसकी मं० औद्योगिक माला नं० 7, जो 105 चंपरुलाल उद्योग भवन, साथन (पूर्व) बम्बई - 22 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिक्ट्री है. तारीख 24-6-1985

को पूर्वोक्त संपरित को उचित वाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उजित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एोडे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह शितकत से विभिन्न है और यह कि अंतरक (अंवरकों) और अंतरिती रिती (बन्सरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तस पाया गया विकल, निम्नलिकित उद्देष्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिक कम से कथिन नहीं किया गया है अ—ं

- (क) अन्तरक संहुदं कियी शाय की बावह, उक्स अधिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने मा अससे वचने में सुविधा के लिए; आहु/वा
- (भ) यासी किसी आय या जिसी धन मा बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धनकर स्रीभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था कियाने में सुविभा के लिए;

बत्ह जब, उक्त ब्रीभीनवं की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के बंगीस, निम्निसिनित काविस्थों, वर्धात् :---

- (1) के० पोपटलाल गिरधरलाल एन्ड कम्पनी। (अस्तर्क)
- (2) श्रीमती निना बी० गहा।

(अन्तारेती)

(3) श्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके म्रधिभोग में सम्पति है )।

कां यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यश्राहियां करना हो ।

उच्छ सम्पत्ति के वर्धन के सम्बन्ध में कोई भी काकीप ह-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वयभि, को भी जनभि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वतियों में से किसी व्यक्ति ब्याय;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यास अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो क्वर श्रीधिनयम के अध्याय 20-क में परिशासिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा वक्षा हैं।

#### मत्त्री

श्रीद्योगिक माला नं० 7, जो 105, चंपकलाल उद्योग भवन, सायन (पूर्व) बम्बई~22 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि कम सं० श्रई-1/37ईई/6599/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 24-6-1985 को रिगस्टिई किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बर्ध

दिनांक : 10-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज- 1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37ईई/6846/85-86---श्रः।: मुझे निसार श्रहमद

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितं बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 17-वी/1, जो सायन सिंधी कालोनी, सायन (प०) बम्बई-22 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य से विणित है) श्रीर जिसका करार-नामा आयकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रीन बम्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, सारीख 6-6-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्व्यमान प्रतिफल को, ए'से ध्र्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री हरेंन्द्र कृमार ग्राय, चंदारानी, ग्ररिवंद ग्राय, चंदाराना, काँतीलाल श्राय, चंदाराना, दिलीप श्राय, ग्रीर प्रवीप कुमार ग्राय चंदाराना।

(अन्तरक)

(2) श्री सुधीर काँती लाल गहा स्रौर श्रीमती स्राणा सुधीर गहा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्रत स्थावर सम्पत्ति मों हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय। गया है।

# अम्सची

ब्लाक नं० 17-बी/1, जी सायन, सिधी कालोनी, सायन (पश्चिम) बम्बई-22 में स्थित है।

श्रतुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-1/37ईई/6302/85-86 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार **ग्रहमद** सक्षत्र प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, **ब**म्बई

दिनाँक : 10-2-1986

यक्ष यक्ष द्या एत. एस +-----

भावकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ধান 209 গ (১৬ জ ন্নীন মুদ্দার।

#### भारत तरकाड

कार्यानय, सहायक अस्यकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-1/37ईई/6316/35--अतः मुझे श्री निसार श्रह्मद,

भायकर अधिनियस, 1901 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकार। की यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थानर संपरित, जिसका उचित वाबार भूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संव युनिट नंव 203, जो 2री मंजिल, नारायण उद्योग भवन, बाव एवराइ, जालवाग, वस्वई-12 में स्थित है (भीर इसमे उराबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) भीर जिनका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बस्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 6-6-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से काम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यशपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एति क्रयमान प्रतिफल का पेड्ड प्रतिकृत से अधिक है और जेतरक (अंतरका) और अंतरिती (क्रन्तिरित्यों) को बीच लोगे क्रयूपण को जिए त्य लाया गया प्रतिक क्रम निक्तितिकी सुन्दाका का सार प्रतिक्रित को निक्तितिक

- (का) बरलानका वं शुक्ष कियाँ। ताय को समस्य उलत समितियम को सभीक कार दोने को जन्तपुक वी वादित्य में कमी कारने वा उससे बचने में सुनिधा को लिए; मीर/या
- (क) एंसी किसी बाय के किसी भन का बन्ध आफ्तिबों को, जिन्हों भारतीय आब-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोणनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था वा किया आना वाहिए था. कियाने के मुविभा के लिए;

अत: अब, उक्त व्यथिनियम की धारा 269-व की, अनुसरण बी, मी, उक्त निर्धानियम की धारा 269-व की उपभारा (1) बी क्यीन शिल्लिक्टिक्ट स्विक्तियों, के लिए :---- (1) श्रीमतो सींध् बी० धीटे।

(ग्रन्तरक)

- (2) मेनमं दत्नाना वेश्वरहाउमिग एजेन्सी। (श्वनित्ती)
- (3) श्रन्तरितियों। (वस व्यक्ति निसके श्रिधिभोग में सम्पति है)
- (4) मेनर्स पटेल हाउपिंग फायनान्न एन्ड कन्यद्रकातन प्रा० लि०। (वह व्यक्ति जिनके बारे में प्रधोहस्ताभरी जानता है कि वह सम्पति में हितबब है)

को मह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हों।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोर्ड थी जाओप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकल व्यक्तियों में से किसी कावित बुवारा;
- (क्र) इत सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्षत स्थावर सम्पत्ति में हिल्बब्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकतेंगे।

स्पष्टि।करण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अभ्वाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्भ होगा, जो उस वध्याय में दिया गवा है.

## अन्सूमी

युनिट नं० 203, जो. 2री मंजिल, नारायण उद्योग उद्योग भवन, घा० बी० ए० रोड़ लालखाग, बम्बई—12 में स्थित हैं।

श्रनुषुची जैपा कि क्रम सं० ग्रर्ड- 1/37ईई/6273/85-श्रीर जो सक्षन पाधिकारी, बस्बई हारा दिनॉक 6-6-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया।

> निपार **श्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायक्तर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें<sup>ग</sup>ा, **बम्बई**

**दिनाँ**क : 7-2-1986

# पक्षः वार्षः दी . **एवः । एवः** , १०००-१००० वरस

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन स्थना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1 बस्वई

वभ्बई, दिलां ५ 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्राई--1/37--ईई/6792/85--86'---प्रतः मुझे, निसार शहमद,

नायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इस्में इसके प्रण्यात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

शौर जिसकी संव फ्लैंट नंव 261 जो छठी मंजिल इमारत नंव 2, सिंघ सेवा समिती नगर, कोलीवाडा, बम्बई-37 में स्थित हैं (श्रीर इउसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कैंप से विणित हैं), श्रीर जिलका करारनाम श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 ए खाने अधीन, बन्बई स्थित पक्षम प्राधिक री के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 4-6-1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के करमान शितका के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह निक्वास करने का कारण है कि स्थाप्वोंक्त संपत्ति का उचित वाचार नृक्व, उसके क्यमान अतिकत से, एसे क्यमान अतिकत का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया शितकन, निम्निसिचत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिस्ति मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम् सं हुद् किसी काय भी बाबतः, अन्य स्पितियम् श्री अभीम कर येने के अन्तरक के वासित्व में कभी करने गा उससे अचने में स्पिचा के लिए; क्षिता
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना अन्य अधिनियम, ना बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अस्तिरी द्वारा प्रकट नहीं किया गया कर या किया जाना साहिए धर स्थिपने में स्वित्या अरे निए:

अतः अन्न, उक्त अधिनियम को धारा 269-म के अनुसरण मों, मों: उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अभीतः निकासिकिक व्यक्तियों, अभीत् :--- (1) श्री शाम एम० जाधवानी **श्रोर** श्री भगवान एम० जाधवानी ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बाणूमल विष् पंजाबी श्रीर, श्रीमती पृष्पा विष् पंजाबी ।

(ग्रन्∃रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोच्त सम्पृत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां भूक करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की चर्चीच या तत्स्यन्त्रभी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की संदेशि, को भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचक व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (श) इस स्वना के राजपत्र में म्काशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे!

स्थव्योकरणः----इसमें प्रयूक्त सब्दों और पदों का वो उक्स निधानियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं:

## वन्स्थी

पर्लंट न० 261, जो, छठी मंजिल, इमारत नं० 2, सिंधु सेवा समिति नगर, सायन-कोलीवाडा, बम्बई-37 सें स्थित हैं।

अनुसची जैसा कि क० स्ं० अई-1/37-ईई/6195/85-86 और जो सक्षम प्राधिन्दी, बम्बई द्वारा दिनों रु 4-6-1985 को रिजस्टर्ड िया गया है। ।

> तिसार ऋहमद अजन गाधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1 बस्बई

दिनांक : 7-2-1985.

प्रकल बार्च. टी. एन. एस.-----

प्राधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1 बम्बई

बम्बई दिनां 7 फ़रवरी 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/6800/85-86 →शनः मुझेः निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी संवयूनिट नंव 254, जो, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल स्टेट ए-2, एसव जेव मार्ग, लोग्नर एरेल, बम्बई-13 में स्थित है (मीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भ्रोर पूर्ण क्य से विणित है), भ्रोर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-6-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के जीवत बाजार मूल्य से कम के क्यायान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निक्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मित्त का जीवत बाजार एथे दश्यकान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरल के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिकित उद्विचय से इक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया व्या है क्रिन

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयः की गावतः, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे भचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) इसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित न्यीब्हभों, अधीत्:——
46—516GI/85

(।) शदा एण्ड नहार एसोसिएटस ।

(श्रन्धरक)

(2) श्री शशिकांत वि० घोंड ।

(ग्रन्∍रिती )

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के कार्यन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त का किएयों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विभा गया है।

## नगुसूची

यूनिट नं० 254, जो, 2री मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, एस० जे० मार्ग, लीग्रर परेल, बम्बई~13 में स्थित है।

श्रन्सूची जैसा कि कल मं० अई-1/37~ईई/6258/85→ 86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ढारा दिनांक 4-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ऋहमद, सदाम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक : 7-2-1986.

मोहर 🤢

# प्रक्ष वार्षं . दी . एन . एस . --------

1. श्री जम्मक लाल डी० मेहता।

(ग्रन्तरक)

2. श्री प्रभाक्षर जी० भट ।

(अन्तरिती)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

क (यांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-।, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फ़रवरी, 1980

निवेश र्म० म्राई०--1/37/ईई-6812/85--85:---ग्रतः मझे; निसार श्रहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात जिस्ता अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० 1450, जो, इमारत नं० 62, एम० श्राई० जी कालोनी, श्रादण नगर, बम्बई-25 सें स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायवर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 ा ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी दे कार्यालय सें रजिस्ट्री है तारीख 4-6-1985

को पुत्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्विकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित हती किया गया हैं:----

- (क) अनारण से हुड़े किसी आय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या जिया जाग चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त औधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए काययाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की सामील से 30 दिन की व्यक्ति आपे भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोस्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूक्ष्मा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बक्ष किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बदी अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुमुची

प्लैट नं० 1480, जो.इमारस नं० ९२, एम० श्राई० जी० श्रादर्भ नगर, बम्बई 25 सें स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर मं श्रिक्ष्-1/37ईई/6270/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनां ह 4-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया ।

निसार **भ्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, **बस्बई** 

तारीख: 7-2-1986

# प्रकम भार्ते हो प्रमृत्स------

बाथकर मींभनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के अभीन सुवना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन र्जेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनां हे 7 फ़रवरी, 1986

मं० ग्रई--1/37ईई/6791/84--85 ---- श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 303, जो, 3री मंजिल, महावीर स्रपार्टमेंटर, नारायण नगर, सायन-चुनाभट्टी, बस्बई-22 में स्थित है (स्रौर इससे उप बढ़ स्रमुभूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) स्रौर जिनात तरारनामा स्रायार स्रधिनियम 1961 की धारा 269 ए ख के स्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 4-6-1985

की पूर्वेक्सि सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रितिक्ष्ण के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मृक्षे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल सं, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का उन्तर अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रित्कल, निम्निसित उद्देश्य से उक्स अन्तरण निस्त में बास्तिक रूप से किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाव की बाबत उक्त जिथितियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनिधम, 1922 (1922 का 11) या उच्छे अधिनिधम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री जयप्रकाश जे० चावला ।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रतलकुमार एन० पारेख ग्रौर प्राशकुमार एम० पारेख ।

(ग्रन्₃रिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहयां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित. ज्युध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्भष्टीकरण: ----दशमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क माँ परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मो दिया गया है।

#### अन्स्ची

फ्लट नं० 303, जो 3री मंजिल, महावीर ऋषार्टमेंट नारायण नगर सायन बम्बई, चुनाभदी, बम्बई-22में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई-1/37-ईई/6194/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधि हारी, बम्बई द्वारादिनांक 4-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रह्मद, ाक्षम प्राधि हारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक : 7-2-1986.

# प्रकृत बाहु है है प्रकृत सकत करन

भागकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन स्वना

#### भारत तरकार

# कार्यांतर, बहारक नारकर नार्क्त (निर्देखन)

प्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फ़रवरी, 1986

निर्देश सं० श्राई-1/37-ईई/6413,85-86---श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उणित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० पलट नं० 4, जो पश्चिम को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी ए-विंग, जाणिनाथ झुब रोड, बम्बई-28 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 ल, ख ने ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के लायिलय में रजिस्ट्री है, तारीख 4-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपित्ति का जावत बाजार मृस्य, उसके क्रममान प्रतिफल से, एसे क्रममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तम पामा नवा प्रतिकत्त, मिम्नीवीचक सम्बद्ध से उस्त बन्तर्ज़ निश्वत में वास्तविक कप से क्रीयत नहीं किया गया है हु-

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उपत विधिनियम के अभीन कार दोने के बन्तरक के दावित्य में कजी कहने वा उससे वचने में धुनिधा के सिष्ठ; बॉर/ना
- (क) एसी किसी भाग या किसी भर या जन्य आस्तियों को, विन्हें भारतीय नामकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त नियमित्रम, था मन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था क्याने में सुविधा के लिए;

कता चया, उभत काँचनियम की पास 269-ग व बनुसरण औ, भी, उस्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधित :--- (1) श्री रजनो एक्स० देसाई।

(ग्रन्धरक)

(2) श्री ए० रमेश शेट्टी।

(भ्रन्दरिती)

को यह स्थाना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष् कार्यनाहियां सुक करता हूं।

बक्त संपत्ति से नर्पन से संबंध में कोई भी नामीप उन्न

- (क) इस ब्रंथना के प्राथपन में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राष्पत्र में प्रकावन की तारीच कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के बार लिखित में किए जा सकतें।

ल्लाध्यीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय यें क्षिया विकारी।

## मनुसूची

फ्लैट न० 4, जो, ए-विंग, पश्चिम को-म्राप० हाउसिग सोसायटी, काणिनाथ ध्रुव रोड, बम्बई-28 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क ०सं० श्रई-1/37-ईई/6327/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया गया है ।

> निसार आहमद, सक्षम प्राधिकारी. सहायक श्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण), स्रजन रेंजे−1, बम्बई

दिनांक : 7-2-1986. मोहर :

# प्रथम बाही ही एन एक . - - --

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवता

#### गाउत बद्रकाड

# कार्यासय, तहायक बायकर मानुक्त (निर्दाक्त)

🛮 श्रर्जन रेंज-1, बम्बर्द

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी, 1986 निर्देश सं० ग्राई-1/37—ईई/7042/85–86---ग्रातः मझे, निसार ग्रहमद,

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कह्म गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० पुलट न० 62, जो, छठी मंजिल, चित्रकूड, 18/9, प्राप्त ए० सिधवाई रोड़, बडाला, बम्बई-31 में स्थित है (प्रौर इसमें उपाबड अनुसूची सें ग्रीप पूर्ण रूप से वणित है), ग्रीप जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 ए, ख के ग्राधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 24-6-1985

को प्वांक्स सम्मत्ति के उचित वाबार मृस्य से कम के ध्रयमाल कितकस के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास त्यों का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित वाबार क्या, स्था द्वयमान प्रतिकत से, एसे दृश्यमान प्रतिकत का बृह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा बया प्रतिकास, निम्नतित उच्चेश्य से उचत अन्तरण तिविक को वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री कांतिलाल के० टक्कर।

(अन्तरक)

(2) श्री धनेश एन० दोशी ग्रीर श्रीमती सरला एन० दोशी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

जन्त सम्पत्ति भी गर्जन की संबंध में कोई शाक्षेप :--

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तानील से 30 दिन की व्यक्ति औं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्माबिक्षणः - - इसमें प्रयुक्त शब्दों बरि पदों का, वो कव्य अधिमियम, के बध्याय 20-क में परिधाविष्ठ है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

प्लैट नं ० 62, जो, छठी मंजिल, चित्रकृड, 18/9, श्राप्त० ए.० किदबाई रोड, बडाला, बम्बई-31, में स्थित है।

स्रमुची जैसा कि कर संर स्रई-1/37-ईई/6608/85- 86 श्रीर जो गक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-6-1985 को रिजिस्टई किया गया है।

ं निसार श्रहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज-1, बस्बई

दिनांक : 7-2-1986.

मोहर !

प्रकल नार्षः, टीः एमः एतः 🕫 - ----

# नायकर जिन्तियन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के मधीन सुमना

#### सारत बहुकार

कार्यालय, सहायक <mark>शायक र आगुक्त (निरीक्षण)</mark>

प्रजन रेंज-1 बम्बई,

बम्बई, दिनांक 7 फ़रवरी 1986

निर्देश मं० ग्रई-1/37-ईई/6813/85-86:---ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की जारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रह. से अभिक है

ग्रीर जिन्नकी सं० फ्लैट नं० 1340, जो इसारत नं० 46 एम० ग्राय० जी०, ग्रादर्ण नगर, वर्ली बस्बई—25में श्थिस है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनवम 1961 की धारा 269 के, ज के श्रिधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तरीख 6-6-1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का अगरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलियत अद्वरेश से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरम तं हुई किसी अप की बायता, उक्क विचित्रसम के जभीन अर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मृतिभा के लिए बहु/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन वा बन्च बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा के जिए:

नतः अवः उत्तत् विभिनियन की धारा 269-न से बनुबर्द वैं, मैं, उपत विभिनियन की भारा 269-म की उपधारा (1) के वधीर, निस्त्रविधित व्यक्तिके वधार ≝— (1) श्री प्रभाकर जी० भट।

(ग्रन्बर ह)

(2) श्री पुटटोर के० कत्मथ ।

(श्रन्₃रिती)

को यह सुबना बारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

अवत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप 🖫 🥌

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, भी भी मंबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निवित में किए जा कर्कोंगे।

स्यव्यक्तिकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा हु<sup>6</sup>।

## अनुसुची

फ्लैट नं० 1340, जो, इमारत नं $^{3}46$ ,एम $^{7}$ श्चाईजी श्रादर्श नगर, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है ।

प्रमुखी जैंगा फिकल संल ग्रई-1/37—हैंई $_16271_185$ -86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1 बस्बई

दिनांक : 7-2-1986

मोहरा

प्रक्य आही. टी. एन १७३० ० - -

जायकर जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 थ(1) के सभीन सुचना

#### बारत संस्कार

काधीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्राजंन रेंज-1, अभ्वर्ड

बम्बई, दिनांक 7 फ़रवरी 1986

निर्देश मं० श्राई-1/37-ई ई/6802/85-86—यतः, मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाह जिस्त अधिनियम कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकवास करने का कारण है कि स्थानर सम्योगि, जिसका उचिर बाकार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० प्लैट नं० सी-59, जो यूक्रेस इसारत. बडाला, बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 ए, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 4 जून, 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अन्तर्रात की गई हैं है। मिले यह निक्तास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एक्यमान प्रतिफल से एमें इक्तमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप रूप से किथत नहीं किया यमा है "

- (क) अन्तरण मं हाइ किमी आय जो बाबत उचत विभिन्निम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मा कमी करने या उससे बचन पं सुविधा के लिए वरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अनं या अन्य क्षिप्सर्थों की, जिन्हीं भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उकता अधिनियम, यो भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 की 27) ये प्रयोजनार्थ जीविकार किया विशेष किया था था विशेष किया विशेष विशे

बत: नव, उक्त मिनियम की भारा 269-ण ते मण्डरण में, में, उक्त मेथिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (†) के अधीय, सिम्नीविषत व्यक्तियमों, अर्थात :-- 1. श्री बलराम एन० णैंकदानी

(भ्रन्तरक)

2. श्री एम० पीटर

(भ्रन्तरिती)

3 भ्रन्तरिती ।

4 श्रीमती० मोहिनी बी० मकवानी ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
(वह व्यक्ति, जिनके बार में अधेहस्ताक्षरी जानता
है कि वह स्म्पत्ति में हितबद्ध हैं)
को यह स्वना जारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना को गाफीन स 50 दिन को अपधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से कियों व्यक्तित इकड़
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किभी अन्य अमिल द्वारा अनेहिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्योकरण : स्पन्नभारी प्रयास्त काला अन्य पदा ना, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही. बाली अर्थ शोका, जो उन अध्याय में नियम स्या ही।

# अन्सूची

फ्लैट नं नी-59, जो, यूकेंस इमारत, वडाला, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा िक० मं० श्राई-1/37-ई ई/6260/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-1, बम्बर्ड

सारीख: 7-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

आधाक: प्रतिश्वित 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कायांत्रय , अहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्राजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फ़रवरी 1986

निर्देश सं० प्रई-1/37-ई ई/7053/85-86---यतः, मुझे. निसार प्रहमद,

शायकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269 के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मृत्य 1,06,000/- रा. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 51, जो पांचवीं मंजिल, वेस्ट ह्युयू, जामे जमणेद रोड़, दादर, बम्बई-14 में स्थित हैं (भ्रोप इससे उपायत अनुसूची में भ्रोप पूर्ण रूप से विणत हैं) भ्रोप जिसका अगरनामा भ्रायकर श्रिधितयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 25 जून, 1985

को पृथिका संस्पित के उथि। नाजार मृत्य सं काम के इद्यामान विकास के लिए अन्तरित की वहाँ हैं और मुन्ने यह विकास करने का कारण हैं कि वथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित कामार वृद्ध, उपने सम्माम अतिकास ते, एंडे सम्मान अतिकास का पंत्रह प्रतिकास के जिएक हैं और अंतरक (संतरका) और अंधिरती (सन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया प्राधिक में विकास, निम्नीसितित ज्यूबंध्य से उक्त कासरण निष्कित में वास्तिक रूप ने कामार नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उसते वचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

सत्थ सव, उसत अधिनियम की भारा 269-ग क अनुसरका मी, मी, उसत अधिनियम की भारा 269-थ की लण्यास (१) के सभीन, निम्नसिसिस स्वीक्तयों, अधीन :---

- 1. श्री मनी प्रार० सिस्त्री ग्रीर पेनी ग्रार० सिस्त्री (श्रन्तरः)
- 2. श्री माणेल एच० पटेल ग्रौर श्रीमती जस्मिन एस० बिलिमोरिया

(श्रन्वरिती)

य व्हारणकार कारो करके पृथाकित सम्मारित के वर्णन के लिए आरम्ग नाम अस्ता हो।

उन्तर महर्पाल के अर्थन के सम्बन्ध में कार्ध भी वासीप:--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की सबिधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वे कि का व्यक्ति स्थान स्थारा;
- (क) इस सूचना के राज्यभ में प्रकाशन की तारीक है । १ १४२ के भीतर उक्त स्थागर सम्मन्ति में हितकपृथ कि में करण व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के पास कि छित में किए आ सकीं ।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रभुक्त सन्दों तीर इसी तत, सो उसत अधिनियम क अध्याय 20-क भें परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यक्ष में दिया गया ही।

#### वन सची

पलैट नं० 51, जो, पांचवी मंजिल, वेस्ट ह्वयू, जामे जमणेद रोड, दादर, बम्बई-14 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई-1/37-ईई/6618/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-6-1985 को रजिस्टर्ड क्यागमा है।

> निसार ब्रह्मद सक्षम प्राधिकारी यहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

त्।रीख: 7-2-1986

प्ररूप आर्घ.टी. एन. एस . -----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986ू

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई |7065/85-86—यत:, मसे, निसार श्रहमद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके एकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 16-ए, जो संजय सोशायटी, बंगला केमिकल्स के सामने, प्रभादेवी, बस्बई-25 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद प्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 वख के ग्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 25 जुन, 1985

का पूर्विक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुम्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक है से किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंग्री किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तिरी व्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किथा जाना चाहिए था, बिपाने में समिधा के लिए;

अतः अब, उक्त ऑधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---47—516 GI/85 ा. श्री टीं० रविन्द्र

(भ्रन्तरक)

2. श्री टी० सत्विदानन्दम्

(श्रन्तुरिती)

3 मन्तरिती

(बह व्यक्ति,जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)

को यह सूचना जारी कश्के पृथीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशाय की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स। व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्व्यक्षिरणः—~इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

# अनुसुची

पलैट नं १६-ए, जो , यंजय की-ऑए० हाउसिंग सोसायटी लि०, बंगाल केमिकरुप के सामने, प्रभादेवी , बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-1/37-ईई/ 6630/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, वश्बई द्वारादिनांक 25-6-1985 को रिजस्टर्ड निया गया है।

> निसार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-1, बस्पई

तारी**ख** : 7-2-1986

प्रकल नाहाँ <u>टी.</u> एन , एस<u>.</u> हाता न

आधकार विधिनियम, 1961 (1961 को 43) की पाछ भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

## STEE STEEL

# कार्यात्व, बहायक बायकर माय्क्स (निर्देशाण)

श्चर्जन रेंज-1, धम्बई
धम्बई, दिनंक 7 फरवरी 1986
निदेश सं० अई-1/37ईई/6780/85-86---यतः, मुझे,

नायकर निपिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- रा. से अधिक हैं

मं र जिसकी सं पलैट नं ि क्, जो, दि प्रभादेवी सुहूद को-म्राँण हाउसिंग सोसायटी लि ि 581, गोख के रोड़ (दक्षिण), बम्बई-28 में स्थित हैं (म्रोर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में म्रोर पूर्ण रूप से विणत हैं), म्रोर जिसका करारनामा म्रायकर म्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, खे के म्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रा-धिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1 जून, 1985 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के रूपमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है

कि वक्षा पूर्वोक्षत सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एोसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हे और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-मिकित उद्देष्य से उक्त बंतरण निकित में वास्त्रिक रूप है किभित नहीं किया गया है:---

- (क) बरारण से हुई किसीं बाम की बाबत, उक्स वृधिनियन में अधीन कर दोने के बरारक की स्विष्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्ट; अद्वि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को फिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, में, उत्तत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ▼ अधीन, निक्कीमिखित व्यक्तियों, अधीतृ:—— 1. श्री दत्तावय ग्रार० जोशी

(ग्रन्तरक्)

 श्री विश्वनाथ एस० जोशी श्रीर श्रीमती बनीता वी० जोशी

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना बारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन से टिरए कार्यवाहियां करता हूं

अक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई बाक्षेप हुन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पित्यों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, को भीतर पूर्वों के अविधि माने में से किसी स्पवित इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वक्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उपट अधिनियम के अध्याम 20-क में वरिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में विद्रः, गया हैं।

## वनस्थी

पलैट नं० 6, जो, दि प्रभावेवी सुहूद को-प्रांप० हाउसिंग सोसायटी लि०, 581, गोखले रोड़, बम्बई-28 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क. सं० श्रई-1/37-ई ई/6246/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्व (निरीक्षण) ग्रजन रोज-1, बस्बई

तारीख : 7-2-1986

मोहरः :

प्रक्ष आहें. टी. एन. एस...... बाव्यक्षर विधित्वम्, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-क (1) के क्वीन क्वा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरीं 1986 निर्देश सं० श्राई-1/37-ई ई/7069/85-86--श्रसाः मुझे,

निसार ध्रहमद

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चितं इसने इसने परचात् 'उन्त निधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-च के नधीन सक्षम् प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित् बाजार भूका 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1 जो नायगरा वुडहाउस रोव्ड कुलाबा बम्बई-5 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिष्ठित्यम 1961 की धारा क ख के श्रिश्त बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रा है, तारीख 25 जून 1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के स्थित बाबार मूक्य से सम से अवगत् वृतिका के विष वन्तरित की नई है और श्रुक्त वह विवास करने का कारण है कि यंवापूर्वेक्त संपत्ति का श्रीवत बाबार कृत्य, उसके स्थमान श्रीवक्त से, एसे अयगान श्रीवक्त का पूज्य श्रीतका से विष वन्तरिक है जीर वंतरक (वंतर्कों) बीर वंतरिकी (वंतरिकों) के बीच एवं वंतरण के निष् तम् पाया पूजा श्रीवक्त का प्राप्त विवास से उक्त अन्तरण निवित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया न्या है :—

- (क) निकार के ह्या किसी बाद की बावक, उनक विधितियन के बधीन कर बोने के बनारक के वाहितक में कमी करने वा उत्तरी वचने में बृतिधा के हैं बड़ा? बॉर्ट/बा
- (क) प्रेती किथी नान् वा किसी थन् वा बान्य वास्तिनी की, जिन्हें ताउसीन भाषकड विशिवनने, 1922 (1922 का 11) ना उपयु व्यितिनने वा भनकर विशिवनने का भनकर विशिवनने का 1957 (1957 का 27) के प्रमोधनार्थ नन्तरियो स्वाद्ध प्रकट नृहीं किया नवा था वा किया जाना आहिए था, कियाने वे व्यविधा ने किए?

जतः जन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की जनुसद्भन मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) को अभीन, निम्निजित स्वीक्त्रमी अभीत् क्रिक 1. श्री अ्योतिन्द्र मेहता ।

(ग्रन्सरक)

2. श्रो सदाशिव राजू संचन

(अन्तरिती)

3. श्री एस॰ राजू अंचन, श्री एन॰ एस॰ जारोगा, माडेल फ्लैट को-ग्राप॰ हार्जीसंग सोसायटी लि॰।

(वह व्यक्ति: जिसके ग्रधिभोग मैं सम्पत्ति है)

4. श्रा काली एस० सुनतोके
(वह व्यक्ति जिसके बारे मैं ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है
की वह सम्पत्ति मैं हितबढ़ है)

की वह ब्याना भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति में वर्षन की विक् कार्यपाहियां करता हुन्।

उक्त संपरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विषय की वनित सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचता की ताबींच से 30 दिन की वनित सो भी वनित पूनों का व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्तियों में किसी व्यक्तिय व्यक्तियां
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हिट्ट-वहुष किसी वन्त व्यक्ति इवारा, अभोहस्ताकरी के बाद सिवित के किस् वा वकीने।

स्पष्टीकरण्: --इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्यों का, जो उक्त विधिनयन, के बभ्याय 20-क में परिभाषित हैं। वहीं वर्ष होगा जो उत बभ्याव में दिवा गया है।।

#### नग्रुची

पर्लंट नं० 1, जो, नायगरा वुडहाउस रोड •े कुलाबा• बम्बई-5 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्राई-1/37-ई ई/6634/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी- बम्बई द्वारा दिनांक 25-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार श्रहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, बम्बई

तारीख :- 7-2-1986 मोहर। प्रकृष नाह<sup>र</sup>्टी<u>.युन्.एक</u>ः, कन्तरस्य स्वयन

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) की स्थीन स्वता

#### साउत खरनाड

# कार्यामय, सहायक जामकर जायुक्त (निर्देशक)

, ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्दोग सं० ग्रई-1/37-ईई/7021/85-86—-श्रतः मुझे, निसार श्रष्टमद

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'जनत निर्मानय' कहा न्या हैं), की धारा 269-ज के निर्मान सम्म प्राधिकारी की, यह विश्वतस्य करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका कवित बाबार मुख

1.00.000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव कार्यालय प्रिमायसेस नंव 42 जो मिसल कोर्ट ए-विगानरीमन पाइंट वस्वई-21 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्णस्प से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीर्धिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 24 जुन 1985

को प्रॉक्त संपत्ति के जियत नाजार मूल्य से कम के स्वयमान शितपान के निए कस्तरित की नहीं हैं और मुक्के यह विश्वास स्वरने का स्वरण हैं कि यजाप्वॉक्त सम्मित्त का उचित नासार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिपत्त से, एसे स्वयमान प्रतिपत्त का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंदिशितयों) के बीच एसे वंदरण के निए तय पाना पदा शिद-कत विश्वित्यों स्वर्थ ज्यूरोस्य से उनस्य सम्मित्त विश्वित में नास्त-विक स्थ से क्षित मही किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य नास्तिकों का, चिन्हों भारतीय नायकर निभविषय, 1922 (1922 का 11) वा उन्त विभिन्यन, या वन कद निभिन्यन, या वन कद निभिन्यन, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ बन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा किया वाला नाहिए था, कियाने में चुविधा के लिए;

क्षतः शव, वक्षतं अधिविषमं की धारा 269-व के अनुबरण के, में, उक्षतं अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

- मैं सर्स गोपीनाथ इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट कार्पोरेणन (फ्रन्तरक)
- 2. मैंसर्स श्रम्भी एजेंसीज प्रार्श्वेट लिम्प्टिंड । (श्रन्तरिती)
- 3. भ्रन्तरक भीर भ्रन्तरितियों (बहु व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुमना चारी करके पूर्वोक्त संपर्ति में वर्षक के सिरु कार्ववाहियों करता हो।

## बक्त सम्पत्ति के नर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आधीष :---

- (क) इंड सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की जनिए या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिए, की भी जनिए बनें के अवितर पूर्वोदस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृद्धारा;
- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीब क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति इतारा मधोहस्ताकरी के शब् बिक्ति में किए या सके गे।

स्पब्धिकरण :----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भवा है।

# भनुसूची

कार्यालय प्रिभायसेस नं० 42, जो, मित्तल कोर्ट ए-विंग, 4 थी मंजिल नरीमन पाइंट, बम्बई-21 में स्थित है।

ब्रनसुको जैसाकि ऋ० सं० ऋई-1/37-ईई/6587/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> िसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजीन रोंज-1, बस्बाई

सारीख : 7-2-1986

मोहर ।

प्रस्य बार्च , टी., एन., एक,, -----

# आयकर अभितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचमा

#### प्रारव सरकार

# कार्यालय, शहायक भायकर मागुक्त (निर्द्रीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/7023/85-86---यतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं०

वार्यालय प्रिमासेस नं० 41, जो मित्तल कोर्ट ए विग, नर्भमन पाँइंट बस्बई-21 में स्थित है (और इससे उपावद अनुसुचा में और पूर्ण रुप से विणित है), श्रांर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 का धारा 269 क, खके श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रों है। दिनांक 24-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (त) एसी किसी काय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्वता व्यक्तयों, अर्थात् ध---

- (1) मेसर्स गोपानाथ इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट कार्पोरेशन। (भ्रन्तरक)
- (2) मेसर्स अम्पी एजेन्सीज प्रायवेट लिम्टिंड। (अन्तरिता)
- (3) धन्तरक श्रौर धन्तरितीयों। (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पृथिक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुएं ।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्द अ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यवा है।

## नन्त्वी

कार्यालय प्रिमयसेस नं० 41, जो मित्तल कोर्ट, ए-विंग 4थी मंजिल, नरीमन पाइंट बम्बई-21 में स्थित है। श्रनुसुची जैसाकी ऋ० सं० श्रुई/1/37-ईई/6589/

85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-6-1985 को रजिस्टर्ड विया गया है।

> निसार श्रहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बर्ध

दिनांक :--7--2-19886

# प्रक्य वाहै हो पुन पुस , -----

# कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के विभीत सुधना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निवेश सं० ग्रई/1/37-ईई/7039/85-86---ग्रतः

मुझे निसार श्रहमद बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य

1,00,000/- रु. से बिधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव कार्यालय प्रिमायस नंव 604-ए जो
छठे। मंजिल निरंजन इमारत मैरोन ब्राईल्ट् बम्बई-2 में
स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूच। में ग्रीर पूर्ण रूप
से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारों के कार्या ल
में हैं) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधनियम
1961 का धारा 269 क ख के ग्रीधन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्रा है दिनांक 24-6-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बाब के दश्यमाम प्रतिफाल के लिए अन्तिरत की गई है बार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से पन्तह प्रतिशत से अभिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिख एक्ट ये उच्ते अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिख एक्ट ये उच्ते अन्तरण लिखित में वास्तिब्क क्य से क्रियंब हीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण देहुइ किसी आय की यावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी कार्य वा उत्तर क्याने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, कियाने में सुविश्य के हिन्छ;

सतं वर्ग, उस्त अधिनियम की भारा 269-ग के वमुखरण में, में, उस्त अधिनियम की भारा 269-म की अपभारा (1) के अधीन, निम्मतिकिस व्यक्तिकों, वर्णीक ह—

- (1) मेसर्स फरबोटोप प्रायवेट लिमिटेड। (श्रन्तरक)
- (2) मध एल मेहरा श्रौर श्री के० मदनलाल मेहरा। (श्रन्तरिती)
- (3) ग्रन्तर को० ग्रीर श्री क्रुष्णा एम० मेहता। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री मती मधु के ॰ मेहरा (वह व्यक्ति जिसके बारे मैं श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति कुमें हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं हैं
  45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
  व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्त्र्या

कार्यालय प्रिमायस नं० 604-ए जो छठा मंजिल निरंजन इमारत 99 ड्राइण्ह बम्बई-2 मे स्थित है। प्रनुसुना जैसाका फ्र॰ सं० प्रई-०/37-ईई/6605/ 85-86 घीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 24-6-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार १० हमव सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण० ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई

বিদান: 7-2-1986

मोहरः

# प्रकण बाह् .टी.एन.एस.-------

बायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन सुवना

#### भारत करकार

# फार्यालय, तहायक **कायकर काय्**क्त (निर्देशण)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 7 फ़रवरी 1986 निर्देश सं० श्चर्ड-1/37-ईई/7060/85-86--श्चराः

मुझे निसार ग्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० कार्यालय नं० 5, जो, 8वीं मंजिल, स्रीर गाडी पाकिंग जगहनं० 28, स्राकंडिया 195 नरीमन पाँइंट बम्बई, 21 है स्थित है (स्रीर इउसे उपाबज सनुभूची में स्रीर पूर्ण रुप से बणित है), स्रीर जिसका करारनामा स्नायकर स्रिधित्यम 1961 की धारा 269 क, ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 25-6-1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मूल्य से कम के क्याभाव गतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्ल्य, उसके क्यामान प्रतिफल से, एसे क्यामान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नसिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथल नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंग्री किसी जाय या किसी थन या जन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में स्तिया

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ वी उपधारा (1) के अधीन, निम्निबिखित व्यक्तियों, अर्थात् / —

- (1) मेसर्ग अर्नेस्ट जाँन एण्ड व्यपनी प्रायवेट लि०। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती जी० रत्ना शेणाँय श्रीर श्रीमती जय श्री शेणाँय।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

# ड क्ल संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की ठारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

भ्यव्योकरणः—इसमें प्रयुक्त खन्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में विया गया है।

## भ्रन्सची

कार्यालय नं० 5, जो. 8वी, मंजिल, ग्राकिंडिया ग्रौर गाडी पार्कींग जगह नं० 29, 195, नरीमन पाँइंट, बम्बई--21, में स्थित हैं।

श्रनुभुवी जैसा की क्र॰ सं॰ श्रई-1/37-ईई/6625/ 85-86 ग्रॉ.र जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 25-6-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायु त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, बम्बई

विनोक: 7-2-1986

महर:

# प्रकृत् वार्षः, टाँ , वृद् , पृष् , ---------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-च (1) के अभीन सचना

## नाउत सरकाड

# ध्धर्यानय, सहायक नायकर भागुक्त (शिर्दाक्षण)

भ्रजीन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 फ़रवरी 1986 निवेश सं० भ्रई-1/37-ईई/6798/85-86---ग्रत: मुझे, निसार भ्रहमद

भायकार जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्तृ अभिनिषम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के जभीन सक्तम प्राधिकारी को यह निश्वास कारने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीरजिसकी सं० गॅरेज नं० जी 5, जो इमारत नं० 1, नवयुग नगर फ़ोर्जेट हिल रोड, शाडदेव बम्बई-34 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका कर रिनामा श्रायकर श्राधित्यम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनांक 4-6-1985

को पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमत प्रिक्ति के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृल्य, उसके दश्यमान प्रीतफल से एसे दश्यमान प्रीतफल के पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और वंतरित (अंतरिकों) और वंतरित (अंतरितों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया ग्रीतफ से निक्ती किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्ट जिम्मयन के बभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती व्वारा प्रफट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

नक्षः अर्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन जिस्तिविद्या व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्र—

- (1) श्री हिंको जे० पटेल ग्रौर श्री शेरू एच० पटेल । (ग्रन्धरक)
- (2) श्रीमती हंसा पी० गणात्रा ग्रौर श्री प्रविण कुमार के० गणात्रा।

(भ्रन्वरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

## उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी शाक्षेप हा---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी विषय नाय में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारौंस से 45 किन को भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी की पास सिवित में किए जा सकारी।

स्पष्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त बिश्रनियम, के अध्याम 20-क में पीरभाषित ह<sup>1</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याम में दिया गया है।

# अनुसूची

गॅरेज नं० जी-5, जो हमारत नं० 1, नवयुग नगर फोर्जेट हिल रोड, ताखदेव, बम्बई-34 में स्थित है।

ग्रनुभूची जैनाकी कि सं० ग्राई-1/37–ईई/6256/85–86 और जो सक्षम प्राधिकांरी बम्बई हारा दिनांक 4–6–1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज−1, अम्बई

दिनांक: 7-2-1986

प्ररूप जाई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सृचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरक्षिण)
अर्जन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्वेश सं० ग्रई-1/37-ईई/6801/85-86---ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2 एक जो मलबार श्रपार्टमेंटम नेपियनसी रोड, बम्बई-6 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में ग्रीर पूर्ण रुप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के अर्थालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 4-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रौतफल के किए संतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करमें पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय भूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत शन्तरण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य लिखित में वास्तियक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आक की वाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

अतः इ.स. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के सन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के ज़जीन, निक्तिकांकत व्यक्तियों, अर्थात् :--48---516GI/85

(1) श्री बहरमल उधाराम ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कुम कुम प्रसाद

(ग्रन्ति)

(3) माणेक लाल मैन्यूफ्कचरींग कंपनी लिए। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की जारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी प्रिक्तयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त त्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्भ्या अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दो और पर्दो का, जो उक्त अधिन्यमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

फलॅंट नं० 2 एफ, जो, मलबार श्रवार्टमेंटम, निपयन सी रोड, धम्बई-6, में स्थित हैं।

श्रमुमी जैसाकी ऋ० सं० श्राई/1/37-ईई/6259/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985 को रजीस्टई विया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—1, बम्बई

दिनांक: 7-2-1986

प्रक्रम आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीन मुमना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्तण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई, बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986 संव श्राध-1/37-ईई/7000/85-86-

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/7009/85-86---ग्र<sub>ि</sub> मुझे निसार श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ब्रौर जिसकी सं० कार्यालय प्रिमासेंग नं० 209, जो नीलकंठ इमारत, मरीन ड्राइव्ह, वम्बई-2, में स्थित हैं (ब्रौर इससे उपावड ब्रमुक्ती में ब्रौर पूर्ण रूप से बणित हैं), ब्रौर जिसका करारनामा ब्रायकर ब्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के ब्राबीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नायलिय में रजीस्ट्री हैं दिनांक 21-6-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य ने उस्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कभी कंपने या उससे बचने में सिविधा के जिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जान्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने से वै विद्

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री दलीय ग्रार० लल्ला।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री श्रार० मी० मिस्त्री।

(श्रन्तरिती)

(3) अक्तरिती। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के जर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

## तकत संपत्ति के अर्जन सबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी बविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेक्ति व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति स्वारा;
- (छ) इस सूचना के राज्यन में प्रकायन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए वा सकारी।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपते अधिनियम, के बध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं.

# धनुसूची

कःयालिय प्रिमासेस नं 209, जो नीलकंठ इमारत, 98 मरीन झाइव्ह बम्बई-2 में स्थित है। श्रनुसूची जैशाकी क० सं० श्रई-1/37-ईई/6575/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 21-6-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निशार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैंज-1, बम्बर्ड

दिनांक: 7-2-1986

京都町 明信 、 8月 - 19日 - 15日 - 15

# नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीत स्चना

#### नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं ० प्राई-1/37-ईई/6917/85-86--प्रात:

मुझे, निसार प्रहमद,

भागकर अभिनियम, 1901 (1961 का 43) (जिसे इस्मे इसके पदश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की भाष 269- व के अधीन सक्षम शाधिकारी को यह विद्यास करने का धारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार जल्य 1,00,000/- रह. से आधिक **ह**ै

भ्रौर जिसकी सं० 11वी. 12वी, मंजिल, पर जो होचेंस्ट हाउरा 4, गॅरेंग में साथ बम्बई-21 में स्थित है। (त्रीर इपसे उताबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण एप स विणित है), ग्रीर जिस्ता एरास्तामा श्रायक्र ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 🗅 ख 🖰 प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि ।। री के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 13-6-1985

का पूर्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य सं कम कं श्रथमान को लिए अन्तरित की गष्ट् अरि मुभ यह विष्यास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) क्रम्सिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के न्निए तय पावा गया प्रतिफल निम्नसिवित उद्विषय से उक्त अन्तरण सिविष्ठ में बास्तविक स्प से किया नहीं किया गवा 🕏 🖫 --

- (क) यन्तरक संध्यं किसी वाय की बादत, उक्त बिधिनियम् कं बधीय कर दोने के अन्सरक औ दायित्व में अध्यो करने या उच्च यचने में सुविधा के सिष्; जौर∕वा
- (क) ऐसी किसी बाय मा किसी धनुया अन्य बास्तियो को जिन्हें भारतीय जाय-कर व्यक्तियम, 1922 (1922 का 11) या इन्स अधिनियम, या धन-कार अधिसियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थ अन्तरियो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ভिषानं में सुविभाके लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसर अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के कभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धांत :---

- (1) सिक्युरिटी ट्रेंडिंग सिडीकेट प्रायवेट लि॰ । (ग्रन्तरक)
- (2) आसोसिएटेड बेग्नरीग प्रायवेट कंपनी लिए। (भ्रन्दरिती)

का ग्रह सुचना बार्टी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्थाना के राज्यन में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 विन की जन्मिया तत्सम्बन्धी स्पन्तियों पर सुचना की तामीस से 30 दिन की मधीन, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियाँ में से किसी स्पक्ति दुशारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिका में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में विद-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी की पास लिक्ति में किए जा सकोंगे:

च**ब्बीकरण ---इ**समं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्-जिथितियम के जध्याय 20-क में पीरिंगिधिह हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय भा दिया गया है।

# ग्रनुसूची

क योलय प्रिमासेस नं० 11 श्रीर 12, मंजिल, पर जो होचेस्ट हाउस नरीमन पहिट 4 गॅरेज में साथ बम्बई-21 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/6486/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-6-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमध मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिवांग: 7-2-1986

मोहर 🖫

प्रकृष वाहें व्हार एन स्थाप-

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) हो नवीय क्या

भारत सरकार

# कार्बाबन, सहायक मायकर माय्क्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986
निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई, 6867, 85-86-ग्रदः
म्हा निसार ग्रहमद

नामकर निर्मायन 1961 (1961 का 43) (विस्ते इसके इसके वस्थात् उपत निर्मायन' कहा गया ही, की भाष 269-व के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास कारने का काइन ही कि स्वावर सम्पत्ति विद्यात उचित वाकार सूच्य 1,00,000/- रा. से नभिक ही

श्रौर जिसकी सं० पर्लंट नं० 31 जो प्रभा मंदीर को० श्राँप हार्डास्य सोसायटी लि०, पी० बालू मार्ग प्रभा देवी, बम्बई-25 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रौर पूर्ण रू० से वणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिंस्ट्री है। दिनांक 4-6-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अस्तरित की गई है और मूको यह विश्वास करा का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे वश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत सं अभिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अस्तरितिकों) को बीच एते अन्तरण को तिष्ट्र तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथिब नहीं किया पदा है:—

- (क) जन्तरण ने हुई कियों शाय की वावड़, दशत वॉथ-निवस के नधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी कड़ने वा उससे वजने में सुविधा के लिए: शीर/वा
- (च) ऐसी कियो नाव ना विस्ती मन या अन्य आस्तिकों को जिन्हों भारतीय आक्षकार निर्मानकम, 1922 (1922 का 11) ना उक्त अधिनियम, वा भनकार निर्मानयम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ नन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया न्या था वा कियाने हो सुविधा में रिस्ता।

नतः अन्, उत्तर नीभिनयम की भारा 269-य की नन्तरण मों, मों, उत्तर अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को नभीत, निकासियन व्यक्तियों, स्थाह (1) मृष्दं वी० वरेरकर।

(भ्रन्दरक)

(2) डा॰ सतीश पी॰ वाये श्रीर श्रीमती 'स्मिता एस॰ वागे।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारींत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्प्रति में हितबब्ध किसी बन्च व्यक्ति ब्वाय अपोहस्ताक्षरी के पास सिचित के किय वा सकीने।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

# **अम्स्**ची

फ्लैंट नं० 31, जो प्रभा मंदीर को श्राप० हाउसिंग सोसायटी पी० वाल मार्ग, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है। श्रनुभूची जैसाकी क० सं० श्रई-1,37-ईई,6416,85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वार, दिनांक 4-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज़⊸1, वस्बाई

दिनांकः -- 10-2-1988 मोहरः प्रकार नार्षे , टी , एन , एस , ------

कायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के नभीन स्वना

## भारत सरकार

# कार्यासय, उद्यापक नायकर नायुक्त (विद्वीकान)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांदः 10 फरवरी 1986 निदेश सं० श्चई/1/37-ईई/6848/85-86--श्चदः मुझे निसार श्रहमद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्राँर जिसकी सं० ग्रीधोगिक यूनिट नं० 19, जो तल माला टी० वी० इंडिस्ट्रियल इस्टेट प्लाट नं० 248 (ए) बरली बम्बई-18 में स्थित हैं। (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में ग्राँग पूर्ण रुप से विणित हैं), ग्रीर जिसका सरारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 दे, ख के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 6-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिशत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिशत से, एसे व्ययमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिकृत से विभिक्त है और बन्तरक (बन्तरकों) और बंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए त्य पाया गया प्रतिशत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में पास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाद की बावत, उसत अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के साबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/वां
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपानं में समिका के लिए;

बत्तः अब, उक्त जीवनियम की धारा 269-म के जनुसरण तो. मी. उक्त अधिनिवस की धारा 269-च की उपधारा (ो्रं के अधीर निजनतिविक व्यक्तियों, वचित्र स—— (1) श्री मती हरनाम कौर।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स पॅरेड।इज ट्रेडिंग कापॅरिशन क्षारा भागीदरा एन०के लालीबाला निरेश एन० लाली बाला ग्रांर जयेश एन० लाली बाला।

(श्रन्त्ररिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सञ्चाति के बर्चन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की नविध, जो भी नविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वित्यों में है किसी स्वदित ध्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के गात निवित्त में किए का सकेश।

स्वध्दिकरण :---इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिधम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नन्त्वी

यूनिट नं० 19 जो तलमाला टी० वी० इंडस्ट्रियल इस्टेट प्लाट नं० 248 (ए), सदाम कालु फ्राहेरे मार्ग फ्राँर वरली रोड, का जंक्यन न्लैंक्सो के पिछे वरली बम्बई— में स्थित है।

श्रनुसूर्ध। जैसा कि ऋ० सं० श्रई-I/37-ईई/63041 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायु त (निरीक्षण) श्रजन रैज-1, बम्बई

दिनांक :-- 1 0--2-1986 मोहर :-

## बक्य बार्ड टी.एन.एस.----

# भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के बचीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1, बम्बई

मुझे निसार ग्रहमद

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269~ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/~ उ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फलॅट नं० 61, जो 6ठी, मंजिल, चित्रकूट श्रार० ए० किडवाई रोड, वडाला बम्बई—31 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 1-6-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मूक्य से कम के क्षरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब बामा गबा प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उचत अन्तरण किंबित में वास्तिबक रूप से किंधित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण तं हुइ किसी बाब को बाबल, उसत वीधनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के दिए; बॉर∕या
- (ख) ऐसी किसी आय या फिसी धन पा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती कुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में स्विधा के जिल्हें;

बत्क वव, उन्त विभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उन्नत अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) अं अभीत, विश्वलिखित व्यक्तियों, जभात ८—- (1) सुभाषचंदर के० भंबारी ग्रीर ग्रविनाश सी० भंबारी।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कांतीलाल के० टक्कर।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी कारके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्थन के सिप् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 विन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की जविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअब्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अवोहस्पाक्षरी के पास लिबित में किये जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उन्सः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया **ह**ै।

## प्रनुगुचा

फ़लॅट नं० 62, जो 6ठा मंजिल चित्रकूट, 18/9,  $\pi$ ।र० ए० किडवाई रोड, बडाला, बम्बई-31 में स्थित है।

ग्रानुसची जैसाकी क्र० मं० ग्राई-1/37-ईई|6231|85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 1-6-1985 को रजीस्टडं किया गया है।

निसार श्रहमद मलम प्राधिकारी सहायक श्राधकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2, बस्बई

दिनांक :-10-2-1986 मोहर: THE CONTROL OF A C प्ररूप आहुँ, ही, एन, एस,-----

मागकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बर्ड, दिनौक 10 फरवरी 1986

निदेश मं० ग्रई- 1/37-ईई/6804/85-86--यत: मुझे निसार अहमद

शायकर गणिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसर्गे इसके पश्चात् 'जनतः अधिनिवस' नाहा गया है"), की भारा 259-च के जजीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1 .00,000/- रह. से अधिक **ह**ै

जिसकी सं० फलॅट नं० 315 जो 3र्र मंजिल बांम्बे मार्केट श्रपार्टमेंटस, ताडदेव बम्बई-34 में स्थित है। (भ्रौर इससे उरावड़ श्रन्सची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णन है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनाँक 4-6-1985 🙀 वृत्रोंक्त संस्पत्ति के उचित बाकार मृत्य ह कर के क्वमान गीतफल के सिद् अन्तरित की गई है और बद्ध विद्यास करने का क्वरण है कि यभापनिकत सम्पत्ति का उचित नाजार रूक्य, संबद्ध स्वयंत्रान प्रतिकास ती, एसे स्वयंत्रान प्रतिकास का बन्ध्य प्रतिकत से अभिक है गरि अंतरक (गंतरका) और अंतरिकी (अन्तरितियां) के दीम एसे अन्तरण के लिए तम पामा नमा इतियास, निकासिकिक उनुविद्यों से तक्त बन्धरण किवित मे

हास्तविक क्व से किया नहीं किया नवा है :---

- (क) जलमन से हुए किसी काम की राज्य क्षमा मनि-निरुप भी अभीन कर दंभे के तथरण के दायित्व हो कनी क्षेत्रचं वा उपने संचने घें स्थिया की विका और /या
- (स) ऐसी किसी आय या किमी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर जीभनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती कुशरा प्रकट नहीं फिला क्या था या विका जाना पाडिल था. कियाने में सविवा के चित्र;

ब्दाः कवः, संबत् विभिन्नवा की भारा 269-म से वस्थरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-भ की उपभार (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अभीत ।

(1) श्री नपरायणदाय जो जियानी।

(ग्रन्तर्क)

(2) श्रो पो० वी० रामन।

(ग्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिनके श्रधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके एवा कित मम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवादियां करता दां।

बन्धत सम्पत्ति को कर्पन को सम्बन्ध में कोई भी जालोप :----

- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाश्यम की तारीच सं 45 बिन की अविध या तत्वंबंधी व्यक्तियाँ वर सुचना की तानील से 30 दिन की नविष, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर वर्गोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बवारा:
- (श) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासन की तारीस है 45 बिंग के जीतर जक्त स्थापर सम्बक्ति में द्वित-क्ट्रभ किसी मन्य व्यक्ति बुवारा वभोडलाक्षरी के पास सिखित में किए जा सकते।

<del>राजाकिरण:---इक्रमें प्रमुक्त शब्दों और पहाँका, जो सक्त</del> भविनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होता. जो उस अध्यास में दिस् स्याः 👫 ।

# वन्स्ची

फलैंट नं० 315, जो, उरी, मंजिल, बाम्बे मार्केट अपार्टमेंटम नाइदेव बम्बई~34 में स्थित है।

श्रनुसुचो नैपाकी का० मं० ग्रई-1/37~ईई/6262/ 85-86 और जो यक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 4-6-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निमार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायह आयहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

विना म :- 10-2 - 1986

# प्रकपः अर्थाः दीः एनः एसः, - ≥ - ≥ -

बारकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 259-स (४) के अभीव मुख्या

#### भारत धरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज- 1. ब्रम्बई बम्बई, दिनाँक 10 फरवरी 1986 निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/6782/85-86--ग्रत: मुऊं निसार श्रहमद

बायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षय प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण ह<sup>4</sup> कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 / - रत. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० दूकान नं० 8, जो तल माला, गुलश श्राबाद इमारत, फांकलॅन्ड रोड, बम्बई-7 में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 268 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनाँक 1-6-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मुख्य से कम की अस्ववान, प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह जिस्सास कारने का कारण है कि यथापुर्वेचित सम्पत्ति का उचित वाबार मुख्य, उसके ध्ययमान प्रतिकास से, एसे ध्ययमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और अंसरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एोसे अंतरण के लिए सब पाया गया प्रति-क्रम निम्ननिषित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में शस्तविक अप अे राधित नहीं किया नवा ड्रॉं क्र—

- 🏰 शन्तरण संहुद क्रिकी माथ की भावत, सकत विभिनियम के प्रधीन कर येने के अन्तरक के शाबित। में काशी कारने या अससे बनाने में सुविधा के किए. सरि/या
- (111) (रेसी किसी आप या किसी धन या बन्य व्यास्थियों को, जिन्हों भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 2<sup>0</sup>) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकाट नहीं किया गटा था या किया भाना नाहिए था, कियानं ये शायका में किया.

बतः जब, जबत अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण हों, पं', उक्त साँधनिश्रम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधित ६---

- (1) मेमर्म अरीस्टो, कन्स्टुक्शन प्रायवेट लिए। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री श्रणरफ हबीब सिनापारा श्री श्रब्दुरुला श्राय० चौथरी स्रोर श्रो युन्स युमुफ जगरालह। (अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करने पूर्वोंनल कम्पत्ति के अर्जन की जिए कार्यवाहियां करता 🖅 📵

क्षमा कम्परि के वर्षन ने संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र गें प्रकातन की तारीच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की वामील से 30 दिन की सविध, जो भी वनभि बाद में समस्य होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किली व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वता क राज्यत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में द्वितवद्वध किसी बन्न व्यक्ति दुवारा, वधोद्दस्ताक्षरी के पास विविध में किए वा सकेंचे।

स्मर्व्यकरण:---इसमें प्रयुक्त सच्चों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित 🧲, वहीं वर्ध होगा जो उस मध्याय में विया गवा है।

# नन्स्ची

दुकान नं० 8, जो, तल माला, गूलणन माबाद इमारत, फांकलॅन्ड रोड, बम्बई-7 में स्थित है।

ग्रन्मुको जैसाकी ऋ० मं०ग्रई-1/37-ईई/6248/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-6-1985 को एजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुच्त (निरीक्षण) श्रानेन रेंग-1, बस्बाई

दिनाँक :- 10-2-1986 मोहर:-

प्ररूप बार्ष्, दी. एन. एव. -----

बायकर मधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के बधीन सचना

#### भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्रक)

ध्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 10 फरवरी 1986 निदेश सं० धर्ड-1/37-ईई/7535/85-86---ध्रनः

मुझे निसार ग्रहमद

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित बाजार अस्व 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० ग्रीद्योगिक माला नं० 8, जो चंपकलाल उद्योग भवन सायन (पुर्व), बस्वई—22 में स्थित है। (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जियका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्राधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनाँक 24-6-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तर्गिता) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिचित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निचित्त के रास्तिक क्ष ए कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था भा या नियम पाना नाहिए था, छिपाने में सिवधा के प्रिकट:

भंतः प्रमा, उक्त निभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपवास (1) की अधीर निम्मिनिक्त व्यक्तियमें, मधीत ए——
49—516 GI/85

- (1) के० पोपटलाल गिरधरलाल एण्ड कम्पनी। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री भरत जे० महा। (अन्नरिती)
- (3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

## उच्च सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामींश से 30 दिन की अविभ, जो भी जविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिसा एका है।

## श्रनुसूची

श्रीछोगिक गामाप नं० 8, 105, चंपकलाल उद्योग भवन, सायन (पूर्व) बम्बई-22 में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकी क० गं० श्रई-1/37-ईई/6601/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनाँक 24-6-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद ाक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेज-1, बस्बई

दिनाँक :-- 10--2--1986 मोहर :-- प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1. अम्बई

बम्बई, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निदेश मं० प्रई-1/37-ईई/7031/85-86--म्ना:

म्झे निसार अहमद

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26% स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिनकी मं० फलॅट नं० 21/20-बी०, जो गंकर कुपा प्लाट नं० 201, बडाला, बम्बई-31 में न्यित हैं। (और इनमें उपाद्य अनुभूती में और पूर्ण ध्य में विज्ञत हैं), और जिमका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ए. ए के अधीन बस्बई न्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजील्ड़ी है। दिनौंक 24-6-1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पुत्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के िए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, अवत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) नारायणदाय बी० भाटीया।

(भ्रन्तरक)

(2) प्रविण प्रेमजी धनानी भीर हैमलता पी० धनानी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण ---- इससे प्रयुव्ध शब्दों और पदों का, जे उक्त अधिनियम, के एध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>8</sup>, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अम्स्यी

पत्रैट नं० 21/20-त्री०, जो, शंकर कुम, ज्लाट नं० 201, बढाला, बम्बई-31 में स्थिन है।

श्रनुद्वी जैनाकी कि० सं० श्रई-1/37-ईई/6597/ 85-86 श्रीर जी नक्षम प्राधिकारी बस्बई ढारा दिनांक 24-6-1985 को रजीस्टई किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधि हारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजन रेंगे 1, बस्बई

दिनाँक :-- (०-2--1986 मोहर :-

# 

# भागकर गिंभीनयस, 1961 (1961 था 43) की भारा 269-थ (1) के गंभीन स्वदा

#### भारत सकार

# कार्याजय, तहायक जायकर नवमुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, वम्बई

बम्बई, दिनांग 10 फरवरी 1986

निदेण मं० अई--1/37--जी/5235/85--8C---अत: मुझे, निसार अहमद,

नायकर बीधानवज, 1961 (1961 का 43) (बिल इसमें इसके बध्धात् 'उनक अधिनिवज' कहा गया हैं), की खादा 269-क के अधीन तक्षक प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस-ता उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव सीव एसव नंव 1715, भूलेश्वर डिविजन, दावीशीठ अग्यारी लेप, बस्वर्ष में स्थित हैं (श्रीर उपावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण का ने विधान है), जिसे और जिसका करारनामा आयकार अधिनियम, 1961 की धारा 269 के से के अधीन बस्बर्स स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी हैं। दिनांच 5-6-1985

को पूर्वीक्य अग्रीम के उसिन गजार मन्य म कम क दश्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरनं का कारण हूं कि वथापूर्वीक सम्भत्ति को उपित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिकृत व प्रमुख्य प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, जिन्नीलित उद्देश्य स उनस अन्तरण निर्देश कर व निर्देश मार्था है .—

- (क) जन्तरण से हाई किसी कार की बाबत, उन्न अभिनियम के जभीन कर बीचे के अम्सरक के दासित्व में कभी करने या उसने बचाने में सुविधा के सिह; क्वर/मा
- (थ) इंसी किसी काय या किसी जन या अस्म आस्तियों साँ, जिन्हा भारतीय आयक्तर अधिनिमन, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अधिनियम, वा शनकर अधिनिजम, 1957 (19! / का 27) के प्रवोजनार्थ जन्तिरिती ब्यास प्रकट नहीं किया गया था वा किया साम साहित था, कियाने में सहित्या के किए;

बक्क बच, उनत अभिनियम की भाषा 269-म के अनुसरण 4", बी, उनते अधिनियम की भाषा 269-च की उपयास (1) के अभीन निम्निसिस्त व्यक्तियों, अभीत ह

भारता कर्ता । विभाव विकास कर्ता । विभाव कर्ता । विभाव कर्ता । विभाव कर्ता । विभाव कर्ता ।

(47135)

(2) मेक्स रमेणचंद्र इतराज एण्ड कंपनी।

(क्टा जी)

(3) कुमार ट्रेडिंग कंपनी (2) सुखीबाई छगनलाल (3) फेतेचंद राख, (4) रमेश राख, (5) भूरालाल एच० ग्रहा और (6) रमेश एच० ग्रहा (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना जारी करक प्रजित सम्पत्ति की अवने की जिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में अक्शशन की सारीक स 45 विन की अविध ना श्रत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील के 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्यापः
- (ब) इस स्वना के राजपण मों प्रकाशन की तारांख स 4.5 दिन की भीतर उपत स्थापतर सम्मति का शिवक्त किसी कन्य व्यक्ति व्याच अवोहस्ताक्षरों के पाप सिसित में किए जा सके

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन्स्ची

अनुपूची जैसाकी विशेष संवर्शम 267/78 ग्रीस जो उपर्जिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनास 5-6-1985 की रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अस्तर राक्षम प्राधिकार राहायक आयक्षर अस्तुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बर्

दिभाक: 10-2-1986

माहर:

प्रकथ आई. टी.एन.एस.------

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत तरकार

## कार्यातय, सङ्घायक जायक ए नागुनत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

निदेश स्० अई-1/37-जी/5236/85-86---अतः मुझे, निसार ग्रहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मी० एउ० 1191, भायखना डिविजन बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण प से वर्णित है),

और जिसका करारनामा आयकार अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्टी हो। दिनों 5 5-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके हर्यमान प्रतिफल से, एसे हर्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित को बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के सधीन कर दोने के अन्तरक के खिक्त में खनी खरने वा उसने क्यमे में बृधिका के लिए; और/वा
- (बा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वें, मैं. उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अधीत :--- (1) इब्राहीम मोहम्मद कारूकर।

(अन्तणकः)

- (2) मोहमद फारूड मोहमद इक्राहीम कुरेशी। (अन्तरिती)
- (3) भाडूत। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध या सरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सर्कोंगे।

स्पन्धिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

अनुसूची जैसाकी विलेख सं० बाँम 1560/79 श्रीर जो उपर्राजस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 5-6-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिजारी सहायक आयकंर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

हिनांक: 10-2-1986

प्ररूप गाइ. टी. एन. एस.-----

# बायकर निर्मानयम्, 1961 (1961 का 43) की बाख 269-व (1) के ब्रुपेन क्वना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक शायकर बायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

वम्बर्घ, दिनां र 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-जी/5237/85-86---अत: मुझे निसार अहमद

बायक र जिथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया हुं, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हुं कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाबार मृज्य 1,09,000/- रा. से जिथिक हुं

ग्रीर जिसकी संव अरार्टमेंटस् नंव 603, जो, 6टा मंजिल, पंचिशिल सीव रोड, जिसका सीव एसव नव 1729 फोर्ट डिविजन, चर्चगेट है तथा जो बस्बई में स्थित है (आर इससे उनाबड़ अनुसूचा में ग्रोप पूर्ण कर रार्वाण है), प्रजीस्ट्री जिस तथी अर्था के कार्यालय बस्बई में एजोस्ट्री जिल्ला अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनां क 5-6-1985

को प्रतिका सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम को नदयमान श्रीतफल को लिए अंतरित की गर्द है और मुन्ने मह निरुवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उशके प्रदेणमान प्रतिफल से, ऐसे पर्यमान प्रतिफल को बन्ताह प्रतिकृत् से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरित्यों) को बीच एचे अल्तरण के लिए तय पाया गया कस दिन्तरित्यों को बीच एचे अल्तरण कि लिए तय पाया गया कस दिन्तरित्यों को से सिए तस अन्तरण जिस्ति में बास्तिक में बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है :---

- (क), अन्तरण हे हुइ' किसी जान की यावत, उचक अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; आर/या
- ्य) एसं किसी नाय या किसी भन या नृत्य मास्तियों की, विन्हें भारतीय कावकर निभीवसन, 1922 (1922 का 11) या अपन अधिनयम, या प्रान्कर मुश्चित्रका, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजना बन्तरियी द्वारा प्रकट वहीं किसा गया या या रक्ष्या जाना चाहिए था, छिपान मा साविधा के विष्

नतक नथः, जनत निधिनियम की भारा 269-ए के अनुतरण् मों, मी जनत निधिनियम की भारा 269-च की जपभारा (1) के अधीत, निध्वतिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) लेखवंत लाल शिवभाई एटेल ।

(अभ्यरक)

(2) श्री प्रमोद अमरीतलाल पंजानी, श्रीमती इद्रूपंजानी, और प्रमोद अमरीतलाल पंजानी (हि.अ.करु.) । (अन्तरिती)

(3) अन्तरक और उनका परिवार। (वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह त्यमा धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से मर्बन से तिथ् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कीड़ भी वालंप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ५२ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्पवित द्वारा;
- (स) इस मूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस है 45 दिन को भीतर उच्या स्थावर सम्पत्ति मों हितसकूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर। को पास निश्चित मों किए जा सकी।

स्पन्दीकरणः - इसमा प्रयूक्त गम्बो और पदो का, जो उक्त जिल् नियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हाँ, वहाँ वर्ष होता, जो उस अध्याय में प्रिया गण प्रो

#### ----

अनुपूची जैनाकी विलेख सं० बॉम 1243/81 और जो उपरजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिमांक 5-6-1985 की रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बम्बर्ष

दिनां म : 10-2-1986

# प्रकृत कार्यः हो, इतः एवः -------

माध्यार वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्म 269-व (1) के नवीन सुचना

## MAN APPLICA

# कार्कालय, बहायक बायकर जाव्यत (निर्धिक)

अर्जन रेंत-1, बस्बई बम्बई, दिलांग 10 फरवरी 1983

भिदेश मं० अई-1/37-जो/5240/85-86--अत: मुझे भिसार अहमद

बाबकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें वहकी वहकी 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन बक्षन शाधिकारी की, वह विद्वात करने का कारल है कि स्थान सम्पत्ति, जिसका अधिक बाजर मृज्य 1,00,000/- रेंड. से अधिक हो

स्रोर जिसको सं० सी० एस० नं० 60/661 मलबार खंबाला हिल डिविजर मी० एस० नं० 1275मेघ बनुष्य, 5 फोर्जेट, हिल रोड, बम्बई-35 से लिया है (स्रीर इला उपाबक स्रमुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री लि स्रीधकारी के लायलिय, बम्बई में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनयम 1908 (1908 ला 16) के स्रधीन नारीख 6 जून 1985

कः वृतोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से काम को दक्यमाः प्रांतपक के लिए जन्तरित की गढ़ हैं क्षेत्र मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि समापुर्गेक्त सम्पत्ति का उचित कक्कर जून्य उसके दश्यमान प्रक्रिक्त हैं और बंदरक (अंतरका) और वंतरिती (अंतरितियाँ) को बीच एके बंतरण के सिद्ध स्व क्ष्या नया प्रतिप्रम, विक्रिक्ति उद्देश्यम से अक्षर बंतरण के सिद्ध स्व क्ष्या नया प्रतिप्रम, विक्रमित्रित उद्देश्य से अक्षर बंतरण विक्रम संविद्य से अक्षर बंतरण के सिद्ध स्व

- (क) बासरण से शुर्व किसी बाय की शब्द, अभव वीधीनवृत्र को ब्योग कर बाने के ब्यहरक के की उत्य को कारी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए, जीर/या
- (ण) ऐथी किसी आय या किसी थय वा जन्म अस्तियों कां, जिन्हीं भारतीय कार्यकर विशिवनंत्र, 1922 (1922 का 11) या खन्त वाधिनवन, या धन-कर वाधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ अन्तरिती क्याय अन्तर नहीं किया गया भा या किया भागा शाहिए था, छिपान यो सुधिया की सिद;

अतः अन्, उस्त अभिनियम की भारा 269-ग के अमृसरण में, में, उन्न अधिरित्यम की भारा 269-य की उपधारा (1) के अभीन, निम्मिसिसिस व्यक्तियों, अर्थारा कि (1) श्री मर्ता दहीबाई देवकरन सोधा।

(প্রকাশক )

(2) श्री रोहिन बी० प्रजापित।

(अन्तरिती )

(3) श्री मर्ता विजया लक्ष्मी मोहललाल पारीखा । (वह ब्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है )

का बहु सूचना त्रारी करके पूर्वीक्त संपीत्त के बर्धन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

# सकत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कार्ष भी भाषांप :---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीव वें 45 दिन की अतिय या उत्पन्न में व्यवितयों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अव्धि, वों भी अव्धि नेव में ममस्य होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट नेव वर्षे में ने विक्त स्वोक्त श्वास
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के मीसर उक्त स्थापर सम्पत्ति में द्वितसद्ध किसी जन्म स्थापित प्रधार अभोहस्ताभारी के पास जिल्ला के किया का स्थाप

स्वक्योकरण:--श्वमं प्रयुक्त शब्दों और पवों का, थी अवह अधिनियम के अध्याव 20-क वे परिभाविष्ठ हैं, मही अर्थ होता जो उस स्थ्याम में दिया नवा हैं।

#### **अम्**स्चा

श्रनुसूचा जैशा कि विलेख मं० 163/82 श्राँर जो उपरजिस्ट्रार बन्बई द्वारा दिनां स् 6-6-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमध ःक्षम प्राधिकारी यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बस्बई

दिनां ८ :-10--2--1985 मोहर: प्रकार प्राप्ती होते. एतः एस व्यवस्थान

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन मृज्या

#### नारत तरकरर

कार्यालयः सहायक वाहकर रागुकः (निराधिकः) अर्जनः रेज-1, बम्बई वम्बई, दिशा । 10 फरवरी 1986

िदेश अई-1/37-जी/5241/85-86---अतः मुझे, निसार अक्रमद

बागकर भोजनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसकें इसके प्रथमान् जिस्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ल के बाधीन शक्षम एपिकाणी की यह जिल्लाम रहने दा सारण है कि स्थाप स्थापित, जिल्ला ने उन रहार पृथ्य 1,00,000/- क. से अधिक है

श्रीण िसकी ग्रंबिमी है। किया और घर है साथ, तनी रोड़, पाना राम मोहन राय मार्ग, पिरण संव्यान ने 1344, श्रीण 1345, गिर्गाव डिलिका, वस्त्रही में हैं तथा जो बस्बाई में स्थित है (श्रीण इस्ता उपायड अनुसूची से श्रीण पूर्ण कप से व्यान है). श्रीण जिसकी करारतामा श्राय्य प अधिस्थित, 1961 की घर्ग 200 र र वे इश्रीण दस्त्री स्थित स्थाम श्रीकारी के वार्याय से प्राप्ट है नारीख 10 जुन, 1985

को प्रोंक्त सम्पत्ति के जीकत बाजार मस्य में कम के क्यमान प्रतिकल के निए अन्तरित की एड़ हैं और मुझे गृह विश्वास करने का कारण हैं कि यशापूर्विक्स सम्मति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूगमान प्रतिकत हो, ऐसे रहयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिकल, निम्नितिषत उप्रवेश से उसक अन्तरण लिखित में शास्तिक एप ये काथिट श्री किया नमा है .—

- (क) अन्तरण स हाई रिक की बाम की वाबत, खचत अभिनियम के अधीन कर बोने की बन्तरक से बाबिल में क्यी करन या उसने अपने में सुविधा के तिए: बीर/मा
- (क) एंसी किसी आय वा किसी भन या कत्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय आयंकर आधिनियम 1922 19 की 19 की पा पान कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा र १९५१)

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्निनिकित व्यक्तियों, जबति हु---

 श्री रामक्रण गोतिः संडे ः श्रीर विनायम गोपाल बाडे तर।

(अन्तर्भः)

2. श्रीमती चाप्टाबेन भूरेणकुमार पारिसा। (अन्तरिती)

3. भाडून।

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए ज्यावाहियां करता हुं।

# उन्त सम्मतित के कर्यन के सम्बन्ध में कोड़ी भी काश्रांप '---

- (क) इस स्थान के राजपत प्रश्निकान की तारीख है 45 दिन की अविध या तत्थ्य क्यों पर स्थान की तासील हो 30 दिन की अविध, को भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार जिला में किश्र जा सकोंगे।

स्पष्कीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उद्दर्स अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगेर जो उस अध्याय में विदर।

#### मन्सूची

अनुसूची जैपाकी विलेख सं० बांम 901/82 और जो, उप-४ जिस्ट्रांश वस्त्रई द्वारा दिशांश 10-6~1985 की शजिस्ट्रई किया गया है।

> निसाय अहमद ालम प्राधि तथी नहाबक आयाज्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजना, बण्डा

तारीख: te-2-1983

मॅहर:

प्ररूप आह .टी, एन एस

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंजहा-1, बस्वर्ड

बम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

भिर्देश सं० अई-1/37-जी/5242/85-86---अतः मुझे मिसार अहमद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर मस्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा से अधिक हैं

श्रींग जिसकी सं० ६मागत विरावा नं० 23, 2री मं० विलाभाई स्ट्रीट सी० एम० नं० 1709, भायखाला डिवियन, बम्बई है, तथा जो बम्बई में स्थित है (और इत्तम उपाबड अनुसूची में और पूर्ण का से बागत है), रिजस्ट्री तो श्रविकाण के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 6 जन, 1985

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के स्वयमान प्रतिफान के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफाल से, एसे स्वयमान प्रतिफाल का बन्द्रह प्रतिचात से आधक है और अंतरक (अंतरका) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया बतिफाल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण जिल्लिस में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उपत किंध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (प) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

मत: अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमण्य मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- ा यो पिर्मनदात एम० विधानी।

(जन्दर ह )

2. श्री अन्तारी अन्दून एसात मोहम्मद कासिम ग्रीर श्रीमती मेहरूनिस्ता अन्तारी अन्दून रझाक। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां अल्प्साहां।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अभि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनभूची

अनुसूची जैनाकी जिलेख सं० त्राम सं० 1641/82 श्रीर जो उपर्याजस्ट्रार बम्बई द्वारा दिशोध ७-७-१985 को रिजिस्टर्ड िया गया है।

> निसार अहमव गक्षम प्राधिकारी गहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बम्बई

नारीख: 10-2-1986

प्ररूप आइ. . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ध (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बम्बई बम्बई दिनांक 10 फरवरी, 1986

निर्देश मं० अई-1/37जी/5243/85-86---अनः मुझे निसार अहमद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का करने का करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिन्नकी सं० खुला जमीन का हिस्सा ज्याट नं० 7, क्वीन्त रोड़ इस्टेट, सी० एस० नं० 1792, फोर्ट डिजिजन, बम्बई है, तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावड़ अनुसूची में ग्रीट पूर्ण का ये विजिन है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधिकारी के कार्यात्रय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 5 जुन, 1985

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित माजार मृल्य से कम के स्वयमान श्रीरफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से मृनिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पासा गया प्रति-क्षम निम्निचित सब्बेश्य से उक्त जंतरण कि बित में यास्तिक स्म से किंग्द नहीं किया वसा है श्र—

- (क) अन्तरभ सं इन्हें फिछी काय की बाबस, उक्तः वीधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में करने या उससे अवने मीं स्विधा के लिए; बीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त बिधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण कों, में - अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को बधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, जर्मात् ध---- 1. श्री गुलचर फीरेश कराई।

(अस्त्रहरू)

2. मेशर्स विमात पेन्डस प्रायवेट लिमिटेड। (अन्तरिती)

3. भाडून:

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पत्ति के वर्षन के सिथ कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनद सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वा के राजपन में प्रकाशन की तार्डींब ए 45 विम् की अवधि मा तत्सम्बन्धी स्पित्तयों पर स्वा की तामील से 30 विन की अवधि, को भी सबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित स्वक्तियों में से किसी स्पक्ति इसाए।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसकुथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए अ। सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया एसा हैं।

#### **अन्स्**ची

अनुसूची जैपा की विलेख सं० बाम 2165/82 श्रांर जो तप र्राजल्द्रार, बस्बई द्वारा दिनांक 5-3-1985 की एजिल्टर्ड किया गया है।

> निनार **प्रहमद** सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) **ग्रजन रॉज-1, बम्ब**ई

सारीख: 10-2-1986

मोहर ।

50---516 GI/85

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकार आयक्त निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई दिशांत 10 फरवरी, 1986

निर्देश मं० अई-1/37-जो/5244/85-86---अतः मुझे निसार अलगः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीए जिसकी संव खुला समीत का हिस्ता, जो इमाध्य के साथ जिसका सीव एसव नंव 4056, भलेग्ला डिनिजन, मौताला अलाह रोड़ (डंब्ल रोड़), बरबई है, जा जो बस्बई में स्थित है (श्रीए इसमें उपावद अनुसूची में श्रीए पूर्ण रूप में विजित है), रिविश्ट्री एसी अधितारी के अधित बस्बई में रिविस्ट्री इस्ल अधितिमा, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख ! 4 जुन, 1985

को पूर्वेक्ति सस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिक न के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके दृश्यमान प्रतिक ल से एसे दृश्यमान प्रतिक का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक न, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) एसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए.

अतः अब उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीत, निग्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् —

- तर्बश्री जयितनी विद्वलदार, गोर्थनदास भगवानदास, इरीलम मावजी समैया करन्यनदास मुलजी कराष्ट्रिया और चरनदास वस्त्रभदास मारीवाला (अन्तरक)
- 1. (1) श्री हरीलाल जै० विवेदी।
  - (2) शीमती महालक्ष्मी एच 2 विवेदी।
  - (3) श्री कांनी एच2 व्रिवेदी।

- (4) श्रीमती कुदायाला के० विवेदी।
- (5) श्री क्यार के० विवेदी।
- (७) श्री हेमं । के० विबेदी।
- (१) मास्टर अगोक के० चिवेदी।
- (8) मास्टर राहुल के० जिबेदी।
- (9) श्री पी० ए०च सिनेदी।
- (10) श्रीमती मनारमा पी० स्निवेदी।
- (11) श्री मुकेश पी० स्निवेदी।
- (12) श्री रोहित पी० विवेदी।
- (13) श्री चेतन पी० ज़िबेदी।
- (14) श्री घनशाम एच० तिबेदी।
- (15) श्रीमती मृद्धना जी० क्षिवेदी।
- (16) श्री आनंद जीं े त्रिवेदी।
- (17) श्री महेंद्र एव० तिवेदी।
- (18) श्रीमती भानुमती एम० तिवेदी।
- (19) मास्टर जयेश एंम० ज्ञिबेटी।
- (20) श्रो रजनी गंत एच० स्निवेदी।
- (21) मास्टर प्रांजन आर० विवेदी।
- (22) मारुटर पार्थ आर० तिवेदी।
- (23) श्री भारतर एच० सिवेदी।
- (24) श्रीमती भारती बी० विवेदो।
- (25) मास्टर आधिश बा० निवेदी।
- (26) श्री राजेंद्र एव० त्रिवेदी।
- (27) श्रीमती निवेदीता आर० त्रिवेदी।
- (28) मास्टर निरम्र आर० तियेदी।
- (29) श्री लक्ष्मीशंकर जै० क्षिवेदी।
- (30) श्रीमती इच्छाबेन एल० निवेदी।
- (31) श्रीमती मंजुता आर० क्षिवेदी।
- (32) श्री भुपेश आर० क्षित्रेदी।
- (33) श्रीमती समन आर० क्रिबेदी।
- (34) श्री अनील एल० त्रिवेदी।
- (35) श्रीमती गिता ए० क्रिवेदी।
- (36) श्री हंना एच० विवेदी।
- (37) मास्टर हिरेन एच० तिवेदी।
- (38) माल्टर धरमेश एव० तिबेदी।
- (39) मास्टर कार्निक एच० लिबेदी।
- (40) श्रीमती वाशा पी० क्रिवेदी।
- (41) मास्टर भिक्तंज पी० विवेदी।
- (42) श्रीमती एयोति जी० तिवेदी।
- (43) मास्टर भावेश जी० क्रिवेदी।

- (44) श्रीमती जयश्री के० ब्रिवेदी।
- (45) मास्टर कलापी के० विवेदी ग्रीं
- (46) मास्टर तुरात के बिवेदी।

(अन्तरिती )

3. अन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिनोग में सम्बत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पद्धीक रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

अनसुची जैसाकी विलेख सं० 1845/83 फ्रांर जो, उप रजिस्ट्रार बम्बई ब्रारा दिशांक 14-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बस्बई

तारीख: 10न2-1986

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस .-----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनाँक 10 फरवरी; 1986 निर्देश सं० श्रई-1/37-जी/5245/85-86--श्रतः मुझे

निसार श्रहमव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सी०एस स० नं० 3857, भक्षण्वर डिविजन, सम्बई है, तथा जो सम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद प्रानुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधि-कारी के कार्यालय वश्मई में रिजिस्ट्रोकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रयीन, तारीख 6 जून, 1985 को पूर्वीकत सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (खं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

1. मैंसर्स मेटल डिस्ट्रीब्यूटर्स।

(ग्रन्तरक)

2. मैं सर्स गलन्ट होल्डीन्ज प्रायवेट लिभिटेड। (ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगें।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **अन्**स्ची

अनुसूची जैसाकी विलेख नं० बॉम 2129/83 श्रौर जो उप रजिस्ट्रार, बम्बई डारा दिनाँक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, बस्बर्ष

तारीख: 10-2-1986

भ्रत:

प्रकप <u>जाड्<sup>र</sup>्टी.एन..</u>एस<sub>..</sub>-----

बायकर बरिधनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, तहायक नायकर नायुक्त (निरुक्तिक)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई धम्बई, दिनाँक 10 फरवरी, 1986

निदेश सं अई-1/37-ईई/5246/85-86--

मुझे, निसार अहदद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 209-अ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उनित वाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 3ई/755, मधलार हिल डिविजन, वम्बई है, नथा जो बम्बई में स्थित है (भौर इससे उपायड अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान् प्रतिफन के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उन्नके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिकात से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त बन्तरण दिख्य में शस्तिक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी गम की गायत, उक्त विधिनियम के बभीन कर दोने के जंतरक के वाधित्व में कमी करने वा उससे बज़ने में सुविधा के बिएट्ट बॉर/वा
- (च) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य नास्तियों को, चिन्हुं भारतीय नायकर किमिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के जमोजनार्थ नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया चाना चाहिए था, छिपाने में स्तिथा वे विष्;

नवः नवः, वयत विधिन्यम की पारा 269-म के वम्बर्स के, में, वयत विधिनियम की भारा 269-म की वमभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--- 1. श्री लिलाधर प्राणजीवन पटेल श्रौर श्रानंद सिंहजी कात सिंहजी।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती हिरनाक्षी डी० क्रपलानी ग्रौर पुष्पा डी० क्रपलानी।

(भ्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करलो पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता है।

सक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी काशीप रू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा धै 45 दिन की श्विध या तत्सम्बन्धी स्पन्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होटी हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के गाड़ सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त व्यक्तियम, के बन्धाद 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस बन्धाय में दिया वया ही।

## **मन्स्**यो

श्रनुसूची जसाकी विलेख सं० बांम 2224/83 श्रीर जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहाथक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 10-2-1986

प्रकृत बाह्". टी. एन. एस. ------

# मध्यकर मीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-प (1) के मभीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० भ्रई-1/37-जो 247/85-86----भ्रतः मुझे, निसार श्रहमद

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृथ्यात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है कि भारा 269-व के अभीन समय प्राभिकारों की, यह विश्वास करने का काबुण है कि स्थावर स्थाति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं सी एम० नं 3ई/755, मलबार हिल जिबिजन, बम्बई है, तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रीधवारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री-वरण श्रीधनियम 1908 (1908 वा 16) के श्रीधन, तारीख 6 जून, 1985

की पूर्वीशत सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के अवसात प्रतिफल के लिए अन्तरित की गष्ट नौर म् ऑ विष्यास करन यह यज कारण पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मुख्य, उसके क्ष्यमान प्रतिपत्न से, एसे दश्यमान प्रतिकास के पन्त्रह प्रतिकात से मधिक हैं। गरि बन्तरक (बन्तरकां) और उन्तरिती (बन्तरितियां) के बीच एखे नन्त्रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नशिक्ति उद्दर्य से उनत अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं दिया गमा 🗗 :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आग की बाबस, उक्त नियम के रूपीन कर दोने के अन्तरक के दायित में कमी करणे या उससे बचने में सुविधा के लिए और/गा
- (थ) ऐसी किसी काय या किसी धन या कन्य बास्तियी की, चिन्ही भएतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपान में स्विधा है सिए?

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---  श्री लिलाधर प्राणजीवन पटेल श्रीर श्रानंद सिंहजी वखातसिंहजी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री भ्रजन एच० खिलनानी, शरत एच० खिलनानी, कुमारी लिला खिलनानी ग्रीर कुमारी इंदीरा खिलनानी।

(भ्रन्तरिती)

3. श्रन्तरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्णन को निष्ट्र कार्यवाहियां करता हो।

# उन्त सम्पत्ति की वर्षन की सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्याग अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

#### ग्रनुपूची

श्रनुयूची जैसाकी विलेख सं० बाँम 2245/83 श्रीर जो उप रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनौंक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया- गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंग-1, बम्बई

सारीख: 10-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

# कार्याजय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-1, बम्बई बम्बई दिनौंक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० प्रहे-1/37-जी(15248/85-86--- प्रतः मुझ निसार ग्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रतः से अधिक ह

और जिसकी सं सी एम नं० 68 माडवी डिविजन नारायण धरुस्ट्रिट बम्बई-3 में है तथा जो बम्बई में स्थित है इससे उपावत अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्याक्तय बर्व्ह में रिजर्ट्रीर्र.वरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 27 जून, 1985

को पूर्णीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्छ है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का नन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिजल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर प्रोमें के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भे, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात: --- 1. श्रो विशोरभाई शामजीभाई मेहता।

(भ्रन्तरक)

2. मे पर्स इंडिएट्रियल मिनररून एण्ड कैंमिकरूम कंपनी प्रायवेट लिमिटेड।

(अन्तरिती)

3. भाइत।

(बहु व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जर के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-चित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्त्र्य

प्रमुची जैंगाको विलेख सं० बाँम 2808/79 ग्रीर जो उस रिनिस्ट्रार वम्बई द्वारा दिनाँक 27-6 1985 को रिनिस्टर्ड किया गया है।

> निनार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 10-2-1936

प्रकथ आहु . टी . एन . एस . -----

भाय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यास्त्र, सहायक बायकर आमुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनां रु 10 फरवरी 1986

निर्देण सं० अई-1/37-जी/5249/85-86---अतः मुझे निसार अहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- कः से अधिक है

भीर जिसकी सं० सी० एस० नं 2 - 83, मांडवी विकित्ता, 125, भारायण ध्रह स्ट्रिट नागपूर्वी, दस्तरि-3 है तथा जी वस्बई-3 में स्थित है (भीर इसमें उपायत अनुमुची में भीर पूर्ण हप से विणित है), रिस्ट्रियती अधिकारी के कार्यालय बग्बई में रिष्ट्रई रूप अधिकार 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 27 जून, 1985

मां श्नोंकत संगतित के उपित वाधार भूरत से कम में क्यमत शितकत के तिष् अन्यिद्ध की नहीं हैं और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापनोंकत सम्बद्धि का स्वित सावार स्वय, उसके स्थापन शिकक से श्रे क्यमान शिकक के समझ शिवत से मिथक हैं और वंदरक (मंदरका) और लंदिरती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उदत अन्तरण लिखित में भी बास्तविक रूप से काथत नहीं किया गया है '---

- (क) बन्तरूप से हुई किसी बाय की बाबत, बनस अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरूप के बायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सूत्रिधा और/बा
- (स) एसी किसी नाय या किसी धन या नस्य नास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धर कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) है प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकार नहीं विश्वास कर वा दा किया जाना चाहिए धर, जिल्हाने की स्वित्र स्वित्र स्वार क्षेत्र की स्वित्र स्वार्थ कर विश्वास कर का दा किया जाना चाहिए धर, जिल्हाने की स्वित्र स्वार्थ क्षेत्र की स्वार्थ स्वार्थ कर कर की स्वार्थ कर का स्वार्थ कर की स्वार्थ कर का स्वार्थ कर की स्वार्य कर की स्वार्थ कर की स्वार्थ कर की स्वार्थ कर की

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, मी, अक्त अधिनियम की धरा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, मिस्नीलिका व्यक्तियों, अर्थात्:---

गैन्टन पाणियाण जामजीभाई शहा।

(अन्तरह)

 मैंतर्ग इंडल्ट्रियत मिलएल्स एण्ड फैमिकल्स कंपनी प्राप्तदेट वि.०।

(अन्तरिती)

3. भाइत ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के कर्जन के सिछ्र कार्यवर्शाहण करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के एअप्त में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की मन्धि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाब;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त जायकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था ही।

# **बन्**स्ची

अनुसुती जैलाकी विनेश्व सं० यांम 2857/79 श्रीर जो उन एकिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दियां र 27-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी गहायक अयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख: 10-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एसा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1986

निर्देण मं० अई-1/37-जी/5250/85-86---अतः मुझे, निसार अ मद

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1..00.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी० एस० नं० ६83, मांडवी डिविजन, 425नारायण धरू नागदेवी, बम्बई-3 है तथा जो बम्बई-3 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण ६५ से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नायन्त्रिय बम्बई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीध, नारीख 27 जम, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रितिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रितिफल से एसे द्रियमान प्रितिफल का दिह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निलिखिक व्यक्तियां, सर्थात् ४1. श्री रंगीलदास शामजीभाई मेहता।

(अन्तर हा)

 मैसर्स इंडस्ट्रियल मिनरल्ज एण्ड कैमिकल कंपनी प्रायतेट लि 2।

(अन्तरिती)

अन्यरितीयों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🚁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

अनुसुची जैसाकी विलेख सं० बांम 2858/79 फ्रांर जो उन रिजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1985 को रिजिस्टर टर किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधि जारी सहायक अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजि-1, बम्बई

तारीख : 10-2-1986

# प्रकार आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अधीन स्वान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

अम्बई, दिनांक 10 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/5251/85-86--अत: मुझे निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उकः अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधी- शक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- के. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सम्पत्ति जो, सिताराम पोदार, रोड़, जिसकी सी० एस० नं० 2291, भुलेश्वर डिविजन, बम्बई है, तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 जून, 1985

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्षयमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल के पंत्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिस उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुवै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के गश्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (का) एसी किसी क्षाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, अवत अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मिनिस्तित व्यक्तियों, अर्थात् :---51---516 GI/85 1. श्री नारायणदास जाधवजी रूपारेल।

(अन्तरक

2. श्री अनंतकुमार राधारामन मित्तल।

(अन्तरिती)

3. भा**ड्**त ।

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के निए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के अतिर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाश की शारीक से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब द्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनसूची

अनुसुची जैसाकी विलेख सं० वांम 766/1980 श्रौर जो उप रिजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 19-6-1985 की रिजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 10-2-1986

मोहर कु

प्ररूप वाहरें, दी. एन. एसा.-----

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-भा (1) के अभीन स्भाना

भारत सरकार

कार्यालयः, तक्कायक आध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 10 फरवरी, 1986

निर्देश सं० अई-1/37-जी/5252/85ब-6(---अत: मुझे, निसार अक्रमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधिन सक्षत ब्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

शौर जिसकी संव सीव एवव तव 1349 मलेध्वर डिविज्ञ, शामसेटट स्ट्रिट, बम्बई हैं, ध्या जो बस्बई में क्या है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण इव ने विणित हैं), प्राप्टी-कर्ता अधिकारों के कार्यालय बम्बई में एजिल्ट्रीवरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारीख 28 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित। की गई ही और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पति का उचित टाज़ार मृत्य, उत्तक दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकों (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पार। गया अतिफल निम्नितिश्वत उद्वेद्य से उक्त अन्तरण विश्वित में भक्तिक रूप से किथत नहीं किया गया ही:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उकत अधि-नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; बौर/का
- (क) ऐसी किसी जाब या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाता चाहिए था, छिपाने गें मृतिशा के लिए;

जतः स्था, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण हो, में उन्त अधिनियम की धारा 269-य की नगयाया (+ के अधीन, निम्नलिखित स्थितियों, अधीन :----

1. थो द्वारकादाम रामदास इंग्रा।

(अन्तरकः)

2. श्री पुष्पक्मार मोहनलाल कासन।

(अन्तरिती)

3. भाड्ना

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

उ. अन्**ती** रिती।

(वह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हिनवड है)

को यह सूचना कारा करके पूर्वोक्स सभ्यत्ति कं अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता दुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस मुखना के राजपण में प्रकाशन की बारीसं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पित्तमों पर सूखना की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोकरा स्पिकतः। भी से किसी करता ख्वारा;
- (क्ष) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भ्रमसुची

अनुमुची जैसा की विलेख सं० बांम 732/81 श्रीर जो उप-रिस्ट्रार, बस्बई ब्रास दिनाँ है 28-3-1985 को एजिस्टर्ड दिया गया है।

> निशार अहमद सभग प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, बम्बई

न(रीख: 10-2-1986

प्रक्ष वाष्ट्रं . सी . प्रम . प्रवास

नायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सूचना

#### RILL READ

# कार्यालय, सहायक जायकर बायकत (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 10 फरवरी, 1986

निर्देश सं० अई-1/37-जी/5255/85-86---श्रतः मुझे, निसार अहमद

मामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उकत विधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वार करने में कारण है कि स्भावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मुख्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

1,00,000/- रु. स अधिक हैं

श्रीर जिनकी मं० मी० एम० नं० 764, माँडवी डिविजन, बम्बई है, तथा जो बम्बई में स्थित हं (श्रीर इससे उपाबद श्रुनुसूची में श्रीर पूर्ण का ये विणित है), श्रार जिसका करानामा श्रायकर की धारा 269 कख के अधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 28 जून, 1985 को पूर्वोक्त सम्पित को उचित बाजार मूस्य से कम के एक मान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझा यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूस्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल को पन्त्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरका को लिए तय पाया भया प्रतिकात से अधिक है और अन्तरका (अन्तरका को सन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरका को लिए तय पाया भया प्रतिकात , निम्मामिकत उद्वादों से अन्त क्षारण सिचित में अस्तरिक रूप से किथत नहीं किया गया है ए

- (क) सन्तरण सं हुई किसी दाय की वाबर, अस अभिनियम् के अभीन थाडु दोने के कन्सरक की दानिस्य में कभी करने या उससे स्थाने में सुविधा के लिए: करि/ना
- (म. एक किसी आब दा किनी पन मा तक जान्ति। का, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिन्हियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जोशिनियम, या पम-कर क्षिमिया, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट महीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियस की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन,, निम्निचित व्यक्तियों, अधीत् ह——

- 1. श्री अझोल नीहम्म र मोदीन और अयन्य। (अन्तरक)
- 2. जामद मोहमद।

معالية معالية المعالية العاد المن المن المن المن المن المناوية المناوية المناوية المناوية المناوية المناوية الم

(भ्रन्तरिती)

भाडूत।
 (वह व्यक्ति, जिनके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुधना जारी कारके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के विष्

उक्त सम्पत्ति के बलद के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय वे 45 जिन की जनिश या तरसंबंधी व्यक्तियों पद सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी जनिश बाद में समाप्त होती हो, के शीवर पूर्वीवेद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- यद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थाध्दाकरण : — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क मे परिवर्तित ही, वही अर्थ होगा, आ उस मध्याय में दिया गया है।

#### श्रन्स्ची

स्रनुभूची जैपाकी विलेख सं० बी 1223/84 स्रौर जो उप रजिल्हार, बस्बई झारा दिनाँक 28-6-1985 को रजिल्टाई किया गया है।

> निसार श्रहमद मक्षम प्राधिकारी तहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रवीन रेंज-1, अम्बर्ध

तारीख: 10-2-1986

# प्रक्य बाइ टी. एन . एस . -----

# भागकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (मिरीकाण) श्रर्भन रेंज-1, जम्बई

बम्बई, दिनौंक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं॰ प्रई-1/37-ईई/6939/85-86-~प्रतः मुझे, निशार प्रहमद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 269, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० 6, दिबेरली श्रम्बेडकर नगर को-श्राप० हाउमिंग सोसायटी नि० वरली, वम्बई-18 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण का मेविंगत है),

ग्रौर जिनका करारनामा भ्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14 जून, 1985

कां पूर्वोक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरित (अंतरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उद्देश्य से उक्स अंतरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी जान की नानत, उनत निध-भियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे नचने में सुनिधा के लिए; जॉर/या
- (वा) भिन्ही आय वा किसी थन वा जन्म वास्तियों की, भिन्ही भारतीय वासकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनाथ अन्तरिती ब्नाच प्रकट नहीं किया पदा था किया जाना वाहिए था, जियाने में सुविधा के सिद्ध;

लत: अब, अक्त ओधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में. अक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिश्वित व्यक्तियों अर्थात् :---

1. श्री गरद भार० गेठ।

(श्रन्तरक)

2. दिनेण बी० देसाई।

(भ्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसहेर्याः। में सम्पत्ति है)

4 अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 269, जो, 2री मंजिल, इमारत नं० 6, दि बरली श्रांबेडकर नगर को-श्राप० हाउमिंग सोसायटी लि०, 3/52, श्रांबेडकर नगर, वरली, वम्बई-18 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० यों श्रई-1/37-ईई/6507/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनाँक 14-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नियार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-1, बम्बई

दिनौंक: 7-2-1988

प्ररूप आई. टी. एन. एस., -----

जायकर अभिनिसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-छ के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 29 जनवरी 1986

निर्देश मं० भई-1/37-ईई/6963/85-86→**-भ**तः मुऊ, निसार भहमद,

णावनः निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख में अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से निधक है

भौर जिनकी संज्याने तंत्र 1102, जो 11वीं संजिल राँक व्यूह डाक्यां रोड़ सामगाँव बस्बई-10 है तथा जो बस्बई-10 में स्थित है (धाँर इससे उपाबद्ध भ्रतुरूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) धाँर जिसका करारतासा भ्रायकर भ्रधि-नियम 1961 की धारा 2696 ख के भ्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है। तारीख 17 जून 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंश्रह अतिकात स अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित सद्विध्य से उक्त अन्तरण शिवित में बास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से शूर्ड किसी आयः की वाबतः, वक्त मियम के मधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे अवने में सूविधा के जिए; और/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य नास्तियों को चिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया नामा जाहिए था, छिपाने में स्विधा में किए।

नतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण के अनुसरण कैं, तौ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निक्तीं मंक्रित स्थितिसों, क्योंत् क्र—  श्रीमती दुर्गीदेवी वाबूराम शुक्ला श्रौर श्री सुखराम-दाम मेहता।

(भ्रन्तरक)

2. श्री गोपाल परशराम शर्मा।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके प्रोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

फ्लैटनं० 1102 जो 11वीं मंजिल राँक ठ्यूह खाक-यार्ड रोड़ मासगाँव बम्बई-10 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० प्राई-1/37-ईई/6539/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनाँक 17'6/19

निसार अहमद उक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजें न रेंज-1 बस्लर्ड

तारीब: 29-1-1986

Care To Service storm processed

# त्रक्त वार्षे . द्वी . एत . एत ु-------

# आयकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बंधीन स्वना

### HITO BYTHE

# कार्यासय, सहायक भायकार भागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई बम्बई, दिनांक 29 जनवरी, 1986

निर्देश मं० श्रई-1/37-ईई/7037/85-86--श्रतः मुझ, निभार श्रहमद

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उन्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- स के अधीन-सक्षम प्राधिकारी का यह जिस्सास करने का कारण हैं कि स्थावर समंति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रोर जिनको सं० फ्लैट नं० 105, जो, 1लो मंजिल इमारत नं० 1 सुनेर टावर्स, लव लेन, सेठ मोतोशा रोड़, माझगाँव बम्बई-10 हे तथा जो बम्बई-10 में स्थित है (श्रोर इसमे उत्ताबद्ध शापुर्वी में श्रीर पूर्ण एप से विणत है)) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 को धारा 269क ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी है। तारीख 24 जुन 1985

का नृतंक्ति स्पास्त के जीवत नाजार मृत्य ने कम के क्रयमान श्रीतफान के निए अम्बरित की गई हैं बार नृत्ये यह विश्वात कारने का कारण हैं कि वधापुर्वेक्त सम्पत्ति का जीवत वाचार मृत्य, उतके क्रयमान शिक्स से एसे क्षयमान शिक्स का बन्द्रष्ट श्रीतकत से विभिन्न हैं और अम्बरक (अम्बरका) और अन्तरिती (अन्तरितिका) के बीच एसे अम्बरण के लिए तब बाता गमा शिक्स में निस्तिवित उद्वेषय से उच्च अम्बर्ण किवित से वास्तिविक कम से किवत नहीं किया गया है क्ष-

- (क) अन्तरण वं हुई किसी बाव की वावतः बक्त शीभिनवन की सभीत कर दोने के अन्तरक की बाजित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा क निए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना वाहिए था, कियाने में सूबिधा के लिए;

लतः अथ, अक्ट विश्वित्म की भारा 269-म के अनुवरण में में, उनते अभिनियम की भारा 269-म की उपभाग् (1) के अधीन, निम्नेलिवित व्यक्तियों, स्थति :--- 1. मेसर्स सुमेर श्रासोनिएटस।

(भ्रन्तरक)

2. श्री गौतीलाल मुलचंद।

(भ्रन्तरिती)

3. बिरुष्टर।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

# दक्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कीई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर गूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनव्ध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिविस में किए मा सफोगें।

स्पद्धिकरण: --- ५समें प्रमुक्त सम्बौ बौर पर्वो का, को सम्बोध सिपितवन, को सम्बोध 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **प्रनुस्**ची

फ्लैंट नं 105 जो ाली मंजिल, इप्रास्त नं 1, सुमेर टावर्स, लव लेन, शेट मोतीशा रोड़, माझगाँव, वस्बई-10 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमाकि कि सं० श्रई-1/37-ईई/6603/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनाँक 24-6-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निमार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: - 29-1-1986

प्रकृप आई. टी. एन*ु एस* . -------

# भायभर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की षारा 269-भ (1) के क्यीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 29 जनवरी, 1986

निर्देण सं० भई-1/37-ईई/6978/85-86---- भ्रतः मुझे िनिसार श्रहमद

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ६६ 🖔 इसके परकात् 'उक्त निभी।यम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ को बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बांबार मुख्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी संव युनिट नं2 303, जो, अजय सर्विस इंडिस्-द्रभरल इस्टेट, अर्ज-रदाई (बं), हमनाबाद के मागले, ए ० भस्कोरन्हम गोड़, भाक्षगंद, बरबई-10 है, तथो जो बस्बई-10 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से षणित है) और जिसवा करारतामा श्रायकर शिंहियम 1961 की धारा 269वा, ख के श्रधीत बस्तई स्थित स्थम प्राधिकार के कार्यालय में २विल्ट्री है। तारीख 18 जूर, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृख्य से कम के करयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त जीध-नियम को बधीन कर बोने को अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; बरि/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

अत: अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण , में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मैमर्म प्रेस्टिज इंजिनियरीग घर्मा।

(धनारका)

2. मेसर्म लाईट काफटस।

(धन्तरिती)

भ्रन्तरिर्तायों।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रश्चिमीग में सम्पत्ति है)

का यह स्थाना चारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी **मगि बाद में समाप्त होती** हो, के भीतर पूर्वाक्त न्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (न) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति माँ हिलबन्ध किसी अन्य स्पित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में सं किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित **हो वही अर्थ** हमेता, अमें अन्य अप्याप में सिदा गमा है।

युनिट नं० 303, जो, सर्विस इंडस्ट्रियल इस्टेट, अंजीर-वाडी बी", हसनाबाद के सामने डा० मध्कारेक संगीत. माझगांच, बम्बई-10 में स्थित है।

धनुसूची जैसावि क० सं० अई-1/37-ईई/6545/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-6-85 को श्रीम्टर्ड विधा गया है।

> निसार श्रहमद मक्षम पाधिकारी - सहायक आयक*ः आ*युक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

artia: 29-1-1986

प्रकथ आहे . दी . एन . बुक ..-----

आयक्षर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, बम्बई

यमवर्द, दिनांक 29 जनवरी, 1986

निर्देश मं० थई-1/37-ईई/7038/85-86---भ्रतः मुझे, निसार श्रह्मद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) किले इसमें इसके परचात् 'उकर अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लट नं० 1.002, जो, 10वीं मंजिल, इमारत नं० 1, युमर टावर्स लघ लेन, भेट मोतीणा रोड़, माझगांव, वस्वई-10 हैं तथा जो बस्वई-10 में स्थित हैं (और इसने उपावड प्रतुभूवां में और पूर्ण रूप से वाणत हैं) और जिसका करारनामा अध्यकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 24 जून, 1985

को पूर्वो क्ल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोचित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थममान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है बार बंतरिक (अंतरिका) की से बंतरिती (अंतरितिका) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिकान, निकालियित सम्बर्धिय से उक्त अन्तरण निविद्य में बार्स्स विक रूप से क्लिथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से इंड्र किसी आप की बाबत, सकत अधिनियन के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) इसी जिस्से आब वा किसी धन वा जन्य आस्तियों को, जिन्हों आरतीय आध-कर किमिनयम, 1977 (1922 का 11) वा उच्त अभिनियम, धा धनकर अभिनियम, धा धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किह;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकों, अर्थातः :---

1. में मर्भ थुमर एमोसिएटस।

(अन्तरक)

 म स्टर प्रिथांक पारस जैन । द्वारा (उनके पिता और पालक श्री पारस जैन)

(अन्तरिती)

3. बिल्डर्।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभीग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए नामेंचाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (भ) इस स्चमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाम की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त स्वितायों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ण) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर ज़क्त स्थावर पंकित के कि कि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाम सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

फ्लट नं० 1002, जो, 10वीं मंजिल, इमारत नं2 1, सुमर टावर्म, लब लेन, गेंठमोती णा रोड़, मासगांव, बम्बई-10 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि कि सं० श्रई-1/37-ईई/6604/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाक 24-6-85 को रिजस्टई किया गया है।

निसार श्रहमद मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, बम्बई

नारीख: 29-1-1986

#### मुक्त नार्षः हो हुन्। पुरुक्त व्यवस्था

मायकार लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

#### बारह स्ट्लाह

कार्यालय, महायक आयक्तर अपमृक्त (निरीक्तण) श्रर्जन रेज-1, बस्बई अम्बई, दिनांवा 29 जनवरी, 1986

िर्देश सं० अई-1/37-ईई/7048/85-86------ प्रतः मुझे, निसार शहमद

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसर्वे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/- रु. से अधिक है

और जिसका संव कायांकर नंव 503, जो 5वीं मंजिला मजेस्टाक गांपिंग सेंटर, 144, जेंब एसव एसव रोड़, बम्बई-4 है, तथा जो बम्बई-4 में स्थित हैं (और इसने उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बांगत हैं), और जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रदीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 24 जून, 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकों (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) नम्परण से हुई किसी शाय की नावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सूनिभा के लिए; बौर/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

बतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकिन व्यक्तियों, अर्थात :---52—516 GI/85 1. श्री माणिक सीभगाज नारंग।

(भन्तर्कः)

2 मेसर्न एम० धैलेण एण्ड कम्पनी।

(यन किसी)

को बहु शुक्ता पारी करके प्जॉक्त संपरित के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त बन्गरित के मर्जन के बन्नन्भ में कोई भी नाक्षेत्:--

- (क) इस ब्रुवना के राज्यन में प्रकारन की तारीज के 45 कि की जन्मित ना ब्रुवनियों करितकों पर श्रुवना की वालील से 30 दिन की सर्वाप, को भी कर्मित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर अभिश्वकों में वे किसी क्वांच्य ह्वारा!
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिश के जीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित्बकृष किसी अन्य स्थावर इवारा जभोहस्ताकडी में शब्द सिचित में जिए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्क अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, भो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **मन्सूची**

कार्यालय तं० 503, जो. 5वीं मंजिल, मंजेस्टीक ण.पिंग सेंटर, 144, जे० एस० एस० रोड़, बम्बई-4में स्थित हैं।

और जिसकी ऋ० गं० शई-1/37-ईई/6614/85-86 भ्रीर को सक्षम पान्निकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-6-85 को प्रतिष्टर्ड क्या गरा है।

> िसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राधकर श्राधुका (जिल्हिका) धर्म जिल्ला, तस्बई

नारीख: 29-1-1986

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रजी : रेंग-1, बरवर्ड

बाबई, दिनांक ६ फार्चरं।, 1986

िर्दीय मं । अई-1/37-ऐई/7102/85-86---धतः मृष्टो सिम(<5)मद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

और िसकी ग० यिट नं० 203, जी, धर्मात इंडिस्ट्रियन (भीर इससे उपाबद्ध अनसूची और पूर्ण रूप से विणित है), इस्टेट, एस० एत० शह रोड़, परेल, तस्वई-12 में स्थित है। और किसका करारकामा धायवर श्रिधियम 1961 की धारा 269 है, ये कि प्रधी। वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के धाराकार्यकाम में रिवर्स्ट्री है। तहिस्ट 28 जून, 1985

को पूर्वोपत सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिकल के लिए इन्तरित की यह है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिकल से, एसे स्व्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत म अधिय है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बाच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्विषय से उक्त अंतरण लिखित में नास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भा, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) व कथान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- गेपर्त पंक्षीत इंटरप्रायगेस।

(अन्तरक)

भेमर्थ माटम उद्याग (म्लय- हेमंत एम० माटम)
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्स सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस गूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति चुनारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमृत्वी

युनिट नं० 203, नो, अभी मंजिल, धर्मात इंडिस्ट्रियल इस्टेट, 61, एस० एस० राव रोड, परेल, बस्बई-12 में स्थित है।

श्रतुभूकी तैसाकी कि संव श्रष्ट्-1/37-ईई/6367/85-86 और 1) सक्षम प्राधिकारी वस्वई हारा दिवांत 28-6-1985 को रिमस्टई किया गया है।

> िसार अहमद सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) नद्र, अशिकारी धर्मक रीच-१ बस्बई

दिनांद: 6-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीर सुधना

भारतः जर

कार्यालय, सहायक आयकर आधुक्त (निरीक्षण)

अर्जात रींज-1, बम्बई वम्बई, दिनांक 29 जनवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6941/85-86----अत: मुझे, निसार प्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उक्षित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

अर्थर जिसकी संव दुवान नंव 25, जी, तल माला, ग्रेंन्ट रोड़ पाकी या माली है। के पाकी या माली में दिन है पाकी या माली में दिन है की पाकी या माली के पाप है। उपाप है। स्वी में और पूर्ण क्या में याणत हैं) और जिसका करारन मा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधी न बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं। तारीख 14 जून, 1985

को पृथेषित सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के ६६ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ६६ममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाय्ति में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एवी किसी या किसी भन या जन्म बास्तियों को जिल्हों भारतीय अयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किस्ते में तुविधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 262-भ की उप्धारार (1) के अधीन,, निम्नसिवत व्यक्तियों, अधीत :---

1. श्रीमती । পানৰী। দ্বাত সহা।

(श्रन्तरकः)

श्री मोहम्मद युनूपूर्दीन।

(ছান নিরো:)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त क्यब्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास विक्ति में किये जा सकोंगे।

स्पध्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त जिभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

दुकान नं० 25, जो, तल माता, ग्रेन्ट रोड़ पाकीझा मार्केट को-प्राप्त० सोमापटी लि०, मौला। शौकत अली रोड़, वप्बई-8 में स्थित है।

धतुमूची जैसाकी ऋ० सं० शई-1/37-ईई/6509/85-86 और जो मक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 14-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निमार श्रहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन जिना, बस्वई

दिताँक : 29-1-1936

मोहर.

मक्न बाहे. हीं. एवं. एकं. ......

नायकर विभिनित्रम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) को अभीन स्वना

#### भारत बहुकार

# कार्यावय , बहायक मायकर बावुरह (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी 1986

निर्देण सं० अई-1/37-ईई/6997/85-86---अतः मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर विधिविषय, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके परकात् 'उक्त विधिविषय' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाबार मूक्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० कार्यालय नं० 201, जो 2री मंजिल, मुरली धर चेंबर, 352, गिरगांव रोड़, बम्बई-2 है तथा जो बम्बई-2 में स्थित है (अर इसके उपाबत अनुभूची में और पूर्ण रूप में बांगत है) और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269व, ख के अधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बार्यांवय में रिजर्ड है तारीस 20 जूर, 1985 के पूर्वीका सम्पत्ति के उपित वावार मुख स कम के स्वमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित वाचार बूस्व सं कम के दरममान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने वह विस्थास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मून्य, उसके दरयमान प्रतिकास सं, ऐसे दरममान प्रतिकाल का पन्तह प्रोत्तवात से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) को बीच एति अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नितिचित उच्चेष्य से उच्च अन्तरण सिचित में बास्तिक रूप से कायत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तर्थ सं हुई विक्री बाव की बावत अवक अधिवियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के साजित्य में क्षेत्री करने वा उत्तव वचने में सुविवा के शिक्षु करि./मा
- (क) एवी किसी नाम ना किसी पन ना कला जास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुनारा शकट नहीं किया नवा था या किया जाना शाहिए था, कियाने वो स्विधा की जिल्ह;

बतः अव, अक्त अधिनियम की भारा 269-न के सन्बरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकों. अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकों.  श्री बलवंत मिह जगतसिंह और श्री कर्तार सिंह जोधसिंह।

(धन्तरक)

2. मेसमं बंदलाल गाबिंदराम द्वारा भागिदार---गोबिंद राम अमीयतमल।

(भ्रन्तरिती)

3. श्रन्तरकों।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को कह कुषमा बादी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारका हूं।

वक्त क्यारित के नर्बन के संबंध में कोई भी बाओप ---

- (क) इस स्पा के राज्यका में प्रकाशन की तारीक्ष के 45 दिन की श्वीभ या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की श्वीभ, जो भी वशीभ वाद में समाप्त होती हो, के बीतर पूर्वीक्य म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपथ में प्रकारन की तारीस से 45 दिन के बीतर उक्त स्थावर सम्मति में दित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

रच्या विश्व :--- इसमें प्रयुक्त सम्बाधित पर्वो का, भी उच्छ विधिनिषय, के लच्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस कथ्याय में दिया गया है।

#### वनुसूची

कार्यालय नं० 201, जो, 2री मंजिल, **मु**रलं।धर चेंबर, 352, गिरमाव रोड़, बम्बई-2 में स्थित है।

अनुभूची जैसा कि ऋ० मं० श्रई-1/37-ईई/6563/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-6-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> िसार श्रद्धमद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बर्ष

नारीच: 29-1-1986

मोहर 🖫

# प्रकार प्राप्त हैं। देन हैं वह हम्प्रमान

# नामकर न्यिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) में समीद मुख्या

#### बराम बहुन्य र

# कार्याजय, सहायक मायकर नायुक्त (निर्याजक)

श्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 29 जनवरी 1986

नायकर निधितिनम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परवात् 'उन्त निधितिनम' नहा गना है), की धारा 269-च के निधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्तास करने का कारण है कि स्थानर सम्बद्धित, चिश्वका दिवत मानार मूक्य 1,00,000/- स्त. से संधिक है

और जिसकी मं० फ्लट नं० 208, जो, 2री मंजिल, कैलाण प्रवाहमेंट, 293, बलासिस रोड़, बम्बई-8 में स्थित हैं (और इसने उपावद प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बांगत है) /और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। तारीख 1 जन, 1985

को प्रॉक्त बंपति के उचित् बाकार क्ष्म वे क्षम के कामाध्य विकास के निष् काकिए का पर्द है जीर मूखे यह विकास करने का कारण है कि सवाप्नेंक्स कामास्त का स्वितः शामार कृष्य उसके कामान प्रीयक्षय है, एवं काम्यान प्रीयक्ष्म का पन्तह प्रतिकार हे निष्य है और जंबरक (बाबाइकार) जौर कान्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे बान्तरण के निष्य तम प्राया क्या हित्का दिन्तियों कार्यकार का कारण के निष्य तम

- (क) नमारण संहुद्ध निजयी नामु की बागता, अन्ध विभिन्नम के भवीन कर योदे के मृत्युरक के बामित्य में कभी करने ना उससे बचने में सुनिधा के सिक्ष; मोद्र/मा
- (ण) देवी किसी नाव ना किसी वन ना सन्त नास्त्रां को, विन्हीं भारतीय वात्रकर निवित्रां, 1922 (1922 का 11) या सन्त न्यितित्रम, या धनकर न्यितित्रम, या धनकर न्यितित्रम, या धनकर न्यितित्रम, या धनकर न्यितित्रम, 1957 (1957 का 27) के मकोप्रपार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया अल्या चाहिए था किया के स्थिता के किय;

अत: जब, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण बें, जें, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के जभीन, निम्नतिचित व्यक्तियों, जभीत :---  मास्टर मोहमद फिरोज (पालक-श्री मोहमद इसाक सलिम और श्रीमती अप्सरा सलिम।

(अन्तर्कः)

 श्री अबुझफफर ए० बक्का और श्रीमती रफीया ए०। बक्का।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां **बुक करवा ह**ै।

वनन सन्तरित के अर्थन के सन्तर-धृषे कोई भी जाओर :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 विन की क्विंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर चुणवा की ताबीब वे 30 विन की व्यथि, को भी क्विंध नाव में समान्य होती हो, के भीतर प्रांचित स्थितमा में है कि ती व्यक्ति स्वार;
- (क) इंड ब्रुक्त के राज्यक में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन के मीटर उच्च स्थावर सम्भेत को हिए-व्यूष किसी नम्ब स्थावत व्यास, अक्षा स्थाधारी के पांच जिल्ला को किस या कुछोंथे।

स्वयाकरणः ---इतमें प्रयुक्त कर्मावरि वर्ष शा, को क्या अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस वस्तार में दिया गया ही।

#### भनुसूची

फ्लट नं० 208, जो, 2री मंजिल, कैलाण प्रपार्टमेंट, 293, बलासिस रोड, बश्बई-8 में स्थित है।

श्रनुभूकी जैसाकी ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/6249/85-86 अ'र जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार अहमद नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिलेश: 29-1-1986

प्रकप नाइं.टी.एन.एस.-----

# आथकर अधिनिष्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सुवना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन र्जेज-1, बम्बई

बध्वही, दिनाक 29 अनवरी, 1986

निर्देण सं० अई-1/37-ईई/6836/85-86---अतः मुझें, निसार अहमद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-इन के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह त्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 42, जी, एम्बेंसी ध्रपार्टमेंट, बेलासिस रोड़, बम्बई-8 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणत है)।और जिसका करार-सामा आयलर धर्विधिम 1961 की धारा 269क, ख के धर्मा, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 6 जन, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दश्यमान प्रतिफास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल का पल्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण हैलिकत में बास्तविक रूप से कामत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत., उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन अन्य आस्तियों की विसर्व धारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया यथा था वा किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त आंचिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मालिखित स्मिल्टियों अर्थात :— 1. श्री इस्माईल भाई ई० शेखा

(अन्तरक)

2. डा॰ सरदार श्रहमद श्रन्सारी और डा॰ (श्रामता तना ासरीन सरदार श्रन्सारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाओब :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंने।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **प्रनुस्**ची

फ्लैट नं० 42, जो, 4या मंत्रल, एम्बेंसी श्रवार्टमेंट, बेलामिस रोड, बम्बई-8 में स्थित है।

अनुमूची जैमाकी कि सं० श्रई-1/37-ईई/6292/85-86 और जो सजप प्राजिकारी, वस्बई द्वारा दिनीक 6-6-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> तिसार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायका (तिरीक्षण) श्रजीत रोज-1, बम्बई

दिनोंक: 29-1-1986

मोहः :

प्रकार आहें. डी., एम. एस्. जनगणना

बावकर विभिन्निया , 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के विभीत सुचना

#### भारत सरकार

कार्याज्य, तहासक जासकर कार्यक्त (पिरीक्तक)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, विनौक 29 श्रक्तूबर 1986

निदेश सं० ग्रई०-1/37 ईई/6852/85-86--भ्रतः मृक्षे, निसार श्रहमद,

बायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन, सक्षम प्राधिकारों को, यह निक्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पर्शित, विसका उचित नाजार मन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1206, जो 12 वीं मंजिल, श्रब्दुल हुमैन पोटिया श्रपार्टमेंट, बेलापिम रोड, बर्च्ड में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिंगत है) श्रीर जिपका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 को धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्याना में रिजिन्हों है नारोब 4 जून, 1985

को वर्णिका अमिति में उणित आजार मृत्य से कम के स्वयमाम प्रतिकास के सिए बन्तिरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का अमरण है कि मथापूर्वीक्त ग्रंपिक का अभित बाजार मृत्य , उसके स्वयमान प्रतिकाल से , गृथि श्व्यभान प्रतिकाल का वंद्र प्रतिकाल में बिमक ही और अन्तरक (भातरकों) और अन्तरिती (जन्तिरितियों) के जीव गृथे नान्त्राम के निग् तय पासा स्था प्रतिकार, निम्मितियोग गृह्योग के उन्तर अभावस्थ विविद्या में नान्तिक रूप में क्षिमा गृहीं कि का सवा मी उन्तर

- (क) सम्बन्ध में हुई किसी सम्बन्ध की बरस्त अपता जरियोग्या की बचीब अद्यापे के सम्बन्ध वी दासित्व में कभी करने या उससे बचने मी सुविधा के निष्: बार्ड/बा
- (म) एनी किसी आव वा किमी भव ता ताल शास्तियों को, जिल्हों आपतीय पाय-पाद श्रीभीत्रयम, १०८९ (1922 का 11) या प्रकृत लीपनियम, श्रू अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकृत नहीं किया बना था या किया वाता वाहिए था किया में सुविधा के सिक्;

शतः वयः, उनतः जिनिनवधः कौ धाराः १८६०-गः को जनसरणः वै, तै लकतः लीधिनियतं की धाराः १८७-मः की संच्याता (1) है स्रोतः, विक्तित्राणं क्षाक्रिकत्ते, जन्मीक र्याः (1) श्री सुलतान ग्रहमद।

(अन्तरक)

(2) अजीज अञ्बास भाई।

(भ्रन्तरिती)

(3) स्टर्लिंग इन्टरप्राइजेंस।

(वह व्यक्ति, जिलके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) स्टलिंग इन्टरप्राइसेम।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ता-क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है )

कां वह त्याना भारी कारके पूर्वोक्त सम्मरित के नवेन के 'सप कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

स्वत बल्पीरत के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेण '---

- (क) इस सूचना के राज्यम् में प्रकाधन की तारीय से 45 दिन की सर्वीभ ना सरसम्बन्धी क्यन्तियों वर सूचना की सामीच्य से 30 दिन को नवीभ, को भी नवीभ नाम में सजापत होती हो, की भीतर प्रांतिस ज्वाकरायों में में किसी म्यामिस द्वारा;
- (क) इस स्ववा के सवपन मां प्रकाधन की सारील सं 45 पित को भीतर तकता स्थावन गट्यतित मों हिलबद्ध विक्षी कथा करोकत ब्वास अधोहत्ताकरी को एड लिखित मों किए जा सकारी।

स्पाक्तीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को सकत विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभागित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गक्ता हैं।

### ग्रम सुची

फ्लैट नं० 1206, जो 12वीं मंजिल, श्रब्दुल हुसैन पाटिया श्रपार्टमेंट, बेलासिन रोड, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई०~1/37 ईई/6401/ 85-86 और जो पक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वरा दिनौंक 4 जून, 1985 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> निसार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकरश्रायुक्त (निरीक्षण) श्राप्ति रेंज-1, बस्बई

तारीख: 29-1-1986

मॉहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आव्वत (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-1. बम्बर्ड

बम्बई, दिनाँक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्राई०-1/37 ईई०/7029/85-86-- प्रतः मुझे, निसार ग्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 18 है नथा जो तीमरी मंजिल, एकता को श्रापरेटिय हाउपिंग सोगाइटी लि०, मायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची धौर पूर्ण रूप में विजित है), श्रौर जिनका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के स्थीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 24 जुन, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धावत, उक्स अधिन्किम के अधीन कर दोनें के अन्तरक की वारित्व में अभी करने या उसते बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकटं नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रीमती निरूपमा एम० कोटेचा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री किरीट पी० महा।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यज्ञाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्क अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गवा है।

# अनुसूची

पर्लैट नं० 18 हैं तथा जो तीसरी मंजिल, ब्लाट नं० 160, एकता को श्रापरेटिव हाउसिंग सोमाइटी लि०, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

श्रानुस्वी जैमा कि कम सं० श्राई०-1/37 ईई०/6595/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 24 जून, 1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहसद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकरग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

नारी**ख** : 7-2-1986

मोहर 🌝

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

# बायकर वीधनियत्र, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत तरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायकर (निर्देशक) ध्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 29 जनवरी 1986

निदेश सं अई 01/37 ईई/6938/85~86-- अतः मुझें, निसार अहमद

शायकर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्स अधिनियम' सङ्घा गया है"), की धारा ्69-ल के अभीन सक्षण प्राधिका**री को यह विश्वास करने का** कारण हो जिल्लाकर राज्यकि, जिसका उमित बाजार मध्य 1,00.000 / - क. से अधिक **है** 

ग्रौर जिसकी सं० जेमीन का हिस्सा जिसका सी० एस० नं० 319 एल० मर्वे नं० ग्रंश 1/8423 (श्रंश), नया नं० 684 सी भ्रार० श्रार० नं० 154 36/44, वेलिंग्टन स्ट्रीट, बम्बई-2 में स्थित है (श्रौरइससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन अम्बई स्थित मक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 14 जन,

को पर्योक्त सम्मारित के उपित बाबार बस्प से कम के व्यवसाय यहिफाँच के लिए। अन्तरित की ग**र्डहीं गीर मुक्ते यह** विस्वास क्षरमं का कारण हैं कि यथाएगोंनज सम्पत्ति का उपित भाषार ब्ल्ब उसके रूपमान प्रतिफास रो. 'ते रूपमान प्रतिफाल का एलात् प्रतिकार से अधिक हु और करिनतरकों) और अन्त-रिकी (जन्मीर तम) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए <mark>तम पाया गया</mark> पतिष्करः निस्निन्। बत उद्देश्य से उक्त अन्तरन मिबिस को वास्तिकिक रूप से कथित नहीं किया वया है :---

- ंको सन्तरण सं क्षाइं लिखी साम की बाबरा, उक्ट अ<sup>कि कि</sup>त्यस जे भारीक कार दोने को बंतरक क्षे वावित्य भी धनी करने या उससे अवने में सुविधा ा भिष्यु: **सौर/श**र
- गंभी कि.भी आप मा कि.भी पत या करव वाश्चियाँ कां. जिल्हां शहरतीत अहरकार अधिनियस, 1922 (१०९७ का १६) मा लका अधिनिधयः स क्षान्त्रक के देखान, प्रमाद्रक प्राप्त के का कार प्र पयोजनार्थ अंतरिक्षी युवारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जान नाहिए था, कियाने में स्थित न्त्रं निष्

ুল: ধর: **उक्त अधिनिश्य की भारा 269-ए के अनुसर**ण कें, मैं, १५७ द्रीप्रनियम की भारा 269-व की उपधास 🚯 २ छन्दि , पिन्ननि**बित व्यक्तिमाँ, व्यक्ति** :----53-516 GI/85

- (1) मै० बया मजी जीजी भाई (प्रा०) लि०। (मै॰ हैरीटज इस्टेटम (प्रा०) लि॰ कनफर्मिगबाडी (श्रन्तरक)
- (2) श्रीचन्द्र शेखर में ट्री ।

(अन्तरिती)

(3) ग्रन्तरिती ग्रौर भाइतः।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थान बादी कहके पूर्वीक्य सम्पत्ति के वर्षक के सिए कार्यदाहियां करता हूं।

एक्त सम्बन्ति में अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाकीप ए---

- (का) इस सचना को राजधन में प्रकाशन की तारीब से 45 विश की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर त्यता की तामीन से 30 दिन की स्वीभ, जो भी बर्बीच बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियाँ भी में किसी व्यक्ति बनारा:
- (स) इस स्वता के राचपत्र में प्रकाशन की तारींब से 4.5 विभ के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बल्स व्यक्ति बुबारा, अधोहरताकारी के पास विश्वत में किए वा सकेंने।

ल्ब्स्टीकरण :---इसभी प्रमुक्त कव्यों अदि पदी का, जो उक्त ब्धिनियम, के अध्याव 20-क में गरिभावित ही, बही तर्च होता को उस अध्यास में दिस वया 🗗 🖹

#### नग्स्ची

जमीन का हिस्सा जिसका सी० एस० नं० 319, एल ० सर्वे नं ० ग्रंश 1/8423 (ग्रंश) नया नं ० 684 सी० ग्रार० ग्रार० नं० 154, 36/44, वेलिंग्टन स्ट्रीट, धोबी तालाब, बम्बई-2 में स्थित है।

श्रन्यूची जैसा कि कम सं० श्राई०→1/37 ईई/6506/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 14 जुन, 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राय्कत (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 29-1-1986

भोहर 🖫

प्रकार बाही, जीं, हम्, एस. -----

काशकार व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्वना

#### TIPS SERVE

# कार्यासय, बद्धायक बावकर बायक्त (निद्धांसान)

अर्जन रेंज-1, धम्बई धम्बई, दिमांक 29 जनवरी 1986

निदेश सं० अई-1/37—ईई/6970/85-86-37: मुझे, निसार अहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के संधीन सक्षम प्राधिकारों को, वह विश्वास करने का काइन है कि स्थावर संस्थित, विश्वका उपित बालार मुख्य 1,00,000/- रा. ते विधिक हैं

प्रौर जिसकी स० दुकान त'० 18 जो तल माला पाकी आ मार्केट ग्रेन्ट रोड, बम्बई-7 में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से विधित है), प्रौर जिस्सा करारनामा आयकर अधितियम 1961 की धारा 269 व. ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के सार्यात्म में रजीस्ट्री है, दिसांक 18-6-1985

को पूर्वीकर सम्परित को उचित बाबार मूल्य से कस के अध्यक्षत विषक्त के सिए जम्बरित को नहीं ही जीर मुक्ते यह विपन्नास करने के कारण ही कि यथ्यपूर्वीकत संपरित का प्रिक्त करण है कि यथ्यपूर्वीकत संपरित का प्रिक्त करण है जन्म कर विषक्त से एसे बाव्यसान प्रतिकाल के प्रतिकाल से एसे बाव्यसान प्रतिकाल के प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अंतरकां) और अंतर्कितं (ज्ञातिकार्ते के बीव्य पति बात्यस्थ के सिए सम पावा सम्प्रतिकाल विकास विकास विकास के सिए सम पावा सम्प्रतिकाल विकास विकास विकास के सिए सम पावा सम्प्रतिकाल विकास के सिए सम पावा स्थान होता कर से कारण समानिकाल के बादनीयक स्थान से कार्यक विकास स्थान हो कारण होता है जा स्थान होता है कारण होता है जा स्थान होता है जा स्थान स्थान होता कर से कारण होता है जा स्थान है कारण होता है जा स्थान होता है जा स्थान होता है जा स्थान है कारण है कारण है जा स्थान है कारण है कारण है जा स्थान है कारण ह

- (क) बन्तरण वे शुर्व किसी बाव की बाबत, अवत विविध्य के अधीन कर वंगी वी अन्तरक की वासित्व में कमी करने या उससे बचने में मृत्विधा की सिक; बाह्र/बा
- (व) एसी किसी बाब या किसी धन मा वस्य प्राप्तिकारी की, विन्ही भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम सा धनकर अधिनियम सा धनकर अधिनियम सा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ जन्तरिसी हवाछ प्रकर प्रही किया गया था या किया बाना धनीतर था किया विन्ही हो।

सर्वक्ष अव, अवत विविधित की भाष 259-म की अमृहरण वी, ती, उक्त विभिन्नम की भाष 269-म की उपधारा (1) की विधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत :--- (1) श्री ल्बैर दाउद आगबोटवाला।

(अन्धरकः)

(2) श्री भावेर एम० तापीया।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के वर्षन के जिए कार्यशाहियां करता हुं।

रक्त सम्बन्धि के मर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी वार्क्ष :---

- (क) इस मुखना के राजपण में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की समिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी समिश बाद में समाप्त होती हों, को भीतर पर्वोक्स अधीकताओं में से किसी स्पृत्तित हुवास;
- (क) इस सूचना में रावधन में प्रकाशन की तारीय सं 15 दिन को भीतर ंसत स्थापर सम्पन्ति में हितज्ञ्ञ किसी अन्य स्थापत व्यास अधोहस्ताक्षण को पास निर्मायत में किस जा सकोंगी।

स्वक्षांकारण: ---- इसमी प्रयुक्त शक्यों और पठीं का, वो उनक्ष अधिनियम, के सभ्याय 20-क मीं परि-भाषित हैं, वहर्ष अर्थ होगा, को उस सभ्याद को दिया गया हैं।

दुतान नं 18, जो तल माला पाकीक्षा मार्केट, ग्रेन्ट रोड, बस्बई 7 में स्थित हैं।

अनुसूचो जैग्राकी क० सं० अई-1/37-ईई/6537/85-86 थ्रौं। जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विसांक 18-6-1985 को रजीस्टई िया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी यहायक आयाकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

विनांक: 29-1-1986

प्रकार शाद टॉ. एवं एए 👵 - •

(1) श्रीमती पार्वतीबाई जी लालमलानी।

(अन्सरक)

(2) श्री जयंतीलाल आर० शहा।

(अन्तरिती)

अध्यक्षत्र श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की शहर 269-व (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनां ह 7 फरवरी 1986

निदेश सं० अई--1/37-ईई/7098/85-86---अत: मुझे, निराण अहमद,

भायकर अधिकिया, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसम । तसे पश्चात् उचन अधिकियमं कहा गया हो), की भारा 269-स के अधीन सक्तभ प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका स्वित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

स्रीर जिसकी मं० फ्लैंट न० 4, जो तल माला, णिवसागर इमारत वरली धम्धई—18 में स्थित हैं (स्रीर इनले उपाबंड अनुसूची में स्थार पूर्ण रहा है अणित हैं), स्थीर जिल्ला वारारतामा आयकर अधितियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन धम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनाज 28-6-1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुका से कम के प्रश्यकान प्रतिकल के लिए अंतरित की गर्व है और मुके यह विश्वास करने का कारण हैं कि बनाएक कि ता ज़िल्ल का ज़िल्ल हैं कि बनाएक से एंसे दश्यमान प्रतिकल का क्ष्मित है कि बनाएक से, एंसे दश्यमान प्रतिकल का क्षमित है बीर अन्तरक (अन्तरकों) जीर अन्तरित (अन्तरित को अभिक है बीर अन्तरक (अन्तरकों) जीर अन्तरित (अन्तरित कों) के बीच एंसे अन्तरक के सिए तम गया गया प्रतिकल निम्नितिक उन्दर्शन से स्वयंत्र अन्तरक विश्वित में अन्तरिक कर ते कि यह विश्वा विश्वा विश्वा कर्य के सिए तम का क्ष्मित कों।

- (क) अन्तरण से पुष्ट भिन्नती आज को नामा उक्त अधिनियम के नचीन कष्ट दाने के अन्तरक के दासित्य में कभी भएने या उनसे पचने में सुनिया के सिक्, शरीर/वा
- (स) ऐसी किसी नाम या अन या जन्य जास्तियों का, तें नहीं भारतीय लाय-कर राध्यिनयम, 1992 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, ना वन-कर नहीं निजय, शे प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया वाना वाहिए था. स्थितने में स्विका से किया की क्या से किया की क्या

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अभूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्लीलिकिक व्यक्तिस्त्यों, अर्थात ः-- क्षी वह अभाग पारी करके पुक्तिया सम्परित के वर्धन के जिल्ला कार्यनाहियां शुरू करता हो।

# उन्त बलात्व के बर्चन के बन्नल में कोई ही बाबीका--

- (क) इस तुम्बर ने राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की प्रविध या तत्त्वंभी व्यक्तियों पर त्यां की तासींस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वास में समाज होती हो, में जीवर पृत्रींकत स्वीवराज में वे किसी व्यक्ति पृत्रींकत
- (य) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीज से 45 विश्व के पीछड़ स्वयु स्थाप्त स्थारित में दिस्स्वृष्ट् किसी कृत स्थापित इवाझ अंशहरताल्डी के वाल किसित में किए या सकेंचे।

ारुदोकरणः --- इसमें प्रयासन कालों और पदों का, जो उन्हें अभिनियम क अध्याय 20-क में परिभाएँक हैं हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विवा गया है।

# अन्स्ची

फ्लैंट नं ० 4, जो तल माला शिवसागर, वरली हिल इस्टेंट को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, अब्दुल गफार रोड, वरली बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैंशाकी क्र॰ सं॰ अई-1/37–ईई/6663/85–86 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28–6–1985 को रजिस्टई किया गया **है।** 

निसार अ**हमद** सक्ष**म प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्ब**र्ध** 

दिनोक :7-2**-**1986

नोहर:

# प्रक्षम् बार्च् हो । एव , एव 🖯 वनववनवस्तराज्यस्

# नायकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के नधीन स्थना

#### नारक बरकाप्त

# कार्गालय, सहायक वायुक्त वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज∽1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986 निर्देश सं० अई-1/37—ईई/7095/85—86—-अतः मुझे, निसार अहमद

बायकार जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उनत अधिनियम' कहा ग्वाही, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विद्यास करते का कार्थ है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,90,000/- रा. से जिधक ही

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो, तल माला विजय सदन इमारत, डॉ० बी० ए० रोड, दादर टी० टी० बम्बई 14 में स्थिन है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारतामा आयकर श्रिष्ठित्तम 1901 की धारा 269 क, ख के श्रिशीन बम्बई स्थित सक्षम श्राह्म हो। के जार्यालय में रजोस्ट्री है। दिनांक 28-6-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च के उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तिकल, निम्नलिखित उच्च के किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से बिए;

अतः अस उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा४ (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ः——

(1) श्रीमती मंगला बी० मोरे दाँ० विनायक वी० मोरे, ग्रीर विलास बी० मोरे।

(अन्तरक)

(2) मोहन बी० अगरवाल।

(अन्तर्भारती )

को मह स्वना जारी करके प्वेक्ति संपत्ति के अर्थन के लिख् लिए कार्यवाहियां करता हुं।

#### उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप रू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी त्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिश की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्थालियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उठ रपायर मम्पत्ति में हितबक्ष किसी सन्यापित इंबर्ट प्रशाहर असी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषितः हो, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियाः गया है।

### अनुसूची

फ्लॅट न० 1, जो तल माला जो विजय सदन इमारत डा० बी० ए० रोड, दादर टी० टी० बम्बई-14 में स्थित हैं। अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-1/37—ईई/6659/85-86 और जो समक्ष प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-6-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बद्दी

ता**रीख**: 7--2-1986

प्रकृष्ट नार्षः सी , युग् पुर्वाहरू राज्यस्य स्वरूप

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के सभीन स्थना

#### मारत सरकाह

कार्यासय, सहायक जायकर जामुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेज-1, बम्बई

वम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेण सं० अई-1/37-ईई/6885/85-86--अतः मभे भियार अहमद

आयंकर जिभिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रांर जिन्नकी संव फुलैंट 10 107 जो ग्ली मंजिल, मंगल कुंज, बी-इमारत, 2 माउंट प्लेडोंट रोड, बम्बई-6 में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुगुची में श्रांर पूर्ण घन में वंणित है), श्रांर जिल्ला इसरातमा आयहर अधिनियम 1961 की धारा 269 7, द के अधील बमाई स्थित सक्षम प्राधिजारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 12-6-1985

को पूर्वनित सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के निरं हाजरित की गई हैं जीर मृक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थाप्वेनित सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल की, एसे जायमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिस्ति से अधिक हैं और जनतरक (अरारकी) और बतरिती (अंतरितियों) क बीच एसे बंतरण के लिए तय पासा सस्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; आर/मा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती खुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए:

अतः अनः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुबरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री दिलीप कुमान बी० मेहता।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती संध्या एस० मेहता।

(अन्तरिती)

(3) शैलेश बी० गहा। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

# उक्त सम्मति के वर्णन के संबंध में कोई भी वर्की :.---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविधि, जो भी वर्षाय बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीकरा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (था) इस स्थाना की राजपण में प्रकाशन की ताराध से 45 दिन को भीतर उकी रथालर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण:--- इसमें प्रयूक्त शका जार एकी वा जा उकत अभिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### पनुसुची

फ्लैंट नं० 107, जो 1ली, मंजिल, मंगल कुंल बी०, प्लाट नं० 2 माउंट प्लेशट रोड, बम्बई-७ में स्थित है अनुसुबी जैनाकी ऋ० सं० अई-1/37-ईई/6317/ 85-86 स्रीर जो सक्षम प्राधिजारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-6-1985 की रजीस्टई किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-।, बम्बई

दिनां ह :-7-2-1986 मोहर: प्रकल कार्यु हो , प्रवाह प्रवाह कार्या

नायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 268~भ (1) के प्रधीन सुचना

#### सारत संद्रकाड

# कार्यात्रव, सहायक बायकर बायुक्त (निष्टीक्रांक)

अर्जन रेंज-1, बम्बई वम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/7006/85-86--अत:

म्। 🚈 निमार अहमद

आयंकर लिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की वाच 269-का के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विसका उचित बाबार मूक्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जियका संव क्याँ ह नंव बी-201, जो बिकास अपार्टमेंटस, एव जी. पवार लेन नंव 2, घोष्ठपदेव, चिचपंकिती काँस, रोड, बस्बई-27 में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबड अनुमुची में पूर्ण कर स विणित है), ग्रीर जियका कार्यरामा आयकर ग्रीधिनिथम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रीवीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 21-6-1985

का पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है बौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिकत निम्मीलिचित उच्चेश्य से उनत बंतरण मिनिक्स में बास्तिक स्प से कथित नहीं किया गवा है है—

- (क) अभारण सं हुए जिली बाय की नावत करत स्वित प्रित्य के स्वीत कर दोने के बन्तरक के ताबित्य में कभी करने वा उत्तक बचने में सुविधा के विष्; स्वी/का
- (व) एवी किसी बाद वा किसी वन का कवा बासियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अभिनियम, या वन् कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना आहिए था, कियाने में सुनिया की जिहा;

ासः भव उत्तर विभिन्यम की भारा 269-व के बनवरण मं, में, एवत विभिन्नम की भारा 269-व की व्यथाता (1) के वभीन, निकालियक व्यक्तितार्थे, मर्पाद क्र---

(1) श्री जसवंतकुमार एस० उपाध्याय।

(भन्तरक)

- (2) श्री मोहित कुमार एम० हरावत। (अन्तरिती)
- (3) अवतरिती।(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्वना बारी कार्ये पृथीयत सम्परित् से वर्षन से विद्या

### उन्त रंपरित में वर्षन के संबंध में काई भी वाक्षेत्र हन्त

- (क) इस सुमार के एमपन भें प्रकाशन की तारी है के 45 दिन की नविंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुमार की तामील से 30 दिन की बब्धि, जो भी भविष् नाद में समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इत्तर्श;
- (क) इस ब्रूचना के ग्रंचपन में प्रकायन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-व्यूप किसी जन्म क्वित इवास, अभोहस्ताक्षरी के स्था विश्वित में किए या वर्षेणे।

स्पन्दोकरण. ----इसमें प्रयुक्त शन्यों भार पर्यों का, जो उक्त सिध-निक्त के सम्बाद 20-के के परिभाषित हैं, यही सर्थ होगा, जो उस सभ्याय में दिया गया है।

#### श्रनुसुची

ब्लाक नं० बी 201, जो बिकास अपार्टमेंटस्, अनंत गणपत पवार लेन नं० 2, घोडपदेव, चिवपोकली कौंस रोड, बम्बई-27 में स्थित है।

अनुसुची जैसाकी क्रम० सं० अई-1/37-ईई/6572/85-86 ध्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-6-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक :-7-2-1986 मोहर: प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

শাণ এই অধিনিয়ন, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, अम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फ़रवरी 1986

निर्देश मं० श्रई०-1,37-ईई,7022,85-86---श्रम: मुझे, निसार श्रहमद,

1.00,000/- रु. से अभिक हैं
भीर जिसकी सं० पर्लेट नं० 104/ए, जो, चन्द्रसोक ए-इसारट,
नेषियन भी रोड़, बम्बई-6 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुमूची
में और पूर्ण कप से बणित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर
श्रीधनियम, 1961 की धारा क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 24
जून, 1985

का पूर्वोक्त संस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान अधिक के लिए बतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार ब्रूच, उसके क्षयमान प्रतिफल में, एोसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिका में किथक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (जन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निटिक्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक क्ष्य से कथित नहीं किया गवा है है—

- (कः) अंतरण सं सृष्टं किसी आयं की बावत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसं बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

कतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती उवंशी जे० झवेरी

(ग्रन्तरक्)

 श्री भोगीलाल ग्रार० शहा, श्रीमती सरोजाबेन ग्रार० शहा ग्रीर श्री विरल बी० शहा

(भ्रन्वरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संवत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्र :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होती हो , को भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही कर्ष होंगा को एस अध्यान में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं 104/ए, जो, चन्द्र भुवन की-आप० हाउकिंग सोसायटी लि०, चन्द्रलोक ए-इमारत, नेपियन-सी रोड़, बम्बई-६ में स्थित है ।

श्रनुमूची जैसा कि का० सं० आई-1/37-ई ई/6588/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 24-6-1985 को रिजस्टर्ड विया गर्मा है।

> निसार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज-1, बम्बई

सारीख : 7-2-1986

ು ಗಾರ**ಾಜ್ಯಚಾರ್** ನಿವರಣದ ಗಿರ್ಮಾ<mark>ಣಕಗಳು ಮುಜ್ಜಿಕರ್ ಮು</mark>ವುಗಾಗಿ ತಾಗಿಕೆ

प्रकृषाहर, टी. एन. एस. ---------

# लायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यांक्य, सहायक भायकर जायकर (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 फ़रवरी 1986

निर्ण मं० ईई-1,37-ईई,6811,85-86—-श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एरचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित भाजार मृख्य 1,00,000/- ए. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० एमरा नं० 14, जो पहली गंजिल, कहन नगर सोसायटी, एन० मी० के लाउर रोड़, दादर बम्बई-400025 में स्थित है (श्रीर इप्तसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा क, ख के श्रवीन बभ्बई स्थित स्थम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 4 जुन, 1985

को प्रॉक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रथमान प्रतिफम के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास भरने का कारण है कि यथामृतीक्त सम्मत्ति का उचित बाजार म्ह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का क्ल्यूह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरित (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिंबल उद्विश्य से जक्त कन्तरण किश्वक में कारतीनक रूप से किश्वत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुड़ किसी नाय की बाबत, उक्त बीध-विग्रम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व भें कभी करने या उसस यक्षणे में स्विका के शिष्ट और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया आना आहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

क्ष्या: अब, तथन अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की एपधारा (1) के अभीन, निम्निलिश्त व्यक्तियों, अर्थात ध---

1. श्री मोहन लाल बी॰ मोदी

(अन्तरक्)

- 2. श्रीमती वमलाबेन बी० महा श्रौर विजय बी० महा (अन्त्रिती)
- 3. भ्रन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पृथोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उस्त सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अर्थाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील में 30 दिन की अर्थाध, को भी अर्थाध बाद में समापा होती हो, के भीतर पूर्वीकत स्थिक्ता में के किसी व्यक्ति हुदार (;
- (भ) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक में 45 दिन को भीतर अन्त स्थानर सम्पत्ति मो हितवव्य किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास निखित मो सं किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्द्धं और पद्धां का, वा उक्त अभिनियस, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया यदा है।

#### प्रन्प्चो

कमरा नं० 14; जो पहली मंजिल; कहन नगर हाउसिंग सोसायटी, 271,293, एन० सी० केल्यर टोड़, दादर, सम्बई-25 में स्थित है।

श्रनुसूची जैदा िकः सं० श्राई-1/38-ईई/6269/85-86 श्रौर जो अक्षम प्राधिकारी, बस्बईडारा दिनांक 4-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> निसार प्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

वारीख : 7-2-1986

मोहरा

बच्च वार्डं .टी. एन . एव . -------

बावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यांत्रव, बहायक गामकर वामकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फ़रवरी 1986

निर्वेश मं. भ्रई-1/37-ईई/6901/85-86---यतः, मुझे, निसार शहमद,

भायकर निपित्तमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्षमें इसके प्रशाद 'उक्त निधित्तियम' कहा गया हैं), की धारा 259-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाखार मूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 505, जो, पांचवीं मंजिल, टावर ही, महाविदेह नगर विक्टोरिया रोड़, साझगांव, बस्वई-10 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप्यूसि विजिता परारतामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्री हैं, तारीख 12 जून, 1985

की पूर्वोक्त संस्पित के उणित बाजार स्त्य से कम के क्रवजान श्रीतफल के लिए अन्तरित की नहीं है और मृत्रे यह विस्वास करने का कारण है कि मधापुर्वोक्त सम्मित्त का जिएत बाजार स्वयं का कारण है कि मधापुर्वोक्त सम्मित्त का जिएत बाजार स्वयं का कारण है कि मधापुर्वोक्त सम्मित्त का जिएत का श्रीक हैं और बतरक (अंतरका) और बंदरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के सिए तम पावा प्रवासिक कम ने कार्यक जुड़े के संस्था से सकत जैतरण तिकित ये जन्यभिक कम ने कार्यक नहीं किया गवा है है—

- (क) अन्तरण के तुर्द किसी शाम की शावक, समझ वीधीनयम के शंधीन कार दोने के अन्तरक के पासिस्थ में कमी कारने या उन्नर्स समने में मृतिधा के सिए; बॉर/पा
- (क) एसी किसी नाम या किसी धन या अन्य अस्तियां की, जिन्ह भरितीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्च लिधिनियम, या धन-किर अधिनियम, या धन-किर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नमा वा या विश्वा लाना चाहिए था, क्रियाने में मुजिया वे किया

नतः नवः, उक्तः निधिनियम का भारा 289-व कं वव्यारव कें, में. उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) वे क्रफीन "राजानियत क्यक्तिकों, व्यास्ति क्र---54---516 GI/85 1. श्री लालचन्द छगनलाल फाउंडेशन

(श्रन्तरः∀)

2. श्री रमनलाल एच० मलवन्द जी

(भ्रन्तिरती)

को वह बुचना वारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के अपने के जिल्ले कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी आक्रोप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराज में 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याद में समाप्त होती हो। के भीला प्रकार खाकरवी में में किसी स्वित्त धुवारा:
- (वा) इत सूचना को राज्यक में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-च्च्म किसी जन्य स्थावत ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के गम निस्तित में सिएए जा सर्वान।

#### मर्ग्यूपी

पत्नैट नं० 505, जो, पांचवी संजिल, सी० एस० नं० 587, माभगांच डिबीजन, टावर-डी, महाविदेह नगर, वि±टोरिया रोड़, बम्बई-10 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसा ि ऋ० मं० श्रई-1/37-है ई/6472/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोंक 12-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नि गर ब्रह्मद सक्षम प्राधि गरी सहायक ब्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) क्रजेन रैज-1, ब्रम्बई

दिनांक: 7-2-1986

मोहरः

# प्रकार बाह्", क्षी. युन , एक , ------

# नाएकर क्रिपिनयुम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्थान

#### नारत दरकार

# कार्यासय, सहायक भावकर वायुक्त (विद्रीक्षक)

म्रजन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फ़रवरी 1986

निर्वोध मं० ग्रई-1/37-ईई/7070/85-86-प्रात: मुक्ते, निसार श्रहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्वें स्वकें परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम अधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं 5-ए, जो तल माला, गीता भवन सी इसारत 93 भलाभाई देशाई रोष्ट, बस्बई-36 में स्थित है), (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्प में विणित है), श्रीर जिसका १ राजनामा श्राह्यर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, दिनांक 25-6-1985

की प्रेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य में कब के क्याबान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मसे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विविश्व में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण वे हुए जिल्ली बाव की बावक बन्द वर्गन-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के बावित्व में कानी करने या उक्के वर्षों में कृतिया के बिय:
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अध्य आसितवों, अतः, जिस्ते भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 रि 922 का 11) वा उपत अधिनियम, वा चय-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अप्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया प्रया या या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा न्दे लिए:

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थासः :--- (1) बाबू बी० पर्पिगील।

(अन्तरक)

(2) रघुवीर एस० खंडलवाल।

(श्रन्तिधर्ता)

(3) ग्रन्तरका

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पणि है)

को यह बुचमा बारी करके प्रांक्त सम्मरित के अभिन के जिल्हा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्स्वस्व-भी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी विश्व बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवप्र किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

# **प्रमु**ची

फलँट नं० 5-ए, जो तल माला, गीवा भवन सी० इमारत, 93 भुलाभाई देशाई रोड, बस्बई-36 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसाकी क० सं० ग्रई-1,37-ईई,6635, 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिशारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-1, बम्बर्ड

दिनांक: 7-2-1986

मोहर '

# प्रक्ष नार्चे हो । एन । एव ु------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरोक्तण)

धर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फ़रवरी 1986

निर्देश मं० ग्रर्ड-1/37-ईर्ड-6994/85-86--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसमें उसके तक्ष्मात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 व के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य ' 00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फलँट तं० 2, जो, 13वीं, मंजिल, जयवत को० श्राप० हाउसिंग मोसायटी लि०, धादरकर कंपाउंड तुलसीवाडी शास्त्रेव रोड, बम्बई-34 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रानुसूची में श्रीर पूर्ण कप से विषक्ष है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायवर श्रीधित्यम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधितारी के जायलिय में रिजिस्ट्री है। दिनांक 20-6-1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकार) और अंतरती (अंतिरित्यों) के बीच गुमें अंतरण के लिए तय प्राया प्रया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —-

- (क) नंतरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त सिंपिनियम के अभीन कार दोने के संतरक के दायित्थ में कभी कारने या उससे बचने में सुविधा के सिए, सौर/धा
- ्था) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था. छिपान ये सरिक्या के लिए;

बतः क्षा उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थाद्य:——

- (1) मेससं जयवत डेव्ह्लोपभेंट कॉॅंपेरिशन। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री क्याम ए० दिवान।

(भ्रन्वरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष्टु कार्यवाहियां करता हूं।

### उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बासोप :---

- (क) इस सुबना के राजपत्र में त्रकाशन की सारीत सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीकर पूर्वोक्स स्थित्तयों में से किसी स्थिक्त बुवाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, की उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फलंट नं० 2, जो, 13वी, मंजिल, जयवंत को० द्राप्र० हाउक्तिंग सोक्षायटी लि०, वादण्डर कपाउंड, तुलक्षी डी माडदेव रोड, बम्बई-34 में स्थित है।

अनुभूची जैसाकी कर सं० प्रार्थ-1/37-ईर्ड/6560/6568

निसार श्रह्मद सक्षम प्राधि री सह्यक श्रायकर श्रायुक्ट (िरीक्षण) श्रजीन रेज-1, श्रम्बई

दिनांक: 6-2-1986

प्रकास कार्य हो । एन । एस . -----

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ाग 269-म (1) के सभीन सुमुना

#### क्षा का का

कार्यांक्य, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 7, फरवरी 1986

নিৰীয় ন'o স্মাই-1<sub>1</sub>37-ইई<sub>1</sub>6822<sub>1</sub>85-86--সত: मुझे, निसार ऋहमद

गयनार अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

(सक थप्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स को अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिज्ञकी सं० फ़लॅट नं० 13.जो भरणागति, 2री मंजिल फ़लॅन्स रोड, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है। (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रन्भूची में ग्राँर पूर्ण मप से वर्णित है ग्रीर जिस्हा क्रारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 5, ख के प्रधीन बम्बई स्थित रक्षम प्राधिकारी के टार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांट 1985

को पूर्विक्त सम्पन्ति के उचित बाबार मुख्य ते कर के रूपयमान अतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित नावार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफाल से एसे इत्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रांत्रकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निस्तिवित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण जिक्ति में बास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क्र) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उथल विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के दाजिल्य में कामी कारने या उच्चते वचने में सुधिधा के सिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हु भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) वौ प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, कियाने जें सविधाके निए;

कतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वन्सरण के, मै, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्निजिखित व्यक्तियों. अर्थात्:---

(1) श्री टी० एन० श्री निव(सन।

(श्रन्तरकः)

(2) श्री श्यामस्दर गुरेजा ग्रीर श्रीमती नीलम ग्री० गुरेजा।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्णन 🔞 कियू कार्यवाष्ट्रियां करता हुए।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर ल्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, त्रो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तिया भा भा काका अधिक दालागा,
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति बुबारा, अधाहस्ताकरी के पास लिखित में किए का सकों गे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का जो उनद अभिनियम के अभ्याय 2()-कः में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्या∢ में दिया गया है।

#### अनुसूची

पर्लंट नं० 13, जो, शरणागती 2री, मंजिल, फलॅन्क सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई—1/37—ईई/6278/ 85~86 अं। र जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रैज-1, बम्बई

दि नांक: 7-2-1986

मोहरः

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 फ़रवरी 1986

निर्वोध सं० श्रई-1/37-ईई/6868/85-86--श्रद: मुझे, निसार श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० प्लैंट 25/414, जो इंडस्ट्रियल को० श्राप० हार्जिण सोशायटी लि०, इमारत नं • 20 टेरेस लॅन्डीग बम्बई—25 में स्थित हैं (ग्रार इसमें उपाबद्ध श्रनुमुची में श्रीर पूर्ण कप से विणित हैं), ग्रीर जिसका र रारनामा ग्रायार अधिनियम 1961 की धारा 269 व. ख के श्रधिन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के वार्यालय में रजिस्ट्री दिनांक —4—6—1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिसी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हम में काश्तिक हम के शित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आग की बाबत, उक्त जिथानियम को अधीन कर दोने के असरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अधीन :---

(1) श्रीमती भगवंती जी० महरोवी।

(भ्रन्तरक)

(2) पॅद्रशिक मेंडोका।

(अन्वरित्रि)

(3) अन्त्ररक्रा

(वह व्यक्ति जिन्ने श्रीधभोग में सम्पत्ति है)

(4) भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधीहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्प्रिम में हिसबद है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुखो

फ़लैंट नं० 25/414, जो इंडस्ट्रियल को० श्राप० हाउसिंग सोनायटी लि $\phi$ , टेंग्स लॅन्डीम इमारत नं० 20बरली बम्बई-25 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कि० सं० श्रई-1/37-ईई/6417/85-86 श्रीर जो ाक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985 को रजिस्टर्ड ब्रिया गया है।

निसार महमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीत रैज~1, बस्बई

दिनांक :--7-2-1986 मोहर :-

# त्रक्ष वार्द . दी . दम . दच . -----

# बार्यकर ब्रिविन्यम, 1961 (1961 सा 43) करे भाषा 269-म (1) में मधीन त्यारा

#### भारत सरकार

कार्यावय, सहायक मायकर मायुक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, विनांक 7 फ़रवरी 1986

नि**हों**ण सं० **ग्रई**-1/37-ई/7090/85-86---श्रतः मुझे निसार श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्डात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- रत. स आधक ह और जिसकी मं० फलंट नं० 68, जो, इमारत सी०, हायवे प्रवार्टमेंटस, 6ठी, मंजिल सापन (पूर्व), बम्बई-22, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रनुमूची में प्रौर पूर्ण रूप से वणित है), भीर जिसका तरारनामा श्रायकर श्रविनियम 1961 की धारा 269 क, ख के स्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 27-6-1985

को पूर्वेक्त सम्मरित के उचित बाधार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्चेंब्रत सम्पत्ति का उचित बाधार बृह्य, उत्तक दश्यमान प्रतिफल है, एसे दश्यमान प्रतिफल का धन्तह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाबा क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुइ किसी बाब की, वानता, उथत अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक के बामित्य में कनी करने या उससे वचने में तृषिधा के सिक्; और/या
- (क) होती किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को विन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन- अद अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनाथ अस्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा केतिक:

जत: जत, उसत जीवनियज की धारा 269-ग के अनुसरण हो, ही, उसत जीविनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) है जबीन, फिल्मिसिस कारियमों, मर्थात :---

(1) एलंब एसंब श्रयवाल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री महेंन्द्र जी० टक्तर।

(भ्रन्तिरती)

(3) श्रन्तिरती।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के अर्थन के सिद्

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेप :---

- (क) इत सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 बिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति क्वारा;
- (श) इसस्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हितअब्ध किसी अन्य स्थित क्यारा अधाहस्ताक्षरी के उपच लिखित में किए जा सकीये।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होने वो उस अध्याय में दिया नवा है :

### शन्**स्**ची

फलॅट नं० 68, जो, इमारत सी० हायवे ग्रपार्टमेंट्स, 6ठी, मंजिल, कायन, (पूर्व), बम्बई-22, में स्थित है। ग्रन्सिनी जैसाकी ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/6655/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 27-6-1985 को रजीस्टर्ड क्या गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक '-7-2-1986 मोहर

### प्रकृष बाह्र', दी. एम. एख.-----

मान्यार स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

# भावांसव, तहावक वायकर वाय्क्त (निर्धाचन)

धर्ज : रेंज-।, बम्बर्ध

बभ्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986

िर्देश सं । ५६%-५५% ईन्।  $6986 \mu 65 - 86 - \cdots$ श्रंतः मुझे, तिमार श्रष्टम र

बारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'जनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राध्य री को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपरित, जिसका उचित बाजार बस्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

और िस है। सं यूलिट नैं ७, और 7, जो तल माला यूलिट नें ७ 4, बेसमेंटन् में श्रमील इंडिस्ट्रियल इस्टेट परेल बराई—12 में स्वित है (और इसने उलाबढ़ श्रनुभूची पूर्ण में का से बांगत है), और जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधील बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बायालय में रजिस्ट्री है। दिसांक 9-6-1985

को प्राेंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफक्त को लिए अंतरित की गई है और मुभे यह निरुवाल करने का कारण है कि यथापूर्णोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती '(अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नौलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बार की बाबत, उक्क बीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (थ) एंसी किसी बाय या किसी धन वा छन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सकत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (१०५७ का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नियम चै किया।

अत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्ष्म अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीम, निम्नीलिसित व्यक्तिसों, अधीत्:— (1) श्रमः इंदरप्रतिजेसा

(भ्रन्तरक)

(2) मेमर्म हराभाई बंद देसाई।

(भन्तरितं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यमाहियां गुरू करता हुं।

जनता सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त विकासों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बत्र्थ किसी व्यक्ति व्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास िकित में किए जा सकोंगे:

स्वच्छीकरण: - इसमे प्रमुक्त शन्दों और पद्दों का, को उक्त अधिनियम , के अध्याय 20-क में परिशाधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिवा पद्मा है।

#### भनुसूची

यूनिट नं० 6, और 7 जी तज माला और यूनिट नं० 4, बेसमेंट, में धर्मान इंडिन्डियन इस्टेट 61, एस० एस० यह रोख, परेल बम्बई-12 में स्थित है।

ण पुत्र ने नैसार्कः क्र॰ सं० श्रई-1/37–ईई/6552, 85-86 अंश नो सक्षम प्राधिकारों बस्बई द्वारा दिलांक 19-6-1985 की रिजिस्टई किया गया है।

िसार अहमद सञ्जस प्राधिकार सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

विनोबः: 6-2-1986

मोहरः

प्रकृष बाइ . टी. एन, एस, -----

माधार संगीतिका, 1961 (1961 का 43) की पास 269-म (1) के नभीन क्यांग

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त निरीक्षण)
श्रजीन रेंज-1, वस्त्रई
बस्त्रई, वितीक 7 फरवरी 1986

िदेश सं० '२६ २५,३७ देही,४८।5,85 र86-**--प्रतः** मुझे, तिसार शक्ष्मद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अर्थ तिसकी सं० फ्लैट न० 9 इमारत नं० 11, टेजगी को० आव० हाउसिंग मोमायटो लि०, समर्थ त्यार चुनाभट्टी, बम्बई—22 में िथत है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में अर्थर पूर्ण छ। ये विणत है), और जिसका करारनामा आयकर अधितियम 1.961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में में रिजिस्टी है। दिनांक 4-6-1985

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मृत्य से कम के अवकात प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यमापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृक्ध, उक्षके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल का विश्व का परित विश्व है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अंतरितिकों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तब वाया चवा प्रतिकल मिन्दिशीयत उद्योग से उच्त बंतरण कि लिए तम वाया चवा प्रतिकल मिन्दिशीयत उद्योग से उच्त बंतरण कि विश्व में बास्तिक रूप से कारित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण वे शूर्य जिल्ही बाव की बावतः, व्यवस्था निमित्तमा को भनीम कर बोने की बन्तरका को शासित्त मों कभी कारने वा उत्तर्थ वचने की सूचिका को लिए; बॉर/का
- (ब) द्रंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर बीधिनियम, या बम-कर बीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा वे सिए;

शत: बाब उनत जीभीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण क', भी, उकत जीभीनयम की धारा 269-म की उनभारा (1) ख जभीर निस्मितियन व्यक्तियाँ अभीत के— (1) श्री प्रदीप जीव पालेकरा

(अन्तर्क)

(2) श्री मती कुमूम बी० श्रीगाणे।

(श्रम्तिर)

(3) राजन बी० श्रामाणे।

(बह व्यक्ति जिसके धश्रिभाग में समात्ति है)

को यह सूचना वादी करको पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हों।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी मवधि बाद में समाप्त हाती हो, को भीतर पृबोंक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावार संपत्ति में हितबष्ध किसी कर्य व्यक्ति द्वारा अक्षांहस्ताक्षरी के गांक किसित में किए आ सकरों।

स्थकतीकारणः--६समें अयुक्त सब्दों और पदों का, वां जेक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित ही वहीं सर्व होगा जो उस सध्याय में दिसा वसाही।

#### ननुसूची

फ्लॅंट नं० जो इमारत नं० 11, वि टेनच्टम् को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, समर्थ नगर, जूनभट्टी बम्बई--22 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी किं मं० गई--1,37--ईई $_{l}$ 6182 $_{l}$ 85--86 और जो सक्षम प्राधिकारी बन्बई हारा दिलांक  $_{4}$ --6--1985 को रस्जिटई किया गया है।

िसा घट्टमद सक्षम प्रदिशेष्ट्री सहायक आधकर आयुक्त (रिरंक्षण) प्रार्जन रेंज-1, वस्वई

दिनांक: 7-2-1986

# प्रक्ष बार्व . टी . एव . एव 👝 ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन

#### भारत तरकार

# कार्याभव . सहायक भागकर भावक (निर्द्राक्षण)

श्रजीन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांस 7 फरवरी 1986

िदेश मं० श्रई--1,37-ईई,6860,85--86----भतः मुझे निसार श्रहमद

कारकर शिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा नदा हैं), की धारा 269-क कें अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निकास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पर्कता, जिसका उचित नाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिनकी गं० फ्राँट नं० 1109, जो इमारत ए, सामनारी को० धाप० हा सिंग सोसारटी लि०, डंकन काँ वि रोष्ठ, नुतारही वस्त्रई—2? में स्थित हैं (और इसने उपाबद प्रमुक्त में अंगर पूर्ण का से बाँगा है,) अंगर जिसका करारतामा कायकर आधिनिसम 1961 की धारा 269 ए, ख से धारा वस्त्रई स्थित सक्षम प्राधिकारी से नामिल्य में निस्की है दिनांक 4-6-1935

कां पृथींवश सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान मिलकाल के लिए अन्तरित की गर्थ है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धरनायम है ६—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व जे अभी करने वा उसने बचने में सुविधा के लिए! और/ा
- ा ते जिल्ही जा पा किसी अन वा अन्य बासिवां को जिन्हा भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ज्याननातं शालरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में शुविधा खे निए।

त्रतः रहे, उक्त विधितियम की भारा 269-न के वनुसरण हो मी, हस्त र्विधितियम की भारा 269-ो की उपभारा (1) के राजि निस्तिसित व्यक्तियों, वर्षात्र ■

50-516 GI/85

- (1) श्री मर्ती धानंदकुमारी श्रार० घाघला। (श्रन्तरक)
- (2) श्री हसमूख के० दोणी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध के कोई भी आक्षंप ॥----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की लविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तित्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, की भीनर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वाय;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंगील में जितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निविद्यत में किए जा सकरेंगे।

स्वयद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कथां और पदों का, जो सकत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाबित हैं, वहीं वर्ष होगा को उत्तर अध्याय गाँदिया गया है।

# अनुसूची

फूलैंट नं 1109, जो, इमारत ए, भागनारी को आप व हाउसिंग सीमायटी लिव, इंडि नॉजिंग रोष, चुनाभट्टी बम्बई- 22, में स्थित है।

श्रमुची जैसाकी क्र॰ सं० श्रई-1/37–ई $^6$  $_1/6410$  $_1/85$ – $_3/86$  और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई हारा दिनांक  $_4$ – $_6$ – $_1/985$  को रजिस्टर्ड किया गया है।

िसार अह्**मद** संधम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरी**क्षण**) श्रजैल रेंजें ने, **बस्बई** 

दिनांक:--7-2-1986 मोहर: स्था भारते हो , एम , एम , .....

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-प (1) को वधीन सुचना

#### शास्त्र वर्गा

# कार्यासम् , सहायक सामकर मानुबन्ध (निय्नुवाम)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बर्ध, दिलांक 7 फर्चरी 1986

निदेश सं० प्रई-1,37-ईई,6874,85-86--प्रत: मही, निसार श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की पाछ 269-व के मधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, वह विवसत कर्ज का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उपित काजार मध्य 1,00,000/- रा. से मधिक हैं

और जिसकी स० फर्लेट नं० 2, जो 4थी, मंजिल, कुचर बिला खारेषुट रोष, दादर पार्या कौननं बर्ह्य में स्थित है (और इसने उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप र्घाणत है), और जिसका करारनाम। आयकर अधिनिधम 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कायितिय में रजीस्ट्री है। दिनांक 12-6-1985

को पूर्वीकर सन्परित के अधित बाबार मुख्य से कन के दश्यमान प्रतिकास से लिए अन्तरित की गई है। और मुभ्ते वह विकास करने का कारण है कि बभाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार भूक्य, उसके क्यमान प्रतिपाल से, एसे क्यमान प्रतिकल के रुख्य प्रतिकत से विभक्त है और नंतरक (नंतरकों) सौर नंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एके बन्दर्भ में जिल्हान बाबा पना प्रतिन कत निम्तिसिक्त उद्देश्य से उथत नन्तर्म निकित में शास्त्रीयक क्ष में करियत नहीं किया गया है के----

- (क) अंतरण से हुव्<sup>र</sup> फिली बाब की बाबत, उसर अभिनियम के अभीन सर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी धारने या उसमें मध्यने में स्थिया के शिक्षः बरि/वा
- (क) एची किसी बान वा किसी धन वा अन्य आस्तियां को चिन्हें भारतीय सायकार सिधनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भन-**कर व्यक्तियम, 1957 (1957 का 27) के** अयोजनार्च जन्तरिक्षी बुवास प्रकट नहीं किया बवा मा या विका जाना चाहिए या, क्रियाने में सुविदा वे प्रिष्:

बतः नव, उक्त विधिनियम की भारा 269-न के अनुसरण मा, मा, उक्त मधिनियम की भारा 269-क की उपभारा (s) जे अधीन, निप्ति**लित व्यक्तियाँ, वर्षात :-** -

(1) डी० एन० दरीवाला।

(अन्तरक)

(2) श्री नौरोझ इ० पंथाकी और श्रीमती कुमी एन० पंथाकी।

(भ्रन्तरिती)

को कह सबना बादी करके पूर्वोक्स सम्परित के वर्षन के विष् कार्यवाद्वियां करता हु ।

उक्त सम्परित् को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी नाशंष:---

- (क) इस सुचना के राज्यम के प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तस्मवंभी स्मनित्वों पर ब्चल को बागोब दे 30 दिर की वर्षीए, को श्री अविभ बाथ में अमाप्त क्षांती हो, के भीतर पूर्वांका व्यक्तियों में से विश्वी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वता की राष्ट्रक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य न्यन्ति दशरा अभोद्वस्ताक्षरी से वास निवित्त में निश् वा सर्वेगे।

लक्ष्मीकरण:---इसमें प्रयुक्त बच्चे और पर्यो का, वो उक्त वाधिनियम, के बध्याव 20-क वें परिभाषित है वही पर्व होता जो उन यक्याय में दिना गया है।

#### वन्स्ची

फलैंट नं० 2, जो, 4थी, मंजिल, क्षर विला खारेघ्ट रोड, दादर फारमी कौलनी, बम्बई, सर्वे नं० 561/10 माट्ंगा किविजन बस्बई में स्थित है।

ध्रतम्ची जैसाकी ऋ० सं० ध्रई-1,37-44,6307/ 85-86 और जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-6-1935 को रजीस्टर्ड विधा गया है।

> निमार प्रहमद मक्षत प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) धर्मत रेंत्र-ः, वगवर्ष

विनांक: 7-2-1936

श्रुक्षक वाहील डील एन्. एक ल प्रस्तान

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) भी नधीन स्थना

# (1) भेसर्स संजय इंटरप्रायजैस।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मीना जे० वाघनी।

(अन्तरिती )

#### भारत सरकात

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6862/85-86--अत: मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके प्रभात् 'अक्त अधिनियम' कहा गमा ह"), की भारा 269-क के मधीन सभम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का भारण हुँ कि ११/यर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य

1,00,000/- रतः ते अधिक हैं। भ्राए जिलाकी सं० फ्लैंट लं० 43 जो 4थी मंजिल, अनील अनार्टमेंटस् कॉलेंग गल्ली, दादर बस्बई-28 में स्थित है (श्रीर इपने उत्तबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ले बणित है), श्रीर जिलका जगरनामा आयजर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी क हार्यानय में राजिएट्री है, दिनांक 4-6-1985 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के डाचत बाजार मूल्य से कम के क्यमान वितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास कारने का कारण है कि यथापूनोंकत सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्यु, असको व्यवमान प्रतिकास से, एको व्यवनान प्रतिकाल का क्लूब प्रक्रियत से विभिक्ष है और बन्तरक (नन्दहरूरें) आहेत बंधरिती (अंतरितियाँ) के बीच एंसे अंतरण के निए त्य पाया भवा प्रतिपन्न निम्नलिकित उद्दर्शन वे उन्त अंतर्भ निकित में वास्तुविक रूप से कथिए वहीं किया गया है :----

- im) र्यतप्रा थं शुंद्र किसी भाग की बाब्त, उवस् अधिकित्यम् भी भागीतः कार क्षेत्रं भी जन्तरक के शायित्य मा अभी कुरते या उससे वचने में सुविधा फंखिय; बौद्र∕मा
- ांका एंसी किसी भाग या किसी धन या गरन जास्तियाँ कां, जिन्ही भारतीय आय-कर समिनिक्स, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या भग-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनार्थ जन्तरियों ब्चारा प्रकट मुद्दीं किया भया था या किया वाना वाहिए ना, कियाने कें समिया के सिया

**वद: क्व, उच्छ वधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण** में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अपीय निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को बहु स्वना बारी करके प्योंक्त सम्बद्धि के वर्षक के लिख कार्यवाद्विमां स्रक करता हूं।

बन्त सम्पत्ति के वर्षन की संबंध में कोई भी नाक्षेप र---

- (क) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित में हिसबद्ध किसी बन्य भ्यक्ति प्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा तकींगे।

स्वाचित्र :--- इतमें प्रयुक्त कव्यों नीर पर्यों का, वो डक्क मुभिनियम के मध्याप 20-क में गरिजनिष्क है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा यया 🔞 ।

### अमृत्यी

फुलैंट नं० 43, जो 4थी, मंजिल, अनील, अपार्टमेंटस, कॉलिज गल्ली दादर बम्बई 28 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-1/37-ईई/6412/ 85~86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 7-2-1986

प्रकप नाहीं, टी. एनं, एसं,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्स (निरीक्षण)

अर्लन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986 निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6824/85-86---अनः मुझे, निजार अहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० युनिट नं० बी०-3, जो तलमाला, श्री राम इडिस्ट्रियन इस्टेट, 13, जी० डी० आबेकर रोड, वडाला बन्बई-31 मं निया है (ग्रीर इत्तम उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण का प बींगा है), ग्रीर जिसका करारनामा आयावर अविनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अबीत प्रमाई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 6-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकृत से अभिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिचित में कास्तिक अप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्रिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात :— (1) श्री भटवरलाल एच० मिस्त्री।

(अन्तरक)

(2) मेसर्म केवलानी एड कंपनी।

(अन्यारिती )

(3) अन्तरितियों।

(वह ब्यक्ति जिसके अधिभाग में मम्पत्ति है )

कोः ग्रह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृक्षारा अधे हम्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में ६रिभाषित हों, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

#### भनुसूची

युनिट नं० बी-3, ओ इन माना, श्रीराम इंडस्ट्रियल इस्टेट 13, जी० डी० आंबेकर रोड, वडाला बम्बई-31 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि सं० अई-1/37-ईई/6280/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> भिसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 7-2-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

# बाबकर क्यिनियम, 1961 (19**61 का 43) की** शास 269-भ (1) के **गरीन स्थान**

#### भारत सरकार

कार्यस्य, सहायक बायकर वायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निवेण मं० अई-1/37-ईई/5865/85-86--अतः मञ्जे निवार अहभद

नायकर अभिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार जिसे अधिनियम कहा गया है), की पारा 260- के अधि प्रकार प्रशिक्तारों को यह विश्वास करने का कारण है कि उपलब्ध सम्मति, जिसका उचित वाचार नृस्त्, 1,00,000/- एक से लिभक है

स्रीर किलाही सं 500 जं। 5बी० मंजिल, भागभारी को० अला० हालिया मोलाही लि०, डील काँचये रोड, चुनाभट्टी बस्बई—22 में स्थि। है (याँच इससे लगावद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण का ने विधि। है), श्रीर जिनका कराएनामा अधिनियम 1941 की धारा 269 ज, ख के अधीन बस्बई स्थित लक्षम प्राथि हारी के लायीनय में रिजर्दी है, दिनां ह

का पुनाबन सम्मान्त में उन्हें का मुख्य में कम के दृश्यमान इतिफाल के लिए मेंतानत की गई है जोर मुक्ते वह विश्वास करने का निकाह है कि यथापूर्वावत संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके रहणाल परिकास में, एसे स्वयंगन प्रतिकत का प्रकार का प्रकार की अधिक है और अन्तरक (मन्तरकों) और बंतरिशी (बंतरितियों) के बीच एसे मंतरण के निय तय पाया प्रमा प्रतिकत मिला शिक्ष दिश हर्यक्ष से स्वत क्लारण विवित्त में शिक्ष स्वरंतिक की स्वाप की स्वरंतिक स्वरंतिक

- किं। का अपने में मुक्त किल्ला मान की नायत, सम्बद्ध समितिया में क्षीए यह दोने हैं जा हरा के अन्य में कर्मा अपने या असमें स्थान में स्थिता के किंद्र के.स्ट्रिंग
- (क) एशी किनी शय या किनी भन मा अन्य आस्तियों की, जिन् शारतीय नाय-कर अधिनिकन, 1922 (1922 का 11) वा उपण विधिनिकन, वा भन-कर विधिनिकन, वा भन-कर विधिनिकन, 1957 (1957 का 27) के शब्दिनार्थ जन्तरिती बुनारा प्रकट नहीं विका गमा था या किना काना चाहिए था, रिनारे वें सिना के लिए;

क्ष. अब, अवर अभिनियम की भारा 269-व कै अनुसरण में , भी, अका प्रीयोप्तयम की भारा 260-व की जवभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री गोपालदास कें व पंजाबी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भारती एन० धनेजा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

#### क्वत सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई बाओप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्विक्ता में से किसी स्वीक्त द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास सिचित में किए जा सर्लोंगे।

स्वक्यकरण :---इसमें अयुक्त धन्यां और पतों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा वक्ष हैं।

### अनुसूची

फ्लॅंट नं० 506, जो 5वी, मंजिल, भागनारी को० आप० हाउसिंग सोसायटी नि०, डंगल कॉंजबे रोड, चुनाभड़ी, बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक ऋ० सं० अई-1/37-ईई/6414/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिशारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सझम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-2-1986

प्रारूप बार्ड .टी . एन . एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269 व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर नामुक्त (निरीक्षण)
श्रजीन रेंज- , कलकता
वस्वर्ड, दिलांक 7 फरवरी 1986

निवेश सं० अई-1/37-ईई/7087/85-86-अत: मुझे, निसार अहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित प्राजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिन्नि स्० फ्लॅट नं० 2, जो 13वी, मंजिल, उटेल टॉबर बरली कृशा को हा है। इंगडंड, बी० जी० खैर रोड, बम्बई में स्थित है (श्रीर हर्ने उसबढ़ अनुसूर्वी में श्रीर पूर्ण कर ल पणि। है), श्रीर किए जा करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, खं के श्रधीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारी है जायनिय में रजीस्ट्री है, दिनांक 27-5-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रिक्षिण के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एग्से दश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तश्का) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है

- (क) जैतरण से हुई किसी शाय की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दाबित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिय: जौर/मा
- (क) एसी किसी जाय था किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ६ धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27, के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गर्थः नवा वा वा किया जाना चाहिए था, जिनार्थ में विकास के निष्

ातः सब, जक्त कांधनियम की धारा 269-व के अन्सरण कां, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

(1) श्री युनुफ अब्दुल्या पटेल।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स पूर्धार डायमंडस।

(अर रिती )

को यह सूचना जारों करके पूर्वीक्त सम्पत्तिः के अर्जन के सिप कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्मति को वर्षन को संबंध में कोई भी बाबोप हुन्त

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है 45 दिन की अविध या तरसंबंधी क्यांक्तया पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, खा भा अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति इवारा;
- (वा) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीय का 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ाधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया बक. हैं।

#### मन्स्ची

फ्तर नं० 2, जो 13वो, म्जिल, पर्टेल टौबर वरली कॅमा कोला कंपाइंड बी० जी० खैर रोड, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुसूची जैजाकी कि० सं० अई-1/37-ईई/6652/ 85-33 प्रांट जी जलन प्राधि हारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-6-1985 की रिजिस्टई किया गया है।

> गिसार अहमद लक्षम प्राधि गरी गहाय में आयोजर आयुका (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, यस्बई

दिनां ह: 7-2-1996

प्रकृप काह", टी. एन. युस. \*\*\*\*\*

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 थः 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः सहायक जायकर जाधकत (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, बम्बर्ड बम्बर्ड, दिनांक 7 फरवरी 1986

भिर्देश सं० अई-1/37-ईई/6803/85-86---अन: मुझे, निसार अहमद

आयंकर अभिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह'), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह यिहवाल करित का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका तिचत बावार सुम्ब 1,00,000/- क. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० फ्लैंट नं० वी-503, जो, विकास इमास्य श्रानंस गणपन पावर लेन श्रीप जिचपो ज्ली काल सोड मा जंगसन, भायखला, श्रम्बई-27 में स्थित है (श्रीप इस्ते उपावछ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिस्ता उपाक्स अनिमा अधिकर अधिनियम 1961 की धारा 269 मुख के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में स्थित्ही हैं, सारीख 4 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार नृत्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द ही और मुभ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि मशाप्वोंकत सम्बद्धित का उपित बाजार मूक्य, उसके दरमान प्रतिफल का पण्डल प्रतिकात से लिथित ही और अन्तरिक (अन्तरिक) और अंतरिणी (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम गाया गया प्रतिफल, निज्ञानिकित उद्योच्य से जबर अंतरण लिखित में नाम्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हाई किसी आध्य की ताबता, उकत जिल्लाम के प्रधीत कर दोने के उत्परक, के द्यागित्य में कमी करने या उसमें बचने में भृतिधा के लिए! और/मा
- (था) एसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिकित्त, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोकन नार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नथा था या किया जाना चाहिए वा जिल्लाने में अधि के विश्व

भन बब, उक्त अभिनियम की भारा 269- व के अन्यरक र्ग, में सक्त अभिनियम की भारा 200-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री आर० टी० मेहना जन्स्ट्रक्यान कंपनी।
 (अनारक)

श्री शातीलाल एवं गंजार। (अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सुन्यति के वर्धन के लिए फार्यवाहिकां भूक करता हूं।

# बक्त सम्बत्ति के वर्जन के बम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की ठारीक धें 45 किन की अविधि या तरसन्यन्थी व्यक्तियों यह स्थाना की तामील में 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्विक्ध व्यक्तियों में से किसी स्थीपत्र बुवारा;
- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारांच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विरुवपूर्व किसी जन्म व्यक्ति वृत्रारा अधोहस्ताक्ष्मी के शाद विकास में विकास का सक्तें ।

•चन्द्रीकरण :---इसमें प्रयुक्त कर्या और पर्वो कर, को सबस विभिन्नियम को प्रभाग 20-का भी परिक्राणित हो हो अभे होता, को प्रभागाम में दिका का हैं...

#### वर्ष्य

फ्लैट नं० बी/503, जो, विकास इमारत, अनंत गणपत लेन और जिन्मोकली काम रोड का जंक्शन, भायखला, बम्बई-27 में स्थित है।

ानुसूची जैनाकि क० सं० लई-1/37-ईई/6261/85-83 और जो पक्षण प्राधिकारी यस्यई द्वारा दिनांक 4-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया हैं।

> नियार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बर्ष

दिनांक: 7-2-1986

# व्यन् नार्के हो। पुरत् पुरत् स्थान

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकाडु

# भवित्य , सञ्ज्ञावक वायकर नायकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिशांक 7 फरवरी 1986

पिर्देश सं० अई-1/37-ईई/6789/85-86--अत: मुझे, निमार अहमद

नायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' नहा गया ही), की धारा 269-स के अधीन मशाण प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाषार मृज्य 1,00,000/-रा. से विधिक हैं

भ्रोर जिनकी सं० फ्लेट नं० बी/602, जो, विकास इमारत, अनंत गणपत पावर लेश और चिवपोकली कास रोड का जंक्शन, भायल ता, बस्बई-27 में स्थित हैं (भ्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं) भ्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 4 जुर, 1986

का पूर्वों वत संपर्शि के जिंचत बाचार मृन्य ते कम के दश्यमाम्
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करन का कारण है कि यथा पूर्वों वस सम्पत्ति का
अभित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे धर्ममान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक
है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच
अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निभ्नलिखित उद्देश्य
से उनत अंतरण लिखित में बासिवक रूप से किथत नहीं किया
गया है:—

- (क) अमारण स हुद्दं किसी बाय की बावल, जनक जिम्मियन के अभीन कर बोने के बंतरक के दायित्य में अभी करने वा उत्तरे अभने में सुविधा के लिए; वर्ष /याः
- (वा) ध्रेसी किसी जाव ना किसी धन वा बन्ध वास्तिकों को, जिन्हों भारतीय वासकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा धन्य विधिनयम, वा धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रधाननार्ध जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, जिन्मों संविधा के लिए।

बत् बब, उक्त विभिन्नम की भारा 269-न के बन्बरक के, में उत्तर विभिन्नम की भारा 269-म की जमभारा (1) के वभीत, निस्तिवित व्यक्तिकों, वर्षात ह——

- 1. श्री आर० टी० मेहभा इन्स्ट्रक्यात कंपनी। (अन्।एक)
- 2. श्री पदमावती वी० त्रिवेदी।

(अन्तरिती)

कार यह स्थान वारी करके प्रतिकत् सम्पत्ति के अर्जन के विष्

# उन्त सम्पत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी वासेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संबंधि या तत्संबंधी व्यक्तियों वर सूचना की सामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथानित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवादाः
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की जागीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान, मंद्रीत्य के हिस्तबर्ध किसी मन्य व्यक्ति इवारा वर्षात्रकार के पास निश्चित में किस का सकोंने।

स्थायाकरण:---इसमो प्रमुक्त शन्दों कीए गर्दा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होता आंदर प्रधार में दिया न्या है।

#### अमुसुची

पलेट नं ० बी/602, जी, जिकास इमालनबी, 6ठी मंजिल, अनंत गणपत पायर लेत प्रीय चित्रपोकती कास रोड़ का जंकणन, भायखता, अध्यर्ध-17 में स्थित है।

अनुसूची जैलाकी कर मंद्र सई-1/35-ईई/6192/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बन्बई द्वारा दिसीक 4-6-1985 की रजिस्टई दिया गंपा है।

> निनार अहमद सक्षम प्राधि जरी सह्यक आयाकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-7-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकार अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्स (िनरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

भम्बई, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6797/85-86—अतः मुझे, निसार अहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लेट नं० एफ० जी० 9, जो तल माला, इमारत नं० 1, नवयुग को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, फोर्जेट हिल रोड़, अम्बई-36 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रीर श्रीर पूर्ण कर में विणित हैं), जिसका करार-नाम आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 4 जन, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कभ के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितिकाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उपन अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधाराए (1) के अधीन, निम्ने लिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——
56—516 GI/85

1. श्री आनंद पी० जाधव।

(अन्तरक)

2. श्रीमती चेतमा आर० शहा।

(अन्तरितो )

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति कें अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्त में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरें।

स्पद्धीक्षरणः ---- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनसूची

पर्नेट नं० एफ०/जी० नं० 9, जो, तल माला, इसारत नं० 1, परमुग पगर को-आप० हाउसिंग मोसायटी लि०,फोर्जेट हिला रोड़, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-1/37-ईई/6255/85-86 और जो खक्षम प्राधिकारी बम्बई बारा दिमांक 4-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-2-1986

प्ररूप बाई, टी., इन्., इंड : ========

# नायकर जीवीनयज्ञ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्पीन स्पना

#### भारत सरकार

# कार्यक्षय, सहायक वाग घर वायुवत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6878/85-86-अनः मुझेः, निसार अहमद

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रु. स आधक ह
भीर जिल्ली सं० फ्लंट नं० 201, जो, 2री मंजिल, अनूज
अपार्टमेंटस, ऑगस्ट क्रांती मार्ग, गवालिया टेंक, बस्बई-30
में स्थित है (ब्राँर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ब्राँर पूर्ण रूप से
वर्णित है) ब्राँर विश्वका जरारनामा आयकर अधिनियम
1961 की धारा 269र, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 12 जून, 1985
को प्राँकी सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्ध्यमान
प्रतिकत के निष्ण अन्तरित की गई है और मुक्त एड विकास
कारण है कि बनाप्नोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य
सक्क स्थमान प्रतिकत से पंक्र
प्रतिकत से अधिक है बार अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित
(अंतरितियाँ) के सीच एसे संतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में
बहरियक रूप से कथित नहीं किया गया है के

- (क) अन्तरण में हुई िकसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने मा उससे बचने में नृविधा क बिए; बीर्/बा
- (ग) इंग्री किसी नाय या किसी थन या अन्य वास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जायकर विधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या अन्यकर अधिनिवस, या अन्यकर अधिनिवस, 1957 (1957 का 27) ए प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के किए;

जतः अब, उक्त जिथिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण बैं, जैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) है समीन निम्मजिसिस स्यक्तियों अर्थास् क्र-  श्रीमती सरीता एस० कोठारी, रेखा एस० जैन श्रीर गंजय एस० कोठारी।

(अन्तर्भक्र)

 श्री नेवंतीलाल एच० पारेख, श्रीमती मंजूला एस० पारेख, जितेश एस० पारेख और बी एल एस० पारेख।

(अन्दरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यप्राहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर सक्त स्थानर सम्पत्ति में हिनवक्ष किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

लक्कीकरणः ----- श्रममें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, को उकर विकित्तवा, के बच्चाव 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष हरेगा मी उस अध्याप वो विभाग गया ही।

#### मन्स्ची

फ्लेट नं 201, जो, अनूज अपार्टमेंट्स, 2री मंजिल, आगस्ट क्रांती मार्ग, गवालिया टेंक, धम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैगाकि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/6311/85-86 स्रीए जो सक्षम प्राधि गरी बम्बई द्वारा दिनांक 12-6-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद नक्षम प्राधिकारी सहाय हु आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बस्बई

दिनां ए : 7-2-1986

### प्रकृष बाद् .टी. एन. एत . ------

# जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की रास 269-म (1) के ब्रान् स्मना

भाग III — खण्ड 1]

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनां क 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37ईई/6988/85-86--अत: मसे, निसार सहमद

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **(विवे इत्**में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जि की सं० फ्लैंट नं० 102 जो अनुज श्रशर्टमें ट्स, 1 ली मंजिल आसस्ट काती मार्ग बम्बई-36 में स्थित है (श्रीप इसने उपाबड अनुसची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है ), और जिसका कारनामा ग्रायकर अधिनियम, 1961, की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय ने रिजिस्ट्री है नारीख 19 जुन, 1985

का वर्धान्त मन्यांस के उचित बाजार मृत्य में कम के **स्वयमा**न प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की धाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए;

अतः ास, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के बभीन, निष्म[स्थित ध्वनित्तर्थी, अर्थात् अ---

 कुमारी स्जाता एम० कोठारी, श्री मनसुखलाल एम० कोठारी (पिता और पालक---सोनल एम० कोठारीं भीर अन्य)।

(श्रन्तरक)

2. श्री प्रदीप स्नार० शहा श्रीमती सुभद्रा स्नार० शहा धिरेन प्रार० शहा उमेश प्रार० शहा ग्रीर दिनेश श्रार० शहा ।

(भ्रन्तरिती)

को नह सूचना वारी करके पूर्वोंक्त, सम्मृति के वृजन के दिव्य कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

# उन्त सम्मति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई थी बालेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशनक्री **तारीस से** 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख 📂 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्रभ किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### प्रनुपूची

फ्लैंट नं० 102 जो, ध्रनुज श्रपार्टमेंटस, 1सी मंजिल. ग्रागस्ट कांती मार्गे, बम्बई-36 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी क० सं० ग्राई-1/37-ईई/6554/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 19-6-1985 को रिजस्टई किया गया है।

> निसार घहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्ब**६**

दिनौंक: 7-2-1986

मोहरः

# अवन चार्डा,ही पुरम् पुरान् गानवाराताल

# बायकर विधानवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) जे वंभीन बुजना

#### भारत पहला

# कार्याजन , तहायक बायकर बावका (निर्वाजन) भ्रजीन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 फरवरी, 1986

निर्वेश सं० अई-1/37-ईई/6851/85-86--श्रतः मझे, निसार श्रहमद

नावकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें प्रथात् 'उसत निधित्यम' कहा नया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारल है कि स्थावर संपत्ति, विश्वका उचित वाचार मृज्य 1,00.000/- रा. से विधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० औद्योगिक युनिट नं० 220, जो, 2री मंजिल टो० वो० इंडस्ट्रियन इस्टेट, प्लाट नं० 248(ए), सुदाम कालू अहेरे मार्ग और वरली रोड का जंकणन, वरली, बम्बई-1 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 4 जून,

को प्रॉक्ट संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्थवान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे वह विश्वास कर्डने का कारण है कि समाप्वॉक्ट संपत्ति का उचित वाकार बृस्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पम्बद्ध प्रतिसत से सिथक है और जन्तरक (जन्तरका) जोड़ अन्तरिती (अन्तरितियों) से बीच एसे जन्तरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से सकत बम्बद्धक सिवित में वास्त्रिक रूप से कियत नहीं किया पना है :---

- (क) नम्बरण चे हुई किसी नाय की बावध डमड अभिनयस के जभीन कर दोने के नम्सरक के दासित्य में अभी कड़ने या डडचे बजने में सुविधा में सिए; और/वा
- (थ) ऐसी किसी बाय वा किसी ध्या या वश्य बारिस्तयों की, विन्दू भारतीय नाज-कर शिधिनयन, 1922 (1922 की 11) या करत स्थितियम, या धनकर स्थितियम, या धनकर स्थितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-वार्थ कर्नात्ति इवास प्रकट वहीं किया वस वा वा किया वाना चाहिए का क्रिया में स्थित के स्थित

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुबरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन<sub>भ</sub> निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री विरेश एन० लालीवाला।

(श्रन्तरक)

2. मैंसर्स क्यू० एस० एस० कलर प्रोसेसर्स प्रायवेट लि०। (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी कहुके पूर्वोक्त संपरित के अर्चन के निष्टु कार्यवाहिया सुक्ष करता हुई।

उपत सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के प्रथमत में प्रकाशन की तारीश के 45 बिन की जनीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीब से 30 बिन की जबिभ, को भी जनीभ नाव में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ठारीच हैं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्कत में हितवद्ध किया नम्ब न्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पाष्ट लिखत में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थी उक्क अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### पनुसूची

ग्रौद्योगिक यूनिट नं० 220 जो, 2री मंजिल, टी० बी० इंडस्ट्रियल इस्टेट जाँट नं० 248(ए), सुदाम कालू श्रहेरे मार्ग ग्रौर वरली रोड का जंक्णन, ग्लेक्सो के पीछ वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

अनसूची जैसाकी कर संर प्रई-1/37-ईई/6400/85- 86 धौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 4-6- 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

विनौक: 7-2-1986

मोहरः

प्रकप बाई. टी. एन. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 259 व (1) के मधीन सुबना

#### अनग्स सरकार

कार्माचयः, प्रकृतक गायकर माध्यक (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/6817/85-86--ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद

कावकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके वश्वात् 'उन्त की भीतिममं कहा गया हैं], की भारा 269-व के सभीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का सकरण है कि स्थावर अभिकारी विश्वका उचित्र माजार मृख्य 1,09,000/- रु. से सिधक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 12-ए० जो, 1ली मंजिल, ए-विंग, पुरुषोत्तम टावर्स, श्राफ गोखले रोड़, (दक्षिणी), दादर, बम्बई-28 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 6 जुन, 1985

की भूनों ने तु सम्पतित ने जिन्त नावार मूस्य वे कम के क्षममान क्षिक्षक के लिए अन्तरित की नई है जीड़ मूझे यह विश्वाब करने का नारण है कि वथान्वोंकत तंपरित का उचित वाबार मूक्य, उवके दश्यमान प्रतिकास के, श्रे व दश्यमान प्रतिकास का क्ष्मह्र प्रतिकास से विश्व है और वन्तरक (वश्यरका) और वन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच श्रे वश्यरण के सिए तय पाया श्या प्रतिकास निम्मतिवित उथ्योदम से उक्त अन्तरण निम्मतिवित उथ्योदम से उक्त अन्तरण निम्मतिवित व्यावस्थ निम्मतिवित व्यावस्थ निम्मतिवित के स्थान नहीं किया गया है :---

- [क] मन्तरण सं हुई किसी शाप की शावत संवत अधि-नियम भी अधीम कह दोने के मन्तुक के दायित्व में कमी करने या उत्तत्वे वचने में सुविधा के लिए; शीर∕वा
- (क) ऐसी किसी बाव वा किसी भन या अन्य बास्तियों की, जिन्हीं भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पथा था या किया वाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए:

नतः मन, उन्नत अधिनियम की भारा 269-व क जनसरण नै, मैं, उन्न विधिमयम की भाषा 269-न की वपभारा (1) के अधीन, निम्नस्थितित स्थितवस्थीं, सर्वात क्र-- 1. मेसर्स ठाकूर कन्स्क्ट्रशन।

(ग्रन्सरक)

2. श्री मोहन शंकर वर्दे श्रीर कृमारी लक्ष्मी एम० वर्दे। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के हिंबए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त कम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस मुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच के 4.5 दिन की संविध या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिवाँ में से किसी स्वक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सार्थिश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिए-क्ष्म किसी कन्य व्यक्ति वृदारा अभोहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए वा सकेंगे।

स्थलकरणः — इत्तमें प्रभूतत् शब्दों और पर्वो काः हा स्थल श्रीपृत्तमः, के स्थातः 20-क में परिभाषितः हो, यही नर्व होगा थी उस सभ्याय में दिया पदा हैं।

# मनुसूची

फ्लैंट नं० 12-ए, जो, 1ली मंजिल, ए-विंग, पुरुषोत्तम टावर्स, श्राफ गोखले रोड (दक्षिण), दादर, बम्बई-28 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसाकी कि० सं० प्रई-1/37-ईई/6274/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 6-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बस्बई

दिनीक: 7-2-1986

प्रकृप भार दी पुरु एवं .-----

ज्ञायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/6989/85-86-- ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिनकी सं० फ्लैंट नं० 202, जो, अनूज श्रपार्टमेंटस 2री मंजिल, आगस्ट क्रांति मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद श्रनमूची में और पूर्ण रूप से विणित है)/ श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिंगस्ट्री है। तारीख 19 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित साजार मृत्य से कम के ध्ययमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निववास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपति का उधित साजार मृत्य, उसके द्रथमान प्रतिकाल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकाल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकाल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकाल के पन्त्रह प्रतिकात सें अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितश्यों) के पीच एसे अन्तरण के जिए तम पामा गया प्रतिकाल, निम्निवित्त स्वयंदय से उनत अन्तरण सिवित्त में नास्तिका स्थ से अधिक महीं किया गया है:—

- (क) जन्तरूप सं हुई जिसी आग की कामत, जन्तर जिसिनयम के सबीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के जिए; बॉर/या
- (थ) एसी किसी बाग वा किसी भन् जा कला जास्तियों को, जिन्हों भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जीवनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को अवोजनार्थ जन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए या, छिपाने वें सुविधा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिसिस व्यक्तियों, अर्थात:---  श्री चेतन एम० कोठारी धरमेण एम० कोठारी, ग्रमीनणा एम० कोठारी (पिता और पालक मदन लाल एम० कोठारी, और मदनलाल एम० कोठारी, हि० ग्र० कु०।

(ग्रन्तरक)

 श्री मयूर श्रार० मेहता, समीर श्रार० मेहता श्रौर विमिश श्रार० मेहता।

(अन्तरिती)

न्त्रं यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त राज्यित के वर्षन के हैंबए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी साम्रोप :---

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय थे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पद स्थान की तामील सें 30 दिन की जबिथ, वो औ अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पृथीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुधारा;
- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्वाधर मंपित में हिसबक्ष किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरों के वास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्मण्डीकरण:---इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, वा उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिका मना है।

#### अनुसूची

पलैट नं॰ 202, जो, भ्रनूज भ्रपार्टमेंटस, 2री मंजिल, श्रागस्ट क्रांति मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है।

श्रनसूची जैसाकी कि सं श्रई-1/37-ईई/6555/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई श्रद्धारा दिनाँक 19-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रह्मद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 7-2-1986

# प्रकृष वार्षं . ही . एन . एत . ------

# नायकर निर्धानयस. 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) से नभीन सुमना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहामक बायकर जायुक्त (निरक्षिण) श्रजीन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 6 फरवर्त, 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/6934/85-86--श्रतः मुझे निसार श्रहमद

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रचात् 'उक्त अधिनियम' सक्ता गया है), की भारा 269-स के भधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव नंव 32 जो 3री मंजिल श्रारती इमारत ताडदेव रोड़ बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुर्च. में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयार श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 था, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 14 जून 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विवसास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) 1. मेसर्स मित्तल दन्स्ट्रवशन कंपन्।

(अन्तरक)

2. श्रा राजेंद्र कुमार बैंद श्रींग श्रामता बसंता देवा सेठीया।

(भ्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी अयिक्तयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (कः) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी जन्य व्यक्ति क्वारा, अभोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो वा, को उकलं अधिनियम, के अध्याय 20-व में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

#### नन्सूची

फ्लेट नं० 32 जो 3री मंजिल ग्रारता इमारत सा० एस० नं० 380 ताडदेव रोड़, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूचा जैसाकी ऋ० सं० अई-1/37-ईई/6502/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज-1 बस्बई

दिनांक: 6-2-1986

प्रकथ कार्य हो. एन. एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 4:3) की भारा 269-ज (1) के बधीन सुचना

#### पार्व बर्क्ड

# कार्यालय, सहायक नायकर बाब्क्त (निर्देशक)

म्रर्जन रेंज-! बस्बई

बम्बई, विनांक 6 फरवरी, 1986

निर्दोश सं० ग्रई-1/37-ईई/6858/85-86----ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/~ रू. से अधिक है

स्रीर जिसको सं० फ्लेट नं० 106 जो सहकार निवास दि माडेल को-श्राप० हाउसिंग सोसायटा लि०, 20, ताडदेव रोड़ साददेव बम्बई-34 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सुना मैं श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)।श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 4 जुन, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के सब्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुर्फे यह विश्वाद करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्योध्य से उक्त अन्तरण सिकित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाम की बानत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के सीक्षरक में सभी करने का उसते क्कने में बृणिभा क्षेत्रियः ग्रीर/मा
- (वा) इसी किसी बाय वा किसी धन या कत्य जास्तियों को, चिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाता चाहिए वा, छिपाने में कृतिका के लिए:

भत: अय, उक्त अधिनियम का भाष 269-न के नन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभाषा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री श्रंबालाल जार पटेल।

(श्रन्सरक)

- 2. श्रं। हितेश मनहरलाल शहा श्रौर मिना पंकज शहा। (श्रन्तरितः)
- मेसर्स श्रामा सोसायटा नारायणपूरा, श्रहमदाबाद।
   (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को बहु सुधना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

बन्त बन्मित्त के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध काद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस भू बना के राज्यपन में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नथोहस्ताक्षरों के पास निवित में किए जा सकीने।

स्पक्षीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 2) के में यथा एट्रि-श्रावित हीं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया हो।

#### थनुमुची

पर्लेट नं० 106 जो, 3रा मंजिल सहकार निवास दि मांडेल को-भाष० हाउसिंग सोसायटा लि०, 20, ताडदेव रोड़, ताडदेव, वस्वई-34 मैं स्थित है।

ग्रनुसुवं। जैसा कि कि से ग्रई-1/37-ईई/6408/85-86 भीर जो सक्षम प्राधिकारा, अम्बई द्वारा दिनांक 4-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकार। सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्दाक्षण) श्रजीन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 6-2-1986

मोहर: /

# प्रकृप बाइं.टी.एम.एस. ------

# नायः र मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व(1) को स्पीद सम्बन

#### भाष्त सरकार

मार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्रीक्षण)

% र्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 फरवरी, 1986

नि रेंग सं० श्रई-1/37-ईई/6778/85-86—-श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प बात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा १८२-व के अधीन सक्तम एडिकारी को, यह निश्वास करने का कार है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00.100/- रह. में अधिक हैं

श्रीर जिसका सं० फेन्द्रा युनिट नं2 320, जो, मिलन इड-स्ट्रियल इस्टेट, बाटन श्रीन, बम्बई-33 मैं स्थित हैं (श्रीर इससे जावद श्रनुसुन: मैं श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसाल करारवामा श्रायार श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 ए ख के श्रवतन बम्बई स्थित सक्षय प्राधिकारों के कार्यालय में रिजिन्द्र: हैं। तारोख 1 जुन, 1985

कांपूजों त सम्पत्ति को उपित बाजार मुख्य से कम को इदयासन प्रतिकल ने लिए। अन्तरित की गड़ी

हैं और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथा-प्वॉक्त : म्पित का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अंत के (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित स्दृष्टेश से उकत किरण लिखित में वास्तिबक रूप से कौंथत नहीं किया गया है:—

- (ह) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; बार/बा
- (क) ऐसी किसी बाय वा किसी धन वा अन्य आस्तियों को बिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्च सन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया बवा धन हो जिल्हा नावा चाहिए ना, हिल्ला में सुविधा के लिए;

जतः उत्त, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग की अगुसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) भी मधीन निकासिक्ति स्यक्तिमी, अगित् कुन्-57--516 GI/85 1. मेसर्स स्वाय एजन्सीज।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स लिशास श्रार्टस।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोधतः सम्मित् के ब्रायम् के विक्

उचत सम्मत्ति के अर्थन के सन्दर्भ में कोई भी वालीन 🎞

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की व्यक्तियों पर स्थान की तानीन से 30 दिन की व्यक्तियों पर स्थान की तानीन से 30 दिन की व्यक्ति सो भी व्यक्ति वास में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्य व्यक्तियों में भी किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपीत में दिख-बद्ध किसी सन्द व्यक्ति इतारा अधोहस्ताक्षदी के शक्ष जिसित में किए या सकींचे ।

#### श्रनुसूची

फीन्ट्रो युनिट नं० 320, जो, सिलन इंडस्ट्रियल स्टेट कॉटन ग्रीन, बम्बई-33 में स्थिरा है।

श्रतुसूचा जैसाको क्र॰ सं॰ श्रई-1/37-ईई/6244/85-86 श्रीर जो सक्षत्र प्राधितारा बम्बई द्वारा दिनांक 1-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सञ्जम प्राधिकारो सहायक श्रावकर श्रायुक्त (निरक्षण) ग्राजैन रोज-1, **बम्बई**

दिनांक: 6-2-1986

प्राराप बार्च. टी. एन. एक.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा २६७-घ (1) के अधीन स्पना

#### भारत सरकार

कार्यात्रयः, सहायक काग्रकर आयक्त (निरक्षिण) म्प्रजिन रेंज-1, बम्बर्ष

बन्बई, दिनां ह 7 फरवरी, 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/6480/85-86--- श्रतः मुझे, निसार इन्हमद

गायक र अर्रानिकार । 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सारके पण्यात 'ारा प्रधिनियम' कहा गया हो, की भारा 59-क के अधीर । एकक्ष एक बाकारी प्राप्त नह विकास करने का शासक को स्थित रहे हो हो जिल्लाका **उत्तित बाजार मृत्य** ਾ.00,000/- ਨ *ਦੇ ਸ*ਿੰਘ**ਰ ਤੋਂ** 

श्रीर जिल्लकः संब लायीनयनं २ 203, जो, व्यापार भवन, 49 पार डिनेती रोड़, यन्नई-9 में स्थित है (और इससे उपायक अनुभूको में और पूर्व कर से वर्गित है। अपेर जिसा करारशमा अत् : अधिकित: 1961 क;धारा 269: खा कार्यो । व वे विभिन्न व पर्दे लिए त्रावार प्राधि गरा के वार्यान लिय है पिन्टू है सार छ 1 जून, 1985

कत पत्र भिन्त राज्य । जाता जी का पत्र में काम की कायमान प्रतिकास के लिए अप जिल की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि प्रशास्त्रीयन सम्मत्ति का असित शासर भारत, उसके दश्यमान प्रतिफार में एमें दश्यमान प्रतिफास का पन्यह प्रशिक्तत ने अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) **और यन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया** परमा गया प्रतिकात, विकासिमित उद्योख में उक्त जन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (ग) अन्तरण में उर्द विसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कार दोने को अन्तरक खे दाप्तिय से कभी करने या उससे बचने में सविधा ল "শ্ৰাহ্ম ক্ৰ**িয়ে হ**য়
- (का) एमी किसी अाय या किसी धन या अस्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधितवम, या धन-कर तिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाजनार्थ अन्तरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

६६६: अस, उवन अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण भी. भी उक्त अरिपनियम की धारा 269-ध की जपभारा (1) के काधीय, निरंत<sup>ि</sup>त्रिणित **पश्चिमधी, प्रभाति** अ---

1. मेसर्स टोड: इंडस्ट्रियल प्रायवेट लि०। (ब्रन्तरक)

2. व्यामिती बिंदु पारस गीठ।

(अन्तरिता)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त तम्पीता की अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ध-

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बार में समाप्त होता हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति मे हितबदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहन्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सक्जिं।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिश है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ण्या है।

#### अनुसूची

कार्यालय नं० 203, जो, 2री मंजिल, व्यापार पवन, 49, पा2 डिमेलो रोड़ बम्बई-9 में स्थित है।

श्रनुसूच: जैसाकी ऋ2 सं० शई-1/37-ईई/6333/85-86 श्रीर जो पञ्जन प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 1-6-1985 को रजिस्डटर्ड विया गया है।

> निसार श्रष्टमव सक्षम प्राधिकारो सहाय ह प्राय हर आयुवत (निरक्षण) धर्जन रेंज-1, बस्बर्ध

दिनां र : 7-2-1986

प्रकृप आईं.टो.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, िनाँउ 7 फरवरी 1986

निर्दोग सं० श्रई-1/37-ईई/७883/85-86--श्रतः मझे, नितार शहमद

भायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थायर सपित, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00. ' उ पे रिश्त है

भौर ितः, संव क्लंड पंच 15, जो, गरेच नंच 24, संभित्त को-प्रााव हार्जीत निताहो, उत्ती नाते, बब्बई-18 में स्थित है और इने उत्तबक प्रन्ता में और पूर्ण रूप से विगत है और जिल्ला उत्तरनाम प्राावर प्रतिनित्त 1961 की धारा 269 ज, खं व भयोग बब्बई स्थित अभम प्राविकारी के हाराहा में टोन्सों है। अरोब 12 जून, 1985

की प्वेंक्ल संपत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के स्थमान शितफल के लिए अनिर्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है जि स्थाप्त्रीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण संहुई जिसी आय की बावत, उपत अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व मो कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्यार्ग में, में, उग्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निश्वास व्यक्तियों, अर्थान् :---

- श्रामतो निरा विता उर्फ श्रोमता विता श्रमोत। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती संदीय चीत्रा।

(अन्तरितो)

- 3. मेसर्स न्यू० स्टन्डर्ड इंग्लिशियींग कंदना गि०। (बहु व्यक्ति।, जिल्ले प्राधिभाग में सम्मत्ति है)
- 4. प्रन्तरित्।

(वह व्यक्ति, जिलके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हिलबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत समाति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्राध्यन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तररायधी व्याक्तयों पर सूचना की तामील सं 30 दिन का अर्थाय, जा भे अवधि बाद में समान हाती हो, के भीतर प्रीक क्यक्तियों में में लिखी ध्यायत द्यारा;
- (ख) इस सूचना को राजपन मों प्रचायन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थापर सम्पत्त हो। हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वान, जनोह काक्षरी के पास लिखित मों किए जा सहींगी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का जो उन्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में यथा परिभा षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

पर्नेट नं० 15, जो, गरेन नं० 4, संस्रीत कोन्यार० हाउँसिंग सोतायटो, वरशो सीकेर, वश्वई-18 में स्थित है।

भनुसूची जैलाहि कि० सं० भई-1/37-हैई/0315 85-86 भौर जो सक्षम प्राधिहारों ब-खई द्वारा दिनाँह 12-6-1985 को रजिस्टर्ड हिया गजा है।

> नितार ऋ**्मद** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयज्ञ आयुकः (निरंक्षण) श्रानैत रेंज-1, **बम्बई**

दिनौक: 7-2-1986

प्रकृप बाइं.टी.एन.एव.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) जे अधीन सूचना

#### भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
प्रजीन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनाँक 7 फरवरी 1986

नियंश सं० ग्रई-1/37-ईई/6768/85-86-- ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

भागकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रयात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हूं), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकरास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- र.. से अधिक है

स्रौरिजिसकी सं० फ्लैंट नं० ई-6, जो ब्लाहनं० 2, मिरमन्यन को-स्राप० हाउसिंग सोलायटी लिं०, प्लाट नं० 29वी, सायन माटुंगा स्किम नं० 6, सायन, बम्बई-22 में स्थित हैं (स्रौर इससे उपाबद्ध सनुत्रामे में प्रौर पूर्ण रूप से वर्गित हैं) स्रौर जिसका करारनामा श्रायहर श्रिधानम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित नक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजिर्ट्री है, हारीख 1 जून, 1985

की प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान क्षित्रका के निए जन्तरित की गई है और मुम्हे यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार भूग्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकत से एसे क्ष्यमान प्रतिकत्त का पन्त्रह् क्षित्रत से विक्षक है और बन्तरक (बन्तरकार) और बन्तरिती (बन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरण के निए तय बाया पदा क्षित्रका, निम्नीसिवत उध्योच्य से उक्त अन्तरक निवित्त में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया पता है क्ष्य--

- (क) वन्तर्भ से हुई किसी नाम की मानत, उक्त निध-नियम के नधीन कर दिनेके अन्तरक के दाधित्व वा सभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; नौर/वा
- (क) एंडी किसी नाय था किसी भन या कत्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 के 11) या अबा अभिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना पाहिए था, । अपने में सुविध्य में विद्य

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिवित व्यक्तिरफों, अर्थात् ड़—ः  श्री एम० एस० सबतानो श्रीर श्री वी० एस० सबनानी।

(भ्रन्त क)

2. श्रीजी० एल० जैंन।

(भ्रन्ति ती)

3. श्रन्तरिर्ता।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पति है)

क्षों यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए फार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि भी सत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर ्वोंक्र व्यक्तियों में से किसी भ्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वं पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त एव्दों औं पदों का, जो उक्र किभिनियम, के अधीन कथ्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस कशाय कें दिया क्या हैं।

#### धनुसूची

फ्लैट नं ० ई-6, जो, 4थी मंजिल, मिरा मन्शन की श्राप० हाउर्जिंग सोसायटी लि० प्लाट नं ० 29 बी, सायन तटुंगा स्किम नं ० 6, सायन, बम्बई-22 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की फ्र॰ सं० श्रई-1/37-ईई/623 4/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनाँक 1-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार जहमद सक्षम प्राण्किारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निःक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनाँक: 7-2-1986

मोहरः

#### मारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 फरवरी 1986

निदश सं ० %ई-1/37-ईई/6850/85-86--- प्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

भायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन र अम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्था-र सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1 00 000/-र से अधिक है

1,00,000/-रु से अधिक ही श्रीर जितको सं० पृतिट नं० 219, जो, 2री मंजिल,टी० बी० इंडिस्ट्रियन इ टेट, प्ताट नं० 248 (ए) सुंदाम कालू श्रहेरे मार्ग, श्रीर ारली रोड का जंकान, वरली, बम्बई-18 में स्थित में (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) फ्रोर 'जनना करारनामा स्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्याय में रिजिस्ट्रों है, तारीख 6 जून, 1985 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के राष्ट्रयानान प्रिक्तिस के लिए विरित्त की गई है और मुक्ते यह विश्वास **डरने** का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित वाजार ब्रुक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के इन्ब्रह प्रतिशत्त से अंभिक ही और जन्तरक (अन्तरका) और ब्रॅंतरिती (ब्रंतरिति<sup>र≀</sup>ै) के वीच एंसे बन्तरण के निए तम पाया बया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेष्य से उक्त बन्तरण लिखित् वाँ बास्त्रविक रूप संक्रियत नहीं किया पदा है k---

- (क) बनारण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त समिति र के सभीन कर पोने की जन्तारक को दासित्य में कभी करने या उससे बचने में बुविधा के लिए सौर/या
- (क) ऐसी िसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को फिन्ह भारतीय जायकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा भा वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिया

जतः अव, उकः विभिनियम की भारा 269-न को जनुसरण मो, मी, उक्त अतिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री जयेश एन० ला/िवाला।

(श्रन्तरः)

2. मेसर्स क्यू॰ एस॰ एस॰ कलर प्रोसेसर्त प्रायवेट नि॰। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके शृबोंक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां कारता हो।

उस्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष अ-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वें के व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहालाक्षरी के ग्रम्म लिंगान में किस का का महिला

स्परका करणः - इसमें प्रयुक्त जन्यों और पर्दा का, को उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में विशायया है।

# मन्द्रकी

यूनिट नं० 219, जो, 2री मंजिल, टी० वी० इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्लाट नं० 249 (ए), जुदाम कालू श्रहेरे मार्ग श्रीर बरली रोड का जंकगत, क्लैक्सो के पोळे, बरलो, बम्बई-18 में स्थित है।

धनुसूची जैसांकि क० सं० धई-1/37-ईई/6306/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 6-6-1985 को रिजस्टिंग किया गया है।

> निनार भ्रहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बई

विनौक: 7-2-1986

मोहरः

प्ररूप आर्दं. टी. एन. एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंन-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 फरवरी, 1986

निर्वेण सं० प्रई-1/37-ईई/6849/85-86--- प्रतः मुझे, निसार प्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

धौर िको सं बेनमेंट यूनिट नं 23, जो, टी वी इं इस्ट्रियन इस्टर, सुधाप कार्य अहेरे मार्ग और वरली रोड का जंबना, तक दिन 18 में स्थित है (श्रीर इनसे उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्ण का से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अविनियम 1901 की धारा 269 क, खूँ के अधीन वस्त्रई स्थित राजम प्राधिकारों के कार्यालय में रिलिस्ट्री है, तारीख 6 जून, 1985

को प्वेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह बिख्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वर्ष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:--

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत नियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ववारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थास्:— 1. श्रीमती मोहिनी महागा।

(श्रन्तरक)

2. मेतर्स क्ष्यू० एत० एत० इंब्हेस्टोर्स प्रायवेट लि०। (श्रन्तरितो)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्ट क्यक्टियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शस्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### ग्रनुसूची

बेतर्मेंट यूनिट नं० 23, जो, टी० बी० इंडस्ट्रियल इस्टेट, सुदाम कालू ब्रहेरे मार्ग धौर वरली रोज का जंक्शन, बम्बई-18 में स्थित है।

भनुसूकी जैसाकि कि सं भई-1/37-ई ई/6305/85-86 और जो सक्षम प्राधि नारी बन्बई द्वारा दिनौंक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरोक्षण) ृंश्रजैन रेंज-1, बस्बई

विनौक: 7-2-1986

धक्य बाह्'. टी. एव. एव. -----

# , ,

# शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (व) (1) के अभीन सुचना

#### भारत करकार

# क्षायांजय, सहायक आयकार आयुक्त (निराक्तिण) धर्जन रेंज-1, सम्बद्ध

अम्बई, दिनौंक 6 फरवरी 1986

निर्वेश सं० प्रई-1/37-ईई/6947/85-86--प्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके वरकान 'उनते भिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निष्नास करने का जरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रोर जिनकी सं० कार्यालय नं० 503, जो, 5वीं मंजिल, ब्यागार भवन, 49, पी० डिमेलो रोड़, बम्बई-9 में स्थित है (ग्रीर इनसे उपाबद्ध अनुसूत्रा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ,श्रोर जित्तका करारतामा श्राय तर अधि नियम 1961 की धारा 269 ह, ख के श्रधोन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय में रिलस्ट्री है। तारीख 17 जून, 1985

की प्रवेशित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रियम के लिए अंतरित को गई हैं जर मृत्ये यह विश्वात कर्म का कारण हैं कि बचापूर्वे विश्व सम्पत्ति कर जीवत बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पत्तक प्रतिस्त से विभिक्त हैं और जंतरक (वंतरकों) और वंतरित (वंतरितियाँ) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया वया प्रतिफल निम्नीमबत उद्देश से उकत अंतरण निम्नीमबत के नास्तिक क्ष से किया गई हैं किया गया है हैं —

- (क्ष्में अंतरण ते हुइ किसी बाय की वायत, उक्त अभिवियस के अभीन कर दोने के अंतरक के बायित्ल के फासी कारने या तसके तकने के सुविधा के लिए; करि/बा
- (भ) एसी भिन्नी आय या किसी भन या अस्य वास्तियों को जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनभार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजसार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविशा के मिए;

अतः अव, उक्त विभिन्तियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं उक्त व्यापितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वधीन, निस्तिविक्त व्यामिकयों, वर्षात् ध--- 1. श्री नंदलाल एव० चावला।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स पायल इंटरप्रायजेता

(ब्रह्मारितो)

को बहु स्थना कारी करके शुवितत सम्मरित अ वर्णन के लिल् कार्यनाहियों करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीए से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी विक्तसों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समानि मों हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास राजान्य स्थान

स्पष्टोकरणः -- इसमें प्रय्कत शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **म्म्स्**ची

कार्यालय नं० ५०३ जो, 5वीं मंजिस, व्यातर भवर, 49, पी० डिमेलो रोड, बम्बई-9 में स्थित है।

भनुसूची जैसाकी ऋ० सं० भई-1/37-ईई/6514/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंत 17-6-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> निशार श्रहमद सक्षत आधिकारो सहायक श्रातकर श्रापुत्त (तिरोक्षण) श्रजैन रेंज-1, बम्बई

दिनाँक: 6-2-1986

मोष्ठर:

प्ररूप नाइ. टी. एन. एस. -----

# भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

#### मार्व सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त निरीक्षण) मर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 फरवरी 1986

निर्वेश सं० श्रई-1/37-ईई/7002/85-86--श्रतः मुसे, निसार श्रहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उच्छात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रू. से अधिक है

श्रीर जिन्ही सं० पलेट नं० 11, जो, तल माता, माटुंगा कमल-कुंज को-श्राउ० हार्जीनण सोतापटी नि०, 582, जामे जमणेद रोड़, माटुंगा, बम्बई-19 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप से यणित है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायहर श्रिधितयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रवीत बमाई त्यित तक्षत गानिहारों के कार्यात्य में रिजिट्टी है, तारीख 21-जून, 1985

करं पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विद्वास करने ना कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् अतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्सरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वान्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- ंक) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अर्थभित्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक औं दाधित्व में किसी कारने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- का एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था छिपान भें सुविधा के लिए?

बत अब, उक्त अधिनियम की भारा 260-ग के अवस्थल कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज नी उपभारा (१) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात कुल्ल श्रीमतो कपलावतो एम० मेहता।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती विमलाबेन बी० शेठ धौर श्री प्रविण बी० शेठ।

(भ्रन्तरिती)

भ्रन्तिस्तोयों।

(वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभाग में सम्पत्ति है)

को थह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उका सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाक्षेप s--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकारन की हारी है से 45 दिन की अविधि या तत्मम्ब में व्यवितयों पर स्वना की सामील से 30 दिन व ने अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हों के भीतर प्रविक्त व्यवितयों में से किसी व्यवित अन्त.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर कर्यात्त माहितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधारताक्षरों के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्यध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस पध्याय में दिया। गया है।

#### **प्र**नुसूची

फ्लैंट नं० 11, जो तत्र माला, माटुंगः कमलहुंग की-श्राप० हाउसिंग सोआयटी लि० 582, जान जनगेद रोड्र, माटुंगा, बम्बई-19 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/6568/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 21-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> िनार ऋड्मद महम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनौक: 7-2-1986

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक खायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/6720/85-86---श्रतः मुझे, निसार श्रहमध,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उपते अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करन का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी सं जिल्लेट नं जी/603, जो 65ी मंजिल विकास
इमारत, ग्रमंत गणपत पवारलेन ग्रीर चिचपोकली कास रोड
का जंक्शन, भायखला, बम्बई-27 में स्थित हैं (ग्रीर इससे
उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में बिणत हैं),ग्रीर जिसका
करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 है,
ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री हैं। तारीख 4 जून, 1985

का पूर्वीका संपत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के द्रवान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ट्रवमान प्रतिफल से, एसे द्रवयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रयिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिति (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किखित में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मो कभी करने या उससे कचने में सुबिश्रा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

आत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 26.9-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 26.9-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित स्यक्तियों, अर्थात् :—— 58.—516 GI/85  मेनमं श्रार० टी० कन्स्ट्रक्शन कंपनी। (श्रन्तरक)

2. श्री तृपार बी० त्रिवेदी।

(श्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्देश के वर्षन के सिक् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बक्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीकां से 45 दिन की अवधि वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पृशीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुक्ता के राज्यत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- वर्भ किसी जन्म क्यक्ति इवारा, क्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो जन्म अधिनियम, के अध्याय 20-क में सथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

#### नन्स्ची

स्लेट नं० बो-603, जो, 65ों मंजिन, विकास इमारत, प्रनंत गणपत पावर लेन ग्रीर निवपोक्तो काम रोड का जंदणन, भायखना, बम्बई-27 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० ग्राई-1/37-ई/ 6193/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई हारा दिनाँक 4-6-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> नियार भ्रहमद सन्नम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-1, बम्बई

दिनाँक: 7-2-1986

मोहर : 🖁

# त्रक्ष बाद .दी. एन. एस. ------

# नामकर निभिन्नम, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-च (1) के नभीन सूचना भारत सरकार

कार्यांत्रय, तहायक वायकर वायकत (निरोक्तण) भ्राजेन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनौंक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० **अई-1/3**7-ईई/7-16/85-86---श्रतः मऊं, निसार **महमद**.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'जकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 201, जो, धनूण ध्रपार्टमेंट, ध्रागस्ट कांति मार्ग, बम्बई-36 में स्थित हैं (ध्रौर इससे उपाबक धनु-सूची में ध्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ध्रौर जिसका करारनामा ध्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 हे, ख के अधीत बम्बई स्थित सक्षम प्रातिध कारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 22-6-1985

को पूर्वेकित सम्पत्ति को उपित बाहार सक्य पाध्य को हरणमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और सूक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्त्रिधा के सिए; बरि/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय वायकर आंश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में मुश्रिधा के लिए;

नतः अव, उनत निधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, में, उनत निधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) भं अभीन, निम्निसिंक व्यक्तियों, सर्भाव क्र—  श्री संवंतीलाल एच० पारेख, श्रीमती मंजूला एस० पारेख, जितेंश एस० पारेख ग्रीर विनत एस० पारेख।

(भ्रन्तरक)

 राजेन्द्र रामलाल बारोट ग्राँर हंसा ग्रार० बारोट। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के नर्पन के सबंध में कोई भी काश्रोध :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर शृचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो . के भीतर पूर्धोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति (४०७):
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास हित्य में जिए जा सकीर ।

स्पष्टिकरणः ---इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया ही।

# अनुसूची

फ्लेंट नं० 201, जो, श्रन्ज श्रपार्टमेंट, श्रागस्ट कांति मार्ग, 2री मंजिल, गवालिया टन्क, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी अ० सं० प्राई-1/37-ईई/6-82/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनौंक 22-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निक्षार स्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनाँक: 7-2-1986

# प्रकृष कार्ष . टो . एन . एक <sub>स्थानसम्बद्धानसम्वतसम्बद्धानसम</sub>

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाग 269-म (१) भी अभीन सुपता

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

ित्रिंश सं० अई-1/37-ईई/6825/85-86---यत: मुझे, भिसार अहमद,

माथकर मिथिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रांर जिसकी सं पलेट नं 101, जो, अनूज अपार्टमेंट, 1ली मंजिल, आगस्ट कांती मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है (प्रांर इपसे उपाबत अनुसूची में प्रांर पूर्ण रूप में विजन है) प्रांर जिस हा करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि हारी के हार्यालय में सिजस्ट्री है, तारीख 6 जून, 1985 को पूर्विक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से एसे द्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुद किसी नाम की बासर, उक्त विश्व किसीनयम के अभीन कर दोने के जन्तरक क्षे दायित में कमी करने या उससे बचने में सुविभा की लिए, अपर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या स्वत जिभिनियम, या अनक अधिनियम, या अनक अधिनियम, 1987 (1957 का 2") के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए आ, स्थिपाने में स्विभा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित न्यिक्तयों, अधीत् ॥——

- श्री जस्मिन एम० कोठारी, अनूज एम० कोठारी, मोहनलाल एम० कोठारी (पिता श्रीर पालक— मोहनलाल एम० कोठारी, हि० अ० कु०)। (अन्तरक)
- श्री प्रफुल एम० वोरा श्रीर श्रीमती हर्षा पी० वोरा।
   (अन्तरितो)

को यह स्वामा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिइ कार्यवाहियां करता हुं।

उपत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभ या तरसम्बन्धी व्यक्तिकों पह सुमना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में वे किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपक में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त निविनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विद्या प्रया है।

#### **नम्स्ची**

फ्लैंट नं० 101, जो, अनूश अपार्टमेंट, 1ली मंजिल, आगस्ट क्रांती मार्ग, बम्बई-36 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक ऋ० मं० अई-1/37-ईई/6281/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी अभ्वई द्वारा दिशांक 6-3-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बस्कई

दिमांक: 7-2-1986

# बच्च आहें हैं हों हुन्, एवं : - - - --

# बावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-प (1) के नभीन सुपना

भारत सरकार

# कार्यक्रिक, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्रि) अर्जन रेज-1 बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी, 1986

निर्देश मं० अई-1/37-ईई/6949/85-86—-uत: मुझे, निसार अहमद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ह के अधीन सक्षेम प्राधिकारी को यह विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जितकी सं० फ्लैट नं० 52, जो, 5वी मंजिल, शिल्पा अपार्टमेंट, प्लाट नं० 4, 5 श्रीर 14, माटुंगा डिविजन, बम्बई-14 में स्थित हैं (श्रीर इपसे उपायड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जितका करायतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के दार्यालय में रिजस्ट्रो है, तारीख 17 जुन, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मृत्य हे कम के दिश्यान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास का कारण है कि यथाए वॉक्त सम्पत्ति का उत्तित बाबार मृत्व, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ए ते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित ज्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी आय की बाबत उकत विचित्रण के बचीन कर दोने के जन्तरक के दाजित्व में कसी करने या उससे वचने में तुविधा के लिए, बीर/या
- (ण) देवी किसी बाव या किसी धन या जन्म आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (192? का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा वै विवार

मत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती फिल् आर० सोनावाला।

(अन्सरक)

(2) डा० मेहरू एच० करानावाला।

(अन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके पृथींबन्न सम्परित में अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

### रक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध के कहि भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति यो भी धविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाराह
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर अन्तर स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कभोहस्ताक्षरी के पाक लिसित में किए जा सकोंगे।

. ज्या करणः च च इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया नया ही।

# मनुसूची

फ्लेंट नं० 52, जो, 5वी मंजिल, बिल्पा अपार्टमेंट्स, प्लाट नं० 4, 5 औं १: 14 माटुंगा डिविजन, एम० एम० जी० एस० मार्ग, दादर (मध्य रेलवे), बम्बई-14 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/6516/85-86 ग्रांग जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनां क : 7-2-1986

# प्रका सार्व ु हो ु एक ु एक ुक्ष----

बायकर बोभनियन, 1961 (1961 का 43) **की** भारा 269-म (1) के वभीन सुचना

#### भारत सरकार

भागीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनां ह 6 फरवरी 1986

निर्देश मं० अई-1/37-ईई/7100/85-86----यतः मुझै, निसार अहमद,

नायकार नीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उस्त निधनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 च के नधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से निधक हैं

स्रोर जित्रकी मं० युक्तिट नं० 301, जो, 3री मंजिल, जमीत इंडस्ट्रियक इस्टेट, परेल, बम्बई-12 में क्थिक हैं (श्रांर इसमें उत्तबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित हैं) स्रीर जित्रका करारकामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 28 जून, 1985

को प्नोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के व्यवनान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृस्य., उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का बंदह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बितिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण किवित में अस्तिकक, विभ्निलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण किवित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जलरण से हुई किसी बाय की बावत उपत अधि-निमम के जमीन कर दोने के जलरक के वावित्य में कमी करने या उससे वचने में सूबिधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी अन या जन्म आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्ति स्थिकितारों. अवाद :--- (1) अमीत इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स हेमांग प्रिन्टर्स ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

ब क्य संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाओर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में भकाखन की तारीब है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वंदिश, को भी वृद्धि वाद में समाप्त होती हो., के भीतर पृष्टीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म स्पन्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

भ्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बो और पदों का, यो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायिक हैं, वहीं अर्थ होया थो उस अध्याय में विधा वस हैं।

# वन्स्वी

युनिट नं० 303, जो, 3री मंजिल, अमीत इंडस्ट्रियल इस्टेंट 61 एव० एव० राव रोड, परेल, बम्बई-12 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि करु सं० अई• 1/37-ईई/6665/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 28-6-1985 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनां क : 6-2-1986

#### भारत सरकार

# कार्यांशय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अजीग रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश मं० अई-1/37-ईई/3999/85-80--अतः, मुझे, निसार ग्रहमद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्याश् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रांर जिसकी सं पर्लंट सं 0 11, जो प्लाट सं 0 254, किंग्जवे हाउस, फलन्क रोड, सायन (पूर्व) बम्बई-22 में स्थित है, (श्रांग इजले उपावत अनुसूची में श्रांप पूर्ण हम स विणित है) श्रांग जिसका उपापनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थान सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजस्ट्री है, नारीख 21 जन, 1985

को प्राप्तित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ,, ऐसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिघत से अधिक है और अंतरक ( अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित में बास्तिबक रूप से अधिस नहीं किया गया है :——

- (क) जलाउन से हुई कि की बाव की बावत, उनत विधि-नियम के अभीन कर दोने के जलाउक के व्यक्तिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, वौर/या
- (वा) एसी किसी बाय था किसी धन या बन्य जास्तावां का, जिन्हां भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उप्तर विधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को शिवए;

अन्तः अन्न, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हो अधीन, निम्नलिशित व्यक्तियों, अर्थात हु--- (1) श्री पी० आर० जाधव।

(अन्तरक)

(2) श्रीमता पमेला बालनदार्ता।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

का यह सुधना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

### स्थल सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आसोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है दे 45 विन के भीतर उकत सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्धार अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तें।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### प्रमुसूची

फ्लैंट नं० 11 जो, प्लाट नं० 254, किंग्जवे हाउस, फलन्क रोड, सायन (पूर्व) बम्बई-22 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक अ० मं•अई-1/37-ईई/6565/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधकारी के जार्थालय बस्बई द्वारा दिनाक 21-3-1985 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अह्मद सक्षम प्राधिकारी सहाय उ आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजच-1, बम्बई

दिनाक: 7-2-1986

प्रकृष बार्षं .टी .एन .एन . ....

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ?69-४ (1) में सभीत गुकरा

भारत सरकार

# शाबीसय, सद्दावक धावकार मान्यत (निर्दाशक)

धर्जत रोज-1, बस्बई वस्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देण मं० अई-1/37-ईई/6928/85-86---यतः मुझे, निसार अक्ष्मन,

कासकार अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचाल 'उत्तर अधिनियस' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

अँग जिसकी गे० एनैट नं० 501, जो, निमलाचल, 5वर-मंजिल, मोती था लेन, आथखला, वस्वई-27 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने चर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयक्तर अधितिया 1961 की धारा 269 क,ख के ध्यीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 13 जूद, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाबार मृत्य से कम के खरमान प्रांतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृजं यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापना बत सम्पत्ति का उणित बाबार मृत्य, इसके क्ष्यमान प्रतिकल से, एसे खरमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गणा प्रतिकल निम्नलिखित उद्विष्य से उच्त अंतरण मिखित के वास्तविक रूप से कृषित महीं किया गया है —

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वीने के अंतरक के बायित्व मीं कमी करने या उससे बचने मीं स्विधा के लिए; और/या
- (क) श्रेशी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा '(1) के अधीन निम्निसिखिल व्यक्तियों, अथॉल :---

(1) श्री रजीतम्ल पी० सघरी।

(अस्तर्यः)

(2) श्री गीजमचंद उत्तमचंदजी और श्री राजेन्द्रकुमार उत्तमचंदजी।

(अन्तरिती)

को यह स्थान बारी कारले पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उनत संपरित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह

- (क) इस स्थान के रायपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की सबीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर स्थान की तामील से 30 दिन की सबीभ, जो भी वक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकिया स्थावता में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) दश क्षमा के राज्यम में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्मत्ति में हित- क्षमा क्यांक्त द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकींगे।

स्वक्रीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त विधिनय के कथ्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होना को उस प्रध्यास में दिया नवा है।

#### श्रनुसूची

पलैट नं० 501, जो, विमलाचल, 5वी माँजल, मोखो णा लेन, भायखला, बम्बई-27 में स्थित क्षिक

श्रनुसूची जैसाकि कि सं० शर्द-1/37-६६/6497/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> िलार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

विनांक: 6-2-1986

मोहरः

# PRO RIG DE PRESENTA

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### BITCH STORY

# कार्याभय, सहायक बावकर बावकत (विरोधक)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दितांक 7 फरवरी 1986

निर्वेण सं० श्रई-1/37-ईई/6834/85-86---यतः मुझे, निसार श्रहमद

नायकर मिणिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिये इससे इसके प्रथमत् 'उनस मिणिन्यम' कहा गया हों), की भारा 269-च के नभीन सक्तम प्राणिकादी की, वह विस्तास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका समित नामार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 502, जो 5वीं मंिल, जिस गैला को-आप० हाउमिंग मोसायटी लि०, हेन्स रोड़, बरल नाका, बम्बई-18 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ो विणित हैं) और जिसवा करारनामा आयकर धिनियम, 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 6-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिप्यत के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके कायमान प्रतिफल सो,

एसे ध्रथमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है जीर अंत-एक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अंत-रण के निए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्वरेश से कक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या जसमें बचने में स्विधा के लिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी भा या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर धीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्भ अन्तरिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गम भा था किया गम भा था, था, किया गम भा भा, था, किया गम भा भा, था, किया

कतः कव, उक्त अभिनियम की भारा 269-का को अनुकरण भा, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मेसर्स राजेश मोटर्स।

(अन्तर्क)

(2) और राजेश आर० महा।

(अन्तरिर्तः)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत संपत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी बाधीय 🚈

- (क) इस स्वता के राज्यक में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कूला के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्याध्यीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनुसूची

फ्लैट नं० 502, जो, डवीं मंजिल, इमारत शिष शैला को-ग्राप० हाउसिम सांसायटी लि०, हेन्स रोड, घरली नाका, बम्बई-18 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37-ईई/6280/85-86 अं र जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांवा 6-6-1985 को रजिस्टर्ड निया गया है।

> निसार ऋहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राधकर शायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनोंक: 7-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) श्रर्जारेंज-1, बम्बई

वश्वई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6956/85-36-- मनः, मुझे, निमार सहसद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका जिन्त बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रें. सं अभिक ही और जिसकी सं प्रनेट नं प्रति । जो तल भालां, ए-विंग, इस्तारा नोष्ठणतार पाडी में, आंल्ड प्रभादेती रोड. वस्त्रि-25 में स्थित हैं (और इस्त्रे प्रावह अनुसूचे में और पूर्ण प्रप सं दिणां हैं) और रिस्मा क्यारतामा आयमर प्रधितियम, 1961 की प्राया अति के ला, के प्रधीत वस्त्रई स्थित सक्षम प्राधितारी के वार्यालय में रिज्ल्ही हैं, नारीख 17 जूस, 1985 को पूर्वीवस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुर्द्घ िकसी आय की बाबत उप्कत अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्क अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार, प्रकट नहीं किया गया था में किया जाना माहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अस उपनत अधिनियम की धारा 269-प क जम्बर्ग मों, मीं, इवत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारार (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् — 59—516 GI/85

(1) मेगर्ग साई सिद्धं जिल्डमं।

(शहतरकः)

(2) श्रीमती लक्ष्मी एम० बादिबडेकर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टिक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# वन्सूची

फ्लैट नं ० 1, जो, तल गाला, ए-धिय, इमारत तोडणक चाडी में, ओल्ड प्रभादेवी रोड, सोलापूर लेन, बम्बई-25 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-1/37-ईई/6522/85-86 और जो सअम प्राधिकारी, त्याई हाल दिसाण 17-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> िल्यार कहरार सक्षम प्राधिकारी सहासक आधकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बस्बर्ध

दिनांक . 7-2-1986

# बक्द बार्च हो हो पुर ह प्रमुख्यानमञ्जय

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत परकार

कार्यालय, सहायक बामकर बायुक्त (निरक्षिण)

श्रजीत रोज-1, बमबई बमबई, दिसांक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० ११६-1/37-ईई/7062/85-86---यतः, मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० कार्यालय नं० इ-19, जो, एचरेक्ट इमारत, ताडवेख, बम्बई-34 में स्थित हैं (और इमसे उपाबद्ध अनुसूची में अरेर एगें का ने वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर प्रश्चितियम, 1961 की धारा 269क, ख के शधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 25 जून, 1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उणित बाजार मृत्य से बम के रण्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिए ल से, ऐसे रण्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (शंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्ट से उक्त अंतरण लिखित में माल विक कप से कथित नहीं किया गवा है :---

- कि) बलारण में बाही किसी लाग की प्राम्त तमें परिश्विसम के अधीय त्या, योग के अस्मारक के १८१३ में यहिए। योग मिन्दी सामित के स्विधः के निष्णु, अरि/पः
- (क्ष) लेसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तस्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया एका चाहिए था, खिपाने में सुविभा के लिए:

43 ेल, उन्त अधिनियम की बाग 269-ग के अनुसरक ने, भें, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में अधीर, निम्नलिमित व्यक्तियों, अभीत है—— (1) मैसर्स हैन्डलूम फील्रक्स कार्परियत्।

(श्रुक्तुशस्त्र) .

(2) श्रीमती सरलाए० तनदानी।

(ग्रन्तरितं।)

(3) भन्तरको ।

(बहु व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में समर्गत है)

को बहु तुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्बद्धित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उपन संपत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील थे 45 दिन की सर्वीध या उत्पर्धनाथी व्यक्तियाँ एक सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वीध, यो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्विक्तमों में संक्रिया स्वित्त दशरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उबत हाल्यर संपत्ति मो हितबक्ष किसी बन्ध स्पन्ति व्वारा मभोहस्ताक्षरी के पार सिखित मो किए जा सकींगे।

स्वकास्य : - इसमें प्रमुक्त सम्बं और पर्वों का, जो उद्याः विभिन्नम के अध्याम 20-क में परिभावित हैं, बहुते नर्श दृष्णा व्याप्त अध्याम में दिका सकार हैं।

#### यमुल्यी

कार्यालय प्रिमायसेस नं ० इ-19, जो एवरेस्ट ताडवेच एवरेस्ट प्रिमायसेस को-आए० लि०, 156, ताडदेव रोड, बम्बई-34 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर संर धई-1/37-ईई/6627/85-86 अरेंग्र जो सक्षम श्राधिकार्य, बस्बई द्वारा विध्यक-25-6-1985 को राजण्डर्ष किया गया है।

> िस्तार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भाषकर आध्युक्त (तिरीक्षण) श्रकीर रेज-1, बम्बई

दिनांक: 6-2-1986

मोहरः

प्रकृष कार्ये हों. एवं. एवं.। व्यानवानावा

आयकर भौभां ने 1961 (1961 का 43) की अपन 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

आर्थानव, सहावक शत्कर नावृक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-1 तम्बद्द

बम्बई, दिनांक 6 फरवरी, 1986

निर्देश मं० शई-1/37-ईई/6890/85-86---यतः, मुझे; निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पित, विसका उचित वाबार मूक्य 1,00,000/- रा. से मधिक हैं

ऑर जिसकी पेठ कार्योक्त नंठ 40, जो वर्थी मंजिल, ताडदेव एश्रर-कंडिशन्ड मार्केट, ताडदेव, वर्थाई-34 में स्थित हैं (और इसने उपाबद धनुसूर्वी में और पूर्ण कर से विणित हैं) और जिसका करार तमा पालकर अधिविधम 1961 की धारा 269 के, ब के प्रवेशन वर्धाई विश्वत नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिम्हें। है, पार्विक 12 जूर, 1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास अरने का कारण है कि अभाप्योंक्त संपत्ति का उणित बाजार अन्त्र, उपक प्रकार प्रांत्रफल स एस रव्यकान पतिफल का पह प्रतियात म अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्योग से अन्त अंतरण निस्ति में वास्त्र मिनक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अस्टरण के हुन जिसी जाक की गावत सकत जीभितियस के अभीत कर को के अन्तरक के श्रीयस्थ के कभी असने में उत्तर विकास के मिल्ल और कभी असने में उत्तर विकास के स्वाप्त के सुनिधा
- (अ) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या खक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एका या वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के जिल्ही

भतः अश्र तथन आधारियम की भारा 269-**न से अनुपरन** भे, में उसल अधिनियम की भारा 269-**म की उपभारा (1)** के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री रितंत्र डी० भट्ट।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती निलम दामोदरदास शहा।

(अन्तरितीः)

न्त्री स्ट्र चूलका बाह्री करके पूर्वोक्त कम्मारित के वर्षन कं दिवस कार्यशाहियों करता हूं।

## अवद उन्हरित के वर्षन के बुक्कम में कोई भी *वादोप*ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जनस वृधिनियम, के मुख्याय 20-क में प्रिभाषिक है, वहीं धर्च होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है :

#### **भनुस्**ची

कार्यालय नं० 40, जो, 4थीं मंजिल, ताडदेव एझर-कंडिशन्ड मार्केट, ताडदेव, बम्बई-34 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/6461/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बन्द्रई द्वारा दिनांक 12-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रह्मद सक्षम प्राविकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (जिसंक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बर्ड

दिमांक: 6-2-1986

# 

नायकर नीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा नाय 269-म (1) के बचीन स्वना

#### नारत करका

# कार्याच्य, तहायक बावकर बाय्यत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बन्बई, दिनां रु ६ फ प्रशी, 1986

िर्वेश सं० प्रई-1/37-ईई/4931/85-86---यतः, मझे निसार श्रहमद,

बायकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसमे इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के वधीन सक्तम प्राधिकारी को, मह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्य सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार बुल्ब 1,00,000/-छः से निधक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 506, जो धरम पैलेस, 100 103, हुजेस रोड, गाधदेवी, बम्बई-7 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूवा में और पूर्ण का से घणित हैं) और जिसकी करत्रतामाः आवक्तर अधिकियम 1931 की धारा 26 के, ख के अवंति बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्री है। नारीख 6 जून, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाबार मुख्य से कम के व्यवसान प्रतिकास के लिए जन्तरिक की गई है और मुन्हें बहु विकास कारने का कारण है कि अधापूर्वीक्स सम्परित का उचित वाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफात से एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंत्रह प्रतिचत से मिथक है और अन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (बन्तरिनित्तों) के बीच ए'ते बन्तरम् के बिए वध पावा नका प्रतिकार, निकासिया उन्हरोक से जन्द बन्धरन क्रियास ने वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है ;---

- (क) बन्धारण में हायां किसी यांच करी नानक, उनस वरिविष्युच के वापीय कहा याचे के अलहरू के शामित्य थे कभी अपूर्व या उन्नर्व व्यव वे श्रीदेशा के किए; और/वा
- (व) ब्रोबी किसी बार् ना हैक्सी बन्ना मान्य वाहिस्तको को, जिन्हा वाडतीय बाय-बहु मीपीययं, 1922 (19∠2 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर वृष्तिव्या, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जस्तीरती दुवारा प्रकट नहीं किया नवा भा वा कि वा जाना भाडिये भा, किपाने कें स्विचा के विद्यः

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण मं , उक्त बरिनिवम की भाग 269-व की उपवास (1) तिक निकासिकित व्यक्तिको स्वृति क्ष्यानः

1. श्रीमती अपनेत विमालाल वाबेला और श्री चिमान लाल अवेरभाई वाबेला।

(अस्तरक)

 मेमर्न लिविगस्टोल्म (भागीदार ---श्री संवीप डी०) कोठारी और श्री पंकज एन० कोठारी )। (प्रस्तरिती)

क्यों कह जूनना चारी करके प्यॉक्त सम्पृत्ति के अर्थन के किए कार्यवादियां करता हुई 🔏

**अथन सम्पृतिस के वर्षन के** सम्बन्ध में कोई भी मार्क्षणान

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीय क 45 दिव भी स्वृति या तत्वम्यानी स्वायितवृति पर सूचना की ठामीन से 30 दिन की नविष, वो भी ब्बिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वापिश व्यक्तिश्वां में से किसी व्यक्ति बुवारा ;
- (क) इस स्वता के राजपक में प्रकाशन की तारीक छ। 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्धः **रिक्की अन्य व्यक्ति दुवारा मधोहस्ताक्षरी क**ेशास जिवित में किए का सकेंगे।

ल्ल**क्वीकंरन**ः---६समें प्रयुक्त सन्दों और पर्दों का, को उक्क विभिनियम को जभ्याय 20-क में परिशाधित **है, वही अर्थ हो**गा को उस अध्याद में किया नवा 🗗 🗓

# अनुसूची

प्लेट नं० 506, जो, धरम पैलेस, हुजैस, रोड, गामदेवी बम्बई-7 में स्थित है।

श्रनुसूर्चा जैसा कि ऋ० सं० अई-1<sub>1</sub>37-ईई<sub>1</sub>6324<sub>1</sub>85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलंक 6-6-1965 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमव सक्षम प्रधिकारी सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 6-2-1986

मोहर ः

## प्रकथ बाह्ये टी युष्य प्रकार प्रकार

## भायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) जो नपीन स्थाना

#### मार्व चडकार

## कार्याजन, महायक नायकर बाब्बर (निहासिन)

श्चर्तप रोज-1, बस्बर्ध वस्तर्इ, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देश यं ० प्रई- ।/37-ईई/6996/35-86---यतः, मुझे' निसार श्रहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिम इसमें इसमें इसमें परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसका मं० कमा ा मं० 3, जो थर्ग मंजिल, हिमालय हाउम, 79, पलटा रोड, यम्बई-1 में स्थित हैं (और इससे उज्ञाबह पार्वी में और पूर्ण का ने दिणा हैं) और जिसका अस्ताता पापड़ा प्रतिशिष्ट 1961 की बारा 269 के, ख क प्रवीत अमाई स्थित सलम प्राविकारी के कार्यालय में एजिस्ट्री है। कारीब 20 पूज, 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्ति को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करके या उससे अधने में आपुंचिका के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, ८,, उक्त अधिनियम की धारा 259-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ४भीत् ॥—— 1. श्री गंगादास प्रामजी मेहता।

(भ्रन्तरकः)

2. मैसर्स भाश्वत देखिंग वंपनी लिमिटेड। (श्रन्तरिती)

## हीं वह सूचना जारी करकी पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रताशन की तारीख में दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींग।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कमरा नं ० 3, जो १२री मंजिल, हिमालय हाउस, 79, पलटन रोड, बम्बई-1 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० मं० अई-1/37/ईई/6562/85-86 ऑर जो सक्षम प्राधिशारी बम्बई द्वारा दिनांक 20-6-1985 को रिक्टर्ड किया गया है।

> निमार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्रोक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 6-2-1986

## प्रकृष वाद्ये की वृत्र वृत्र वृत्र व्यक्त

अथकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-घ /1) के अधीन मचना भारत वार्यकार

## कार्यातयः, ब्रह्मायक नायकर नायुक्त (विश्वीक्रक)

धर्जन रेंज-1, व+बई

ामबहै, दिलांक ६ फल्डरी, 1986

निर्देश सं० षड़ी- $I_{1}3.7$ -ईडी $_{1}6.455_{1}85$ - $_{2}64$ ---श्रतः मुझे, निसार श्रहभद

जायकर जीधनियम, 1961 (1961 जा 43) (जिले इसके इसके परचाध् जिल्हा धीधनियम जाहा जवा हैं), की नाख 269-वा के अधीन सक्षय प्राधिकारों को वह जिल्लास करने कर कारण हैं। कि स्थानर सस्पत्ति, जिसका उपित भाषार मुक्य 100,000/- रा. से अधिक हैं।

जीर जिसकी सं० फ्लेंट न० 302, जो, दानिका , 104, हा ग्रांस काकि सार्क, केम्प्स कार्निक, बम्बई 36 में खिन्न है (जीर इसके कार्विक कार्विक प्रमुख्नों में और पूर्ण कर ने विभिन्न है) जिल्ल विभाव कार्विक कार्यक कार्यक

को पूर्वेक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के अध्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मझे यह विश्वास

अरने का कारण है कि यथापूर्वोत्नत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उतके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बाच एसं अन्तरण के लिए तय पाया नथा प्रतिकृत, निस्तिवित ज्यूरोप से स्वत अन्तरण विविध में भारतियां का न कि विधान नहीं किया गया है :—

- र्देक) कम्प्रदर्भ में हुन्दी भिन्नी नाम की महत्त्वन, श्रवस वर्द्धिपरिचार के समीम कर दोने से सम्बद्धा के राजिस्स के करी करने वा कस्त्वी नाम के दिन्दा में सिक्; स्वीर/मा
- (य) एकी किसी नाम ना किसी पत्र वा तल आंध्यानं करं, जिक्क् बारतीय जान-कर विश्वित्रका, 1922 (1922 का 11) जा उक्क विश्वित्रका, प्राध्य-कर अभिनिक्ष्य, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनाथ जन्तरियी ह्याचा प्रकार कहीं किया क्या वा ना विश्वा काता क्रिक्स था, क्रियानं ने क्रियान के विश्वा

मतः अय, उभन वाधिनयम की वाशा 269-ए की अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—  बं: पौलेश १/१२० प्रार्तिष्ट्या, श्रीमती, मिना एस० ब्रारीडिया, और श्रीमती निमलाबेन श्रार० खारीडिया।

(भन्त∵का)

 श्री दिलीप कुमार टी० गहा और श्रीमती श्राणा डी० गहा।

(श्रन्तरिती)

अन्तरकों।

(बहु व्यक्ति, जिसके श्रिधभाग में सम्पत्ति हैं)

करें यह बुधभा बारी करने पूर्वीक्स कमिश के सर्थन में जिल् कार्यशाहियां करता हूं।

### क्रमा सम्पन्ति के सर्वत के बंबेंध के कोई भी आक्षेप :----

- (२) एप सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूबना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी जिन्दी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बच्ध किसी ान्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : —- इरामें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भन्स्ती

फ्लैंट रं ० 302, ची, कार्नेलियन, 104, धागस्ट कांति मार्च, केंट्र कार्नेर, वस्बई-36 में स्थित है।

ानुपूर्वा जैसाति %० सं० अई-1/37-ईई/65 $2\overline{J}$ 85-86 और जो सक्षक प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

िसार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) - ग्रजैन रेंज-1, बम्बई

दिनीका: 6-2-1986

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनौक 6 फरवरी 1986

निशर्दे सं० श्रई-1/37-ईई/6976/85-86—- श्रनः, मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित वाजार मूल्य 1..00.000/- रु. से अधिक है

1.,00,000/- र. से अधिक हैं
श्रीर जिमकी से कमरा नं 27 श्रीर 28, जो, 2री
मंजिल, हममान इमारन, नाखेश रिट्ट. बरबई-3 में स्थित
है (श्रीर इपसे उपाबद श्रमधूची में सीर पूर्ण कर के विज्ञान
है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961
की धारा 269 क,ख के श्रधीन बस्बई स्थित अक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 18-6 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रुयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मूझे यह थिश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्रुयमान प्रतिफल से एसे स्थ्यान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
धास्तिषक रूप से कथित बहीं किया गया ही:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आंद की बायत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में पृष्टिया के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य बास्तियों की जिन्हें भारतीय आधकर आंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्वकर अधिनियम, या ध्वकर अधिनियम, या ध्वकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः व्या, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 259-घ की उपारा (1) के अभीरा, निक्तिस्तिक्त व्यक्तियों, अधौत् ं (1) भहा चिमनलाल रणछोड्दात।

(ग्रन्तर्क)

- (2) मुरेण चुनीलाल गहा ग्रीर नरेंद्र सी गहा। (अन्तरिती)
- (3) श्रन्तरितीयों।

(बह व्यक्ति, जिल्लके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्चना कारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की वविध्य, जो भी अविध्य बाद में समाप्त होता हो, को भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना क राजपण में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर नम्पत्ति में हिंह ग्रंथ किमी तन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के राम निवित में निगर जा सकेंगे।

स्थरक किरण --- दूसमा प्रमुक्त शक्यों की प्राप्त हो। जो उपत अधिनियम, के अध्याय 26-क में परिभाषित हो, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

#### अन्स्भी

कमरा नं० 27 श्रीर 28 जो 2री मंजिल हनुमान इमारन दि आगोरिए यन श्रॉफ दी हनुमान इमारन प्रिमाय-सेन श्रोतर्स प्रायवेट लि० नांबाकाथा नाखोडा स्ट्रिट बम्बई-3 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि ऋ०सं० श्रई.1/37 ईई/6543-85.86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 18-6-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) (श्रर्जन रेंज-1 बस्बई

तारीख: 6-2-1936

प्रकृष नाह<sup>र</sup>् दी<sub>य</sub> एन<u>ः</u> प्र<sub>कृतननस्य</sub>

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-म (1) के जभीन स्पना

#### भारत सरकार

### कायलिय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्क)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 6 फरवरी 1986

निर्देण सं० श्रई /137 ईई/7101/85/86~~श्रन: मुझे निसार श्रह्मद,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सन्पत्ति जिसका उजित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिनकी सं ब्यूनिट नं 207 जो अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेंट, 61 एम एम राव रोड, परेल, बम्बई-12 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णिन है), और जिनका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 28-685

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि सथाप्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एने अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त बन्तरण दिवित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया प्रवा है :—

- (क) जन्मरण सं हुई किसी बाव की बाबर, उक्त जिथिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व मो कमी करने वा उक्त वचने में मृतिधा के लिए, और/या
- (ख) एस किसी आय या किसी धन या अध्य कास्तियों बारे, जिस्तों भाष्ट्रीय कायाद्य और दिख्या, १०११ १८७१ का १९१ का चनार कार्याच्या कार्याच्या का १९१४ वन-११ अधिकार १९५७ (अ.स. १८४० का) पा या किया जाना चाहिए चा, जियाने में सुविभा बी विद्युः

बतः बवः, उक्त विभिनियमं की भारा 269-ग कै वनुसरकं कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिक व्यक्तियों, वर्षों है.—

(1) भ्रमोत इंटरप्रायजेता

(श्रन्तरक)

(2) श्री किशोर लेखराज।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचन। पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षक के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

### सकत सम्बद्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी साम्रोध ह—

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की शारीब से 45 बिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की शामील से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा:
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर गम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकारी।

स्वकारिकरणः — इतमें प्रयुक्त सभ्यों और पढ़ों का, जो उत्यक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### न्त्रा

यूनिट नं० 207, जो. 2री मंजिल, श्रमीत इंडस्ट्रियल इस्टेंट, 61, एन०एन० राव रोड, परेल, बम्बई-12 में स्थित है।

श्रनुमुकी जैमाकि फल्मं० श्रई-1/37-ईई/6666/85-<u>86</u> श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 28-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निवार ग्रहमव गक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1 बम्बई

तारीख: 6-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

का का कोधनिकम, 1961 (1961 **का 43) की** कार्य (195का (1) के क्योंन सूक्रम

#### भारत प्राचीत

## कार्यासय, सहायक नायकर वानुक्त (निरीक्तन)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई दिनौंक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० ऋई-1 37-**ईई**/6995/85-86---श्रतः, मुझे, निसार श्रहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्णात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार बस्च 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

शौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 46, जो, 4थी मंजिल, एम्पायर इस्टेट इमारत, केम्पन कॉनंर, बम्बई-36 नें स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रौर जिनका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 20-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित गाजार मूल्य से कम के द्रायमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का शामित वाशार पुल्य, उसके प्रयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिपात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और शत्सरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए एस पामा गया प्रतिपात, निम्निनिचित उच्चेष्य से जायन अन्तरण विचित्त में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाम की नाश्च, उकत मीभीनयम के जधीन कर दोने के उन्हरक के दायित्व में कमी कारने या उससे बचने के अधिका के सिए; बॉर या/
- ाकि एंसी किसी लाग या किसी बन या अस्य कारिनागरी को, जिन्हों भारतीय ज्ञायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत शिथिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्ञा था या का किया आना बाहिए था, कियाने भें सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण न, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, विस्तिविक्त व्यक्तियों, अर्थान, विस्तिविक्त

60-516 GI/85

(1) श्री विमला ग्रारोरा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मुकाश एम० शहा, जितेंद्र एम० शहा, श्रीमती।

निर्मलाबेन जे० शहा, श्रीमती रूपल मुकेश शहा,
कुमारी नीता एम० शहा श्रीर श्रीमती जागृति

जे० शहा।

(ग्रन्तरिती)

को वह बुखना बाद्धी कार्यो वृथींबत बंधीरत के वर्जन के जिल्ल कार्यमाहियां करता हूं।

वनक सम्पत्ति के भर्जन के ग्रंबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की व्यक्ति मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीत से 30 दिन की अवधि, को भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तिमों में से किसी स्पन्ति स्वादा;
- (वा) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब दे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी कच्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताकारी के पास सिवित में किए वा सकाने।

ल्लाकर्त्रकरणः --इसमें प्रमुक्त बन्दों और पदाँ का, को उत्थत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा के एक अध्याम में दिवा स्था ही।

#### प्रमु**च्या**

फ्लेट नं० 46, जो, 4थी मंजिल, बी-क्लॉक, एम्पायर इस्टेट इमारत, केम्स कॉर्नर, बम्बई-36 में स्थित है।

धनुसूची जैमाकी ऋ॰मं० आई-1/37-ईई/6561/85-86 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 20-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ृषर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 6-2-1985

प्रारूप आई.टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 6 फरवरी 1986

निदेश सं० धई-1/37-ईई/6770/85-86---श्रतः मुझे, निसार श्रहमव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिनको सं० फ्लेट नं० 1-डी, जो, 1लो मंजिल, 70, पोचखानवाला रोड, वरली, बम्बई-25 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूणी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं, तारीख 1-6-1985।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के रहरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहरमान प्रतिफल से, ऐसे रहरमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व मे कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) नअबङ्किणिला को-फ्राँग० हाउसिंग सोयायटी

(अन्तर्क)

(2) श्री पविशंकर केंच बनारीमा, श्री श्रांमश्रकाश केंच बनारीमा श्रीर श्रांमती शास्त्रा बनारीमा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पृथांबद सम्परित के अर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीक से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विभिन्न में किए आ सकोगे।

स्पर्टा करण: — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनुसूची

पलैंट नं 1-डो, जो, 1शी मंजिल, 70, पोचलानवाला रोड, वरली बस्बई-2 में स्थित है।

श्रमुख्या जैगाकि कल्मंल श्रई-1/37-ईई/6236/85-86 श्रीप जो सक्षम ग्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-6-1985 को राजिस्टई किया गया है।

> निसार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी पहायक पायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1. बस्बई

नारीख: 6-2-1986

म्लेहर∶

प्रकल आई.ट.. सन्, एस , नवनहरू, नवन

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के जभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर वायुक्त (निरीक्षण)

प्रार्जन रेंज-1 बश्वद्दी जम्बद्दी दिनांक 7 फरचरी 1986

े विदेश मं० अई-1/37-हैंदी/6818/85-86---अतः सुन्ने, निसार शन्मः,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा. से अधिक हैं

अभि िमकं। एवं फ्लेंट 1429, जो, इमान्य गर्व 55, एमव्याप्त गर्व अपादंशी, एमव्याप्त विभाव अपादंशी, प्रभादंशी, वालई-05 में पिया है (अपि इसमें उत्तबह धनुमूची में जो: पूर्ण जा ने विभाव है), नुजी विभाव एक्सरतमा जास्त (प्राप्त विभाव क्रिक्स के पितंत जास्त विभाव क्रिक्स के पितंत जास्त विभाव क्रिक्स के पितंत जास्ति विभाव क्रिक्स के पितंत जासी विभाव क्रिक्स के प्राप्त विभाव क्रिक्स के प्राप्त विभाव क्रिक्स के विभाव क्रिक्स के विभाव क्रिक्स के प्राप्त विभाव क्रिक्स क्र

को पूर्वोक्त सम्पितित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संप्रित को उचित साजार मूल्य, उसके ध्र्यमान प्रतिफल से एसे ध्र्यभान प्रतिफल का पन्द्रम् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रकारितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गथा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित में बाला-

- (क) अन्तरण से हुन् किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कार्यन्त में क्षी करने या उससे यकने में क्षीएए, हे किन् किसी हैं
- (अ) ऐसी किसी बाय या किसी धम या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था, डिपाने में स्विभा के न्यूर;

कंताः वस, उक्त सीभीनयम की भारा 26%-ग की सनुसरण मं, मं, ःत सीभीनयम की भारा 269-म की उपदारा (१) दे सभीन, निक्नसिकित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) भी एउनी विसम्बन्ध

(भ्रन्सरक)

(2) श्री चंद्रशांत बीं छेडा ग्रीर श्रीमती हेमा सीं छेडा।

(भन्तरिती)

कां यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के स्थिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी शासीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच वे 45 दिन की अविभ या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, खो भी कविभ बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर एक्स स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टिकरण:---इसमें प्रश्नुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिन्न नियम के अध्याय 20-क में परिभाद्यि हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया. है।

### धनुसूची

फ्लट नं 1429, जो, इमारत नं 56, एम० श्राय ० जी ० श्रादर्श ागर को-श्राय ० सीमायटी, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है।

श्रातृसूची जैमाकी क०म० श्राई-1/37-ईई/6275/85-86 और जो मलम प्राधिकारी बम्बई श्रारा दिनांक 6-6-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 7--2--1986

प्रस्प आइं. टी. एन. एस.-----

काषकर लीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की गारा 269-व (1) में लभीन स्थना

#### मारत ब्रह्मकार

कार्यांस्थ, सहायक आधकर नायुक्त (निरक्तिक)

श्चर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई दिनांक 7 फरवरी 1986 निर्वेण नें शई-1/37-ईई/6829/85-86---श्रतः मुझे, निसार श्रह्मद,

हायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से गिधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 31, जो, 3री मंजिल, श्रनील प्रपार्टमेंट, कॉलेज गल्ली, बादर, बस्बई, में स्थित हैं (और इसमे उपाबद श्रनुमूची में और पूर्ण रूप मे बाणत है), ओर जिस हा करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 ए.ख के प्रजीत बर्चई स्थित सक्षम प्राधिकारी के एएपीनप में रजिस्हीं है, तारीख 6-6-1985।

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उतित बाजार मृत्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके कावमान प्रतिफल में, एंसे कायमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकाँ) और संतरिती (बन्तरितिवों) के बीच एंसे बंदरण के निए कर नाम भ्या शिक्यम, निश्नति हिंद उद्देश्य से उसके बंदरण कि बिद्य में बास्तिक रूप से समित नहीं किया यहा है ।

- (क) अंतरण संदूर जिल्ली बाय क्षी बाबक, स्वक अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मा कमी करने या उच्च बाबने यो सुविधा के लिए; अंकिश्वा

कत्त्र श्व, उपत वाँभीनवमं की पारा 269-ण के बनुसरच वाँ, वीं, उपत विभिन्नयमं की भारा 269-च की जव्भारा (1) को जभीन, निस्त्रमिक्ति व्यक्तियों , अधीत् अस्ट (1) मेसर्ग भंजय इंटरप्रायजेस ।

(अन्तरका)

(2) श्रीमर्ता इंदू पी० शहा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्रवीक्त सम्परित के अर्थन के लिख् कार्यवाहिमां करता हुः।

तक्त सम्मत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर यूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स प्रविचारों भो से किसी ज्यक्ति क्यादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के शीतर करत स्थानक संपासि में दिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृत्तर, अधोहस्ताक्षरी वें पाड विश्व में किस आ स्थानिक में

स्पव्यक्तिरमः :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त लिए-नियम की अध्याय 20-क में परिभारित हैं , हो, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में स्था गया हो !

### धनुसूची

फ्लेट नं० 31, जो, उरी मंजिल, अनील श्रपार्टमेंट, कालेज गल्लो, दादर, बम्बई में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा की ऋ०सं० भ्राई-1/37-ईई/6285/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीखा: 7--2-1986

प्रका अस्त हो एए एए जन्म व्यक्तन

आधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुधना

### सारक बहुका

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (जिर्णासक) अर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देण मं० श्रई-1/37-ईई/6844/85-86---श्रतः मुझे, निसार शहसद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूम्ब 1,00,000/- रु. से लिधक हैं

और जिसकी सं० गाला नं० 119, जो, भारत इंडिस्ट्रियल इंटेट, टी० जे० रोड, सिनरी, बम्बई-15 में स्थित है (और इसने ज्ञानद अनुभूनी में और पूर्ण रूप ने विणित है), जीर जिसका कराश्तामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कृ.ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 6-6-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को इस्थमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वाल करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उन्तने दस्यमान प्रतिफल से एसे दस्यभान प्रतिफल का पन्छह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा प्रमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गमा है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी नाय या किसी धन या अन्य शास्तियों की, चिन्हों भारतीय जाय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त जिथिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया थवा था या जिया जन्त चाहिए या, छिपारे में धिवा से स्टिंट:

कतः नव उक्त निभिनियमं की भारत 269-न को अनुसरण मा, में, उक्त जिम्मिन्य की भारत 269-म की उपभाद्धां (1) से वभीत, निम्मिनिष्टिक कर्मिन्यों, जम्मीक क्रून्न

- (1) रामसन्स रवर प्रीडक्टस प्राथवेट लि०।
  - (भ्रन्तरक)
- (2) त्रेमा श्रपारेल्स अंण्ड मर्कन्टाईल प्रायवेट लि०। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के जिल्ल कार्यवाहियां सूक्ष करता हूं।

### दक्त सम्बन्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी मार्खपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुना,
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किय वा सकोंगे।

स्थलाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, को उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में विशासित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विशा स्था है।

#### मन्सूची

गाला नं० 11.9, जो, भारत इंडस्ट्रियल इस्टेट, टीं० जे० रोड, सिचरी, बम्बई-1.5 में स्थित हैं।

शनुसूची जैसाकी क०मं० शई-1/37-ईई/6300/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 6-6-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीच : 7-2-1986

मोहर 🗧

प्ररूप आई. टी. एव. एस.-----

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

## कार्यालग, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज-1, ब∓बई

बम्बई, दिगास 7 फासरी 1986

निर्देश मं० अई-1/37-ईई/8599/85-86 ----'प्रत. मुझे, निमार अहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अरेर जिमकी सं० फ्लंट सं० 9, जो, 1र्ला मंजिल, बृंदाबन, सायन (पूर्व), बण्डई-32 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्वा में औए पूर्ण रूप ने क्षित है), और धिसवा करारनामा आयुष्ट अधिनियम 1961 की धाण 269 काल के धर्धार बण्डई स्थित सक्षम प्रधिदार्श के वार्यालय में रजीस्ट्री है, कार्याब 1-11-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल से एसे दृष्यमान प्रतिकल का पद्मह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अप की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बार्य मा किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह भारतीय अनुबक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गर्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः अवः, उक्तः अभिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण वैं, वैं, उक्त अभिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) कैं अधीन, जिम्लीलिखत व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) र्थः एस० भी० मधा।

(अंग्रिंग्स्योग्स्री)

(2) श्रीमती कस्तूरी घरदराष्ट्र तात्रका।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सभ्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप "---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उन्त स्थादर सम्पत्ति में हिंतनवृष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त हब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

फ्लेट नं० 9, जो, 1ली मंजिल, बृंदावन, 274, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

त्रमुक्ती जैसाकी ऋ०मं० अई-1/37-ईई/8098/85-36 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई हाया दिलांक 1-11-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार प्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निर्मक्षण) भ्रजीन रेज-1, बस्बई

तारीखाः 7—2—1986

प्ररूप बार्द. टी. एन. एस.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (।) के ब्रधीन स्चना

#### भारत परकार

नार्यालय, महायक आयकर **का**यकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1. बम्बर्ड

बम्बई, दिनौंक 7 फरवरी 1986

निदेश सं० प्रई-1/37-ईई/6831/85-86--- प्रतः मझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकोपश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारभ हं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उ**चित नागर मध्य** 100,000/- एत. से अधिक **हैं** 

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 204, जो, 2री मंजिल, निलकंट ग्रपार्टमेंट, जी० पास्ना रोड, दादर, बम्बई-14 में स्थित है (र्ग्नार इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसरा अशारनामा ब्रायकर ब्रधिनियम 1961 की धारा 269 ाख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में उजीस्दी है, तारीख 6-6-1985

की पर्याक्त एम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के रश्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तर्भरत की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि दक्षापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रितिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गरा प्रिचिफल, निम्नलिखित उत्वेश्य से उस्त अन्तरण िलाकत मं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाग की गवत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविभा के सिए; अ:र/या
- 🚂) एसी किसी बाय या किसी धन या **अन्य अस्तियाँ** को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 , (922 का 11) या अक्ट अधिनियम, या अन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के तिए:

अल: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) कं अभीन, निम्नलि**धित, व्यक्तियाँ, अर्थात् ६---**

(1) मेसर्स सिने स्ट्रेडिश्रो।

(ग्रन्तर क)

(2) निमम्बान ख्यालबाझ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्चाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी<del>ख</del> स्रो 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की सामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सर्कोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित डै, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गयां हैं।

#### वन्स्यो

पलैंट नं० 204, जो, 2री मंजिल, निलकंठ ग्रपार्टमेंट, गोकुलदास पास्ता रोड, दादर, बम्बई-14 में स्थित है। ग्रन्स्ची जैसाकी करुसर ग्रई-1/37-ईई/6287/85-86 ग्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 6-6-1985 को रजीस्टर्ड ६िया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, स≒ऋर्ष

नारीख: 7-2-1986

TO STATE OF THE PROPERTY OF TH

## प्ररूप नार्च<u>्</u>टी, एन , एस<sub>ु</sub>----±------

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत बहुकार

### कार्यालय, सहावक आयंकर वायुक्त (निर्दोक्षण) अर्जन रेज-1, वस्वर्ष

बम्बई विनाँक 7 फरवरी 1986 निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6866/85-86—श्रतः मुझे, निसार श्रह्मद,

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह त्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1106, जो, भागनारी की-श्रौप० हाउसिंग मोसायटी लि०, छंदन गाँजवे रोड, चूना-भट्टी, बम्बई-22 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूर्च में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 4-6-1985

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-विवय के बधीन कर दोने के बंतरक के कथिए के कभी अपने ना उससे क्वने में अधिका के किए; कीर/वा
- (थ) एखी किसी आय या किसी भग या बन्ध बास्तियों की, जिम्हे भारतीन सावकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्स ब्रीभनियम, या धन-कर ब्रिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया बाना बाहिए था, कियाने में सुविका के दिख;

बरा: अब, उबत अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात ६—— (1) श्री एल० एच० चेल्यानी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री किशोर ग्रार० शेठ ग्रीर श्री जयंतीकाल ग्रार० शेठ।

(श्रन्स रिती)

को वह सूचना कारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशिष्ट्रियों करता हुए।

### उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कार्क भी बाक्षेप :---

- (कां) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिंस- बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकींगे।

स्वयद्भिकरण: ---इसमें प्रयुक्त सभ्यों और पर्यों का, जो उत्कर्त विधिनियम के अध्याय 20-क के परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा, जो वस अध्याय में स्थित वस हैं।

### अनुसूची

फ्लैंट नं० 1106, जो, भागनारी को-म्रांप० हाउसिंग सोसायटी लि०, डंकन कॉंजवे रोड, चुनाभट्टी, बस्बई-22 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसाकी क० सं० ग्रर्श-1/37-ईई/6415/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँः 4-6-1985 को रजीस्टर्ड विया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 7-2-1986

मोहर 🖫

प्ररूप आर्द्ध.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, बस्बई

चम्बई, दिनांक 6 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/7063/85-86—श्रतः मुक्ते, निसार श्रहण्द

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसकें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सस्यति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- छ. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 2, जो 3री मंजिल जयवंत भ्रपार्टमेंट्स दादरकर कंपाउंड तुलसीवाडी ताडदेव रोड, बम्बई-34 में स्थित है (भीर इससे उपायड अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) भीर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 25-6-1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूक्य से कम के दर्यकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित कावार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से जिपक है और अंतरक (अंतरकाँ) और बैस-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण विविक्त में साखादिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम के हुई किसी बाब की बाबत, कक्ष किविवय के क्यीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी काय वा किसी भन या अभ्य आस्तिकों को, बिन्हें भारतीय नाय-कर जिमितयभ, 1922 (1922 को 11) या उन्त अभिनयभ, मा बन-कर जिभिनायभ, मा बन-कर जिभिनायभ, 1957 (1957 को 27) भी प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा सुविधा के सिद्धः

बतः जनः, जनत निमिन्नन की भारा 269-श के अनसरन भो, भी, उनत निमानियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) को अधीत. निमानिसित व्यक्तियों, अभीत् :---

- (1) मेसर्स जयवंत डेव्हलोपमेंट कॉर्पोरेशन। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जमनादास टी० पारेख भौर श्रीमती हेमांगिनी डी० शहा।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी कारके पूर्वीयत सम्पृति के बर्जन के किए कार्यमहिया बुरा करता हुई ।

जनत सम्मत्ति के नर्जन के संगंध में कोई थीं बाक्षेप हुन्य

- (क) इस स्थान में राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनश्रिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की जनश्रि, जो भी वनश्रियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास जिलात में किए जा सकते।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदी का को सक्स विधिनियम के सध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिशा स्था है।

### अनुसूची

फ्लेट नं० 2, जो 3री मंजिल, जयवंत भ्रपार्टेमेंटस् दादरकर कंपाउंड तुलसी वाडी ताडदेव रोड् बम्बई-34 में स्थित है।

श्रनुसूची जैताकी फ०सं० श्रई-1/37-ईई/6628/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 25-6-1985 को रजीस्टर्ड निया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-1 बम्बई

तारीख: 6-2-1986

प्रस्प चेलूर दी . एन . एस . .....

## भायकेर धीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के मधीन त्वना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्कई

बम्बई, दिनांक 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० शर्थ-1/37-ईई/6823/85-86—श्रतः मुझे निसार श्रहण्द,

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० बी-1 जो, तल माला, श्री राम इंडस्ट्रियल इस्टेट, 13 जी०डी० श्रांबेकर रोड, बडाला बम्बई-31 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)- श्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कच्छ के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तारीख 6-6-1985

को पूर्वेक्स सम्परित के उपित बाबार मृत्य से कम के ध्रममान तिफल के लिए अंतरित को गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभागूबीक्स संपत्ति का उपित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ध्रममान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरितो (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के विष्णु त्य स्वा गया प्रतिफल, निम्नितिबित उद्वेष्य से स्थल अन्तर्च निवत में शास्तिक कप से कथित नहीं किया स्वा है अन्तर्च

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त समित्रयम के सभीन कर दोने के सन्सरक की दायित्य में कमी करने या उससे अपने में स्थिता के निए; सौर/या
- (क) एसी किसी बाव या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रजट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के निर्ध।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वे अधीर, रिकारिनवित अधितारों, अधीर क्र-- (1) श्री वनमालीदाय एच० मिस्त्री।

(प्रन्तरक)

(2) श्री गोर्बन वि० केवलानी, हि०स०कु० श्राँ श्री गिरीस ग्रार० केवलानी।

(ग्रन्निरिती)

की यह स्वना जारी करके प्रविक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप र-

- (क) इस स्वता को राजपत्र में प्रकाशन की सारीब सैं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थातर सम्मन्ति में वितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधाहस्ताक्षरी के पास निर्वाहन को निर्देश के पास

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

#### मन्स्ची

यूनिट नं० बी-1, जो, तल माला, श्री राम इंडस्ट्रियल इस्टेट, जी० डी० श्रॉवेटर रोड, वडाचा, बम्बई-31 में स्थित है।

ग्रनुमूची जैमाकी क्र०मं० ऋई-1/37-ईई/6279/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6-6-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद मक्षम प्राधिकारी सहायाः श्रायकार आयुका (निरीक्षण) शर्जन रेज-1 बस्बई

तारीख: 7-2-1986

## ANT MIE' . C. . LIN . CHE . CH

## भागकर मृश्वित्रयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अभीन सूचना

#### बार्ड बरमाउ

कार्याभय सहायक जायकर वायुक्त (मिरीक्षण),

फ़र्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनां र 7 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/6904/85-86--- ऋतः मुझे, निसार श्रहमद,

कायकर विभिनियम्, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका अजित बाजार जुल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हुँ

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 204, जो, 2री मंजिल, भवानी काम्प्लेक्स बी-इम्मरत, भवानी एकर रोड, दादर, बम्बई-28 में स्थित हैं (और इससे उपाबड अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं), भीर जिसका करारनामा आयकर भ्रिधिनियम 1961 की धारा 269 का,ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय से रजीस्ट्री है, सारीख 12-6-1985

कते पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के क्ष्यमान त्रिक्त के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार बृह्म, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अध्क है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-दक्त निम्नुजितित उद्योग्य से सबस अन्तर्ज तिपत में बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है :—

- (क) बम्बरण यं हुवं किन्ते बाय को नामल, जमल बिप्नियुक के बमीन कर को ले अप्तरक की बाजिएयं में कमी कुरने या प्रवृत्ते नपने में सुविधा के किए। कोड्र/या
- (थ) एरी जिल्ही लाग या किसी वन या अन्य आस्तियों को, जिल्ही भारतीय नाय-कर वीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत निधानयम, या अभकर वाधिनयम, विकास प्रकार प्रकार वाधिनयम, विकास वाधिन वाधिनया वाधि

कत क्षेत्र का अपने किया की भारा 269 न की अनुकारण में, में, उकत अधिनियम की भारा 269 म की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत ६——

(1) मेसर्स सेन्चुरी इंटरप्रायजेस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती निर्मला शिवबहादूर सिंग।

(ग्रन्तरिती)

को यह श्रूषमः भारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति से वर्षन के तिव कार्यवाहियां करता हुई ।

#### सकत सम्मारत के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओंच :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्पृतिकृत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य ज्यक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरणं :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम क अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हाया जा उस अध्याय में दिया गया है।

#### **अनुसूची**

पलेट नं० 204, जी, 2री मंजिल, भवानी कॉम्प्लेस्बी, भवानी गंकर रोड, दादर, बम्बई-28 में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० श्रई-1/37-ईई/6475/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-6-1985 को रुजीस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 7-2-1986

मोहर ।

प्रारूप बाह्र टी.एन.एस. .....

स्रायकर स्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत परकार

## कायलिय, सहायक भागकर जायूक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, अम्बर्ष

बम्बई दिनांक 15 जनवरी 1986

निर्देश सं० ए० श्राप्त श्राई०बी० / 37ईई / 20192 / 85-86---श्रतः मझे, लक्षमण दास,

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 4, नीलधारा बिल्डिंग, बोरीयली (पू०) बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) और जिसका करारनामा भागकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 1 जून 1985

करे पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और

मुओ यह विष्यास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्व्यमान प्रतिफल से एसे व्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
कंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए सम पामा ग्या प्रतिफल, निम्निचित उद्वेष्य से
उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
वया है है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के सभीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/व्य
- (क) एसी किसी अप वा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किना जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री स्रेश एन० मेहता।
- (अन्तरक)
- (2) श्री कालूराम श्रार० विश्वक्रमा श्रीर श्रन्य। (अन्तरिती)

की यह भूषना बारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित में अर्थन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सरम्म्थ में कोई भी शाखेंद :---

- (क) एस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तासील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्तकरी के पास मिलित में किए वा सकी ।

स्पष्टिकिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषिक है, यही अर्थ भ्रेगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

## मन्स्**यो**

बुधान नं० 4, नीलधारा बिल्डिंग, देवीवास रोड बोरी- वली (पू०) बम्बई ग्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० ए०ग्रार0,  $IV_{||}37-$ ईई||20192||85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विलाक 1-6-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्षमण वास मक्षम प्राधिवारी सहायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज 4 बम्बई

तारीख: 15-1-1986

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 31st January 1986

No. A.19014/2/86-Admn.I.—The President is pleased to permit Shri Jit Singh, a permanent Grade I officer of the C.S.S. and officiating as Deputy Secretary on ad-hoc basis in the office of Union Public Service Commission to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st January, 1986.

#### The 13th February 1986

No. A.32013/2/85-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri V. R. Mani, Scnior Research Officer (Language) (Rs. 1100—1600) in the Office of the Union Public Service Commission, to hold the additional charge of the higher post of Joint Director (Examination Reforms) (Rs. 1500—2000) in addition to his own duties as Senior Research Officer (Lang.) in the Commission's office w.e.f. 10-2-1986 till a regular appointment to the post is made.

2. The pay of Shri Mani for the duration of the additional charge will be regulated in accordance with FR 49(i).

M. P. JAIN
Under Secretary (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF PERSONNEL & TRG., ADMN. REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSION

(DEPTT. OF PERSONNEL & TRAINING)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 5th March 1986

No. A-31016/3/83-ADI(DPC)—The President is pleased to appoint the following officiating Senior Scientific Officers (Gr. II) CFSI/CBI in substantive capacity in that grade with effect from the dates mentioned against each:

Sl. Name No.		 ·		Oate of confirma- tion
S/Shrl				
1, K,S, Chhabra				12-12-80
2. S.C. Mittal				10-6-82
3. Rup Singh				10-6-82
4, G.D. Gupta				2-8-82
5, C.M. Patel				6-12-82
6. M.C. Johri				29-4-84
7. V.K. Goyal			•	7-5-85

No. 1-22/85-CFSL.—The President is pleased to appoint Dr. M. C. Johri, Sr. Scientific Officer, Gr. II (Physics), Central Forensic Science Laboratory, CBI, New Delhi as Sr. Scientific Officer, Gr. I, (Photography) in the Central Forensic Science I aboratory, CBI, New Delhi in a temporary capacity w.e.f. the afternoon of 10th January, 1986 until further orders.

No. A.31016/17/81-AD I(DPC)—The President is pleased to appoint the following officiating Senior Scientific Officers (Gr. I) CFSL/CBI in the substantive capacity in that grade with effect from the dates mentioned against each:

Sl. Name No.		 			Date of confirmation
S/Shri					
1. Dr. G.R. Prasad .					12-12-80
2. Dr. R.K. Bhatnagar					1-4-81
<ol><li>K.V. Sambasiya Rao</li></ol>					10-6-82
4. Dr. S.R. Singh .					29-4-84

K. CHAKRAVARTHI Dy. Director (Admn.) C.B.I.

#### New Delhi-3, the 4th March 1986

No. 3/44/85-AD.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police/Special Police Establishment is pleased to appoint Shri Balwant Singh Negi, Dy. Supdt. of Police an officer of the Himachal Pradesh State Police to officiate as Dy. Supdt. of Police on deputation in CBI (Punjab Cell)/Chandigarh with effect from the forenoon of 11th February, 1986 until further orders.

Sd./- ILLEGIBLE Administrative Officer (E)

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110 003, the 27th February 1986

No. O.II-1761/82-Estt.(CRPF).—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) P. Pradhan, as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from forenoon of 31-1-1986 for a period of two months or till the post is filled in by the regular incumbent, whichever is earlier.

No. O.II-2003/85-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Manzar Afaque as JMO in the CRPF on ad-hoc basis from 30-1-86 to 7-2-86.

No. O.II-2003/85-Estt,—The President is pleased to appoint Dr. Manzar Afaque as General Duty Officer, Grade-II (Dy SP/Coy Commander) in a temporary capacity in the CRPF with effect from the forenoon of the 8th February, 1986 till further orders.

#### The 28th February 1986

No. P.VII-1/81-Estt.-I, Vol.-V.—Reference this Directorate General, Notification of even number, dated the 16th March, 1983.

2. The date of taking over charge in respect of Shri B. S. Rathore, Dy. SP at scrial No. 67 of the notification is amended to read as 28-10-1981, instead of 10-1-1982.

No. O.II-1812/83-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. Girish Chandra, GDO Grade-II of 23 Bn, CRPF with effect from the afternoon of 31-1-1986 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the CCS (TS) Rules, 1965

No. O.II-1971/84-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. T. K. Roy to the post of Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 24-1-86 F.N. for a period of two months or till the recruitment is made to the post on regular basis, whichever is carlier

#### The 7th March 1986

No. O.II-1972/84-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. R. N. Kaman, as JMO in the CRPF on ad-hoc basis from 10-2-86 to 18-2-86.

M. ASHOK RAJ Assistant Director (Estt.)

#### DIRECTORATE GENERAL

#### CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 6th March 1986

No. E-28017/10/84-Pers.II-424.—Shric Vijay Singh, an officer of the BSF, on depuation to CISF as Assistant Commandant (Vice Principal) in Recruits Training School, CISF, Deoli (Rajasthan), expired on 23rd February, 1986. He is struck off from the strength of CISF with effect from the forenoon of 24th February, 1986.

Sd./- ILLEGIBLE Director General/CISF

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 3rd March 1986

No. 11/5/84-Ad.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint, by promotion, the undermentioned Assistant Directors of Census Operations (Technical) and who were initially appointed as Deputy Director of Census Operations on ad-hoc basis as per details mentioned against them, to the post of Deputy Director of Census Operations in the Office of the Registrar General, India, on regular basis in temporary capacity with immediate effect until further orders. The Hoad, Quarters of these officers will be at New Delhi:

S. Name of Officers No.	Date from which initially promoted as Deputy Director of Census Operations on ad-hoc basis	Notification Number and date under which promoted ad-hoc
S/Shri		
1. R.P. Tomar .	. 31-3-80 (AN)	11/102/79-Ad.i datd 28-4-1980
2. M.K. Ahuja	. 2-5-80 (FN)	11102/79Ad.I dated 23-5-80
3. V.P. Rastogi .	. 31-3-80 (FN)	11/102/79-Ad.I dated 28-4-80
4, A.K. Biswas	. 27-3-80 (FN)	11/102/79-Ad.I dated 26-4-80

V.S. VERMA, Registrar General, India

### DIRECTORATE OF O&M SERVICES (INCOME-TAX)

New Delhi, the 28th February 1986

F. No. 36/10/82-AD/DOMS-6208.—On his attaining the age of Superannuation, Shri K. A. Hariharan, Junior Analyst, Staff Inspection Unit, Ministry of Finance, Department of Expenditure, New Delhi and presently working on deputation as Additional Assistant Director in this Directorate relinquished the charge of Additional Assistant Director in the

Directorate of Organisation & Management Services (Incometax), New Delhi on the afternoon of 28th February, 1986.

S. M. CHICKERMANE, Director

## INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT

#### CENTRAL REVENUES-I

New Delhi, the 5th March 1986

No. Admn.I/O.O. No. 407.—Consequent on his attaining the age of superannuation, Shri M. L. Verma, a permanent Audit Officer of this office, presently working as Welfare Officer, will retire from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 31st March, 1986. His date of birth is 22nd March, 1928.

Sd./- ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.)

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) II, BIHAR

(LOCAL FUND AUDIT)

Ranchi-2, the 27th February 1986

No. L.A. Admn.I/Estt.1(1)-Pro forma-Prom-3866,—The Accountant General (Audit) II, Bihar, Ranchi has been pleased to give pro forma promotion to Shri Raghu Prasad Sharma, S.O. (A) of L.A. Wing now on deputation to commercial Audit to officiate as Assistant Audit Officer with effect from 1st November, 1985 (F.N.) under next below rules in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040.

D. MUKHERJEE, Examiner of Local Accounts, Bihar

## OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) J&K SRINAGAR

Srinagar, the 18th February 1986

No. Admn.I/A&E/85-86/60(22) 4911.—The Accountant General (J&K) has been pleased to appoint Sh. M. L. Razdan, a permanent (S.O.) to the post of Accounts Officer in the pay scale of (Rs. 840-40-1000-EB-40-1200) in an officiating capacity with effect from 25-11-1985 (A.N.) till further orders. Sh. M. L. Razdan, will rank next to Sh. Yog Ji Dassi, (A.O.) in the officiating Accounts Officer's Cadre.

A. K. SHARMA, Sr. Dy. Accountant General (A&E)

## OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

Now Delhi, the 6th March 1986

No. 7295/A.Admn/130/82-85—The Director of Audit, Defence Services is pleased to appoint the undermentioned officiating Asstt. Audit Officers to officiate as Audit Officers until further orders, from the date noted against each:

Sl. Name & Designation No.	Office in which serving	Date from which appointed
1 2	3	4
S/Shri 1. R.N Bandyopadhyay, A.A.O.	On deputation with the Deptt.	10-2-86 (Pro'forma)

Tochnology, Technology Bhawan,
New Delhi.

2. K. K. Mazumdar
Director of Audit (Ordnance Factories),
Calcutta)

B.S. TYLE,
Joint Director of Audit,
Defence Services.

## DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

## OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 066, the 27th February 1986

No. AN/I/1688/5/I.—The President is pleased to appoint Shri S. Swaminathan, an officer in Level-I of the Senior Administrative Grade of the Indian Defence Accounts Service, as Controller General of Defence Accounts, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 26th February, 1986, until further orders.

R. B. KAPOOR
Additional Controller General of Defence Accounts
(Administration)

### MINISTRY OF DEFENCE INDIAN ORDNANCE FACTORY SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-1, the 4th March 1986

No. 12/G/86.—On attaining the ago of superannuation (58 years), Shri G. Bhattacharya, IDAS, Controller of Finance. Ordnance Factory Board retired from service w.e.f. 28h February, 1986/AN.

V. K. MEHTA, DDGOF/Estt.

# MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 27th February 1986 IMPORTS & EXPORTS TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/1520/85-ADMN(G)1713.—On attaining the age of superannuation. Shri Amrik Singh, Controller of Imports & Exports in this office retired from Government service with effect from the afternoon of the 31-1-1986.

SHANKAR CHAND, Dy. Chief Controller of Imp. & Exp. for Chief Controller of Imp. & Exp.

#### MINISTRY OF TEXTILES

### OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 28th February 1986

No. 37(6)/Est-I/86/871.—The President of India is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 21st January. 1986 and until further orders, Shri P. C. Jain, as Deputy Director (Chemical Processing) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay.

ARUN KUMAR, Textile Commissioner

## OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS)

New Delhi, the 28th February 1986

No. 34/15/83-Admn.-I.—On attaining the age of superannuation, Shri V. D. Francis, Deputy Director (Northern

Region), in the Office of the Development Commissioner (Handiciafts), New Delhi, refired from Government service, with effect from the afternoon of 28th February, 1986.

NEERA YADAV, Addl. Development Commissioner (Handicrafts)

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

#### (ADMINISTRATION SECTION-6)

New Delhi-110 001, the 14th February 1986

No. A-6/247(521).—Shri S. B. Paul, Permanent Assistant Inspecting Officer (Engg.) and Officiating Inspecting Officer (Engg.) in the office of Director of Inspection, Calcutta retired from Government Service on the afternoon of 31st December, 1985 on attaining the age of superannuation.

R. P. SHAHI, Dy. Dir. (Admn.) for D.G. of S&D.

#### New Delhi-110 001, the 26th February 1986

No. A-6/247(580).—The President is pleased to appoint Shri S. K. Pandey, Deputy Director of Inspection (Met.) Grade II of Indian Inspection Service, Group 'A' (Met. Branch) as Director of Inspection. Grade I of Indian Inspection Service, Group 'A' on ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 1500-60-1800-100-2000 with effect from the forenoon of 8th January, 1986 and until further orders.

- 2. The ad-hoc promotion of Shri S. K. Pandey, will not bestow on him any claim for regular appointment and ad-hoc service rendered would not count for the purpose of Schiolity in that grade for eligibility for promotion and confirmation etc.
- 3. The appointment of Shri S. K. Pandey as Director of Inspection, Grade I of Indian Inspection Service, Group 'A' is subject to the outcome of the three L.P. Gas No. 67/83, 68/83 and 69/83 filed by Union of India in Delhi High Court and writ Petitions No. 3001/83 and 35/83 filed by Shri S. C. Annad. Deputy Director of Inspection in Bombay High Court and transferred to Delhi High Court which are sitll pending in Delhi High Court.
- 4. Shri S. K. Pandey, Dy. Director of Inspection (Met.) at Tatangear on ad-boc promotion, assumed charge of the office of the Director of Inspection in Calcutta Inspection Circle at Calcutta on the Forenoon of 8th January, 1986 on temporary transfer basis for a period not exceeding 180 days.

No. A-17011/98/76/A-6.—Shri J. K. Ghosh, Permanent Assistant Inspection Officer (Textiles) and officiating Inspecting Officer (Textiles) in the office of Director of Inspection N.I. Circle. New Delhi has retired from service on the afternoon of 31st January, 1986 on attaining the age of superconnuction.

P. P. SHAHI. Dy. Dir. (Admn.)

## ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIRHAG)

GFOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 5th March 1986

No. 1540B/A-22014(2-0/S)/81/19B.—Shri B. K. Bose, STA (Survey) Geological Survey of India has been appointed on promotion by the Director General, G.C.I. as Officer Surveyor in the same Department on pay according to rules in the scale of may of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-401-1000-EB-40-1200/- in an officiating cascity with effect from the Forenoon of 31-12-85, until further orders.

No. 1557B/A-32613(2-SO)/84-19B.—The President is pleased to appoint Shri G. C. De, Officer Surveyor, GSI on promotion to the post of Survey Officer in the same department on Pav according to rules in the scalt of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 1-1-1986, until further orders.

A. KUSHARI, Director (Personnel) Geological Survey of India

#### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 3rd March 1986

No. A-19011(376):/85-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri M. M. Shambharkar, Assistant Research Officer, Indian Bureau of Mines is appointed to the post of Assistant Ore Dressing Officer in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon 13-2-1986.

G. C. SHARMA Asstt. Administrative Officer for Controller General Indian Burcau of Mines.

#### ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 28th February 1986

No. 4-161/78/Estt.—On attaining the age of superannuation Shri Himansu Nag, Statistician, has retired from Govt. service with effect from the afternoon of 28th February 1986.

P. C. DUTTA. Superintending Anthropologist

#### DIRECTORATE GENFRAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 6th March 1986

No. 18/121/85-S.IV.—Consequent upon his promotion Sh. K. R. Ramamoorthy, Senior Engineering Assistant has assumed charge of the post of Assistant Engineer in Upgraha Doordarshan Kendra, New Delhi on 18-10-85(FN).

No. 17/4/86-SIV—Consequent upon their promotion the undermentioned Senior Engineering Assistants have assumed the charge of the posts of Assistant Engineers at different offices of All India Radio and Doordarshan from the dates shown against each:—

Sl. No.	Name			Station/Office	Date of joining
1	2			3	4
	S/Shri		_	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	, <u>, , , , , , , , , , , , , , , , , , </u>
1.	Satpal Singh			AIR Jalandhar	31-12-85 (FN)
2.	Pyare Lal			CE (North Zone)	
3.	C. Kharbanda	-	٠	Do.	10-1-86 (FN)
4. J	.K. Pano	-		Do.	30-12-85 (FN)
5. 3	Smt. Chander	Kanta		CE (R&D)	24-12-85 (FN)
6, ]	K.S. Singh	•		AIR, Suratgarh	1-1-86 (FN)
7. 1	A.C. Khurana	•	•	HPT, AIR, Aligarh	20-1-86 (FN)
8.	N.K. Mondal			AIR, Ranchi	30-12-85 (FN)
9. I	D.U. Sarma	•	•	AIR, Visakha- patnam	18-1-86 (FN)
10. 1	D.R. Rao		٠	AIR, Jeyporo	30-1-86 (FN)
11. 1	V.C. Dutta	•		DDK, Kurseong	, ,
12. S	.N. Choudhar:	y	•	LPTV, Gangtok	29-1-86 (FN)

		·
1 2	3	4
13. H.S. Govindarajan	AlR, Bangalore	5-2-86 (FN)
14. Bhupinder Singh	DDK, Jalandhar	30-1-86 (FN)
<ol><li>S.R. Hardikar</li></ol>	DDK, Nagpur	1-2-86 (FN)
16. B.C. Hazarika 🕠	· DDK, Dibrugarh	17-2-86 (FN)

B. S. JAIN,
Dy. Director of Administration,
for Director General.

#### SWASTHYA SEWA MAHANIDESHALYA

New Delhi, the 3rd March 1986

No. A.22012/4/83-CGHS.I.—Consequent upon his transfer from C.G.II.S. Delhi to Central Government Health Scheme, Calcutta, Dr. A. K. Dey, relinquished charge of the post of Homoeopathic Physican under Central Govt. Health Scheme, Delhi with effect from the afternoon of the 14th January, 1986 and assumed charge of the post of Homoeopathic Physician under Central Govt. Health Scheme, Calcutta with effect from the forenoon of the 24th January, 1986.

No. A.12025/3/84-CGHS.I(Pt.)—The Director General of Health Services is pleased to appoint Sh. K. K. Kapoor to the post of Administrative Officer in Central Govt. Health Scheme, Delhi on temporary basis with effect from the forenoon of 3rd February 1986.

#### The 5th March 1986

No. A.12025/3/84-CGHS.1(Pt.).—Consequent upon his appointment to the post of Administrative Officer under Central Govt. Health Scheme, Calcutta Sh. S. G. Gupte relinquished the charge of the post of Asstt. Depot Manager under Central Govt. Health Scheme, Bombay on the Afternoon of 7th February, 1986.

T. S. RAO, Dy. Dir. Admn. (CGHS)

#### DELHI MILK SCHEME

Delhi-8, the 13th December 1985

#### ORDER

No. 6-1/83-Vig.—WHEREAS Shri Nathi Lal, Mate was chargesheeted under Rule 14 of CCS (CC&A) Rules, 1965 vide chargesheet memo No. 6-1/83-Vig. dated 21-2-83 on the following charges:—

"That the said Shri Nathi Lal while functioning as Mate in D. M. S. has been absenting himself from duty unauthorisedly without prior permission/sanction of the competent authority with effect from 25/1/82 onwards. He is thus charged with absenting himself from duty unauthorisedly w.e.f. 25/1/82 onwards without prior permission & sanction of the competent authority which acts are unbecoming of a Govt. Servant and are in violation of CCS (Conduct) Rules, 1964."

 were sent to him but received back with the remarks of the Postal Authorities :-

Date of Notice	Date of Hearing	Remarks of the Postal Authorities		
1. 19-9-83	27-9-83	Rogd, A.D. with the remarks that the "Intentionally avoided to take delivery".		
2. 15-2-84	28-2-84	Inspite of repeated visits the receiver was not avail- able at his residence.		
3. 16-1-85	30-1-85	No person of this name lives in the villages.		
4. 1 <del>6-4-</del> 85	25-4-85	No person after this name lives in the village. Addressee out of station for unknown period		
5. 26-5-85	15-7-85	Intentionally avoided to take delivery.		

After careful consideration of the facts on record and the Inquiry Report as aforesaid the undersigned agrees with finding of E.O. and has come to the inescapable conclusion that Shri Nathi Lal, Mate is not interested in government service and therefore he is not a fit person to be retained in govt, services. It is clear from the facts and circumstances of this case that on certain occasions he was not available at his last known address on Postal and some occasions he deliberately avoided to receive the notice from Postal Authorities. He is, therefore, found guilty of the charge.

Now, therefore, in exercise of the Towers under Fulc 11 of the CCS (CC&A) Rules. 1965 the understance, for socie and sufficient reason imposes the penalty of Compulsory Retirement from service on Shri Nathi Lal, Mate.

> DIPAK JAIN Dy. General Manager (Adn n.), Disciplinary Authority

Shri Nathi Lal, Mate S/o Shri Sohan Lal.

Addross: -

1. D-192 Ra ghubir Nagar, New Delhi-27.

2. Village-Nongaon. P.O. Ramgarh, Distt. Alwar (Rajasthan).

### DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 6th February 1986

Ref. No. DPS/41/10/85-Adm/1576.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri K. N. Kandpal, a permanent Store-keeper to officiate as a Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 from 26-12-1985 (FN) to 15-2-86 (AN) in the same Directorate vice Shri M. K. John, Assistant Stores Officer granted leave.

## The 3rd March 1986

DPS/2/1(20)/83-Adm/1442.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic 62-516GL/85

Energy appoints Shri Suresh Shantaram Prabhu Zante, permanent Upper Division Clerk and officiating Ass. Accountant to officiate as an Assistant Accounts Officer on an adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/- from 26-11-85 (F/N) to 28-2-86 (A/N) in the same Directorate.

> B. G. KULKARNI Administrative Officer,

#### NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 24th February 1986

No. NFC/PAR/0703/388.—Further to this office notification No. NFC/PAR/0703/2950 dated November 23, 1985, the appointment of Shri C. R. Prabhakaran, Assistant Accounts Ocer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/— on ad hoc basis in extended upto 22-5-1986 or until further orders, whichever is earlier.

> G. G. KULKARNI Manager, Personnel & Admn.

## DEPARTMENT OF SPACE

(ISRO SATELLITE CENTRE)

Bangalore-17, the 24th February 1986

No. 020/1(15.2)/86-Est-I.—Director ISRO Satellite centre is pleased to appoint Shri B. S. Nagesh Rao to the post of Scientist/Engineer 'SB' with effect from the forenoon of November 7, 1985 in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space on a temporary basis and until further orders.

> H. S. RAMADAS Administrative Officer-IL

#### OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 25th February 1986

No A-32013/10/85-E.I.—The President is pleased to appoint Shri K. N. S. Krishnan, Director of Airworthiness to the grade of Dy. Director General in the Civil Aviation Department with effect from 11-11-83 on notional basis since Shri Krishnan actually took over the charge of the post of Dy. Director General w.e.f. 21-2-86 (F/N), the monetary benefits shall be payable w.e.f. the 21-2-86 (F/N) (Authority:—Ministry of Transport Deptt, of Civil Aviation letter No. A-32013/28/85-VE dated 21-2-86).

Jt. Director of Administration, for Director General of Civil Aviation

#### New Delhi, the 20th February 1986

No. A-32014/7/84-EC.—The Director General of Civil ANO. A-32014///04-EC.—The Director General of Cyml Avlation is pleased to appoint the following Technical Assistants (at present working as Assistant Technical Officer on ad-hoc basis) in the grade of Assistant Technical Officer in the pay scale of Rs. 650-1200/- on regular basis with effect from January 28, 1986 and until further orders:—

Serial No. Name 2. S/Shri 1. N. S. Miyan 2. Shittal Singh 5. M. M. Chakraborty 4. H. N. Adhikari. 5. M. M. Chakraborty 6. V. R. Sharma.

2. 7, P. K. K. Nair.

8. O. P. Khurana.

9. J. S. Saib.

10. K. R. Narasimhan.

11. P. S. Narayanan

12. S. V. Patnaik.

13. G. C. Chhabra. 14. Jagir Singh.

15. K. Velayudhan II.

16. K. Muthukrishnan.

17. K. Velayudhan I.

18. P. Y. Khadikar.

19. J. B. Sonar.

20. K. Narayanan.

21. Sürlit Singh.

22. D. Bhattacharya.

23. S. C. Sood I.

24. H. R. Ranjan.

25, S. D. Kumar.

26. B. S. Parmar.

27. S. C. Sood II.

28. S. K. Khanna.

29. P. K. Kapoor.

30. M. P. Chauhan.

31. J. N. Nag.

32, J. S. Deal.

33. Nand Kishore.

34. P. K. Chanda.

35. S. K. Chanda.

36. Yagub Khan.

37. J.S. Saxena.

V. JAYACHANDRAN Dy. Director of Administration.

## New Delhi, the 7th March 1986

A 12025/1/84-FS.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri S. N. Dwivedi to offlicate as Airworthiness Officer in the scale of pay of Rs. 700—1300 with effect from 3-2-1986 (FN) until further orders.

Shri S. N. Dwivedi is posted in the O/o the Director of Airworthiness. Safdarjung Airport, New Delhi.

M. BHATTACHARIEE, Dy. Dir. of Administration

## COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS CENTRAL EXCISE

Bangalore-1, the 27th February 1986

No. 1/86.—In exercise of the powers conferred by me under Rule 5 of Central Excise Rules, 1944, I hereby empower the Assistant Collector of Central Excise to exercise within their respective jurisdictions the powers of Collector's under 173H of Central Excise Rules, 1944.

SUKUMAR SHANKAR, Collector

Nagpur, the 4th March 1986

No. 4/86.—Consequent upon his promotion as Assistant Collector Central Excise, Shri P. R. Joshi Senior Superinten-

dent Group 'A' Central Excise has assumed the charge as Assistant Collector Central Excise Nagpur on 16-2-86.

R. K. AUDIM, Deputy Collector (P & E)

#### CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 27th February 1986

No. 3-737/86-Estt.(M).—Shri H. L. Verma is appointed to No. 3-737/80-ESLU(M).—Shiff H. L. Verma is appointed to the post of Assistant Administrative Officer, General Central Services Group (B) (Gazetted) in the scale of Rs. 650—30— 740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on temporary basis in Central Ground Water Board w.c.f. 31-1-86

#### The 5th March 1986

No. 3-738/86-Estt(M).—Shri N. C. Gera is appointed to the post of Assistant Administrative Officer, General Central Services Group (B) (Gazetted) in the scale of Rs. 650—30— 740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on temporary basis in Central Ground Water Board w.c.f. 7-2-86

> S. K. DAS Chief Engineer & Member

#### MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT TOWN & COUNTRY PLANNING ORGANISATION

New Delhi-110002, the 5th March 1986

No. A-12026(9)/85-TCPO/Admn.—The Chairman, Town & Country Planning Organisation is pleased to appointment Smt. Urmila Datta, Research Assistant to the post of Assistant Economist (G.C.S. Gr. B Gazetted) w.e.f. 21-2-86 (FN) until further orders.

> B. C. SHYNGLE Administrative Officer

### OFFICE OF THE DIRFCTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 7th March 1986

No. 33/2/83-EC IX.—The President is pleased to appoint the following nominees of the UPSC against the temporary post of Deputy Architect (G.C.S. Group 'A') in the Central Public Works Department in the scale of Rs. 700—40—900— EB-40-1100-50-1300 (plus usual allowances) with effect from the dates shown against each on the usual terms and

- 1. Shri B. K. Chakravarti-2-1-86.
- 2. Shri Navnect-23-1-86.

They are placed on probation for a period of two years with effect from the dates of their appointment.

> PRITHVI PAL SINGH Deputy Director of Administration

## CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110066, the 27th February 1986

No. 22/2/86-Admn.I(B).—In partial modification of this office notification No. 127/86 F. No. 22/2/85-Adm.I(B), dated the 11th February 1986, the date of appointment of Shri B. C. Joshi may please be read as 31-1-1986 instead of 30-1-1986.

R. SHE**SHA**DRI, Under Secy. for Chairman

## MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Garden Cities & Home Crafts Limited

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 14311/560(5).—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Garden Cities & Home Crafts Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Movie Makers Private Limited

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 24681/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Movie Makers Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of B.B.G. Engineering Industries Private Limited

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 26682/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of B.B.G. Engineering Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of A.M. Electronics Private Limited

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 33742/560(5),—Notice is nereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of A.M. Electronics Private Limited has this day been struck of the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of P.A. Management Consultants Private Limited

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 21517/560(5).—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of P.A. Management Consultants Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ranchi Tools Manufacturing Co. Private Limited

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 24522/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Ranchi Tools Manufacturing Co. Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Banarsilal Ihunjhunwala Private Limited

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 21067/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956,

that the name of Banarsilal Jhunjhunwala P. Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved,

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Biological Supply Concern Private Limited

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 21059/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Biological Supply Concern Private Limited has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of K. L. Basu Co. (Steels) Private Limited

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 25095/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of K. L. Basu & Co. (Steels) P. Ltd. has this day been struck off the Register and the said Company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ideal National Development Syndicate Private Limited

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 14275/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ideal National Development Syndicate Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Philip & Co. Private Limited

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 19108/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Philip & Co. Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Planters Guide & Supply Co. Private Limited

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 10468/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Planters Guide & Supply Co. Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Temple Nursing Home Private Limited

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 30587/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Temple Nursing Home Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Almert Company Private Limited

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 21612/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ajmeri Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bengal Stationary Co. Private Limited

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 24284/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bengal Stationary Co. P. Ltd., unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Kanaipur Development Concern Private Limiteed

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 27343/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kanaipur Development Concern. Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Aladro Private Limited

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 23842/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Aladro Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bhowmick Agencies Private Limited

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 27612/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date

hereof the name of the Bhowmick Agencies Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Adivasi Mines & Industry Limited

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 30636/560(3).—Notice is hereby given pusuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Adivasi Mines & Industry Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Chowringhee Press, Private Limited

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 27410/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Chowringhee Press Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Ganga Sagar Rice Mills Private Limited

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 18572/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Ganga Sagar Rice Mills Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and Glamour Publicity Private Limited

Calcutta-20, the 24th February 1986

No. 24231/560(3).—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (3) of the Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Glamour Publicity Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

Addl. Registrar of Companies West Bengal

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF ENDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 10th January 1986

Ref. No. LAC ACQ/CA-5/37EE/1673/1985-86.—Whereas, J. ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Godown covered Car Park full in Building No. A+B at Ground floor. Pune. situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act 1961 Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune on Aug. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tex under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the spid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely -75-516GY/85

(1) M/s Kundan Associates, Builders & Promoters, 11 Rahul Apartments, Shankershet Road, Pune-2.

(Transferor)

(1) Shri Kundanmal Zumbarlal Kataria, 11 Rahul Apartments, Shankershet Road, Pune-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of . 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days iron the service of notice on the respective persons which which period expines letter:

وداره مطبقها بالدارسوم يواميون سالت التاسيق بالازاديون سيس

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Godwon and covered car park full, in Building No. A+B at ground floor at Pune.

(Property is described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1673/1985-86 in the month of August 1985).

ANIL KUMAR Competent Anthority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Date: 10-1-1986.

Seal:

#### FORM ITNS

(1) Janakpari Sahkari Girh Nirman Samity Ltd.,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

Ref. No. III-1201/Acq/85-86.—Whereas, L. DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing than No. 9, touzi No. 227, khata No. 316, plot No. 825 situated at mouza Sadikpur-yog, P. S. Kankarbagh, Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Vaishali on 26-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer sp4/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,--

(2) Shei Chandradip Singh alias Dashai Singh s/o late Shri Yadunandan Singh, At & P.O. Doulatpur,

P. S. Gourichak, Dist. Patna

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publicationn of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2146 sq. ft. situated at Sadikpur-yogi, P.S. Kankarbagh, Dist. Patna and morefully described in deed No. 5003 dated 26-6-85 registered with D.S.R. Varshali.

**DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 13-2-86.

Seal:

#### FORM ITNS-

(1) Shri Syam Nandan Roy of Bhoba Tola, Mubarakpur, Patna

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Adhunik Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd.,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 12th February 1986

Ref. No. III-1190/Acq/85-86.--Whereas, I, DURGA PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

Rs. 1.00,000- and bearing Piot No. 2054P, 2067P, 2061P, 2059P, 2697, Khata No. 505, 506, 50 , 516, 518 Tauzi No. 16, Thana No. 40 situated at (Not mentioned in the 37G form)

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 17-6-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property w aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; ·pd/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  A5 days from the date of publication of this
  notice in the Official Gazette or a period of 30
  days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- other person interested in the said (b) by any inmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 117 decimals situated at (Not mentioned in the 37G form) Patna and morefully described in deed No. 8766 dated 17-6-85 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said tet. I hereby initiat: proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely -

Date: 12-2-86.

#### FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Thakur Singh s/o late Mahabir Singh Vill. Dighi-Kalan, P.O. & P. S. Hajípur, Dist. Vaishali.

(Transferoi)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

Ref. No. 111-1191/Acg/85-86 .-- Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the incomestax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, buying a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing thara No. 105 khata No. 312, khasra No. 2718 situated at mouza Digha-kalan, P S. Hajipur, Dist. Vaishali (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Valshali on 19-6-85.

or an apparent consideration which is less than the fair Commence of the Commence of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the confideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

a) tariffating the reduction or syssion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Not 1957 (27 of 1957);

(2) Shulabh Sahakari Gidh Nirman Samity Ltd., Hajipur Dist. Vaishali. through its secretary Sri Vajendra Kumar Srivastva (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 4 katha situated at mouza Dighi, P. S. Hijipur, Dist. Vaishali and morefully described in deed No. 4850 dated 19-6-85 registered with D. S. R. Vaishali Hajipur).

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. ( hereby initiate proceedings for the acquisition of the afferom I property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dute: 13-2-86.

. ---<u>=========================</u>

#### FORM ITNS-

## S/o Ramji Ram of New Dak Bunglow, Road, Dist. Patna.

(1) Shri Laxmi Niwas Ram

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Dr. Raj Kishore Sinha S/o Late Sadhu Saharan Sinha of Marachi, P.S. Pun-Pun, Dist. Patna.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. III-1192/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Holding No. 646/506(old). Circle No. 13, plot No. 588, touzi No. 10723, Holding 506/53 (new) situated at Janak Kishore Rord. Moh. Kadamkuan, P. S. Dist. Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-1. New at Patna on 19-6-85.

of Patha on 19-6-85.

For an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of .-

- (a) faciltating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) Lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land with building measuring 5 katha 10 dhur situated at Janak Kishore Road, Moh. Kadamkuan, Dist. Patna and morefully described in deed No. 4367 dated 19-6-85 registered with D. R. S. Patna.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 13-2-86.

#### FORM ITNS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

Ref. No. III-1193/Acq./85-86,--Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to s the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Paigamberur, P. S. Kanti, Dist. Muzaffarpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 19-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have remorn to believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between to parties has not been truly stated in the said mat mice. unnsfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transteree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ram Raj Singh s/o late Kirit Singh at Surheria, P. S. Dawat, Dist. Rohtas, at Present Brahmpura, Muzaffarpur.

(Transferor)

(2) Shri Rajib Ranjan, Sri Ranjan & Priya Ranjan s/o Rum Ashra Prasad Singh, At Birpur, P. S. anti, Dist. Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property way he made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the deteof publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:- The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 4 katha situated Paigamberpur, P. S. Kanti Dist. Muzaffarpur and more fully described in deed No. 11747 dated 19-6-85 registered with D. S. R. Muzaffarour.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

Date: 13-2-86.

FORM I.T.N.S.--

(1) Porble Ashok Nagar Sahakari Girh Nirman Samity 1\_1.1 rough its secretary Sri Bimla Nand Pd. Perbi Ashof Nagor, Kankrabagh Patna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

Ref. No. III-1194 Acq 85-86,---Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269E of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovemble

property, having a fair market value exceeding Rs 1.00,000/- and bearing Touzi No. 227, khata No. 227, P. S. No. 14. Khesra No. 122 & 123 situated at P. S. Alamganj Dist. Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 10-6-85.

for an apparent consideration which is less than the fair manket value of the aforesaid property and I have resson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the convideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

a) tactitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-to Ac 19/7 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tes Act, 1957 (27 of 1957): (2) In Ita Prasta Sahakari Girh Nirman Samity Ltd. through its secretary Sri Baidya Nath Singh, Khajanchi Road, Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of native in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo-vable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 95 decimals situated at P. S. Alamganj. Dist. Petha and morefully described in deed No. 4065 dated 10-6-85 registered with D.SR. Patna.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Comissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the soid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date : 13-2-86.

Seal:

#### FORM I.T.N.S.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE UF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

Ref. No. III-1195/ Acq '85-86.- Whereus, I, DURGA PKASAD,

being the Component Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. thana No. 2, khata No. 241, touzi No. 5123, plot No. 2369 situated at mouza Mainpura, P. S. Shrikrishnapuri, Dist. Patna

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the

Office of the Registering Officer at Patna on 27-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been unity stated in the said instrument of with the chiect of ..... tra .

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Smt. Surajmani Devi W/o Ramakant Sharma At & P. O. Amahara, P. S. Bihta, Dist. Patna.

(Transferor)

[PART [II-SEC ]

(2) Smt. Usha Gupta w/o Sri Saroj Kumar Gupta At Gandhi Path, Mithapur, P. S. Gandanibagh, Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2 katha situated at mouza Mainpura, P.S. Srikrishnapuri, Dist. Patna and morefully described in deed No. 4589 dated 27-6-85 registered with D.S.R. Patna.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A is hereby initiate proceedings for the acquisition of the a ore-aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely:-

Date: 13-2-86,

Seal:

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

Ref. No. 111-1196/Acq/85-86.-Whereas, I, DURGA PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 705, holding No. 223, ward No. 5, present holding No. 224, ward No. 5, present holding No. 225, ward No. 5, present holding No. 226, ward No. 5, present holding No.

No. 364, ward No. 8 situated at Malviya Road, Dist. Hazari-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Hazaribagh on 3-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, \* hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores iid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:---

(1) Suwalal Gangwal s/o Babu Ganga Bux (deceased of Boddom Bazar, Hazaribagh.

(Transferor)

(2) Smt. Ginia Devi w/o Sri Bhouri Lal Jain of Boddom Bazar, Hazaribagh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Land with building measuring 1 katha 12 dhur 4 dhurki situated at Malviya Road, Hazaribagh and morefully described in deed No. 8479 dated 3-6-85 registered with D.S.R. Hazaribagh.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Petna.

Date: 13-2-86.

Seal:

64 -516GT/85

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

Ref. No. III-1197/Acq/85-86.--Whereas, I, DURGA PRASAD. being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), bave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 762, (Part), holding No. 722/401, Ward No 2 Circle No. 6 situated at Exhibition Road, P. S. Gandhi Moiden Diet Parts.

Maidan, Dist. Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 18-6-85.

for an apparent consideration which is less than the fear market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :-

(1) Gagan Sahakari Girh Nitman Samity Ltd. thorough its secretary Md. Reyazuddin Khan, resident of Grant Hotel Premises, Fraser Road, P. S. Kotwali, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Chander Bhan Gupta S/o Sri Sohan Lalji Gupta, resident of 204, Patliputra Colony, Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as siven at that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Entire flot No. 405 on the 4th floor of "Gagan Apartments" measuring 1056 sq. ft. situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan, Dist. Patna and morefully described in deed No. 4318 dated 18-6-85 registered with D. S. R. Patna.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar, Patna.

Date: 13-2-86.

Seal:

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

Rcf. No. III-1198/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing plot No. 762, holding No. 722/401(new), 316 (old), ward No. 2, circle No. 6. situated at Exhibition Road, P.S. Gandhi Maidan, Dist Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the registering officer at Patna on 4-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly unded in the mid instrument of transfer with the object of :—

- (a) Inellitating the reduction or evinlent of the Bublish of the transferor to pay tax under the sold Act, in respect of any income arising tyres the transfer, and/or
- (b) inclinating the concentrant of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be declosed by the transferor for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wastiti-tar Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforenal property by the lease of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Gagan bahakari Girh Nirman Samity Ltd., Patna the legic its secretary Md. Reyazuddin Khan, remember of Grand Hotel Premises P. S. Kotwali, Diet. Patna.

(Transferor)

 Snri Ramawatar Rongta S.o Shri Matadin Rongta, resident of New Dak Bunglow Road, P. S. Gandhi Maidan, Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if may, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Carette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovtable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPIANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 21 being part of the ground floor of 'Gagan Apartments' measuring 302 sq. ft. situated at Exhibition Road, P. S. Gandhi Maidan, Dist. Patna and morefully described in deed No. 3926 dated 4-6-85 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 13-2-86.

Seal:

FORM NO. I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

Ref. No. III-1199/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the 'mmovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. property having a fair market value exceeding Thana No. 161 khata No. 177, Khesra No. 1143 situated at mouza Dhanouti-Habibullah, P. S. Hajipur, Dist. Vaishali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Vaishali on 4-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than if the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Tapeshwar Singh Sahakari Girh Nirman Samity Ltd. tinough its Secretary Sri Pramod Kumar Singh, At-Khopi, P. S. Jandaha, Dist. Vaishali (Hajipur).

(Transferor)

 (2) Smt. Urmila Devi w/o Jai Prakash Singh At-Dharahara,
 P.O. Karhasi,
 P.S. Dinara, Dist. Rohtas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 3900 sq. ft, situated at mouja Dhanouti-Habibullah, P. S. Hajipur Dist. Vaishali and more fully described in deed No. 4340 dated 4-6-85 registered with D.S.R. Vaishali (Hajipur).

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ket, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 13-2-86.

#### FORM I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna-800001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1200/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey plot No. 328, touzi No. 26, khata No. 42, thana No.

12 situated at mouza Kumharar, P. S. Sultangani, Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vaishali on 13-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 #11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Gopikant Pathak, Secretary of Upkar Sahakari Girh Nirman Samity Ltd., Patna.

(Transferor)

(2) Shri Ranjit s/o Bishwanath Pd. Vill. Daudbigha, P.O. Rajendra Nagur, Dist. Patna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2400 sq. ft. situated at mouza Kumharar, P.S. Sultanganj, Dist. Patna and morefully described in deed No. 4669 dated 13-6-85 registered with D. S. R. Vaishali (Hajipur.).

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 13-2-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1202/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 762 (part), holding No. 722/401, ward No. 2, circle No. 6 situated at Exhibition Road, P. S. Gandhi Maidan Dist. Pama

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patna on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Habelly of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name:—

 Gagan Sahakari Girh Nirman Samity Ltd., through its Secretary Md. Reyazuddin Khan, resident of Grand Hotel Premises, Fraser Road, P. S. Kotwali, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Shyam Lal Lakhmani and Deyanand Lakhmani sons of Sri Ganesh Mall Lakhmani, resident of Kathal Bari, P. S. & Dist. Darbhanga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 506 on the floor of "Gagan Apartments" measuring 1059 sq. ft. situated Exhibition Road, P. S. Gandhi Maidan, Dist, Patna and morefully described in deed No. 3925 dated 4-6-85 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 13-2-1986

#### FORM NO. I.T.N.S.--

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1203/Acq/85-86.-Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1.00.000 - and hearing No.
P. G. No. 406. Block No. J, ward No. 9, holding No. 89, (new), 286 (old), khata No. 155, khesra No. 389 (new), 803 (old) situated at Moh. Saraiyaganj, Muzaffarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer

at Muzaffarpur on 13//6/85
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than htteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefor in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in the proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1 Section 259D of the said sect, to the following persons namely:-

(1) Bujhawan Das alias Gyan Mohan Das S/o late Ghathu Das of Saraiyagani, Muzaffarpur.

(Transferor)

(2) Shri Kaushal Kumar Mashakhara S/o Shri Matadin Maskakhara of Purani Bazar, Gudari Road. Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein we are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land with building measuring 222 sq. ft. situated at Moh. Saralyaganj, J. S. & Dist. Muzaffarpur and more fully described in deed No. 11260 dated 13-6-85 registered with D.S.R. Muzaffarpur.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 13-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1204/Acq. 85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Thana No. 24, touzi No. 5234, khata No. 104, plot No. 384 situated at Mainpura-Shaukar, P.S. Danapur, Dist. Paina and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, N. Delhí at Patna on 26/6/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Babu Sheodewan Singh S/o late Babu Ram Lakhan Singh, at Chamarichak, P. S. Danapur, Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Budhijivi Sahakari Grih Nirman Samity Ltd., Danapur through its secretary Shri Ritan Singh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 4 katha 10 dhur situated at Mainpura Shankar P. S. Danapur, Dist. Patna and morefully described in deed No. 4545 dated 26-6-85 registered with D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 13-2-1986

#### FORM ITNS-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Shyam Chandra Prasad S/o Late Bigan Sah of Saraiyagani, \*\*\*Jzaffarpur,

(Transferor)

(2) Shri Brij Bihar Prasad S/o Shri Yadav Chandra Prasad of Brahmpura, P. S. & Dist. Muzati arpur.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA

Paina-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. 111-1205/Acq./85-86.—Whereas, 1, DURGA PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax / ct, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

P. S. No. 402, Khata No. 1067, Khesra No. 604, 605, 606, Helding No. 533 situated at Moh. Brahmpura, P. S. & Dist. Migaeffarour

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Muzaffarpur on 13-6-1985

for an appaint consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that we fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen in cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of the said in the said in the said instrument of transfer with the object of the said in the said i

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any mon ys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namedy:—

65-- 516 GI/"5

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land with building measuring 3 katha 6 dhur situated at Moh. Brahmpura, P.S. & Dist. Muzaffarpur and morefully described in deed No. 11239 dated 13-6-85 registered with D. S. R. Muzaffarpur.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 13-2-1986

#### FORM JTNS---

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### SOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1205/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act'), have reason to believe that the immovable paperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/4 and bearing

Tou.i No. 5559, thana No. 20, khata No. 426, Khesra No. 418 situated at Mouza Dhanout, P.S. Danapur, Dist. Paina (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Vaishali on 1945-85

to an ar, arem consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the carries has not been pully stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) factinating the reduction of evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afor said property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person. namely:—

 Shri Bimla Sharan Singh S/o Late Shri Jitu Singh, At Rupaspur, P. S. Danapur, Dist. Patna,

(Transferor)

(2) Sethi Sahakari Girh Nirman Samity Ltd., New Market, Patna, through its Secretary Shri Upendra Prasad Sah.

(liansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 94 decimals situated at Mouze Dhanout, P. S. Danapur, Dist. Patna and morefully described in deed No. 4878 dated 19-6-85 registered with D.S.R. Vaishali (Hajipur),

DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Fihar, Patna

Date : 13-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1207/4cq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immover property, having a fair market value exceeding ks. 1,00,000/- and bearing No.

ks. 1,00,000/- and bearing No. touzi No. 5359, thum No. 20, whata No. 426, khesra No. 418 structed at mouza Dhanout, P.S. Danapur, Dist. Patna (and more in by asserting of the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the order of the Registering Officer at Vaishali on 19/6/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding, for the acquisition of the Coresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bimla Sharan Singh S/o Late Shri Jitu Singh, At Rupaspur, P. S. Danapur, Dist. Patna,

(2) Sethi Sahakari Girh Nirman Samity Ltd.,

New Market,
Patna,
through its Sccretary
Shri Upendra Prasad Sah,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this no ic. in the Official Great e.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 9½ decimals situated at Mouza Dhanout, P. S. Danapur, Dist. Patna and morefully desc & d in the No. 4863 dated 19-6-85 registered with D.S.R. Vaishali (Hajipur).

DURGATE OF Computent Auto Computent Auto Computent Auto Acquisition Range, Ethar, Paina

Date: 13-2-1986

#### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1203/Acq/85-86.--Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (horeinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000; - and bearing Thana No. 20, Surv. y post No. 413 situated at mouza Dhanout, P.S. Danapur, Dist. Patna (and more fully described in the Schedule appeared bereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vaishali on 21-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; 10\ but
- facilitating the concentment of any account any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the Indian Income-tax Act, 1922 (b) facilitating the concealment of any incomes of the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sethi Sahakari Girh Nirman Samity Ld., New Market, Patna, through Secretary, Shri Upendra Prasad Sah, (Transferor)

(2) Smt. Ram Keshari Devi D/o Late Ram Sunder Bhagat, At-Kaithi, P.S. Kachwan, P.O. Narsariganj, Dist. Rohtas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 0 days from the service of notice on the respective persons. a solvever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meating as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 94 decimals situated at mouza Dhanout, P. S. Danapur, Dist. Patna and morefully described in deed No. 4878 dated 21-6-85 registered with D.S.R. Vaisholi (Hazipur).

> DURGA FRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 13-2-1986

#### FORM I.T.N S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF IAX ACT, 1961 (43 OF 1961) / INCOME-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1209/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing
Thana No. 20, Plot No. 418 situated at Mouza Dhanout, P.S. Danapur, Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vaishali on 21-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sethi Sahakari Girh Nirman Samity Ltd., New Market, Patna, through Secretary. Shri Upendra Prasad Sah.

(Transferor)

(2) Shri Phagu Bhagat S/o late Ram Briksh Bhagat, At-Kalthi, P. S. Kachwan, Dist. Rohtas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 94 decimals situated at mouza Dhanout, P. S. Danapur, Diet Patne and morefully decribed in deed No. 4878 dated 21-6-85 registered with D.S.R. Vaishali (Hazipur).

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 13-2-1986

#### PORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1210/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1.00.000 - and bearing

Rs. 1.00.000 - and bearing
Khata No. 16 (old), 409 (new), Khesra No. 2959 situated at
mouza Chakbagh Madakakar, P. S. Hajipur, Dist. Vaishali
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Vaishali on 24-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to betwee that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fift en per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patter has not been truly stated in the said instrument of ranster with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and or;
- (a) facilitating the concealment of any income or any anoneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferor ten the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Parmanand Sah
 S/o Shri Ram Rang Shah,
 At Lawapur,
 P. S. Mahnar,
 Dist, Vaishali (Hajipur).

(Transferor)

(2) Hajijur Nagarpalika, Ward No. 14 Sahakari Girh Nirman Samity Ltd., Hakipur through its Secretary Shri Suresh Prasad Singh, At-Chakbagh Madakakar, P. S. Hajipur, Dist. Vaishali.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2 katha 15 dhur situated at mouza Chakh h Madakakar, P. S. Hajipur, Dist. Vaishali and morefully described in deed No. 4951 dated 24-6-85 registered with D.S.R. Vaishali (Hajipur).

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 13-2-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1211/Acq/85-86.-Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immervable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000 - and bearing P. S. No. 406, Block No. 4, ward No. 9. H. No. 89 (new) 286 (old) Khata No. 155, Khesra No. 389, Khesra No. 803

(old) situated at Moh. Saraiyagani, P. S. & Dst. Muzaffar-

(and more fully described in the Schedule \*\*nnexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muzaffarpur on 13/6/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, semely '--

(1) Shri Bujhawan Das alias Shri Gyan Mohan Das S/o Shri Chathu Das . of Saraiyaganj, Muzaffarpur.

(Transfero ')

(2) Shri Chabit Kumar Mushakhara alias Rajesh Kumar Mashakhara Sko Sri Matadin Mashakhara of Purani Bazar, Gudari Road, Muzaffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of producation of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land with building measuring 2.2 sq. ft. situated at Moh. Saraiyagani, P.S. & Dist. Muzaffarpur and more ully described in deed No. 11245 dated 13-6-85 registered with D.S.R. Muzaffarpur.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

Date : 13-2-1986

Scal;

#### and the second of the control of the FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR BURING CANAL ROAD PATNA

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1212/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
P. S. No. 406, ward No. 9, block No. 3 holding No. 89 (new) 286 (old), Khata No. 155, Khesra No. 389 old No. 803 situated at Moh. Saraiyagani, Muzaffarpur (and more futry escribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at of 1908) in the office of the Registering officer at Muzassarpur on 13-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-agid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabhas of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Bujhawan Das alias Shri Gyan Mohan Das S/o Late Shri Chama Das of Saraiyaganj, Múzaffarpur.

(Transferor)

(2) Shri Chabil Kumar Mashakhara alias Shri Rajesh Kumar Mashakhara, S o Sri Matadin Mashakhara of Purani Bazar, Gudari Road, Muzaffarpur,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazatia

EXPLANATION: -- The terms and expressions used persin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land with building measuring 222 sq. ft. situated at Moh. Saraiyagani, P.S. & Dist. Muzaffarpur and morefully described in deed No. 11256 dated 13-6-85 registered with D.S.R., Muzaffarpur.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Whar, Patna

Date: 13-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANCE OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

#### ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD **PATNA**

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1213/Acq/85-86.—Whereas, I, DURCA PRASAD,

being he Competent Authority under Section 269B of the Incom-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herelnafter referred w as he 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.0,000 - and bearing

Thata No. 406, ward No. 17, holding No. 287, Khata No. 83, kh sra No. 290 streated at Moh. Kalyani, Brahas stoli, P. S. & Dist, Muzaffarpur (and more fully described in the schedule sanexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1903) in the office of the Registering officer at Muraf urpur on 15-6-1985

for at apparent consideration which is less than the fair marke, value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid e ceeds the apparent consideration therefor by more tian it ten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the prities has not been truly stated in the said instrument of tru efer with the object of :--

- (\*) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followno ne one namely ;--78-516GI/85

(1) Smt. Kushum Agarwal Wi o Late Ramesh Prasad Agarwal of Moh. Kalyani, Brahmtoli, Mazaffarpur.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Saroswati Devi W/o late Ram Kumar Jalan, 2. Smt. Kiran Devi W/o Shri Arjun Kumar Jalan of Gajadhar Choudhary Lane, Saraiyaganj, Mazaifarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons
- (b) by any other person interested in the said immosable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land with building measuring 0.13.12 decimal situated at Kalyani, Brahmtoli, P.S. & Dist. Muza Tarpur and morefully described in deed No. 11445 dated 15-6-85 registered with D.S.R. Muzaffarpur.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bibar, Patna

Date: 13-2-1986

Scal.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BOTTAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1214/Acq/85-86.-Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Arsistent Commissioner of Income-tax, Augustical Range, Bihar Patna,

being the Component Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (here-nafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have remon to believe that the immovable property, having a fair market value excreding Rs. 1,00,000-1 min become P.S. No. 406, Block No. 2, Ward No. 9, H. No. 89 (new), 286 (old), Krabe the 11% Kheera No. 389 (new) 803 (old) situated at Mola Euclyago P.S. de Nist. Muzaffarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Population Act. 1908 (16 of 1908) in the Chie of the Ecgistering Officer at Mataffarpur on 12 6-1985.

don abote a less than the fair must a value of the ato reald property and I have reason to that the loir market value of the property as afore-teria oxece is the apparent consideration therefor by more than titleen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Bujhawan Das alias Gyan Mohan Das, S/o shri Chatha Das, of Saraiyaganj, Muzaitarpur.

(Transferor)

(2) Shri Kaushal Kuptar Mashalhara S/o Sri Matadin Mashachara of Purani Bazar, Gudari Road, Muzeffarpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understanted :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said interovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Land with building measuring 222 aq. ft. situated at Moh. Saraiyaganj, P.S. & Dist Muraffataru and norefully described in dead No. 11251 dated 13-6-1934 tegi area with D.S.R. Muzaffarour.

> DURCA PRASAD Compet nt Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisites Pro-Bihar, Patna

Date: 13-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1 AX

ACQUISITION RANGE BIHAR
BORING CAMAL ROAD
PATNA-800 001

Pataxa-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1215/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Incorrectax, Acquisito, Range, Bihar Patna, being the Competen Ambority under Section 2698 of the Income-track, Act, 1961 (43 of 1961) (betcharter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market where

property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Portions of her 9% of 22 (P) situated at Mouza Bhuda Sub Registry and the District of Dhanbad (and more 1991y described in the schedule annexed hereto), has been transferred till roff independent Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registeria Chiler at Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ladion Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

<u>allocations of the second of </u> (1) M/s. Schajanand Engg. Works Fvt. Ltd., Kind Edward Read, Scwree, Bombay-400015.

(Transferor)

(2) Shastri Nagar Co-operative Housing Society 1.td. Shastri Nagar Dhanbad (Bihar).

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 257.5 kathas with structure situated at Mouzas Bhuda Sub-Registry and discret Elicultural and more-fully described in deed No. P-547 dated \$-6-85 registered with the Joint Sub-Registrar IV, Bembay (Bardin).

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar, Patna

Date: 13-2-1986

-----

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1216/Acq/83-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Composent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
Plot No. 445 Khata No. 216 (Sub-Plot No. 4/B) situated at
Village Hinos P.S. Doverda, Diet Banchi

Village Hinoo, P.S. Doranda, Dist. Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 25-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the which of the said instrument of transfer with the which of the said instrument of transfer with the which of the said instrument of transfer with the which of the said instrument of transfer with the which of the said instrument of transfer with the which of the said instrument of transfer with the which of the said instrument of transfer with the which of the said instrument of transfer with the which of the said instrument of transfer with the said instrument of transfer with the which of the said instrument of transfer with the said instrument.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforewal property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Rattan Singh Channa S/o Late Harbans Singh Channa 2. Shri Balbir Singh Channa of Shukla Colony, Hinco

of Shukla Colony, Hinoo, P.S. Doranda, Ranchi.

(Transferor)

(2) Shri Pramod Paswan S/o Shri Dip Narain Ram of Village & P.O. Digha P.S. Digha, Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a per od of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said is movnile property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 500 sq.ft. with building situated at village Hinoo, P.S. Doranda Dist. Ranchi and morefully described in deed No. 6826 dated 25-6-85 registered with the D.S.R., Ranchi.

DURGA PR SAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Pange Bihar, Patna

Date: 13-2-1986

#### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR BCRING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1217/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the haid Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 754 & 755 H. No. (New) 833 Ward No. 1 situated at Ashok Path Radiam Road, Ranchi

situated at Ashok Path Radiam Road, Radian (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 11-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbflity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arisin, from the transferiand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money; or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initial proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Şamundri Devi W/o Shri Ram Sakal Singh alias Ram Sakal Ram of Dhurwa, P.S. Hatia, Dist. Ranchi.

(Transferot)

(2) 1. Smt. Sarla Jain alias Sarla Devi Jain W/o Dr. Punam Chand Jain

Smt. Shanti Devi Jain
 W/o Shri Manik Chand Jain
 both of Ashok Path Radiam Road,
 P.S. Lalpur, Dist. Ranchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons where n period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2 katha 5 dhur with building situated at Ashok Path Radiam Road, Ranchi, and morefully described in deed No. 6333 dated 11-6-1985 registered with the D.S.R., Ranchi.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bihar, Patna

Date: 13-2-1986

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. 111-1218/Acq/85-86.-Whereas, J, DURGA PRASAD,

being the Comperent Authority under Section 269B of the incomes 2 AA, 264 (443 t 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bracing No. Survey Plot No. 455, Khata No. 77, Word No. 1, Plot No.

3084 situated at Mauza Sonari Town Jamshed; ut,

Dist. Sing., blom.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating traffer to Jamshedpur en 6-6-1985

for an apparent consideration which is liss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the far market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Smt. Alomoni Devi W/o Late Bechu Lohar, of Sonari P.S. Sonari Town Jamshedpur, Dist. Singhbhum. (Transferor)
- (2) Shri Braj Kishore Singh S/o Late Dhanpat Singh of Regd. No. 5, H. No. 172, New Layout, Sonari, Town Jamshedpur, Dist. Singhbhum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPIANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2261 sq.ft. with building situated at Muuza Sonary, Town Jamshedpur, Dist, Singhbhum and morefull! described in deed No. 4168 dated 6-6-1985 registered with the Sub-Registrar at Jamshedpur.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar, Patna

Date: 13-2-1986

#### FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1219/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Thana No. 204, Khata No. 69, Plot No. 308, Plot 309 situated at village Madhukam P.S. Ranchi Dist. Ranchi

Thana No. 204, Khata No. 69, Plot No. 308, Plot 309 situated at village Madhukam P.S., Ranchi Dist. Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 14-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough! to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Morna Horo, S/o Shri Gunga Munda R/o Siram Toli, Ranchi P.S. & Dist. Ranchi.

(Transferor)

(2) Shri Bishwanath Agarwal alias Bishwanath Kedia S/o Late Mohan Lal Agarwal R/o Upper Bazar, Town Ranchi, P.S. Kotwali Dist. Ranchi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a petiod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice of the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gizzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Confer Nich of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 0.71 acres situated at village M: flukam P.S. Ranchi, Dist Ranchi and morefully described in deed No. 6519 dated 14-6-1985 registered with the DSR, Ranchi.

DURGA PRASAD
Commetent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax,
Acquisition Range
Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 13-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Sri Devesh Srivastava, Hazrat Ganj Lucknow at present P.S. Sukhdeo Nagar HEHAL Dist. Ranchi,

(Transferor)

(2) Miss Seewa Danwara D/o Shri Ramlal Danwara, Kadru Road, P.S. Argora, Dist. Punchi.

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th February 1986

Rcf. No. III-1220/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 2699/B situated at Village Baragain No. 184 Dist. Ranchi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 18-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Partier bas not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

transfer with the Object of:-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 75½ decimals situated at village Baragain No. 184 Dist. Ranchi and more fully described in deed No. 6702 dated 18-6-1985 registered with the OSR, Ranchi.

OURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 13-2-1986

#### FORM I.T.N.S.-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1221/Acq. 85-86.—Whereas, I.

DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bihar Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the imunder Section 269B of novable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Khewal No. 4 24 R S. Plot No. 234/886, H. No. 2154A,
Ward No. VIIIC. situated at 60 Booty Road,
Bariatu, P.S. Bariatu, Ranchi-9

(and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 8-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market valle of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such treasfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I, brehv initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

67-516GT/85

- (1) Mrs. Quamrunessa Murshed W/o Mr. M. G. Murshed of 26 Aga Mohdi Street, P.S. Park Street, Calcutta-16 and Mis. Sabia Noor

  W/o Mr. S. M. Noor

  of 7 Tanti Bagan Road

  P.O. Baniapukar Cal. 14 at present
  at 60 Booty Road, Bariatu Ranchi-9
  through their Attorney Syed Ali Zafar. (Transferor)
- (2) M/s, H1 Grade Trading Co. (P) Ltd., at 1A, Paaditia Road, Cal. 29 through its A/c & Adm Officer Sri Prasant Kr. Srivastava of 60 Booty Road, Ranchi-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 22 katha 11 chhataks with building situated at 60 Booty Road, Bariatu P.S. Bariatu Ranchi and more fully described in deed No. 6261 dated 8-6-1985 registered with the BSR, Ranchi.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bibar. Patna

Date: 13-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1222/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar Patna,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Khewat No. 4/31. R.S. Plot No. 234 '887, Helding No. 2154-A, Ward No. VII situate dat 60, Bootu Road, P.S. Bariatu, Dist, Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office for the Registering Officer at Ranchi on 8-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasten of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1947 (27 of 1957);

riow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Syed Ali Mazhar
 Shri Syed Ali Azhar
 Shri Syed Ali Zafar
 Shri Syed Ali Zafar
 All Ss/o Late Abdul Hakim
 60 Bootu Road, Bariatu,
 P.S. Bariatu Dt. Ranchi
 at present @A Ostager Lane Calcutta
 through their attorney Syed Ali Zafar
 Vendor No. 3.

(Transferor)

(2) M/s. Hitek Industries (Bihar) Ltd. at 60, Booty Road, Ranchi, through its Accounts Officer, Prasant Kumar Sinha of 60 Booty Road, Ranchi-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land measuring 27 katha 6 chhatak with building situated at 60, Booty Road, P.S. Bariatu, Dist. Ranchi and more fully described in deed No. 6260 dated 8-6-1985 registered with the DSR, Ranchi.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Bihar. Patna

Date: 13-2-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1223/ $\Lambda$ cq/85-86.—Whereas, I, DURG  $\Lambda$  PRASAD,

being the Competent Authority under Section 26918 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey Plot No. 455 Khata No. 77, Ward No. 1

Plot No. 3085 situated at Mouza Sonary,

Town Jamshedpur, Dist. Singhbhum

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamshedpur on 10-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / Or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Smt. Alomoni Devi Wd/o Late Bachu Lohar, of Sonary, P.S. Sonary, Town Jamshedpur, Dist. Singhbhum.

(Transferor)

(2) Shri Bijay Kumar Singh of Road No. 5 H. No. 172, New West Layout, Sonary, P.S. Sonary, Town Jamshedpur Dist. Singhbhum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in (see Official Gamette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land measuring 3267 sq.ft. with building situated at Mauza Sonary, Town Jamshedpur Dist. Singhbhum and morefully described in deed No. 4235 dated 10-6-85 registered with the Sub-Registrar Jamshedpur.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rann Bihar, Patna

Date: 13-2-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Patna Ucha Nayayalaya Yuva Adhibakta Grih Nirman Sahyog Samati Ltd., Patna through Pashupati Nath Jha, Secretary

(Transferor)

(2) Smt. Lata Agarwal W/o Shri N. K. Agrawal, Nageshwar Colony, Patna.

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BIHAR BORING CANAL ROAD PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref No. III-1224/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S.P. No. 1646 Khata No. 439 Plot No. 22 situated at Mauza Shahzadpur P.S. Danapur Dist. Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutte on 28 6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair mark t value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 4735.5 sft. situated at Mauza Shahzadpur P.S. Danapur Dist, Patna and morefully described in deed No. 1 9385 dt. 28th June, 1985 registered with the Registrar of Assurances at Calcutta.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bihar, Patna

Date: 13-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
BIHAR
BORING CANAL ROAD
PATNA-800 001

Patna-800 001, the 13th February 1986

Ref. No. III-1225/Acq/85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Survey Plot No. 455, New Plot No. 3085, Khata No. 77 Ward No. I situated at Bouza Sonari, Town Jamshedpur,

Dist. Singhbhum

(and more fully described in the eschedule annexed breeto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamshedpur on 10-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely in-

Smt. Alomoni Devi
 W/o Late Bachu Lohar
 of Sonary, P.S. Sonary,
 Town Jamshedpur, Dist. Singhbhum.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar Singh S/o Shri B. K. Singh, Rd. No. 5, H. No. 172 New Westlayout, P.S. Sonary, Town Jamshedpur, Dist. Singhbhum.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expures later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land with building measuring 3085 sqft, situated at Mauza Sonary, Town Jamshedpur Dist, Singhbhum and morefully described in deed No. 4234 dated 10-6-85 registered with the Sub-Registrar Jamshedpur.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Bihar, Patna

Date: 13-2-1986

Seal

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

Ref. No. III-1226/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 445 Khata No. 216 (Sub Plot No. 4/B) situated at Village Hinoo, P.S. Doranda Distt. Ranchi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the o.fice of the Registering Officer at 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 26-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said neutropent of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act 1957 (27 of 1957); (1) 1. Shri Rattan Singh Channa S/o Late Harbans Singh Channa 2. Shri Balbar Singh Channa S/o Shri Rattan Singh Channa ci Main Road, Hinoo P.S. Doranda, Dist. Ranchi,

(Transferor)

(2) Smt. Usha Kumari, D/o Shti Parsuram Pashwan, of Qr. No. B/735/II, Jaggannath Nagar, P.S. Jagannathpur, Distt. Ranchi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 day from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable\_ property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 500 sq. ft. with building situated at Vill. Hinoo, P.S. Doranda Distt. Ranchi and morefully described in Deed No. 6876 dated 26-6-85 registered with the D.S.R. Ranchi.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 13-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMULAX.

> ACQUISITION RANGE BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

Ref. No. 111-1227/Acq /85-86. -Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 445 & 446 of Khata No. 216 & 217 respectively

(Sub Plot No. 4/B-1) situated at Village Hinoo, P.S. Doranda, Dist. Ranchi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranchi on 24-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by nore than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of naster with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, 

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. .55" (27 of 1957);

(1) Shri Rattan Singh Channa S o Late Horbans Singh Channa 2. Sai Balbic Singh Channa, S/o Shri Rattan Singh Channa if Shiikla Colony, Hinoo P.S. Doranda. Dist. Ranchi,

(Transferor)

(2) Smt. Usha Kumari D/o Shii Parsuram Paswan of Qr. No. B. 735/II Jagannath Nagar P.S. Jagannathpur Distt. Ranchi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property was be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as gaven in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land measuring 500 sq ft with building situated at Vill. Hinoo, P.S Doranda Distt. Ranchi and morefully described in Deed No. 6796 dated 24-6-85 registered with the D.S.R., Ranchi.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 13-2-1986

#### FORM ITNS---

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD. PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

Ref. No. 111-1228/Acq./85-86.--Whereas, 1, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Survey Plot No. 455 Khata No. 77, Ward No. 1, Plot No.
3085 situated at Mauza Sonary Town Jamshedpur, Distt.

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

familied/air on 6-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the soid A t. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the toresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, remely :---

(1) Smt. Alomoni Debi, Widow of Late Bachu Lohar, of Sonary P.S. Sonary, Town Jamshedpur, Disa. Singhbhum,

(Transferor)

(2) Shri Ajay Kumar Singh S o Shri B. K. Singh, of Road No. 5, Holding No. 172. New Layout, Sonari, Town Jamshedpur, Dist Singhbhum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 3049 sq. ft. with building situated at Mauza Sonari, Town Jamshedpur, Dist. Singhbhum and more-fully deschibed in Deed No. 4/69 dated 6-6-85 registered with the Sub-Registrar at Jamshedpur.

> DURGA PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 13-2-1986

#### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

HAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna, the 13th February 1986

Ref. No. II-1229/Acq./85-86.—Whereas, I, DURGA PF ASAD,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'sa I Act') have reason to believe that the immovable 1 operty, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000 - and bearing No. Circle o Ho' ing No. 293 (Old 230) Ward No. 2, M.S. Plot No. 651 situ ted at Mobille Jamal Road. P.S. Kotwali Dist Patna

Dist. Patna (and more filly described in the schedule armexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 0-6-85

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that he fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration. Therefore, by more than fifteen ther cent of such apparent consideration and that the considers ion for such transfer as agreed to between the parties h s not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating to reduction or evasion of the liability of t e transferor to pay tax under the said Act, is respect of any uncome unsing from the transfer. and 'or
- (b) facilitating the concealment of any income or any nach lating the concealment of any income or any mon vs or other asses which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957. (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--86 -516GT/84

(1) Smt. Bibi Shamsia W/o Shri Sayed Nasrul Huda R/o Jamal Read, P.S. Kotwali Dist. Patna-800012, Smt. Bibi Kanitunisha W/o Sayad Kamrujama Rizwi (S. Q. Rizwi), Patliputra Colony, P.S. Patliputra,

(Transferor)

(2) Shri Shyam Narain Singh S/o Shri Prah'ad Narayan 2. Shri Mithitesh Kumar Singh S/o Shyam Narain Singh 3. Smt. Tara Singh W/o Mithilesh Kumar Singh All R/o Kadana Kuer. Dist. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein w are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land with building measuring 5 katha situated at Kadam Kuan, Jamal Road, P.S. Kotwali Dist. Patna and morefully described in Deed No. 1 8415 dated 10-6-1985 registered with the Registrar of Assurance at Calcutta

> DURGA PFASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 13-2-1986

#### PURM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 10th February 1986

C.R. No. 62/47734/85-86/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 12 New 12/16 directed at Edward Road, Civil Station, Bangatore

(and more fully described in the Schedule annexed here'o). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shavilingar vide Document No. 696/85-86 dated 1st June. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appropriation therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as nered to between the parties has not been firstly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfers andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other issens which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (\*) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. B. A. Hamced, The City Civil Judge, Bangalore for and on behalf of Mr. B. A. Hameed 16, Edward Road, Civil Station, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mr. R. A. Jalcel, 12B/16 First Floor 16, Edward Road, Civil Station, Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the late of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 696/85-86

Dated 1-6-1985)

Property No. 12, New No. 12/16 Edward Road, Civil Station, Bangalore.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-2-1986

Seai :

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ΛCQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 10th February 1986

C.R. No. 62/47647/85-86/ACQ/B.—Whereas, L.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Municipal No. 12 (O.I.) New No. 15 situated at Someswara Koil Street, Ulsoor, Bangalore-560008 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), ha been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar under Document No. 1010/85-86 dated 12-6-85 for an apparent consideration which is less than the last market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mr. C.R. Lakshminarayana Setty. No. 30, Narayanapillai Street, Civil Street, Bangalore.

(Transferor)

(2) Mrs. B. S. Sunanda No. 14-84/A Temple Street, Sandur, Bellary District.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1010/85-86 Dated 12-6-1985)

Property bearing Municipal No. 12 (old) New No. 15 at Someswara Koil Street, Ulsoor, Bangalore-560008.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 10th February 1986

C.R. No. 62/48092/85-86/ACQ/B.—Whereas, 1, R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing No. 1923/1961 and No. 93 situated at Bannur T. Narasipur Taluk, Mysoro Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Bannur under Document No. 749/85-86 dated 29-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the R. BHARDWAJ, fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income crising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, named :— (1) M/s. Indira Theatre, Bannur T. Narasipur Taluk, Mysore Dist.

(Transferor)

(2) M/s. Raghavendra & Co., Excise Contrator. Namballi, Yerandur Tq., Mysore Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 10 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- ('... b any other person interested in the aid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 749/85-86 dated 19-6-1985).

Property bearing No. 1923/1961 and No. 92 measuring 184+205 84+94

Bannur, T. Narasigur Taluk, Mysore District.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner ci Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-2-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THB INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

en annual des la matematica de la companya de la co

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

BANGALORE-560 001

Bangalore, the 10th February 1986

47735/85-86/ACQ/B.-Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said A:t), have reason to believe that the immoveable Rs. 1,00,000/- and bearing No.

11:44 situated at IIAL-II Stage, Bangalore and more itelly described in the schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shividingar under Document No. 710/85-86 dated 3-6-1985 for all anoth of consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that he fair market value of the property as aforeand exceeds an appropriat consideration the riby more than diteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of quasier with the object of :-

- (a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facritating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, the tors, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri T. D. Srinivas, 1144, Elock. HAL II Stage, Bangalore-560038.

(Transferor)

(2) Dr. B. Viquar Azeem Abudabi (ÛAS) By his father & General Power of Attorney Holder Mr. M. A. Basheer, 11/1, Lakshmi Road, Shanthinagar, Bangalore-560027.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions de-d hereis in are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 710/85-86

Dated 3-6-1985)

Property bearing No. 1144 Block No. H. HAL-II Stage, Bangalore

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 10-2-1986

\_\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shivlok Properties. Addinathshree House, Opp. Super Bazar, Con. Circus. New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. JAC/Acq.III/37EE/6-85/958.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. D1, D2, Flat No. 311, Najafgarh Road,

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at IAC ACQLII, New Delhi on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as af mesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(2) Mr. Sunil Kumar Nanda, 173, Raja Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecive persons, whichever period expires latery
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) Isomating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer: andior

Plot No. D1, D2, Flat No. 311, Shivlok House-II, Najafgarh Road, Comm. Complex, New Delhi.

Area—354 sq. ft. approx.

(b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax AR. 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Delhi/New Delhi

Now, tacrefore, it pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-2-1986

#### FORM I.T.N.S.-

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Ashoka Builders, E-2/6, Jhandewalan Extension, New Delhi-55.

(Transferor)

(2) Mr. R. L. Malik, R/o B-1/16, Janakpuri, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/6-85/956.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

E-4/15, Jhandewalan Extension situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfer ed under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the IAC ACQ.III, at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offic al Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. M2 on Mezzanine floor, at E-4/15, Jhandewalan Extension, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-III. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-2-1986

FORM TING

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF, 1961)

(1) Shri Jagmohan Manelani, 70, Daya Nand Nagar, Lawrence Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Urmila Jain, R/o 3379, Tri Nagar, New Delhi-35.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq. III/37EE/6-85/E-85/963.— Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) nereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 36, out of Khasra No. 81 & 89, Village Bindapur, situated at New Delhi

fand more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the IAC ACQJII, at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 portion of Plot No. 36, out of Khasra No. 81 and 89, Village Bindapur, Abadi known as Uttam Nagar, New Delhi-59—Land measuring 100 sq. yards.

> SUNJL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following personi pamely ter

Date: 7-2-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI** 

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/6-85/7-85-962.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,060/- and bearing No.

36, out of Khasra No. 81 & 89, Village Bindapur.

36, out of Khasra No. 81 & 89, Village Bindapur, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed herto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the IAC ACQ.III, at New Delhi in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property. as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tran and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--69-516 GI/85

(1) Shri Jagmohan Manelani, 70, Daya Nand Nagar, Lawrence Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kapoor, RZ. B-29, Siaram Park, Uttam Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

1/2 portion of Plot No. 36, out of Khasra No. 81 and 89, Village Bindapur, Delhi State, Abadi known as Uttam Nagar, Block R Extension on Najafgarh Road, New Delhi-59, Land measuring 100 sq. yards.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Aggarwal House 4/14-A. Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi

Date: 7-2-1986

Sh. Sunder Lal Khurana,
 Malka Ganj, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahinder Krishna Gupta, 1095, Uggar Sain Street, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III NEW DELHI

New Delhi, the 13th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/6-85/951.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and baring No. C-33, Preet Vihar, situated at Delhi

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C./Acq.-III,

New Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferment of

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be dislosed by the transferee futhe purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-33, Preet Vihar, Delhi.

SUNII. CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 13-2-86

 Mrs. Krishna Tiwari w/o Sh. G. D. Tiwari, F-58, Green Park, New Delhi-16.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 GF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-111/37EE/6-85/953.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 100 000 /- and hereing No.

1,00,000/- and bering No.
39-B, on U. G. 5, Ehikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C./Acq.-III, New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by market than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Mr. Surender Arora, Chaman Lal Sharma, HUF & Mrs. Rani Arora, M-15, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Campter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 39-B, on Upper Ground 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi. Under Construction.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 7-2-86

(1) Shri Manohar Lal Duggal, F-1407,Laxmi Bai Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ram Niwas Aggarwal (HUF), 207-A, Patpargani, Delhi. Sita Ram Aggarwal (HUF), 197-A, Patpar-ganj, Delhi. Gopal Krishan Aggarwal (HUF), 212-A, Patpargani, Delhi.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI** 

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/6-85/947.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing A-22, Nirman Vibar, Delhi-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C./Acq.-III, New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the Bability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-22, Nirman Vihar, Delhi-92, 360 sq. yds.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-2-86

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/6-85/950.—Whereas, I,

SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-204 & A-205, 5, Bhikai Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C./Acq.-III, New Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incomo-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Bhai Swinder Singh, 4/23, B, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Anil Dutt & Sunil Dutt, s/o Shri R. B. Dutt, B/L-93, Anand Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A-204 & A-205, 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi measuring 800 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 7-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. 1AC/Acq.-1II/37EE/6-85/948.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

766,  $\Lambda/3$ , New Rohtak Rd., Karol Bagh, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C./Acq.-III,

New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such traumfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsold property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Rishi Pooja Builders (P) Ltd., 6/4792, Chandni Chowk, Delhi-6.

(Transferor)

 Dr. Pratibha Handa w/o Dr. Vijay Handa C/o Dr. Shanti Devi, 1061, Bazar Chitli Qabar, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Odistal Garotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 766 A/3, New Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi. Area 1099 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range III
Aggarwal House.
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 7-2-86

#### FORM I.T.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Smt. Gancshi Devi, r/o 32-A, 'N' Block, Vishau Garden, New Delhi.

(Transferor)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Ramesh Lal, D-17, Model Basti, New Colony, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAI. HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.- $1\Pi/37EE/6-85/953$ -A.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

RS. 1,00,000/- and hearing No. 32-A, 'N' Block Vishnu Garden, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C./Acq.-III, New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the enid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned >--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

100 yds. plot 32-A 'N' Block, Vishnu Garden, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 7-2-86

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI** 

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/37EE/6-85/946,--Whereas, I. SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
1-9, D102, Milan Complex, Najafgarh Rd., situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C./Acq.-III, New Delhi in June 1985

New Deim in June 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betallicate the post here. ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /ex
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

(1) Shivlok Properties, Addinathshree House, Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Meen Raja & Master Abhis Bali Raja, w/o & s/o Sh. Ashok Raja respectively, r/o Road No. 10, Plot No. 13, East Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

I-9, Shivlok House-II, D1, D2, Milan Complex, Najafgarh Road, New Delhi. Area 361, sq. ft.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 7-2-86 Şeal ;

NO ICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 1 COME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-!II AGG/\_RWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/6-85[957.—Whereas, 1, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ta Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sr d Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 (1900/- and bearing No.

112-A, P! t No. D-2, Najafgarh Rd., situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act. 1961 (43 of 1961) in he Office of the I.A.C. Acq.III at New Delhi in June 198

for an apparent consideration which is less than the fair native value of the aforesaid property and I have trason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any reconcys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (if of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I he eby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

70 -516GJ/85

(1) Shivlok Properties, Addinathshree House, Opp. Super Buzar, Connaght Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Trend Setters (India) through Mrs. Neelam Malhotra, 26/1506, H.S. Nalwa St., Karot Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the told is good :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

112-A, at plot D1-D2, Najafgarh Rd., Comm. Complex, New Delhi, Area 250 : q. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Agaarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Date: 7-2-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL LIOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE|6-85|959.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-to. Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the hald Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

and morelully described in the Schedule emessed hereto), has been transferred under the I. T. Act. 1961 (43 of 1961) in the Orlice of the J.A.C. Acq.III at New Pelhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-taid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and core
- (b) facilitation the concealment of any income or any more to a criter as t which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Shanti Saxena, A-6, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. R. S. Nagpul & Mr. Virender Thopea 18/8-A, Double Storeyed Flats, Prem Nagar, P.O. Janak Puri, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the rold property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 115-A, 1st floor, Measuring 11 sq. ft, 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Computent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax.
Acquisition Range-III.
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the oresaid property by the issue of this notice under subton (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 7-2-1986

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/6-85|945.--Whereas, i, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable purperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

111, D1, D2, Najafganh Road, Comm. Complex situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the l. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III at New Dethi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shilok Properties (P) Ltd.
Addinathshice House, Opp. Super Bazar,
Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Neelam Sapra, W/o Mr. V. K. Sapra r/o N-24, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Flat No. 111, plot No. D1, D2 Najafgarh Road Comm. Complex, New Delhi, Arca 354 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax
Acquisition Rence-III
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/6-85/944.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinatter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 211, plot No. D1, D2 Najafgaxh Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III at New Delhi in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shilok Properties
 Addinathshree House, Opp. Super Bazar, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Neelam Sapra, r/o N-24, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the accressible persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the days of the publication of this notice in the Official assetted

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

211, plot No. D1, D2 Najafgarh Road, Commercial Complex, New Delhi, Area 354 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/6-85/954.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 109B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedings Rs. 1,00,000/- and bearing No. 171, Bldg. No. 9, Bhikaji Cama Palace sitated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Othice of the I.A.C. Acq.III at New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value A the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per sent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

ca) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby imitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269° f he said Act to the following nersons, namely:—

(1) N. L. Khanna & Sons (H.U.F.), Katra N. L. Khanna, 363/D-II Vinay Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Urvashi Masson W/o Mr. Viuod Masson, 505, Daffodila, Pali Hill Road, Bombay. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned  $\sim$ 

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 0'
  45 days from the date of publication of this arcter
  in the Official Gazette or a period of 30 days fronthe service of notice on the respective persons
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter CXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 171 (On first floor), Building No. 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi, 30% of this shop now stands treasferred from fLU.F. to Mrs. Or ashi Masson. Area 160 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Date: 7-2-1986

(1) M/s. Premier Mills Ltd. Premir House, A.T.D. Street, Race Course, Coimbatore-641018.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THIN INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Vaidialingam & Co.,8, Nizamuddin East,New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL I10USE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Celhi, the 7th February 1986

Rcf. No. 1AC/Acy.III/37EE, 6-85/955.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a the said Act), have leason to believe that the immovable property, having a lair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 217, at No. 9, Bhisaji Cama Palace situated at New Delhi

217, at No. 9, Bhitaji Cama Palace situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) ... 11. Office of the I.A.C. Aeguli at New Leihi in June 1985

for an appropriet consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ten

(a) facilitating the reduction of evanton of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in

tayped of any income arising from the transferi

and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Commercial Flat No. 217, at No. 9, Bhikaji Cama Place. New Delhi. Area approx 494 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf All Road,
New Delhi.

Date: 7-2-1986

with the case one companies for increase with

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/6-85/943.—Whereas, 1, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 212-A, D1D2, Najafgarh Road Comm. Complex situated at New Delbi

New Delhi.

'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. III at New Dolhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration, therefor, by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferund/or
- (b) facilitating the concentment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shivlok Properties Audmathsmee House, Opp. Super Bazar, Connaugnt Circus, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mrs. Dulari Batra, r/o 702-8, Peonam Apartments Shiv Sagar Estate A. O. Road, Worli, Bombay-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persone whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BEFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

212-A, Shivlok House-II, at D1, D2 Najafgarh Rd. Comm. Complex, New Delhi. Area 250 sq. ft.

> SUNIL CHOIT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of I come-tax Acquisition Range-III Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-2-1986

FORM I.T.N.S.-

Shri Harbans Lall
 Alaknanda 'B' Kalkaji,
 New Dolhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Deepak Rai 19, Alakhnanda 'B', Kalkaji. New Delhi-19,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/6-85/949.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 626, at 9, Bhikaji Cama Place situated at New Delhi.

626, at 9, Brikaji Cama Place situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq.III at New Delhi in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to be following persons, namely 1—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 626, at 9, Bhikaji Cama Place, New Delhi (under Construction). Sixth floor (335 sq. ft.).

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquirition Range-III
Aggarwal House, 4/14-A, Asaf All Icoad,
New Delhi.

Date: 7-2-1986

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2142/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000- and bearing
No. 25, situated at
Rollygunga Circular Page 4, Calmus 12

Ballygunge Circular Road, Calcutta-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of Registering Officer at

I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 12-6-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-saide exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---71—516GI/85

(1) Kalna Investors Pvt, Ltd.

(Transferor)

(2) 1. Sri Gopal Das Tandon. 2. Smt. Prem Kumari Tandon.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

2591 sq. ft. at 25, Ballygunge Circular Road, Calcutta-19, Registered before J.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/Cal/137/85-86 dated 12-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Rond. Calcutta-16

Date: 14-2-1986

(1) M/s. Kalna Investors Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sri Nirmal Kumar Agarwal. 2. Smt. Navin Kumar Agarwal.

(Transferee)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-HI CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2143/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas. I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoves. 1,00,000- and bearing No. 25 situated at

Ballygunge Circular Road, Calcutta-19

Ballygunge Circular Road, Calcutta-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 26-6-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the asid instrument of transfer with the object of ;---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove-full property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that char;

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth too Act, 1937 (27 of 1957). 1650 sq. mts. land at premises No. 25, Ballygungo Circular Road, Calcutta-19, Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/186/85-86 datde 26-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-16

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 14-2-1986 Seal :

. ನಿರ್ವಹಿಸಿ ಇರ<del>ು ಅರ್ವ ಜನ್ನು ಕ್ರಾಂ</del>ಕ್ ಗಳಿಸಿ ಇಲ್ಲಿ ಅತ್ಯಾಗಿ ಆರ್ಲಿಕ್ ಆರ್. ಆರ್. ಆರ್. ಆರ್. ಆಗ್ರಾಂಕ್ ಆಗ್ರಾಂಕ್ ಗಳು ನಡುವುದು ಇ

(1) M/s, A & A Developments Pvt. Ltd.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. Sri Ashok Kumar Sood,
 2. Sri Vijay Kumar Sood,
 3. Smt. Neera Sood.

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUITA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2144/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, 1, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

No. 38 situated at
Lake Gardens, Calcutta-45,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16) of 1908) in the office of Registering Officer at

I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 24-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. EAPLANATION shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 8 on the Ground floor at premises No. 38, Lake Gardens, Calcutta-45 Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/160/85-86 dated 24-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16

Date: 14-2-1986

(1) M/s. A & A Developments Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pushpavati Sood.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2145/Acq.R-III/Cal/85-86.-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
Rs. 1,00,000- and bearing
No. 38, Lake Gardens, 32
Dr. Daudar Rahaman Road, Calcutta-45,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 5-6-1985,

calculation 3-0-1903, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chief of the said instrument of transfer with the chief of the said instrument of transfer with the chief of the said instrument of the said transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

1123 sq. ft. Flat No. 23 on the 2nd floor at premises No. 32, Dr. Daudar Rahaman Road, Calcutta-45. Registered before 1.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EE/110/85-86, dated 5-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-2-1986

(1) 1. Sri Ashok Kumar Sood, 2. Sri Vijay Kumar Sood,

(2) Sri Kailash Chand Modani.

3. Smt. Shanno Devi Sood,

(Transferor)

#### NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Rcf. No. 2146/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as The 'said Act'), have reason to believe that the immoas The said Act'), have reason to believe that the immo-able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. 38, Lake Gardens, 32 Dr. Dauder Rahaman Road, Calcutta-45, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at LAC. Aca. R-III Calcutta, on 5-6-1985 I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, on 5-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) sacilitating the reduction or evacion of the link of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferee; and/a
- (b) facilitating the concoalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tan Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that proportionate undivided share of the land at Premises No. 38, Lake Gardens and 32, Dr. Daudar Rahaman Road. Calcutta-45, measuring approx. 1200 sq. ft. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/AcqR-III/Cal/109/85-96 dated 5-6-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-2-1986

(1) M/s. A & A Developments Pvt. Ltd.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Kumari Meghna Sood (Minor) Represented by: Her father Sri Mukesh Sood. (Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2147/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I,

SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 38, Lake Gardens and 32, Dr. D. Rahaman Road, Calcutta-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range-III, Calcutta on 24-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor ha more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly exated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meome arising from the and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1122 sft. Flat No. 20 on the 1st floor at 38, Lake Gardens and 32, Dr. Daudar Rahaman Road, Calcutta-45. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/161 dated 24-6-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 14-2-86

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) 1. Sri Ashok Kumar Sood,

- 2. Sri Vijay Kumar Sood,
- 3. Smt. Shanno Devi Sood.

(Transferor)

(2) Kumari Meghna Sood (Minor), Represented by her father Sri Mukesh Sood, (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2148/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding

Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 38, Lake Gardens and 32, Dr. Rahaman Road, Calcutta-45 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. Range-III, Calcutta on 24-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is, respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the anid Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Carsette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that proportionate undivided share of the land at Premises No. 38, Lake Gardens & 32, Dr. Daudar Rahaman Road, Calcutta-45. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/Cal/162/85-86 dated 24-6-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
respecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-In,
54. Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 14-2-86

(1) 1. Smt. Vidyavati Gupta and

S. C. Agarwala (H.U.F.),
2. Satish Chandra Agarwala & Family (H.U.F.),

(Transferor)

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ganeshdas Ramgopal.

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

. ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2149/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.

4A situated at Lain Laipatrai Sarani, Cal.-20 (and more fully described in the Schedule appeared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Acq.R-III, Cal. on 5-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the nurcoses of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-sax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires huer;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. C having an area of 1141 sft. on 1st floor at premises No. 4A, Lala Lajpatrai Sarani, Cal.-20. Registered before I.A.C. Acq.R-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/115/Cal/ 85-86 dated 5-6-85,

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, 54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 14-2-86

(1) Myr. Musicoplas Conforminary Enterprises Fet. Ltd.

(2) 1. Smt. Savitri Devi Rungta, 2. Smt. Sneh Prabha

Nominated: M/s. Everest Commercial Corpora-

الرابان بالأراب بالمرافع في مناطبيه المدينة المدينة المرافع ال

Todi

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2158/Acq.R-III/Cal/85-86.-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 230A situated at Acharya Jagadish Ch. Bose Rd., Cal. (and more 'ully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer I.A.C., Acq. Range-III, Calcutta on 24-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresald property and I have reason to believe that the fair market varue of the property as aforcasid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefort, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

73-516G1/85

(Transferor)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a pariod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immosable property, within 45 days from the date of the mubilication of this notice in the official 222212

EXPLANATION: -- The terms and expressions used been are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office block No. 2 having an area of 500 sft, on the 10th floor at premises No. 230A, Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Cal. Registered before J.A.C., Acq.R-Ht. Cal., vide 37EF Acq R-Pt/165/85-86 data 1 24-6-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commission of Income-tax, Acquisition Punge II. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-16

Date: 14-2-86

(1) Sh. Ashok Kumar Sahai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) A.F. Ferguson & Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2159/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

5 situated at Lower Rawdon Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Regisering Officer at I.A.C., Acq.R-III, Cal. on 10-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One flat on the 9th floor measuring 2050 sft. at premises No. 5, Lower Rawdon Street, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/120/Cal/85-86 dated 10-6-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 14-2-86

- (1) Dilip Kumar Das & Ors.
- (2) Shiv Parvat Jan Kalyan Samity.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2160/Acq.R-III/Cal/85-86—Whereas, I, SHEIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 14 situated at Abhedananda Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer S.R.A., Calcutta on 28-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid preparity, and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned; ---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which her period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

2 storeyed building measuring 2 K-8 ch. 1 sft. at 32, Beadon Street, Colcutta. Regd. before S.R.A., Calcutta on 28-6-85 vide Deed No. 9401.

SHEIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-2-1986.

#### PORM ITAS ---

- (1) Sri Chiranjilal Poddar.
- (2) Miss Jasmit Kaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III **CALCUTTA**

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2161/Acq.R-III/Cal/85-86,-Whereas, I, SHE!KH MAIMUDDIN

being the competent Authority under Section 269B of the Income-rax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinalter referred to as the said Act j, have teason to believe that the inmovable

prop. 13. Laving a star market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing
No. 127-A. situated at Monial Nehru Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1968) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. R-II, Calcutta on 12-6-85

for an appearant consideration which is less than the fair not. The afteresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid formal allowing areast consideration therefor by more than allowing processing the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the conceolment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the struce of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

1st floor flat measuring 700 sft. at 127-A, Motilal Nehru Road, Cal-29, Regd. before IAC, Acq. R-III, on 12-6-85 vide 37EE/Acq. R-III/8/Cal/85-86 dated 12-6-1985.

SHEIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeka: 100 he the issue of this votice under sub-liftern per copt of such apparent consideration and that the persons, namely :-

Date: 14-2-1986.

(1) Mrs. Jay Srce Banerjec.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Mr. D. K. Basu. 2. Mrs. Sari Basu.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2162/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHEIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. 22 situated at Dover Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer I.A.C., Acq. Range-III, Calcutta on 5-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a reriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 105 on 1st floor measuring 1320 Sft. at 22, Dover Road, Calcutta, Registered before LAC., Acq.R-III/Cal/vide 37FE/Acq.R-III/119/Cal/85-86 dated 5-6-85.

> SHEIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-2-1986.

(1) Madgul Udyog.

(Transferor)

(2) Joint Plant Committee.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III

**CALCUITTA** 

Calcutta, the 14th Februa y 1986

Ref. No. 2163/Acq R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHEIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 2098 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter related to as the said Act) have reason to believe that the immevable property having a rair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
No. 20 situated at Ballyguage, Circular Road, Calcuta

No. 20 situated at Ballyguage, Circular Road, Calcuta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 10-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property on aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agree, to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenkin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANALON: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

2819 Sq. ft. flat No. 4C & 4D on 4th floor at 20, Ballyguage, Ciccular Road, Calcutta Regd. before SRA, Calcutta ca 10-6-1985 vide Deed No. 10012.

SHEIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Calcutta

Date: 14-2-1986.

(1) by con Lath Sarkar.

(2) Carledshank & Co. Ltd.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUITA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2164/Acq. R-III/Cal/85-86 ---Whereas, I, SHEIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 36/1 situated at Lala Lajpat Rui Surani, Calcuta (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 28-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any meonie or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the transfer to pay tox under the Said Act in (11 of 22) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be much in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the jublication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 6 on the 2nd floor at 36/1, Lala Lajpat Rai Sarani Calcutto measuring 2624 sq. ft. Regd, before S.R.A., Calcuta on 28 5-85 vide Deed No. 11187.

SHEIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Calcutta

Date: 14-2-1986.

(1) Smt. Lilavati Devi Ganeriwalla & Ors.

(Transferor)

(1) Preeti Commercial Co. P. Ltd.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 134 COME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

CALLED THE RESERVE OF THE PROPERTY OF THE PROP

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2165/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHEIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1964 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

no. 2, situated at Nacindra Chandra Dutta Sarani, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 19-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market rather acts.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the storesand property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) factilitating the cooncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ot 1922) or the said Act, or the Wealth-tax and 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULB

8973 sq. ft. area of Land at 2, Narendra Chandra Dutta Sarani, Calcutta, Regd, before S.R.A. Calcutta on 19-6-85 vide Deed No. 10616.

SHEIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Colonta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 14-2-1986.

(1) Mrs. Arpita Chatterice.

(Transferor)

#### NO ICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE II COME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Mr. Kallol Kumar Sarkar.

(Transferes)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUITA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No 2166/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHEIKH  $1 | \Lambda \text{IMUDDIN}$ 

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the aid Act') have reason to believe that the Immovable prope ty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00 /- and bearing
No. 69-S s nated at Prince Baktiar Shah Road, Cal-33

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been it insferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S.R.A., alcutta on 19-6-1985

at S.R.A., Falcutta on 19-6-1985 for an app rent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the the fair market value of the property as afore said excee: the apparent consideration there or by more than fifteer per cent of such apparent consideration and that the censideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ac shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) fac litating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in re pact of any income arising from the transfer; as t/or

### THE SCHEDULE

(b) fa illitating the concealment of any income or any m acys or other assets which have not been or with ought to be disclosed by the transferest for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1: of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 9 having a covered area about 867 sq. ft. on 1st floor at 69-S, Prince Baktiar Shah Road, Calcutta-33, Regd. before SRA, Alipore, vide Deed No. 5/87 dated 19-6-85.

> SHEIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Calcutta

Now, the efore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I here by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid p operty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, no nely:—-74—516GI/85

Date: 14-2-1986.

(1) Smt. Sephalika Dutta.

(Transferor)

(2) Sri Ashim Kumar Mıtra.

(Transferee)

# NOTICE INDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcuita, the 14th February 1986

Ref. No. 2167/Acq. R-III/Cal/85-86.--Whereas, I. SHEILH NAIMUDDIN

being the Complent Authority under Section 269B of the Incom-tax Act. 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. 19 situated at Justice Divarakanath Road, Calcutta-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Residual transferred under the Residual transferred under the Residual transferred under the communication and the communication and

Registration Act, 1608 (16 of 1908) in the office of the

Regist ring Officer of S.R. A pure unit received on No. 5436 dated 27-6-85 for an appear at consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to bolieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

2 Cottahs 10 chittuks land at 19 Justice, Dwardka Nath Road, Calcutta-20. Regd. before S.R. Alipore, vide deed No. 5436 dated 27-6-85.

> SHEIKH NAIMUDDIN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Calculta

Date: 14-2-1986. Soul :

(1) Sri Sudhir Chandra Bancriee.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shanti Chattopadhyey.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-IAX.

ACQUISITION RANGE-JII CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2168/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHEIKH NAIMUDDIN, Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and braring

No. 4 situated a. No ayan Chand Chowdhury Road, Cal-42 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 19-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The forms and expressions used her in as are deflated in Chapter XKA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Partly two & partly three stor yeal building containing an area of 3 Cottahs 14 Chickaks land with a tenant on ground floor at 4, Narayan Chandra Chowshury Road, Cal-42, Regd. before S.R.A. Cal. on 19-6-85 vide Deed No. 8912.

SHEIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III

Date: 14-2-1986.

#### FORM TENS-

(1) Smt. Deepali Mukheriee,

(Transferor)

(2) Sudipta Kumar Ghosh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2169 Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHEIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 18 situated at Kumar Para Lane, Cal-42

with the object of :-

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at S.R. Alipore on 11-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisi ion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a eriod of 45 days from the date of publication of ti s notice in the Official Gazette or a period of 0 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the da e of the publication of this notice in the Official Gaz tte.

Explanation:—The terms and expressions used h rein as are defined in Chapter XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Two Storeyed building having a covered area about 1500 sft. on each floor together with 3 Cottalis & 24 Chitta is Land at 18, Kumar Para Lane, Cal-42. Regd. before S.R. Alipore on 11-6-85 vide Deed No. 4894.

SHEIKH NAIMUDDIN Competent / ithority Inspecting Assistant Commissioner of In ome-tax Acquisition Tange-III Calcutta

Date: 14-2-1986.

(1) Miss Puspamoyee Bose.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Miss Bela Dutta Gupta,

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

## COVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2170, Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- acd bearing No. 176/14/123 situated at Raipur Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 24-6-1985

at S.R.A., Calcutt. on 24-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of he aforesaid property and I have reason to believe that the air market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have now been or which oright to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1422) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period es 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Two storeyed building having a covered area about 1300 Sft. on each floor comprising of an area about 4 cottahs 8 chittacks and 40 Sft. lying at 176/14/123 Raipur Road, Calcutta Regd. before S.R.A., Calcutta on 24-6-1985 vide Deed No. 9072.

SHATKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Calcutta-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesatu property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Dato: 14-2-1986

العالم المراجعة التركيب والمواقعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة ا (1) Ms / Ramgopal Ganeriwala Pvt. Ltd.

> (2) Sri Ashkaren Gulgulia. Sri Joyprakash Gulgulia,

Smt. Poonam Gulgulia.

Sri Ramlal Gulgulia.

(Cuansferor)

('fransferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THB

## INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2171/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMÚDDÍN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2 situated Narendra Dutta Sarani, Calcutta-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office No, 37EE/Acq.R-III/152 on 12-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proverty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 cf 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are definde in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office Unit No. 21 having an area 673 Sft. on 2nd floor at 2, Narendra Dutta Sarani Calcutta-1, Regd. before IAC, Acq R-III, Calcutta vide 37EE/Acq.R-III/152/85-86 on 12-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Date: 14-2-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) M/s. Ramgopal Ganatewal Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Steegopal Chokany (HUF).

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. 2172/Acq R-III/Cal/85-86.-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

2 situated at Norendra Dutta Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at No. 141/Cal/85-86 on 12-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

## THE SCHEDULE

Unit No. 4, 370 Sft. at 2, Narendra Dutta Sarani, Calcutta, Regd. before IAC Aca.R-III, Calcutta vide 37EE/Acq.R-III/141/Cal/85-86 on 12-6-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dato: 14-2-1986

FORM NO. I,T.N.S.-

(1) M/s Ramgopal Ganeriwala Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Mrs. Hemlata Poddar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2173/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

theing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

No. 2 situated at Narendra Dutta Sarani, Colcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at No. 37EE/Acq.R-III/144 on 12-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have censon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assess which have not been as which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the lame meaning as given in that chapters

## THE SCHEDULE

Unit No. 6, Basement floor 359 Sq. ft. at 2, Narendra Dutta Sarani, Calcutta, Regd. before IAC, Acq.R-III, Calcutta vide 37EE/144/Acq.R-III/Cal/85-86 on 12-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, a sursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-2-1986

Scal:

## FORM IINS---

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2174/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 2, situated at Narendra Dutta Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961, in the Office of the Registering Officer at No. 37EE/Acq.R-III/143 on 12-6-1985 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;--75-516GI/85

(1) M/s Ramgopal Ganeriwala Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Master Manish Baid.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

## THE SCHEDULE

Unit No. 1A-Ground floor, 2, Narendra Dutta Sarani, Calcutta, Regd. before IAC Acq.R-III, Calcutta vide 37EE/Acq.-R-III/143/Cal/85-86 on 12-6-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Calcutta-16

Date: 14-2-1986

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2175/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the insmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 2, situated at Narendra Dutta Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at No. 37EE/Acg.R-III/140 on 12-6-1985
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the enrposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s Ramgopal Ganeriwala Pvt. Ltd. & Ors. (Transferor)

(2) M/s Siddhi Sagar Corporation.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable properly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Unit No. 3, 2nd floor at 2, Narendra Dutta arani, Calcutta, 307 Sq. ft. Regd. before IAC Acq.R-III, Calcutta vide 37EE/Acq.R-III/140/Cal/85-86 on 12-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 14-2-1986

FORM FINS

- (1) M/s Ramgopal Ganeriwala Pvt. Ltd. & Ors.
  (Transferor)
- (2) Smt. Chetna Aggarwal and Smt. Pawan Bansal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2176/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. 2 situated at Narendra Dutta Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

of 1908) in the Office of the registering Officer at No. 37EE/Acq.R-III/149 on 12-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per coat of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Issuers hax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1987);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be said in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons
  whichever period engine litter
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

SEPERMANNIN :—The torms and expressions used between are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Unit No. 9, Ground floor, 2, Narendra Dutta Sarani, Calcutta, 279 S.q ft. Regd. before IAC Acq.R-III, Calcutta vide 37EE/149/Acq.R-III/Cal/85-86 on 12-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

Date: 14-2-1986

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2177/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2 situated at Narendra Ch. Dutta Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JAC, Aug.R-III, Calcutta on 12-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evenion of the limbility of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the conscalment of any income or any suppleys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, theretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Ramgopal Ganeriwala Pvt. Ltd. and Smt. Lilawati Devi Ganeriwala.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Gayatri Chirimar, Mrs. Manjushree Chirimar,
 Mrs. Uma Chirimar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Air shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

All that Unit No. 3 & 4 on 3rd floor at 2. Narendra Ch. Dutta Sarani, Calcutta, Registered before LA.C., Acq.R-III, Calcutta vide 37EE/Acq.R-III/Cal/153/85-86 on 12-6-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Calcutta-16

Date: 14-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2178/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

57A & 57B situated at Paddapukur Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq.R-III, Calcutta on 26-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair muchet value of the property at aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(e) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the sold Act in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) 1. Mr. Navin Chandra Chhotalal Zaveri,

2. Mr. Narendra Chhotalai Zaveri, 3. Mi. Yogendra Chhotalai Zaveri,

Mrs. Sarda Laxmi Das Zaveri,
 Mr. Yaswant Chhotalal Zaveri,

6. Mr. Kirit Popatlal Zaveri,

(Transferor)

(2) 1. Smt. Daksha V. Bhimani, 2. Mr. Paresh V. Bhimani,

3. Miss Priya Bhimani, 4. Mr. Nitin V. Bhimani, 5. Mr. Yatin V. Bhimani.

(Transferee)

Objections, if may, to the acquisition of the said property may be made in writing to the indersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 48 days from his late fourtherston forthe notice in the the construction of 30 days from the service of notice on the respective persons, synchroer period expires fater,

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of lond together with the pucca brick built builting constructed thereon by measurement an area of 10 Cottabs 8 Chittaks and 45 Sft., at premises No. 57A and 57B, Paddapukur Road Coleutta, Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37FE/Acq.R-III/176/85-86 on 26-6-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Calcutta

Date: 14-2-1986

(1) Mrs. Gita Devi Sharma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Phoenix Trust.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2179/Aug.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 10 siturted at Gurusaday Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of Registering Officer at IAC, Acq R-III, Calcutta on 26-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the acryles of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; another THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 'E' on 3rd floor having an area of 825 Sft, and Scrvant quarter No. 5 on ground floor having an area of 55 Sq. ft. together with a car parking space No. 21 at 10, Gurusaday Road, Calcutta, Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37FE/Acq.R-III/Cal/178/85-86 on 26-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Calcutta

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-2-1986

## PORM ITTES

(1) M/s. Midgul Udyog.

(Transferor)

(2) M/s Lorsen and Toubro Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING AMERICANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2180/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 176 situated at Sarat Bose Road, Calcutta

No. 176 situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at IAC, Acq.R-III, Calcutta on 26-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the anid preparty may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 2A & 3B having an area of 1700 Sft. and 1980 Sft. at 176, Sarat Bose Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/Cal/183/85-86 on 26-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-2-1986

FORM I.T.N.S.———

and the second contraction of the second con

(1) M/s. Samsen Development Private Limited.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOMET'X ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutto, the 14th February 1986

Ref. No. 2181/Acq.A-JH/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000%—and braring No. 2/5 siteat 1 at 5 and Under Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq.R-III Calcutta on 26-6-1985 for an apparent decideration which is less than the fair market value of the property and to believe that the Comparent transfer experience of the property as aforesaid exceeds the apparent transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the phiest of the

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) M/s Ranchi Finance Co.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, that have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 22 Cottahs 3 Chittaks and a flat No. B on the 3rd floor at premises No. 2/5, Sarat Bose Road, Calcutta, Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EF/Acq.R-III/Cal/179/85-86 on 26-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Calcutta

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-2-1986

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 196!)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN1 COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2182/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 7B situated at Kiran Shankar Roy Road, Calcutta-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq.R-III, Calcutta on 26-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 37 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
76—516G1/85

(1) M/s G. R. Makija & Co.

(Transferor)

(2) 1, Miss Nirupama Kapoor

Miss Anupama Kapoor and
 Master Arjun Kapoor,

All minors children of Shri S. K. Kapoor.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One office space No. F & F. Total Superbuilt area of 470 Sq. ft. on 3rd floor at 7B, Kiran Shankar Roy Road, Calcutta. Registered before LA.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/Cal/182/85-86 on 26-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Calcutt.

Date: 14-2-1986

Seal .

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2183/Acq.R-III/Col/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 1/46 situated at Gariahat Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at IAC, Acq.R-III. Calcutta on 26-6-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
haliane that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, t respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Haripada Housing Society.

(2) Mrs. Anuradha Shome.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

104 Sq. ft. 3-roomed flat on 3rd floor at 1/46, Gariahat Road, Colcutta. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/Cal/175/85-86 on 26-6-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Calcutta

Now, therefore, hi pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-2-1986

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## Sri A. Alagirisamy, S/o Arunachalam Achariar, 18, Old Agraharam St., Udumalai.

(Transferor)

(2) Smt. Nagalakshmi, W/o Pattabichettiar, 125, B. P. Koil St., Udumalai.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 5/June-85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Udumalai, Derapuram Road, T.S. No. 22 situated at Block No. 6. Ward 'D' Thiruppur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer. has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Udumalpot/Doc. No. 1206/85 on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other mesets which have not been which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922), or said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

LAND: and building; Udumalai, Thiruppur, T. S. No. 22, Block No. 6, Ward 'D' Municipal Ward 6. Udumalpot/Doc No. 1206/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-2-1986

Scal:

## FORM I.T.N.S .--

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Sri K. Pratap, No. 1, CIT Colony, 1st Cross St., Mylapors, Madras-4.

(Transferor)

(2) Sri Joseph Thomas, and Mrs. Minnis Joseph, 6, 16th Avenue, Harrington Road, Madras-31. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 5th February 1986

Ref. No. 8/June-85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Door No. 22 (Old 2-A) 'Shoba', Shivaganga situated at Road, Nungambakkam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of in the office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 300/85 on June 1985 for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 22 (Old 2-A) 'Shoba', Shiyaganga Road, Nungambakkam, Madras-34.

Thousandlights/Doc. No. 300/85.

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-2-1986

## FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMESTAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 14/June-85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 12, Sivagamipuram, Dr. Radhakrishna situated at Nagar, First Main Road, Tiruvanmiyur, Madras-41 (R. S. No. 138/

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer

at Saidapet/Doc. No. 514/85 on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri J. Victor Fonolon,
 Sivagamipuram Dr. Radhakrishna Nagar,
 Madras-41.

('!ransferor)

Sri F. Susairaj,
 Lazarus Church Road,
 Madras-28.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building: No. 12, Sivagamipuram, Dr. Radhakrishna Nagar, 1st Main Road, Tiruvanmiyur, Madras-41 R. S. No. 138/5 part. Saidapet/Doc. No. 514/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 7-2-1986

Scal:

### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 50/June-85.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Gandhinagar, Manikamudaliar St., situated at Udumalaipottai village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udumalpet/Doc. No. 1534/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru
year of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri M. Suryakumar,
 S/o S. A. Muthukumaran chettiar,
 103-C, Manikamudaliar St., Gundhinagar,
 Udumalai.

(Transferor)

(2) Smt. S. Mogana, S/o M. Soundararajan, B-18, P. Vidyasagar St., Gandhinagar, Udumalai Town.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: Property as specified in schedule to Doc, No. 1534/85 Udumalpet/Doc. No. 1534/85.

MRS. M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 7-2-1986

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1986

Ref. No. 55/June-85.--Whereas, I, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. R.S. No. 3953/2B1A1 A1 of situated at Oetacamund Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Uthagamandalam/Doc. No. 593/85 on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

M/s. Adorit Trades P. Ltd., 1432, 17th Main Road, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferor)

(2) Mr. N. S. Ramanathan, 507, Vonna Vihar, 17-A, Flank Road, Sion. Bombay-400 022.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land 10, 122 ft. divided share in the common laud of 2.63 acres in R.S. No. 3953/2B1 A1 A1 of Oetacamund town. Uthagamandalam/Doc. No. 593/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Anytest Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 6-2-1986

## FORM NO. I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Maduas-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 56/June-85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authorty under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
No. Tirupur Palladam, Kangayampalayam, situated at Coimbatore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Sulur/Doc. No. 936/85 on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the sousideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or easion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any noome or any other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaic property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri Velusamy Gaunder, and 12/others, Kangayampalayam village, Palladam Taluk, Coimbatore.

(Transferor)

(2) 'Coimbatore Marketing Committee' No. 1841, Trichy Road, Coimbatore Town.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Agri Land-Sulur, Tirupur Palladam, Kangayampalayam village, Coimbatore Sulur/Doc. No. 936/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-2-1986

## FORM ITNS \_\_\_\_

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 59/June-85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Pollachi, Gaspa Pollachi, situated at Ward No. 4, T. S. No.

92/2, Thiruppur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrating Officer at Pollachi/Doc. No. 1110/85 on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act, or the Wea 1922 Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid noncept by the issue of this notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely and 77—516GI/85

(1) Smt. Sarada, W/o Subramaniam, S. S. Koll St., Pollachi.

(Transferor)

(2) Sri K. Nachimuthu Gounder, S/o Kumarasamy Gounder, Sadayagoundan pudur, Kullakkapalayam village, Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforeshid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: Pollachi, Gaspa Pollachi, Surey Ward No. 4, T. S. No. 92/2, Thiruppur. Pollachi/Doc. No. 1110/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 7-2-1986

### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Gowrie Madhavan, W/o K. Madhavan, No. 3, Eighth St., Dr. S. Radhakrishnan Salai, Mylapore, Madras-4. (Transferor)

(2) Sri L. Tilokchand, S/o Loonkaran, 30/K.5, Balaclava, Coonoor-2. Nilgiris.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 75/June-85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 2150/2A, 0.07 acres in situated at Coonoor town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor/Doc. No. 880/85 on June 1985 for an apparent consideration which is

less than the fair markket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Land and Building: S. No. 2150/2-A-Extent: 0.07 acres in Coonoor Town, Illgiris, Coonoor, Coonoor/Doc. No. 880/85.

THE SCHEDULE

MRS. M. SAMUEL Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in purwance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-2-1986 Scal:

#### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITIÓN RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 76/June-85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to bolieve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
R. S. No. 150/3A, 150/4B, 157/1B, 150/1A2, 157/1A, 157/3A, 157/1B, 164/3B, 164/3C—6.80½ acres.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonour/Doc. No. 915/85 on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent, consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri G. Prasanchan, S/o Sri L. Goolabchand, 'Kalyankunj', Balaclaa, Coonoor-2.

(2) Sri N. Dhandapani,
Son Sri Nataraja Nadar

(2) Sii N. Dhandapani, S/o Sii Nataraja Nadar, Quail Hill, Coonoor-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land R. S. No. 150/3A, 150/4B, 157/1B, 150/1A2, 157/1A, 157/3A, 157/1B, 157/3B, 164/3B, 164/3C, 6.802 acres of land. Coonoor/Doc. No. 915/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11, Madras-600 006.

Date: 7-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 85/June 85.-Whereas, I. MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Ast'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
T. S. No. 10/160-162, Sidhapudur situated at Krishnarayapuram Village Site No. 13, K. K. Nagar, CBE, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 2812/85 in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other needs which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri V. Selvadurai, S/o Late T. Viswasam, and Vasantha Selvadurai, No. 10, K.K. Nagar, Sidhapudur, Coimbatore-44.

(Transferor)

(2) Shree Das Bhatter, S/o Late Ghanshyamdas Bhatter, 104, Balaji Nagar, Avaram Pulayam Road, Coimbatore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette-

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as ere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: T.S. No. 10/160-162, K. K. Nagar, Sidhapudur, Krishnarayapuram, Site No. 13, CBE Coimbatore/Doc. No. 2812/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 7-2-1986

## FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 87/June-85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUFL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 /(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Kurudampalayam, 96/12 72 situated at Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perlamackenpalayam/Doc. No. 1232/85 in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri K. V. Narayanasami Naidu, S/o Vengadasami Naidu, Cathanoor, Palladam,

(Transferor)

(2) Sri A. Shanmugam, W/o S. V. Alagappan, Alagasan Road 8/B/5, 7A, Coimbatore.

ישבו לבוסה יידה אוקאינייטון איבא ב ישבאיאה

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Kurudampalayam, Coimbatore and Building:—SRO Porianaickonpalayam/Doc. No. 1232/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-2-1986

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

### ALTON OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-JI MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 89/June 85.—Whereas, I, MOD. M. SAMUEL,

 $b_{\rm CHE}$  the Computent Authority under Section 269B of the  $_{\rm CHE}$  (in Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to is the 'taid Acr'), have reason to believe that the immovable , reporty, having a fair market value exceeding

s 1 03.000/- and bearing
G. C. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. Pro. 350 98 560/1. 561 situated at D. No. 47
G. at 1.1-15. The Doc. No. 2423/85 in June 1985

the on their it consideration which is less than the fair mulat vives of the aforesaid property, and I have reason to mal as then the fair market value of the property as aforesaid we this pparent consideration therefor by more than High re cent of such apparent consideration and that the man on for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of counsies with the object of :--

the filtering the reduction of eversion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which outght to be disclosed by the transferee for the pulposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the after said property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sri N. R. Sitaram, S/o N. Ranganatha Iyengar, 20, Bharathi Park, Cross Road, Coimbatore.

(2) Smt. P. R. Visalakshmi, W/o V. Periannan, P. K. N. House, Viswanathapuram, Ramanathapuram, P.O., Pudukottai.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Land: with R.C.C. building, D. No. 47, Asst. No. 22187/T. S. No. 12/77 part, Coimbatore/Doc. No. 2423/85.

> MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 7-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 95/June, 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imme vable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Telungupalayam village, R.S. Puram, Block No. 10, ward No. 8, T. S. No. 51 part, SITE No. 7, situated at Coimatore (aint more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of he Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 2501, 2502, 2503/85 in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the larties has not been truly stated in the said instrument of tratisfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any iscome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now. therefore, in pursuance of Section 269°C of the eaid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri C. P. Natarajan
 S/o Sri C. R. Palaniappa Chettiar, Chettipalayam village,
 Coimabtore.
 Sri Vijayakumar
 S/o Sri C. P. Ramasamy,
 Chettipalayam village,
 Coimabtore.
 Sri Senthil Kumar
 S/o Sri C. P. Ramasamy,
 Chettipalayam village,
 Coimabtore.

(Transfer P

 Vedauayakam Hospital Pvt. Ltd., Rep. by Chairman, S. V. Balasubrama nan, Bashyagaralu Road, R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferse)

Objections, if any, to the nequisition of the sold property may be made in writing to the undersigned the

- (b) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this contact in the Official Gazette, or a period of 30 to 50 from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land: Telungupalayam Village: T. S. No. 8/51 part, Site No. 7, Combatore Taluk.

Coimbatore Doc. No. 2501, 2502, 2503/85.

MRS. M. SAMULE. Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Runge-II
Madras-609 C. S

Date : 7-2-1986

Sea

#### FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 97/June, 85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Property as specified in schedule to Doc. No. 2564/85 situat-

ed at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registranton Act, 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbaltore/Doc, No. 2564/85 in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of such apparent consideration and that the fifteen ner cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  Sri P. N. Balasubramanian S/o Sri K. E. Narayanasamy Naidu, 168, Avanashi Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri C. R. Narayanaswamy, S/o Sri Ramaswamy. 245, Avanashi Road, Coimbatore.

(Transferec)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

Property as specified in schedule to Doc. No. 2564/85, Coimbatore/Doc. No. 2564/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### Smt. Tillai Tukaram, W/o 'Tukaram, 20, Venkatesh Nagar, Madras-92,

(Transferor)

 Sri L. Harichand, No. 1, Sterling Avenue, Madras.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 102/June, 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
G. N. Chetty Road, T. Nagar situated at Madras-17
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
at T. Nagar/Doc. No. 593/85 in June, 1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefore by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land: G. N. Chetty Road, T. Nagar, Madras-17. T. Nagar/Doc. No. 593:/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—78—516GI/85

Date: 7-2-1986

#### FORM I.T.N.S.---

and the second property of the second control of the second secon

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 103/June, 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Incorpetent Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

G. N. Chetty Road, T. S. No. 8633 part, Block No. 114 shunted at Madras-17 (and more fully described in the Schedule minered hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 to 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 594 '85 in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  nud/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following per one namely:—

 Sri Bhagwandas Reddiar and Smt, Yashodamma.
 No. 48, Venkatanarayana Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Smt. Usha Harichand, No. 1, Sterling Avenue, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Land: G. N. Chetty st., T. Nagar, Madras-17. T. Nagar/Doc. No. 594/85.

MRS. M. SAMUFI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 7-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(4) OF THE INCUME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 104/June, 85.-Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 23, Ranganathan St., T. Nagar, situated at Madras-17
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the Registering Officer at T, Nagar, Doc. No. 596/85 in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and i have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any memors or other needs which have not been or which cogist to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in personnes of Society 260°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the effective property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. P. E. Mathew, No. 26, First Main Road, CIT Nagar, Madras-35.

(Transferor)

(2) Sri Hameed Aysha, No. 10, Devidson St., Madras-1,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said kmmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gassette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: 23, Ranganathan St., T. Nagar,

T. Nagar/Doc. No. 596/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 107/June,85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority und

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having bear fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.

Venkatanarayana Road, T. Nagar, situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 606/85 in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any sucome arising from the transfers and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons, namely:—

 Smt. S. Meenal and others, No. T/34/2, Basant Nagar, Madras-90,

(Transferor)

(2) Canara Bank, Hq. Bangalore, Circle Office, No. 563/1, Mount Road, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land at Venkatanarayana Road, T. Nagar, Madras-17. T. Nagar/Doc. No. 606/85.

MRS. M. SAMUEI.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 7-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

SIONER OF INCOME-TAX

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 112/June, 85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Thomas Road, T.S. No. 6553, Block No. 14 situated at

T. Nagar, Madras

T. Nagar, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 693/85 in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri P. S. Patel, No. 26, Balaji Avenue, II st., T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri G. Varadarajan, No. 83, Bazullah Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-Cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land Thomas Road, T. Nagar, Madras-17. T. Nagar/Doc. No. 693/85.

> MRS. M. SAMUEI. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 7-2-1986

#### FORM LINS ...

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 6th February 1986

Ref. No. 128/June, 85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 20, Madurai Veeran Koil St., T. Nagar situated ai Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 734/85 in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloc-said exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay taxe under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri N. Srinivasan and Sri S. Umamageswar, 20, Maduraivecran Koil St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri P. C. Mohd, Mustaffa. 88, Podala Vigneswarar Koll St., Rayapuram, Madras-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: 20, Madurai Veeran Koil St., T. Nagar, Madras-17. T. Nagar/Doc. No. 734/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 6-2-1986

## FORM I.T.N.S .--

ari de se <del>ar i brandistander brahlig i</del>nternationer sera

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 134/June, 85.—Whereas, I, MKS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heerinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 11, Norton 3rd St., Mandavelipakkam situated at Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Mylanout/Doc No. 726/85 in Inne, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property afforcesaid exceeds the epparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(!) Smt. T. G. Lakshmi Ammal W/o Sri N. R. Mahalinga Iyer, Plot No. 42, Door No. 13, New No. 11, Norton III st., Mandavelipakkam, Madras-28.

(Transferor)

(?) Mrs. A. Vasantha W/o Sri A. M. Arumugem, 251, Linghi Chetty St., Madras-1.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immortable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building Door No. 11, Norton 3rd St., Mandavelipakkam, Madras-28, Mylapore Doc. No. 726/85.

MRS. M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 7-2-1986

## LORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 143/Junc, 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3, Bhaskarapuran, Mylapore situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 801/85 in Junc, 1985 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 801/85 in Junc, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Muthulakshmi Nagarajan and 6 others, No. 3, Bhaskarapuram, Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

 Mr. S. Chandrasekaran and another, 120, Sullivan Garden St., Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 3, Bhaskarapuram, Mylapore, Madras-4.
Mylapord/Doc. No. 801/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 7-2-1986

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 154/June, 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-t. x Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa I Act'), have reason to believe that the immovable proper v, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, - and bearing. No. 2423 so. ft. in Pontier Venkatesa Nagar. HI St., Urur village, Ada ar, Madras-28, T. S. No. 19, Old No. 76/1 (and more fielly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar/, Toc No. 1575, 1576/85 in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the refer by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferund per
- (b) facilitating the concealment of any income or any morega er other assets which have not been or whi is ought to be disclosed by the transferce for the pur oses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 192 ) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely 1—79—516GI/85

 Sri P. A. Raghavachari and 4 others, 7, 1st, Cress St., Karpagam Gardens, Madras-20.

(Transferor)

(2) M/s, Peejay Company, Partner: P. J. Shah, 13, Arcot Mudali St., Madras-17.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land: 2423 sq. ft. in Pontior, Venkatesa Nagar, III St., Urur village, Adayar, Madras-28, T. S. No. 19, Old No. 76/1.

Adayar/Doc. No. 1575/85, 1576/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IL Madras-600 006

Date: 7-2-1986

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 166/June, 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have rea on to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,60 aby- and buring High Clife-1,64 acres S. No. D 232/C, 234/2B, D.239/18/1. Ketapiri; Building 'Gulistan'—3 acres Resurvey No. 1473/2 (Old 251/B) katagiri and Building 'Rose windows, 211 acres No. 231/2 B/4, D.235 234/1A/1A D.70 situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Degretaring Officer a Midras South/Dec. No. 1745/85 in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer;

than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 69D of the said Act, to the following persons, namely:—

 The Theosophical Society, Adyar, Madras-600 020.

(Transferor)

 Sri Krishna Educational Foundation, Kotagiri, The Nilgiris.

(Transferee)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building: 'High Cliff'—Land 1.64 acres in S. No. D.232/C (Resurvey No. 1454/38) Survey No. 234/2B (Resurvey No. 1456/7) Survey No. D-239/18/1 (Resurvey No. 1456/6B) Kotagiri.

'Gulistan'—(Sargunam villa) Survey No. 251/B (Résurvey No. 1473/2) Kotagiri.

'Rose Windows' (2.11 acros in Survey No. 231/2 B/4 Resurvey No. 1453/6 Survey No. D.235 (Resurvey No. 1457) Survey No. 234/1A/1A (Resurvey No. 1456/2A) and Survey No. D70 (Resurvey No. 1514)—Kotagiri.

Madras Central/Doc. No. 1745/85.

MRS, M. SAMUEL
Computent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-IAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

- .: . - - -

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600006, the 4th February 1986

Ref. No. 182/June, 85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. /, Kasturba Nagar I Main Road situated at Adyar, Madras-20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registra, on Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Adyar/Doc. No. 1661/85 in June, 1985

for an apparent consuctation which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ongot to be disclosed by the transferee for the nursous of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Dr. K. M. Raj, No. 1, Second Street, Sait Colony, Ligmore, Madras-600 008.

(Transferor)

(2) Sri P. G. Venugopal, 21, Venkatakrishna Iyer Road, Mandaveli Madras-600 028.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever per-od expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Cheete XXA of the aid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

I and and Building: Door No. 7-Kasturba Nagar, I Main Road, Adyar, Madras-600 020. Adyar/Doc. No. 1661/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 4-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 183/June, 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 21, Kasthuri Bai Nagar, III Main Road, situated at

Adayar, Madras-20.

(and more july described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar/ Doc. No. 1670/85 in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property, and I have a property.

market value of the aforesaid property, and I have reuson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Elizabeth Verghese, No. 12, 4th Main Road, Nehru Nagar, Madras-20.

(Transferor)

(2) Sri A. Joseph, son of Late Sri C. K. Joseph, No. 93, A. K. Swamy St., Kilpauk: Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication o this notice in the Official Gazette or a period of 2 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the aid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in he Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 21, Kasthur. Bai Nagar, III Mian Road, Adyar, Madras-20. Adyar/Doc. No. 1670/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II M dras-600 006

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 192/June, 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Art, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Block No. 56, T. S. No. 25, Kodambakkam, Plot No. B-51, 48th st., Ashok Nagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 568/85 in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. E. Kamakshi and others, 18, 3rd St., Abhiramapuram, Madras-18,

(2) Mrs. Thillai Thukkaram, 20. Ven- tesh Nagar, Madras-92. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undtrsigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building: Block No. 56, T. S. 25 of Kadam-bakkam Plot No. 5.51, 48th St., Ashok Nagar, Madras Central/Doc. No. 568/85.

MRS. M. SAMUE | Competent Authoria Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Range-11 Madras-600 00 p

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-2-1986

### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 6th February 1986

Ref. No. 196/June, 85.—hereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the improved to reson to believe that the improved to reson to be a section of the said Act.

movable property, having a fan market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 53, Cathedral Road situated at Madras-86 (and more 1011, 0.21 to 11 m the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 598/85 in June, 1985

at Madras Central/Doc, No. 598/85 in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to behave that the fair market value of the property affects and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri Shishpal Singh Kohli, No. 8, State Bank St., Madras-2.

(Trausferor)

(2) Mr. A. A. Mohideen, Batcha, 2. Mr. A. A. Kamal Batcha, 3. Mr. A. A. Ahmed Batcha, 4. Mr. A. A. Anwar Batcha, all residing at No. 18, 4th st., Gopalapuram, Madras-000 086.

(Transferce)

Objections If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 53, Cathedral Road, Madras-6.
Madras Central/Doc. No. 598/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 5th February 1986

Ref. No. 197/June, 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 12. G.S. Colony, Madras-18 situated at R.S. No. 3847/12,
16, 17, 18 MDS. 18 and 21 Madras-18.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Madras Central/Doc. No. 600/85 in June, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have teason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration thereof by more than
fifteen per cent o such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri P. S. Raghavan, No. 12, G. S. Colony, Madras-18.

(Transferor)

(2) Sri S, Lakshmikant and Minor Sri S, Sesn Kumar, Represented by father Mr. S. Bhavanarayana, 13 Goppinkrishna Road, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaartte or a period of 30 days from the service of actice on the especies persons which ever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chaoter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 12, G. S. Colony, Madras-18.
Madras Central/Doc. No. 600/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006.

Date: 5-2-1986

### FORM ITNS -----

THE COLUMN TWO THE TRANSPORT OF THE COLUMN STREET, SANDERS OF THE COLUMN STREET, SANDERS OF THE COLUMN STREET,

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri R. K. Sethuraman, 7-A 27, Arul Padayachi. Nollithope, Pondicherry-5,

(Transferor)

(2) Thiru Mansukh H. Sukhaiad, No. 41, Venkatachala Mudali St., Madras-3.

(Transferce)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 199/June, 85.—Whereas, I, M. S. M. SAMUEL,

being dis Com said. Nuthority under Section 269B of the condition. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to some stand Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 1,00,000 or and bearing

No. 163. Yew No. 813, Anna Salai situated at Madras-2 and non-tully described in the Schedule anaexed hereto), cas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 258/85 in June, 1985

the chousandlights/Doc. No. 258/85 in June, 1985 on after a new consecutation which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 500 to the property of the consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the said instrument of the said instrument of the said instrument of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any names or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 2/163, Now No. 813, Anna Salai, Madras-2.
Thousandlights/Doc. No. 258/85,

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely: —

Date: 7-2-1986

(1) M/s. Juhi Thomas Trust, Weed Stock Palace, Ootacamund.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-JI MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 206/June, 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 2,60 acres R.S. No. 479/14 of situated at Ootacamund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uthagamandalam/Doc. No. 526/85 in June, 1985

at Uthagamandalam/Doc. No. 526/85 in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) fucflitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
80—516GI/85

(2) M/s. Hotel Ormate (Nilgiris), Private Limited, 310, Veer Sevarkar Marg, Bombay-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land 2.60 acres R. S. No. 479/14 of Ootacamund Rural village,
Uthagamandalam/Doc. No. 526/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authori: Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Madras-600 006

Date: 7-2-1986

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 207 June, 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ and bearing No. R.S. Nos. 19|3, 20, 21|1, 168|2, 391|10, 21/2, 21/3, 389/2, 391/7, 391 and 391/9—Extent: 3,99 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Uthagamandalam/Doc. No. 566/85 June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the (saue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S. S. H. Properties Pvt. Ltd., Sophia College, Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 026.

(Transferor)

(2) St. Jude's Public School, Arani Palace, Stone House Hill, Ootacamund-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapters.

### THE SCHEDULE

Land and Building: R. S. Nos. 19/3, 20, 21/1, 168/2, 391|10, 21|2, 21|3, 389|2, 391|7, 391|8 and 391|9 3.99 acres.

Uthagamandalam/Doc. No. 566/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 224/June 85.—hereas, 1, MRS. M. SAMULL, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing No. Property as specified in schedule to Doc. No. 1351/85 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sethyamanglam/Doc. No. 1351/85 on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sri S. S. Yagnanarayanan, s/o S. R. Subramanian, Rajaannamalaipuram, Madras.

(Transferor)

 Sri K. N. Thangavel, s. o Akkarai Nagamum, Sathyamangalam Taluk,
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property as specifide in schedule to Doc. No. 1351/85 Sathyamangalam/Doc. No. 1351/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-2-1986

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 225/June 85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Akkarai Nagamum village—Sathyamanglam
situated at GOPI
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Pariety time Act. 1008 (16) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sethyamangalam/Doc. No. 1350/85 on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating the concealment of any inco moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Smt. S. S. Janaki, d/o Sri Subramanian Iyer, 11, 6th Main Road, Rajaannamalaipuram, Madras.

(Transferor)

(2) Sri N. Natarajan, N. Thangaval, Akkarai Negamum, Kovaimalai P.O. Sathyamangalam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferenaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land: Akkarai Nogamum village, Satyamangalam, Coimbatore. Sathyamangalam /Doc. No. 1350/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 62/June 85.-Whoreas, 1 MRS. M. SAMUEL SUNIL CHOPRA,

being that Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (haroinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the lamevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G. 19, Unit Industrial Estate, Madras 58 Extension

9480/sft

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North/Doc. No. 1819/85 on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers had/ar

(b) lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

row, meretore, in pursuance of Section 269C of the said rici. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely :--

- (1) M/s. Polymers and Allied Products, G-19, II Main oRad, Indl. Estate, Madras 58. (Transferor)
- (2) M/s. Unitex Exports, Plot No. 4664-A, Door No. 96-W, Block Anna Nagar, Madras-600 040.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION :-- The terms and expressions used herein se are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building: (Factory shed) G-19, Unit Industrial Estate, Ambattur, Madras-58. Madras North/Doc. No. 1819/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Date: 10-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACOUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 120/June 85.-Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value No. 1575/37880th undivided share Door No. 92, G. N. Chottey Road, T. Nagar, S. No. 85, T.S. No. 7159, Block

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 718/85. on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. East Coast Constructious & Industries, Partner: Mr. A. M. Sayed Abdul Cader, No. 8, Habibullah Avenue, Anderson Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) Mrs. Noorjehan Mecci, 2. Master Arshad Mocci, 80/1, Ranofi Rao, Road, Basavangudi, Bangalore-560 004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land: 1575/37880th Undivided share situated in Door No. 92, G. N. Chottey Road, T. Nagar, S. No. 85, T.S. No. 7159, Block No. 117 T. Nagar/Doc. No. 718/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## M. S. East Coast Constructions & Industries, Parmer: A. M. Sayad Abdul Cader, No. 8, Habibullah Avenue, Anderson Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) M/s. Eab Apparels P. Ltd., 55, Ramanujakudam St., Old washermanpet, Madras 21

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 122 June 85.-Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 1575/37880th undivided share in Door No. 92, G. N.

Chotty Road, T. Nagar, MDS. 17.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at T. Nagar/

Doc. No. 708/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 1575/37880th undivided share in Door No. G. N. Mhetty Road, T. Nagar T. Nagar/Doc. No. 708/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---107-506 G1/85

Date: 10.2.1.16

### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 127/June 85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269-B of the Incompetent Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 92, G. N. Chetty Road, Madras 17 T. Nagar (and more fully described in the schedulc annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 720/85 on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslittax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/9. East Coast Constructions & Industries, Partner: Mr. A. M. Sayed Abdul Cader, No. 8, Habibullah Avenuc, Anderson Road, Madras-6. (Transferor)
- (2) Aadin Aamir Aakhil Trust, Trustees,
  1. Mr. A. A. Mustafa, s/o Mr. Syed Maqdhoom
  Ashrat, 2. Mrs. Shameem Pasha w/o Mr. Azeez
  Pasha, No. 11, Shafi Mohd. Road, Rutland Gate,
  Madras-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- tb) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the servcie of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publiention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land: 1665/37680th share (Undivided ) in T. Nagar Village, Block No. 117, Door No. 92, G.N. Chetty Road, Madras-17, T. Nagar/Doc. No. 720/85,

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Date: 10-2-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 140/June 85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, ker, No. 140/June 85.—Whereas. I, MRS. M. SAMUFL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the insmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 38, Nattu Muthu Kumarappa Mudali St., situated at Mylorore. Medicas 4

situated at Mylapore, Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 704/85 in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the M of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any success or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-81—516GI/85

(1) Sri M. Bamanatha Dikshithar, No. 38, Nattu Muthu Kumarappa Mudali St., Mylapore, Madras-600 004,

(Transferor)

(2) Sri M. S. Parthasarathy, No. 19, Chitrakulam North St., Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Biulding: Door No. 38, Nattu Muthu Kumarappa Mudali St., Mylapore, Madras-4. Mylapore/Doc. No. 704/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Date: 10-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 144/Jun 85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 104, Dr. Rangachari Road, situated at Madras-4 Extent
of sits: 4.5 grounds

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/ Doc. No. 799/85 in June 1985

for an a parent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transfeoror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Sri M. Swaminathan, 2. Mrs. Gomathi Swaminathan, 3. M. S. Aswin, 4. M. S. Bharath, Mylapore House'. 104. Dr. Rangachari Road, Mylapore, Madras-600 004.
- (Transferor) (2) 1. Mrs. Kalpakam Subramaniam, 2. S. Sumanth, 102, Dr. Rangachari Road, Mylapore, Madras-600 004.

(Transferee)

## Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building: 104, Dr. Rangachari Road, Madras-4. Mylapore/Doc, No. 799/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Date: 10-2-1986

### NATICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 151/June 85.—Whereas, 1, MRS. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing.

No. Site: 3357.45 sft. at T.S. No. 12/2,

No. Site: 3357.45 sft, at T.S. No. 12/2, situated at Srinagar Colony, Guindy, Venkatapuram village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 1489/85 in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Rama Venkatasubramaniam, No. 2D-219, 'SAKET', New Delhi-110 017. (Transferor)

(2) Sri S. Ravindtan, No. 41, Sankarapuram, Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House Site: Plot No. 111 part, situated in Venkatapuram village, Srinagar colony, Guindy, T.S. No. 12/2 part and 2/2 part of extent of 3357.45 sq.ft. Mylapore/Doc. No. 1489/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 163/June 85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 1 in 25 feet property road situated at Poomagal street,
Paimash No. 126, Block No. 3, R.S. No. 173 T.S. No. 118 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South/Doc. No. 1700/85 in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. R. Daisy, 406, Street 6th sector K. K. Nagar, Madras-78,

(Transferor)

(2) Sri Laxmi Technocrafts Pvt. Ltd. rep. by its Managing Director, Sri K. Narayanan, A-46, Hindu Colony, Nanganallur, Madras-61. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building: Plot No. 1, Poomagal St., Paimash No. 126, Block No. 3, R.S. No. 173 T.S. No. 118, Eakkattu Thangal village. Madras South/Doc. No. 1700/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras

Date: 10-2-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Sri M. Rajasakharan, No. 15, LIC Colony, Dr. St. Radhakrishnan Nagar, Madras-41. (Transferor)

(2) Sri A.V.S. Mani and Smt. Rajeswari Subramanyam, No. 83/2, ICF East Colony, Madras. (Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 170/June 58.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 127 (Part), Thiruvanmiyur, situated at Madras-41

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South/Doc, No. 1794/85 in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said: Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building: No. 127 (Part), Thiruvanmiyur, Madras-41. Madras South/Doc. No. 1794/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-2-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) Or THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. K. Vijaya, w/o S. Ganapathiraman, Power Agent, M. Subramaniam, s/o R. Maha-linga lyer, No. 12, Rani Annadurai St., R. A. Puram, Madras-28.

(Transferor)

 Smt. Brinda Rajagopal, w/o R. Rajagopal, No. 14, Station Border Road, Chrompet, Madras-44.

(Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS

Mdaras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 171/June 85.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 92, R. K. Mutt Road, Madras situated at Mylarore

situated at Mylapore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South/Doc. No. 1806/85 on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income our any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Site: Door No. 92, R. K. Mutt Road, Madras. Madras South/Doc. No. 1806/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF ENDLA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006,

Madras-600006, the 10th February 1986

Rcf. No. 178/June 85.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 39, V. N. Dass Road, Pumpakkam situated at Madras-2

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at

Triplicane/Doc. No. 461/85 on June. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 ef 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Jagadambal,
 V. N. Dass Road,
 Madras-2.
 Smt. Saradambal,
 Thasilva Road,
 Arakanam iDst.
 Smt. Varadambal,
 V. N. Dass Road,
 Mount Road, Madras-2.

(Transferor)

(2) Sri A. P. Kali Muthu, 39, V. N. Dass Road, Madras-2. Sri A. P. Karuppasamy, 39, V. N. Dass Road, Madras-2. Sri A. P. Kaliyaraj, 19, Vaduga Theru, Railadi, Mayayaram, Tanjore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

I and and Building: Door No. 39, V. N. Dass Road, Pumpakkam, Madras-2.
Triplicane/Doc. No. 461/85

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date : 11-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600006, the 10th February 1986

Ref. No. 198/June 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act,) have resson to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
145. Kodambakkam High Road, R.S. No. 189/6
situated at Nungambakkam
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
1908) in the Office of the Registering Officer at
Thousandlights/Doc. No. 256/85

on June. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sri Syed Mohideen, No. 145, Kodambakkam High Road, Madras-34.
- (2) M/s. Mealavika Hotels Pvt. Ltd., 144, Kodambakkam High Road, Madras-34.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 145, Kodambakkam High Road, Madras-34.

Thousandlights/Doc. No. 256/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 10-2-1986

### FORM ITNS...

(1) Sri K. V. Rajagopal Reddy, 2/D Block 1st floor Paran Residential Complex, Madras-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. S. Kamala, 50, Cathedial Road, Madras-86.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006,

Madras-600006, the 10th February 1986

Ref. No. 201 June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Flat (1 floor) Paran Complex-121,

situated at Mount Road, Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Thousandlights/Doc. No. 267/85

on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeeaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect fo any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 at 1967)4

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE S EDULE

Flat (1 floor) in Paran Complex, 121, Mount Road, Madras-6.

Thousandlights/Doc. No. 267/85

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-82-516GI/85

Date: 10-2-1986

### FORM ITNS---

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-JI, MADRAS-600 006,

Madras-600 006, the 11th February 1986

Ref. No. 174/June 85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269AB of week Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 279, T.S. No. 73, 14th East Street, Kamraj Nagar, situated at Tiruvanmiyur village Madras-41 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras South/Doc. No. 1855/85

on June. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax ACI, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Mrs. Malathy, Parthasarathy W/o Mr. Parthasarathy, B-1, Ayodhya, Madras-28.

(Transferor)

(2) Mrs. Sulochana Venkataraman, 148, Greater Kailash, Part-II, Now Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building: Plot No. 279, T.S. No. 73, Tiruvanmi-yur Village (Kamraj Nagar) 14th East Street, Madras-600041 Madras South/Doc. No. 1855/85

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 11-2-1986

 Sri A, Devakadatsham S/o Arumal Nayakam, No. 6, Erran Street, Verery, Madras-600007.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

 Smt. Iyyammal W/o Kemiappa Naicker, No. 1/51, Post Office Street, Oggiyam, Theraipakkam Village, Madras-96.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006,

Madras-600006, the 11th February

Ref. No. 179/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. 148, Oggram Theraipakkam Village satuated at Saidapet Taluk. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been mansferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at Adyar/Doc. No. 1608/85

on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notics in the Official Gasatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deflect in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Lund: No. 148, Oggiam Theraipakkam village, Saidapet Taluk, S. No. 158/1B Chingloput district/18.

Adyar/Doc. No. 1608/85.

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, tamely:—

Late : 11-2-1986

Scal

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006,

Madras-600006, the 11th February

Ref. No. 184/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

141, Nemu Nagar, Kottivakkam

Chingleput Dist. S. No. 317/1st Part (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Odyar/Doc. No. 374/85.

on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mrs. Lakshmi, 68, Ulsser Road, Bangalore-8.

(Fransferor)

(2) M/s. Instruments and Controls, By Partners: D. Ramasamy 4 others, 173, Thambu Chetty Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :- The terms and expressions used hereig as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Vacant Land--Plot No. 285, 286, 331 and 332, in Nehru Nagar, 141, Kottivakkani Village, 317/1 part. Adyar, Doc. No. 374/85

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Date : 11-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMET VX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006,

Madras-600 006, the 11th February 1986

Ref. No. 187/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tox Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the insmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and, bearing No. 4B. Jayannna Road, Madras-18 situated at Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras Central/Doc. No. 622/85

on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mrs. Girija Mohan Naidu and 3 others, 4B, Jayamma Road, Teynampet, Madras-18.

(Transferor)

 Smt. A. Sayar Bai W/o Anraj Jain,
 Nathamuthu Naikar Street, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as

are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building: 4B, Jayanima Road, Madras-18, Madras Central Doc. No. 622, 85

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said vet, I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-2 1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006,

Madras-600 006, the 11th February 1986

Ref. No. 189/Jun 85.—Whereas, J, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

1700/42000 undivided share of 9 grounds and 1030 sq. ft. R.S. No. 1250/2 and 81/5 No. 27, Gopalapuram, 1st street, situated at Madras-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Madras Central/Dec. No. 557/85

on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay mx under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or writch ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M/s, Rosy Apartments,
 Khadar Nawz Khan Road,
 Madras-6.

(Transferor)

(2) M/s. Indian Hume Pipe Co. Ltd., 16, Sixth Street, Gopalapuram, Madras-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublication of this motios in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions yield herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Site and flat at No. 27, Gopalapuram first street, Madras-86.

Madras Central/Doc. No. 557/85

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006,

Madras-600006, the 11th February 1986

Ref. No. 202/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUE1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the impossible property begins a fair property to a section and the impossible property begins a fair property begins a fair property to the content of the con

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and, bearing No. S. No. 637/50 Now R.S. No. 637/60, Block No. 36, Patta No. 848 Door No. 95, Vailtandapuram Second Street, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 268/85

Thousandlights/Doc. No. 268/85

on June. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of each appearant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability c' the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /on
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

(1) Sri P. V. Baskaran, 95, Vaikunthapuram IInd Street, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferor)

(2) Dr. S. Rajah, 117, Narasingapuram Street, Gugai, Salem-636006,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 95, Vaikunthapuram II St., Nungambakkam, Madras-34. Thousandlights/Doc. No. 262/85

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Date: 11-2-1986

### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

THE RESERVE TO THE PARTY OF THE

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri J. Sudhanantham, and others. 75, Thirunagar, Erode.

(Transferor)

(2) M/s. Yarn Merchants Association. President, R. K. R. Subramaniam Chettiar, Erode.

('Transferce)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006,

Madras-600006, the 10th February 1986

Ref. No. 209/June 85 .-- Whereas, I, MRS. M. SAMUFI.,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000, - and bearing No. Survey Ward C. Block 35, T.S. 19, Chokkanatha Veedhi, D. No. 9,

fand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Erode/Doc. No. 3059/85

Erode / Doc on June. 1985

on June. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferve for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Property as specified in Schedule to Doc. No. 3059/85. Erode/Doc. No. 3059/85

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IJ, Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 262D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 10-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006,

.Madras-600006, the 11th February 1986

Ref. No. 220/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,') have reason to believe that the immovable property, he ing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 247, Aladikadu (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Erandampulikadu/Doc. No. 267/85 on June. 1985

for an a; parent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset; which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

82A--516GI/85

(1) Sri P. S. Ranganathan, S/o Srinivasa Iyer, Sri R. Baskaran, Sri R. Roguraman, 5/o Ranganathan, No. 6, Ashok Nagar, Madras.

(Transferor)

(2) Sri Mohd. Jamaludeen S/o Sheik Abdul Kadu, At Kadar Ibrahim, Rajendrapuram, P.O. Arantangi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Land 247, Aladikadu. Property as specified in schedulo to Doc. No. 267/85. SRO. Erandampulikkadu: Doc. No. 267/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date: 11-2-1986

----

### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

. Madras-600006, the 11th February 1986

Ref. No. 223/June 85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL.

the property, having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Culgarat comman. Pane again. Scram Wadding Manarath of the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ozbukarat/Doc. No. 1715/85 on June, 1985

on thue, 1963 for an apparent consideration which is less than the rain market value of the aforesaid property and I have eason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by twore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any encome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pussuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri P. Kircenchenamourty
 S/o R. Balakiranchmamane
 No. 64A, Pondicheery-11 (Kamaraj Nagar).

(Transferor)

(2) Sri V. N. Many S/o Late Nagalingempillai, Smt. M. Kalavady W/o V. N. Many, Both residing at South Africa, No. 69, Villow Drive Portkel, 1, Nehru Nagar, Villa Iegam, Pandicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period on 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the case ammovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offic I Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land: Hadura Kamaraj Nagar, Saram Oulgaret Commune, Pondicherry.
Ozbukarai/Doc. No. 1345/85

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-60006

Date: 11-2-1986

Scel:

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Islamic Centre No. 4, Madhar Sahib Street, R. N. Palayam, Vellore, North Arcot Dist.

(Transferce)

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II. MADRAS

. Madras-600006, the 11th February 1986

Ref. No. 5/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

MRS. M. SAMUEL, string the Competent Authority under Section 269B of the inconnectal Act, 1961 (43 of 1961) the attacker inferred to as the 'said Act'), have reason to be seve that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 111-B. Geome Read, Mr. 5-6. R.C. Flo. 43/4 (Part) (and more lefty described in the chiralitie annested hereto), as better the exceeding in the Office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 293/85 on June, 196
for an apparent consideration which is less than the fair

on June, 1988 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of hie transferor to pay tax under the said Act, in resped of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

No. 1, First Link Road, CIT Colony,

(1) Sri M. Thirunavukkarasu.

Mylapore, Madras-4.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat: (III floor) Door No. 111-B, Greams Road, Madras-6. Thousandlights/Doc. No. 293/85

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600006

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-soction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:

Date: 11-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-SIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 11th February 1986

Rof. No. 119/June 85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 34, Venkatarama Ayar Street, T. Nagar situated at Madras-17

(and more fully described in the Schedule ansexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

T. Nagar/Doc. No. 644/85

on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. R. R. Govindammal, No. 37, Venkatarama Ayar Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri C. A. Balee No: 6, Burkit Road, T. Nagar, Madras-17. Sri N. Ravindran, No. 11A, Soundararajan Street, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daysfrom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereinas are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Vacant Land: No. 34, Venkatarama Ayar Street, T. Nagar. Madras-17.
T. Nagar/Doc. No. 644/85

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600006

Date: 11-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/6-85/935.--Whereas, I, SUNIL CHOPRÁ,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 31, A.G.C.A. Co-op. House Bldg. Society Ltd. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. R-III at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

83-516GI/85

(1) P. P. S. Kohli, 90/18, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kusum Aggarwal and Smt. J. Aggarwal, r/o A-7, East of Kailash, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 31, AGCR Co-op. House Bldg. Society Ltd., now known as AGCR Colony, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 7-2-1986

### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/6-85/937.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

bave reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 103, Yusaf Sarai situated at New Delhi (and more folly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. R-III at New Delhi in lune, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the aid Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Skipper Towers (P) Ltd., 22, Barakhamba Road, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mr. Sanjay Bansal, s/o Shri S. P. Bansal, B-15, Greater Kailash-1, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 103, Plot No. 12 at Yusaf Sarai, New Delhi, Area 390 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 7-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

#### GOVERNMENT OF INDIA

## INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37f/E/6-85/936.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 102, Yusaf Sarai situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. R-HI at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afodesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evanton of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby unittate proceedings for the acquisition of the aforceald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Skipper Towers (P) Ltd., 22, Borakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Sanjay Bansal, s/o Shri S. P. Bansal, B-15, Greater Kailash-1, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the andersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Plat No. 102, Plot No. 12 at Yusaf Sarai, New Delhi. Area 39A0 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 7-2-1986

M/s Skipper Towers (P) Ltd., 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Sanjay Bansal, s/o Shri S. P. Bansal, B-15, Greater Kailash-1, New **De**lhi.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/6-85/942,—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding caceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 504, Yusaf Saraï situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Oflice of the I.A.C. Acq. R-III at New Delhi in June, 1985 for an annarety consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor property as therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income urising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 504, Plot No. 12 at Yusaf Sarai, New Delhi. Area 492 sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s Skipper Towers (P) Ltd., 22, Berakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Sanjay Bansal, s/o Shri S. P. Bansal, B-15, Greater Kailash-1, New Delhi.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/6-85/938.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 301, at Yusaf Sarai situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961)
in the Office of the I.A.C. Acq. R-III
at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-(ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 201, Plot No. 12 at Yusaf Sarai, New Delhi, Area of flat 470 sq. ft.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 7-2-1986

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/6-85/939. -Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 204, Yusaf Sarai, situtaed at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. R-III

at New Delhi in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have meason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, end/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any asoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfers: for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :--

(1) M/s Skipper Towers (P) Ltd. 2. Barakhamba Road, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mr. Sanjay Bansal,s/o Shri S. P. Bansal,B-15, Greater Kailash-1, New Delhi.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unsersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period w 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Rlat No. 204, Plot No. 12 at Yusaf Sarai, New Delhi. Area 522 Sq. ft.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomt-tax, Acquisition Range-III, Aggarwal House 4/14-Λ, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 7-2-1986

FORM FINS

(1) M/s Skipper Towers (P) Ltd., 22, Barakhamba Roud, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Sanjay Bansal,
 s/o Shri S. P. Bansal,
 B-15, Greater Kailash-1,
 New Delhi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 Or 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONES
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE
4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/6-85/940.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. 401, Yusaf Sarai situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. R-III at New Delhi in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ludian Income-tax Act, 1922 (ii) of 1922) at the said Act or the Wester-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Flot No. 401, Plot No. 12 at Yusaf Sarai, New Delhi. Area of flat 470 sq. ft.

THE SCHEDULE

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 M/s Skipper Towers (P) Ltd., 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Sanjay Bansal, s/o Shri S. P. Bansal, B-15, Greater Kailash-1, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-HI, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/6-85/941.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 407, Yusaf Sarai situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. R-III at New Delhi in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

Fint No. 407, Plot No. 12 at Yusaf Sarai, New Delhi. Area 320 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, i hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref No. DBS/8/85-86.-Whereas, I,

JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing
Land measuring 3 bigha 18 biswas situated at Village Singhpura, Sub Tehsil Dera Bassi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in June, 1985

[April 1985] The said for the state of the said of t

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

84—516GI/85

- (1) Shri Gurcharan Singh, S/o S. Gurbax Singh, R/o V. Singhpura, Sub Tehsil Dera Bassı. (Transferor)
- (2) M/s Haryana Mac Fab (P) Ltd., V. Singhpura, Sub Tehsil Dera Bæsi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 3 bighas 18 biswas at V. Singhpura, Sub Tehsil Dera Bassi. (The property as mentioned in the sale deed No. 735 of June, 1985 of the Registering Authority, Dera Bassi.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhisma

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. CHD/50/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'sa.d Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 3310, situated at Sector 35D, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. numely:—

- (1) Shri Guru Datta Sharma, s/o Shri Ihanda Ram Sharma, H. No. 80 R. A. Bazar, Ambala Cantt., through his general power of attorney Shri Ashok Kumar Bansal, s/o Shri B. I. Bansal, Managing Director of Model Builders (P) Ltd., r/o H. No. 17, Sector 10-A, Chandigarh. (Transferor)
- Shri Tarlochan Singh, s/o S. Prabh Dayal Singh and Smt. Ravinder Kaur, w/o S. Tarlochan Singh, r/o H. No. 126A Sector 30, Chandigarh, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insucovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 3310 Sector 35D, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 254 of June, 1985 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

!3nte : 10-2-1986 Sant :

### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. CHD/52/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
House No. 322 situated at Sector 35A, Chandigarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Chandigath in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteer per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-try Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Malvinder Saran Kaur,
1D/o Shri Balasaran Singh Toor,
House No. 322, Sector 35A, Chandigarh,
(Transferor)

(2 Smt. Ncena Verma,
w/o Shri P. K. Verma and
Shri P. K. Verma,
s/o Shri Madan Gopal,
r/o H. No. 508, Sector 10, D, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publiention of this notice in the Official Genetic.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 322, Sector 35A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 265 of June, 1985 of the Registering Authority Chandigarh.

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiama

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date: 10-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. CHD/57/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (mereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House No. 58, situated at Sector 33A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer. 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferors and transferees has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Smt. Savitri Gupta w/o Late Shri P. C. Gupta, Shri Krishan Kumar Gupta, s/o Late Shri P. C. Gupta, w/o Late Shri P. C. Gupta, w/o Late Shri P. C. Gupta, H. No. 3237, Sector 27D, Chandigarh. Shri Ajay Kumar Gupta s/o Late Shri P. C. Gupta, through his general attorney Smt, Savitri Gupta, w/o Late Shri P. C. Gupta, H. No. 3237, Sector 27D, Chandigarh. H. No. 3237, Sector 27D, Chandigarh.
Shri Ashok Kumar Gupta s/o Late Sh. P. C. Gupta,
H. No. 3237, Sector 27D, Chandigarh.
Miss Ranjan Gupta D/o Late Shri P. C. Gupta,
through her attorney Shri Ashok Kumar Gupta,
s/o Late Shri P. C. Gupta,
H. No. 3237, Sector 27D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Sarb Dial Singh, s/o Late S. Shamsher Singh, for self and as father and natural Guardian of Master Prabhjeet Singh Minor, s/o Shri Sarb Dial Singh, r/o H. No. 39, Sector 2A, Chandigarh.

(Transferee) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as dvon in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 58, Sector 33A. Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 297 of June 1985, of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. CHD/58/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 814, situated at Sector 18A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stand in the said imtruseent ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

 S. Ganga Singh S/o S. Shanker Singh, r/o H. No. 556, Sector 11, Chandigarh, through his special attorney Smt. Resham Rani, w/o S. Ganga Singh, r/o H. No. 556 Sector J1, Chandigarh. (Transferor)

(2) S. Balbir Singh and S. Gurbax Singh, ss/o S. Sawaran Singh, r/o B-2-58, Naraina, Industrial Area Phase I, New Delhi-28, through S. N. Sawaran Singh, s/o S. Puran Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deemed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

House No. 184 Sector 18A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale ded No. 298 of June, 1985, of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsectior (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10-2-1986

#### FORM ITNS-

(1) Col. Gurdev Singh, s/o Late Shri Sohan Singh Pannu, r/o H. No. 529, Model Town, Jalandhar, Puniab.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAN'I COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. CHD/59/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 1010, situated at Sector 36C. Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Chandigarh in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer. andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Col. Birinder Srigh Chimni, s/o Lute Major General B. S. Chimni, Karta of HUF consisting of Col. Birinder Singh Chimni, Smt. Swaranjeet Chimni, w/o Col Birinder Singh Chimni, Shri Vikramjeet Singh Chimni, s/o Col, Birinder Singh Chimni, through Col, Birinder Singh Chimni, as Karta of HUF, and all r/o C-595, Defence Colony, New Delhi.

(Transferce '

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of -45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of seties oil the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used breein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 1010, Sector 36C, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 300 of June 1985, of the Registering Authority Chandigorh.)

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

New, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. CHD/66/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 336, situated at Industrial Area Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in tune, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacouse arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or which moneys or other masers which have not been at which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following period namely:—

- (1) Smt. Gian Kaur W/o Shri Sujan Singh, Shri Kanwaljit Singh, Shri Jagpjit Singh, Shri Gurcharan Singh and Shri Manohar Singh, ss/o Shri Sujan Singh, all 1/0 H. No. 1396 Sector 228, Chandigarh. (Tarnsferor)
- (2) Smt. Neelam Rani w/o Shri Subhash Chand, r/o H. No. 1110, Sector 18-C, Chandigarh.

(Transferee)

(3) M/s Maha Laxmi Industrial Corpn., Plot No. 336 Industrial Area, Chandigarh.

(Persons in occupation of the property.)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Plot No. 336, Industrial Area, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 329 of June 1985, of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhierna

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, I.UDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. CHD/71/85-86.—Where, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 270 situated at Sector 35A, Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Brig. Yog Raj Bahly (Retd.), s/o Shri Durga Prashad Bahl, r/o B-36, Vishal Enclave (Rajouri Garden), New Delhi, through his general attorney Mrs. Shankri Devi, w/o Chaudhry Rattan Singh, r/o II. No. 1252, Sector 43B, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Chaudhry Rattan Singh, s/o Shri Roora Ram, r/o H. No. 1252, Sector 43B, Chandigarh, now at H. No. 270 Sector 35A, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 270 Sector 35A, Chandigarh. (The property as mentioned in the sale deed No. 354 of June 1985 of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGII
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-2-1986

(Transferor)

<del>nere de la companya del la companya de la companya</del>

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANCE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. CHD/72/85-86. --Whereas, f, JOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100.000/- and bearing House No. 1023 situated at Sector 19B. Chandigarh (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoregist property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said. Act, in respect of any income arising from the transfer, and limit
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the approxes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely that

(1) Shri Manmohan Krishan Sood
r/o Late Shri Bhagwan Chand Sood,
r/o 565 Sector 18B, Chandigarh.
Shri Madan Lal Sood,
s/o Late Shri Bhagwan Chand Sood,
r/o H. No. 150, Model Town, Panipat,
Distt. Karnal,
through General Attorney,
Shri Manmohan Krishan Sood,
Smt. Kailash Sood,
d'o Late Shri Bhagwan Chand Sood,
r/o 51, Man Singh Wala, Dehra Dun,
through General Attorney,
Shri Manmohan Krishan Sood,
Smt. Santosh Sood,
d/o Shri Bhagwan Chand Sood,
Head mistreess, Govt. Girls Basic High School,
Naura Teh. Nawanshehar Distt. Jalandhar,
through General Attorney,
Shri Manmohan Krishan Sood,

(2) Shri Roshan I al Mittal,
s/o Shri Panna I al,
r/o SCF No. 13, Sector 19C, Chandigarh.
Shri Ravi Garg,
s/o Shri Ram Nath,
r/o SCF No. 13, Sector 19C, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immersable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 1023 Sector 19B, Chandigarh. (The property 23 mentioned in the sale deed No. 356 of June 1985, of the Registering Authority Chandigarh.)

JOGINDER SINGU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Col. Sucha Singh S/o Sh. Arjan Singh, R/o 2562 Sector 35C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) M/s Gold Kee Farms VIII, Sohana Teh. Kharar, Distt. Ropar.

(Tranferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. KHR/14/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 8 Kanals situated at Vill. Sohana Teh. Kharar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kharar in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aftereast persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pathlington of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 8 Kanale at Vill. Sohana Teh. Kharar Distr. Roper.

(The property as mentioned in the sale dccd No. 1718 of June 1985 of the Registering Authority Kharar.)

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 10-2-1986

· -. ::- <u>- -----</u>

#### FORM ITNO-

## NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF THEMA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. SOL/5/85-86.-Whereus, I, IOGINDER SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinetter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the termovable property, having a fair market value consider Rs. 1,00,000/- and bearing 1 and measuring 435 sq. m. along with old 3 Storey building, 1 and kh. No. 78/1 and 70/1, situated at Lower Bazar, Solan

Solan

(and more fully described in the Schodule annexed herete) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Solan in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have recom to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly assted in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. respect of any income arising from and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been us which ought to be disclosed by the transferon for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wooldstex Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Himmat Singh (Son) Gobinder Kaur (wife) Amrit Kaur and Manoranjan Kaur (daughters) of S. Gurbax Singh S/o Sh. Gajan Singh and Smt. Sham Kaur W/o Gajan Singh, R/o 14-Civil Lines Patiala, Punjab.

(Transferor)

(2) Sh. Jashpal Rai S/o Sh. Jagat Ram, Smt. Darshana Kumari Rai W/o Sh. Jashpal Rai R/o Solan near P.O. Solan, H.P.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given by that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 435 sq. m. alongwith old 3 Storey building Land Kh. No. 78/1 and 70/1, Lower Bazar, Solan.

(The property as mentioned in the sale deed No. 332 of June, 1985 of the Registering Authority Solan,

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nation under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dete : 10-2-1986

Soal :

#### FORM I.T.N.S .---

المراجعة الم

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ret. No. SOL/6, 85-86,-Whereas, I. JOGINDER SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Land measuring 5B, 8B situated at Vill. Shamti Teh. & Disti.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Solan in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Indome-tax Act, 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Woultb-tax Act, 1957 (27 of 1967);

(1) Smt. Ram Devi Wd/o Sh. Ram Rattan, R/o Sirinagar, Pargana Bharauli Khurd. Teh. Kandaghat, Distt. Solan, H.P. through her General Attorney Sh. Kanti Sarup Mebta SJ o Sh. Padam Singh, R/o Sirinagar, Tch. Kandaghat, Dist. Solan, H.P.

(Transferor)

(2) Farm Scientists Housing Co-operative Society Ltd., Nanni Teh. & Distt. Solan H.P. through Dr. J. R. Thakur its President.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a region of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. winouever period expires liver;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the point cation of this notice in the Official Gazette.

itarkamation:—The terms and expressions used herein as are defined is Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2 bighas 8 Biswas at Vill Shamti Teh, & Dist. Solan,

(The property as mentioned in the sale deed No. 333 of June, 1985, of the Registering Authority Solan.)

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Scal:

Date: 10-2-1986

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said set, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

COMMUNICATION TO THE ALL COMMUNICATION CONTRACTOR OF THE SECOND COMMUNICATION CONTRACTOR OF THE SECOND CONTRACTOR OF THE

#### FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT 1961 (43 Or 1961)

BERT MERITATEUR - 2 MARCH 2 LINE PROPERTY LINE AND A TORK WILL A DISCUSSION OF THE PROPERTY LINE AND A CONTRACTOR OF THE PROPERTY LINE AND A CONTR

#### JOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE CENTRAL REVEAUL BUILDING LUDHIANA

Ludhiand, the 10th February 1986

Ref. No. LDf:/249/85-80.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant commissioner of Income-tax requisition Range, Ludhiana, Using the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1874 (43 of 1961) Incremater referred to as the boid Act.), have reason to octive that the immovable

property, having a rair market value except 3 R. 1,00 0007 - a.d ceating No. 174 share of H. 180, E-20-1495/11 shibited at Sarabbat Algar Hadblana.

statuted at Surabia Angar Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration A.t. 1908 (16 of 1968) in the office of the Registering Officer Luthiena in June 1985.

but no expanse; constitution which is less than the fair market one of the first type one is have reason to better that the fair market type of the property as aforesaid exceeds the appears consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object or the

- (a) facilitating the reduction or system of the liability of the transferor to pay his under the said Act, to respect of any believes a second true the gransfer; and for:
- the declitates the connectment of any income or say mattern of saker senses which have not been at which each to be disclosed by the transfers, for the proposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate presenting for the acquisition of the section of the acquisition of the section of the action of the action of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Tarlochan Kaur W/o Gurdial Singh Dugri Road Model Town, through Shri Hari Krishan s/o Attar Chand, Janta Nagar Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Varsha Kotchar W/o Shri Divinder Kumar, r/o 11-I, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Country.

are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4 share of H. No. B-20-1195/11, Surabha Nagar Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4516 of June 1985 of the Registering Authority Ludhiuna).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

and the first and a second terms of the first

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. CHD/49/85-86.—Whereas, I, 10:31:DER \$3:80H, langueting Assistant Commissioner of Income-ta. Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the hecome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 1,00,000/- and bearing House No. 1026, situated at Sector 37B, Chandigarh,

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), but be a new ferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandigath in June 1985,

the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; mad/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri V. P. Batra s/o Shri Amir Chand Batra, r/o H. No. 131 Sector 23A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Harmohan Singh Chawla, HUF, s/o Shri Sahib Singh r/o H. No. 18, Sector 8-A Chandigarh,

(Transferee)

(3) Shri S. K. Sharma Major Shorie both r/o H. No. 1026, Sector 37B, Chandigarh. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. 1026 Sector 37B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 252 of June, 1985 of the Registering Authority, Chandigarh.

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-2-1986

#### FORM IINS-

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME1AT ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. KHR/16/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rev. 1,00 000/- and bearing No. Kothi No. 252, situated at Phase 4, Mohali Teh. Kharar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kharar in June 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:-

(1) Shri Sangat Singh s/o Shri Gulab Singh r/o H. No. 603, Phase 3-B-1, Mohali Tch. Kharar, as General Attorney Smt. Balwinder Kaur w/o Shri Tarsem Singh r/o H. No. 163 Phase 7, Mohali, Teh. Kharar Distt. Ropar, as General Attorney Shri Rajbahadur Singh s/o Shri Jasbir Inder Singh r/o H. No. 1105 Sector 8, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Jagmohan Singh and Surinder Singh ss/o Shri Gurbachan Singh r/o 252 Phase, 4, Mohali.

. - -- -- -- --

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Orzette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Kothi No. 252, Phase 4, Mohali Teh, Kharar, (The property as mentioned in the sale deed No. 1805 of June 1985 of the Registering Authority Kharar).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-2-1986

## FORM I.I.N.S. (1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1.2 A CT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

JEFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. PTA/6/85-86.—Whereas, I,

JOGINDER SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. H. No. B-2/439/1, Anandpur Satsang Ashram,

Opp. Sant Negar Bhupmder Nagar Road

situated at Patiala.

(and name fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in June 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (x) tacintating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any gioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

 Shri Ram Sarup Dhond s/o Shri Katam Chand Dhand r/o H. No. B-2/439/1, Anand pur Satsang Ashram, Opp. Sant Nagar, Bhupinder Nagar Road, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Avtar Singh s/o Shri Surjan Singh S/Sh. Harminder Singh, Gurnam Singh ss/o Sh. Avtar Singh r/o Vill. Dittpura Jattan Teh. Nabha Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquaisition is the said property may be made in writing to the malarmigns:

- (a) by any of the aforessid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazety, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. B-2/439/1, Anandpur Satsung Arhram, opp. Sant Nagar, Bhupinder Nagar Road Poliala.

(The property as mentioned in the role dead No. 1925 of June 1985 of the Registering Authority Patiala).

JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-2-1986

#### FORM 1.T.N.S.---

## NOTIC ! UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-IAX

#### ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. FTA/4/85-86.—Wheres, I, JOGINDER SINGH, Ins\_ecting Assistant Commissioner of Income-tax a equisition Range, Ludhiana, being the C mpetent Authority under Section 269B of the Income-tax et, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing No. Land measuring 207 Kanal 11 Marla, situated at V. I. Mehadipur Teh, Pa iala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the Office of the Registering Officer at Patial's in In c 1985,

for an appa int consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that he fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per c nt of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in restrict of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any more yes or other assets which have not been or when nought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, there fore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereb initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
86—516GI/85

 S/Shii Krishan Mohan, Roopinder, Virinder and Satish, ss/o Shrii Gopal Chand Advocate, r/o Sanauri Gate, Patiala.
 (Transferor)

(2) S/Shri Lakhbir Singh, Sahib Singh ss/o Shri Dalip Singh, Shri Dalip Singh s/o Shri Fauja Singh r/o Vill. Rasulpur Zoraa Teh, and Disstt. Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land measuring 207 Kanal 11 Marla at Vill. Mehdipur Teh. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed Mo. 1826 of June 1985 of the Pege tering Authority Patiala).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE CENTREMING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. PTA/5/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGII, in a cing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisi in Range, I uditiona, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (4s of 1961) (hereinalter referred to as the said Art), have remon to minese that the immovable plope to having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and blance No. No. Land manufacting 64 kinals, situated at vill. Marked up Tch. Patiala.

(and manufacted of blance for the late analysed hereto), has been transfer ed upder the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Patiala in June 1985, for an appear of complete atom which is less than the fair market value of the afonesed property and I have reason to believe that the fair market value of the afonesed property as aforesaid exceeds the rappear and market value of the fair market value of the fair market value of the said instrument of transfer with object of the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian, Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I herefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:

- (1) S/Shri Krishan Mohan, Roop Inder, Vir Inder Satish 85/0 Late Shri Goval Chand Advocate r/o Sanauri Gate Patiala.

  (Transferor)
- (2) S/Shri Hari Singh, Misra Singh Zona Singh ss/o Shri Rup Singh S/Shri Sulgur ingh, Satpal Singh, Bhartur Singh ss/o Shri Udhey Singh all r/o Vill, Zandi Teh. Distt, Putiala, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation '—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 64 Kanals at Vill. Mchadipur Teh, Padala. (The property as mentioned in the sale deed No. 1864 of June 1985 of the Registering Authority Patiala).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Funge, Ludbiana

Date: 23-1-1986

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. NBH/2/85-86.—Whereas, I,

JOGINDER SINGH, being the Compe ent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value

e ceding Rs. 1,00,000/- and braring No. No. Land measuring 76 Kiznal 18, Marla,

situated at Vill. Alignt Tch. Nabha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfer ed under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in June 1985.

consideration which is less than Per areat the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consuleration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the and instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely .--

- the sect of the first of the section (1) Smt. Lachhmi Devi wd/o and Late S. Surinder Kumar S70 Sb. La Indir Kumar, Vinod Kumar ss/o Shri Wazir Chand r, o Vill. Aligur Tch. Nabha and Kam a Bevi D/o Shri Wazir Chand r/o Vill. Alipur Teh. Nabha througa General Attorney of Shri Surinder Kumar. (Transferor)
  - (2) Shri Piara Singh s/o Shri Nihal Singh and Jagdish Singh, Ajit Singh ss/o Shri Piara Singh Shri Inder Singh s/o Shri Nihal Singh and Gurdial Singh, Sukhdev Singh, Gurmail Singh, Karnail Singh, Hurdev Singh ss/o Shri Inder Singh all r/o Vill, Payal Teh. Khanna, Distt. Ludhiana. (Transferce)
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever persons whichever persons that the respective persons
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Land measuring 76, Kanal 18 Marla at Vill. Alipur Teh. Nabha.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1313 of June 1985 of the Registering Authority Nabha).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Comm'ssioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-2-1986

Soni :

### FORM ITNS———

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

<u>a. Barrania mendaran Induaran dan barrangan barrangan barran barrangan barr</u>

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. PTA/9/85-86.--Whereas, I, JOGINDER SINGH, Insoccting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisi.ion Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land measuring 79K 13M situated at Vill.

Mohadipu: Teh. Patiala,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Patiala in June 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair charket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in report of any locome anding from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moreys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a keneby initiate proceedings for the acquisition of the aforest's property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) S/Shri Krishan Mohan, Rup Inder Sir 3h, Virinder Singh and Satish ss/o Late Sh. Jopal Chand Advocate, r/o Sanauri Gate atiala thr ugh attorney Shri Siri Rum s/o Shri Bhagwan Singh r/o Mohalla Suigran, Patiala.

(Transferor)

(2) S/Shri Gurman Singh, Nek Singh, Bh: an Singh, Amrik Singh ss ≠5 Shri Bakhtawar Sing i R/o Vill, Mohadipur Tch. Patiala and S/Shri Sham Lal, Chandu Ram ss/o Shri Gopal Das; r/o Vill, Lohgarh, Tch. Dhabwali Dist. Sirsa (Harvana).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with: a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 10 days from the service of notice on the respect ve persons, with hever period expires later;
- (b) by any other person interested in the s. d immovable property, within 45 days from the dat of the publication of this notice in the Official ( azette.

EXPLANATION: -The terms and expression u d herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same met ing as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 79K 11M, at Vill. Mohadipu. Teh. Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 2230 of June 1985 of the Registering Authority Patiala).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

in the first terms of the parameter of the second

#### Shri Darshan Singh S/o S. Gurbax Singh V. Singhpura, S. Teh. Dera Bassi,

(Transferor)

(2) M/s Haryana Mac Fab (P) Ltd. Singhpura, S. Tehsil Dera Bassi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

I albiana, the 10th February 1986

Ref. No. DBS/4/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, oeing the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable p operly having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000, - and bearing No. Land measuring 3 bighas 18 biswas situated at V. Singhpura, S. Teh. Dera Bassi, (and more tally described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering Officer at Dera Bassi ir July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen for cent of such apparent consideration and that the considers ion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of:-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
  - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or when ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land measuring 3 bighas 18 biswas at V. Singhpura, Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 733 of June 1985 of the Registering Authority, Dera Bassi).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludbiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following remans, namely:—

Date: 10-2-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludbiana, the 10th February 1986

Ref. No. DBS/7/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiang, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter rejerted to as the said Act) have reason to believe that the immovible able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 18 biswas situated at V. Sanghpura, Sub Tehsil Dera Bassi, (and more fully described in the Schedule annexed here'o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dera Bassi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair mark t value of the oforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration for such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the pertial has not been truly extend in the guide.

between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:---

(1) Shri Pritam Singh s/o S. Narinder Singh R/o Destr Bassi as General Attorney of S/Sh. Mehan Lal, Manohar Lal, Jai Gopal, Madan ss/o Shri Matu Ram R/o V. Mubarakpur, Sub-Tchsil Dera Bassi,

(Transferor)

(2) M/s Haryana Mac Fub (P) Ltd. V. Singhpura, Sub Tehsil Dera Bassi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 cases from the of publication of this hotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazete.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have he same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 18 biswas situated at V. Singhpura, Sub-Tchsil Dera Bassi (The property as mentioned in the sale Bassi).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-2-1986

(1) Shri Ajmer Singh S/o S. Jagdish Singh V. Singhpura, Sub-Tehsil Dera Bassi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Haryana Mac Fub (P) Ltd. V. Singhpura, S. Tchsil Dera Bassi,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. DBS/10/85-86.—Whereus, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land measuring 3 bighas 19 biswas situated at V. Singhpura, S. Teh. Dera Bassi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (76 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aroresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as accorded to beter

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reductio nor evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Land measuring 3 bighas 19 biswas at V. Singhpura, S. Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed No. 732 of June 1985 of the Registering Autho. tv, Dera Bassi).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following serious, samely:—

Date: 10-2-1986

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Shri Gurbax Singh S/o S. Ganda Singh, R/o V. Bhankarpur, Sub Tehtil Dera Lassi. (Transferor)

(2) M/s Haryana Mac Fab (P) Ltd. Singhpura, S. Tehsil Dera Bassi,

(Transfere )

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. DBS/11/85-86.--Whercus, 1, JOGINDER SINGH, Ins. ecting Assistant Commissioner of Income-tax Acut si ich Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), he've reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 14 bighas 4 biswas situated at V. Singhpura, S. Tchsil Deta Bassi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfer ed under the Registration Act, 1908 (16 of 1308) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in June 1985, armirent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have resaon to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) the distance the concentment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tag Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the aid property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days trem the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cozette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 14 bighas 4 biswas at V. Singhpura, Sub-Tehsil Dera Bassi.

(The property as mentioned in the sale deed 140, 731 of June 1985 of the Registering Authority, Dera Bat J).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the audit Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforehald property by the issue of this motion under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fallowing persons, namely :---

Date: 10-2-1986

Seal t

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) M/s Haryana Mac Fab (P) Ltd. V. Singhpura, Sub Tchsil Dera Bassi.

(1) S. Jaswinder Singh S/o S. Gurbax Singh,

V. Singhpura, Sub Tehsil Dera Bassi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. DBS/9/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable as the 'and Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Land measuring 3 bights 19 biswas situated at V. Singhpura, Sub-Tchsil Dera Bassi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dera Bassi in June 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, . whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 87-516GI/85

Land measuring 3 bigha 19 biswas at V. Singhpura, Sub-Tehsil Dera Bassi,

(The property as mentioned in the sale deed No. 734 of June 1985 of the Registering Authority Dera Bassi).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-2-1986

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. LDH/220B/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 6 kanal 154 marlas situated at V. Dheri, Teh. Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Parkash Singh S/o S. Gurmej Singh R/o V. Dheri, Tehsil and Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Baljit Raj Dev Singh S/o Shri Avtar Singh r/o H. No. 2183, Mushtak Ganj, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gadette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 6 kanals 154 marks situated at V. Dheri Teh. & Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale dweed No. 3818 of June 1985 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri Parkash Singh S/o S. Gurmej Singh r/o Vill. Dheri Teh. & Distt, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Anand Dev Singh s/o S. Avtar Singh r/o Vill. 2183 Mustak Ganj Ludhiana.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. LDH/220A/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land measuring 8K 154M situated at Vill. Dheri Tch. & Distt. Ludhiana, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income srising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land measuring 6 Kanal 154 Marla at Vill. Dheri Teh. Ludhiante.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3636 of June, 1985 of the Registering Authority Ludhiana).

JOGINDER SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following perso `namely:—

Date: 10-2-1986

### MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. LDH/222/85-86.—Whereas, I, Rei. No. LDH/222/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land 6 Kanals situated at 154 Marla,

situated at Vill. Dheri Teh. Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Agt, is respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Parkash Singh s/o Shri Gurmej Singh r/o Vill. Dheri Teh. & Dist. Ludhiana.
- (Transferor) (2) Shri Gurdev Singh s/o S. Avtar Singh r/o W.Z.A. 14, Malik Park, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/8 share of land 6 Kanals 151 Marla at Vill. Dheri Teh. and Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4132 of June 1985 of the Registering Authority Ludhiana),

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforeaid property by the issue of his notice under sub-section
1) of Section 269D of the said Act, to the following -reons, namely:-

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri Parkash Singh S/o Shri Gurmej Singh, Vill. Dheri Teh. and Distt, Ludhiana.

1908)

(Transferor)

(2) Sh. Amrit Dev Singh s/o Sh. Avtar Singh W.Z.A-14, Malik Park, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHJANA

Ludhiana, the 10th February 1986

Ref. No. LDH/221/85-86.—Whereas, I, JOGINDER SINGH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. I and 6 Kanals 154 Marla, situated at Vill. Dheri Teh. & Distt. Ludbiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in June 1985, for an appropent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/8 share of Land 6 Kanals 154 Marla at Vill, Dheri, Teh. and Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3919 of June 1985 of the Registering Authority, Ludhiana).

> JOGINDER SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 10-2-1986 Scal:

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely:—

The second secon

#### FORM TINS

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl./6322.—Whereas, I, V. P. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. N-32, situated at Saket Nagar Colony, Extension, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any incomes or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Bhagwandas,
 Jagdish s/o Shri Jhamaklalji Manwani,
 o 34 Maglam Building,
 Indore

(Transferor)

(2) Shri Yeshvardhan s/o Shri Krishna Chopra, r/o 215 Saket Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. N-32, situated at Saket Nagar Colony Extension, Indore. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 7-2-1986

. The Transfer of the Land American

FORM ITNS---

NCTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6323.—Whereas I, V. P. SIRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing House constructed on plot No. 345, situated Saket Nagar, Indore (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer of Indore on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the transfer and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) buit Lujwantibai w/o
bl. i - cyal din alotwanti,
ric ilbana, bl. religar,
liberty.

(Transferor)

(1) S. The are Twylo St. Thomas Navlani, 1/6 IN Vibras Sindicate Colony, India ...

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Odient Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicheve period expires later;
- (b) by any other perion interested in the said immovable properly, within 45 days from the date of the public tion of this notice in the Official Gazette.
- are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that the opter.

#### THE SCHEDULE

House constructed on plot No. 345 situated in Saket Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date : 7-2-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6324.—Whereas I, V. P. SIRIVASTAVA,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 107,

situated at Anoop Nagar Celony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair mark it value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Bharti Ben w/o Shri Ashwani Kumar Joni, r/o 4. Rajmahal Colony, Manik Bagh Road, Indore.

(Transferor)

Shyamsunder s/o Murlidharji Biyani.
 Suresh Kumar s/o Murlidharji Biyani.
 r/o 21/1 North Raj Mohalla,
 Indore.

(Transferce)

Objections, h' any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 107, situated at Anoop Nagar Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 7-2-1986

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th February 1986

Refm No. IAC/Acqn./Bpl./6325.—Whereas I, V. P. SIRIVASTAVA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House constructed on plot No. 33,

situated at Kesherbagh Road, Indira Gandhi Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on June, 1985

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
88—516/85

Smt. Shyamabai wd/o
 Late Shri Shivdayal Sahu,
 Shri Om Prakash s/o
 Late Shri Shivdayal Sahu,
 Indore.
 Both r/o 11, Hemson Colony,
 Indore.

(Transferor)

(2) Shri Rameshchandra Mittal s/o Shri Mishrilalji Mittal, r/o H. No. 21, Udaipura, Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House constructed on plot No. 33, situated at Kesharbagh Road, Indira Gandhi Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of IncomeAcquisition Range
Income Tax Build: g
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 7-2-1986

FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal (M.P.), the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6326.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA,

V. P. SIRIVASIAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and hearing No.

Municipal No. 7 situated at Murai Mohalla, Indore

Municipal No. 7 situated at Murai Mohalla, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the earties has not occup truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion at the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sitabai w/o Shri Chuturbhuj Ji Gupta, R/o 40, Kalali Mohalla, Indore.

(2) Smt. Kamlabai w/o Shri Ghanshyamdasji Gurwani,
 R/o 30, Chandan Bhawan, Chhoti Gwal Toli,
 Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

House bearing municipal No. 7 is situated at Murai Mohalla, Indore. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 7-2-1986

Scal:

#### FORM ITN9-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal (M.P.), the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6331.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 50 situated at Ksheer Sagar Colony, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mehraj Mohammed s/o Shri Taj Mohammed Chowdhery, R/o Dulshah ki-gali, Ujjain,

(Transferor)

(2) Dr. Paraschand Shrimal s/o Shri Ramchandraji Shrimaol, through attorney Shri Ramchand s/o Shri Nthulalji Srimal R/o 16, Mahakal Marg, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House bearing No. 50 situated at Ksheersagar Colony, Ujjain. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal (M.P.), the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6332.—Whereas, I, P. SRIVASTAVA,

P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House No. 1/12660 (Old) No. 98 (New) 1/2 portion situated at Nazar Ali Marg, Ujjain. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeanid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Vithaldas s/o Shri Gordhandas Mahajan, R/o Madhavnagar, Freeganj, Ujjain.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar s/o Chamanlalji, R/o Dashera Maidan, Madhav Nagar, Ujjain. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Half portion of house bearing No. 1/1266 (Old) No. 98 (New) is situated at Nazar Ali Marg, Ujjain. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SIRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 6-2-1986

#### (1) Smt. Radhabai w/o Shri Rajendrakumar, R/o Juna Pitha, Main Road, Indore.

(Transferor)

#### NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Om Prakash s/o Nandkishoreji, R/o 109, M. T. Cloth Market, Indore. (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bhopal (M.P.), the 7th February 1986

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. IΛC/Acqn./Bpl./6327.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA,

v. P. SIRIVASIAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House bearing Municipal No. 43/46 situated at M. T. Cloth Market Index.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Indore on June, 1985

Market, Indore

Indore on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

House bearing Municipal No. 43/46 situated at M. T. Cloth Market, Indore. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. P. SIRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building
Near Central India Flour Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-2-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal (M.P.), the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6328.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Municipal House bearing No. 3/3 situated at Subash Marg, Indoor Dominio Libior.

Indore Darwaja, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hertby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

 Smt. Mariambai d/o Shri Hakimuddain R/o Golamandi Bakhal, Ujjain through attorney Shri Hakimuddain s/o Ibrahim R/o Golamandi Bakhal, Ujjain.

(Transferor)

(2) Smt. Fatmabai w/o Shri Tayabali Bhai and Smt. Zubeda Bai w/o Shri 'Abdeali Bhai R/o Chatri Chowk, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 3/3 situated at Subash Marg, Indore Darwaja, Ujjain. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. P. SIRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 6-2-1986

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal (M.P.), the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6329.--Whereas, I, V. P. SIRIVASŤAVÁ.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,0,000/- and bearing House No. 5 (New) situated at Ghatkarpar Marg (Back side Road), Madhavnagar, Ujjain

(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shvi Mohammed Sharif w/o Shri Nabi Rasool Ansati, R/o Madhavnagar, Ujjain.

(Transferor)

(2) Sint. Tangam Menon w/o Shri Vijya Gopalan Menon, R/o Sakhipura, Ujjain.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 5 (New) situated at Ghatkarpura Marg (Back side Road), Madhavnagar, Ujjain. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SIRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills, Bhopal

Date: 6-2-1986

(1) Shri Om Prakash Agarwal s/o Shri Jamnalalji, R/o 108, Dashera Maidan, Ujjain.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal (M.P.), the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6330.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA,

V. P. SIRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 7 situated at Azad Nagar, Ujjain (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Illiair on lune 1985

Ujjain on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1. Dr. Shabir Hussain s/o Shri Abade Ali;
 2. Smt. Jaya Bano W/o Dr. Shabir Hussain,
 Both R/o D. N. Road, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION :--The shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 7 is situated at Adarsh Nagar, Ujjain. This the immovable property which has been described in F. No. 37-G only verified by the transferec.

> V. P. SIRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Flour Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followim persons namely :-

Date: 6-2-1986

Scal:

NOTIC 3 UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX AC( UISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

B opal (M.P.), the 6th February 1986

Ref No. I .C/Acqn./Bpl./6333.—Whereas, I, V. P. SIRIV. STAVÀ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax / ct, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

no 'se ! Act') have reason to believe that the immovable pro orty, having a fair market value exceeding exceeding, R: 1,00,000/- and bearing Agr. land su /ey No. 127 situated at Village Dalpura, Distt.

Dhar

the base here for the schedule annexed hereto), has been true formed under the Registration  $\Lambda$ ct, 1908 (16 of 1908) in the ffice of the Registering Officer at

Sardatpur on June, 1985

for an appa ent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that he fair market value of the property as aforesaid exceeds he apparent consideration therefor by more than fifteen I r cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in recet of any locome arising from the transfer **and** / or
- (b) facil tating the concealment of any income or any mor ya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, there are, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid projectly by the issue of this notice under sub-section (1) a Section 269D of the said Act, to the following тетчопи nam-ly :---

89---516GI/84

- (1) Shri Bharat Kumar s/o Shri Babulalji, R/o Rajgarh.
- (Transferor) (2) Shri Adinath Rajendra Jain Sewatamber Pedi Chaterbiale Trust Tieth Mohankheda Distt. Dhar through Manager Shri Mangilal s/o Shri Nathaji Mahajan

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

#### THE SCHEDULE

Agr. land having Survey No. 127 situated at village Dalpura, Tehsil Sardarpur. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SJRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Dated: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhopal (M.P.), the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6334,-Whereas, I,

V. P. SIFIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land Survey No. 254 situated at Village Bairagath, Tehsil and Dist. Dewas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dewas on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957),

Nov, therefore, in pursuance of Section 69C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestild property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Mohni Bai w/o Shri Balmukund Khandelwal R/o 118, Jai Prakash Marg, Dewas through attorney Shri Gulab s/o Laxmunarian R/o Chegaon Makan Tehsil Khandwa (presently R/o Dewas).
- (Transferor) (2) Shri Balakdas s/o Shri Kulusingh Kalota R/o Indore (Minor) through Mother Smt. Lilabai w/o Shri Kalusingh R/o Gandhinagar, Sant Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date or publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land having Survey No. 254 situated in village Bairagarh, Tehsil and Distt. Dewas. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. P. SIRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 6-2-1986

Seal

#### FURM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. BHOPAL M.P.

Bhopal, the 6th February 1986

JAC/Acqn./Epl./6335.--Whereas I Ref. No. V. P. SIRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 79B of the Income tax Act, 1981 (43 of 1961) theremafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Land Survey No. 296, situated at Village Bairagarh Tehsil and Distt Dewas. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewns on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Mohnibai w/o Spri Balmukund Khandelwal, r,o 118 Jai Prakash Marg, Dewas.

(Transferor)

(2) Shri Saidas s/o Shri Kalusingh Kalota (Minor) through father Shri Kalusingh s/o Shri Gangaramii. r/o Gandhinagar, Indore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 lays from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (ii) by any other person interested in the said immor able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land survey No. 296, situated at village Bairagarh, Tehsil and Distt. Drwas. This is immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SIRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tex Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 6-2-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THB INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONEROF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 6th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6336.—Whereas I, V. P. SIRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land Survey Nos. 297, 298, 299 and 254, situated at Village Bairagarh, Tehsil and Distt. Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe tha the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not need cruly stated in the said bostiument of transfer with the object of . -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or easy moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Mohnibai w/o Shri Balmukand Khandelwal, r/o Dewas through attorney Shri Gul behand, s/o Laxininarain Khandelwal. r/o Chegaoan, Distt. Khandwa.

(Transferor)

(2) Smt. Lilabai w/o Shri Kalusingh Kalot, r/o Gandhinagar Santmarg 218, Indore.

|Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the aid property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 44 days from the date of publication this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respe live persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the aid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land having survey Nos. 297, 298, 299 and 54, situated in village Bairagarh, Tehsil and District Dewas. his is the immovable property which has been described in No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. P. SIRIVASTAVA Competert Authority Inspecting Assistant Commissioner o Income-tax Acquisition Range Income ax Guilding Near Central India Floor I lills, Bhopal

Date: 6-2-1986

Scal:

(1) Shri Madanlal s/o Chogalalji Gandodiya, r/o Neemuch Cantt. (M.P.).

(Transferor)

(2) Shri Lal Singh s/o Mangusinghji Gaheot, New Bank of India, (Clerk-cum-Cashier), r/o Neemuch Cantt. Presently, resident of Bhilwada (Rajasthan).

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th February 1986

1AC/Acqn./Bpl./6337.—Whereas No.

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6337.—Whereas I, V. P. SIRIV 4STAVA, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000.7- and baring No. House No. 7 on plot No. 21, situated at Newment Canti

situated at Normuch Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Neemuch on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or

House No. 7 on plot No. 21 situated at Necmuch Cantt. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. P. SIRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Philding
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 4-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6338.—Wherens, I, V. P. SIRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding to 1021000/2 and hearing

No. Plot No. 22 stuated at Shankar Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering Officer at Indore in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than faiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- 16: (Scattering the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been enturbated ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westla-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Yakub S/o. Shri Ibrahim Bohra, R5o 495, M.G. Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Arvind S/o. Shri Rajmal Porewal, R/o 42/1, Nihalpura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 22 situated at Shankar Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferse.

V. P. SIRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bhopal

Date : 4-2-1986.

Scal:

#### FORM ITNS----

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th February 1986

Ref. No. 1AC/Acqn./Bpl./6339.--Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVĀ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and being
No. Land Survey No. 2261 situated at Badnagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Badnagar in tune, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Smł. Ka iwki Esi W/o Shii Panelodji, Gangabki W/o. 7 rabaramir, Ganga am S/o. Thri Sawaji Narsingh S/o. Sawaji Mohanlal S/o. N rainji, Kamlabai W/o. Shri Girdhariji.
- (Transferor) (2) Shri Bherulal (2) Shri Ambharam S/o. Shri Mangilal R/o Badnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Odi mil Corretor or a person of 30 days from the South of the first the dispertive persons which various and the dispertive persons
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the came meaning as given ap that i hapter

#### THE SCHEDULE

Land Survey No. 2261 situated in Badnagar. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SIRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bhowa1

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the raid Act to the following persons, namely 1-

Date: 5-2-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl./6340.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to us the said Act.), have teasen to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing

Rs. 1,00.000/- and bearing
No. Plot No. 52-A, situated at Udyog Nagar, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Indore in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Chandraprakash S/o. Gop'kishan (2) D'nesh Kumar S/o Shri Gopalkishan Mahashw .i (3) Babulal S/o. Devkaranji Soni All R/o 55, Shardanand Marg, Indore.

(Transferor)

(2) Anand Kumar Jain & Sons (HUF) karta Shri Anand Jain (2) Ku. Santosh D/o. Kishanlal / en 17 yea s through y. n Kishanlal S/o. Gend dal (3) Ku. Kiran D/o. Shri Kishanlal (4) Ku. Rekita D/o. Shri Kishanlal 14, years through gaurdian Lishanlal All R/o 24/2, Malhar Ganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the understand -

- (a) ov any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication in the Official Gazette or a period of the service of notice on the respect e persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the and immosable property, within 45 days from the Jaie of the publication of this notice in the Official Gezette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 52-A, situated in Udyog Nagar, Indete. This is the immovable property which has been described in F. No.-37-G, duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner o Income-tax
Acquisition Range
Bhopal

Date : 7-2-1986, Scal:

#### FORM ITNS ----

NOTIC | UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-+AY ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6341.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
No. Mumcipal House bearing No. 3/2 situated at Subash
Mang. Ujiain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujiain in June 1985

the fair apparent consideration which is less than the fair the det value of the aforesaid property, and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrum, at of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—90—516GI/85

(1) Smt. Musmat Pizzabai D/o. Shri Hakimuddin Bhai kancawara through attorney Shri Hallimuddin Bhai 570. Shri Haji Ibrahimbhai Kanchuchi, R/o. Golamandi Bakhal, Ujjain.

(Fransieror)

Smt. Fatimabai W/o. Shri Tayabbhai Kanchwala,
 Zubedabai W/o. Shri Abdeali Bhai Kanchwala,
 Both R/o Chatri Chowk,
 Hiigin

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said for shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 3/2 situated at Subash Marg, Ujjain. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bhowal

Date: 7-2-1986.

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6342.—Whereas, 1, V. P. SIRIVASTAVA being the Comprient Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land S. No. 860 situated at Kasba Vidisha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vidisha on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eard Act. In respect of any income arising from the transfers and for

(b) lacditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the same Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Chhotelal S. o. Shri Umraosingh Kushwha, R/o Vidisha.

(Transferor)

(2) Manas Siksha Samitti Vidisha through Secretary Shri Ram Krishna Sharma Szo. Chhoteramji Sharma, Rzo Vidisha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Jays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saw Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land S. No. 860 situated at Kasba Vidisha.

This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bhopal

Date: 4-2-1986.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6343 -- Whereas, I. V. P. SIRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to nicolne-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinater resorted to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Agr. land Survey No. 784/5 situated at Indore

tand more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair mark a value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Champalal S/o. Shri Hiralalji Lodha, R/o Mhow Distt. Indore.

(Transferor)

(2) M/s. Bajab Tempo Ltd. Akradi Poona (M.S.) A-Public Ltd. Company through Project Director Shri K. D. Balal, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Acshall have the sume meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agr. land having survey No. 784/5 situated at Mhow Canit, This is the immovable property which has been described in F. No.37-G, duly verified by the transferce.

> V. P. SIRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range Bhop 1

Date: 5-2-1986.

### ROTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE DROTHER AND ACT, 1761 (4) OF 1961)

HOVERNMEN OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th February 1986

Ref. No. 1AC/Acqn./Bpl./6344.—Whereas, 1, V. P. SIRIVASTAVA

Sting the Competent Authority under Section 269B of the moome tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

No. House No. 115 situated at Ram Nagar Ward No. 17,

Vidisba

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Valisha in June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforested a tests the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patters has not been truly stated in the said instrument of course, with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

moneys or other assets which have not been of which haght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-ta-Act, 195) (27 of 1957);

 Shri Anam Singb (2) Diwansingh S/o. Shri Raghunathsingh R/o Sankal Kheda, Distt. Vidisha.

(Transferor)

(2) Shri Vishnukumar S/o. Shri Hirasingh Thakur, R/o Ramnagar, Vidisha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pulm cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 115 situated in Ramnagar Ward No. 17, Vidisha. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 1, 1, 1 hearth initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 4-2-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6345.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred a at the haid Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1 to 0002 and bearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. House o'or ted at Village Godarpura, Onkareshwer (and indeed and y described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khandwa in June, 1985

for an appearant consideration which is less than the fair which aforesaid property and I have reason to the fair market value of the property as aforesaid executs the apparent consideration therefor by more than the constraint of such apparent consideration and that the constraint of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- the maintaining the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in assessed of any income arising from the transfer; and or
- (2) had seeing the concealment of any income or any morecyst or other assets which have not been or main ought to be disclosed by the transferse for a purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 A of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (2), 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in sursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons pamely:

 Shri Manoharlal S/o. Ramnath Chokse Jaiswal, R/o Onkareshwer, Teh. Khandwa.

(Transferor)

(2) Shri Mayaram S/o. Shri Manglu, (2) Asharam S/o Dashrath, (3) Mansha am S/o. Bianglu, (4) Shivram S/o. Manglu, (5) Atmaram S/o. Kanhiya, (6) Mojilal S/o. Manglal, (7) Ratan S/o. Murarji, (8) Laxman S/o. Devchand, (9) Motiramji S/o. Manglal, (10) Devaji S/o. Kanwarji, (11) Kashiram S/o. Murar No. 1.2.3.4. chirwa No. 5, Nalva No. 6 Anjangaon, No. 7.8.9. and 11, Bhagwanpura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons where the circle of 45 days from the date of publication of this rectice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

House situated in Godarpura, Onkareshwer, Teh. Khandwa. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G, duly verified by the transferees.

V. P. SIRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Bhopal

Date: 5-2-1986.

\_ \_ <del>\_\_\_\_</del> : \_\_<del>\_\_\_</del>\_\_

#### FORM LT.N.S.--

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th February 1986

Ref. No. IAC Acqn./Bpl./6346.—Whoteas, 1, V. P. SIRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Inconce-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property laying a fair market value exceeding Rs. 1,00 000 /- and bearing

No. House constructed on plot No. 56-C situated at

Karanichau Colony, Dewas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Drivas in Inn., 1985 Ite, an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid electeds the apparent non-idenation therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the afortistid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the odd Act, to the followіве оствора, рашен :--

(1) Shii Govind Kumar S/o. Shii Chaganlal Soni, R/o 85, Karamchari Colony, Dewas, 2. Sabistan Khan S/o. Shri Abdul Rehman Khan, Rzo Chudi Bakhal, Dewas.

(Transferor)

(2) Shri Rajendia Kumar S/o. Shri Babulal Sharma, R/o 68, Lala Lajpatrai Murg, Dewas.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House constructed on plot No. 56-C situated at Karamchari

Colony, Dewas.

This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G, duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bhopal

Date: 5-2-1986.

THE CONTRACTOR OF THE CONTRACT

PORM HINS-----

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Mannakanna Chap d S/o. Shi Babulaiji Chaped, R o 4/8, Vithleshraj Market, M. T. Cloth Market, Indore.

(2) Shr. Kahendra Kumar Joshi Szo. Shri Subashchandraji Joshi, Rzo Chandrabhaga June, Indore 16/1, Indore.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6347.—Whereas, 1, V. P. SIRIVASTAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. House constructed on plot No. 14 situated at Mun Palace

Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore in June 1985

PART III—SEC. 1]

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as if, resaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this natice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aci, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House constructed on plot No. 14, situated in Mun Palace Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G, duly verified by the transferce.

V. P. SIRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Bhopat

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 5-2-1986.

NOTICE UNDER SUCTION 269D(1) OF THE INCOMETY'S ACT, 1961 (13 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Babulal Rakılal Agarwal, R/o 103, Vijya Road, Dewas.

(Lausteror)

(2) Shri Om Prakash S/o Shri Ramchandra R/o 103, Vijya Road, Dewas.

(Transferee)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE. BHOPAL M.P.

Bhornl, the 4th January 1986

Ref. No.  $1\Delta C/Acgn./Bpl/6348$ .—Whereas, I. V. P. SIRIVASTAVA.

being th. Competent Authority under Section 269B of the bacter. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,06,000/- and bearing

Part of House No. 103 situated at Vijya Road, Dewas (and not fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dewas on June, 1985

beway on state. 1903 for an apparent consideration which is less than the fair market the of the aforesaid property and I have reason to believe that the term market value of the property as afore-said excess is the apparent consideration therefor by more than the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end/or

freilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 is at 1922 or the said Act, or the Wealth-tay Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immore able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

BAPLANATION: -The terms and expressions used beleft of are defined in Chapter NYA of the rais Act, shall have the same meaning as given hanter.

#### THE SCHEDULE

Part of House No. 103 situated in Vijya Road, Dewas. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G only verified by the transferee.

> V. P. SIRIVASTAVA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Income-tax Building Near Central India Flour Mills Bhopal

Now, therefore, in the subsect of Section 269C of the same field the restriction of the uforesaid property by the issue of this notice under subvoction (1) of Section 2691) of the said Act, to the following r roas, namely :--

Date: 4-2-1986

R/o 80, Ancop Nagar Indore.

(Tarnsferor)

## NOTICE INDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **JOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CON MISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Phopal, the 4th January 1986

Ref. No. AR II/37EE/21757/85-86.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- r d bearing House bearing I funicipal No. 1301

situated at Bha rathpura, Indore (and more full described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on June, 1985

ter an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that, fifteen per ent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not een truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tansferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which cight to be disclosed by the transfere for the pure ses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1987 (27 of 1937);

(1) Shri Rahul Kumar S/o Haqiqatrai Agarwal

(2) M/s. Mahesh Bindings Wire (Pvt.) Itd., Through Managing Director Shri Om Prakash S/o Shri Radhakishan Dhut, R/o 207, Usha Nagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House bearing Municipal No. 1301 situated is Bhagirath-

pura, Indore. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferce.

V. P. SIRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Income-tax Euilding Near Central India Flour Mills Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in late proceedings for the acquisition of the aforesaid propert by the issue of this notice under so section (1). Se tion (691) of the said Act, to the following -rome namely: .-91---516GI/85

Date: 11-21986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

the size description of the control of the control

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUITITION PANGE, EHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1986

Ref. No. In C/Acas./Bol./6350.—Whereas. I, V. P. SIRIVE STAVA, being the Computer Authority under Section 269B of the languages. In the computer is a compact of the computer selection as the food A till, have no units belt we that the Immovable property, have no and a remodel velocity that the Immovable property, have no and a remodel velocity accepting Rs. 1.00 Delta in the wind a Thirden Negar, Indone (and more forly denoted I in the first dule amount hardto), has been the first of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the effect of the Registration Content at Indone on June, 1908.

Indere on June, 1985 for an apparent of collination which is less than the fair native value to the fair and the property and the reason to be teve that the fair and the property as aforesail exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cee, of the hyperope consideration and that the consideration for such transfer to large to between the parties has recommended in the chief of the manufer with the object of:-

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in secret to of an encome arising from the transfero and/or
- (b) fact, ning the concentrate of any moome or any monorms or other assets which have not been of which one or the Westerns by the transferee for the nurpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 f 1977) or in sar Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby militate proceedings for the acquisition of the aforestand property by the near of this notice under subsection (1) c? Section 269D of the seid Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Prakash Chandra S/o Shri Ganratilal Verma Through attorney Shri Ganpatilal Verma R/o 23, Rajesh Nagar, Indore.

(Tarnsfecor)

(2) Shri Hitendra S/o Khomji Daria, R/o 21, Prince Yeshwant Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Conzette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

THE SCHEDULE

House No. 23 situated in Rejesh Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferes.

> V. P. SIRIVASTAVA Competent Authority \* Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Income-tax Puilding Near Central India Flour Mills Bhopal

Date : 11-21986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./31'./6351.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 1.98 of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding its. 1,00,000/- and bearing

Agricultural land Survey No. 784/5 situated at Mhow Cantt, Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the chice of the Registering Officer at Indore on June, 1985

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between ac parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the outrooses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores; id property by the issue of this notice under subsection. (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Champalal
 S/o Shri Hiralal Lodha,
 R/o Mhow Teh, Mhow Distt,
 Indore.

(Transferor)

(2) M/s. Kinetic Honda Motor Ltd., 7/1 New Palasia, Indore Through roject Director Shri K. D. Ballal, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of this notice in the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Others Gazatte

EXPLANATION:— The terms and expressions on a real state defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Agricultural land having Survey No. 784/5 situated in Mhow Cantt. This is the immoveble property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA
Competert Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Income-tax Building
Near Central India Flour Mills
Bhopal

Date: 11-21986 Seal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6352.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the knownertax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsdier referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,900/- and bearing

Old Gand land H. No. 1881, 1882 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfe red under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Offi er at situated at Koala Chakhal, Mhow, Distt. Indore Indore on June, 1985

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andior
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the asis Act to the following persons, namely :-

(1) 1, Shri Mishrilal S/o Snri Moniai 1031 Chota Bazar, Mhow. 2. Shri Nandlal S/o Shri Mishrilal 1031 Chota Bazar, Mhow. 3. Shri Bhagwandas S/o Shri Mishrilal R/o 6, Janki Nagar, Indore. 4. Shri Devikishan S/o Snri Mishtilat R/o 10, Samand Nagar, Indore. 5. Shri Mohanlal S/o Shri Mishrilal 1031 Chota Bazar, Mhow,

(Transferor)

(2) 1. Smt. Shanibal W/o Shri Ram Chandra 2. Shri Mohanlal S/o Shri Ramchandra 3. Shri Murlidhar S/o Shri Ramchandra 4. Shri rem Chand S/o Snri Ramchandra All R/o H. No. 1881, 82 Koala Bhakal, Mhow Distt. Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons wit in a period of 43 days from the date of publicatio of this notice in the Official Gazette or a period o 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Old Grand Land bearing II, No. 1881, 1882 situated at Kotla Bhakbal, Mhow. This is the immedable property which has been described in F. No. 37-G duly erified by the transferees.

> V. P. SIRIVASTAVA Comp. tent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Income-tax Building Near Central India Flour Mills Bhopal

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1941)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1986

Ref. No. IAC/Ackn./Bpl/6353.—Whereas, I, V. P. SIP IVASTAVA,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'saic Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.  $1.00.0 \cdot 0.07$  and bearing No.

Plot No. 12 Block No. V situated at Industrial Ward, Dhamtari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dhamtari on June, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than witeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of number with the object of :-

- (a) freilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Ac# 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the salu Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. S/Shri Kesarlal, Bharatlal Lakhanlal Sons of Shri Panchamlal Shri Nanakram S/o Shri Chandulal and 3. S/Shri Makhanlal & Ramkrishana Sons of Shri Foolchand, All R/o Kareli, Tehsil Dhamtari.

(Transferor)

(2) Shri Hariram Mahawar S/o Shri Giarsiram Mahawar R/o Dhamtari Distt. Raipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning on given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 12, Block No. V is situated in Industrial Ward, Dhamtari. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SIRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Income-tax Building Near Central India Flour Mills Bhopal

Date: 11-2-1986

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl/6354.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 260B of the Income-ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing House bearing Munic pal No. 3/1 situated at Su'ush Mung, Ujjain

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of, such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said assument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sast Ast 22 in a constant Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the raid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Km. Salambai D/o Shri Hakimuddin R/o Golamandi Bakhal. Through attorney Shri Hakimuddin S/o Haji Ibrahimji Kanchwala, R/o Golamandi Bakhal, Ujjain.

(Transferor)

 1. Smt. Musmat Fatimabal W/o Shri Tayabbhai Kanchwala,
 2. Smt. Musmat Zubedabai
 W/o Shri Abdeali Bhai Kanchwala,
 Both R/o Chatri Chowk,
 Ujjain,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whenever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Hous: bearing Municipal No. 3/1 situated at Subash Marg, Uj'ain. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SIRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Income-tax Building
Near Central India Flour Mills
Bhopal

Date: 4-2-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHC-AL M.P.

Bhopal, the 11th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl./6355.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immiovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 8 situated at Jal Bihar Colony, Telibanda, Raipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on June, 1985

bhopat on June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri T. S. Devangan, R/o Mobin Mansion, J. E. Road, Raipur,

CONTRACTOR OF THE STATE OF THE

(Transferor)

(2) Smt. Uma Devi Thakkar W/o Shii Hiralal Thakkar, R/o Budhapara, Raipur,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 8 situated in Jal Bihar Colony, Telibanda, Raipur. This is the immoable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferce.

V. P. SIRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income-tax Building
Near Central India Floor Mills
Bhopal

Date: 11-2-1986

Soul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1986

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6356.—Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable prope ty having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. tPlot No. 63 situated at C-Sector Inerpuri, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the lamb of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sunderdas, Samtani
 S/o Shri Dayaldas,
 R/o 40, Betwa Apartments,
 Bhopal.

(Transferor)

(2) M/s. Siscon Consultant, Bhopal Through Partner
Smt. Santosh Chhokar
W/o Shi G. N. Chhokar
D/o Shri Pyarelal,
R/o E-2/100 Anna Colony,
Bhopal.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 tays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the due of the publication of the notice in the Official Cazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 63 situated in C-Sector Inderpuri, Bhopal. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transeree.

V. P. SIRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income-tax Building
Near Central India Flour Mills
Bhopal

Date : 11-2-1986 Seal :

#### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### Shri Rajecv Khurana S/o Shri R. L. Khurana, R/o H.I.G. 138 E-Arera Colony, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar Datta S/o Shri Shri Ram Dutta, R/o 45 Rajdev Colony, Baresia Road, Bhonal.

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6357.-Whereas, I, V. P. SIRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 2 situated at Lala Lajpatrai Colony, Raisen Road,

Bhonal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair nor an apparent consideration when is less than the land market value of the aforesaid property and I have reases to believe that the fair market value of the property as affectable acceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the saids has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act. respect of any income arising from the

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- by any other person interested in the anid immovable property, within 45 days from the (b) by any date of the publications of this notice in Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 2 situated in Lala Lajpatrai Colony, Raisen Foad, Bhopal. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SIRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income-tax Building

> Near Central India Flour Mills Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

92-516GL/85

and/or

Date: 11-2-1986

Seal:

transfer:

#### FORM LT.N.S. ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6358.—Whereas I, V. P. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/-and bearing

and bearing Land Khasra No. 10/2,

Land Knasra No. 10/2, situated at Village Fatchpur, 7ch. Hugur. Distt. Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the income andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have roll been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometar Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-for Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt Musmat Ku. Parveen Jehan d/o Shri Shafi Ullah Sahib, r/o Village Fatchpur, Teh. Huzur, Distt. Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Syed Ahmed Khan s/o Shri A. Gaffar Khan Sahib, r/o Village Nariyal Kheda, Distt. Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property new be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Fix) ASATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land having khasra No. 30/2 situated in Village Fatehpur Distt. Bhopal. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Flor Mills Bhoral

Now, therefore, in pursuance of Section 16 to the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the follow-

Date: 11-2-1986

#### FORM ITNA-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri 7 ara Singh s/o Gurudev Singh, r/o 20, Idgah Hills, Bhopal.

(2) Sari Ramswroop Shrivastava s/o Krishao Gopal Shrivastava r/o 1/311-1100 Quarters, Bhopal. (Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1986

Ref. No. 1AC/Acqn/Bpl./6359.—Whereas I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House constructed on plot No. 233 situated at A-Sector Shahpura, Bhopal (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on June, 1985

Bhopai on June, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the ap arent consideration therefor by more man fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the fability of the transferor to pay tax under the arid Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Here, therefore, in pursuance of Section 249°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said frameworth property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Capatia.

EXPLANATION: -- Ine terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aot shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House constructed on plot No. 233, situated in A-Sector Shahpara, Bhopat. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Flour Mills.

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Smt. Laxmibai Gaur w/o Shri Vishwanath Singh Gaur, r/o 645 Gada, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Hardyanarain Tiwari s/o Shri Rambhadra Tiwari, r/o Dixitpura, Jabalpur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6360.—Whereas I, V. P. SRIVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing House bearing municipal No. 645/10, situated at Rani Durgawati Ward. Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House bearing municipal No. 645/10, situated at Rani Durgawati Ward, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-2-1986

NOTIGE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6361.—Whereas I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00.000/- and bearing

Rs. 1.00.000/- and bearing
House No. 6/34, situated at Sadar Bazar, Sagar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Sagar on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-ma Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Rampyari w/o Gurubachan Singh Saluja, r/o Sadar Bazar, Sagar.

(Transferor)

(2) Shri 1. Nandlal, 2. Rajkumar s/o Shri Pawan Kumar, Hariyani, r/o Sadar Bazar, Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 6/34, situated in Sadar Bazar, Sagar. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

V. P. SRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-2-1986

== ==:. 、==

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopai, the 11th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6362.—Whereas I, V. P. SRJVASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Plot No. 11,

situated at D-Sector Jamalpura, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bhopal on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tan Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Jaggit Singh Saluja s/o Shri Premsingh Saluja, r/o House No. 11, Gali No. 6, Amir Ganj, Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Manohar \$/o Shri Pinjomal, r/o 172 Sindhi Colony, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 11, situated in D-Sector Jamalpura, Bhopal. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferee.

> V. P. SRIVASTAVA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 11-2-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE. BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th February 1986

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6363.—Whereas I, V. P. SRIVASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 23.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on June, 1985 for an apparent consideration.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trensfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trensfer with the chieft of transfer with the object of : --

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceamlent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Rajesh Vinani s/o Shri Kedarnathji, r/o H.I.G.-483 Arera Colony, Bhopal .

(2) Shri Bahazuddin Ansari s/o Shri Moinuddin Ansari, r/o Mansab Manzil, Karbla, Bhopal

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same morning so process. in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 23, situated in B-Sector Koha-fiza, Bhopal. This is the immovable property which has been described in F. No. 37-G duly verified by the transferce.

> V. P. SRIVASTAVA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax I'vilding Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 11-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOMP. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) M/s. Rubber Products Moulding C. 9-A, Beehulal Road, Calcutta-46.

(Transferor)

(2) Shri Paritosh Dey. Nabajiban Co-operative Colony, P.O. Bisherpara, Dum Dur, 24-Pes,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV. CALCUTTA

Calcutta, the 10th February 1986

Ref. No. AC-32/Acq-R-IV/Cal/85-86,-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at Gouripore 24-Parganas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at R.A. (Cal.) in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the nurposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULB

Land: 1 share of 12-Bighas 13K-6Ch-2 sft. Address: Mouza-Souripore, P.S. Airport, Dt. 24-Parganas.

Deed No. No.: 8669 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, Acquisition Range-IV, Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsetion 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-2-1986

FORM ITNS -----

(1) M/s. Rubber Products Moulding C. 9-A, Bechulal Road, Calcutta-46.

Nabajiban Co-operative Colony,

(2) Sti Nitvananda Dev.

(Transferor)

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 10th February 1986

Ref. No. AC-33/Acqn. R-IV 'Cal/85-86|.—Whereas, J. SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. at Gouripur, 24-Parganas

(and more fully described in the Schedule, annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R.A. (Cal.) in June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lacome arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 1. 93—516GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

P.O. Bisharpara, Dum Dum, 24-Parganas.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: ½ share of 12 Bighas 13 cottahs 6 chittaks 2 sq. ft. Address: Mouza-Gouripore, P.S. Airport, Dt. 24- Parganas. Deed No.: 8668 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
Acquisition Range-IV, Calcutta-700 016.

Date: 10-2-1986

FORM ITNS----

(I) Injar (India) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUS SIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-IV. CALCUTTA

Calcutta, the 10th February 1936

Ref. No. AC-110/R-II/Cal/85-86,---Whereas, 1, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

at Diamond Harbour Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. R-II, Calcutta on 12-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferes to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the paki Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following oursens, namely --

Keshoram Agarwal.
 Gourang Agarwal.

4. Parikshit Kr. Agarwal.

(1) 1. S/Shii Gopiram Agarwal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motion on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sold Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 15 & 15A, at Vidhata Apartment, 23A/76B, Diamond Harbour Road, Block-E. New Alipore, Calcutta. Registered before I.A.C. Acq. R-II, Cal on 12-6-85 vide Sl. No. 10 of 1985-86.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54. RAH AHMED KIDWAI ROAD, Calcutta-700 016

Date: 10-2-1986

(1) Shri Subhendulal Das.

(Transferor)

(1) Shri Harek Chand Agarwal. (2) Smt. Shakuntala Agarwala.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPETCING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGEII, CALCUTTA

Calcutta, the 10th February 1986

Ref. No. AC-III/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN,

SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (13 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000ffl- and bearing No. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Office at I.A.C. Acq. R-H. Calcutta on 24-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by there than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been envision ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

#### THE SCHEDULE

More or less 4 cottahs land with building situated at AA-22, Sector-1, Salt Lake City, Calcutta-64. Registered before 1.A.C. Acq. R-II, Cal on 24-6-85 vide Sl. No. 15 of 1985-86.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, Acquisition Range-II, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Aut, I hereby inlitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-2-1986

### S— (1) Shri Alak Kr. Chakraborty of 19, Ram Swarup Khettry Road, Calcuta.

#### (Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Shri Alak Kr. Mallick of 98/4, Bancrjee Para Road, Behala, Calcutta. (Transforce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 10th February 1986

Ref. No. AC-112/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000ff- and bearing No. 98/4 situated at Banerice Para Road, Behala (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been (ransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Office at I.A.C. Acq. R-II, Calcutta on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

#### THE SCHEDULE

(b) factificating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

2 cottahs 7 chittacks land with building situated at 98/4, Bancrjee Para Road, P.S. Behala, Calcutta. Registered before I.A.C. Acq. R-II, Calcutta on 4-6-1985 vide S. No. 5 of 1985-86.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax,
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1986

\_\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II. CALCUTTA

Calcutta, the 10th February 1986

Ret. No. AC-113/R-II Cal/85-86.— Whereas, I, SHAIKII NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,009fff- and bearing No.

Plot No. 852 situated at Lake Town, Calcutta-89

Plot No. 852 situated at Lake Town, Calcutta-89 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at LAC. Acq. R-II, Calcutta on 3-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor

moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. S/Shri Krishna Jalani. 2. R. S. Khandelwal, H.U.F.

3. Kamlesh Khandelwal.

(Transferor)

(1) Mrs. Mamta Poddar.

(1) I. Mrs. Mamta Poddar. 2. Sri Animesh Poddar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. A & B on the 1st floor situated at Plot No. 852, Lake Town, Calcutta-89. Registered before Competent Authority on 3-6-85 vide Sl. No. 4 of 1985-86,

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-700 016.

Date: 10-2-1986

#### FORM ITNS-----

(1) Shri Suresh Chandra Roy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Calcutta Medical Research Institute.

ever period expires later;

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 17th February 1986

Ref. No. AC-115/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing
36B situated at New Road, Alipore, Calcutta-27
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
S.R.A. Calcutta on 22-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the

publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons, which-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Undivided 1/25th part or share of land measuring area 21 Cottahs 40 sft. at 36B. New Road, Alipore, Calcutta-27. More particularly described in Deed No. I 9036 of S.R.A. Calcutta of 1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Il 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-700 016.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-2-1986

(1) Shri Suresh Chandra Roy,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Urmila Madeka & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 17th February 1986

Ret. No. AC-116 R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the movelle property baying a fair market value avereging movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 36-B, situated at New Road, Alipore, Calcutta-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at S.R.A. Calcutta on 22-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the rarties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Undivided 1/25th part or share of land measuring area 21 Cottahs 40 Sft. at 36B, New Road, Alipore, Calcutta-27. More particularly described in Deed No. 1 9035 of S.R.A., Calcutta of 1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 17-2-1986

Soal:

#### FORM ITNS

(1) Vasundhara Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

12490

(2) Hopes Manufacturing Co. Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2125/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SIIAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/7, situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C.. Acq. R-III, Calcutta on 28-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte er a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

1141 Sq. tt. Office space No 1 on 4th floor at 'Vasundhara' 2,7, Sarat Bose Road, Calcutta-20, Registered before 1.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/177/85-86 dated 26-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, 1: the following persons, namely:—

Date: 14-2-1986

#### FURM ITNS-

(1) Vasundhara Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hibiscus Projects Pvt. Ltd.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2126/Acq. R-III/Cal:85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000/- and bearing No. 2/7, situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at S.R.A.. Calcutta on 28-6-1985

for an apparent ionsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of renster with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ac., in espect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suid Act, shalt have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1003 Sq. ft. Office space No. 4 on 6th floor at 'Vasundhara' 2/7, Sarat Bose Road, Calcutta-20. Registered before Sub Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-11165 dated 29-6-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--94-516GL 85

Date: 14-2-1986

#### FORM ITNS-

(1) Vasundhara Properties Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Kanika Memorial Trust.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2127/Acq. R-IIL/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

2/7, situated at Sarat Bose Road, Calcutta-20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at S. R. A., Calcutta on 28-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than firten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of nameter with the object of :---

- (a) (acilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the conceatment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1148 Sq.ft, Office space No. 8 on 6th floor at 'Vasundhara' 2/7, Sarat Bose Road, Calcutta-20, Registered before Sub Registim of Assarances, Calcutta vide Deed No. 8234 dated 28-5-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-2-1986

FORM ITNS-

(1) Vasundhara Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Master Gaurav Surana (Minor) through father Shri Paras Chand Surana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2128/Acq. R-HI/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'saki Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0007- and bearing No. 2.7, situated at Sarat Bose Road, Calcuttn-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 29-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

997 Sq.ft. Office space No. 4 on 4th floor at 'Vasundhara' 217, Sarat Bose Road, Cal-20. Registered before Sub Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. I-111666 dated 29-6-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;---

Date: 14-2-1986

#### PORM ITNS ...-

(1) Vasundhara Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Bengal Construction.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2129/Acq. R-III/Cal 85-86,—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act. 1961 (43 or 1961) (nereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/7, situated at Sarat Bose Road, Calcutta-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta on 28-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ne., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons. namely :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

1062 Sq. ft. Office space No. 3 on 6th floor at 'Vasundhara 2/7. Sarat Bose Road, Calcutta-20. Registered before Sub-Registrar of Assurance, Calcutta vide Deed No. 1-11163 dated 28-6-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Dated: 14-2-1986

(1) Vasundhara Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Hibiscus Projects Pvt. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2130/Acq.R-III/Cal/85-85.—Whereas, 1, SHAIKII NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. 2/7, situated at Sarat Bose Road, Calcutta-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta, on 28-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as **are defined** in Chapter XXA of the Ass.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1061 Sq. ft. Office space No. 5 on 6th floor at 'Vasundhara' 2'7, Sarat Bose Road, Calcuta-20. Registered before Sub Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-11162 dt, 28-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 14-2-1986

#### FORM ITNS ---

(1) Vasandhara Properties Pvt. Ltd.

(2) M/s. A. K. Commercial Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2131, Acq.R-III/Cal, 85-86 --- Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/7, situated at Sarat Bose Road, Calcutta-20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at I.A.C. Acq. R-III Calcutta on 10-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which counts to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1003 Sq. ft. Office space No. 4 on 5th floor at 'Vasundhara' 2/7, Sarat Bose Road, Calcutta-20. Registered before I.A.C., Acq. R-III. Calcutta, vide 37EE/130/Acq. R-III/Cal/85-86 dt. 10-6-1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-If 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :---

Date: 14-2-1986

12497

#### FORM ITNS-

(1) Vasundhara Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. A. K. Commercial Company,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2132/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
2/7, situated at Sarat Bose Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer 1.A.C., Acqu. R-III, Calcutta on 10-6 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid to be a standard to the property and the property and the property as aforesaid to the property and the property and the property as aforesaid to the sam exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Sald Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

· 1062 Sq. ft. Office space No. 3 on 5th floor at 'Vasundhara' 2/7, Sarat Bose Road Calcutta-20. Registered before L.A.C., Acq. R-III, Cal., 37EE/129/Acq. R-III/Cal. 85-86/ daetd 10-6-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwei Road. Calentia-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under suberction (1) or Section 269D of the said Act, to the following %arnons, namely: --

Date: 14-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Limited.

(Transferor)

(2) Smt. Vidya Sekhsaria.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Rcf. No. 2133/Acq. R-III/Cal/85-86.--Whereas, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000;—and beating No.

situated at Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C., Aeqn. R-III, Calcutta on 24-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(1) M/s Nursingdas Condominium Enterprises Private

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 day from the date of the publication of the notice in the Official Gazetto.

FAPIANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Ghapter.

#### THE SCHEDULE

Office Block No. 1 having an area of approx. 775 Sq. ft. on 10th floor of the building "Chitrakoot" at premises No. 230A. Acharya Jagadish Chandra Bose Road, Calcutta. Registered before LA.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37FF/Acq. R-III/163/85-86 dated 24-6-85.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent\_Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-2-1986

#### PORM ITNS

(1) 1. Sri Ashok Kumar Soed, Sti Vijay kumar Sood &

3. Sant. Shanno Devi Sood.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE E-ICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2 Smt. Pushpavati Sood.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, CALCUTIA

Calcutta, the 14th February 1986

2134/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, Ref. No. SHAIKH NAIMUDDIN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tay Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0 0/- and bearing No. 38, Like lardens,

situated at 32, Daudar Rahaman Road, Calcutta-45 (and more fully described in the Schedule annexed horeto). ins been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of Registering officer at T.A.C., Act, R-III, Calcutta on 5-6-85

for an ary arent consideration which is less than the fair marke value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesa I exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) fa ilitating the concealment of any income or any mineys or other assets which have not been or witch ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (it of 1922) or the said Act or the Wealth-tax At, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely the control of the said Act, to the following persons, namely the control of the said Act, to the following persons, namely the control of the said Act, to the following persons, namely the control of the said Act, to the following persons, namely the control of the said Act, to the following persons, namely the control of the said Act, to the said Act

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

All that proportionate undivided share of the land at premises No. ?. Dr. Daudar Rahaman Road, Calcutta-45, measuring approx. 841 Sq. ft. Registered before I.A.C., Acq. R-III. Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III Cal/III/85-86 dated 5-6-85

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, 54. Rufi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 14-2-1986

Soil :

### FORM ITNS

(1) Migma Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bibhas Chandya Datta & Mrs. Shobha Datta.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMESTAX,

ACQUISITION PANGE-III, CALCUTIA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2135/Acq. R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHA/KH NA MUDITIE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act.) in we receive to believe that the immov-

able properly, having a fair market value exceeding Fo. 100000/- and bearing No. 64, should at Saulia for the Colonia-29

(and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been in artifact, boder he Beginning efficient 1908, (16 of 1903) in the office of Registering efficer at I.A.C. And R-III. Colombian 24-6-85 for an approximate consideration which is less than the fair

for an applied to mathematical which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe the the few as a k t value of the property as aforesaid exceeds the apparent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) with arm, the reduction, treation of the trability of the transferor to pay the under the said Act, in report of any facome arising from the transfer; under
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or a men ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian forcome-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Accesshall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A residential flat measuring 985 Sq. ft. being flat No. 32 on the 4th floor at premises No. 64, Southend Park, Calcutta29, Registered before J.A.C., Aca. R-HI, Calcutta, vide 37EE/155 Acq. R-HI/Cal/85-86 dated 24-6-85.

SHARH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissionre of
Income-tax
Acquisition Range-111,
54, Rafi Ahmed Kidwi Road,
Calcutta-16

Date: 14-2-1986

#### FORM ITNS ---

(1) Migma Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) 1. Smt. Kanta Kumari Jain,2. Smt. Sadhana Jain &3. Sri Anant Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2136/Acq. R III/Cal/85-86.—Whereas I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. ../1, situated at Smal Bose Road. Calcutta-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1938) in the Office of the Registering Officer at I.A.C., Acq. R-III Colcuta on 26-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of our thankscope to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the dat, of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined a Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A residential flat measuring approx. 1015 Sq. ft. being flat No. A6 on 6th floor being premises No. 39/1, Sarat Bose Rc.ed, Calcutta-20. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta v.de 37EE/Acq. R-III/134/85-86 dated 26-6-85.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 14-2-1986

THE PROPERTY OF THE WAY FOR THE PROPERTY CONTROL OF THE PROPERTY OF THE PROPER

#### FORM ITNS---

(1) Slab Builders.

(T.ansferor)

(2) Shri Pijush Kanti Kundu.

(Tansferet)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

No. 2137/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas I, Ref. SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 253E, situated at Notaji Subhas Chandra Bose Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of Registering officer at

I.A.C., Acq. R-III, Calcutta on 24-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the storesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the saul property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece & parcel of land being premises No. 235E, Netaji Subhas Chandra Bose Road, Tollygunge, Calcutta, admeasuring more or less 3 cottabs 14 chittaks 24 Sq. ft. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Cal., vide 37EE/Acq.-R-III/164/85-86 dated 24-6-85.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-2-1986

(1) 1. Mr. Raghuvansh Lal Kapur, 2. Mrs. Saroj Kapur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Veckay Properties Pvt. Ltd.,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2138/Acq. R-III/Cal/85-86.—Whereas 1, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and hearing

No. 182, situated at Gariahat Road, Calcutta-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of kegistering officer at 1.A.C., Acq. R-III Calcuta on 5-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afroesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

All that Flat No. 5-B on the 5th floor of the building under construction at 18/2, Gariahat Road, Calcutta-19. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Cal., vide 37EE/Acq.-R-III/118/Cal/85-86 dated 5-6-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NA!MUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-2-1986

PORM ITNS----

(1) Damodar Ropeways & Construction Co. (P.) Ltd-(Transferor)

(2) 1. Smt. Dropadi Devi Roongta,
2. Smt. Indu Roongta,
3. Sri Mahendra Kumar Runkte,
4. Sri Arun Kumar Rungta,

5. Sri Rajnikant Rungta,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

Rcf. No. 2139/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDOIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

No. 2 situated at

Rowland Roal, Calcutta,

(and mo e fully described in the Schedule annexed hereto), has been trunferred under the Registration Act, 1908 (1 of 1908) in the office of Registering Officer at 1.A.C., Acq. R-III, Calcutta, on 5-6-1985

Calcutta, on 5-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of nonce on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

and the interior the reduction of evasion of the liability t the time to or to pay tax under the said Act, in - . t of my income arising from the transfer; and/or

A flat measuring 2201 sq. ft. on 4th floor at Premises No. 2, Rowland Road, Calcutto, Registered before I.A.C., Adq. R-III. Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/117/Cal/85-86 dated 5-6-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any parts, it offer assets which have not been or which oneth to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-HI 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 14-2-1986

#### (1) M/s A & A Developments Pvt. Ltd.

(2) Sri Kailash Chand Modani.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) O FTHE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT CUMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III **CALCUTTA**

Calcutta, the 14th February 1986

Ref. No. 2140/Acq.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000- and bearing No. 32 situated at

Dr. Dauder Rahaman Road, Calcutta-45,

(and movetuly described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, on 5-6-1985

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unpsfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter

#### THE SCHEDULE

1200 sq. ft. Flat No. 21 at 32, Dr. Daudar Rahaman Road, Calcutta-45. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq.R-III/108/Cal/85-86 deted 5-6-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer:

> SHAIKH NAIMUDLI. Competent thority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Litvoi Road. Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid properly by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Date: 14-2-1986

(1) Kanak Maitra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. Mr. Bhupatraj Nanalal Shah,
 2. Mrs. Rama Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 14th February 1986

No. 2141 A.q.R-III/Cal/85-86.—Whereas, I,

1 Al NAM DOIN,

1. Chapter Authority under Section 269B of the

1. Chapter Authority under Section 269B of the

1. La ix Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

1. ad Act), have reason to believe that the immovable ropeity having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000- and bearing

RS. 1,00,000- and bearing
No. 3A situated at
Madhab Chatterjee Street, Calcutta-20,
and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
5/1108) in the office of Registering Officer at
1.A.C., Acq. R-III,
Calcutta on 24-6-1985,
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ##d/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid acoperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, in the following Melabus bainela i--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expres later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given lo that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 2-B having a covered area about 6.56 sq. ft. together with proportionate share of land at 3A. Madhablet, Chatterjee Street, Calcutta-20. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37FF/Acq.R-III/158/Cal\_85-86 dated 24-6-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-III 54. Raft Ahmen Kidwai Road. Calcutta-1

Date : 14-2-1986 geüj :

### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, **MADRAS** 

aMdras-600006, the 11th February 1986

Ref. No. 121/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. 92, G. N. Chetty Street, T. Nagar,

situated at Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at

T. Nagar/Doc. No. 711/85

on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferr

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s, East Coast Constructions & Industries, Partner: Mr. A. M. Sayad Cadar, No. 8, Habibullah Avenue, Anderson Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) M/s. Mamanji Family Trust, Trustec, Mr. M. A. Mohamad Sirajudeen, No. 81, Godown Street, Madras-1.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforeseld persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 1665/37880 undivided share of interest in land at No. 92, G.N. Chetty Street, T. Nagar, Madras-17. T. Nagar/Doc. No. 711/85

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

96-516 GI/85

Date: 11-2-1986

#### FORM 1.T.N.S.~~~~

(1) M/s. East Coast Construction & Industries Partner, A. M. Sayed Abdul Cader, No. 8, Habibullah Avenue, Anderson Road, Madras-6

(Transferor)

(2) M/s. Hajima Trus, M/s. Thahseen Trust, M/s. Zainab Salma Trust, Trustee, Mr. K. T. M. S. Abdul Cader, No. 5, Moores Road, Mdaras-6.

(Transferee)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## DEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 11th February 1986

Ref. No. 130/June 85.-Whereas, I, MRS, M. SAMUEL

haing the Competent Auhority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair mount of the control of the cont property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing bearing No. 92, G. N. Chetty St., T. Nagar situated at Madras-17

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 704/85

on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald expeeds the apparent consideration therefor, by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) familiating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expirer later,
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 92, G. N. Chotty St., T. Nagar, Madras-17. T. Nagar/Doc. No. 704/85,

> MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11, Madras.

Dated: 11-2-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the thoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 11th February 1986

Ref. No. 131/June 85.—Whereas, 1, MRS, M. SAMUELL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 92, G. N. Chetty Road, T. Nagar, situated at Madras-17.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 703/85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the foir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. East Coast Constructions & Industries, Partner, Mr. A. M. Sayed Abdul Cadar, No. 8, Habibullah Avenue, Anderson Road, Madras-6.
- (2) M/s. Yusuf Zulaika Trust, Trustee, Mr. S. K. M. Junaid Yaseen, No. 4, Moores Road, Madras-6.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n he sad immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 92, G. N. Chetty Road, T. Nagar, Madras-17. T. Nagar/Doc. No. 703/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-11, Madras

Now, sherefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 11-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 11th February 1986

Ref. No. 141/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUELL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the, said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No. Flat-Ground floor No. 97. Dr. Rangachari

and bearing No. Flat-Ground floor No. 97, Dr. Rangachari Road, Mylapore, Madras-4, situated at Madras-4. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mysore Doc. No. 703/85 on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to or disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, so the following persons, namely:—

(1) Sri A. Sundaram, No. 13, Sringori Mutt Road, R. K. Nagar, Madras-600 028, (Transferor)

 Sri S. Dharman and (2) Smt. Vijayalakshmi Pasupathy, No. 6, 10th St., Nandanam, Madras-35 (address for No. 2) Address: for No. 1. No. 420, 12th Cross Sadasiva Nagar, Bangalore-560 080. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any et the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period axpires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. Ground floor at No. 97, Dr. Rangachari Road, Mylapore, Madras-4.
Mylapore/Doc. No. 703/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11, Madras.

Dated: 11-2-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 11th February 1986

Ref. No. 142/Junc/85.—Whereas, 1,
MRS, M. SAMUEL
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 1,00,000/- and
bearing No. 3.1, Bhoomanna Garden, Madras-18.
situated at R. S. No. 3638/7
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 cs.
1908) in the office of the Registering Officer at
Mylapore/Doc. No. 695/85
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said increment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the pusposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. B. Sarala Devi and another, No. 3, Bheemanna Garden St., Madras-18. (Transferor)

(2) Mr. Basheer Ahmed, and Mrs. Maseena Baneek, No. 2, Mirza Hyder Ali Khan St., Madras-18.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understanced:---

- (a) by any of the aforcarid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Country.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: No. 3/1, Bheemanna Garden, Madras-18, Mylapore/Doc. No. 695/85.

MRS, M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Dated: 11-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1)61)

#### Sri S. Baradarajan, Big St., Kilsathamangalam, Vandavasi Taluk, North Arcot Dist.

## (Transferor)

(2) Sri Asrak Ali, 103, Karpagam Avenue, Madras-103.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 11th February 1986

Ref. No. 150/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. South Beach Road,

Santhome Madras-4 situated at Plot No. 73, Madras-4.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore/Doc. No. 759/85 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Habibity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; are for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The forms and expressions used herein as we defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land—Extent: 1800 sq. ft. in South Beach Road, Santheme, Madras-4 R. S. No. 4303 part, Plot No. 73, Mylapore/Doc. No. 759/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 11-2-1986

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 11th February 1986

Ref. No. 152/June 85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have renson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agricultural land 1.52 cents situated at S. F. No. 1/1F, in Sholinganallur village, (and more fully described in the Schedule annexed here'o), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar/Doc. No. 1466/85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M.s. Blue Lagoon Motels and Properties P. 1 (d., 40, Gaudhi Mantap Road, Kotturparan, Madras-85.

(Transferor)

(2) 511 A. Ramesh, 12, Adayar Club Gate Road, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land--1.52 cents in S. No. 1/1F in Sholinganultur village.

Adayar/Doc. No. 1466/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras

Pat.d: 11-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Sri T. Rajamannar, S/o T. Nagarajulu, and another, 176, Suryanarayana Chetty St., Royapuram. Madras-13,

(2) Sri P. David, S/o Pouniah Konar,

SAIDAPET, Madras-15.

(Transferor)

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, 11th February 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ref. No. 169/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Plot No. 7, Door 7, Door No. 22,

T. S. No. 14 and 15, situated at Block No. 16, Customs Colony, Hospital Road, Saidapet.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South/Doc. No. 1778/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object et :--

No. 27, Customs Colony, Hospital Road,

whichever period expires later; (b) by any other person interested in the said immov-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as ers defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Land: Plot No. 7, Door No. 22, T. S. No. 14 & 15, Block No. 16, Hospital Road, Customs Colony, Saidapet. Madras South/Doc. No. 1778/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 249C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Dated: 11-2-1986,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, 11th February 1986

Ref. No. 172/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 204, West CIT Nagar, situated at Madras-35

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Madras South Doc. No. 1850/85

on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

97-516 GI/85

 Sri R. S. Venkatsan, No. 5, North Road, West CIT Nagar, Madras-35.

(Transferor)

(2) Sri S. M. Nizamudden, No. 44, 1st Main Road, West CIT Nagar, Madras-35.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: Plot No. 204, West CIT Nagar. Madras-35.
Madras South/Doc. No. 1850/85.

MRS. M. SAMUFL Competent Authority pecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Dated: 11-2-1986

Scal:

(1) Mr. K. Gopalan, 12, Kammal St., Madras-93.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shoba Sekar, I, Bhaskaran Colony, Madras-92.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, 11th February 1986

Ref. No. 173/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Kannabiran Colony, Saligramam, situated at Madras. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South—1852/85

on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid poisons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Buliding: Kannobiran Colony, Saligramam. Madras South/Doc. No. 1852/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Dated: 12-2-1986

 Sri P. S. Srinivasan, No. 34, Veerabadran St., Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. T. Munusami, No. 7/3, Madloy Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 6 June 1985.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Paimash No. 762, Survey No. 522/8, R.S.—No. 631—Nungambakkam Village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 294/85 on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of theaforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Inseque-tax Ast, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building: S. No. 522/8, Nungambakkam, Madras-34.

Thousandlights/Doc. No. 294/85.

MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Dated: 12-2-1986

Scal:

#### FORM ITNE-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Smt. S. Lakshmi, No. 17/1, Raghunayakalu St., Park Town, Madras-3.

(Transferor)

(2) Mrs. P. A. Kanchanamala, No. 82, New St., Mannady, Madras.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 23/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 25, New Door No. 32, of Sundaram Pillai Lane Purasawalkam, Madras-7, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam/Doc. No. 1025/85 on June 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property, and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have rea on to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building: Old Door No. 25, New Door No. 32, on the northern row of Sundaram Pillai Lane, Purasawalkam, Madras-7.

Purasawalakam/Doc. No. 1025/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 12-2-1986

(1) Smt. D. Rajalakshmi, 46, Paddy field Road, Madras-11,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sr. S. M. Sivaguruswamy, 32, Tank Bund Road, Madras-12.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

## ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 24/June 85.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. Property as specified in schedule

situated at Madras. to Doc. No. 1062/85 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam/Doc, No. 1062/85

on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) Incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any of the aforesaid persons within a period of able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property as specified in schedule to Doc. No. 1062/85. Purasawalkam/Doc. No. 1062/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11, Madras-600 006.

Date: 12-2-1986

ים על האומעים אישרים או הייבובים האיניים אוני האומעיים <del>המשובים ביים ביים איניים אוניים איניים איניים איניים אי</del>

CASTLL S. N. EMPLOYED TO SERVED TO THE

#### FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 29/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as Jie vaid Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 101, Virugambakkam village, Plot No. 963. K. K. Nagar, R. S. No. 243/3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Virugambakkam/Doc. No. 1528/85 on June. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesale property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following perseus, namely:—

 Sri S. Vombu No. 14, Rameswaram Road, T. Nagar, Madras-17,

(Transferor)

(2) Mrs. Meenakshi Krithivasan Plot No. 980, Lakshmanaswamy Salai, K. K. Nagar, Madras-78.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovsble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land: Grounds 2 and 200 sq. ft. R.S. No. 243/3 K. K. Nagar, 101, Virugambakkam village, Plot No. 963, K. K. Nagar,

Virugambakkam/Doc. No. 1528/85.

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 31/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding. Flat 900 sq. ft. 1st Avenue, Ashok Nagar, Madras 83 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 1642/85 on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri K. Bhaskaraj jand Sri K. Achutha Ramaraj No. 55F (II floor), Plot No. B-6, First Avenue, Ashok Nagar, Madras-83

(Transferor)

(2) Smt. K. Rajee 11, Sriram Colony, Tamparam Santarium, Madras-47.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat 900 sq. ft. in 1st Avenue, Ashok Nagar, Madras-83. Kodambakkam, Doc. No. 1642/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 12-2-1986

Soal:

#### FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 35/June 85.—Whereas, I,

of transfer with the object of :--

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat 1175 sq. ft. in Block No. 7, situated at T. S. No. 54,

Puliyur village

(and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 1812/85 on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any iscome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Yogambal No. 38, Puram Prakasarao Road, Madras-14.

(Transferor)

(2) Sri T. A. Periasamy AH. 31, Plot No. 5129, Anna Nagar, Madras-40.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat 1173 sq. st. in Block No. 7, T. S. No. 54 of Puliyur village.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 12-2-1986

Seal;

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref No. 37/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land T.S. No. 107, Block No. 85 situated at Koyambedu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 1825/85 on June, 1985 for an apparent consieration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the taid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
98—516 GI/85

(1) Sri P. N. Vincent No. 154, Bhatathipuram, Madras-30.

(Transferor)

(2) M/s. Lanka Link Unit No. 106, Poonamallee High Road, Koyambedu, Village, Saldopet, Taluk, Chingleput Dist. Madras-107.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (2) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land 2000 sq. ft. in T.S. No. 107, Block No. 85, Kodambakkam/Doc. 1825/85.

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 12-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. M. Sulochana No. 44, Ganapathy Gowda St., Pollachi.

(Transferor)

 Solai Ponnuranga Mudaliar No. 3, Kavari St., Saidapet, Madras-15.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 41/June 85.-Whereas, I, MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 111, Plot No. C. 727, T.S. No. 29 situated at Block No. 75,

Kodambakkam

(and more fully described in the schedule annexed hereto); has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 1842/85 on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the effect of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building T.S. No. 29, Block No. 75, Plot No. 727. No. 111. Kodambakkam.

Kodambakkam/Doc. No. 1842/85.

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 42/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6, 48th Street, Ashok Nagar situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 1858/85 on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any increase or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:....

 Mr. Chinuasam and 4 others all residing at Plot No. 8-53, New No. 6, 48th St., Ashok Nagar, Madras-83.

(Transferor)

 Smt. Amudha Kandaswamy
 48th St., Ashok Nagar, Madras-83.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building New No. 6, 4th Street, Ashok Nagar, Madras.

Kodambakkanı/Doc. No. 1858/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 101/June 85.-Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the 'said Act'), nave reason to beneve that the himovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land T.S. No. 4693/1, T. Nagar, 21 Parthasarathipuram. North Usman Road, T. Nagar, situated at Madras-17 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1000) in the office of the Registrating Officer at has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 582/85 on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than apparent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

ı.L/er

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trans

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Kodali Vivekavathy, 4, Kuppuswamy St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Smt. D. Bahumathy 4. Nathamuni St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Land No. 21, Parthasarathipuram, North Usman Road. T. Nagar, Madras-17.

T. Nagar/Doc. No. 582/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 12-2-1986 Seal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 113/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 43 Burkit Road, T. Nagar situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 692/85 on June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri S. K. Gopala Krishnan S/o S. Kulasekaran, No. 43, Burkit Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri G. Udairaj Jain and Gulabchand Jain Smt. Vasantha Devi W lo G. Udairaj Jain No. 59, 4th Main Road, CIT Nagar, Madras-35.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building No. 43, Burkit Road, T. Nagar, Madras-17.

T. Nagar/Doc. No. 692/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 12-2-1986

#### FORM IINS....

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 116/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat of 1000 sq. ft. situated at Mambalam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T.Nagar/Doc. No. 666/85 on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other access which have not begin or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I kereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri P. Kannan
 Hindi Prachar Sabha Road,
 Nagar,
 Madras-17.

(Transferor)

(2) Smt. S. Jayam 46, Punkajam Colony, Madurai-9,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat 1000 sq. ft. at Mambalam. T. Nagar/Doc. No. 666/85,

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 12-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Mr. K. Ramajaya Sastrigal 22, Thiruvengadam St., Madras-33.

## (Transferor)

(2) Sri S. Sivakumar, 22, Thiruvengadam St., Madras-33,

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 126/June/85.-Whereas, I, Ref. No. 126/June/85.—wnereas, 1, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1.00,000/- and bearing No. 22, Thiruvengadam St., with 1st floor situated at West Mambalam

West Mambalam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 746/85 on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immessable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Flat in first floor at Thiruvengadam St., West Mambalam, Madras-33,

T. Nagar/Doc. No. 746/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 155/June 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 88-B, receipt No. 65, Padmanaba, Nagar, IV Street, S. No. 57/1 (Part), T.S. No. 13/125 (Part), situated at Urur Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar/Doc. No. 1583/85 on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the alloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (1) Smt. 1. S. Parvatha Varthini
  2. S. Vidya and
  3. S. Priya
  Wife, Daughters of Late S. Srinivasan
  1 and 3 of No. 1, Seed Colony, New Eairlands, Salem-4. (2) of No. 449, Kamarajar St., K. K. Nagar, Trichy-21. (Transferor)
- (2) Mrs. G. Saroja W/o S. M. Govindaraj, No. 28, Village Road, Nungambakkam, Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation 7—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

## THE SCHEDULE

Land and building Door No. 88-B, Padmanaba Nagar, IV St., S. No. 57/1 (Part), T.S. No. 13/125 (Part) of Urur Village.

Adayar/Doc. No. 1583/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 157/June 85.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000 - and bearing No. New No. 14, Lodd Govindass Nagar Road. Mount Road, R.S. No. 375/11 situated at Triplicane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicate/Doc. No. 440/85 on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- o ... Wating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 19°2) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 127 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

99--516 GI/85

(1) Sri C. R. Lakshminarayana and another No. 17, Madhavan Nair Road, Madras-600 034.

(Transferor)

(2) Sri R. Krishnamurthy, No. 14, Vijayananarayanadoss Road, Madras-60 002.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building New No. 14, Lodd Govindoss Nagar Road, Mount Road, R.S. No. 375/11 of Triplicane.

Triplicates/Doc. No. 440/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Kange-II Madras-600 006

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th February 1986

Ref. No. 193/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have respon to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Vacant land 11 grounds & 240 sft, in Block No. 28, T.S. No.
18/2, Puliyur Village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras central/Doc. No. 573/85 on June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforealth property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stafed in the said instrument of transfer with the object of to.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the frankferen to pay tax under the said Act, in respect of any income orleing from the transfer 401, 1
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri V. Damodara Chetty No. 1, Sami Pillai St., Choolai, Madras-600 112.

(Transferor)

 Shri Dr. Verghose
 S/o G. Devasahayam Nadar
 No. 26, Sarguna St.,
 33-B/1, Ramavarampuram, Nagarcoil. Kanyakumari Dist. Sri D. Rathnam
 S/o G. Docvasahayam
 Kandan Vilai, Kanyakumari Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona-whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land 11 grounds and 240 sq. ft. in Block No. 28, T.S. No. 18/2, Puliyur Village.

Madras Central/Doc. No. 573/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 12-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 3rd February 1986

Ref. No. 1/June/85,--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 33/2, Katpadi Road (A) Dharmaraja Koil Road situated at Thottapalayam, North Vellore, Vellore, N.A.D.T. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vellore, Doc. No. 2456/85 on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the acoressed appearty and I have reason to believe that the fair market - due of the property as aforesaid excerds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--to between

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee outpores of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in purmance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri R. Varadharajan and 2 others S/o Ramakrishna Mudaliar 17, Engineer Subaraya Mudali St., Arasamapet, Vellore.

(Transferor)

(2) Shri B. No. Krishnan and 5 others, S/o Late B. N. Maniam 24, 4th East High Road, Gandi Nagar, Gudiyatham.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

-<u>-</u>-----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 15 days from the date of the publication of this notice to the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land and building at dood No. 33/2, Katpadi Road (A), Dharmarajakoil St., Vellore North, Vellore.

Doc. No. 2456/85 SRO, Vellore.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 3-2-1986

#### FORM I'INS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 3/June/85.—Wheeas, I, MRS. M. SAMUEL,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair parket value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing Plot No. 222 at Sathuvachari Village (and more fully described in the Schedule annexed hereta), has been transferred under the Pariettetica Act. 1908 (165)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vellor (Doct. No. 2542/85) on 27-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) Sacilitating the reduction or evapon with miss instrument of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; : N 2 /O7
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transforce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the interest of this notice under publication (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Bhatati N. Pai W/o Shri G. N. Pai Plot No. 222, Phase I Housing Board, Sathuvachari Village, Vellore Taluk, North Arcot Dist.

(Transferor)

(2) Shri S. Ravindran, S/o Shri T. Shanmugham Mudaliar, 8, First West Main Road, Gandhi Nagar, Vellore-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by may of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the sarvice of netice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immevable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamete.

EXPLANATION: -- I'he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the soil Act, shall have the same recaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at Plot No. 222, Sathuvachari Village, Vellore. (Doct. No. 2542/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 10 7 1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 9/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 247/1A situated at Mecheri Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mecheri (Doct. No. 703/85) on 2-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instan-

ment of transfer with the object of-

end/or

(a) racilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. S. Maragatham & Others, W/o Late N. Subbarayan, No. 3/14, Sithaiya Chetty Street, Surapalli Village, Jalakandapuram, Mettur Tafuk, Salem District,

(Transferor)

(2) Sri P. Jayaraman & Other, S/o Ponnusamy Gounder, Kolkaranur, Mecheri Village, Mettur Taluk, Salem District.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this sotice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given m that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building (Workshop) at R.S. No. 247/1A, Mecheri Village Mettur Taluk, Salem District. (Doct. No. 703/85.)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COLLENATING OF OWNER

## OPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Medras-600 006, the 10th Fibruary 1936

Ref. No. 13/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act., 1951 (43 of 1961) (hereins the resource to believe that the immoves ble property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

Raipuram T.K. Salem, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rasipuram Doc. No. 1199/85 on June 85

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid projects and there is no to believe that the fair marker value of the apparent consideration for each close the apparent or an aforesaid exceeds the apparent or and apparent from the consideration for each transfer is apparent to be investigated to be investigated to be a second transfer with the object of the

- (b) inciditating the reduction of abolic of the basishing of the transferor to pay tax mader the said Act, is respect of any income arising from the argument and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which caught to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westh-San Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the taid by the following persons, namely:—

(1) Kandhasamy Gounder and 2 others, Farlawanaicken patty, Mottur, Rasipuram. Salem.

(Transferor)

(2) V. Srinivasa Gopalan, S/o Varanachari, Managing partner, M/s. Four Star Combines, 33, Palaniappa Nagar, Salem-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned:---

- the by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

  Ablehover period expires later:
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

SAPERWATEON - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act,

#### THE SCHEDULE

Land and building at Survey No. 12/3, 12/1 etc., at Malayampalayam village, Rasipuram T.K.

Doc. No. 1199/85. SRI: Rasipuram.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date: 10-2-1986

a Carl Mark manner

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 15/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

at transfer with the object of : -

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1951), (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the said Act) have reason to believe that the animovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 29/3-C, No. 48, Kailasampalayam situated at Tiruchengodu t.k., Salem D.T. (and more fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Tiruchengodu, Doc. No. 1792/85 in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

at Tiruchengodu, Doc. No. 1792/85 in Jone, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not need of any models or other assets which have not need or which lought to be disclosed by the imperferce for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the West Lieux Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Kallurainal, W. O. Laidahappa Gounder, Sengodampalayam, 48, Kailisampolayam, Tirichengodu, Sale m.

(Transferor)

(2) The puriners, Sri stey, thei Warping and Cycles Limited, Kerbikalandham Mein Road, Tiruchengolu Town. Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 cost from the date of publication of this notice in 10 M of Gratte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (o) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publender of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at T.S. No. 29/2-C. 48, Kailasampalayam, Tiruchengodu, Salom.

Dec. No. 1792/85. SRO: Tirudhengodu.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 10-2-1986

## PORM TONS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 16/June/85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]

and bearing Survey No. 163/4 situated at Kasumapuram village, Tiruchen-

godu, Salem District

land more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Tiruchengodu, Doc. No. 1761/85 in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reusen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) incititating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) K. P. Sengottaiyan, S/o Peria Gounder, Manamedu Karumapuram East, Tiruchengodu, Salem.

(Transferor)

(2) K. Govindasamy, S/o Kandasamy Gounder. Tiruchengodu, Karumpauram, Salem District.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gracete or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and to expressions used herein as are defined in hapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land and building at Survey No. 163/43, at Karumapuram village, Tiruchengodu, Salem.

Doc. No. 1761/85. SRO: Tiruchengodu.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspectig Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date: 10-2-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 22/June/85 -- Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs I 00.000/- and bearing No.
Old Survey No. 156, New No. 71, situated at Nagalur village, Yercaud, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Yervaud. Doc. No. 133/85 in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

100 ~516GJ/85

(1) Cellammal, W/o H. Thiagarajan, 15, Arullammal Street, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) R. Venugopala Chetty, S/o Ramasamy, 37-A. Sivanar Chetty Street, Kargaanaa, Gugai, Salem-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the put lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at old S. No. 156, New S. No. 71, at Nagalur village, Yercaur.

Doc 100, 133/85 SRO : 1 7 22

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspectig Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date: 10-2-1986

#### FORM DINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 10th February 1986

Rcf. No. 24/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
New Survey Ward E, Block 10, T.S. No. 25 situated at

Pallapatti village, Salem.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at JSR III Salem, Doc. No. 672/85 and 673/85 in June 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property and I have reason to be a sale of the property and I have reason to be a sale of the property as the sale of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferae for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) R Narayanan and 2 others, Door No. 75, Salia Vengatakrishna Street, Sevaipettai, Salem.

(Transferor)

(2) G. A. Gunasekaran and 3 others, S/o Arumuga Chettiar, l, Nagaendra Iyer Street, Rasipuram, Salem,

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (8) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land and building at New Survey No, 'E', Block 10, T.S. No. 25, Pallapatti village, Salem.

Doc. No. 672 & 673/85. SRO: JSR III Salem.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspectig Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date: 10-2-1986

Scal:

### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 K. B. Dharmalingam and others, S/o Palanichamy, D. No. 42, No. 2, Pulikutty, Gugai, Salem Town.

(Transferor)

 D. Devarajan, No. 22, Gugai Madalayam Street, Salem.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 26/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

fer with the object of

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding R<sub>3</sub>, 1,00,000/- and bearing No. New D. No. 42, 42A, New T.S. No. 88, Ward 'H' Block 53,

situated at Dadagapatty Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dadagapatty, Doc. No. 1847/85 in June, 1985 for an appetent consideration which a less than the fair market value of the aforetaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trans-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) inciditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslib-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at New D. No. 42, 42-A, New T.S. No. 88 Ward 'H' Block 53.

Doc. No. 1847/85. SRO: Dadagapatty.

MRS. M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspectig Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1986

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 27/June/85.—Whereas, I. MRS, M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing New Door No. 42, 42-A, New No. T.S. 88, situated at Ward 'H' Block, 53. Pulikutti, North, Gugai, Salem. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

SRO: Dadagapatti. Doc. No. 1848/85. on June 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of z-

- (a) facilitating the reduction or evision of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-mx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section £69D of the said Act, to the followbag persons, namely :- -

(1) K. B. Darmalingam and others, Door No. 42, Pulikutty, Gugai, Dadagapatty, Salem District.

(Transferor)

(2) P. Sitalakshmi, W/o Perumal Chettiar, No. 106, Samundi Street, Gulai. Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Land and building at New Door No. 42 and 42-A, New T.S. No. 88, Block 53, Ward 'H', Pulikutty No. 2, 'E' Division 3rd Ward, Devlagapatty, Salem.

Doc. No. 1848/85. SRO: Dadagapatty.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c). Madras-600 006

Date: 10-2-1986

Scal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 28/June/85.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 60/2B at Annathanapatti

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act in the office of the competent Authority at

Tadagapatty (Doc. No. 1879/85) on 13-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparem consideration therefor by n ore that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: nad/er
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the treasferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under anb-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

(1) Sri M. Gopal, S/o Muthuswamy Chettiar, Annathanapatti, Salem-2.

(Transferor)

(2) Sri M. Arthanari. S/o Muthuswamy Chettiar, Annathanapatti, Salem-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of motion on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as ere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural lands in Survey No. 60/2B at Annathanapatti Village, Salem.

(Doct. No. 1879/85.)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Date: 10-2-1986

## FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

MADRAS-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 29/June/85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the sail Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. T.S. No. 30/1, 2 at Salem Town

(and more fully described in the Schedule annexed nercto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tadagapativ (Doct. No. 1975/85) on 24-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer, end jus

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afo. Scaled property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Sti K. D. R. Janardhanan & Other, S/o late K. D. Rangaswamy Chettiar, Door No. 19. Mariamman Koil Street, Jari Kondalamyatti, Salem Taluk and District.

(Transferor)

(PARI III—SEC. 1

(2) Sri P. Subramania Chettiar, No. 2, Pillaiyar Koil Street, Gugai. Salem-636 006.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by they other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant load with compound wall at Salem Town (T. S. No. 20/1.2).

(Doct. No. 1975/85),

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006-

Date: 10-2-1986

## FORM LINS,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAN ACT 1961 (1) OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

MADRA\$-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 30/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Survey No. 146/3 situated at lagir Ammapalayam situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Suramangalam (Doct. No. 1137/85) on 7-6-1985 for an apparent consideration which is less 'four the fair market value of the aforestid property and bave reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to believe the bas not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fnx Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notion under subsection (1) of Section 269D of the said and to be Howing torsons, namely:

 Sri P. Arthanari Gounder & Other, 5/o Palaniyandi Gounder, Jagir Reddiapatti Village, Jagir Ammapalayam, Salem Taluk, Omalur Main Road, Salem District.

(Transferor)

(2) Sri B. S. Mprugesan, (2) S/o Sundaravelu Gounder, No. 228, Maniyannan Road, Alagapuram, Salem-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land in SRurvey No. 146/3 at Jagi Ammapalayam, Salem.
(Doct. No. 1137/85.)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (1/c), Madras-600 006

Date: 10-2-1986

Scal:

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Dr. V. Subbaraman and 4 Others, No. 33, Venkataramier Street, Peddanaickenpet, George Town, Madras.

(Transferor)

(2) Mrs. K. Vijayalakshnii, W/o K. Sankar Rao, 21-B, North Mada Street. Villivakkam, Madras-49.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 42/June/85.—Whereas, I,

Ref. No. 42/Junc/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Dror No. 33, Venkataramier Street, Peddunaickenpet, situated at George Town, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred.

has been transferred

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of

under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority at Madras North (Doct. No. 1926/85) on 14-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 33, Venkataramier Street, Peddanaickenpet, George Town, Madras. (Doct. No. 1926/85.)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c), Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-2-1986

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNI ER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 4th February 1986

Ref. No. 45/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL

meing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ac., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Ac.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Door No. 12 Aulla Sahib Street, situated at Madras-79
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the (ffice of the Registering Officer
at Sowcarpet (Doc. No. 286/85) on 6-6-1985

for an apparer t consideration which is less than the flat market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of such apparent consideration and that the consideration I or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilit ting the reduction or evation of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/o.

(b) faciliting the concealment of any income or any mone's or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 c? 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
101—516GI/85

J. Sayarchand Chordia (alias)
 J. Sayarchand Jain and Mrs. Amaraw Kanwar,
 No. 4, Ramanan Road,
 Madras-1.

(Transferor)

(2) Mr. G. K. Thulasi, 12, Mulla Sahio Street, Madras-79.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 12, Mulla Sahib Street, Madras-79.

(Doct. No. 286/85)

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (i/c)
Madras-600 006

Date: 4-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras, the 7th February, 1986

Ref. No. 47/June/85.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00 00 /- and bearing

No. 57, Bad in Street, Madras-1

(and more fully describ d in the Schedule annexed hereto), hat been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcornet (Doct. No. 305/85)

on 14 6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen nor cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has n t been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

The Madras Progressive Union, Reptd. by its Secretary Sri T. G. Ramanjulu Naidu, 103, Audiappa Naicken Street, Madras-79.

(Transferor)

(2) Sri A. D. Arumugam, 51, Badrian Street, Madras-600 001.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chashall have the sain that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 51, Badrian Street, Madras-1.

Doc. No. 305/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras.

Dated: 7-2-86 Scol:

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 4th February 1986

Ref. No. 48/June/85.—Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-...... varue exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

from 100, 10, which there is a find an 79 (and more fully be once in the schildle annexed hereto),

n t ansferred under the Registra ion Act. 1908 (16) 1933) in the Collection of the section of the at Sowearper (D.c. 1 o. 314/85) on 13-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ADU/OL
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee [O] the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Mrs. D. Janaki, W/o Dr. S. Ravindran, No. 30, Wallax Road, George Town, Madras-79.

(Transferor)

(2) Sri L. Gowrithankar & G. Kamala, No. 30, Walltax Road, Madras-60 0079.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Conzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 30, Walltax Road, George Town, Madras-79.

(Doct. No. 314/85)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Pange-II (i/c) Madras-600 006

Date: 4-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  Mrs. Sarojini Raja, B.Sc., B. T. W/o Mr. M. Raja, No. 67, Cathedral Road, Madras-600 0086.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri M. Abdule Jabbar 82, Gengu Reddy Road, Egmore, Madras-600 008.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

may be made in writing to the undersigned:-

Madras, the 7th February 1986

Ref. No. 57/June/85.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

vable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 80, Gangu Reddy Rlad, Egmore, Madras-8 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi at Periamet (Doct. No. 652/85) on 7-6-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of public; ion of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the reviective person, whichever period expired later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Cificial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions uned herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evazion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

# THE SCHEDULE

Land and Buidling at Door No. 80, Gengu Reddy Road, Egmore, Madras-8. (Doct. No. 652/85)

MRS. M. SAMUEL,
Comp tent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquirition Range-II
Nadras-600 006

Dated: 7-2-86

FORM NO. 1.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 4th February 1986

Ref. No. 60/June/95.--Whereas I,

MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proper y, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 006 /- and bearing

No. Door No. 18, Nowroji Street, Madras-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been t insferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Periame' (Doc No. 680/85) on 7-6-1985

tor an apporent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri V. Lakshmipathy and Smt. V. Jyothishmathi, No. 18, Nowroji Street, Madras-600 031.

(Transferor)

(2) Sri A. Ganesan, G/B Gettu Apartments, Venkatapathy Street, Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 18, Nowroji Street, Madras-31. (Doc. No. 680/85)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Renge-I (i/c)
> Madras-600 006

Date: 4-2-86 Seal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1986

Ref. No. 66/June/85.-Whereas I. MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immov-

to as the sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.09,000/- and bearing No. Door No. 4, Ujjini Street, Ayanavaram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at at Anna Nagar (Doct. No. 2171/85) on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any monevs or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M. C. Kuppuswamy, S/o. M. C. Ayyappa Mudaliar, 26, Barach Road, Nammalwarpet, Madras-12

(Transferor)

(2) Sri P. Selwyn Chandradoss Geoffrey, 21, Somasundara Thevar 4th St., Ayanayaram, MADRAS-600 023.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 4, Ujjini Street Ayanavaram Madras.

(Doct. No. 2171/85)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (i/c) Madras

Date: 7-2-86

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1986

Ref. No. 69/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 49. Vel.a a Street, situated at Aminjikarai, Madras-29, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doct. No. 2219/85) on 17-6-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Farties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the seid Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) A. Shanmukha Mudaliar & Others, No. 32/12, VIII West Cross Street, Shenoy Nagar, Madras-30.
- (2) Mrs. C. Dakshayani alias C. Thangam, No. 3, V. V. Koil Street, Aminjikar, Madras-29.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 19, Vellala Street, Aminji-karai, Madras-29.
(Doct. No. 2219/85).

M. SAMUFY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income- an (i/a) Acquisition Range-II, Madie 600 006

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE SNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1986

Ref. No. 70/June/85.--Whereas, I. MKS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having 2 fair market value exceeding

1. 3. No. 121 situated at Koyambedu Village, that more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Anna Nagar (Doct. No. 2290/85) on 7-6-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the office said property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of th instrument of transfor with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the love of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Srí P. Vadivelu. S/o Poonnambalam, No. 17, East First Main Road, Shenoy Nagar, Madras-30.

(Transferor)

(2) Sri G. V. Srinivasulu, S/o late G. Venkataramanappa Chetty, No. 129 G. Block, 1st Main Road, Anna Nagar East, Madras-600 102.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Exitanation: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in Let Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land in R.S. No. 121 at Koyambedu Village. (Doct. No. 2290/85).

M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (i/c) Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-2-1986

# FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1986

Ref. No. 731/June 85.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Plot No. 1020, Villiwalkam, Anna Nagar, Mudras cituated at Madrae

situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doct. No. 2334/85) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in rapect of any income arising from the transfer. ad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 102-516GI/85

(1) F. Masa Revhas, S/o Late V. M. Masca Revhas No. 8/1, Montieth Road, Egmore, Madras-8.

(Transferor)

(2) Bhagavanth Tulsidas Nagpal & Others, No. 9, Subbiah Naidu Street, Vepery, Madras-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Vacant land at Plot No. 1020, Arignar Anna Nagar, Villivakkam, Madras. (Doct. No. 2334/85).

M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (1/c)
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-2-1986

Seal ;

# FORM LT.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th February 1986

Ref. No. 84/June/85.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 778, Poonamallee High Road, Madras situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 715/85) on 31-5-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have readout to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the onsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferandlog

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shobha Hirachand & Other, No. 902, Poonamallee High Road, Shanthiniketan, Flat No. 20, Madras-84.

(Transferor)

(2) Sri K. Hiranand & Others, Peninsula Apartment, Flat No. 7A, 778, Poonamallee High Road, Madras-600 010.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building—Flat No. 7A on the 7th Floor at No. 778, Poonamalle High Road, Madras. (Doct. No. 715/85),

M. SAMUEI.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax (i'

Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 6-2-1986

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 7th February 1986

Ref. No. 88/June/85.—Whereas, I,

transfer with the object of :-

MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sait Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Door No. 4, Velayudha Achari Street, situated at Komaleeswaranpet, Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 741/85) on 26-6-1985, to: an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

 Sri L. C. G. Ramamurthy & Other, S/o L. C. Guruswamy, No. 4, Velayudha Achari Street, Komaleeswaranpet, Madras-2.

(Transferor)

(2) Smt. Zeenath Begum W/o Seeni Mohammed, No. 4. Ellappa Naicken Street II Lane, Komalceswaranpet, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 4, Velayudha Achari Street, Komaleeswaranpet, Madras-2.

(Doct. No. 741/85).

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th February 1986

Rcf. No. 89/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00 (000), and beginn

Rs. 1,00.000/- and bearing
No. Door No. 4, Velayudba Achari Street,
situated at Kompleeswarannet. Madras-2.

No. Door No. 4, Velayudha Achari Street, situated at Komalceswaranpet, Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 742/85) on 26-6-1985, for an apparent consideration which is less than the fair

Periamet (Doct. No. 742/85) on 26-6-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri L. C. G. Ramamurthy & Other, S/o L.C. Guruswamy, No. 4, Velayudha Achari Street, Komaleeswaranpet, Madras-2.

(Transferor)

(2) Sri Seeni Mohammed, S/o Ibrahim Sha Rowther, No. 4. Ellappa Naicken Street II Lane, Komaleeswaranpet, Madras-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 4, Velayudha Achari Street, Komalceswaranpet, Madras-2.

(Doct. No. 742/85).

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax (i/c)
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri P. Jayakumar and Other, S, o Late Sri Peria Thathu (alias), P. Periyaswamy Mudaliar, No. 9, Sadasivam Street, Gopalapuram, Madras-86,

(Transferor)

(2) Sri S. Muthu Achari, No. 59, Sami Pandaram Street, Chintadripet. Madras-600 002,

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 4th February 1986

Rcf. No. 90/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

1. Door No. 58, Arunachala Naicken Street, situated at

Chintadripet, Madras-2, (and more futly described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 752/85) on 20-5-1985, for an apparent consideration which is less than the fair masket value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of tals notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building at Door No. 58, Arunachala Naicken Street. Chintadripet, Madras-600 002.

THE SCHEDULE

(Doct. No. 752/85).

M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, (1/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Scotion 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following paraona, namely :-

Date: 4-2-1986

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. S. Mecrabai, W/o Srinivasan, C/o Mohanur Nachimuthu Chettiar, Teacher, Sarada Matriculation School, Salem

(Transferor)

(2) B. Sarojini and others, W/o Balasubramanian, Arasamgram Pillaiyar Koil St., Salem.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 92/June/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Block 5, Ward 'L', D. No. 16, 17, 17-A & 17-B, Card St. situated at Salem.

St., situated at Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR 1, Salem DOC No. 1683/85 in June 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at Bloc 5, Ward 'L', Door Nos. 16, 17, 17-A and 17-B, Cart St., Salem,

DOC. No. 1683/85 SRO: JSR I, Salem.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 10-2-1986

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# UFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 93/June/85.-Whereas, I, MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair it Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 918 at Salem Town market value exceeding

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Doct. No. 1584/85) on 12-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) for litating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Ast, in respect of any income arising from the transfer:

(b) fac litating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the following persons, namely :---

(1) Smt. S. Jayalakshmi, W/o lato V. S. Srinivasa Chettiar, Muthavalli Mohamed Yacub Street, Salem Town,

(Transferor)

(2) Sri M. Nainamalai & Others, S/o Muthu. No. 2, Sivasamy Street, Salem Town,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 188, 1st Agraharam, Salem. (Doct. No. 1584/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 10-2-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### (4) Sri G. Gopalakrishnan & Others, S/o Guruswamy Mudahar, Veerapandi, Salem Taluk and Dist.

(Transferor)

(2) Sri K. P. Nataraja Mudaliar, S/o Palaniappa Mudaliar, No. 33. Kanakkar Street, Salem Town.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th February 1986

Ref. No. 96/June/85.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 194, 195, 196 at Kanakkar St.,

Salem Town.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Salem (Doct. No. 1553/85) on 13-6-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: eod√o¢
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Land and building at Kanakkar Street, Salem Town. (Doct. No. 1553/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madrus-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mannely :-

Date: 10-2-1986

(1) Mr. Ashok Kumar Ajmera.

(Transferor)

(2) North Bombay Jaycees,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferce.

(Person in occupation of the property)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### "FFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I ROMBAY

Rombay, the 17th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7075/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/ and bearing
Office No. 38. 4th floor, Tardeo Air-Condition Market situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 26-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 or 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 38 on the 4th floor in Tardeo Air-Conditioned Market, Bombay-34.

The statement has been registered by the Competent Authority. Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6640/84-85 on 26-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, names:

103--516GI/85

Date: 17-2-1986

# FURM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I ROMBAY

Bombay, the 17th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7085/85-86.--Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have resson to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 64 Matru Mandir

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets whicht have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Ashwin Champaklal Jhaveri, Mukesh Champaklal Jhaveri.

(Transferor)

(2) Bhupendra Champaklal Jhaveri, Dhanabjey Champakled Jhaveri.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of
  45 days from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 64. Matru Mandir, 16th floor, Matru Mandir CHSL, Plot No. 278, Survey No. 654, Tardco, Bombay-7.

The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6650/85-86 on 27-6-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 17-2-1986

# FORM ITNS

(1) Praful Jethalal Furia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vimlesh Kumar Srivastava,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 17th February 1986

Ref. No. AR-I/37EL/7073/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 121, 1st floor, Ajay Services Indl. Estate Mazgoan situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer mid/or

# THE SCHEDULE

Gala No. 121 on the 1st floor of the building known as 'Ajay Services Industrial Estate' 9, Mascarenhas Road,

Mazgaon, Bombay-10.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6638/84-85 on 26-6-1985.

(v) facilitating the concealment of any insome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 17-2-1986

(1) M/s, Yasmin Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Manish Textiles Corporation.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 17th February 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR.1/37EE/7084/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 15 in the basement, Creative Indl. Centre situated at N.M. Joshi Marg, Off Lower Parel, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Bombay on 27-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shalt have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

Unit No. 15 in the basement of the building Creative Industrial Centre situated at Plot No. 12, C.S. No. 72, N. M. Joshi Marg. Off Lower Parel Division, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-1/6649/85-86 on 27-6-1985.

(b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-2-1986

Scal :

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Delta Printing.

(Transfered)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 17th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7077/85-86.-Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 25, 2nd floor of A-2, Shah & Nahar Indl. Estate

situated at Bombay (and more Jully described in the Schedule annexed hereto)

section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Officer at Bombay on 27-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Unit No. 286 on 2nd floor of Shah & Nahar Industrial Estate A-2, S.J. Marg. Lower Parel, Bombay-400 013.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Pombay, under Serial No. AR-I/6642/85-86 on 27-6-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wenith-tal Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons. namely :-

Date: 17-2-1986

Scal:

(1) Veçrmati Maghji Sagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Suresh H. Daftary, Saroj Daftary,

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person is occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 17th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7081/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0000/- and bearing No. Flat No. 20, 5th floor, Trilok Bldg. Road No. 24, situated at Star Bembur 22

Sion, Bombay-22

(and more fully described in the Schodule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair warket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent as agreed to between the consideration has not been truly stated in the said instrument. the parties has not been truly stated in the said instrument if transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, 8.0017.-J

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Flat No. 20, 5th floor of Trilok Building, New Trilok Co-That No. 20, 5th hoor of Trilok Building, New Trilok Co-Hsg, Soc. Plot No. 3-B of Sion Matunga Scheme No. VI, Road No. 24, Sion, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-1/6646/85-86 on 27-6-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 17-2-1986

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) M/s. Exclusive Enterprises.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I ROMBAY

Bombay, the 17th Ircbruary 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7076/85-86,-Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shah & Nahar Industrial Estate A-2 situated at Unit No. 287, 2nd floor of Lower Parel, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act, 1961 in the office of the Competent Officer at Bombay on 27-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ....

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: ध्यते /*त*र

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULF

Unit No. 287, 2nd floor of Shah & Nahar Industrial Estate A-2, S.J. Marg, Lower Parcl, Bombay-13.

The agreement has been registered by the Conspetent Authority, Acquisition Range-1, Bombay, under Serial No. AR-1/6641/84-85 on 27-6-1986.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 17-2-1986

#### FORM ITNS----

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transfero )

(2) System Synthetics (India).

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

HOLLONDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMP-TALA ACT 1561 (45 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 17th February 1986

Ref. No. AR-I/37FE/7079/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 250, Shah & Nahar Industrial Estate A-1

situated at Lower Parel, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Officer at Bombay on 27-6-1985

the Connectent Officer at Bombay on 27-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) raciffiating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under th respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Unit No. 250 on 2nd floor of Shah & Nahar Industrial Estate A-1, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-400 013.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6641/84-85 on 27-6-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this actice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 17-2-1986

# FORM I.T.N.S.—

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Messis Jain Brothers.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L BOMBAY

Bombay, the 17th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7078/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 267, 2nd floor of Shah & Nahai Industrial Estate

A-2 situated at Lower Parel, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 27-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any incense arising from the transfer:

(b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian \_\_come-tax Act, 192? (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 267 on 2nd floor of Shah & Nahar Industrial Estate A-2, S. J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6643/84-85 on 27-6-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of income-tax Acquisition Range-I Bombay

riow, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-104-516GI/85

Date: 17-2-1986

PORM TONS

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Subhash Rishikesh Ghosh & Smt. Mira Subhash Ghosh.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 17th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7086/85-86.—Whereas, 1. NISAR AHMED, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter care to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, haing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, 8th floor, Patel Tower, Worli Campa Cola Compound, situated at B.G. Kher Road, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any necome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 8th floor, Patel Tower, Worli Campa Cola Compound, B.G. Kher Road, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6651/84-85 on 27-6-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 17-2-1986

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Babulal Dhanajibhai Patava.

(Transferor)

(2) Vijay Babulat Shah.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACOUISITION RANGE-I ВОМВЛҮ

Bombay, the 17th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7082/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 601, Sulsa Premises Co-op. Society Ltd.

situated at Malabar Hill, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 601 on 6th floor of Sulsa Premises Co-cp. Society Ltd., R.R. Thakkar Marg, 254, B.G. Kher Marg, Malabar Hill, Bombay-6.

has been registered by the Competent The agreement Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6647/85-86 on 27-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 17-2-1986

Scal:

(1) Shri Shyam Sunder Tibrewala, HU.F.

(Transferor)

(2) Mrs. Sua Devi Dulichand Bothra.

(Transferec)

(3) M/s. D. C. Bothra & Co. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 17th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7072/85-86.--Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office Premises No. 61, Mittal Court situated at Nariman Point, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), nas been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said I I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this actice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Office Premises No. 61 situated at 6th floor of A Wing of the building known as 'Mittal Court' 224, Nariman Point, Bombay-400 021.

agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, AR-I/6637/85-86 on 26-6-985. Bombay, under Serial No.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Rauge-I ∂ാmbay

Date: 17-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri Motilal Vishram Ramvathakar Mrs. Prafulla Sydney Tellis, now Mrs. Prafulla Coelho, Ginil A Shrirodkar, Ajay Motilal Ramnathkar, Rajendra M. Ramnathkar.

(Transferor)

(2) Jayant Tipnis Consultants Pvt. Ltd.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I ВОМВЛҮ

Bombay, the 7th February 1986

Rcf. No. AR-1/37EE/6951/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Land bearing Plot No. 1050, Dadar (W) Bombay, treather with a short of the same and the same and the same are same as the same and the same are same as the same are same are same as the same are same as the same are same are same as the same are same are same are same as the same are same are same are same as the same are same

together with a chawl
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is legistered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 17-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officers and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andion

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land bearing Plot No. 1050, Dadar (W) Bombay, together with a chawl.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-1/37EE/6518/85-86 on 17-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 7-2-1986

NISAR AHMED,

# FORM ITNS-

# (Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Krishna Vihar Co-op. Hsg. Soc. Ltd. (Transferee)

(1) Gajanan Vishnu Rane & Others.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY** 

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/5238/85-86.—Whereas, I,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable prpoerty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing CS No. 50 (p) of Parel-Sewri Divin. situated at LalBaug, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at Bombay on 15-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of anasser with the object of :-

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay our under the said Act, in respect of any income avising from the transfer, and our

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the aurnoses of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act 1957 (27 of 1957);

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 1855/81 and registered on 15-6-1985 with the Sub-Registrar, Bombay,

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-2-1986

### FORM ITST--

(1) N. H. Parckh, H. S. Parckh,

D. S. Mistry,

H. B. Mistry.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s, Jaideep Construction Co. (Transferor)

(Transferec)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5239/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C.S. No. 559/10 of Matunga Division situated at Dadar

Matunga Estate

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Ac, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 5/6V1985 (for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aferceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this seriod in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said it, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the finbility of the transrefor to pay tax and the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any snoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1949/81 and registered on 5/6/1985 with the Sub-registar Bombay.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lasue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 10-2-1986

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7034/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Industrial Gala 6, 105 Champaklal Udyog Bhavan, Sion East, Bombay-22

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24/6/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) K. Popatlal Girdharlal & Co.

(Transferor)

(2) Shri Ashok J. Shah.

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Industrial Gala 6, 105, Champaklal Udyog Bhavan, Sion East, Bombay-22.

Authority, Bombay, under No. AR-4/37EE/6600/85-86 on 24/6/1985, The agreement has been registered by the Competent

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 10-2-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6819/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AFIMED, being the 'ompetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'saic Act'), have reason to believe that the immovable property h ving a fair market value exceeding ! s. 1,00,000/- and bearing Room No. 13, 1st floor, Gold Mohur Bldg., 174, Shamaldas Gandhi Ro id, Bombay-400 002

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been t ansferred and the agreement is registered under section 265 AB of the said Act in the Office of the Competent Au'l ority at

Bombay on 6/6/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per sent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) far ilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; as for
- (b) facilitating the concealment of any income or any m neys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ac., 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I here y initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid p operty by the issue of this notice under emb-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 105-516GI/85

(1) Smt. Devyani Jagmohandas Goradia.

(Transferor)

(2) Shri Dayanand Girdharlal Pandya, Smt. Padmavati Dayanand Pandya.

(Transferec)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the reservice of the service of the reservice o pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub?cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein search defined in Chapter XXA of the said Ass. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Room No. 13, 1st floor, Gold Mohur Building, Shamaldas Gandhi Road, Bombay-2. The agreement has been registered by the Authority, Bombay, under No. AR-I/37FE/6276/85-86 on 5, 5/1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-2-1986

(1) Laxmanshila Co-op. Hsg. Soc. Ltd.

Shri Jagdish Prasad Bagaria.

(2) Smt. Sumitra Devi Bajoria, Shri Rajendra Bagaria,

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6769/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tab. Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Flat No. 1-C, 1st floor, 70, Pochkhanwala Road, Worli, Pochkya.25

Bombay-25

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Au hority at

Rombay on 1/6/1985

for an appropriate consideration which is less than the fair market white of the appropriate property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appropriate consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
  - TO SHARING THE ASSECTIONANT OF BITY INCOME OF ANY moneys or other assets which have not been or which might to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a remod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flot No. 1-C, 1st floor, 70, Pochkhanwala Road, Worli, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. AR-1/37EE/6235/85-86 on 1/6/1985. Competent

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Rombay

Date: 10-2-1986

(1) Sunil V. Tikekar,

(Ti. nsferor)

EXECUTED NOT LESS PARKS A THE PROPERTY OF THE PERSON.

(2) Narendra Mulii Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/70248/85-86.—Whereas, L-NISAR AHMED,

being the Compliant Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer.ed to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable p open, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Road, Off Cadell Road, Prabhadevi, Bombay-82. (and more tuny translations as Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority a

nombay on 24/6/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesand property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the followng persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NNA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 4 on 12th floor, Shaan Apartment, A Fuil ling at Kashinath Dhuru Road, Off Cadell Road, Prabhadevi, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Pombay, under No. AR-I/37EE/6590 85-86 on 24/6/1985.

> NISAR AHMED Competent Authority ring Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Fange-I Bombay

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7027; 85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable Property, baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 403, 4th floor, Marker Mansion, Plot No. 623, Parsi Colony, Dadar Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24/6/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). (27 of 1957);

(1) Messrs Super Engineers.

(Transferor)

(2) Mrs, Homai Burjor Mehta and Mr. Burjor B Mchta.

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Marker Mansion Plot No. 623, Parsi Colony, Dadar, Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6593/85-86 on 24/6/1985

NISAR AHMED Competent\_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 10-2-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE LY CLIE-LAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) Smt. Leena B Shah.

(1) K Popatlal Girdharlal & Co.

(Transferor)

(Transferec)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

### COVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACOUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7033/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Completent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Industrial Gala 7, 105, Champaklal Udyog Bhavan, Sion

Last Bombay-22

(and more tuil) described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 24/6/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arcresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mai/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which hight to be disclosed by the transferee for the pu poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under substantia. (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the came meaning as given In that Chapter.

### THE SCHEDULE

Indl. Gala No. 7, 105, Champaklal Udyog Bhavan, Sion Eas, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. AR-1/37EE/6599/85-86 on 24/6/1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 10-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1361 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 10th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6846/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 17B/1, Sion Sindhi

Colony, Sion West, Bombay-22

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason obscieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per tent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in testing of any meome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Harendrakumar I Chandarana, Arvind I Chandarana Kantilal I Chandarana, Dilio I Chandadana & Predcepkumar I Chandarana, (Transferor)
- (2) Sudhir Kantilal Shah & Smt. Asha Sudhir Shah

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

Block No. 17B/1, Sion Sindhi Colony, Sion West, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6302/85-86 on 6-6-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 10-2-1986

(1) Smt. Sindhu B Dhote.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6816/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 203. 2nd ft;

Narayan Udyog Bhavan, Dr. B A Road, Lalbaug,

Bombay-12

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the granient is registered under section 469AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to herween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfert and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act, or the Wo Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(2) M/s Dattani Warehousing Agency.

(Transferce)

(3) Transferee,

(Person in occupation of the property)

(4) M/s, Patel Housing Finance & Const. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garette

Explanation:—The terms and expressions used herein 6 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 203, 2nd floor, Narayan Udyog Bhavan, Dr. B

A Road, Lalbaug, Bombay-12.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6273/85-86 on 6-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

\_\_\_\_\_

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6792/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing Flat No. 261, 6th fl. Bldg. No. 2, Sind

Sewa Samiti

Nagar, Koliwada, Bombay-37

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985

Authority at Bombay on 4-6-1985 to an he fair market value of the aforesaid property and I have reason to betteve that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fleen per cent of such apparent consideration and tant the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely in

(1) Sh. Sham M. Jadhwani & Sh. Bhagwan M. Jadhwani,

(Transferor)

(2) Sh. Vashumal V. Punjabi & Smt. Pu hpa V. Punjabi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-~

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 261, 6th floor, Bldg. No. 2, Sind Sewa Samity Nagar, Sion-Koliwad Bombay-37.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6195/85-86 on 4-6-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay,

Dated: 7-2-1986

### FORM ITNS- ----

(1) Shah & Nahar Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shashikant V. Dhond,

(Transferce)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE: 6800/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B A the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 254, Shah & Nahar Indl. Estate Λ-2, S J Marg. Lower Parel,

Rombay-13,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; with LI / OR
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Inc., 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicheve. period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that sald, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 254, on 2nd floor, Shah & Nahar Indl. Estate A-2, S J Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6258/85-86 on 4-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax - Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 26% of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suc-section (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :-106-516 GI/85

Dated: 7-2-1986

### FORM ITNS----

(1) Sh. Champaklal D. Mehta.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Prabhukar G. Bhat.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37FE/6812/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1450, Bldg. No. 62,

MIG Colony, Adarsh Nagar,

Bombay-25.

and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insurament of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaster.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (t) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Flat No. 1480, Bldg, No. 62, MIG Adarsh Nagar, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6270/85-86 on 4-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-1, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Dated: 7-2-1986

(1) Sh. Jaiprakash J. Chawla.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Sh. Atulkumar N. Parckh & Prakashkumar M. Parckh, (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6791/85-86,—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. Flat No. 303, 3rd fl. Mahavir Apts, Narayan Nagar,

Sion-Chunabhatti, Bombay-22.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inamovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given by that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): Flat No. 303, 3rd floor, Mahavir Apartment, Narayan Nagar, Sion, Chunabhatti, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6194/85-86 on 4-6-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 7-2-1986

### FORM ITNS-

(1) Rajani X Desai,

(Transeferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A Ramesh Shetty.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6413/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-Flat No. 4, Pachim Apt. A Wing, K. Dhuru Road, Bombay-28.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

### THE SCHEDULE

THE SCHEDULE Flat No. 4, A Wing, Pachim Co-op. Hsg. Soc. Kashinath Dhuru Road, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6327/85-86 on 4-6-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

> NISAR AHMED, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 7-2-1986

### FORM ITNS----

(1) Sh. Kantilal K Thacker.

(Transferor)
(2) Sh. Dhanesh N Doshi & Smt. Sarla N. Doshi,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Tabacies)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gamette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Ref. No. AR-1/37EE/7042/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 62, 6th fl.

Chitrakoot, 18/9 R A Kidwai Road,

Wadala, Bombay-31.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-mx Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

THE SCHEDULE

Flat No. 62, 6th floor, Chittekoot, 18/9, R A Kidwai Road, Wadala, Bombay-31.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6608/85-86 on 24-6-1985.

NISAR AHMED, Competent Authoriy Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Act, 1957 (27 of 1957):

Dated: 7-2-1986

FORM ITNO-

(1) Sh. Prabhakar G. Bhat.

(Transferor)

(2) Sh. Puttor K. Kamath.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6813/85/86,—Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269AB of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1340 in Building No. 46, MIG Adarsh Nagar, Worli, Bombay-25.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1340 in Bldg. No. 46, MIG Adarsh Nagar, Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6271/85-86 on 6-6-1985.

> NISAR AHMED, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 7-2-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preparty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

#### FORM ITNS----

(1) Balram N. Mackdani.

(Tarnsferor

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6802/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. C-59, Eucress Bldg. Wadala, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the cocnealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Malques Peter.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

(4) Mrs. Mohini B. Madkdani.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. C-59, Eucress Building, Wadala, Bombay, The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6260/85-86 on 4-6-1985.

> NISAR AHMED. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 7-2-1986

<del>and the second and t</del>

(1) Mani R. Mistry & Pesi R. Mistry.

(Transferor)

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Maneck H. Patel & Mrs Jasmine S. Bilimoria.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY-38 Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7053/85-86.--Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 51, 5th fl. West View, Jam Jamshed Road,

Dadar, Bombay-14.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparant consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under tre said Act in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) he may of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given Aet. in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 51 on 5th floor of West View, Jame Jamshed Road, Dadar, Bombay-14.

The agreement has been registered by the Competent Authorty, Bombay, under No. AR-1/37EE/6618/85-86 on 25-6-1985,

> NISAR AHMED. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay.

Dated: 7-2-1986

FORM ITNS----

(1) Mr. T. Rayindra.

(3) Transferec.

(2) Mr. T. Satchidanandam.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMES TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7065|85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 16A, Sanjay Society

Opp. Bengal Chemicals,

Prabhadevi, Bombay-25. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andice
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the mansferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the rwif Act to the following persons, namely:—
107-516 GI/85 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same measing as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 16A. Sanjay Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Opp. Bengal Chemicals, Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. AR-1/37EE/6630/85-86 on 25-6-1985.

> NISAR AHMED. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 7-2-1986

(1) Sh Dattatraya R. Joshi,

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Vishwanath S. Joshi & Mrs. Vanita V. Joshi.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6780/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

teing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing bearing Flat No. 6. The Prabhadevi Subrud CHSL, 581, Gokbale Road, Bombay-28. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under pection 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Miteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in \*he Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 6, The Prabhadevi Suhrud Co-op, Housing Soc. Ltd., 581 Gokhale Road, (South) Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6246/85-86 on 1-6-1985.

NISAR AHMED,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range-1, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 7-2-1986

### (1) Jyotindra B. Mehta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (2) Mr. Sadoshiv Raju Anchan.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

(3) Mr. S. Raju Anchan Mr. N. S. Daroga Model Flat CHSL.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(4) Mr. Kali S. Suntoke.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

Ref. No. AR-I/37EE/7069/85-86.--Whereas, I,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Hat No. 1. Naigara, Wodehouse

Road, Colaba, Bombay-5.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act, in the Office of the Computent Authority at Bombay on 25-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957).

Flat No. 1, Naigara, Wodehouse Road, Colaba, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6634/85-86 on 25-6-1985.

NISAR AHMED. Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7021/85-86.—Whereas, 1 NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and bearing No

Office No. 42, Mittal Court,

A Wing, Nariman Point, Bombay-21.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-6-1985

Bangalore under Registration No. 410/85-86 dated 17-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

(1) M/s Gopinath Indl. Investment Corporation.
(Transferor)

(2) M/s Ampi Agencies Pvt. Ltd.

(Transfere.

(3) Transferor & Transferce.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same neaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office Premises No. 42, Mittal Court, A Wing, 4th floor, Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6587/85-86 on 24-6-1985.

NISAR AHMED, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 7-2-1986

ocai

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7023/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office Premises No. 41,

Mittal Court A Wing,
Nariman Point, Bombay-21,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

(1) M/s. Gopinath Industrial Investment Corporation.

(Transferor)

(2) M/s. Aspi Agencies Private Limited.

(Transferce)

(3) Transferor & Transferee,

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office Premises No. 41, Mittal Court A Wing, 4th floor, Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6589/85-86 on 24-6-1985.

> NISAR AHMED, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay.

Dated: 7-2-1986

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7039/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office Premises No. 604-A, 6th floor, Niranian Bldg...

6th floor, Niranjan Bldg., Marine Drive, Bombay-2.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fait market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Farbatoffe Pvt. Ltd.

(Transferor)

- (2) Mrs. Madhu L Mehra & Mr K. Madanlal Mehra. (Transferee
- (3) Farbatoffe Pvt. Ltd. & Mr. Krishna M. Mehta.
  (Person in occupation of the property)
- (4) Mrs. Madhu K. Mehra.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office Premises No. 604-A, 6th floor, Niranjan Bldg., 99 Marine Drive, Bombay-400 002.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6605/85-86 on 24-6-1985.

NISAR AHMED,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 7-2-1986

FORM I.1.N.S.---

and the properties of the contract of the cont

(1) M/s Earnest John & Co. Pvt. Ltd.

(Transferc

(2) Smt. G. Ratna Shenoy & Smt Jayshree Shenoy. (Transfere:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7060/85-86.--Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 5, 8th fl.

and Car Parking space No. 29, Arcadia, 195, Nariman Point, Bombay-21.

(and more fully described in the schedule annexed herein), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as aviced to between the parties been not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the eforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, be respect of any income arising from the transfer; aid/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be anclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Office No. 5, 8th floor, Arcadia, & Car parking space No. 29, 195, Nariman Point, Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Mo. AR-1/37EE/6625/85-86 on 25-6-85.

> NISAR AHMED, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 7-2-1986

Seal ·

(1) Mr. Hinco J Patel and Mrs. Sheroo H Patel.

(Transferor)

TICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Hansa P Ganatra, Mr. Pravinkumar K Ganatra.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-38, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6798/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Garage No. G-5, Bldg. No. 1, Navyug Nagar, Forjett Hill Road, Tardeo, Bombay-34 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on

petent Authority at Bombay on 4/6/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Garage No. G-5, Bldg. No. 1, Navyug Nagar, Forjett Hill Road, Tardeo, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Computer Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6259/85-86 on 4/6/1985.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 10-2-1986

### FORM NO. ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Mr. Chuharmal Udharam.

(Transferor)

(2) Mrs. Kumkum Prasad, Maneklal Mfg. Co. Ltd.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6801/85-86,—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rev. 100,000/- and bearing.

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 2F, Malabar Apartments, Napeansea Road, Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4,6/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1977 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following section namely:—
108—516 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the nonce in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HAPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

### THE SCHEDULE

Flat No. 2F, Malabar Apartments, Napeansea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. AR-I/37EE/6259/85-86 on 4/6/85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-2-86

(Person in occupation of the property)

FORM ITNS-

(1) Shri Dilip R Lulla.

(Transferor)

(2) Shri C. R. Mistry.

(3) Transferee.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7009/85-86,—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office Premises No. 209, Neelkanth Bldg., Marine Drive, Bombay-2.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competen. Authority at Bombay on 21/6/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of tObjections, if any, to the acquisition of the said preserty may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

### IE SCHEDULE

(6) facilitating the reduction or evention of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any knoons or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Office Premises No. 209, Neelkanth Bldg., Marine Drive, Bombay-2.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE 6575/85-86 on 21/6/85

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Bombay

New therefore, in parameter of Soction 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

Dated: 7-2-86

### FORM ITNS ---

### 1) Security Trading Syndicate Pvt. Ltd.

(2) Associated Bearing Co. Ltd.

(Transferor)

(Transferce)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ref. No. AR-I/37EE/6917, 85-86,—Whereas, Is

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office on 11th & 12th floor, Hoechst House, Bombay-21

along with four garages.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competen. Authority at Bombay on 13/6/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said mmov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offiical Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Office premises on 11th & 12th floor, in Hoechst House, Nariman point, alongwith four garages Bombay-21.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6486/85-86 on 13/6/85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely :--

Date: 10/2/86

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay-38, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6867/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding.
Rs. 1,00,000/- and bearing.
Flat No. 31, Prabha Mandir CHSL, P Balu Marg, Prabhadevi, Bombay-25.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competen. Authority at Bombay on 4/6/1985

4/0/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cost of such apparent consideration, and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instituted of transfer with the object of :—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any memorys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mukund V Warerkar.

(2) Dr. Satish P Wage and Mrs. Smita S Wage,

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

in Landium:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 31, Prabha Mandir CHSL, P Balu Marg, Prabha-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6516/85-86 on 4/6/1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said let. I hereby initiate proceedings for the acquaition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10/2/86

### (1) Smt. Harnam Kaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Paradise Trading Corporation, through its partners, N. K. Lali ala, Viresh N. Laliwala and Jayesh N Laliwara.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-38, the 10th February 1986

Ref. No. AR-II/37EE/6848/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Indl. Unit No. 19, Gr. fl. T. V Industrial Estate, Plot No. 248(A), Worli, Bombay-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competen Authority at Bombay on 6/6/1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of hansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 19, Gr. fl. I. V. Industrial Estate, Plot No. 248(A), junctional Sudam Kalu Ahere Marg & Worli Road, Behind Glaxi Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. AR-I/37FF 6304/85 86 on 6/6/1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 10/2/86

### FORM TINS-

 Subhash Chander K Bhambari and Avinash C Bhambari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Kantilal K Thackar.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-38, the 10th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6765/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a rair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 61, 6th floor, Chitrakoot, R A Kidwai Road, Wadala

Bombay-31.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1.76/1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitaing we reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

P) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 62, 6th floor, 'Chitrakoot' R A Kidwai Road, Wadala Bombay-31.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6231/85-86 on

Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6231/85-86 on 1/6/1985.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, he pursuance of Section 269C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 10/2/86

(1) Naraindas G Khiani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P V Raman.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY** 

Bombay-38, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6804/85-86.—Whereas. I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 315, 3rd floor, Bombay Market Apartments, Tardeo, Bombay-34.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Cornpeten: Authority at Bombay on

4 6/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfr with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and)or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this rotice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as over defined in Charter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ie that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 315, 3rd floor, Bombay Market Apartments, Tardeo, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Auhority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6262/85-86 on 4/6/1985

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-2-86

### FORM JTNS-

(1) M/s. Aristo Const. P. Ltd.

(Transferor)

HOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ashraf Habib Synasara, Mr. Andulla I Choudhari, Mr. Yunus Yusuf Jagralh.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-38, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6782/85-86.-Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 8, Gr. floor, Gulshan-Abad Bldg., Falkland Road Bombay-7.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent enosideration therefor by more than ditteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective n persons, whichever period expires inter;

re<del>dical description</del> and a constant of the second of the

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Emplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) faculitating the concentment of any income or any moneys or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 8, Gr. floor, Gulshan-Abad Bldg., Falkland Road, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/6248/85-86 on 1/6/1983.

> NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :--

Date: 10/2/86

TORM ITNS

(1) K. Popatlal Gudharlal & Co.

(Transferor)

NOTICI UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bharat J Shah.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

THE THE PERSON OF THE PERSON O

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay-38, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7035/85-86.—Whereas I. NISAR \HMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-t v Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 's id Act'), have reason to believe that the immovable pro erty having a fair market value exceeding Rs. 100 000/- and bearing

Indl. Ge i 8, 105 Champaklal Udyog Bhavan, Sion East, Bombay-; 2

(and me e fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 259AB of the said Act in the Office of the Competent A thority at Bombay on

24/6/1935.

for an a parent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties his not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein has are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

ta) scilltating the reduction or evasion of the liability the transferor to pay tax under the said Act. In senert of any income arising from the transfer: nd/or

Indl. Gala 8, 105 Champaklal Udyog Bhavin, Sion East.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6601/85-86 on 24-6-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any the control of the first state of the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of the purposes of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I heby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numely :-

Date: 10-2-1986

Seal:

109-516 GI/85

(1) Narayandas V. Bhatia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pravin Premji Dhanani and Hemlata P. Dhanani,

(Transferee)

Casse KNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-38, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7031/85-86.-Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Computent Authority under Section 269B of the income act 19:1 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveb! p epoty beying a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000/- and bearing 1.00.000/- 21 20-B, Shankar Kripa, Plot No. 201, Wadala,

Tomhay-31.

(and the filter described in the Schedule annexed hereto), for both transferred and the agreement is registered under the 2500B of the said Act in the Office of the Committee of the Bombay on

of a nideration which is less than the fair starter while of the aforesaid property and I have reason to besieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income avising from the transfer, and/or

and the concealment of any income or any which ough to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat Nos. 21/20-B, Shankar Kripa, Plot 201, Wadala,

The agreement has been registered by the Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6597/85-86 on 24/6/85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-2-1986

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACf, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5235/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 /- and bearing C.S. No. 1715 of Bhuleshwar Divn. situated at Dadyseth

Agiary Lane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferral and the agreement is registered under section 269AB of Said Act in the Oflice of the Competent Authority

at Bombay on 5-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iliteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dinanath G. Raje & Ors.

(Transferer:

(2) M/s Rameshchandra Hansraj & Co.

(Transferce)

(3) Kumar Trading Co., Sukhibai Chhagenlal, Fate-chand Rakh, Romesh Rakh, Bhusalal H. Shah and Ramesh H. Shah.

(Person in occupation of the property.)

-65000555077-0508400055-75044444

Objection, if any, to the acquirition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Grazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective perform whichever period expures later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :- The terms and extrement and in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.-266/78 and registered on 5-6-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-2-1986

FORM ATNS

(1) Ebrahim Mohammed Kaskar.

(Tr. nsferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the 1 operty.)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5236/85-86,--Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

C.S. No. 1191 of Byculla Division
(and more fully described in the Schedule appeared beyon)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

(2) Mohamed Faruq Mohamed Ebrahim Qure hi.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 d ys from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the doe of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used crein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the saine meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 1560/79 and registered on 5-6-1985 with the sub-registrar, Bombay.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of L. Come-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-2-1986

(1) Jaswantilal S. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Pramod A.Punjani, Mrs. Indu P. Punjani and HUF of Pramod A. Punjani. (Transferec)

(3) Jaswantlal S. Patel and his family, (Person in occupation of the property.)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-1 '37-G/5237/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Comp. lent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said act') have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.60,000/- and bearing No.

Apt. No. 603, Panchsheel, C Road situated at Churchgate (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfer ed and the agreement is registered under Section 269 AB of said Act in the Office of the Competent at Bombay on 5-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of he aforesaid property and I have reason to believe that the thir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

μωποκες or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (2/ of 1957).

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.-1243/81 and registered on 5-6-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Incometax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in that proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5240/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C.S. No. 6A/661 of Malabar and Cumballa Hill Division situated at Forjet Hill Road

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Dahibai Devkaran Sodha.

(Transferor)

(2) Shri Rohit B. Prajapati.

(Transferce)

(3) Smt. Vijayalaxmi Moganlal Parikh. (Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.-162/82 and registered on 6-6-1985 with Sub-registrar, Bombay.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-2-1986

### FORM ITNS----

### NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) Ramkrishna G. Dandekar and Vinayak G. Dandekar. (Transferor)

(Person in occupation of the property.)

(2) Sharadaben S. Parekh.

(Transferce)

(3) Tenants.

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-1/37-G/5241/85-86,---Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 1344 & 1345 of Girgaum Division situated at

Charni Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of Said Act in the office of the Competent

Anthority at Bombay on 10-6-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesat? persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Schedule as mentioned in the Registered Decd No. BOM.-901/82 and registered on 10-6-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

THE SCHEDULE

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10-2-1986

(1) Nirmaldas N. Vaziranai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ansari Abdul Razak Mohamed Qasim, Smt. Mchrunisa W/o Ansari A. Rahman. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

## ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

whichever period expires later;

Bombay, the 10th February 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Oficial Gazette.

AR-1/37-G/5242/85-86.—Whereas, I, . Jo. NISAR AHMED,

> FURTANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Coupt'r NXA of the said Act, shall nave the same a raning as given in that Chapter.

being he Composent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) 'hereinaster referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable preservy having a fair market value exceeding Rs. 1.0: 000/- and bearing C.S. No. 1709 of Byculla Division situated at IInd

Ghellab'nd Street,

(and mere fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is rigistered under section 19AB of the Said Act in the Office of the Competent Author via at Eombay on 6-6-1985

to be the consideration which is less than the fact that the tries market value of the property and I have easen to believe that the trie market value of the property as another exceeds the apparent confideration herefor by more than lifteen present of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, he respect of any income arising from the transfer; mod /or

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1641/82 and registered on 6-6-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaul property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-2-1986

### FORM ITNS----

#### (1) Gulchar P. Karai.

(Transferor)

(2) M/s Bimal Paints Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property.)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37G/5243/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
C.S. No. 1792 of Fort Division situated at Queens Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 5-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the earl Act, in respect of any income arising from the transferi end /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.-2165/82 and registered on 5-6-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---110-516GI/85

Date: 10-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Le recitation de la company de

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-1/37-G/5244/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 4056 of Bhuleshwar Division situated at Maulana Azad Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the office of the Competent

at Bombay on 14-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

 Jeisiai Vithaldas, Gordhandas Bhagwandas, Hariram M. Somaiya, Karsondas Mulji Kapadia and Charandas Vallabhdas Marivala. (Transferors)

(2) 1. Mr. Harilal J, Trivedi.

Mrs. Mahalaxmi H. Trivedi.
 Mr. Kantilal H. Trivedi,

- 3. Mr. Kantilal H. Trivedi,
  4. Mrs. Kundanbala K. Trivedi,
  5. Mr. Kishor K. Trivedi,
  6. Mr. Henamt K. Trivedi,
  7. Master Ashok K. Trivedi,
  8. Master Rahul K. Trivedi,
  9. Mr. Prødyumam H. Trivedi,
  10. Mrs. Manorama P. Trivedi,
  11. Mr. Mukesh P. Trivedi,
  12. Mr. Rohit P. Trivedi,
  13. Mr. Chetan P. Trivedi,
  14. Mr. Ghansham H. Trivedi,
  15. Mrs. Mrudula G. Trivedi,
  16. Mr. Anand G. Trivedi,

- 17. Mr. Mahendra H. Trivedi.
  18. Mis. Bhanumati M. Trivedi.
  19. Master Javesh M. Trivedi.
  20. Mr. Rajnikant H. Trivedi.
  21. Master Pranjal R. Trivedi.
  22. Master Parth R. Trivedi.
  23. Mr. Bhaskar H. Trivedi.
  24. Mrs. Bharti B. Trivedi.
  25. Master Ashish B. Trivedi.

- Mrs. Bharti B. Trivedi.
   Master Ashish B. Trivedi.
   Mr. Rajendra H. Trivedi.
   Mrs. Nivedita R. Trivedi.
   Mrs. Nivedita R. Trivedi.
   Mrs. Laxmishankar J. Trivedi.
   Mrs. Ichhaben L. Trivedi.
   Mrs. Manjula R. Trivedi.
   Mrs. Bhupesh R. Trivedi.
   Mrs. Suman R. Trivedi.
   Mrs. Gceta A. Trivedi.
   Mrs. Greta A. Trivedi.
   Master Hiren H. Trivedi.
   Master Dhormesh H. Trivedi.

- Master Dhormesh H. Trivedi. 38.
- 39. Master Kartik H. Trivedi. 40. Mrs. Vasha P. Trivedi.

- 41. Master Nikunj P. Trivedi. 42. Mrs. Jyoti G. Trivedi.
- Mrs. Tyott G. Trivedi.
   Master Bhavesh G. Trivedi.
   Mrs. Jayshree K. Trivedi.
   Master Kalapi K. Trivedi.
   Master Tushant K. Trivedi.

(Transferees)

(3) Transferecs.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1845/83 and registered on 14-6-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-2-1986

(1) M/s Metal Distributors Limited.

(Transferor)

(2) M/s Gallant Holdings Private Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISTTION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No./37-G/5245/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable

property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 3857, Bhuleshwar Division

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evacion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any inserce or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.-2722/83 and registered on 6-6-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

THE SCHEDULE

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 249°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1986

(1) Liladhar P. Patel, Anandsinhji Vakhatsinhji. (Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Hirnakshi D. Kripalaney & Pushpa D, Kripalaney.

(Person in occupation of the property.)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5246/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing C.S. No. 3E/755 Malabar HiH Division

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said act in the office of the Competent

at Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforessid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.-2244/83 and registered on 6-6-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-2-1986

Scal:

#### PORM ITNS-

(1) Liladhar P. Patel, Anandsinhji Vakhatsinhji (Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-1/37-G/5247/85-86.—Whereas, I,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 3E/755 of Malabar Hill Division

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Arjun H. Khilnani, Sharat H. Khilnani, Miss Lila Khilnani and Miss Indira Khilnani. (Transferce)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM.-2245/83 and registered on 6-6-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—95—516GI/85

Daty: 10-2-1986

Senc:

(1) Kishorebhai Shamjibhai Mehta.

(Transferor)

- (2) M/s Industrial Minerals & Chemicals Co. P. Ltd. (Transferee)
- (3) Tenants.

(Person in occupation of the property.)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5248/85-86 --- Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 683 of Mandyi Division

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 27-6-1985

for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ed 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experss later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM-2808/79 and registered on 27-6-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 10-2-1986

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

#### GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5249/85-86.--Whereas, I NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing CS No. 683 of Mandvi Division situated at Nagdevi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of Said Act in the Office of the Compentent Authority

at Bombay on 27-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any two me arising from the transfer; and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Capt, Nagindas S. Shah

(Transcferor)

- (2) M/s. Industrial Minerals & Chemicals Co. P. Ltd. (Transferee)
- (3) Tenants

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein we are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2857/79 and registered on 27-6-1985 with the Sub-registrar Bombay.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5250/85-86.—Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and

CS No. 683 of Mandvi Division situated at Nagdevi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cant of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslib-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(1) Shri Rangildas S. Mehta

(Transferor)

- (2) M/s. Industrials Minerals & Chemicals Co. P. Ltd. (Transferce)
- (3) Transferee

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 2858/79 and registered on 27-6-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the end Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Date: 10-2-1986

## FORM ITNS-

## . \_ .....

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-I/37-G/5251/85-86.—Whereas, I NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) bereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
CS No. 2281 of Bhuleshwar Divn. situated at Pedder Rd

CS No. 2281 of Bhuleshwar Divn. situated at Pedder Rd (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said act in the office of the Competent Authority

Bombay on 19-6-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely:—

111-516GI/85

(1) Shri Naraindas J. Ruparel

(Transferor)

(2) Anantkumar R. Mittal

(Transferec)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Schedulc as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 766/1980 and registered on 19-6-1985 with the Subregistrar, Bombay.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J, Bombay

Date: 10-2-1986

#### FORM ITNS--

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Rcf. No. AR-I/37G/5252/85-86.—Whereas, I NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Cs. No. 1249 of Bhuleshwar Divn. situated at Shamseth Street (and more fully described in the Schedule approved hereto).

C S No. 1249 of Bhuleshwar Divn. situated at Shamseth Street (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said act in the office of the Competent Authority

Bombay on 28-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby inltiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Dwarkadas Ramjas Dangra

(Transferor)

(2) Shri Pushpkumar Mohanlal Kasat

(Transferee)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

(4) Transferce

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM. 732/81 and registered on 28-6-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-2-1986

#### (1) Shri Aziz Mohammed Modin & Others

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Jamad Mohd.

(Transferee)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. AR-1/37-G/5255/85-86.—Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

R. 1.00,000/- and bearing C.S. No. 764 of Mandi Division situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said act in the office of the Competent Authority at Bombay on 28-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evation of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer, and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. B. 1223/ 84 and registered on 28-6-1985 with the Sub-registrar, Bombay.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 10-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(J) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37FE/6939/85-86.—Whereas, I NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding
Rs. 1 lakh and bearing
Flat No. 269, 2nd fl. Bldg. No. 6, The Worli Ambedkar
Nagar CHSL, Worli, Bombay-18

(and more fully described in the Schedule annexed here'o), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 19-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: مجارفوه
- (b) facilitating the concealment of any income or any manneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Sh, Sharad R, Sheyh.

(Transferor)

(2) Dinesh B. Desai.

(Transferec)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

(4) Transferor

(Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property way be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the stiff immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 269, 2nd floor, No. 6 in the Worli Ambedkar Nagar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 3/52, Ambedkar Nagar, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6507/85-86 on 14-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 7-2-1986

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Smt. Durgidevi Babu, Shri Cukhramda. Mehta. (Transferor)

(2) Shri Gopal P. Sharma

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 29th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6693/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Flat No. 1102, Rock View Bldg. situated at Mazagaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said act in the office of the Competent Authority

Authority

at Bombay on 17-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 1102, 11th floor, Rock View, Dockyard Road, Mazagaon, Bombay-10.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6530/85-86 on 17-6-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforenaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 29-1-1986

Scal:

#### FORM ITNS----

(1) M/s. Sumer Associates

(Transferor)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shantilal Mulchand

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 29th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7037/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 105, Sumer Towers No. 1 situated at Mazagaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 24-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- A racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 105 on 1st floor, Building No. 1 of 'Sumer Towers' at Love Lane, Scth Motisha Road, Mazagaon, Bombay-400 010.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6603/85-86 on 24-6-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 29-1-1986

(1) M/s. Prestige Engineering Works

(Transferor)

(2) M/s. Light Craft .

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Transferee

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 29th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6978/85-86.—Whereas, INISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 303, Ajay Service Ind. Estate situated at Mazagaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 18-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income erising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 303, Ajay Service Industrial Estate, Anjirwadi B, Opp. Hasnabad, Dr. Mascrehance Road, Mazagaon, Bombay-400 010.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6545/85-86 on 18-6-85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-1-1986

Scal:

#### PORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 29th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7038/85-86.—Whereas, I NISAR AHMED.

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 1002, Sumer Towers No. 1 situated at Mazagaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), and the Agreement is registered under section 269 AB of the

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 24-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Sumer Associates

(Transferor)

(2) Master Priyank P. Jain, through father & natural guardian Shri Paras Jain

(Transferee)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1002, 10th floor, Building No. 1, Sumer Towers. I ove Lane, Seth Motisha Road, Mazagaon, Bombay-400 010, The statement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6604/85-86 on 24-6-85.

> NISAR AHME'S
> Competent Author's
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-Acquisition Range-I, Bomba

Date: 29-1-1986

(1) Mr. Manik Sobhraj Narang

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

17

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. M. Shailesh & Co.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 29th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7048/85-86.—Whereas, I NISAR AUMED being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act. 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act.) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ry 100.0000 - and branism No.

Ry. 7,00,000 and bearing No.

Onice No. 503, Majestic Shopping Centre situated at Girganm (and more fully described in the Schedule andexed hereto), has near transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said act in the office of the Computent Authority

at Bombay on 24-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the schunder: and/or
- (b) facilitating the concretiment of any income or any moneys or other anects which have not been or which to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of the notices
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons.
whichever period expires inter-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANIATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 503, 5th floor, Majestic Shopping Centre, 144, J. S. S. Road, Bombay-400 004.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-I/6614/85-86 on 24-6-85.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

therefore, in pursuance of Section 269C of the said property initiate proceedings for the acquisition of the fresaid property by the issue of this notice under sub-section of Section 269D of the said Act, to the following

**bersons.** namely :— 112—516GI/85 Date: 29-1-1986

(1) M/s. Amit Enterprises.

(Transferor)

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7102/85-86.—Whereas, I

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereina fter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000' and bearing Unit No. 203, Amit Indl. Estate, S. S. Rao Road, Parel.

Bombay-12

(and more fully described in the Schedule annexed he et a), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said act in the office of the Competent

Authority Bombay on 28-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afor esaid exceeds the apparent consideration therefor by more thain fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) M/s. Satam Udyog, Prop. Shemant S. Satam.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 203, 2nd floor, Amit IndN, France, or, S. S. Rao Road, Parel, Bombay-12. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/27EE/6667/85-86 on 28-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inc. Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 6-2-1986

(1) Mrs. Ratanben L. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mohammed Yusufuddin.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 29th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6941/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No.
Shop No. 25, Gr. floor, Grant Road Pakceza Market CSL,
Maulana Shaukatali Road, Bombay-8
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property an afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any minneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 25, Gr. floor, Grant Road, Pakeeza Market, Co-op. Soc. Ltd., Maulana Shaukatali Road, Bombay-8.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. AR-I/37EE/6509/85-86 on 14-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely :-

Date: 29-1-1986

Scal:

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 29th January 1986

Ref. No. AR-I/37FE/6997/85-86.—Wherens, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 201, Murlidhar Chamber situated at Girgam Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; mid/er
- (3) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which each to be disclosed by the transferce for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Sri Balwant Singh Jagatsingh & Sri Kartar Singh Jodhsing.

(Transferor)

- (2) M/s. Nandlal Gobindram through partner Shri Gobindram Jamiatmal.
  - (Transferce)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

er automorphism and a second

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Office No. 201, 2nd floor, Murlidhar Chamber, 352, Girgam Road, Bombay-400 002.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Acquisition Range-I, Bombay, under Serial No. AR-1/6563/85-86 on 20-6-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Bombay

Act, I herefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-cection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-1-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 29th January 1986

Ref. No. AR-I/37EF/6783/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 208, 2nd floor, Kailash Apartment, 293, Bellasis Road, Bombay-8,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) Master Mohamed Firoz by Guardian Mr. Mohamed Ishaq Salim and Mrs. Apsara Salim. (Transferor)
- (2) Mr. Abuzaffer A. Bakshi & . Mrs. Rafia A. Bakshi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interestd in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 208, 2nd floor, Kailash Apartment, 293, Bellasis Road, Bombay-8.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-I/37EE/6249/85-86 on 1-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Dnte: 29-1-1986

(1) Mr. Esmailbhai E. Sheikh.

(Transferor)

(2) Dr. Sardar Ahmed Ansari & Dr. (Mrs.) Talat Nasrin Sardar Ansari

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 29th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6836/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred in at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100 000% and bearing No.

the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 42, Embassy Apartment, Bellasis Road Bombay-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cant of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1—

and/er.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 42, 4th floor, Embassy Apartment, Bellasis Read, Bombay-400008.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under No. AR-1/37EE/6292/85-86 on 6-6-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 29-1-1986

cal:

### PORM ITNE-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE-I **BOMBAY-38**

Bombay-38, the 29th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6852/85-86,--Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1206, 12th floor, Abdul Hussain Potia Apartment,

Bellasis Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sultan Ahmed.

(Transferor)

(2) Aziz Abbashhai.

(Transferee)

(3) Sterling Enterprises.

(Person in occupation of the property)

(4) Sterling Enterprises.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Flat No. 1206 on the 12th floor, Abdul Hussain Potia Apartment, Ballasis Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6401/85-86 on 4-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tar Acquisition Pange-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 29-1-1986

### FORM 1.T.N.S.---

(1) Smt. Nirupama M. Kotecha.

(Transferor)

(2) Shri Kirit P. Singh.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

#### ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY-38

Bombay-38, the 29th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7029/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 18, 3rd floor, Ekta CHSI, Sion East, Bombay-22 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Offlice of the Competent Authority at Bombay on 24-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration the between consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; بالذارق ذار

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 18, 3rd floor, Plot No. 160, Ekta Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Plot No. 160, Sion East, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-1/37EE/6595/85-86 on 24-6-985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-2-1986

and the second of the second o

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 29th January 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6938/85-86.-Whereas, 1,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinniter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

uble property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land bearing CS No. 319, Laughton S. No. part of 1/8423 part. New No. 684, CRR No. 154, situated at 36/44, Wellington Street, Bombay-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have resson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for su a transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Unbility of the transferor to pury tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer. and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been o which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :- 113-516GI/85

(1) M/s. Byramjee Jecjeebhoy (Pvt.) Ltd. (M/s.) Heritage Pstates (Pvt.) Ltd.. Commission Party.)

(Transferor)

(2) Mr. Chandrashekhar Shetty.

(Transferce)

(3) Transferee & Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Land bearing CS No. 319, Laughton Survey No. Part of 1/8423 part, New No. 684 CRR No. 154, situated 36/44 Wellington Street, Diobi Talao, Bombay-2.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6506/85-86 on 14-6-1985.

NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 29-1-1986

#### FORM ITNS----

(1) Shri Zubair Dawood Agbotwala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shabbear M. Tapia.

(Transferce)

(3) Transferor.

A STATE OF THE PROPERTY OF THE

(Person in occupation of the property)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 29th January 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6970/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1.00.000/- and bearing No.

Shop No. 18, ground floor, Pakecza Market, Grant Road, Bombay-7.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aug. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 '11 of 1922), or the said Aut, or the Wealth-tax Ant, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

  Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 18, Gr. floor, Pakeeza Market, Grant Road, Bombay-400 007.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6537/85-86 on 18-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-f Bombay

Date: 29-1-1986

\_\_\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS

## (1) Mrs. Parvatibai G. Lalmalani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jayantilal R. Shah.

(Transferee)

COMERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## DFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7098/85-86.--Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 4, Gr. floor, Shiv Sagar Building, Worli, Bombay-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ; --

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

model or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Ground floor, Shiv Sagar Bldg, Worli Hill Estate CHSL, Abdul Gaffar Khan Road, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6663/85 86 on 28-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the accurate property by the issue of this potice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following samons, namely :--

Date: 7-2-1986

(1) Smt. Mangla V. More, Dr. Vinayak V. More,

(2) Mohan B. Agarwal.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7095/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovto as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, Gr. floor, Vijay Sadan Bldg., Dr. B. A. Road, Dadar TT, Bombay-14 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority on 28-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said frames

ment of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income axising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192? (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 & 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Papeanation :—The terms and expressions used herein as are defined as fixed in C and C of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, Vijay Sadan Building, Dr. B. A. Road, Dadar TT, Bombay-14. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6659/85-86 on 28-6-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said As a taceby initiate proceedings for the accretion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 7-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6885/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 107, 1st floor, Mangalkunj B. Bldg. 2, Mount Pleasant Road, Bombay-6

transfer with the ebject of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore a persuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following /persons, namely :—

(1) Sri Dilipkumar V. Mehta.

(Transferor)

(2) Smt. Sandhya S. Mehta.

(Transferce)

(3) Sailesh V. Shah.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 107, 1st floor, Mangal Kunj B, Plot No. 2, Mount Pleasant Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/371 17/6317/85-85 on 12-6-1985.

> NISAR AHMID Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 7-2-1986

#### FURMI TINS .....

(1) Shri Jaswantkumar S. Upadhyay.

(Transferor)

(2) Shri Mohitkumar M. Harawat.

(Transferee)

(3) Transferee.

್ಷಾಗಿ ಸಾರ್ವಜನಗಳ ಸಂಗಾದದೆ ಸಾರ್ವಜನೆ ಸಿನ್ನಾಗ ದೇವೆ ಸಂಗಾರ್ಣ ಸಂಗ್ರಾಮಗಳ ಸಂಗರ್ಭವಾಗಿ ಸಂಗ್ರಹಗಳ ಸಂಗ್ರಹಗಳ ಸಂಗ್ರಹಗಳ ಸಂಗ್ರಹಗಳ

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7006/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

as the harmonic as the respective that the same as the property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Block No. B-201, Vikas Apartment, A.G. Pawar I and No. 2. Gharupdeo, Chinchpokli X Road, Bombay-27 (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income trising from the mad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act 1927; (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made as writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that the said the same meaning as given

#### THE SCHEDULE

Block No. B-201, Vikas Apartment, Anant Ganoat Pawar Lane No. 2, Ghorupdeo, Chinchpoldi X Road, Bombay-27.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6572/85-86 on 21-6-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acceptation of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the follow-persons, namely:—

Pate: 7-2-1986

#### FORM JINS --- --

(1) Smt. Urvasni J. Jhaveri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.

'AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Bhogfal R Shah, Mrs. Sarojaben R. Shah, Mr. Viral B. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7022/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Aumority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 104/A, Chandralok A Bldg. Napeansea Road,

Bombay-6.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 24-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liftuen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ganster with the object of i-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned : -

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 104/A, Chandra Bhuvan Co-op, Hsg. Soc. Ltd., Chandralok A B'dg. Napeansea Road, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6588/85-86 on 24-6-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-2-1986

(1) Mohanlal B Modi.

(Transferor)

(2) Smt. Kamlaben B. Shah and Vijay B. Shah.

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6811/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Room No. 14, 1st floor, Kahan Nagar Society,

N C Kelkar Road, Dadar, Bombay-25,

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-6-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ea) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. nemely:—

Kahan Nagar Housing Society, Room No. 14, 1st floor, 271/293, N C Kelkar Road, Dadar, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6269/85-86., on 4-6-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-2-1986

(1) Lalchand C Foundation.

(Transferor)

(2) Shri Ramanlal H. Malchandji,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986 Ref. No. AR-1/37EE/6901/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 505, 5th floor, Tower D, Mahavideh-Nagar, Victoria Road, Mezagaon, Bombay-10, (and more fully described in the Schedule appeared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 12-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afodesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 505 on 5th floor, CS No. 587 of Mazgaon Divislon, Tower D, Mahavideh-Nagar, Bombay-400 010, Victoria Road.

The screen at has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6472/85-86 on 12-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--114---516GI/85

Dute: 7-2-1986

ಯಾ<u>ರಾಗು ಸಂಪರ್ಧವಾಗಿದ್ದಾರೆ.</u> ಪ್ರಕ್ಷಣ ಸಂಪರ್ಷಗಳಲ್ಲಿ ಬಿಡುವುದ ಪ್ರಶ್ನೆ ಪ್ರಸಂಪ್ರವಾಗಿ ಪ್ರಶ್ನೆಗಳು ಪ್ರಶ್ನೆಗಳು ಪ್ರಶ್ನೆಗಳು ಪ್ರಶ್ನೆಗಳು ಪ್ರಿಸ್ತೆಗಳು ಪ್ರಶ್ನೆಗಳು ಪ್ರತ್ತಿಗಳು ಪ್ರಶ್ನೆಗಳು ಪ್ರಶ್ನೆಗಳ (1) Dabu V Pumpingil.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Raghuvir S Khandalwal.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I ВОМВАУ-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EF/7070/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding b., 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5A, Gr. floor, Goota Bhavan, C Bldg, 93.

Bhulabhai Desai Road, Bombay-400 036,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the una-craigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period sit 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: wed/an
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre few the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 111 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax 4 t. 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5A, Ground floor, Greta Bhavan, C Building, 93,

Bhulabhai Desai Rond. Bembay-400 036.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6035/85-86 on 25-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commiss oner of Incomt-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Act I greby initiate proceedings for the acquisition of the nforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

Dute: 7-2-1986

#### FORM ITNS----

(1) Mes Jayment Development Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Shyam A. Divan.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay38, the 6th February 1936

Ref. No. AR-I/37EF/6994/85-86. - Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax. Act., 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 2 on 13th floor, Jayvani Co op. Hsg. Soc. 1td., Dadarkar Compound, Tulstwadi, Tardeo Road, Bombay-

400 034.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 20-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afroesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 13th floor, Jaywant Co-op. Housing Society Ltd, Dadarkar Compound, Tulsi Wadi, Tardeo Road, Bombay-400 034.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37FE/6560/85-86 on 20-6-1985.

NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-2-1986

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (1) Shri T. N. Srinivasan.

(Transferor)

(2) Shri Shyamsunder Gureja and Smt, Neelam O, Gureja,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6822/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

peing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 13, Sharnagati, 2nd floor, Flank Road,

Sion East, Bombay-22,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered, under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-6-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which heave not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 13, Sharanagati, 2nd floor, Flank Road, Sion East, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6278/85-86 on 6-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-2-1986 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6868/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 25, 414, Industrial Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Bldg. No. 20, Terrace Landing, Bombay-25,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered, under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or anymoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

(1) Mrs. Bhagwanti G. Mahrotri,

(Transferor)

(2) Patrick Mendonca.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferce. (Person whom the undersigned knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 25/414, Industrial Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Terrace

Landing, Building No. 20, Worli, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6417/85-86 on 4-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Rombay

Date: 7-2-1986

#### FORM I'INS---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7090/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

No. Flat No. 68, Bidg. C, Highway Apartments, 6th fl. Sion East, Bombay22,

(and more fully described in the schedule annexed he.eto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act, in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 27-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mapsfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) L. S. Agarwal.

(Transferor)

(2) Mr. Mahendia G. Thakkor.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 68, Bldg, C, Highway Apartments, 6th floor, Sion (East) Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37fiE/6655/85-86 on 27-6-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-2-1986

(1) Amit Enterprises.

(Transferor)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) M/s Huribhai B. Desai.

(Transferce)

# GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INGOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6986/85 86.-- Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[and bearing

No. Unit No. 6 and 7, Ground floor, Unit No. 4 in-basement, Amit Indl. state, Parel, Bombay-12, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 19-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason tobelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration and the consideration for such transfer as agreed to be tween the parties has not been truly stated. instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. 6, 7, Ground floor and Unit No. 4 in basement, Amit Industrial Estate, 61, S S Rao Road, Parel, Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/6552/85-86 on 19-6-1985

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :---

Date: 6-2-1986

#### FORM ITNS...

(1) Shri Pradip G. Palekar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) Smt. Kusum V. Agashe.

(Transferee)

(3) Rajan V. Agashe.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY-38** 

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6815/85-86,—Whereas, I,

NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the Said Act; have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 9, Building No. 11, Tenants Co-op.
Housing Soc. Ltd., Samartha Nagar, Chunabhatti, Bombay-22, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the social Act in the Office of the Computent section 269 AB of the said Act. in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 9, Building No. 11, The Tenants. Co-op. Housing Society Itd., Samartha Nagar, Chunabhatti, Bombay-400 022.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6182/85-86 on Authority, 4-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Scal:

Date: 8-2-1986

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

#### FORM ITNS

- (1) Mrs. Anandkumari R. Chawla.
- (Transferor)
- (2) Shri Hasmukh K. Doshi.

(Transferce)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY-38

Bombay-38, the 8th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6860/85-86.—Whereas, I, NISAR AI MFD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tay Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 1109, Bldg. A. Bhagnari CHSL, Duncan Causeway Road, Chunabhatti, Bombay-22. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 260 AB of the said Act, in the Office of the Competent

section 260 AB of the said Act, in the Office of the Competent

Bombay or 4-6-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in re nect of any income arising from the stransfer: ar 1/or
- (b) In ditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Flat No. 1109, Bldg. A. Bhagnari CHSL, Duncton Causeway Road, Chunabhatti, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6410/85-86 on 4-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, the efore in pursuance of Section 269C of the said Act, I here'v initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid reporty by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the Malowing person anguely:— 115-516G1/85

Date: 7-2-1986

Scal:

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(1) D. N. Dariwala,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Navroze E. Fanthaki and Mrs. Coomi N. Panthaki.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6874/85-86.---Whereas. I. MISAR AHMED,

the Income to Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, 4th floor, Coover Villa, Khareghut Rd., Dadar Parsy Colony, Bombay, (and more fully decribed to the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 260 AB of the anid Act, in the Office of the Competent Authority of Authority of

Bombay en 12-6-1985 and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in accord of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which curbt to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2, 4th floor, Coover Villa, Kharaghat Road, Dadar Parsy Colony, Bombay, Survey No. 561/10 of Matunga Divn.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6307/85-86 on 12-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saw Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the jesus of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dute: 7-2-1986

Soal:

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Sanjay Entercrises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1951)

(2) Mrs. Meena I. Vaghani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bomboy-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6862/85-86.--Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flat No. 43, 414 floor, Anil Aptt. College Gully, Dadar Bombay-28

(and more fully de cribed in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bembay on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacattating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the understanced :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this other in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expans later,
- (b) by any other person interested in the said immove able property within 45 days from the dire of the publication of this notice in the Official Gizette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used orders to ero defined in Chapter VAA it is was Act, shall have the same tarantity is given in that Christer.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 43, 4th floor, Anil Apartment, College Gully, Dadar, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37E/6/12/85-86 on 4/6/1985.

> NISAR AHMED Computent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-2-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6824/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. B-3, Gr. floor, Shri Ram Industrial Estate, 13, G. D. Ambedkar Road, Wadala, Bombay-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr Natvarlal H. Mistry

(Transferor)

(2) M/s Kewlani & Co.

(Transferee)

(3) Transferec.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Unit No. B-3, Ground floor, Shri Ram Industrial Estate, 13, G D Ambekar Road, Wadala, Bombay-31,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37E/6280/85-86 on 6-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-2-1986

(1) Mr. Gopaldas K. Punjabi

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Mrs. Bharti N. Taneja.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay-38, the 7th February 1986

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AA-I/37EE/6865/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Auhtority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinniter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Flat No. 5. 5, 5th fl. Bhagnari CHSL, Duncan Causeway

Road, Chunabhatti, Bombay-22

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarnsfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

# THE SCHEDULE

Flat\_No. 506 on 5th floor, Bhagnari Co-op. Hsg. Ltd., Duncan Causeway Road, Chunabhatti, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6414/85-86 on 4-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in oursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-2-1986

(1) Mr. Yusuf Abdulla Patel

(Transferor)

(2) M/s. Sudhir Diamonds

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7087/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. Flat No. 2 on 13th fl. Patel Tower, Worli Campa Cola Campogud, B. G. Kher Road, Bombay-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 259AB of the Said Act in the Office of the Competent

section 2.9AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 13th floor. Patel Tower, Worli Campa Cola Compound, B. G. Kher Road, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6652/85-86 on 27-6-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Bombay

Date: 7-2-1986

Scal:

#### FORM ITNS ...

(1) R. T. Mehta Construction Co.

(Tarnsferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shantilal H. Ganjar

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6803/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. B-503, Vikas Bldg. Juction of A G Pawar Lane and Chinchpokli X Road, Byculla, Bombay-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is resistered under (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 209AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985 for an apparent consideration with his less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of

transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. G/503, Vikas Bldg. Junction of A G Pawal Lane & Chinchpokli Cross Road, Byculla, Bombay-27.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6261/85-86 on 4-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-2-1986

(1) R. T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Padmavati V. Trivedi

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6789/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing Flat No B/602, Vikas Bldg, Anant Ganpat Pawar Lane 2 & Chinchpokli X Road, Byculla, Bombay-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred to the second transferred transferred to the second transferred transferred to the second transferred transferred transferred to the second transferred transferred transferred to the second transferred transferr has been transferred and the agreement is registered under

Authority at Bombay on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aformald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. B/602, Vikas Building B, 6th floor, Junction A G Pawar Lane 2, & Chinchpokli X Road, Byc Byculla, Bombay-27.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/5192/85-86 on 4-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate processing, for the acquisition of the aforesaid property by the issue I this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-2-1986

FORM LT.N.S.—

(1) Mr. Anand P. Jadhav

(Transferor)

(2) Mrs. Chetna R. Shah

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6797/85-86.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs, 1,00,000/- and bearing
Flat I'G No. 9, Gr. floor, Bldg. No. 1, Navyug Nagar
Forjett Hill Road, Bombay-36.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor bv than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the noise in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette.

HX ANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. F/G No. 9, Ground floor, Bldg. No. 1, Navyug Nagai CHSI., Forjet Hill Road, Bombay-36,
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-1/37EE/6255/85-86 on 4-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2601 of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-2-1986

Scal:

116-516GI/85

(1) Sarita S. Kothari, Rekha S. Jain Sanjay S. Kothari.

(Transferoi)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Shri Sevantilal H Parekh, St. Manjula S. Parekh, Jitesh S. Parekh, Bikal S. Parekh. (Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

# Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Bombay-38, the 7th February 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/6878/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

> FYPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair Rs. 1,00,000/- and bearing having a fair market value exceeding

that Chapter.

Flat No. 201, 2nd floor, Anuj Apartments, Kranti Marg, Gowalia Tank, Bombay-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 12-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

#### THE SCHEDULE

Flat No. 201, Anuj Apartment, 2nd floor, August Kranti Marg, Gowalia Tank, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-J/37EE/6311/85-86 on 12-6-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under unbeaction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-2-1986

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6988/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 102, Anui Apartment, 1st- floor, August Kranti

Marg, Bombay-36

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under secion 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Auhority at Bombay on 19-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Miss Sujata M. Kothari, Shri Mansukhlal M. Kothari, Father & Natural Guardian of Sonal M. Kothari Ors.

(2) Mr. Pradip R Shah, Mrs. Subhadra R. Shah, Dhiren R. Shah, Umesh R. Shah & Dinesh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 102, Anuj Apartments, 1st floor, August Kranti Marg, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6554/85-86 on 19-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now meretore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-2-1986

#### FORM I.T.N.S .-

(1) Viresh N Laliwala

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) QSS Color Processors Pvt. Ltd.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6851/85-86,-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Indl. Unit No. 220, 2nd fl. T.V. Industrial Estate, Plot No. 248(A), Junction of Sudam Kalu Ahere Marg, Worli Road, Worli, Bombay-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered uder section 269AB of the Said Ac in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the consideration therefore by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 220 on 2nd floor, T V Industrial Estate, Plot No. 248(A) Junction of Sudam Kalu Marg, Road, Behind Glaxo, Worli, Bombay-18.

The agreement has been reigstered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/6400/85-86 on 4-6-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Dae: 7-2-1986

# FORM I.T.N.S.-

#### (1) M's Thakoor Constructions

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Mr. Mohan Shankar Varde & Miss Laxmi M $\mathbf{V}$ arde

#### (Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6817/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12-A, 1st floor, A-Wing, Purushottam Towers, Off Gokhale Road (S) Dadar, Bombay-28

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registerd under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely: -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 12-A on 1st floor, A Wing, Purushottam Towers, Off Gokhale Road (S) Dadar, Bombay-400 028.

The agreement has been reigstered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6274/85-86 on 6-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range,I. Bombay

Dae: 7-2-1986

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# Aminsha M. Kothari (Father & Natural Guardian) Madantal M. Kothari and Madanlal M. Kothari,

(1) Chetan M. Kothari, Dharmesh M. Kothari

(Transferor)

(2) Mayur R. Mehta, Samir R. Mehta & Vimish R. Mehta.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I 37EE/6989/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 202, Anuj Apartment, 2nd floor, August

Kranti Marg, Bombay-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 202, Anui Apartment, 2nd floor, August, Kranti Marg, Bombay-400 036.

The agreement has been reigstered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6555/85-86 on 19-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dae: 7-2-1986

(1) M/s. Mittal Construction Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rajeudra Kumar Baid & Mrs Basanti Devi Sethia.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-38, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6934/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 90,000/- and hearing

Flat No. 32, 3rd floor, Aarti Building, Tardeo Road, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 14-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- the facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 32, 3rd floor, Aarti Building, Tardeo Road, Bombay The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/6502/85-86 on 14-6-1985.

NISAR AHMI''
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 6-2-1986

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Mr. Ambalal G. Patel.

(Transferor)

- (2) Mr. Hitesh Manharlal Shah & Mrs Meena Pankai Shah.
- (3) Apama Society, Naranpura, Ahmedabad.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay-38, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6852/85-86.—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1361 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 106, Sahakar Niwas, The Modern Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 20, Tardeo Road, Tardeo, Bombay-34. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Ambority. Authority

at Bombay on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 106, Sahakar Niwas, The Modern Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 20, Tardeo Road, Tardeo, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6408/85-86 on 4-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay...

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the wid Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-2-1986

range et al company de la comp

### FORM ITNS -

(1) M/s. Sky Agencies.

(Transferor)

(2) M/s. Lishas Arts.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-38, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6778/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Factory Unit No. 320, Milan Industrial Estate, Cotton Green Rembay 23

Green, Bombay-33.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have resson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wester-tax Act, 1957 (27 of 1957):

by easy of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

ever period expires later:

(b) by sing other person interested in the said immer-able property, within 45 stays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EPLAMATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Factory Unit No. 320, Milan industrial Estate, Green, Bombay-33.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/6244/85-86 on 1-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay...

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under su section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— 117GT/85

Date: 6-2-1986

Scal:

(1) Messrs. Todi Industries Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bindu Paras Sheth,

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I **BOMBAY**

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6480/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Office No. 203, Vyapar Bhavan, 49, P. De'Mello Road,

Bombay-9.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-6-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 203, 2nd floor, Vyapar Bhavan, 49, De'Mello Road, Bombay-400 009.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6333/85-86 on 1-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Date: 6-2-1986

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L BOMBAY

Bombay-38, the 6th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6883/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 15, Garage No. 4, Seagreen Co-op. Hsg. Soc., Worli Seaface, Bombay-18.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

at Bombay on 12-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Mrs. Vera Misra alias Mrs Vera Ames. (Transferor)

(2) Mrs. Sandeep Chopra.

(Transferce)

(3) M/s. New Standard Engg. Co. Ltd. (Person in occupation of the property)

(4) Transferce.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Flat No. 15, Garage No. 4, Seagreen Co-op. Hsg. Soc., Worli Seaface, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/6315/85-86 on Competent 12-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay...

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 6-2-1986

(1) Shri M. S. Sabnani & Shri V. S. Sabnani. (Transferor)

(2) Shui G. L. Jain.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### AKENE TO THEMNASTOO

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-38, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6768/85-86,--Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. E-6, Block No. 2, Mira Mansion Co-op. Hsg. Soc.

Ltd., Plot No. 29B in the Sion Matunga Scheme No. 6, Sion Bombay-400 002.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) inclinating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolth-tas Act, 1937 (27 of 1897);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. E-6, 4th floor, Mira Mansion Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Plot No. 29B in the Sion Matinga Scheme No. 6, Sion Bombay-400 002.

The agreement has been registered by the Competent Authorit, Bombay under No. AR-I/37EE/6234/85-86 on 1-6-1985.

> **NISAR AHMED** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay...

Date: 6-2-1986

Scal:

#### FORM ITNS----

(1) Jayesh N. Laliwala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) QSS Color Processors Pvt. Ltd.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY-38

Bombay-38, the 1th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6850/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 219, 2nd floor, T.V. Industrial Estate. Plot No. 248 (A), Junction of Sudam Kalu Ahere Marg, Worli Road, Worli, Bombay-18, (and more fully described in the Schedule approved hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-6-1985 for an upparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have got been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 219 on 2nd floor, T.V. Industrial Estate, Plot No. 248(A), Junction of Sudam Kalu Ahere Marg. Worli Road, Behind Glaxo, Worlim Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-1/37EE/6306/85-86 on

NISAR AMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-2-1986

#### FORM ITNE

(1) Mrs. Mohini Mahajan,

(Transferor)

(2) QSS Investors Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6849/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the inc. me-tair Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Basement Unit No. 23, T.V. Industrial Estate, Junction of Sudam Kalu Ahere Marg & Worli Road, Bombay-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Au hority at Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferond/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Basement Unit No. 23, T.V. Industrial Estate, Junction of Sudam Kalu Abere Marg & Worll Road, Bombay-18,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-1/37EE/6305/85-86 on 6-6-1985

NISAR AMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-limited (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-2-1986

(1) Mr. Nandlal H. Chawla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) M/s. Payal Enterprises.

(Transferce)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANGE-I. **BOMBAY**

Bombay-38, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6947/85-86.--Whreas, I.

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 503, 5th floor, Vyapar Bhavan, 49 P.De'Mello Road, Bombay-9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Compctent Authority at

Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/ec
- (b) facilitating the concealment of any income or any rationals or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 503, 5th floor, Vyapar Bhavan, 49, P. DE' Mello Road, Bombay-9.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-1/37EE/6514/85-86 on 17-6-1985.

NISAR AMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-2-1986

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7002/85-86.--Whereas, I. NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11, Gr. floor, Matunga Kamalkunj CHSL 582, Jame Jamshed Road, Matunga, Bombay-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

tent Authority at Bombay on 21-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of I-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; vol/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Kamlavati M. Mehta.

(Transferor)

(2) Smt, Vimlaben V. Sheth & Shri Pravin V. Sheth

(Transferee)

(3) Transferees. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thus notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 11 on ground floor, Matunga Kamalkunj Coop. Housing Soc. Ltd. 582, Jame Jamshed Road, Matunga, Bombay-400 019

The agreement has been registered by the Competent Bombay under No. AR 1/37FE/6568/85-86 on Authority, 21-6-1985.

> NISAR AMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection: (1) of Section 26910 of the said Act, to the followthe persons, namely :--

Date: 7-2-1986

Scal:

(1) R. T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

(2) Tushar V. Trivedi.

Gazette.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37HE/6720/85-86.—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - find bearing No. Flat No. B/603, 6th floor, Vikas Bldg., Junction of AG Pawar Lane & Chinchpokli X Road, Byculla, Bombay-27 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-6-1935 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than written per cent of such apparent consideration and that we consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of number with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the limiting of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the

date of the publication of this notice in the Official

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. B/603, 6th floor. Vikas Bldg. Junction of Arant G. Pawar Lane & Chinchpokli X Road, Byculla, Bombay-27. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-/37EE/6193/85-86 on 4-6-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Rombay

Date: 7-2-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

118-516G1/85

Smt. Manjula S. Parekh. Jitesh S. Parekh, Binal S. Parekh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rajendra Ramlal Barot, Hansa R. Barot.

(1) Sevantilal H. Parekh.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7016/85-86.--Whereas, 1, NIŞAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Flat No. 201, Anuj Apartment, August Kranti Marg,

Bombay-36

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement in registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22-6-1935

Competent Authority at Bombay on 22-6-1935 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration that the consideration for such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ADĀ/OT

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been are which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1847 (27 of 1847). Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 201, Anuj Apartment, August Kranti Marg, 2nd floor, Gowalia Tank, Bombay-400 036.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6582/85-86 on 22-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 7-2-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# (1) Jasmine M. Kotharu, Anuj M. Kothari, Mohaulal M. Kothari (Fatla) & Natural Guardian & Mohanlal M. Kothari (HUF).

(Transferor)

(2) Shri Praful M. Vora & Smt, Harsha P. Vora.

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6825/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing

Flat No. 101, Anuj Apartment, 1st floor, August Krantl

Marg, Bombav-36

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the

Competent Authority at Bombay on 6-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 101, Anuj Apartment, 1st floor, August Kranti

Marg, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6281/85-86 on 6-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay

Date: 7-2 1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Piloo R. Soonawala.

(Transferor)

(2) Dr. Mrs. Mehru H. Karanawala.

(Transfere

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

#### ACQUISITION RANOF-I BOMBAY-38

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EF/6949/85-86.--Whereas, I. NISAR AHMED, heige the Competent Authority under Section 2691

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 52, 5th floor, Shilpa Apartments, Plot Nos. 4, 5 &

14 of Matunga Division, Bombay-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 52, 5th floor, Shilpa Apartments, Plot Nos. 4, 5 & 14 of Matunga Division, MMGS Marg, Dadar (C.R.)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer and/er

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under No. AR-I/37EE/6516/85-86 on 17-6-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-2-1986

Bombay-14.

(1) Amit Enterprise.

(2) M/s. Hemong Printers.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7100/85-86. --Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 301, 3rd floor, Amit Industrial Estate

Parel, Bombay

(and more fully described in the Schedule annixed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act to the following julium, namely :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Unit No. 303, 3rd floor, Amit Industrial Estate, 61, SS Rao Road, Parel, Bombay-400 012.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37FE/6665/85-86 on 28-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay

Date: 6-2-1986

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-38

Bombay, the 7th February 1986

Rcf. No. AR-1/37EE/6999/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11, Plot No. 254, Kingsway House, Flank Road, Sion (East), Bombay-22. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. P. R. Jadhav.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Pamela Vasandani.

(Transferce)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 11, Plot No. 254, Kingsway House, Flank Road, Sion (East) Bombay-400 022.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6565/85-86 on 21-6-1985.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 7-2-1986

Scal:

#### FORM ITNS----

(1) Shri Ranjeetmal P. Sanghvi.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gautamchand Uttamchandji and Shri Rajendrakumar Uttamchandji,

whichever period expires later;

(Transferec)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6928/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

the Competent Authority under Section 269B of the Inconne-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000fil- and bearing No.

Flat No. 501, Vimlachal, 5th floor, Moti Shah Lane, Byculla,

Bombay-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority |

at Bombay on 13-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 501, Vimlachal, 5th floor, Moti Shah Lane, Bombay-27.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6497/85-86 on 13-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Scal:

Date: 6-2-1986

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

FORM ITNS-----

(1) M/s. Rajesh Motors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajesh R. Shah.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY-38

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6834/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 502 on 5th floor, Shaila CHSL, Hains Road, Worli Naka, Bombay-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority Authority

at Bombay on 6-6-1985

at hombay on 6-0-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of the said in the said instrument of transfer with the object of the said in instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any rnoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as gives in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 502 on 5th floor of building known Shaila CHSL, Hains Road, Korli Naka, Bombay-400 018.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Pombay, under No. AR-1/37EE/6290/85-86 on 6-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 7-2-1986

May to the commence of the com FORM ITNS--

(1) M/s Sai Siddhi Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

(2) Mrs. Laxmi S. Bandiwdekar.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37HE/6956/85-86.-Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 1, Gr. floor, A Wing, Bldg. at Todankarwadi, Old

Prabhadevi Road, Bombay-25 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority Authority

at Bombay on 17-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, A Wing, Bldg. at Todankar Wadi, Old Prubhadevi Road, Sonapur Lane, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6522/85-86 on 17-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 119-516GI/85

Date: 7-2-1986

### FORM ITNS-

(1) M/s Handloom Fabrics Corporation.

(Transferor)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### MEDIAN ACI, ISEI (45 OF ISEI)

(2) Smt. Sarla Tanwani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA (3) Transferor.

(Person in occupation of the property.)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7062/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. E-19, Everest Bldg. Tardeo, Bombay-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority Authority at Bombay on 25-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office Premises No. E-19, Eeverst, Tardeo Everest Premises Co-op. Ltd., 156, Tardeo Road, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6627/85-86 on 25-6-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269° of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of 'his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, 25 the following persons, namely:—

Date: 6-2-1986

(1) Mr. Ratindra D. Bhatt,

(Transferor)

(2) Mrs. Nilam Damodardas Shah,

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPETCING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6890/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Office No. 40, Fourth floor, Tardeo Air-Conditioned Market,

Tardeo, Bombay-400034

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 12-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a persod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

### THE SCHEDULE

Office No. 40, Fourth floor, Tardeo Air-Conditioned Market, Tardeo, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6461/85-86 on

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Aut, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/4931/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 506, Dharam Palace, 100/103, Hughes Road, Gamdevi, Bomblay-7 (and proper fully described in the Setables and the second section of the second second

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

(1) Smt. Jayaben Chimanlal Waghela and Shri Chimanlal Zaverbhai Waghela,

(Transferor)

(2) M/s Livingstones, Nartners: Shri Sandip D. Kothari, Shri Pankaj N. Kothari.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 506, Dharam Palace, Hughes Road, Gamdevi, Bombay-400 007.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6324/85-86 on 6-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-2-1986

(1) Shri Gangadas Pragji Mehta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shashwat Trading Co. Ltd.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY-38

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-J/37EE/6996/85-86.--Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Room No. 3, 2nd floor, Himalaya House, 79, Paltaon Road,

Bombay-1

(and more fully described in the Schedule, annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of he Competent Authority at

Bombay on 20-6-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Room No. 3, 2nd floor, Himalaya House, 79, Paltan Road, Bombay-400 001.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6562/85-86 on 20-6-85.

> NISAR AHMED Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 6-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF DEDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMU SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6455/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 302, Cornelian, 104, August Kranti Marg, Kemps

Corner, Bombay-400 036

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered up section 269AB of the Said Act in the Office of the Compa-

tent Authority at Bombay on 17-6-1985

for an appearent consideration which is less than the fair market vidue of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (z) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in st of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any monoye or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 2090 of the raki Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under seb section (1) of Section 269D of the said Act, to the followtor person, namely :--

(1) Mr. Shailesh R. Kharidia, Mrs. Meena S. Kharidia Mrs. Nirmalaben R. Kharidia

(Transferor)

- (2) Mr. Dilipkumar T. Shah & Mrs. Asha D. Shah
- (3) Transferors (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 302, Cornelian. 104, August Kranti Marg, Kemps corner, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6522/85-86 on 17-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 6-2-1986

### (1) Shah Chimanlal Ranchhoddas

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Suresh Chunilal Shah & Narendra C. Shah (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the sequisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY-38 Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6976/85-86.--Whereas, I

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Rs. 1,00,000/- and bearing
Room No. 27 & 28, 2nd floor, Hanuman Bldg., Nakhoda

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Street, Bombay-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Commetent Authority at Bombay on 18-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-two Act, 1957 (27 of 1987);

### THE SCHEDULE

Room No. 27 & 28, 2nd floor, Hanuman Building, The Association of the Hanuman Building Premises Owners Pvt. Ltd. Tambakath, Nakhoda St., Bombay-3.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6543/85-86 on 18-6-1985.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1. Bombay

therefore, in pursuance of Section 269C of the said hereby initiate proceedings for the acquisition of the aid property by the issue of this notice under sub(1) of Section 269D of the said Act, to the following as namely:

Dated: 6-2-1986

#### FORM TINS-

(1) M/s. Amit Enterprises (2) Mr. Kishore Lekhraj

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7101/85-86.--Whereas, I. NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 207, Amit Industrial Estate, 61, S. S. Rao Road, Parel, Bombay-12

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Comictent Authority at

Bombay on 28-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (t) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. 207, 2nd floor, Amit Industrial Estate, 61 S 5 Rao Road, Parel, Bombay-12.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-I/37EE/6666/85-86 or 28-6-1985.

> NISAR AHME Competent Author t Inspecting Assistant Commissioner of Income I Acquisition Range-I, Bor

Dated: 6-2-1986

### FORM ITNS-

### (1) Vimla Arora

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mukesh M. Shah, Jitendra M. Shah, Mrs. Nirmalaben J. Shah, Mrs. Rupal Mukesh Shah, Miss Nita M. Shah, Mrs. Jagruti J. Shah. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

### (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expire, later

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-

Bombay, the 6th February 1986

cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-I/37EE/6995/85-86.--Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No. 46, 4th floor, Empire Estate Building, Kemps Corner, Rembers 36.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

Bombay-36 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Compe-

tent Authority at Bombay on 20-6-1985 to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Suid Act in respect of any income arising from the transfer;

### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any moone or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 46, 4th floor, B Block, Empire Estate Bldg., Kemps corner, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6561/85-86 on 20-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ction (1) of Section 269D of the said Act to the following the same of the said Act to the following the same of the said Act to the said section to

Dated: 6-2-1986

Seal :

0-516GI/85

(1) M/s. Laxmanshila Co-op. Housing Society Ltd. (Transferor)

(2) Shri Ravishankar J. Bagaria, Shri Omprakash J. Bagaria & Smt. Sharda R. Bagaria.

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-1. BOMBAY-38

Bombay, the 6th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6770/85-86.—Whereas, I NISAR AHMED,

being the Co apetent Authority under Section "19AB of the Incone-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable protecty, having a fair market value exceeding

Re: 1.00,000/- and bearing Flat No. 1-D, 1st floor, 70 Pochkhanwala Road, Worli, Bombay-25

tend more fully discribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered thate section 269AB of the Said Act in the Office of the Courte tent Authority at

Bombay on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (97 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following parsons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a partie's of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sair management property, within 45 days from the date of the publicalling of this riches in the Official Galities.

ETHERMATION -- The terms and expressions used herein .... are Jofined in Chapter "X/ " the said Act, shall have the course mounting as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1-D, 1st floor, 70 Pochkhanwala Road, Worli, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6236/85-86 on 1-6-1985.

> NISAR AHMEI Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-ty Acquisition Range-I, Bomi

Dated: 6-2-1986

(1) Mr. A. G. Samson,

(Tarnsferor)

(2) Chandrakant B Chheda & Smt. Hema C. Chheda. (Transferce) NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

### INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th rebruary 1986

of. No. AR-1/37(1/6818/85-86,---Whereas, I.

NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the

income-tax Act, 1961 443 of 1964, (buildnafter referred to the build Act), have been been a fair market value

Pas. 1,00,000/- and bearing flat No. 1429, Bldg. No. 56, M.I.G. Adarsh Nagar Co-op. lookity, Prable levi, Born's y-25, and more 100y dearbal in the affective annexed bereto), has been transferred and fir against is registered under region 269AB of the Stad Act in the Office of the Competent Authority at

Pombay on 6-6-1985

or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer) and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transfered for the purposes of the indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the forcanid property by the issue of this notice under sub-tion (1) Section 269D of the said Act, to the following s. namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ojections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Concerns.

Explanation :--- The terms and expressions used haven as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the name meaning at given in that Chapter-

### THE SCHEDULE

Flat No. 1429, Bldg. No. 56, MIG Adarsh Nagar Co-op. Society, Prabhadevi, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6275/85-86 on 6-6-1985

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Dated: 7-2-1986.

(1) M/s. Sanjay Enterprises.

(2) Mrs. Indus P. Shah.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, **BOMBAY-38** 

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6829/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 51, 3rd floor, Anil Apartment, College Gully,

Dadar, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; in//ec
- (b) facilitating the concealment of any income or any motisting or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ъстооць, пасаеly :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the taid: Act, shall have too same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 31, 3rd floor, Anil Apartment, College Gully, Dadar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6285/85-86 on 6-6-1985.

> NISAR AHMED. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Bombay

Dated: 7-2-1986.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6844/85-86,--Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Gala No. 119, Bharat Indl, Estate, T J Road, Sewrce,

Bombay-15

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- .(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 111 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under subsection (1) I Section 269D of the said Act, to the following ner-uns namely:

'21--516GI /85

(1) Ramson's Rubber Products Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Werna Apparels & Mercantile Pvt. Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Gala No. 119, Bharat Industrial Estate, T J Road, Sewree, Bombay-15.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6300/85-86 on 6-6-1985,

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 7-2-1986

(1) Shri S C Gandha,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kasturi Varadraj Nayak.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/8599/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED

NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 9, 1st floor, Vrindavan, Sion Road, Bombay-22 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Authority at

Bembay on 1-11-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more ann fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which waght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta; Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 9, 1st floor, Vrindavan, 271, Sion East, Bombay-22. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/8098/85-86 on 1-11-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 7-2-1986.

### FORM ITNS----

(1) M/s. Cine Studio.

(3) Transferce.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Nasimbanu Khayalbaz.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/37EE/6831/85-86,--Whereas, I. NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'unid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 204, 2nd floor, Neelkant Apartment, G. Pasta Road, Dadar, Bombay-14

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-6-1985

Bombay on 6-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to betieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (o) meditating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Plot No. 204, 2nd floor, Neelkant Apartment, Gokuldas Pasta Road, Dadar, Bombay-14,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR 1/37EE/6287/85-86 on 6-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 7-2-1986.

(1) Shri L. H. Chelloney.

(Transferor)

(Transferca)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SJONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

### ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-1/371.E/6866/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1106, Bhagnari CHSL, Duncan Causeway Road,

Chunabhatti, Bombay-22 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer.

(b) twilnuting the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Mr. Kishore R Sheth & Mr. Jayantilal R Sheth.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of Seties of the perpetive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat No. 1106, Bhagnari Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Duncan Causeway Road, Chunabhatti, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6415/85-86 on 4-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Dated: 7-2-1986.

Soul:

### FORM ITNS .--

(1) M/s. Jaywant Development Corporation,

(Transferor)

(2) Mr. Jamnadas T Parekh & Mrs. Hemangini D Shah.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 6th February 1986

Rev. No. AR-I/37E1/7063/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED

peing the Competent Authority under Section 269B of the noome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

operty having a fair market value exceeding (s. 1,00,000%) and bearing lat No. 2 on 3rd floor, Jaywant Apartments, Dadarkar ompound. Tulsiwadi, Tardeo Road, Bombay-34 and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred and the agreement is registered under ection 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Luthority at **Lutho**rity at

tombay on 25-6-1985 compay on 25-6-1985
or an apparent consideration which is less than the fair narket value of the atoressid property and I have reason to elieve that the fair market value of the property as aforeside exceeds the apparent consideration therefor by more can fifteen per cent of such apparent consideration and that to consideration for such transfer as agreed to between the artist has not been truly stand in the mid instrument of ansfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor; HING/OF
- (B) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deemed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given In that Chapter

### THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 3rd floor, Jaywant Apartments, Dadarkar Compound, Tulsi Wadi, Tardro Road, Bombay-400 034, The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No AR-1/37EE/6628/85-86 on 25-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following reens, namely :--

Date: 6-2-1986

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6823/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (nereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. B-1, Gr. fl., Shri Ram Indl. Estate, 13, (5) D. Ambekar Road, Wadala, Bombay-31 (and more fully described in the Schedule annexed brieflo), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 6-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferors and transferees has not been truly stated in the said instrument of transfer with the said instrument with the said in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Mr. Vanmalidas II Mistry.

(Transferor)

(2) Mr. Gordhan V. Kewlani, HUF & Mr Girish I

(Transfere

Objections, if any, to the acquisition of the said proper may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notic in the Official Gazette or a period of 30 da; from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovab property, within 45 days from the date of the pub cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the state, shall have the same meaning given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Unit No. B-1, Gr. floor, Shri Ram Industrial Es G D Ambekor Road, Wadala, Bombay-31.

The agreement has been registered by the Comp Authority, Bombay, under No. AR-1/37EE/6279/85-86 6-6-1985.

> NISAR AHI Competent Auti Inspecting Assistant Commissioner of Incom Acquisition Ra

Dated: 7-2-1986.

### FORM ITNS----

(1) M/s. Century Enterprises,

(Transferor)

OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nirmala Wd/o, Late Shri Shivbahadur Singh. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

### DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-38

Bombay-38, the 7th February 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6904/85-86.—Whereas, I, IISAR AHMED

eing the Competent Authority under Section 269B of the nome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 5 the 'said Act'), have reason to believe that the immov-ble property, having a fair market value exceeding is 1.00.000/- and bearing lat No. 204, 2nd Il. Bhawani Complex B Bldg., Bhavani hankar Road. Dadar (W), Bombay-28 and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred and the agreement is regulared under

as been transferred and the agreement is registered under ection 269AB of the Said Act in the Office of the Compe-

on an apparent consideration which is less than the fair arket value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as oresaid exceeds the apparent consideration therefor by more an fifteen per cent of such apparent consideration and that e consideration for such transfer as agreed to between the erties has not been truly stated in the said instrument of ansfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aci, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

Flat No. 204, 2nd floor, Bhavani Complex, B, Bhavani Shankar Road, Dadar, Bombay-28.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-I/37EE/6475/85-86 on 12-6-1985

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

low, therefore, in pursuance of Section 269C of the said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the caud property by the issue of this notice under sub-sec(1) of Section 269D of the said Act, to the following ons, namely :-

Dated: 7-2-1986.

LAXMANDAS.

#### FORM IINS-

(1) Smillsh W. Mehta,

والمجاورة فيها والمراجعين بالمراجع والمراجع والمراجع والمراجع والمراجع والمراجع والمراجع والمراجع والمراجع والمراجع

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Kaluram K, Vishwakarma & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said prox may be made in whiting to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 3, or from the service of hotics on the respective persons whichever period expires later;

### ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 15th January 1986

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein a

Ref. No. ARIV/37FE/20192/85-86.—Whereas, 1,

are defined in Chapter NAA of the sal in that Chapter.

Leans the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 4, Neeldhara Bldg., Devidas Road, Borivli (W), Bomboy-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered uncersection 269AB of the Said Act in the Office of the Come tent Authority at Bombay on 1-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 4, Neeldhara Bldg., Devidas Road, Borivli (4 The agreement has been registered by the compet

Authority, Bombay under No. ARIV/20192/85-86 on 1- $\epsilon$ 

LAXMANI Competent Auth-Inspecting Assistant Commissioner of Incom-Acquisition Rana

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said not 1 hereby initiate proceedings for the sequisition of the accretaid property by the issue of this cotice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 15-1-1986